वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2014-15

साथ चलें - आगे बढ़ें
RACING TOGETHER - RACING AHEAD

BARODA NEXT
STATE-OF-THE-ART. STRAIGHT FROM THE HEART.
www.bankofbaroda.co.in

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank

मुख्य महाप्रबंधक	Chief General Managers
आर.एस.सेतिया	R S SETIA
एस.कल्याणरामन	S KALYANARAMAN
के.एन.मानवी	K N MANVI
जे.डी.परमार	J D PARMAR
महाप्रबंधक	**General Managers**
आर. एस. अभ्यंकर	R S ABHYANKAR
डी. के. गर्ग	D K GARG
यू. के. बीजापुर	U K BIJAPUR
निर्मेष कुमार	NIRMESH KUMAR
एल. एम. अस्थाना	L M ASTHANA
यू. सी. सिंघवी	U C SINGHVI
डी. पी. त्रिवेदी	D P TRIVEDI
ई.एच. रहिमान	E H RAHIMAN
आर. के. अरोरा	R K ARORA
एस. एस. घाग	S S GHAG
सुश्री विंध्या आर. विट्टल	Ms. VINDHYA R. VITTAL
ए. के. गर्ग	A K GARG
प्रभात अग्रवाल	PRABHAT AGARWAL
विपन महाजन	VIPAN MAHAJAN
संजय अग्रवाल	SANJAYA AGARWAL
एस. ज्ञानवेल	S GNANAVEL
वी. एन. धवन	V N DHAWAN
एम.वी. देशपांडे	M V DESHPANDE
वी. एस. नारंग	V S NARANG
आर. एल. गुट्टीकर	R L GUTTIKAR
के. वेंकटश्वरलू	K VENKATESWARLU
आर. के. गुप्ता	R K GUPTA
एन. दामोदरन	N DAMODARAN
एम. भूंया	M BHUYAN
एन. के. श्रीवास्तव	N K SRIVASTAVA
एम. एल. शर्मा	M L SHARMA
जी. बी. भुंया	G B BHUYAN
जे. के. दास	J K DAS
आर. के. सोनी	R K SONI
सुश्री वी. रुक्मिणी	Ms. V RUKMINI
एच. एस. शर्मा	H S SHARMA
एन. सी. उप्रेति	N C UPRETI
एस. के. अरोरा	S K ARORA
ई. एफ. टक्कर	E F TUCKER
ए. के. सिंगला	A K SINGLA
एस. श्रीधरन	S SRIDHARAN
एस. के. गुप्ता	S K GUPTA
राधाकांत माथुर	RADHAKANT MATHUR
अशोक अनेजा	ASHOK ANEJA
राजू गुप्ता - मुख्य सतर्कता अधिकारी	RAJU GUPTA - CHIEF VIGILANCE OFFICER

लेखा परीक्षक / Auditors

कृते खंडेलवाल जैन एण्ड कं.
सनदी लेखाकार

For Khandelwal Jain & Co
Chartered Accountants

कृते केएएसजी एण्ड कं.
सनदी लेखाकार

For KASG & Co.
Chartered Accountants

कृते वाही एण्ड गुप्ता
सनदी लेखाकार

For Wahi & Gupta
Chartered Accountants

कृते एस आर गोयल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार

For S R Goyal & Co.
Chartered Accountants

कृते एम बी अग्रवाल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार

For MB Agarwal & Co.
Chartered Accountants

कृते रोडी डाबीर एण्ड कं.
सनदी लेखाकार

For Rodi Dabir & Co.
Chartered Accountant

प्रधान कार्यालय

बड़ौदा हाऊस, माण्डवी, वड़ोदरा 390 006.

बड़ौदा कार्पोरेट सेन्टर

सी-26, जी-ब्लॉक, बान्द्रा-कुर्ला कॉम्पलेक्स, बान्द्रा (पू.),
मुंबई 400 051.

निवेशक सेवाएं विभाग

तृतीय तल, बड़ौदा कार्पोरेट सेंटर, सी-26, जी-ब्लॉक,
बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पू), मुंबई 400 051.

रजिस्ट्रार एवं अन्तरण एजेंट

मै. कार्वी कंप्यूटरशेयर प्राइवेट लि.
कार्वी सेलेनियम टावर बी, प्लाट क्र. 31 व 32,
गोचीबॉवली, फाइनांसियल डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रामगुडा,
सैरीलिंगम्पल्ली, हैदराबाद - 500 008.

हमारे बैंक के डिबेंचर न्यासी

आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेस लि.
एशियन बिल्डिंग, भू-तल,
17, आर कमानी मार्ग, बेलार्ड एस्टेट
मुंबई - 400 001

Head Office

Baroda House, Mandvi, Vadodara 390 006.

Baroda Corporate Centre

C-26, G-Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (E),
Mumbai 400 051.

Investor Services Department

3rd Floor, Baroda Corporate Centre, C-26, G-Block,
Bandra-Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai 400 051.

Registrars & Transfer Agent

M/s. Karvy Computershare Pvt. Ltd.
Karvy Selenium Tower B, Plot No.-31&32,
Gochibowli, Financial District, Nanakramguda,
Serilingampally, Hyderabad - 500 008

Debenture Trustees of our Bank

IDBI Trusteeship Services Ltd.
Asian Building, Ground Floor,
17,R Kamani Marg, Ballard Estate
Mumbai - 400 001

विषय सूची / Contents

	पृष्ठ
एम. डी. एवं मु.का.अ. का वक्तव्य	02
निदेशकों की रिपोर्ट	15
कार्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट	106
व्यवसाय दायित्व रिपोर्ट	145
हरित पहल - शेयर धारकों से अपील	173
महत्वपूर्ण वित्तीय सूचक	175
परिभाषाएं	177
तुलन-पत्र	178
लाभ-हानि लेखा	179
नकदी-प्रवाह विवरणी	231
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	233
बासेल III प्रकटीकरण	237
समेकित वित्तीय विवरणियां	268
सी ई ओ / सी एफ ओ प्रमाणीकरण	302
नोटिस / प्रॉक्सी फार्म / उपस्थिति पर्ची / ईसीएस	304

	Page
MD & CEO's Statement	09
Directors' Report	59
Report on Corporate Governance	106
Business Responsibility Report	145
Green Initiative-Appeal to Shareholders	173
Key Financial Indicators	175
Definitions	177
Balance Sheet	178
Profit & Loss Account	179
Statement of Cash Flow	231
Auditors' Report	233
Basel III disclosures	237
Consolidated Financial Statements	268
CEO / CFO Certification	303
Notice/Proxy Form/Attendance Slip/ECS	304

रंजन धवन
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश

"चुनौतीपूर्ण समय में अनवरत कार्यनिष्पादन"

प्रिय हितधारक,

मुझे यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने वर्ष 2014 -15 (वित्त वर्ष-15) में भारतीय अर्थव्यवस्था की चुनौतियों के सामने न केवल अपनी सुदृढ़ता को दर्शाया है, बल्कि ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में अपने कार्यनिष्पादन में निंरतरता का परिचय दिया है. सुनिर्मित व्यसाय मॉडल की सहायता से बैंक ने वर्ष के दौरान अपने परिचालनों को समग्र वर्टिकलों में विविधीकरण के साथ और प्रौद्योगिकी का लाभप्रद रुप से उपयोग करके व्यवसाय के 10 ट्रिलियन के स्तर को पार कर लिया है.

मैं अब उस व्यापक आर्थिक परिवेश का ज़िक्र करना चाहूंगा जिसमें बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने वित्तीय वर्ष 15 के दौरान परिचालन किया.

भारतीय आर्थिक समीक्षा

वित्तीय वर्ष 15 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था ने स्टैगफ्लेशन अर्थात रुकी हुई वृद्धि एवं उच्च मुद्रा स्फीति की स्थिति से धीरे-धीरे आगे बढ़कर सुधार दर्शाया है और यह अब विकास के उभरते बेहतर संकेत एवं मुद्रा स्फीति में तेज गिरावट के चरण में पहुंच चुकी है. अंतर्राष्ट्रीय कॉमोडिटी कीमतों में, खासकर कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट, राजनीतिक अस्थिरता में कमी, नीतिगत आधारों में बेहतरी, सुधारोन्मुखता एवं आर्थिक सुदृढ़ीकरण से भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास की बेहतर संभावनाएं पैदा हुई हैं.

अपेक्षा से कम मुद्रास्फीति तथा स्थिर रूपया एवं बढ़ते हुए विदेशी मुद्रा भण्डार के कारण प्रबंधन योग्य चालू खाता जमाशेष से व्यापक आर्थिक परिवेश में चक्रीय सुधार के लक्षण दिखाई दे रहे हैं. सीपीआई (संयुक्त) मुद्रास्फीति अप्रैल 2014 के 8.59% से घटकर मार्च 2015 में 5.17% के स्तर तक आ गई, तेल एवं खाद्य वस्तुओं की कीमत में गिरावट से मूल्य सूचकांक (डब्लूपीआई) गिरकर (-) 2.33% हो गया. हालांकि घरेलू एवं वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में कमजोर रूख होने के कारण निर्यात एवं आयात में मंदी विद्यमान रही लेकिन शेयर बाज़ार में तेज वृद्धि के कारण उत्साहपूर्ण अंतःप्रवाह ने बाह्य क्षेत्र को स्थिर रखा. चालू खाते का घाटा वित्तीय वर्ष 15 की दूसरी तिमाही के 2% की तुलना में वित्तीय वर्ष 15 की तीसरी तिमाही में 1.6% रहा. विदेशी मुद्रा भण्डार वित्तीय वर्ष 15 के दौरान यूएस डॉलर 343.0 बिलियन के सर्वकालीन उच्च स्तर तक पहुंच गया है.

इसके अलावा संघीय बजट ने बुनियादी संरचना विशेषतया रोड एवं रेलवे पर सार्वजनिक खर्चों को बढ़ाते हुए निवेश संचालित विकास कार्यनीति पर बल दिया है. यद्यपि सरकार ने 2014 -15 के लिए राजकोषीय घाटे के लक्ष्य 4.1% को हासिल कर लिया है, उसने वित्तीय सुदृढ़ीकरण की प्रक्रिया में आगे बढ़ने के लिए 3% के लक्ष्य को हासिल करने हेतु मध्यम मार्ग अपनाते हुए लक्ष्य-अवधि को 2 वर्ष से 3 वर्ष तक बढ़ा दिया है. इसके अतिरिक्त केन्द्र सरकार ने कोयला एवं खनन के संबंध में अनेक महत्वपूर्ण विधायन पारित किए हैं.

इन सबके बावजूद, वित्तीय वर्ष 15 के दौरान व्यापक आर्थिक परिवेश में कमजोरी का रूख बना रहा. कृषि में कम बारिश एवं गैर मौसमी बारिश के कारण खरीफ एवं रबी की फसलें खराब हुईं. औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, जिसमें वित्तीय वर्ष 15 की पहली तिमाही में कुछ बेहतर वृद्धि दिखाई दे रही थी, में गिरावट आई क्योंकि संरचनात्मक बाधाओं के कारण मुख्य उद्योगों जैसे कि इस्पात, प्राकृतिक गैस एवं उर्वरक के उत्पादन में लगातार गिरावट आई. साथ ही पूंजीगत

वस्तुओं के उत्पादन में भी अवरुद्ध निवेशों, जोखिम से बचने की प्रवृत्ति के कारण अस्थिरता विद्यमान रही. ग्रामीण आय तथा कार्पोरेट बिक्री में अत्यधिक कमी आने के कारण उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन भी प्रभावित हुआ. सेवा क्षेत्र में बढ़ोत्तरी मिश्रित स्वरूप वाली रही.

मंद आर्थिक परिवेश के कारण अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में जमाओं तथा ऋणों की वृद्धि पूरे वर्ष के दौरान कम रही. ऋण वृद्धि की दर, मंद ऋण मांग तथा तरलता कवरेज अनुपात (एलसीआर) संबंधी नियामक आवश्यकताओं के कारण कम रही. बैंकों के लिए, पूंजी संरक्षण तथा पूंजी के कुशल उपयोग, सख्त बासेल III पूंजी मानदण्डों, आस्ति गुणवत्ता तथा अत्यधिक प्रावधानीकरण के कारण काफी चुनौतीपूर्ण हो गया है. मंद आर्थिक वृद्धि एवं ऋणकर्ताओं की कमजोर हुई चुकौती क्षमता के कारण बैंकिंग क्षेत्र के लिए आस्ति गुणवत्ता चिंता का विषय बनी रही.

मुद्रास्फीति में काफी गिरावट आने के बाद भारतीय रिज़र्व बैंक ने वर्ष के दौरान सांविधिक तरलता अनुपात में 150 आधार बिंदुओं तथा रेपो रेट में 50 आधार बिन्दुओं की कमी की, जिसके आधार पर बैंक वित्तीय वर्ष 15 की अंतिम तिमाही के दौरान जमा दरों को कम करने की स्थिति में आ पाए.

इसके अलावा बैंकिंग क्षेत्र ने केन्द्र सरकार की सबसे बड़ी वित्तीय पहल प्रधानमंत्री जनधन योजना में सक्रियता से भाग लिया. 31 मार्च, 2015 तक बैंकों ने रिकॉर्ड 14.7 करोड़ खाते खोले, जिसमें रू 15,670 करोड़ की जमा राशि आई. इसके अतिरिक्त निकट भविष्य में बैंकिंग क्षेत्र में छोटे बैंकों, भुगतान बैंकों के प्रवेश से विस्तार आएगा.

तथापि, तुलनात्मक रूप में अपेक्षाकृत सुदृढ़ ऋण निगरानी प्रणाली एवं नकदी वसूली वाले बैंक इस चुनौती का सामना करने के लिए बेहतर रूप से तैयार थे एवं उन्होंने वित्तीय वर्ष 15 के कठिन आर्थिक परिवेश के बावजूद सुदृढ़ कार्यनिष्पादन किया.

बैंक ऑफ बड़ौदाः चुनौतीपूर्ण समय में अनवरत कार्यनिष्पादन

वित्तीय वर्ष 15 के दौरान परिवेशगत प्रतिकूलताओं के बावजूद, आपके बैंक का वैश्विक व्यवसाय 10 लाख करोड़ के स्तर को पार करते हुए 8.25% वृद्धि के साथ रु. 10,45,625 करोड़ पर पहुंचा. वित्तीय वर्ष 15 में घरेलू व्यवसाय भी 8.43% की उच्च दर से बढ़ा और रु. 7,06,148 करोड़ पर पहुंचा. वर्ष के दौरान आपके बैंक ने बड़े आकार के कार्पोरेट तबके में अवसरों के क्षीण होने की वजह से अपने ऋण-बही का रिटेल, एमएसएमई एवं कृषि-ऋणों में विविधीकरण को जारी रखने की कार्यनीति का अनुसरण किया. सोची-समझी कार्यनीति के एक भाग के रुप में आपके बैंक ने देयताओं की लागतों को घटाने हेतु बल्क एवं उच्च लागत वाली जमाराशियों को उल्लेखनीय रुप से छोड़ दिया.

आपके बैंक का अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्तीय वर्ष 15 में 7.88% (वर्ष दर वर्ष) वद्धि के साथ रु. 3,39,477 करोड़ पर पहुंचा. घरेलू कासा जमाराशियों में 13.60% (वर्ष दर वर्ष) की दर पर वृद्धि के साथ मजबूत जमा संग्रह तथा उच्च लागतों वाली अधिमानी जमाराशियों को छोड़ने की कार्यनीति आपके बैंक के अपने घरेलू परिचालनों में शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) को, वित्तीय वर्ष 14 में 2.87% की तुलना में वित्तीय वर्ष 15 में 2.91% से बढ़ाने में सहायक रही.

आपके बैंक ने मजबूत शुद्ध ब्याज आय (रु. 13,187 करोड़) एवं बट्टाकृत खातों मे वसूलियों (रु. 188.54 करोड़) के समर्थन सहित, कुल व्ययों पर समझदारीपूर्ण नियंत्रण के साथ रु. 9,915 करोड़ (6.01% वर्ष दर वर्ष) का परिचालन लाभ दर्ज किया. यद्यपि उच्च कर तथा गैर-कर प्रावधानों के कारण आपके बैंक ने वित्त वर्ष 15 के दौरान रु. 3,398 करोड़ (25.16% वर्ष दर वर्ष गिरावट) का शुद्ध लाभ दर्ज किया.

अर्थव्यवस्था पर लगातार दबाव एवं धीमी वसूली के कारण समीक्षाधीन वर्ष में भी बैंकिंग उद्योग को आस्ति गुणवत्ता बनाये रखने की चुनौती का लगातार सामना करना पड़ा है. अतएव, वर्ष के दौरान आस्ति गुणवत्ता पर दबाव लगातार बना रहा. तथापि, आस्ति गुणवत्ता में कुछ सुधार हुआ, जिससे सकल एनपीए दिसंबर, 2014 में 3.85% के स्तर से घट कर मार्च, 2015 के अंत में 3.72% पर पहुंचा और शुद्ध एनपीए वित्तीय वर्ष 14 में क्रमशः 2.94% एवं 1.52% की तुलना में वि.व. 15 में क्रमशः 3.72% एवं 1.89% पर रहा. बैंक का प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) वि.व.14 के 65.45% की तुलना में वि. व.15 में 64.99% रहा.

आपके बैंक के पूंजी पर्याप्तता अनुपात ने अपनी पूंजी सुदृढ़ता को दर्शाना जारी रखा. सीआरआर मार्च 2015 के अंत में टियर I पूंजी अनुपात क्रमशः 10.14% तथा 9.87% के साथ बासेल II के अधीन 13.33% तथा बासेल III के अधीन 12.60% के मजबूत स्तर पर रहा. बासेल III मानदंडों के अनुसार सामान्य इक्विटी टियर I 9.35% रहा.

वित्त वर्ष 15 के दौरान नीतिगत पहलें

कार्पोरेट ऋण

वित्त वर्ष 15 की मंद निवेश प्रवृत्ति तथा बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मामलों तथा अन्य कठिनाईयों के कारण कार्पोरेट क्षेत्र से ऋणों की मांग कम रही. अतः आपके बैंक ने कार्पोरेट ऋण वृद्धि के मामले में सावधानी पूर्ण रास्ता अपनाया. परिणामस्वरुप आपके बैंक की ऋण वृद्धि तुलनात्मक दृष्टि से कम 7.82% रही.

वर्ष के दौरान आपके बैंक ने ''ऑनलाइन लोन अप्लीकेशन ट्रैकिंग'' की प्रणाली आरंभ की है, ताकि ऋण आवेदनों की स्थिति का आसानी से पता लग सके. इसके माध्यम से आवेदक बैंक की वेबसाइट पर प्रदान किए गए 'लोन ट्रैकिंग लिंक' के माध्यम से अपने आवेदन की स्थिति को ट्रैक कर सकते हैं.

विदेशी मुद्रा व्यवसाय एवं शुल्क आधारित आय को बढ़ाने हेतु आपके बैंक ने विदेशी मुद्रा में सीधी डीलिंग के लिए 3 अतिरिक्त अधिकृत 'बी' श्रेणी'' की शाखाएं खोलीं.

रिटेल व्यवसाय

आपके बैंक ने आस्ति एवं देयता दोनों ही पक्षों पर विशेष बल देते हुए अपने रिटेल संविभाग में संवृद्धि की, ताकि ग्राहक संतुष्टि में बढ़ोत्तरी हो सके एवं इसके रिटेल व्यवसाय मॉडल में तारतम्यता लाई जा सके. देयता पक्ष में जमा संसाधन के विशेष वर्टिकल के गठन के माध्यम से बल्क जमाओं को कम करते हुए रिटेल सावधि जमाओं का हिस्सा बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया. वर्ष के दौरान कासा जमाओं को बेहतर करने एवं डेबिट कार्ड को बढ़ावा देने हेतु ग्राहक संबंधों को मजबूत करने एवं

पुनर्जीवित करने के लिए अनेक पहलें की गईं. इसके अलावा ग्राहकों के आधार को व्यापक बनाने हेतु निष्क्रिय खातों को सक्रिय करने तथा शून्य शेष वाले खातों में जमाएं लाने के लिए विशेष अभियान चलाए गए.

आस्ति पक्ष में आपके बैंक ने अपनी ऋण बही को और संतुलित बनाने के लिए रिटेल व्यवसाय पर अतिरिक्त बल दिया. इसे प्राप्त करने के लिए आपके बैंक ने उत्पादों को और आकर्षक बनाने के लिए विशेष उपाय किए. आवास ऋणों के तहत बचत खाते के साथ होम लोन एडवांटेज योजना को जोड़ने, आवास ऋणकर्ताओं को प्रीमियम हेतु व्यक्तिगत ऋण योजना, पूर्व अनुमोदित आवास ऋण योजना जैसी नई योजनाओं की शुरूआत की गई. इसके अतिरिक्त उच्च शिक्षा संबंधी जरुरतों को पूरा करने हेतु शिक्षा ऋण योजनाओं में परिवर्धन एवं संशोधन किए गए. रिटेल व्यवसाय पर विशेष बल देते हुए विभिन्न अभियान चलाए गए.

आपके बैंक में वित्तीय वर्ष 15 में देशभर में रिटेल क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु अब कुल आरएलएफ की संख्या 60 हो गई है.

एमएसएमई व्यवसाय

अर्थव्यवस्था में एमएसएमई व्यवसाय के महत्व एवं रोजगार सृजन में इसकी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए आपके बैंक ने इसको बढ़ावा देने के लिए अनेक पहलें शुरु कीं. माइक्रो उद्यमों को प्रभावी ढ़ंग से वित्तपोषण के लिए आपके बैंक ने बड़ौदा माइक्रो इंटरप्राइज सेल की स्थापना की. मार्च, 2015 के अंत तक आपके बैंक ने ऐसे 80 सेल की स्थापना की. आपके बैंक ने फुटवियर डिजाइन एवं डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट द्वारा प्रवर्धित इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ लेदर सेक्टर योजना व्यक्तियों तथा समूह उद्यम/स्वयं सहायता समूह के लिए बड़ौदा स्वरोजगार कार्यक्रम (पुनर्गठित एसजेएसआरवाई योजना) जैसी नई योजनाओं की शुरूआत की. एवं भरूच क्षेत्र में रसायन एवं औद्योगिक क्षेत्र के लिए नई योजनाएं बनाई गईं. मांग एवं व्यावसायिक संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए अनेक क्षेत्र विशेष की योजनाएं आरंभ की गईं. इसके अतिरिक्त आपके बैंक ने ऋणकर्ताओं की जागरूकता हेतु अभियान चलाए एवं एमएसएमई फेस्टिवल का आयोजन किया. टर्नअराउंड समय को कम करने के लिए आपके बैंक ने एसएमई लोन फैक्ट्रियों में लेंडिंग ऑटोमेशन प्रोसेसिंग सिस्टम (लैप्स) को रोल आउट किया.

आपके बैंक के पास 54 एसएमई लोन फैक्ट्रियों (एसएमईएलएफएस) की सुदृढ़ संरचना है.

प्राथमिकता क्षेत्र

आपके बैंक ने अपनी 1912 ग्रामीण शाखाओं एवं 1386 अर्द्धशहरी शाखाओं के विशाल नेटवर्क के साथ ग्रामीण क्षेत्रों पर हमेशा विशेष ध्यान दिया है. उभरते हुए अवसरों का लाभ उठाने के लिए आपके बैंक ने वर्ष के दौरान अनेक पहलें की. किसानों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आपके बैंक ने दो विशेष अभियान अर्थात् जोड़ें किसान तथा निवेश ऋण अभियान चलाए. क्षेत्र-विशेष की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आपके बैंक ने विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुकूल योजनाएं तैयार कीं तथा इन्हें आकर्षक बनाने के लिए उन्हें रियायती ब्याज दर उपलब्ध कराए.

इसके अतिरिक्त आपके बैंक ने बेहतर ग्राहक सेवा तथा कृषि अग्रिमों में मात्रात्मक एवं गुणात्मक वृद्धि हेतु कृषि ऋण फैक्ट्रियों की स्थापना की. गुजरात के महेसाणा, उत्तर-प्रदेश के बरेली एवं बिहार के मुजफ्फरपुर में तीन पायलट फैक्ट्रियां आरंभ की गईं.

आपके बैंक ने अपने बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (बीएसवीएस), बड़ौदा आर-सेटी सेंटर, वित्तीय साक्षरता केन्द्रों तथा माइक्रो लोन फैक्ट्रियों जैसी इकाइयों के द्वारा सामाजिक क्षेत्र में वृद्धि एवं विकास को बढ़ावा देना जारी रखा.

वित्तीय समावेशन

प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के शुभांरभ के बाद वित्तीय समावेशन पर जोरदार प्रभाव पड़ा है और इसके कारण पूर्व की पहलों की अपेक्षा इसकी कवरेज एवं परिधि को व्यापकता प्राप्त हुई है. इसके साथ पीएमजेडीवाई निर्धारित समय-सीमा के अंतर्गत एक मिशन के रूप में काम कर रही है. जैसा कि, आपका बैंक हमेशा अग्रणी रहा है, इस पहल के अंतर्गत भी हम इसे एक सामाजिक प्रतिबद्धता के रूप में नहीं बल्कि एक प्रभावी एवं लाभदायी व्यावसायिक अवसर के रूप में देख रहे हैं. आपके बैंक ने पीएमजेडीवाई के अंतर्गत निर्धारित सभी लक्ष्यों को समय से पूर्व हासिल कर लिया है. 31.03.2015 तक आपके बैंक ने पीएमजेडीवाई खातों में 1101 करोड़ रुपए संगृहीत किये हैं, जिसमें प्रत्येक खाते में रु. 2500/- की औसत जमा राशि है. इसके अतिरिक्त, पीएमजेडीवाई के अंतर्गत सभी बैंकों द्वारा खोले गए खातों की संख्या में बैंक ऑफ़ बड़ौदा की हिस्सेदारी 5.7% है जबकि संगृहीत जमाराशियों में हमारी हिस्सेदारी 7.86% है.

इसके अलावा, आपका बैंक वित्तीय समावेशन योजना (एफआईपी) 2016 की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने का लगातार प्रयास करता रहा है. आपके बैंक ने 16,324 गांवो के लक्ष्य के सापेक्ष एक आदर्श स्थिति प्राप्त करते हुए 22,030 गांवों को कवरेज प्रदान किया है. उसी प्रकार, आपके बैंक ने 'बेसिक सेविंग बैंक डिपॉजिट खाता' तथा शहरी कियोस्क, बीसी के माध्यम से खाते खोलने के लक्ष्यों को भी पार कर लिया है.

अर्थपूर्ण एवं फलदायी वित्तीय समावेशन को हासिल करने में वित्तीय साक्षरता की महत्ता को देखते हुए आपके बैंक ने ग्रामीणों को विभिन्न बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी प्रदान करने हेतु वित्तीय साक्षरता अभियान चलाया जिसमें विशेषतया बचत के फायदे, आधार दर्ज कराना, न्यूनतम जमा शेष रखना, ओवरड्रॉफ्ट सुविधा की पात्रता, रूपे कार्ड का इस्तेमाल तथा उसकी सुरक्षा, यूएसएसडी सुविधा, दुर्घटना एवं जीवन बीमा हेतु पात्रता, बीमा के तहत दावों की प्रस्तुति, सूक्ष्म बीमा उत्पाद, पेंशन, केसीसी के लाभ, जीसीसी, त्वरित चुकौती, उन्हें उपलब्ध अन्य रिटेल तथा एसएमई ऋण आदि शामिल है. आपके बैंक ने इस उद्देश्य से बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (बड़ौदा आर-सेटी) नामक एक संस्थागत संरचना स्थापित की है. यह एक न्यास है जिसकी शुरुआत बैंक द्वारा 2003 में की गयी थी, जिसका उद्देश्य बेरोजगार ग्रामीण युवाओं का कौशल विकास है तथा उन्हें तब तक सहयोग प्रदान करना है जब तक वे अपना उद्यम स्थापित न कर लें. इसके अलावा वित्तीय साक्षरता एवं ऋण परामर्श केंद्र (एफएलसीसी) "सारथी" देश भर में कार्यरत हैं तथा बड़ौदा ग्रामीण परामर्श केंद्र भी कार्य कर रहे हैं जो ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय शिक्षा, ऋण परामर्श, सूचनाओं का आदान-प्रदान तथा तकनीकी समस्याओं का समाधान करने तथा मूल्य वर्धित

सेवाओं एवं विकासात्मक गतिविधियों के लिए अन्य संस्थाओं के साथ समन्वय और संपर्क स्थापित करते हैं.

आस्ति गुणवत्ता

अर्थव्यवस्था पर लगातार दबाव एवं धीमी वसूली के कारण बैंकिंग उद्योग को समीक्षा वर्ष के दौरान भी आस्ति की गुणवत्ता बनाए रखने में निरंतर चुनौतियों का सामना करना पड़ा. अतः वर्ष के दौरान आस्ति गुणवत्ता पर बढ़ा हुआ दबाव निरन्तर दिखाई दिया, जिसके कारण वित्त वर्ष 2015 में गैर-निष्पादक आस्तियों का स्तर पिछले वर्ष रु. 11876 करोड़ (कुल अग्रिमों का 2.94%) से बढ़कर रु 16261 करोड़ (कुल अग्रिमों का 3.72%) हो गया. इसी प्रकार बैंक के कुल पुनर्गठित अग्रिम वित्त वर्ष 2014 में रु 26537 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 2015 में रु 31572 करोड़ हो गये.

आपके बैंक ने शाखा, क्षेत्र, अंचल तथा कार्पोरेट स्तर पर व्यापक वसूली एवं ॠण निगरानी व्यवस्था विकसित की है. वित्तीय वर्ष 2015 के पहले दिन से ही, आपके बैंक ने संभावित एनपीए पर विशेष ध्यान दिया था. बड़े खातों के अलावा, आपके बैंक ने गांवों/शहरों में लोक अदालत और वसूली शिविरों के आयोजन के माध्यम से छोटे खातों में वसूली पर विशेष ध्यान दिया है. इसके अलावा वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में भगीरथ प्रयास नामक विशेष योजना चलायी गयी. आपके बैंक ने वसूली संबंधी प्रयासों के लिए प्रत्येक स्टाफ सदस्य के व्यक्तिगत ध्यानाकर्षण हेतु 'संकल्प - VII' नामक प्रोत्साहन संबंधी वसूली योजना भी शुरु की.

ग्राहक सेवा

आपका बैंक अपने ग्राहकों की जरुरतों एवं संतुष्टि के प्रति अत्यंत सचेत है तथा इस विश्वास के प्रति प्रतिबद्ध है कि बैंक के सभी तकनीक, प्रक्रिया, उत्पाद तथा कर्मचारी कौशल का उपयोग ग्राहकों को उत्कृष्ट बैंकिंग सेवा उपलब्ध कराने के लिए हों. ग्राहक सेवा को और सुगम बनाने के लिए, आपके बैंक ने एसएमएस अलर्ट, मिस्ड कॉल सुविधा, आवक समाशोधन के लिए चेकों की विस्तृत जानकारी तथा निष्क्रिय खातों पर रख-रखाव प्रभार को समाप्त करने जैसी सुविधाएं शुरू की हैं. बैंक के उत्पादों के बारे में अभिमत प्राप्त करने हेतु, आपके बैंक ने ऑनलाइन ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण किया ताकि ग्राहकों से उनके द्वारा महसूस की जा रही समस्याओं/उनके विचारों से अवगत होकर उनके निराकरण के उपाय किए जाएं.

सूचना प्रौद्यौगिकी संरचना

आपके बैंक ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का प्रयोग न केवल आंतरिक प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के लिए किया है, बल्कि अपने ग्राहकों की सुविधाओं एवं सेवाओं में विस्तार करने के लिए भी किया है.

वैकल्पिक डिलीवरी चैनलों में ग्राहकों की सुविधाओं में वृद्धि के उद्देश्य से, आपके बैंक ने इंटरनेट बैंकिंग अर्थात् बड़ौदा कनेक्ट में नई सुविधाओं की शुरूआत की है. नई उन्नत विशेषताओं में ऑनलाइन ई-बैंकिंग पंजीयन, लोक भविष्य निधि खातों का अवलोकन तथा उसमें जमा करना, वेतन अपलोड की सुविधा, स्मार्ट फोन के जरिए मोबाइल ओटीपी जनरेशन सुविधा, विभिन्न राज्यों के कर-भुगतान, आईएमपीएस (तत्काल भुगतान सेवा) शामिल हैं. इसके अलावा इंटरनेट बैंकिंग सेवा सभी स्मार्ट फोन/टैबलेट में उपलब्ध करा दी गयी है जिससे ग्राहकों को कहीं पर भी बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध हैं, कुल 16 विदेशी टेरिटरीज में भी इंटरनेट बैंकिंग क्रियान्वित की जा चुकी है जैसे - तांजानिया, यूगांडा, केन्या, मारीशस, सेशल्स, बोत्सवाना, न्यूजीलैंड, यूएई, फिजी, यूके, ओमान, घाना, आस्ट्रेलिया, त्रिनिदाद एण्ड टोबैगो, गयाना तथा संयुक्त राज्य अमेरिका. बैंक द्वारा प्रायोजित सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में भी इंटरनेट बैंकिंग सुविधा उपलब्ध करायी जा चुकी है.

मोबाइल बैंकिंग एक अन्य वैकल्पिक डिलीवरी चैनल है जो आपके बैंक के ग्राहकों को विभिन्न सुविधाएं प्रदान करता है. इसमें पूरी तरह से बदलाव किया गया है, जिसके कारण तकनीकी सुविधा लेने वाले ग्राहकों के लिए सुविधाजनक प्रयोग तथा प्रयोक्ता अनुभव में वृद्धि हुई है. मोबाइल बैंकिंग प्लेटफॉर्म ग्राहकों को अनेक विशेषताएं एवं सुविधाएं उपलब्ध कराता है जैसे- ऑइकॉन आधारित यूजर इंटरफेस, शेष राशि की पूछताछ, लघु विवरणी, निधि अंतरण, भुगतान रोकना, चेक की स्थिति, अन्य सुविधाएं. मोबाइल बैंकिंग अनुप्रयोग सभी आई फोन, ब्लैकबेरी, एंड्रायड तथा विंडो उपकरणों में उपलब्ध है. मोबाइल बैंकिंग के जरिए मोबाइल रिचार्ज/डीटीएच रिचार्ज, बीमा प्रिमियम भुगतान, ऑनलाइन खरीदी, काउंटर पर भुगतान, स्कूल/कॉलेज/विश्वविद्यालयों को शुल्क भुगतान, उपभोक्ता बिल भुगतान, यात्रा एवं टिकट, मंदिरों में दान, आईएमपीएस- आईआरसीटीसी का इस्तेमाल कर मोबाइल फोन के जरिए गैर इंटरनेट आधारित रेलवे टिकट बुकिंग की जा सकती है.

वित्तीय वर्ष 2015 के दौरान, आपके बैंक ने 20 जुलाई 2014 को देश में पहला नकदी रिसाइक्लर शुरु किया. नकदी रिसाइक्लर की विशेषता है कि इसके माध्यम से नकदी जमा की जा सकती है, नकदी का आहरण किया जा सकता है, शेष राशि की पूछताछ की जा सकती है, लघु विवरणी तथा पिन बदलाव किया जा सकता है. आसान परिचालन एवं 24 X 7 की उपलब्धता के कारण रिटेल एवं कार्पोरेट ग्राहकों में यह सुविधा काफी लोकप्रिय है. वर्ष 2015 के अंत तक आपके बैंक ने 390 नकदी रिसाइक्लरर्स स्थापित किए हैं. इसके अलावा, आपके बैंक ने 1776 नए एटीएम स्थापित किए हैं तथा 24 X 7 नेमी बैंकिंग सेवा उपलब्ध कराने के लिए 151 नॉन स्टॉप ई-लॉबियां स्थापित की गई हैं, जिनमें पांच सेल्फ सर्विस मशीनें लगी हैं जैसे- नकदी रिसाइक्लर एटीएम, मल्टी फंक्शन कियोस्क, पासबुक प्रिंटर तथा डिजिटल साइनेज सिस्टम. आपके बैंक ने सेल्फ सर्विस पासबुक प्रिंटर भी उपलब्ध कराया है जिन्हें अब अत्यधिक भीड़ -भाड़ वाली अर्धशहरी एवं ग्रामीण शाखाओं के अलावा सभी महानगरीय एवं शहरी शाखाओं को उपलब्ध कराया जा चुका है. संक्षेप में, सूचना प्रौद्योगिकी ने आपके बैंक की कार्य पद्धति तथा बैंकिंग परिचालन में उल्लेखनीय योगदान किया है.

मानव संसाधन संबंधी पहलें

आपके बैंक ने एक अत्यंत संतुलित कर्मचारी नीति को अंगीकृत किया है ताकि आपके बैंक में एक समग्र एवं उत्तरदायी मानव संसाधन का सृजन किया जा सके, जो विकास में योगदान दे सके तथा मौजूदा समय की विभिन्न चुनौतियों का सामना कर सके, जैसे - बड़ी संख्या में सेवा निवृत्तियों, प्रतिभाओं का भारी संख्या में इंडक्शन, अत्यधिक प्रशिक्षण की आवश्यकता तथा उत्तराधिकार की चुनौतियां.

वित्तीय वर्ष 2015 के दौरान आपके बैंक ने विभिन्न मानव संसाधन संबंधी गतिविधियों जैसे - दावे एवं प्रतिपूर्तियों को स्वचालित तथा

केंद्रीकृत बनाने की शुरुआत की है जिससे दावों के निपटान में लगने वाले समय में कमी आयी है. इसके अलावा आपके बैंक ने मानव शक्ति आयोजना संबंधी व्यवस्था स्थापित की है जो विभिन्न शाखाओं/यूनिटों की मानव शक्ति संबंधी आवश्यकता का वैज्ञानिक निर्धारण करती है. मानव शक्ति आयोजना व्यवस्था का लाभ विभिन्न मानव शक्ति योजनाओं संबंधी निर्णय लेने में मिलता है, जैसे- भर्ती, नए भर्ती किए गए कर्मचारियों की पदस्थापना, स्थानांतरण एवं पदोन्नतियां. आपके बैंक के अधिकारियों का कार्यनिष्पादन प्रबंधन भी पूर्णतः स्वचालित हो गया है जिससे यह प्रणाली और सुदृढ़, उद्देश्यपरक तथा गतिमान हो गयी है.

'कर्मचारियों की प्रतिबद्धता को बढ़ावा देने के लिए आपके बैंक ने विभिन्न कदम उठाए हैं जैसे संतुष्टि सर्वेक्षण कराना तथा वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कर्मचारियों के बीच आपसी सामंजस्य स्थापित करना. इन कार्यशालाओं का आयोजन मानव संसाधन तथा उच्च प्रबंधन के साथ कर्मचारियों के संवाद को बेहतर बनाने के लिए किया गया. इसके अलावा, श्रेष्ठ कार्यनिष्पादकों को उचित प्रोत्साहन देने के लिए आपके बैंक ने प्रोत्साहन योजना लागू की है.

युवा संभाव्य नेतृत्व को चिह्नित करने तथा उन्हें तैयार करने के लिए आपके बैंक ने सुव्यवस्थित टैलेंट मैनेजमेंट सिस्टम क्रियान्वित किया है जिससे विभिन्न मानदंडों के आधार पर नेतृत्व क्षमता वाले भविष्य के संभाव्य कर्मचारियों को व्यवहार्यतः चिह्नित करने तथा प्रत्येक चिह्नित कर्मचारी को एक व्यवस्थित विकासात्मक योजना के तहत प्रशिक्षित करने में मदद मिलती है.

बड़ी संख्या में सेवानिवृत्तियों के मद्देनजर तथा भारी संख्या में हो रही भर्ती की पृष्ठभूमि में, नए भर्ती कर्मचारियों के प्रशिक्षण और विकास के मुद्दे काफी महत्वपूर्ण हो गए हैं. इसके अलावा, प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए कर्मचारियों को सक्षम बनाने हेतु संस्थागत प्रयासों में प्रशिक्षण अब एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया बनकर उभरा है. आपके बैंक ने बड़ौदा अकादमी के जरिए प्रशिक्षण की व्यवस्था की है जिसमें विभिन्न नवोन्मेषी तथा अभिनव पहलें शामिल हैं. इसके तहत स्टाफ सदस्यों को प्रमुख बैंकिंग गतिविधियों जैसे- ऋण, विदेशी मुद्रा विनिमय, कोर बैंकिंग आदि में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है. इसके अतिरिक्त नए भर्ती कर्मचारियों को ऑन बोर्डिंग प्रशिक्षण प्रदान किए जाते हैं. वित्तीय वर्ष 2015 के दौरान आपके बैंक ने ई-लर्निंग पाठ्यक्रमों के लिए अत्याधुनिक शिक्षण प्रबंधन प्रणाली की शुरुआत की है जो इंटरनेट पर उपलब्ध है. इससे समय और स्थान की सुविधा होती है. आपका बैंक पहला बैंक है, जिसने कर्मचारियों के लाभ हेतु 'मोबाईल स्निपेट्स' नामक एक मोबाइल अनुप्रयोग की शुरुआत की है. इससे कर्मचारी दैनिक बैंकिंग समाचार, बैंक/भारतीय रिज़र्व बैंक के महत्वपूर्ण परिपत्रों का सार-संक्षेप, आतंरिक प्रकाशन, आने वाले कार्यक्रमों की घोषणा तथा वीडियो संदेश भेज सकते हैं. इसके अलावा शिक्षण को विस्तृत आधार देने के लिए आपके बैंक ने विचार-मंथन श्रृंखला के अंतर्गत प्रेरणास्पद व्याख्यान, वीडियो शो तथा सामूहिक गतिविधियों का आयोजन किया. इसके अलावा आपके बैंक ने अपने स्टाफ सदस्यों के ज्ञान को विस्तृत आधार देने के लिए बाह्य प्रशिक्षणों का भी सहारा लिया है. शिक्षण व्यवस्था की सराहना-स्वरूप आपके बैंक को विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से अनेक पुरस्कार जैसे गोल्डन पी-कॉक, आईबीए एवं अन्य प्राप्त हुए हैं,

जोखिम प्रबंधन

बैंकिंग व्यवसाय में जोखिम अपरिहार्य होता है और इसलिए, किसी भी सफल बैंक के लिए एक सुदृढ़ जोखिम प्रबंधन संरचना उसकी कसौटी होती है. आपके बैंक में व्यवसाय के अंतर्निहित विभिन्न- जोखिमों जैसे - ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालनगत जोखिम, तरलता जोखिम, ब्याज दर जोखिम आदि के समाधान हेतु एक सुदृढ़ संरचना उपलब्ध है. इस संरचना के अंतर्गत जोखिम प्रवृत्ति को पारिभाषित करने की व्यवस्था, उसकी निगरानी, रिपोर्टिंग एवं समीक्षा शामिल है. इस संरचना का उद्देश्य है कि आर्थिक उतार-चढ़ाव के दौरान आस्तियों की गुणवत्ता बरकरार रहें तथा उससे उबरने के लिए पर्याप्त मात्रा में अतिरिक्त पूंजी की उपलब्धता बनी रहे. जोखिम उठाने की एक विवेकपूर्ण संस्कृति लगातार बनी रहे और हमारी प्रणाली, प्रक्रिया जागरूकता एवं कौशल व्यवस्था में ईष्टतम वृद्धि हो जिससे सहयोग एवं नियंत्रण प्रक्रिया में संतुलन स्थापित किया जा सके.

बढ़ी हुई जोखिम प्रबंधन परम्पराओं के कुछ प्रमाण हैं कि भारतीय रिज़र्व बैंक से ऋण जोखिम के संबंध में फाउंडेशन आंतरिक रेटिंग आधारित दृष्टिकोण (एफ आई आरबी) के अंतर्गत बैंक को समानांतर प्रणाली के लिए अनुमोदन प्राप्त हो गया है. बाजार जोखिम के लिए बैंक ने मुंबई में ग्लोबल मिड ऑफिस स्थापित कर लिया है, जो अपने ग्लोबल परिचालन में बाजार जोखिम स्थितियों को बेहतर ढ़ंग से आंकने, निगरानी और रिपोर्टिंग करने में किफायती व प्रभावी मार्ग उपलब्ध कराएगा. बासेल II मानदंडों के इंटरनल मॉडल एप्रोच के अनुरूप ग्लोबल मिड ऑफिस को परिचालित करने की प्रणाली कार्यान्वयन हेतु प्रगति पर है. परिचालनगत जोखिम के संबंध में आपके बैंक ने वेब आधारित अत्याधुनिक परिचालन जोखिम प्रबंधन साल्यूशन कार्यान्वित किया है, जो उद्योग में उपलब्ध सर्वोत्तम साल्यूशन है. इसी प्रकार आस्ति चलनिधि प्रबंधन के लिए, निधि अंतरण लागत तथा लाभप्रदता विश्लेषण, ऑरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज एनेलिटिकल एप्लीकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर लगाया गया है.

आपके बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट किए पारगमन नियमों के साथ पूंजीगत मात्रा तथा गुणवत्ता, लीवरेज अनुपात तथा चलनिधि कवरेज अनुपात से संबंधित बासेल III मानदंडों को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है.

विदेशी व्यवसाय :

विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी होने के बावजूद आपके बैंक की विदेशों में व्यापक उपस्थिति इसे वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण जोखिम विविधता लाभ प्रदान करती है. विदेशों में आपके बैंक के विशाल नेटवर्क और ओवरसीज विस्तार पर इसके निरंतर जोर ने वित्तीय वर्ष 15 में भी बेहतर व्यवसाय अवसरों का लाभ उठाने में मदद की. 31 मार्च, 2015 को बैंक के 24 देशों में 104 कार्यालय कार्यरत हैं. इन 104 कार्यालयों में आपके बैंक की 60 विदेशी शाखाएं हैं. 43 शाखाएं इसकी विदेशी अनुषंगियों की हैं और एक प्रतिनिधि कार्यालय है. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान आपके बैंक ने दो नई शाखाएं खोलीं, एक मेरू केन्या में तथा एक मवांजा तंजानिया में.

वित्तीय वर्ष 15 की प्रमुख उपलब्धियां

चुनौतीपूर्ण व्यवसाय परिवेश के बावजूद वर्ष की समाप्ति पर आपके बैंक ने संतोषजनक व्यावसायिक परिणाम प्रदर्शित किए.

- आपके बैंक का **वैश्विक व्यवसाय** 8.25% (वर्ष दर वर्ष) वृद्धि के साथ मार्च 2015 के अंत में रु. 10,45,625 करोड़ हो गया, इसमें **घरेलू व्यवसाय** 8.43% वृद्धि के साथ रु. 7,06,148 करोड़ तथा **विदेशी व्यवसाय** 7.88% वृद्धि के साथ रु. 3,39,477 करोड़ हो गया.
- मार्च 2015 के अंत में अपके बैंक की **वैश्विक जमाएं** 8.55% वृद्धि (वर्ष दर वर्ष) के साथ रु. 6,17,560 करोड़ हो गई. इसमें **घरेलू जमाएं** 9.29% वृद्धि के साथ रु. 4,14,278 करोड़ हो गई और **विदेशी जमाएं** 7.08% वृद्धि के साथ रु. 2,03,282 करोड़ हो गईं.
- ऊपर उल्लिखित चुनौतियों के बावजूद आपके बैंक की कासा जमाएं 11.25% वृद्धि (वर्ष दर वर्ष) के साथ रु. 1,62,969 करोड़ हो गईं.
- इसमें 31 मार्च 2015 को घरेलू कासा का हिस्सा मार्च 2014 के 31.76% की तुलना 31 मार्च 2015 में 33.01% रहा.
- मार्च 2015 के अंत में आपके बैंक के **वैश्विक अग्रिम** 7.82% (वर्ष दर वर्ष) की वृद्धि के साथ रु. 4,28,065 करोड़ रहे. इसमें **घरेलू अग्रिम** 7.24% वृद्धि के साथ रु. 2,91,870 करोड़ रहे और **विदेशी अग्रिम** 9.10% से बढ़कर रु. 1,36,195 करोड़ रहे.
- वित्तीय वर्ष 15 के दौरान आपके बैंक का रिटेल ऋण 14.06% (वर्ष दर वर्ष) की वृद्धि के साथ रु. 52,488 करोड़ रहा जिसमें गृह ऋण 15.26% वृद्धि के साथ रु. 22,542 करोड़ रहा.
- मार्च 2015 की समाप्ति पर आपके बैंक का एसएमई क्रेडिट पोर्टफोलियो 9.46% (वर्ष दर वर्ष) की वृद्धि के साथ रु. 61,993 करोड़ रहा. कृषि ऋण 31.55% वृद्धि के साथ रु.37,403 करोड के स्तर पर पहुंच गए और कमजोर वर्ग को प्रदत्त ऋण 9.28% बढ़कर रु. 22,510 करोड़ रहा.
- वित्तीय वर्ष 15 में आपके बैंक का परिचालन लाभ 9,915 करोड़ और शुद्ध लाभ रु. 3,398 करोड़ रहा.
- औसत आस्तियों पर प्रतिफल (आरओएए) बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरुप 0.49% रहा.
- 31 मार्च 2015 को पूंजी इंफ्यूजन के बावजूद इक्विटी पर प्रतिफल (आरओई) 9.21% रहा.
- वित्तीय वर्ष 2015 के दौरान आपका बैंक घरेलू परिचालनों में शुद्ध ब्याज मार्जिन 2.91% तथा वैश्विक परिचालनों में 2.31% रखने में सफल रहा.
- विवेकपूर्ण दृष्टिकोण अपनाते हुए 31 मार्च 2015 को आपके बैंक का प्रावधान कवरेज अनुपात 64.99% रहा, जो कि दूसरे प्रमुख बैंकिंग सेगमेंट की तुलना में अपेक्षाकृत काफी उच्च है.
- आपके बैंक की पूंजीगत सदृढ़ता 31 मार्च 2015 को उसके सीआरएआर (बासेल-III) एवं टीयर I पूंजी 10.14% में प्रतिबिंबित होती है.
- आपके बैंक का लागत आय अनुपात वित्तीय वर्ष 15 के लिए अपेक्षाकृत 43.63% के न्यूनतम स्तर पर बना रहा.
- बैंक का प्रति शेयर अर्जन रु. 15.83 करोड़ तथा इसका प्रति शेयर बही मूल्य रु. 166.83 रहा.

पुरस्कार एवं सम्मान

वित्तीय वर्ष 15 के दौरान आपके बैंक को विभिन्न व्यवसाय एवं वित्तीय मानदंडों के तहत उल्लेखनीय कार्यनिष्पादन हेतु अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए. प्राप्त पुरस्कार इस प्रकार हैं-

- दुन एण्ड ब्राडस्ट्रीट द्वारा बैंक ऑफ़ बड़ौदा को ग्लोबल बिजनेस डेवलपमेंट (पब्लिक सेक्टर) श्रेणी के तहत 'बेस्ट बैंक' तथा बेस्ट पीएसयू बैंक - पोलरिज फायनांसियल टेक्नोलॉजी बैंकिंग अवार्ड 2014.
- आपके बैंक को 11 जुलाई 2014 को नई दिल्ली में इंडिया एसएमई फॉरम द्वारा 'बेस्ट पीएसयू फॉर एसएमई' अवार्ड प्रदान किया गया.
- बैंक ऑफ़ बड़ौदा को स्कॉच कन्सल्टेंसी सर्विसेज प्रा. लि. द्वारा 'स्कॉच ऑर्डर ऑफ मेरिट इन इंडियास बेस्ट 2014 - फाइनैन्सियल इनक्लूजन व डीपेनिंग अवार्ड 2014' पुरस्कार प्रदान किया गया.
- आपके बैंक को ब्रान्ड इक्विटी इकॉनोमिक टाइम्स ने दिनांक 6.8.2014 को बेस्ट इंडियन ब्रान्ड्स 2014 में 21वां रैंक दिया गया.
- बैंक ऑफ़ बड़ौदा 'इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एन्ड डेवलपमेंट (आईएसटीडी) भुवनेश्वर से वर्ष 2014 में 'इनोवेटिव ट्रेनिंग प्रैक्टिसेस' के तहत राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता बना.
- बैंक ऑफ़ बड़ौदा को नई दिल्ली में दलाल स्ट्रीट इनवेस्टमेंट जर्नल द्वारा आयोजित 'बेस्ट पीएसयूज ऑफ़ इंडिया अर्वाड्स' में वर्ष 2014 के लिए 'मोस्ट एफीशिएंट पब्लिक सेक्टर बैंक' का अवार्ड प्रदान किया गया.

ये सभी पुरस्कार तथा सम्मान हमारे लिए विशेष महत्व रखते हैं क्योंकि ये आपके बैंक के सफल व्यवसाय मॉडल की सफलता को मान्यता प्रदान करते हैं जिसने राष्ट्र प्रगति में निर्णायक भूमिका निभाई.

भावी योजनाएं

बेहतर आर्थिक स्थिरता की दृष्टि से भारतीय अर्थव्यवस्था, न्यूनतम मुद्रास्फीति, न्यूनतम चालू खाता घाटा, सुदृढ़ विदेशी मुद्रा भंडार, नियंत्रित राजकोषीय घाटा, सुधार के उपायों एवं बेहतर घरेलू मांग की साक्षी रही है और विकास की बेहतर संभावनाओं के दौर से गुजर रही है. इसलिए, भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिका में संभावित ब्याज दर प्रत्यावर्तन एवं घरेलू अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव तथा कमजोर बाहरी मांग के प्रभावों का बेहतर ढंग से सामना कर रही है.

मार्च 2015 में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की अनुमानित जीडीपी के लिए अपने 6.3% के पहले के अनुमान को संशोधित करते हुए वर्ष 2015 के लिए 7.5% का अनुमान व्यक्त किया है. इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष मानता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था व्यवसाय वातावरण में सुधार करते हुए सुदृढ़ निवेश द्वारा विश्व में सबसे तेजी से उभरने वाली अर्थव्यवस्था होगी. तथापि बैंकिंग उद्योग वृहद वसूली आधार के साथ-साथ आस्ति गुणवत्ता में बेहतर ऋण मांग तथा सुधार करेगा. इसी क्रम में मूडीज ने अप्रैल 2015 में भारतीय रेटिंग को स्टेबल से पॉजीटिव कर दिया है.

फिर भी वित्तीय वर्ष 16 में मानसून से संबंधित अनिश्चितताएं हैं, क्योंकि मानसून सामान्य से कम रहने का पूर्वानुमान है. तेल की कीमतों की वजह से भू-राजनैतिक जोखिम, अस्थिर मूल्यों का अनियमित प्रभाव तथा प्राकृतिक आपदा के कारण वृद्धि सामान्य रह सकती है.

वित्तीय वर्ष 15 के दौरान, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने अपने हितधारकों के लिए 'प्रथम पसंदीदा' बैंक बनने के लिए उल्लेखनीय प्रगति की है. चुनौतीपूर्ण वातावरण के बावजूद, इसकी आय निरंतर अप्रभावित रही हैं, इसके नए स्लिपेज में कमी आई है और इसकी सुदृढ़ निधिक स्थिति ने इसे अपने ऋणकर्ताओं को निरंतर सहयोग देने में योगदान दिया.

वित्तीय वर्ष 16 के दौरान, बैंक ऑफ़ बड़ौदा आगे अपनी पूंजी एवं निधिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए निरंतर ध्यान केंद्रित करेगा ताकि बैंक के व्यवसाय में सतत वृद्धि और लाभप्रदता बनी रहे. आपका बैंक, पूर्ण आश्वस्त है कि अपनी कार्यनीति में व्यक्तियों, प्रक्रियाओं एवं तकनीक पर केंद्रित कर उभरते हुए व्यावसायिक वातावरण में अपना शीर्ष स्थान बनाए रखेगा.

बैंक के कार्पोरेट लक्ष्य एवं कार्यनीति

वित्त वर्ष 15 के दौरान अपनी उपलब्धियों को आगे बढ़ाते हुए आपके बैंक ने उभरते हुई आर्थिक एवं बैंकिंग परिदृश्य के बीच अच्छे बैंक से महान बैंक बनने की यात्रा में पिछले वर्ष के दौरान अपने आर्दश वाक्य '**रेस अहेड**' के साथ 'गुड टू ग्रेट' को जोड़ा है. इसलिए बैंक ने वित्त वर्ष 16 के लिए अपने आदर्श वाक्य 'गुड टू ग्रेट' से रेस अहेड को चुना है. रेस शब्द निम्नलिखित को प्रदर्शित करता है:

आर - रिटेल उन्मुखता

ए - आस्ति गुणवत्ता

सी - क्षमता निर्माण

ई - आय केंद्रिकता

वित्त वर्ष 16 में आपका बैंक अब तक की प्रगति को समेकित करेगा और अपने बृहत डिलीवरी चैनल नेटवर्क का लाभ उठाते हुए अधिक तेज गति से लाभप्रदता एवं लाभप्रदता अनुपात को सुधारने पर ध्यान देगा. हालांकि, अच्छाई से महानता की इस यात्रा में महानता के उच्च लक्ष्य को प्राप्त करने में एक दशक से अधिक की अवधि में विभिन्न गतिविधियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और सतत कार्यनिष्पादन का महत्वपूर्ण योगदान है.

रिटेल ऋणों के प्रति अपने दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने के लिए आपका बैंक अल्प लागत वाली चालू एवं बचत जमा राशियों, साथ ही साथ उच्च लागत वाली थोक जमा राशियों की तुलना में रिटेल टर्म जमा राशियों की आक्रामक रूप से कैनवासिंग करेगा. साथ ही, ऋण बही को अधिक विविधपूर्ण बनाने के लिए रिटेल क्रेडिट, एमएसएमई एवं कृषि ऋण पर ध्यान दिया जाएगा. इसी क्रम में आपके बैंक ने और अधिक रिटेल व्यवसाय हासिल करने के लिए वैकल्पिक डिलीवरी चैनलों जैसे एटीएम, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, कार्डों (क्रेडिट, डेबिट एवं गिफ्ट) एवं पीओएस मशीनों का व्यापक उपयोग करते हुए इनका लाभ लेने हेतु तकनीकी क्षमता का उपयोग करने की योजना बनाई है.

इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 15 में आस्ति गुणवत्ता प्रबंधन में सुधार लाने के अपने प्रयासों में सख्त केवायसी एवं दस्तावेजीकरण तथा निगरानी, एनपीए वसूली, बड़े रूप में अपग्रेडेशन एवं आगे नए स्लिपेज को रोकने के लिए आपका बैंक ऋण मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित करेगा. इसके अलावा, दिवालियापन संहिता (बैंकरप्सी कोड) एवं वाणिज्यिक न्यायालय, बेहतर विनियामक परिवेश में बेहतर आस्ति गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए एक शुभ संकेत हैं. आपका बैंक क्षेत्र विशेष की विशेषताओं को ध्यान मे रखते हुए वसूली प्रक्रिया को बेहतर बनाने की भी योजना बना रहा है. उदाहरण के लिए कृषि जैसे क्षेत्रों में वित्तीय साक्षरता एवं समय पर चुकौती के लाभों के बारे में ऋणकर्ताओं को जागरुक करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा.

क्षमता निर्माण एक और क्षेत्र है जहां आपका बैंक उल्लेखनीय निवेश कर रहा है. वित्तीय वर्ष 2015 के दौरान बैंक ने 351 नई शाखाएं खोलीं, 1,776 नए एटीएम लगाए, 106 नॉन-स्टॉप ई-लॉबीज खोलीं और शाखाओं को अच्छी संख्या में बंच नोट एक्सेप्टर, सेल्फ सर्विस पासबुक प्रिंटर आदि उपलब्ध कराए हैं. आपका बैंक वित्तीय वर्ष 16 के दौरान देश और विश्व में फैले अपने व्यापक नेटवर्क एंव प्रभावी वैकल्पिक डिलीवरी चैनलों के माध्यम से लाभ अर्जन को उच्च प्राथमिकता देगा.

बढ़ती प्रतिस्पर्धा एवं अन्य चुनौतियों का सामना करने के लिए बैंक अपने व्यवसाय मॉडल को अधिक किफायती बनाएगा और ब्याज आय तथा गैर ब्याज आय के समुचित संयोजन से अपनी आमदनी बढ़ाएगा. इसे हासिल करने के लिए बैंक चेंज एजेंट के रुप में तकनीक का अधिकतम उपयोग करेगा. आपका बैंक न केवल परंपरागत व्यवसाय इकाइयों पर ध्यान केंद्रित करेगा, बल्कि धन प्रेषण जैसे विभिन्न माध्यमों से भी गैर ब्याज आय और शुल्क आय पर भी ध्यान केंद्रित करेगा. आपका बैंक अपने प्रतिलाभ अनुपात को सुधारने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा.

इसके अलावा आपका बैंक अपनी भौगोलिक उपस्थिति को और सुदृढ़ करते हुए विदेश में अपनी उपस्थिति का विस्तार करना जारी रखेगा. साथ ही साथ ऐसे उपाय और आकर्षक उत्पाद विकसित करेगा ताकि विश्व की जनसंख्या के प्रत्येक वर्ग की जरुरतों को पूरा किया जा सके.

पूंजी, मानव संसाधन, तकनीक एवं आइकॉनिक ब्रांड के रुप में अपनी अंतर्निहित शक्तियों के साथ आपका बैंक वित्तीय वर्ष 16 के दौरान वृद्धि करने के लिए अच्छी स्थिति में है. मौजूदा आर्थिक परिवेश में आपका बैंक अपने मजबूत अनुपात को आगे बनाए रखते हुए अपनी स्थिति को समेकित करेगा और अपनी लाभप्रदता एवं रिटर्न अनुपात में बेहतर वृद्धि को सुनिश्चित करते हुए मजबूती से आगे बढ़ेगा.

हम अपने सभी शेयरधारकों के सतत समर्थन से उत्साहित हैं एवं आभारी हैं. मैं भविष्य में भी आपके सतत सहयोग एवं समर्थन की आशा करता हूं.

रंजन धवन

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

Ranjan Dhawan
Managing Director and CEO

MD & CEO'S STATEMENT

"Sustaining Performance amidst Challenging Times"

Dear Stakeholder,

I am pleased to report that during the year 2014-15 (FY15), Bank of Baroda not only displayed its resilience to challenges in the Indian economy, but also sustained its performance in these challenging times. With the help of well crafted business model, the Bank crossed the 10 trillion mark of business during the year by diversifying its operations across all the verticals and using technology to its advantage.

At this point, I deem it most appropriate to review the macroeconomic environment, within which Bank of Baroda operated during FY15.

Indian Economic Review

During FY15, the Indian economy witnessed a gradual movement from stagflation, that is, stagnating growth and high inflation, to a phase of emerging green shoots of growth and sharp decline in inflation. The collapse of international commodity prices, in particular of crude oil prices, reduced political uncertainty, improved policy environment, increasing pace of reforms and fiscal consolidation have resulted in a better growth prospects for Indian economy.

The cyclical upturn signaling improvements in macro-economic stability showed up in lower than expected inflation, and manageable current account deficit with stable rupee and rising foreign exchange reserves. The CPI (combined) inflation slipped from 8.59% in April 2014 to 5.17% in March 2015, wholesale price index (WPI) dipped to (-) 2.33% by March 2015 on the back of sharp decline in fuel and food prices. Though, the exports and imports remained subdued due to weak domestic and global economies, the buoyant inflows driven by the sharp rally in stock market, kept the external sector stable. The current account deficit was at 1.6% in Q3 FY15 as against 2% in Q2, FY15. Also, foreign exchange reserves touched an all time high of US $343.0 billion during FY15.

Further, the Union Budget focused investment driven growth by increasing public expenditure on infrastructure especially roads and railways. Though, the Government achieved fiscal deficit target of 4.1% set for 2014-15, it adopted a moderate path for further fiscal consolidation by postponing the glide path to 3% from 2 years to 3 years. Moreover, the central government passed a number of key legislations relating to coal and insurance during FY15.

Even so, the macroeconomic environment remained weak during FY15 with agriculture being affected adversely both during the kharif and rabi season due to deficit and unseasonal rains. The Index of Industrial production which saw some better growth in the first quarter of FY15, slumped thereafter as structural constraints led to persistent decline in the production of core industries such as steel, natural gas and fertilizers. Also, capital goods production was marked by volatility due to stalled investments, risk aversion and weak demand. The consumer goods production was also affected by lower rural incomes and significant deceleration in corporate sales growth. The services sector growth remained mixed.

Amidst the weak operating economy, the deposit and credit growth of scheduled commercial banks remained lacklustre throughout the year. For banks, capital conservation and efficient utilization of capital has become an important challenge in view of stringent Basel –III capital norms, asset quality challenges and higher provisions. The asset quality was the major concern

of the banking sector in view of subdued economic growth and worsened repayment capacity of the borrowers.

With the sharp fall in the inflation, the RBI reduced the SLR by 150 bps and benchmark repo rate was reduced by 50 bps during the year. The banks were in a position to reduce the deposit rates in the last quarter of the FY15.

Apart from this, the banking sector participated actively in the Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana, the biggest financial inclusion initiative of the Central Government. As of March 31, 2015, the banks opened a record 14.7 crore accounts with a balance of Rs 15,670 crore in such accounts. Besides this, the banking space is set to widen with the introduction of newer market participants such as small banks and payment banks in near future.

However, banks with relatively stronger systems of credit monitoring and cash recovery were better equipped to cope with this challenge and delivered a sound performance during FY15 despite challenging macroeconomic environment.

Bank of Baroda: Sustaining Performance amidst Challenging times

During FY15, despite the macro headwinds, your Bank's global businesses crossed the 10 trillion mark and touched Rs 10,45,625 crore by registering a growth of 8.25%. The domestic business grew at a higher rate of 8.43% in FY15 and reached Rs 7,06,148 crore. During the year, your Bank pursued the strategy of continuing to diversify its loan book in favour of retail, MSME and agriculture credit, as opportunities in large-sized corporate segment had dried up. Further, as a part of conscious strategy, your Bank shed bulk and high cost deposits significantly to contain the liability costs.

Your Bank's international business grew at 7.88% (y-o-y) to reach Rs 3,39,477 crore in FY15. Healthy mobilization of domestic CASA deposits at the rate of 13.60% (y-o-y) and shedding of high-cost preferential deposits helped your Bank to improve its NIM in domestic operations at 2.91% in FY15 as against 2.87% in FY14.

Your Bank posted Operating Profit of Rs 9,915 crore (up 6.01%, y-o-y) supported by healthy Net Interest Income (at Rs 13,187 crore), Core Fees (Rs 2,200 crore), Treasury Gains (Rs 2,013 crore) and Recoveries from Written-Off Accounts (Rs 188.54 crore) combined with prudent control over Total Expenses. However, due to higher tax and non-tax provisions, your Bank posted Net Profit of Rs 3,398 crore (down 25.16%, y-o-y) during FY15.

Due to continuous stress in the economy and slow recovery, the banking industry continued to face the challenge of maintaining asset quality during the year under review also.Asset Quality therefore continued to show increased stress during the year. However, asset quality saw some improvement between the third quarter and the fourth quarter of FY15, wherein the Gross NPA declined from 3.85% at end-December, 2014 to 3.72% at end-March, 2015 and Net NPA declined from 2.11% to 1.89%. For the full year, the Gross NPA and Net NPA were at 3.72% and 1.89% in FY15 as against 2.94% and 1.52% in FY14, respectively. The Bank's Provision Coverage Ratio (PCR) remained at 64.99% in FY15 as against 65.45% in FY14.

Your Bank's Capital Adequacy Ratio continued to reflect its capital strength. The CRAR was healthy at 13.33% in terms of Basel II and 12.60% in terms of Basel III at end-March, 2015, with Tier 1 capital ratios at 10.14% and 9.87%, respectively. Common Equity Tier 1 was at 9.35% as per Basel III norms.

Strategic Initiatives during FY15

Corporate Credit

The year FY15 was marked by low credit appetite by the corporate sector on account of weak investment sentiment and issues relating to infrastructural and other bottlenecks. Your Bank thus adopted a cautious approach towards corporate credit growth. As a result your Bank has relatively lower credit growth of 7.82%.During the year your Bank introduced the system of "Online loan application tracking" to facilitate knowing status of loan applications. Through this, the applicant would be able to track the status of his application by logging through 'loan tracking' link provided on your Bank's website.

To promote Forex business and increase fee based income, your Bank added 3 more "Authorised 'B' Category" Branches to deal in Forex Business directly.

Retail Business

Your Bank strengthened its retail portfolio by placing special emphasis both on asset as well as on the liability side so as to increase customer satisfaction and also to generate synergy in its retail business model. On the liability side, with the formation of a special vertical of Deposit Resources, focus was placed on garnering higher share of retail term deposits while continuing to shedding the high cost bulk deposits. A number of initiatives were undertaken during the year for strengthening and reviving the relationship with existing customers for improving CASA deposits and promoting debit cards. Furthermore, some special drives were launched for activation of dormant accounts and funding of zero balance accounts to widen the active customer base.

From the assets side, your Bank placed added thrust on retail business to make its loan-book more balanced. To achieve this, your Bank introduced special measures to increase the attractiveness of its products. Under Home Loans, new schemes were introduced such as linking of Home Loan Advantage scheme with SB accounts, for funding premium for home loan borrowers a personal loan scheme was introduced, and a pre-approval home loan scheme was also introduced. Also, modifications and improvement to education loan schemes were also effected keeping in view the needs for higher education. Also, various campaigns were carried out to place targeted focus on retail business.

Your Bank has now extensive presence of 60 RLFs in FY15 catering to the retail sector across the country.

MSME Business

To give a boost to the MSME business as well as its employment generating potential, your Bank undertook a number of initiatives during the year under review. With the purpose to effectively finance the micro enterprises, your Bank established Baroda Micro Enterprise Cell to facilitate focused attention on financing of Micro Enterprise. As at end March, 2015, your Bank operationalised 80 such cells. Your Bank introduced new schemes such as Integrated Development of leather sector (IDLS) scheme, promoted by Footwear Design & Development Institute, Baroda, self employment programme

for individuals and group enterprises/SHGs (Restructured SJSRY scheme) and new schemes were designed for chemical and pharmaceuticals sector in Bharuch Region. Also, many area specific schemes were introduced given the demand and business potential. Apart from this, your Bank organized campaigns and celebrated MSME festivals to increase the awareness among borrowers. Moreover, to reduce the turnaround time, your Bank rolled out Lending Automation Processing System (LAPS) in all SME Loan Factories.

Your Bank has a set up of 54 SME Loan Factories (SMELFs) as of March 2015 across the country.

Priority Sectors

Your Bank has always focused on rural areas with its wide network of 1,912 rural branches and 1,386 semi-urban branches as on March 31, 2015. In order to tap emerging opportunities, your Bank undertook various initiatives during the year under review. With the purpose of increasing awareness among farmers, your Bank undertook two special campaigns viz., Joden Kisan and investment credit. Given the area specific needs, your Bank formulated tailor made schemes to address their unique requirements and also concessional rate of interest were offered to them to enhance its attractiveness.

Furthermore, your Bank launched Agriculture Loan Factories for better customer service and improving the volume and quality of the agriculture advances. Three such factories are functioning in Mehsana in Gujarat, Bareilly in U.P and Muzaffarpur in Bihar.

Your Bank strongly supported the growth and development of social sectors through its various outfits like Baroda Swarojgar Vikas Samsthan (BSVS), Baroda R-Seti Centres, Financial Literacy Centres and Micro Loan Factories.

Financial Inclusion

With the launching of Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY) during FY15, the financial inclusion received a massive impetus wherein its coverage and ambit was enlarged as compared to the earlier initiatives and it is operating under defined timelines in a mission mode. As always, your Bank has been a frontrunner even in this initiative as it looks at it not just as a social commitment but as an effective and profitable business proposition. Your Bank has achieved all the targets set under PMJDY well ahead of its timelines. As on 31.03.2015, your Bank has mobilized deposits of Rs 1,101 crore in PMJDY accounts with average balance per account above Rs 2500. Moreover, the share of Bank of Baroda in opening PMJDY account is at 5.7% of the total accounts opened by all banks and share in deposits mobilized is at 7.86%.

Apart from this, your Bank continued its pursuit of achieving the targets set under disaggregated Financial Inclusion Plan (FIP) 2016. Your Bank surpassed the target of covering 22,030 villages as against the target of 16,324. Similarly, your Bank surpassed its targets for opening of "Basic Savings Bank Deposit Account" and opening of urban kiosk, and opening of accounts through BC mode.

Given the importance of financial literacy in achieving meaningful financial inclusion, your Bank undertook Financial Literacy campaigns to educate villagers on various banking facilities and particularly, the benefits of savings, Aadhaar seeding, maintaining minimum balance, eligibility for availing Overdraft, use and safekeeping of RuPay cards, USSD facility, eligibility of availing accidental & life insurance, lodgment of claim under insurance, micro insurance products, pensions, benefits of KCC, GCC, prompt repayment, and availability of other retail and SME loans to them. Your Bank has set up a proper institutional structure for this purpose in the form of Baroda Sawarojgar Vikas Sansthan (Baroda RSETI). It is a trust formed by the Bank way back in 2003 for undertaking skill building activities for unemployed rural youth and providing hand holding support to them till their settlement in their respective venture. Further, there are Financial Literacy & Credit Counseling Centres (FLCCs) "SAARTHEE" that are operational across the country and Baroda Grameen Paramarsh Kendra that facilitate financial education, credit counseling, information sharing and problem solving on technical issues, synergy & liaison with other organizations for value added services and development activities in rural areas.

Asset Quality

Due to continuous stress in the economy and slow recovery, the banking industry continued to face the challenge of maintaining asset quality during the year under review also. Asset Quality therefore continued to show increased stress during the year leading to increase in gross NPA level to Rs 16,261 crore during FY 15 (3.72% of gross advances) from level of Rs 11,876 crore (2.94% of gross advances) last year. Similarly, total restructured advances of the Bank increased to Rs 31,572 crore in FY 15 as against Rs 26,537 crore in FY 14.

Your Bank has developed a comprehensive structure for recovery and credit monitoring function at the Branch, Region, Zone and Corporate levels. From day one of FY15, your Bank kept a close watch on potential stress accounts. Apart from large accounts, , your Bank laid specific focus on recovery of small accounts by organizing Lok Adalats and Recovery Camps at village/town level. Moreover special Schemes called Bhagirath Prayas were also launched during first half of the FY15. Your Bank also launched an incentive linked recovery scheme called "Sankalp-VII", to enlist personalized attention of each and every staff member in pursuing recovery efforts.

Customer Service

Your Bank is highly responsive to the needs and satisfaction of its customers, and is committed to the belief that all technology, processes, products and skills of its people must be leveraged for delivering superior banking experience to its customers. To improve the customer convenience further, your Bank introduced SMS alerts, missed call facility, comprehensive information about cheques for inward clearing and removal of maintenance charges on inoperative accounts. To get feedback on Bank's services, your Bank undertook online customer satisfaction survey to know about the customer's views / problems faced by customers and to take remedial measures.

Information Technology Structure

Your Bank has been using Information and Communication Technology (ICT) not only to improve its own internal processes but also to increase facilities and services for its customers.

With the purpose to enhance the customer experience in alternative delivery channels, your Bank introduced new facilities in its internet Banking viz., Baroda Connect channel.

The new enhanced features includes such as online e-banking registration, view and deposit to PPF accounts, Salary upload facility, Mobile OTP generation through smartphone, Tax payments of various States, and IMPS (Immediate Payment services), etc. Moreover, Internet Banking facility is made available on all Smart-phones/tablets offering comfort of anywhere banking to its customers. Internet Banking has been implemented in total 16 overseas territories viz. Tanzania, Uganda, Kenya, Mauritius, Seychelles, Botswana, New Zealand, UAE, Fiji, UK, Oman, Ghana, Australia, Trinidad & Tobago, Guyana and USA. Internet banking is also provided in all the RRBs sponsored by Bank.

Mobile Banking - one more alternate delivery channel that offers various facilities to your Bank's customers was completely revamped by enhancing its look and feel, user-friendliness and user experience for technology savvy customers. The Mobile Banking platform offers many features and facilities to customers, viz., icon based user interface, balance enquiry, mini statement, fund transfer, stop payment, cheque status, and other services. Mobile banking application is made available in all i-Phones, Blackberry, Android, Windows devices. Through mobile banking it is facilitated to make payments for Mobile top-up / DTH top-up, Insurance premium payment, Online shopping, Over-the counter payments, fees payments to schools/colleges/ universities, Utility Bill payments, Travel & Ticketing, Temple Donations, and Non internet based railway ticket booking through mobile phones using IMPS – IRCTC.

During the year FY15, your Bank launched the first Cash Recyclers in the country on July 20, 2014. The unique aspect of Cash Recycler is that, it is enabled to accept cash as well as dispense cash apart from balance enquiry, mini statement and PIN change facilities. These have found good response from retail as well as business customers with ease of operation and 24x7 availability. As of end March 2015, your Bank has installed 390 Cash Recyclers. Moreover, your Bank installed 1,776 new ATMs and opened 106 NonStop e-Lobbies equipped with Five Self Service machines viz. Cash Recycler, ATM, Multi Function Kiosk, Passbook Printer and Digital Signage System for providing 24x7 routine banking services during the year. Your Bank also provided self service passbook printers to all Metro and Urban branches apart from select high footfall semi-urban and rural branches. In short, IT has made a visible difference in the functioning of your Bank and conduct of its banking operations.

H. R. Initiatives

Your Bank has adopted a very balanced people strategy to create a composite and responsible Human Resource in the Bank that can drive growth and also adequately meet the various challenges of the current times, viz, the large retirements, massive induction of talent, huge training requirements and challenges of successions.

During FY15, your Bank undertook automation and centralization of various routine HR activities such as claims and reimbursements, thereby achieving faster turn around time in settling of claims. Further, your Bank has put in place a manpower planning tool which determines manpower required for different Branches / units on a scientific basis. The output from the manpower planning tool facilitates various manpower planning related decisions, that is, recruitment, new hire allocation, transfers and promotions. Even the performance management for your Bank's officer has been completely automated making the system more robust, objective and quicker.

To enhance the "Employee Engagement", your Bank undertook various initiatives like conduct of satisfaction surveys and workshops for interaction between juniors and seniors. These workshops were conducted to improve the employee connect with HR and top management. Furthermore, to reward the top performers, your Bank has performance linked incentive scheme for its employees.

With a view to identify and groom young potential leaders, your Bank has implemented a well orchestrated Talent Management System that proactively identifies future potential leaders based on various criteria and also grooms them through a systematic developmental plan for each of the identified future leader.

Against the backdrop of massive recruitments in view of large retirements, training and developments of new recruits has assumed significant importance. Further, training has now emerged as a critical function in the organizational endeavour to compete and keep the workforce fit enough to take on the competition. Your Bank has instituted learning systems through Baroda Academy which consists of series of innovations and path breaking initiatives to groom staff in key banking areas like credit, forex, core banking etc. apart from on boarding new recruits. During FY15, your Bank rolled out state of the art Learning Management System for e-learning courses which are available on the internet providing the convenience of time and place. Your Bank is the first Bank to launch 'Mobile Snippets' a Mobile App for the benefit of employees. This enables the employees to access daily banking news, gist of important BOB / RBI circulars, in-house publications, announcements for upcoming events and video messages. Moreover, Baroda Apex Academy has a Facebook page for informal learning. Further, to broad base learning, your Bank organized events such as motivational speeches, video shows and group activities etc under the name Mind Gym Series. Apart from this, your Bank also sought to engage in external trainings so as to widen the knowledge base of its employees. In recognition of the efforts towards learning practices, your Bank received a number of awards from prestigious organization such as Golden Peacock, IBA and others.

Risk Management

Risk is inevitable in the banking business and hence, a sound risk management framework is the touchstone of an efficient bank. Your Bank has robust architecture to address various risks inherent in its business viz – Credit Risk, Market Risk, Operational Risk, Liquidity Risk, Interest Rate Risk etc. The architecture includes mechanism of defining risk appetite, its monitoring, reporting and review. The objective of the architecture is to ensure that the asset quality is sustained against economic shocks and sufficient capital buffers are available to withstand them. The prudent risk taking culture revolves around continual and optimal enhancement in our systems, process, awareness and skill sets, so that a balance of support and control functions is achieved.

Few of the testimonies of enhanced risk management practices are that the Reserve Bank of India has permitted bank for a parallel run under Foundation Internal Rating-based (FIRB)

Approach in respect of Credit Risk. For Market Risk, your Bank has set up Global Mid Office in Mumbai, which facilitate cost-efficient and more effective way of measuring, monitoring and reporting the Market Risk positions in its global operations. The systems to operationalise the Global Mid Office, compliant with Internal Model Approach of Basel II norms are in advance stage of implementation. In respect of Operational Risk, your bank has implemented a web based sophisticated Operational Risk Management solution, which is one of the best available solution in the industry. Similarly for Asset Liability Management, Fund Transfer Pricing and Profitability Analysis, Oracle Financial Services Analytical Application Infrastructure has been deployed.

Your Bank has successfully implemented Basel III norms pertaining to capital quantity and quality, Leverage Ratio and Liquidity Coverage Ratio with the transition rules specified by the Reserve bank of India.

Overseas Business

Despite, the weakness in the global economies across advanced and emerging economies, the overseas business of your Bank continued to contribute significantly to its overall (global) business. Your Bank's wide-spread overseas presence provides it with significant risk diversification benefits across the globe. Your Bank's large network of branches in overseas territories and its continued thrust on overseas expansion helped exploit rich business opportunities even during FY15. As of 31st March 2015, it had operations in 24 countries with 104 offices. These 104 offices comprised of 60 overseas branches of your Bank, 43 branches of its overseas subsidiaries and one representative office. During the year under review, your Bank opened two new branches at Meru in Kenya and Mwanza in Tanzania.

Key Achievements in FY15

In spite of the challenging business environment, your Bank ended the year under review with a satisfactory set of results.

- Your Bank's **Global Business** expanded by 8.25% (y-o-y) to Rs 10,45,625 crore by end March 15. Within this, the **Domestic Business** expanded by 8.43% to Rs 7,06,148 crore and the **Overseas Business** increased by 7.88% to Rs 3,39,477 crore.
- The **Global Deposits** registered a growth of 8.55% (y-o-y) to Rs 6,17,560 crore by end March 15. Within this, the **Domestic Deposits** expanded by 9.29% to Rs 4,14,278 crore and the **Overseas Deposits** rose by 7.08% to Rs 2,03,282 crore.
- Amidst aforementioned challenges, Your Bank's **CASA deposits** increased by 11.25% (y-o-y) to Rs 1,62,969 crore.
- The share of **Domestic CASA** as on 31st March 2015 stood at 33.01% as against 31.76% as on end-March 2014.
- The **Global Advances** increased by 7.82% (y-o-y) to Rs 4,28,065 crore by end March 15. Within this, the **Domestic Advances** rose by 7.24% to Rs 2,91,870 crore and the **Overseas Advances** surged by 9.10% to Rs 1,36,195 crore.
- The **Retail Credit** of your Bank increased by 14.06% (y-o-y) to Rs 52,488 core during FY15, of which **Home Loans** increased by 15.26% to Rs 22,542 crore.
- Your Bank's **SME Credit portfolio** increased by 9.46% (y-o-y) to Rs 61,993 crore by end- March 2015. The **Farm Credit** increased by 31.55% and reached the level of Rs 37,403 crore and its credit to **weaker sections** increased by 9.28% to Rs 22,510 crore.
- Your Bank's **Operating Profit** stood at Rs 9,915 crore and **Net Profit** at Rs 3,398 crore in FY15.
- The **Return on Average Assets** (ROAA) stood at 0.49% in FY15.
- Despite capital infusion by Government of India, the **Return on Equity** (ROE) was at 9.21% as at 31st March 2015.
- Your Bank managed to improve its NIM at 2.91% in **Domestic Operations** and protect NIM at 2.31% in **Global Operations** during FY15.
- Given your Bank's prudent approach, its **Provision Coverage Ratio** was at 64.99% as on 31st March 2015 – relatively higher in a PSU banking segment.
- Your Bank's Capital Strength gets reflected in its **CRAR (Basel II)** at 13.33% and Tier I capital at 10.14% as on 31st March 2015.
- Your Bank's **Cost-Income Ratio** was at 43.63% for FY15.
- While its **Earning per Share** stood at Rs 15.83, its **Book Value per Share** stood at Rs 166.83.

Awards & Accolades

During the year FY15, your Bank received several awards for its noteworthy performance across various business and financial parameters. The major ones were as follows.

- The Bank of Baroda conferred "Best Bank – Global Business Development (Public Sector)" & "Best Bank – Overall (Public Sector)" Award in Dun & Bradstreet – Polaris Financial Technology Banking Awards 2014
- Your Bank was awarded "Best PSU for MSME" by India SME Forum on 11th July, 2014 at New Delhi
- The Bank of Baroda awarded Skoch Order of Merit in India's Best 2014 Financial Inclusion & Deepening Awards 2014 by Skoch Consultancy Services Pvt. Ltd
- Your Bank Ranked 21st amongst Best Indian Brands 2014 in Brand Equity – The Economic Times dated 06.08.2014
- The Bank of Baroda has won National Prize – First Rank in "Innovative Training Practices" for the year 2014 from "Indian Society for Training and Development"(ISTD) at Bhubaneshwar
- Your Bank was conferred 'The Most Efficient Public Sector Bank' for the year 2014 by Dalal Street Investment Journal in the 'Best PSU's of India Awards' held at New Delhi.

These awards and recognition are particularly valuable, as they acknowledge the merits of your Bank's successful business model that made a difference to the nation's progress.

Looking Forward

From the macroeconomic stability perspective, Indian economy has been witnessing lower inflation, lower current account deficit, robust foreign exchange reserves, contained fiscal deficit, momentum in reforms and therefore, improved growth prospects. Hence, Indian economy is better placed to withstand the challenges emanating from the possible interest rate reversal in United States and its implication on the domestic economy and weakening external demand.

In March 2015, the IMF has raised its forecast for India for 2015 to 7.5% from 6.3% projected earlier in response to the revision of its methodology for estimating GDP. Moreover, the IMF considers that Indian economy will be the fastest growing emerging market economy in the world driven by stronger investment following improvements to business climate. However, it is with a broad based recovery, the banking industry would see better credit demand as well as improvement in asset quality. Further, Moody's upgraded India's sovereign rating outlook to 'positive' from 'stable' in April 2015.

Even so, the growth in FY16 may be moderate given the uncertainties pertaining to monsoon as there are forecast of a less than normal monsoon, geopolitical risks surrounding oil prices, the uneven effects of currency and commodity prices and any unforeseen natural disaster.

During FY15, Bank of Baroda made significant progress towards building a preferred bank for its stakeholders. Despite challenging environment, its earnings remained resilient; its fresh slippages started easing and its strong funding position enabled it to continue to support its borrowers.

During FY16, Bank of Baroda will continue to focus on further strengthening its capital and funding position so as to grow its business sustainably with better profitability. Your Bank is confident that with its strategic focus on people, processes and technology, it will remain in the leadership position in the emerging business environment.

Bank's Corporate Goals and Strategy

Supported by its achievements during FY15, your Bank has chosen to continue its motto of **"Race Ahead"** with addition **"From Good to Great"** to consolidate the synergy generated last year amidst emerging economic and banking scenario and by transforming from being a Good Bank to a Great Bank. Hence, the Bank has identified **"RACE AHEAD"** from **Good to Great** as its motto for FY16. The word **RACE** denotes the following:

R for - Retail Leaning

A for - Asset Quality

C for – Capacity Building

E for – Earnings Focus

In FY16, your Bank would consolidate the progress made so far and would focus on improving profitability and profitability ratios at a much faster pace by leveraging its vast technological advantage and extensive alternate delivery channel network. However, the movement from Goodness to Greatness involves considerable hard work and consistency in its performance in all spheres of activities to touch the hallowed goal of Greatness.

To strengthen the approach towards **Retail Leaning,** your Bank will emphasize on aggressively canvassing low-cost current and saving deposits plus retail term deposits as against the high-cost bulk deposits. Simultaneously, the focus will be on Retail Credit, MSME and Agriculture credit to make the loan-book more diversified. Further, your Bank plans to utilize its technological advantage to its benefits by extensive use of alternate delivery channels such as ATMs, internet banking, mobile banking, usage of cards (credit, debit and gift), and POS machines to garner more retail business.

Similar to its efforts to improve **Asset Quality** in FY15, your Bank will focus on credit appraisal including stringent KYC and documentation, and monitoring, NPA recovery and up-gradation in a big way and further arrest the fresh slippages. Moreover, with better regulatory environment in terms of new bankruptcy code and commercial courts augurs well for maintaining better asset quality. Your Bank also plans to include sector specific focus to ensure better recovery, for instance, in case of agriculture, added focus would be laid on financial literacy and educating borrowers about benefits of timely repayment.

Capacity Building is another area where your Bank has been investing significantly. During FY15, your Bank opened 351 new Branches, installed 1,776 new ATMs, opened 106 NonStop e-Lobbies and provided a number of Bunch Note Acceptors, Self-service Pass book Printers, Cash Recyclers etc. to its branches. Your Bank will accord high priority to generate benefits from this extensive network and efficient alternate delivery channels spread across the country and globe during FY16.

To respond to increasing competition and other challenges, your Bank will make its business model more cost-efficient and try to improve its **Earnings** through an optimum mix of interest income and non-interest income. To achieve this, it will optimize the use of technology as the change agent. Your Bank will not only focus on traditional business unit but also non-interest income sources and fee income from various avenues. Your Bank will continue to focus on improving its return ratios.

Additionally, your Bank will continue to harness its advantage of its wide overseas presence by widening its geographical presence as well as initiate measures and products so as to increase attractiveness of its products as also cater to diverse population across the globe.

With its intrinsic strengths in the form of capital, human resources, technology and iconic brand, your Bank is well positioned for growth during FY16. In the current economic environment, your Bank will consolidate its positions by preserving its healthy ratios and building on it further to ensure buoyant growth in its profitability and return ratios.

We are encouraged by and grateful for the ongoing support of all our shareholders. I solicit your continued cooperation and patronage in future also.

Ranjan Dhawan
Managing Director and CEO

निदेशकों की रिपोर्ट

"आपके निदेशक गण बैंक की 107 वीं वार्षिक रिपोर्ट के साथ 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष (वित्तीय वर्ष 15) के लेखा-परीक्षित तुलन-पत्र, लाभ-हानि लेखा और व्यवसाय तथा परिचालन संबंधी रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत कर रहे हैं."

कार्यनिष्पादन - उपलब्धियां

- **कुल कारोबार** (जमा एवं अग्रिम) बढ़कर 10,45,625 करोड़ हो गया. इस प्रकार इनमें8.25 % (वर्ष दर वर्ष) की वृद्धि हुई.
- **सकल लाभ** एवं **शुद्ध लाभ** क्रमशः रु. 9,915 करोड़ एवं रु. 3,398 करोड़ रहा. शुद्ध लाभ में पिछले वर्ष की तुलना में (-)25.16% की कमी हुई.
- **ऋण जमा अनुपात** पिछले वर्ष के 86.15% की तुलना में 84.82% रहा.
- **खुदरा ऋणों** में 14.06% की वृद्धि हुई और यह वित्तीय वर्ष 2015 में बैंक के सकल घरेलू ऋणों का 14.07% रहा.
- **एमएसएमई ऋणों में** 9.46% की वृद्धि और यह वित्तीय वर्ष 2015 में बैंक के सकल घरेलू ऋणों का 17.27% रहा.
- **वित्तीय वर्ष** 2015 **में वैश्विक परिचालनों में शुद्ध ब्याज अंतर (एनआईएम) ब्याज अर्जक अस्तियों के प्रतिशत के रूप में** 2.31% एवं घरेलू परिचालनों में 2.91% के स्तर पर रहा.
- **शुद्ध अग्रिमों में शुद्ध गैर निष्पादक आस्तियां** 1.89% रहीं जबकि पिछले वर्ष यह 1.52% थी.
- **पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) बासेल II के अनुसार** 13.33% रहा.
- **पूंजी पर्याप्ता अनुपात (सीएआर) बासेल III के अनुसार** 12.60% रहा.
- **शुद्ध मालियत** सुधर कर रु. 36,895 करोड़ हो गयी. इसमें 11.48% की वृद्धि दर्ज हुई.
- वर्ष के दौरान **बही मूल्य** रु. 162.70 (813.50 शेयर के विभाजन पूर्व) से बढ़कर रु. 166.83 हो गया.
- वर्ष के दौरान **प्रति कर्मचारी** कारोबार रु. 1,865 लाख से बढ़कर रु. 1,889 लाख हो गया.

खण्डवार कार्य निष्पादन

वित्तीय वर्ष 15 के खंडवार परिणामों में राजकोषीय परिचालन (ट्रेजरी) का योगदान रु. 3,333 करोड़, कार्पोरेट होलसेल बैंकिंग का रु. 936 करोड़, खुदरा बैंकिंग का रु. 3,005 करोड़ तथा अन्य बैंकिंग परिचालनों का योगदान रु. 50 करोड़ रहा. आपके बैंक ने रु. 2,022 करोड़ के गैर- आबंटित खर्चे घटाने और करों के लिए रु. 1,904 करोड़ का प्रावधान करने के बाद रु. 3,398 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ (पीएटी) अर्जित किया.

लाभांश

- आपके बैंक के निदेशकों ने रु. 3.20 प्रति शेयर का अंतिम लाभांश की सिफारिश की है. इसमें कर सहित लाभांश के रूप में कुल व्यय रु. 851.69 करोड़ होगा.

पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर)

आपके बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात काफी अच्छा है एवं 31 मार्च, 2015 को यह बासेल II के अन्तर्गत 13.33% तथा बासेल III के अंतर्गत 12.60% है. इसके अतिरिक्त, बासेल III फ्रेमवर्क के अंतर्गत आपके बैंक का टियर 1 अनुपात 9.87% तथा सामान्य इक्विटी टियर 9.35% था. 31 मार्च, 2015 को आपके बैंक की शुद्ध मालियत रु. 36,895 करोड़ रही. इसमें चुकता पूंजी रु. 443 करोड़ और प्रारक्षित निधि (पुनर्मूल्यांकन निधि को छोड़कर) रु. 2,547 करोड़ शामिल है.रु. 36,452 करोड़ की राशि अर्जित लाभ में से प्रारक्षित निधि में अंतरित की गयी.

सेवानिवृति तथा अन्य लाभों के लिए प्रावधान

वित्तीय वर्ष 2015 के दौरान बैंक ने उपदान में अंशदान के रूप में (रु. 40.40% करोड़) पेंशन निधि के रूप में (रु. 920.69 करोड़) अवकाश नकदीकरण के रूप में (रु. 148.54 करोड़) तथा अतिरिक्त सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में (रु. 211.33 करोड़) की राशि का उपचय आधार पर प्रावधान किया है. इन चारों श्रेणियों में प्रावधान की कुल राशि वित्तीय वर्ष 2015 के दौरान रु. 897.94 करोड़ रही जबकि वित्तीय वर्ष 2014 के दौरान यह प्रावधान राशि रु. 1,491.36 करोड़ था. मार्च, 2015 के अन्त में बैंक के पास इन शीर्षों के तहत उपलब्ध कुल आधारभूत निधि इस प्रकार थीः रु. 1491.36 करोड़ (उपदान), रु. 8,583.68 करोड़ (पेंशन निधि), रु. 781.97 करोड़ (अवकाश नकदीकरण) तथा रु. 369.87 करोड़ (अतिरिक्त सेवानिवृत्ति लाभ).

प्रमुख वित्तीय अनुपात

विवरण	वित्तीय वर्ष 15	वित्तीय वर्ष 14
औसत आस्तियों पर आय (आरओएए) (%)	0.49	0.75
निधियों की औसत लागत (%)	5.23	5.37
औसत आय (%)	7.53	7.68
औसत ब्याज अर्जक आस्तियां (₹ करोड़ में)	5,70,592.45	5,07,082.68
औसत ब्याज वहन करने वाली देयताएं (₹ करोड़ में)	5,69,190.46	5,02,176.05
शुद्ध ब्याज मार्जिन (%)	2.31	2.36
लागत आय अनुपात (%)	43.63	43.44
प्रति शेयर बही मूल्य (₹)	166.83*	813.50
ईपीएस (₹)	15.83*	107.38

*विभाजन के बाद शेयर का अंकित मूल्य

प्रबंधन विचार विमर्श और विश्लेषण

वित्तीय वर्ष 2015 का आर्थिक परिवेश और वित्तीय वर्ष 2016 की सम्भावनाएं

वित्त वर्ष 2015 में पूरे वर्ष विकास की गति धीमी रही तथापि मनोभाव सकारात्मक बने रहे क्योंकि इन्हे कई घरेलू एवं वैश्विक तत्वों से समर्थन मिला. जैसे स्थायी सरकार का गठन, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से गिरावट, बड़े-बड़े बिलों जैसे बीमा, खान का पारित होना तथा केंद्रीय बजट का निवेशोन्मुख होना फलस्वरूप बड़ी और उभरती आर्थिक अर्थव्यवस्थाओं के मंद विकास के बीच भारतीय आर्थिक परिदृश्य में सुधार हुआ.

केंद्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (सीएसओ) द्वारा सकल घरेलू उत्पाद के जारी संशोधित एवं पुनर्आधारित अनुमानों के अनुसार सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014-15 में वर्ष 2013-14 के 6.9% और 2012-13 में 5.1% के मुकाबले 7.4% की दर से बढ़ेगा. वर्ष 2014-15 में उद्योग एवं सेवा क्षेत्र में उच्च दर से वृद्धि का अनुमान है. कृषि क्षेत्र में खरीफ मौसम में असमान वर्षा के कारण तथा वर्ष के उत्तरार्ध में बेमौसमी बरसात के कारण कृषि क्षेत्र में उत्पादन में कमी का अनुमान है. औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) जिसमें प्रथम तिमाही में बड़ी तेजी देखी गयी थी. इसमें बड़ी गिरावट नजर आयी. इसमें फरवरी 2015 में 5% की वृद्धि हुई. फिर भी 2014-15 की आई.आई.पी विकास दर पिछले वर्ष की उसी अवधि की तुलना में 2.8% रही. यद्यपि, पूंजीगत माल का उत्पादन, नॉन- आयल, नॉन- गोल्ड आयात में कुछ तेजी रही. आपूर्ति बाधाओं के दुश्चक्र, रुके हुए निवेश, दबावग्रस्त बैंक तुलन पत्र, जोखिम दबाव एवं कमजोर मांग जारी रही. वर्ष के दौरान निर्यात विकास दर मंद रही. कमजोर घरेलू अर्थव्यवस्था के कारण आयात में कमी के कारण, व्यापार घाटे में कमी रही. तथापि, इक्विटी मार्केट में वृद्धि के कारण, पोर्टफोलियो एवं विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में तेजी रही. वाह्य वित्तपोषण की आवश्यकताओं की तुलना में पूंजी प्रवाह काफी अधिक होने के कारण, विदेशी मुद्रा भंडार वर्ष के दौरान बढ़कर यूएस डॉलर 343.0 बिलियन के स्तर पर पहुंच गया.

तथापि वर्ष के दौरान विकास की कुछ नयी संभावनाओं का प्रस्फुटन हुआ. वर्ष 2013-14 की तुलना में वर्ष 2014-15 में निवेश प्रस्तावों में कुछ सुधार हुआ. हमारी संसद ने हमारी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले बीमा विधेयक को पारित कर दिया. संसदीय बजट में सरकार द्वारा पूंजीगत कार्यों में 25% की दर से निवेश को बढ़ाने हेतु मूलतः रेलवे एवं राजमार्गों में निवेश की घोषणा की गयी. सरकारी सहायता से निवेश के रुप मे एक स्वस्थ परिवर्तन मार्गस्थ है.

चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कई कदम उठाये गए जिसमें पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस की प्रशासित मूल्यनिर्धारण नीति को तर्कसंगत बनाना तथा कोयला एवं ऊर्जा जैसी निविष्टियों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करना शामिल है. प्रधान मंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाय) के तहत उठाये गए सबसे बड़े वित्तीय समावेशन के कदम अबतक सेवा से वंचित जनसंख्या को वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने से विकास के द्वार खोलने की योजना सफल रही. आधार से जुड़ी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना में पर्याप्त प्रगति हुई है.

भारत जैसे बड़े कच्चे तेल के आयातक देश के मामले में कच्चे तेल के दामों में जून 2014 से 50% की गिरावट एक सुखद अनुभव रहा. इसका चालू खाता घाटा कम करने, मुद्रास्फीतिक दवाब को घटाने और विकास पर काफी सकारात्मक प्रभाव रहा. घटती हुई निविष्टियों की लागत के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) अप्रैल 2014 में 8.59% से घटकर मार्च 2015 में 5.17% रहा. जो कि भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित लक्ष्य से काफी नीचे था. थोक मूल्य सूचकांक अप्रैल 2014 में 5.5% से घटकर नवंबर 2014 (-) 0.17% में हो गया और इसके बाद मार्च 2015 तक नकारात्मक (-) 2.33% दायरे में रहा.

वर्ष 2015 के प्रारंभ में मुद्रास्फीति बढ़ी हुई थी जबकि विकास दर धीमी रही. भारतीय रिज़र्व बैंक ने मांग दबाव और रुपए में बढ़-घट को नियंत्रित करने हेतु दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया. तथापि घटती विकास दर को सहायता देने हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक ने एसएलआर में 150 बीपीएस अंकों की जिसमें 14 जून 2014 से 50, 9 अगस्त 2014 से 50 एवं 7 फरवरी 2015 से 50 बीपीएस की कटौती की. किंतु जैसे ही जुलाई 2014 में मुद्रा प्रसार प्रक्रिया मजबूत बनी, इंधन एवं खाद्य की लागतों में आशा से अधिक तीव्र गिरावट होने के कारण, सप्ताहांत मूल्यनिर्धारण शक्ति और आर्थिक गतिविधियों में निरंतर मंदी को ध्यान में रखकर भारतीय रिज़र्व बैंक ने रेपो दरों में 50 बीपीएस की 15 जनवरी 2015 और मार्च 2015 को प्रत्येक बार 25 बीपीएस की कटौती की. इसे केंद्र सरकार ने उच्च क्वालिटी वित्तीय समेकन के द्वारा समर्थन दिया गया.

वर्ष के दौरान मौद्रिक नीति के परिचालन में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिले. डॉ. उर्जित पटेल समिति की सिफारिशों के अनुसार भारतीय रिज़र्व बैंक ने नया उपभोक्ता सूचकांक (संयुक्त) को मुद्रा स्फीति के महत्वपूर्ण उपाय और मुद्रा अप्रसार के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने अर्थव्यवस्था को मुद्रा अप्रसार के पथ पर रखने का लक्ष्य निर्धारित किया है. इसके लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक को जनवरी 2015 तक 8.0% और जनवरी 2016 में 6% पर लाने का लक्ष्य रखा है. भारतीय रिज़र्व बैंक ने 5 सितंबर 2014 से अपने तरलता प्रबंधन फ्रेमवर्क को संशोधित किया है. इसके लिए अधिक बारम्बारता 14 दिनी टर्म रेपो और दैनिक ओवरनाइट परिवर्तनीय दर रेपो परिचालन प्रारंभ किया है जिससे तरलता प्रबंधन परिचालन में लचीलापन पारदर्शिता, पूर्वानुमान सुनिश्चित हो सके.

फरवरी 2015 में भारतीय रिज़र्व बैंक एवं भारत सरकार के बीच ऐतिहासिक महत्वपूर्ण करार हस्ताक्षरित किया गया जो मुख्य स्थायित्व को मौद्रिक नीति के बड़े उद्देश्य के रुप में संस्थागत रुप देने के लिए वचनबद्ध है. अलावा इसके तीन तिमाहियों तक लगातार इन लक्ष्यों को प्राप्त न कर पाने की स्थिति में जवाबदेही प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी. इन गतिविधियों के अलावा भारतीय रिज़र्व बैंक ने मार्केट में नये प्रतिभागियों को लाइसेंस जारी कर तथा नये भुगतान बैंकों का विशिष्टीकृत भुगतान कार्यों को करने हेतु शुभारंभ करके बैंकिंग दायरे को विस्तारित किया.

वर्ष के दौरान यूएस अर्थव्यवस्था में मजबूती के संकेतों के फलस्वरूप यूएस फेड दरों में वृद्धि को लेकर बाजार में चिंता बनी रही किंतु जैसे-जैसे वर्ष आगे बढ़ा कमजोरी के संकेत मिलने के फलस्वरूप दरों के सामान्यीकरण को आस्थगित रखा गया. इसी क्रम में यूरोप और जापान में बड़े पैमाने पर ढील दिए जाने के कारण उनकी अर्थव्यवस्थाओं को बढावा मिला. चीन की अर्थव्यवस्था में मंदी के संकेतों को गति मिलने से भारतीय अर्थव्यवस्था को बेहतर कार्यनिष्पादन वाली अर्थव्यवस्था के रूप में जाना जाने लगा. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष सहित पूरे विश्व के सार्वजनिक एवं निजी विचारकों ने वर्ष 2016 में भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए उच्च विकास दर प्रोजेक्ट की है. इसके अलावा मूडीज की रेटिंग एजेंसी ने रेटिंग आउटलुक को स्थायी से सकारात्मक कर दिया उनकी आगामी समय में बेहतर वृद्धि की अवधारणा है. विकास दर से पुर्नजीवन के लिए सरकार द्वारा निरंतर बजट घाटे में कमी करने की वचनबद्धता से सहायता मिली है. जबकि संरचनागत सेक्टर, रेलवे एवं पावर लाइंस को उन्नयन करने के लिए अधिक निवेश से विकास दर को गति मिली है. यूएस फेड दरों के सामान्यीकरण में अनिश्चितता कच्चे तेल के दामों में स्थिरता, सामान्य मानसून की क़म संभावना बने रहना आने वाले दिनों में अनिश्चितता के कुछ मुख्य कारक हैं.

वित्त वर्ष 2015 में भारतीय बैंकिंग सेक्टर का कार्यनिष्पादन एवं वर्ष 2016 के लिए अवधारणा

बैंकिंग सेक्टर के समक्ष, धीमी ऋण विकास दर, कमजारे होते कार्पोरेट तुलन पत्र और बेसल III पूंजी मानदंडों के तहत पूंजी संरक्षण के बीच बहुआयामी चुनौतियां है.

वित्त वर्ष 2015 के दौरान जमा एवं ऋण दोनों ही क्षेत्रों में बैंकिंग उद्योग की विकास दर, समग्र आर्थिक मंदी, रुकी हुई परियोजनाएं, कमजोर निवेश, दबावग्रस्त कारपोरेट तुलन पत्र और आपूर्ति बाधाओं के कारण कई वर्षों में सबसे कमजोर रही. वित्त वर्ष 2015 के दौरान ऋण विकास दर 10% के आस-पास रहीं. कमजोर शीर्ष आर्थिक परिवेश के अलावा, बैंक आस्तियों की गुणवत्ता की बढ़ती चिंताओं के बीच बैंक जोखिम विमुख बने रहे. इसी क्रम में, ऋण के वैकल्पिक स्रोत जैसे, कमर्शियल पेपर और बाह्य कमर्शियल उधारियां निधियों के तीव्र स्रोत बने रहे. अलावा इसके वर्ष के दौरान बैंकों ने आस्ति पुनर्गठन कंपनियों को आस्तियों की बिक्री के माध्यम से इनका आश्रय लिया.

वर्ष के दौरान बैंकों ने मुद्रास्फीति में तेजी से कमी के कारण, विभिन्न परिपक्वता वाली जमाराशियों की जमादरों में कमी की. भारतीय रिज़र्व बैंक ने एसएलआर और पालिसी दरों में वर्ष के दौरान कमी की. बैंकिंग सेक्टर के लिए बड़ी चिंता आस्तियों की गुणवत्ता को लेकर थी जिसके फलस्वरूप आधिक प्रावधान करने की आवश्यकता हुई जिससे बैंकों की लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा.

अर्थव्यवस्था को पुर्नजीवित करने हेतु सरकार द्वारा की गयी कई पहलों तथा भारतीय रिज़र्व बैंक की नीति के कारण आर्थिक पुर्नजीवन अंकुर दिखाई पड़ते है. तथापि अर्थव्यवस्था में बड़े आधार वाला पुर्नजीवन विशेष रुप से ढांचागत से बैंक की आस्तियों की गुणवत्ता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा. फलस्वरूप समग्र बैंकिंग उद्योग के कार्यनिष्पादन पर प्रभाव पड़ेगा.

इन चिंताओं के अलावा, बैंकिंग उद्योग के समक्ष, बेसल III की पूंजीगत आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु पूंजी जुटाने की चुनौती है. जनवरी 2015 से तरलता कवरेज अनुपात और कार्यान्वित किए जा रहे मॉनीटरिंग टूल्स के कारण पूंजी संरक्षण का महत्व अधिक बढ़ गया है.

इन चुनौतियों के बीच बैंकिंग उद्योग ने प्रधान मंत्री जन-धन योजना के लक्ष्यों को इसकी अंतिम तिथि के पहले प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है. इसी क्रम में बैंकों ने सरकार की आधार से संबद्ध प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना को अति कुशलतापूर्वक सहायता राशि पहुंचाने में तेजी से आगे बढ़ाया है.

जोखिम प्रबन्धन

स्थायी और निरंतर विकास सुनिश्चित करने के लिए आपके बैंक ने एक व्यवस्थित जोखिम प्रणाली विकसित की है ताकि बैंक द्वारा अनुमानित जोखिमों का लगातार और व्यवस्थित आकलन व मॉनीटरिंग की जा सके. यह उल्लेखनीय है कि जोखिम प्रबंधन प्रणाली सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अंततः बैंक के निदेशक मंडल पर है. इसमें जोखिम प्रवृति, नीति निर्धारण एवं प्रभावी मॉनीटरिंग शामिल है. आपके बैंक के निदेशक मंडल द्वारा एक सुदृढ़ उद्यमव्यापी जोखिम प्रबंधन स्वरूप निर्धारित किया गया जिससे कि जोखिम, बैंक के निदेशक मंडल द्वारा परिभाषित जोखिम प्रवृत्तियों के अनुरूप रहे.

निदेशक मंडल ने बैंक द्वारा कल्पित समस्त जोखिमों पर निगरानी रखी है. विभिन्न जोखिमों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के लिए बोर्ड की एक विशिष्ट समिति का गठन किया गया है. प्रत्येक प्रकार के जोखिम के लिए नियंत्रक रूपरेखा बनाने के प्रयोजन से निदेशक मंडल अथवा बोर्ड समिति द्वारा समय-समय पर नीतियां अनुमोदित की जाती है. इन नीतियों के दायरे में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जाती हैं.

विभिन्न जोखिमों के निर्धारण, मूल्यांकन तथा प्रबंधन की प्रक्रिया संक्षेप में निमनानुसार है.

आस्ति देयता प्रबन्धन(एएलएम)

आपके बैंक का आस्ति देयता प्रबन्धन (एएलएम) का लक्ष्य नीतिपरक योजना, कार्यांवयन तथा नियंत्रण प्रक्रिया जो मात्रा, मिश्रण, परिपक्वता, दर की संवेदनशीलता, गुणवत्ता तथा बैंक की आस्तियों व देयताओं की तरलता पर लक्षित है, जिसके द्वारा, यह सुनिश्चित किया जाता है कि इसका प्रतिफल लिए गए जोखिम के स्तर के अनुरूप है.

एएलएम आस्ति देयता प्रबन्धन समिति (एएलसीओ) का कार्य है, इस समिति में महाप्रबन्धक तथा कार्यपालक निदेशक शामिल हैं तथा इसका नेतृत्व अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक द्वारा किया जाता है. यह बोर्ड या/अथवा एएलएम तथा जोखिम प्रबन्धन के बोर्ड की उपसमिति के मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण के अंतर्गत परिचालित होती है. यह समिति पर ब्याज दरों के परिदृश्य, जमाओं और ऋणों के उत्पाद मूल्यों के निर्धारण, वृद्धिशील आस्ति एवं देयताओं की परिपक्वता की रूपरेखा, बैंक निधियों के लिए मांग, बैंक के नकदी प्रवाह, लाभ योजना तथा सम्पूर्ण तुलन पत्र प्रबन्धन की समीक्षा के लिए मिलती है. एएलसीओ जमा व अग्रिम उत्पादों की आधार दर का मूल्य निर्धारण करने तथा आधार दर के संशोधन की सलाह बोर्ड को सौंपती है.

आपके बैंक में, तरलता जोखिम दो दृष्टिकोणों से मापा तथा मॉनीटर किया जाता है, प्रवाह दृष्टिकोण तथा स्टॉक दृष्टिकोण. प्रवाह के दृष्टिकोण को तरलता अंतराल स्थिति के लिए उच्चतम सीमा के एवज में दैनिक आधार पर संरचनात्मक तरलता विवरणी तैयार करने के द्वारा किया जाता है. आगे तरलता की गुणवत्ता की जांच स्टॉक अप्रोच के विभिन्न अनुपातों पर कार्य कर की जाती है. स्टॉक अप्रोच की उच्चतम सीमा के अनुपालन से यह सुनिश्चित किया जाता है कि बैंक ने अपनी तरलता का प्रबंधन उपयुक्त विविधताओं के माध्यम से किया है तथा इसे निर्धारित सीमा के अंदर रखा जा रहा है. इसके अतिरिक्त तरलता की स्थिति का आकलन परवर्ती तीन माह के लिए डायनेमिक आधार पर डायनेमिक अंतराल रिपोर्ट के माध्यम से प्रत्येक पखवाड़े में किया जाता है.

मुद्रावार ब्याज दर जोखिम का आकलन तथा मॉनीटरिंग पारम्परिक अंतराल अप्रोच तथा आवधिक अंतराल अप्रोच दोनों माध्यम से किया जाता है. एनआईएम ब्याज दर की गतिविधियों के लघु अवधि प्रभाव का निर्धारण "अवधि गैप अप्रोच" के माध्यम से किया जाता है , इसमें आय वक्र जोखिम, आधार जोखिम तथा अंतःस्थापित विकल्प जोखिम भी शामिल हैं. इक्विटी के बाजार मूल्य पर ब्याज दर गतिविधियों के दीर्घ कालिक प्रभाव का निर्धारण भी आवधिक अंतराल अप्रोच के माध्यम से किया जाता है.

आधुनिक तकनीक जैसे तरलता जोखिम के तनाव की जांच तथा ब्याज दर जोखिम, अनुकरण, संवेदनशीलता का विश्लेषण आदि का उपयोग विभिन्न तरलताओं तथा ब्याज दर परिदृश्यों के तहत आकस्मिकता निधियन योजना तैयार करने के लिए निरंतर अंतराल पर किया गया. आपके बैंक ने विभिन्न तनावपूर्ण परिदृश्यों के तहत अपनी तरलता बाध्यताओं को पूरा करने के लिए आकस्मिक योजना तैयार की है.

आपके बैंक ने ओरेकल फायनांशियल सर्विस एनालिटिकल एप्लीकेशन (ओएफएसएए) प्लेटफॉर्म कार्यान्वित किया है, जो बहुमुद्रा एएलएम, निधि अंतरण मूल्य निर्धारण (एफटीपी), तथा लाभकारी समाधान है, जो सही सूचना एकत्र करने तथा उनका आकलन करने के लिए विस्तृत डाटा प्रबन्धन क्षमता युक्त है. आकलन तथा रिपोर्टिंग टूल के एक शक्तिशाली समूह के साथ, प्रभावशाली तरलता तथा ब्याज दर प्रबन्धन को सुगम बनाया गया है, जिससे यह सम्भावित विचलन के विरूद्ध अलर्ट जनरेट करने तथा रणनीतिक निर्णय लेने में सहायक बन सकें.

आपके बैंक ने तरलता मानकों पर बेसल III फ्रेमवर्क को - तरलता कवरेज अनुपात, तरलता जोखिम मॉनीटरिंग टूल्स और एलसीआर घोषणा मानकों को कार्यान्वित कर दिया है. एलसीआर मानकों का ध्येय यह सुनिश्चित करना है कि बैंक पर्याप्त भार रहित उच्च कोटि की आस्तियां रखे जिन्हे नकदी में बदला जा सके जो भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित महत्वपूर्ण गंभीर दबाव परिवेश 30 कैलेंडर दिनों की आवश्यकता को पूरा कर सकें. एलसीआर और मॉनीटरिंग टूल्स भारतीय बैंकों के लिए पूरे बैंक हेतु जनवरी 2015 से लागू है. स्टैंड अलोन आधार पर शाखाओं के माध्यम से विदेशी परिचालन सहित और मार्च 16 से यह समेकित आधार पर कार्यान्वित किया जाएगा.

ऋण जोखिम

ऋण जोखिम में चुकौती में चूक से जुड़ी हानियों की संभावनाएं अथवा ऋणकर्ता ऋण गुणवत्ता में कमी अथवा प्राथमिक और/अथवा सम्पार्श्विक आस्तियों में कमी निहित हैं. आपके बैंक में ऋण जोखिम निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित फ्रेमवर्क द्वारा संचालित किया जाता है जिसमें नीतियों का निर्धारण, प्रक्रिया और रिपोर्टिंग अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम व्यवहारों के अनुरुप बनायी गई है. नीति बनाने वाले एवं जोखिम उठाने वालों की गतिविधियों को अलग करने के लिए पर्याप्त ध्यान दिया गया है.

आपके बैंक में ऋण जोखिम रेटिंग में ऋण प्रस्तावों को उनकी गुणवत्ता और निहित विशेषताओं के अनुसार व्यवस्थित वर्गीकरण की प्रणाली शामिल है. रेटिंग बैंक के लिए तथा अन्य हितधारकों (जैसे नियामकों, विश्लेषकों, लेखा परीक्षकों आदि) के लिए भी ऋण गुणवत्ता का एकल बिन्दु संकेतक है. आपके बैंक ने वेब आधारित दो आयामी क्रेडिट रेटिंग प्रणाली अपनायी है जिसमें ऋणकर्ता की रेटिंग एवं ऋण सुविधा की रेटिंग भी शामिल है.

पिछले वर्षों के दौरान आपके बैंक ने आंतरिक रेटिंग में अच्छा अनुभव प्राप्त किया है और इस प्रकार क्रेडिट रेटिंग माइग्रेशन में डाटा तैयार किया है. इस मजबूत प्लेटफॉर्म ने आपके बैंक को 31 मार्च 2013 से बेसल II नियमों के तहत ऋण जोखिम की फाउन्डेशन आंतरिक रेटिंग आधारित व्यवस्था को समान्तर चलाने के लिए नियामक का अनुमोदन प्राप्त करने में सक्षम बनाया है. आईआरबी प्रणाली के तहत बैंकों को अपनी स्वयं का अनुभव आधारित मॉडल विकसित करने की अनुमति है जिसके आधार पर वे स्वयं ऋण जोखिम के लिए वांछित पूंजी की मात्रा की गणना कर सके. आईआरबी के कार्यान्वयन से आपका बैंक और अधिक जोखिम संवेदी हो जाएगा और उन्नत जोखिम प्रबंधन प्रणाली और मजबूत जोखिम आकलन प्रक्रिया से बैंक को लाभ होगा और संभवत ऋण जोखिम पूंजी की आवश्यकताओं को कम करेगा.

आपके बैंक का कार्पोरेट रिसर्च कक्ष जिन उद्योगो में बैंक की निधियां पर्याप्त मात्रा में लगी हुई है उनमें वर्तमान समय में प्रचलित जोखिमों का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करता है. अविवेकी जमाव का प्रबंधन करने हेतु आपके बैंक ने उद्योगों, सेक्टरों और ऋणकर्ताओं के लिए विवेकशील उच्च सीमाएं तय कर रखी है.

मार्केट जोखिमः

मार्केट जोखिम का तात्पर्य बाजार दरों अथवा मूल्यों में प्रतिकूल परिवर्तन के कारण आर्थिक मूल्य अथवा अर्जन की हानियों से है. विभिन्न बाजार उत्पादों के आर्थिक मूल्यों में परिवर्तन मुख्यतः ब्याज दरों, विनिमय दरों, आर्थिक प्रगति, व्यावसायिक विश्वास आदि में परिवर्तन का कार्य है.

आपके बैंक ने अपनी ट्रेजरी गतिविधियों को मॉनीटर एवं नियंत्रण करने की स्पष्ट नीतियां बनायी हैं. इन नीतियों में प्रबंधन व्यवहार, प्रक्रियाएं, विवेकशील जोखिम सीमाएं, समीक्षा प्रणाली और रिपोर्टिंग प्रणाली शामिल है. इन नीतियों की वित्तीय एवं बाजार परिस्थितियों में परिवर्तनों के अनुरूप समीक्षा की जाती है.

आपके बैंक में ब्याज दर जोखिम को ब्याज दर संवेदनशील गैप रिपोर्ट और जोखिम पर आय के माध्यम से नापा जाता है. इसी क्रम में आपका बैंक दैनिक आधार पर अपने निवेश पोर्टफोलियो की जिनमें निश्चित आय प्रतिभूतियां शामिल है की अवधि संशोधित अवधि पीवी01 और जोखिम पर मूल्य की गणना करता है. यह अल्पावधि ब्याज दर जोखिम की एनआईआई (इक्विटी की आर्थिक मूल्य) के लिहाज से मॉनीटर करता है. अलावा इसके निश्चित ब्याज निवेश पोर्टफोलियो की संवेदनशीलता विश्लेषण और इक्विटीज की परिदृश्य विश्लेषण के माध्यम से दबाव विश्लेषण आपके बैंक में नियमित रूप से किया जाता है. विदेशी मुद्रा जोखिम और इक्विटी मूल जोखिम की भी दैनिक निगरानी की जाती है और मार्किंग टू मार्केट, स्टॉप लॉस सीमा, वीएआर सीमा, पोर्टफोलियो आकार सीमा, आईजीएल, एजीएल आदि के माध्यम से मांपा जाता है.

ट्रेजरी पोजिशनस की जोखिम मूल्य की गणना 10 दिनों की धारण अवधि के लिए ऐतिहासिक अनुकूलन प्रणाली के माध्यम से 99.0% विश्वास स्तर पर की जाती है.

परिचालन जोखिम

परिचालन जोखिम का तात्पर्य अपर्याप्त अथवा असफल आंतरिक परिचालन, प्रक्रिया, लोगों तथा प्रणालियों अथवा बाहरी घटकों से हानि के कारण होने वाला जोखिम है. इसमें विधिक जोखिम भी शामिल है, लेकिन कार्यनीति तथा प्रतिष्ठा सम्बंधी जोखिम इसमें शामिल नहीं हैं. आपके बैंक के पास गुणात्मक तथा मात्रात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति के मानकीकृत दृष्टिकोण (टीएसए) तथा बेसल II की आवश्यकताओं के एड्वांस्ड मेजरमेंट एप्रोच (एएमए) के लिए सुदृढ़ तथा व्यापक परिचालन जोखिम प्रबन्धन ढ़ांचा (ओआरएमएफ) है. आपके बैंक की परिचालन जोखिम प्रबन्धन समिति (ओआरएमसी) प्रक्रियाओं में निर्धारण / संशोधन करके, नियंत्रण रखती है तथा भूमिका व उत्तरदायित्वों को निर्धारित करती है तथा परिचालन जोखिमों पर निगरानी रखने एवं उन्हें नियंत्रण में रखने की जिम्मेदारी निभाती है. आपके बैंक के पास तीन लाईन वाली रक्षा प्रणाली वाली मजबूत परिचालन जोखिम संचालन कार्यप्रणाली है जैसे व्यवसाय लाईन प्रबन्धन, स्वतंत्र कोर्पोरेट परिचालन जोखिम प्रबन्धन कार्यप्रणाली तथा स्वतंत्र निरीक्षण एवं अंकेक्षण कार्यप्रणाली जो यह सुनिश्चित करती है कि इसके आंतरिक दिशानिर्देशों, नीतियों तथा प्रक्रियाओं का अनुपालन किया जा रहा है.

आपके बैंक ने अपने परिचालनगत जाखिमों को जानने, मापने, निगरानी और प्रबंधन के लिए वैश्विक मान्यता प्राप्त परिष्कृत वेब आधारित परिचालनगत जोखिम प्रबंधन प्रणाली कार्यान्वित की है.

आपका बैंक कॉर्डेक्स इंडिया प्रा. लिमिटेड में प्रारंभिक पूंजी अभिदानकर्ता एव प्रवर्तक है जोकि बैंकिंग उद्योग के लिए परिचालनगत जोखिम हानि डाटा का एक संघ होगा.

बेसल III कार्यान्वयन

बेसल III पूंजी विनियमों का कार्यान्वयन भारतीय बैंकों द्वारा 1 अप्रैल 2013 से किया गया है. बेसल III में सरलता से पारगमन के लिए समुचित पारगमनीय व्यवस्था पूंजी आवश्यकता और घोषणा के साथ समेकित स्तर पर की गयी है जिन्हें वित्तीय परिणामों के प्रकाशन के साथ घोषित किया जाना है लघुतम बेसल III पूंजी अनुपातों को पूरा करने हेतु, पूंजी के घटकों के पूर्ण नियामकीय समायोजन को पूरा करने के लिए व्यवस्था की गयी है. कार्यान्वयन के लिए एक ओर पूंजी की परिवर्धित गुणवत्ता एवं मात्रा की वहीं दूसरी ओर अधिक प्रकटीकरण की आवश्यकता है. बैंक लघुतम नियामकीय पूंजी आवश्यकताओं को पर्याप्त कुशन के साथ नियामकीय मानदंडों को पूरा करने के लिए पूरी तरह सुसज्जित है.

जोखिम आधिरित पर्यवेक्षण (आरबीएस)

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) में कार्यरत बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग (डीबीएस) ने व्यावसायिक बैंकों की पर्यवेक्षण प्रोसेस की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय संचालन समिति (एचएलएससी) की सिफ़ारिसों के आधार पर जोखिम आधारित पर्यवेक्षण आधारित पर्यवेक्षण प्रणाली (आरबीएस) अपनायी है. भारतीय रिज़र्व बैंक ने संशोधित पर्यवेक्षण प्रणाली को जोखिम और पूंजी के आकलन के लिए पर्यवेक्षण कार्यक्रम (एसपीएआरसी) कहा जाता है जिसे आपके बैंक में 2012-13 पर्यवेक्षण चक्र में कार्यान्वित कर दिया गया है.

जोखिम आधारित पर्यवेक्षण ऑफसाइट के साथ-साथ पर्यवेक्षण से संचालित होता है जिसके लिए बैंक को डाटा संग्रहण और समेकन प्रक्रिया और रिपोर्टिंग के लिए मजबूत प्रणाली लागू करने की आवश्यकता होती है.

स्पार्क जोखिम पर केंद्रित है और इसका उद्देश्य पर्यवेक्षण प्रक्रिया की कार्य कुशलता एंव प्रभावशीलता को बढ़ाना है. स्पार्क के अंतर्गत आकलन के दो बड़े क्षेत्र जोखिम एवं पूंजी आकलन आते हैं. यह आकलन गुणात्मक एवं मात्रात्मक पक्षों से किया जाता है. इन दोनों पक्षों के मूल्यांकन के आधार पर किसी बैंक के असफल होने की संभाव्यता एवं बैंकिंग प्रणाली पर इसके संभावित प्रभाव की गणना की जाती है.

स्पार्क के अधीन बैंकों को वर्तमान डीएसबी विवरणियों के अलावा निम्नलिखित आंकड़े एवं सूचनाएं निम्नानुसार तीन चरणों में प्रस्तुत करना अनिवार्य हैः

I जोखिम एवं चयनित वित्तीय पैरामीटर्सः चरण I एवं Iए

II नियंत्रण एवं शासित ओवरसाइट सूचनाः चरण II

III अनुपालन सूचनाः चरण III

बैंकों से अपेक्षाएं

डाटा एंव सूचनाओं की रिपोर्टिंग के संबंध में निम्नलिखित अपेक्षाएं बैंकों द्वारा पूरी की जानी चाहिएः

I डाटा एवं सूचनाओं का समय से प्रस्तुतीकरण.

II प्रस्तुत की गयी सूचनाओं एवं डाटा की शुद्धता.

III आकड़ें सुसंगत हो.

Iv प्रस्तुत की गयी सूचनाएं/डाटा को सत्यापित करने के साक्ष्य उपलब्ध हों.

V भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जब भी अनुरोध किया जाए आंकड़ों का ब्रेक-अप उपलब्ध कराने की योग्यता.

यह नोट किया जा सकता है कि आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2014-15 में स्पार्क के अधीन द्वितीय चरण को सफलतापूर्वक पूरा कर दिया है और वित्त वर्ष 2015-16 में पर्यवेक्षण तृतीय चरण को पूरा करने हेतु अच्छी स्थिति में है.

ऋण निगरानी

अपनी ऋण आस्तियों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए ऋण निगरानी एक अति महत्वपूर्ण उपाय है. आपके बैंक के पास विभिन्न स्तरों पर (शाखा/क्षेत्र/अंचल तथा कॉरपोरेट) ऋण खातों की जांच के लिए सुव्यवस्थित पद्धति है जो आस्तियों की गुणवत्ता में गिरावट को रोकने और ऋण पोर्टफोलियो की गुणवत्ता को सुधारने हेतु समय पर कार्यवाही करती है.

ऋण निगरानी के लिए कॉरपोरेट स्तर पर महाप्रबंधक की देखरेख में अलग से एक विभाग तथा अंचल व क्षेत्रीय स्तर पर ऋण निगरानी के लिए विभागों का गठन सितम्बर 2008 से किया गया है. बैंक की घरेलू ऋण नीति के स्लिपेज को रोकने तथा शुरुआती दौर में समयबद्ध तरीके से संभावित तथा व्यवहार्य रुग्ण खातों के पुनर्गठन के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के उद्देश्य से सभी अंचल, क्षेत्रीय कार्यालयों में स्लिपेज निवारक कार्यदलों (एसपीटीएफ) का गठन किया गया है.

कॉरपोरेट स्तर पर ऋण निगरानी विभाग के मूल उद्देश्य निम्न प्रकार निर्धारित किए गए हैं :

- आरंभिक अवस्था में ऋण खातों की कमियों/सम्भावित चूकों/शुरुआती अरूग्णता को पहचानना एवं ऋण खातों/उधार खातों की साख गुणवत्ता में कमी व आगे क्षति रोकने के लिए समय पर उपयुक्त व सुधारात्मक कदम उठाना.
- अर्थव्यवस्था में आपदाग्रस्त आस्तियों के पुर्नजीवन के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के आधार पर प्रारंभिक दबाव वाले खातों को विशेष उल्लेख खाता (एसएमए) श्रेणी की पहचान की जाती है. एसएमए खातों हेतु संयुक्त ऋणदाता फोरम के गठन के लिए अनुवर्ती कार्यवाही की जाती है और सुधारात्मक कार्ययोजना के अंर्तगत दबाव के निस्तारण हेतु सुधार, पुर्नगठन और वसूली जैसे विकल्पों पर विचार किया जाता है.
- कठोर अनुवर्ती कार्यवाही के माध्यम से आस्ति वर्गीकरण एव ऋण रेटिंग़ में आने वाली गिरावट को रोकना.
- ऋण खातों के पुनर्गठन/पुनर्निर्धारण/पुनर्नियंत्रण करने के साथ साथ उपयुक्त एवं वास्तविक मामलों में उधारकर्ता से मैचिंग योगदान कर, अंचल कार्यालय व क्षेत्रीय कार्यालय से सम्पर्क स्थापित कर पुनर्वित प्रदान करना.
- खातों की समीक्षा एवं नियम तथा शर्तों के अनुपालन हेतु आवश्यक कदम उठाकर/नियमित रूप से अनुवर्ती कार्यवाही करके बैंक के ऋण संविभाग की गुणवत्ता में सुधार लाना.
- औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (बीआइएफआर) के अंतर्गत खातों की प्रगति पर निगरानी रखना.

अग्रिम खातों की मासिक मॉनीटरिंग

आईटी विभाग द्वारा रू.10 करोड़ तथा इससे अधिक के एफबी + एनएफबी (निधि आधारित + गैर निधि आधारित) अग्रिम खातों के एक्सपोज़र से संबंधित मासिक मॉनीटरिंग रिपोर्ट के लिए एक ऑन-लाइन वेब आधारित सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है जिसकी शुरुआत जनवरी 2013 में की गई तथा इसे समय-समय पर अपग्रेड किया जाता है.

एमएमआर पर आधारित, बैंक क्रेडिट पोर्ट फोलियो की आस्ति गुणवत्ता में सुधार के लिए उच्च मूल्य अग्रिम खातों में नियम व शर्तों का अनुपालन, अनियमितताओं का निवारण तथा खातों की शीघ्रगामी समीक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनुवर्ती कार्यवाही की जा रही है.

अग्रिम खातों का पुनर्गठन

अग्रिम आस्तियों की गुणवत्ता में सुधार लाने की सतत चलने वाली व्यावसायिक रणनीति के भाग के रूप में आपके बैंक ने सतत आधार पर दबावग्रस्त अग्रिम पोर्टफोलियो पर उद्योगवार एवं ऋणकर्तावार और परियोजना कार्यकलाप की व्यवहार्यता के आधार पर पुर्नगठन के माध्यम से उपयुक्त कार्यवाही प्रारंभ करने की आवश्यता पर पुनः विश्वास व्यक्त किया है.

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान, बैंक ने नीचे दी गई सारणी के अनुसार विभिन्न अग्रिम खातों का पुनर्गठन किया है.

अग्रिम खातों का पुनर्गठन (वैश्विक) - 2014-15

(रु. करोड़ों में)

		सीडीआर तंत्र	एसएमई पुनर्गठन	अन्य	कुल
पुनर्गठित मानक अग्रिम	ऋणियों की संख्या	42	1,098	5,098	**6,238**
	बकाया राशि	1,498	1,281	4,367	**7,146**
पुनर्गठित अवमानक अग्रिम	ऋणियों की संख्या	3	2,233	494	**2,730**
	बकाया राशि	6	727	138	**871**
पुनर्गठित संदिग्ध अग्रिम	ऋणियों की संख्या	2	2,270	313	**2,585**
	बकाया राशि	272	682	133	**1,087**
कुल	ऋणियों की संख्या	**47**	**5,601**	**5,905**	**11,553**
	बकाया राशि	**1,776**	**2,690**	**4,638**	**9,104**

आर्थिक आसूचना इकाई

एक विशेषज्ञ आर्थिक आसूचना इकाई (ईआईयू) आपके बैंक के कॉरपोरेट कार्यालय में कार्यरत हैं, यह विभिन्न क्षेत्रों जैसे दीर्घ आर्थिक पूर्वसूचना, नीतिपरक व्यवसाय आयोजना निवेशक संबंध, व्यवसाय रणनीति निर्माण, आस्ति देयता प्रबंधन तथा घरेलू व अंतर्राष्ट्रीय नियामकों तथा रेटिंग, एजेंसियों के साथ विचार विमर्श करने में सहयोग करती है. यह इकाई नियमित रूप से उच्च प्रबंधन वर्ग तथा बैंक की विभिन्न परिचालन इकाइयों को समय-समय पर प्रमुख क्षेत्रों में जैसे औद्योगिक एवं संगठनात्मक विकास, मुद्रा स्फीति, ब्याज दर, स्टॉक संचालन, ऋण विस्तार एवं बैंकिंग उद्योग हेतु संसाधन जुटाना, तरलता एवं विनिमय दरों जैसे प्रमुख क्षेत्रों के संबंध में आवधिक रूप से जानकारी प्रदान करती है.

व्यापक आर्थिक पहलुओं, कॉरपोरेट और वित्तीय क्षेत्रों की नीतियों के संबंध में बेहतर संबंध प्रदान कर आपके बैंक की आर्थिक आसूचना इकाई अच्छे प्रकार के व्यवसाय के अवसरों का अधिकतम फायदा उठने हेतु बैंक के प्रयासों और बाजार के समीकरणों के हिसाब से अपने को अनुकूल बनाने में सहयोग प्रदान करती है.

आर्थिक आसूचना इकाई द्वारा साप्ताहिक समष्टि आर्थिक विकास को कवर करते हुए एक साप्ताहिक न्यूज लेटर (ई-प्रकाशन) प्रकाशित किया जाता है, जिससे नीतियों, वैश्विक तथा घरेलू अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण, निवेशकों, बैंकर्स, नियामकों रेटिंग एजेंसियों तथा बाजार के अन्य भागीदारों को अपने सरोकारों से अवगत कराया जा सके तथा अपना दृष्टिकोण इनमें बांटा जा सके.

यह इकाई आर्थिक गतिविधियों का सारांश प्रस्तुत करते हुए बैंक की बौद्धिक शक्ति के रूप में कार्य करती है, जिसके आधार पर भविष्य में सम्यक कार्यनीतियां निर्धारित होती हैं.

आंतरिक नियंत्रण तंत्र

आपके बैंक में एक सुव्यवस्थित केन्द्रीय निरीक्षण तथा लेखा परीक्षा विभाग (सीएआईडी) है जो बैंक की प्रणालियों, नीतियों एवं पद्धतियों की अनुपालना का परीक्षण करता है. भारतीय रिज़र्व बैंक भारत सरकार, बैंक का निदेशक मंडल तथा निदेशक मंडल लेखा परीक्षा समिति (एसीबी) तथा कार्यपालकों की लेखा परीक्षा समिति (एसीई) से आंतरिक नियंत्रण संबंधी विभिन्न मुद्दों पर प्राप्त मार्गनिर्देश बेहतर जोखिम प्रबंधन के दृष्टि से आर्थिक नियंत्रण तंत्र का भाग बन गए हैं.

प्रतिवर्ष बढ़ते हुए कारोबार को ध्यान में रखते हुए सीएआईडी आसन्न जोखिमों पर प्रभावी नियंत्रण तंत्र के द्वारा सतत नियंत्रण रखने का प्रयास करता है ताकि बैंक का हित सुरक्षित रहे.

बैंक के निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति द्वारा निर्धारित आवधिकता के अनुसार 13 अंचल निरीक्षण केन्द्रों द्वारा शाखाओं/कार्यालयों के निरीक्षण के माध्यम से सीएआईडी अपना संचालन करता है और आन्तरिक नियंत्रण तंत्र और जोखिम प्रबंधन का परीक्षण करता है.

निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति बैंक के आंतरिक लेखा परीक्षा कार्य की देखरेख करती है. यह समिति प्रभावी आंतरिक जोखिम आधारित लेखा परीक्षा, संगामी लेखा परीक्षा, आई.एस.लेखा परीक्षा तथा अन्य निरीक्षण व लेखा परीक्षा कार्यों के प्रभावी विकास के लिए मार्गदर्शन देती है जिससे कि बैंक की आस्तियां सुरक्षित रहें. यह समिति कार्यपालकों की लेखा परीक्षा समिति तथा बैंक की निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा समिति द्वारा किए गए कार्यों की मॉनीटरिंग करती है.

आपके बैंक की सभी शाखाएं जोखिम आधारित लेखा परीक्षा (आर बी आई ए) से कवर हैं. वित्तीय वर्ष 15 के दौरान कुल 4291 शाखाओं का निरीक्षण किया गया जिनमें से 3453 शाखाएं (80.43%) कम जोखिम में, 756 शाखाएं (17.61%) मध्यम जोखिम में तथा 82 शाखाएं (1.91%) उच्च जोखिम श्रेणी में थीं.

मुंबई में स्थित निरीक्षण प्रभाग के अंतर्गत आईएस लेखा परीक्षा कक्ष कार्यरत है और यह ऑफ साइट निगरानी का कार्य करता है.

वित्तीय वर्ष 2014-15 की 982 शाखाओं की तुलना में वर्ष 2015-16 के लिए 1036 शाखाओं की संगामी लेखा परीक्षा करके इसका कवरेज बढ़ा दिया गया है और 31.12.2014 तक बैंक के कुल व्यवसाय का 74.10% में से कुल जमाओं का 70.72% तथा कुल अग्रिमों का 78.82% को कवर करेगा.

संक्षेप में केंद्रीय आंतरिक लेखा परीक्षा प्रभाग का प्रमुख कार्य बैंक, विनियमकों और भारत सरकार द्वारा निर्धारित सिस्टमस एवं प्रोसिजर्स के अनुपालन की निगरानी करना है.

परिचालन व सेवाएं

ग्राहक केन्द्रित पहलें

अपने दैनिक परिचालनों में प्रभावी ग्राहक सेवा तथा ग्राहक संतुष्टि, बैंक के लिए सदैव प्राथमिक लक्ष्य रहे हैं. आपका बैंक ग्राहकों की आवश्यकताओं और संतुष्टि के प्रति सदैव तत्पर रहा है और उसका यह विश्वास रहा है कि प्रौद्योगिकी, प्रक्रियाएं उत्पाद एवं इसके लोगों का हर प्रकार का कौशल अपने ग्राहकों को बेहतर बैंकिंग अनुभव प्रदान करने के लिए उपयोग में लाया जाना चाहिए.

हाल ही में आपके बैंक ने अपनी शाखाओं में ग्राहक सेवाओं में सुधार हेतु अनेक उपाय किए हैं तथा ग्राहक शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए ग्राहक शिकायत निवारण तंत्र को सुदृढ़ किया है.

वित्तीय वर्ष 2015 के दौरान आपके बैंक द्वारा धोखाधड़ी से बचाव और ग्राहक सेवा में सुधार हेतु निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

धोखाधड़ी से बचाव के उपाय:

- इंटर सोल समाशोधन/अंतरण लेन-देनों को पास करते समय अनुपालन किए जाने वाले दिशानिर्देश चेकों की अल्ट्रा वायलेट मशीनों के द्वारा स्क्रीनिंग, सरकारी खातों में बरती जाने वाली सावधानियां और धोखाधड़ी से बचाव के लिए अन्य सावधानी वाले उपाय शाखाओं को पुनः प्रेषित किए गए.
- सभी नॉन माइकर/सीटीएस शाखाओं/सीवीओज को रु. 2 लाख और उससे अधिक राशि के चेकों के लिए फोन/फैक्स/ई-मेल के द्वारा आधार शाखा को संपर्क करने और सभी लेनदेनों की वास्तविकता को निश्चित करने के लिए पुष्टि प्राप्त करना और ऐसी पुष्टियों को रिकार्ड में रखने के लिए सूचित किया गया.
- धोखाधड़ी से बचाव के उपायों का मास्टर परिपत्र जारी किया गया.
- एकल/एक व्यक्ति वाली शाखाओं में कर्मचारी द्वारा अपने खाते में लेनदेनों के संचालन के संबंध में नयी प्रक्रिया विकसित की गई.
- आधार शाखाओं में इंटर सोल समाशोधन लेनदेनों की पुष्टि आधार शाखाओं में इंटर सोल समाशोधन लेनदेनों (ऑफ सोल समाशोधन लेन-देन रिपोर्ट) की रिपोर्ट जिसमें रु. 2 लाख और उससे अधिक के चेकों की सूची होती है जो उनकी शाखा पर आहरित होते हैं जिन्हे इंटर सोल समाशोधन में अन्य केंद्रों पर प्रस्तुत किया गया है जहां चेक प्रस्तुत किया गया है उसके फोन नंबर सहित और ग्राहक का नाम तथा उसका फोन नंबर जिससे आधार शाखा ग्राहक से लेनदेन की वास्तविकता की ग्राहक से पुष्टि कर सके.
- टेलिफोन डायरेक्टरी की सॉफ्ट प्रति सभी शाखाओं को उपलब्ध करायी गई है जिसेसे कि वे इंटर सोल लेनदेनों को पास करते समय शाखाओं से संपर्क कर सके. इसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है.
- कार्पोरेट और सरकारी ग्राहकों को रु. 1 लाख एवं उससे अधिक के नामें लेनदेनों के लिए ई-मेल अलर्ट.
- 'यूअरसेल्फ' बैंक ऑफ़ बड़ौदा के पक्ष में जारी चेकों को प्राप्त करते समय बरती जाने वाली सावधानियों को खातों में धोखाधड़ी पूर्ण लेनदेनों से बचाव हेतु प्रेषित किया गया.
- ई-मेल के माध्यम से धोखाधड़ी पूर्वक निधियों के अंतरण से बचाव हेतु शाखाओं को सूचित किया गया कि बैंकिंग लेनदेनों के लिए ई-मेल मान्य अधिदेश नहीं है और सावधानी बरतने हेतु दिशानिर्देश परिचालित किए गए.

ग्राहक सेवा

- फार्म सं. 15जी/एच की पावती और सिस्टम में उसके नोटिंग के संबंध में एसएमएस अलर्ट.
- ग्राहकों की सुविधा हेतु शाखाओं में डिस्प्ले हेतु विस्तृत द्विभाषिक नोटिस बोर्ड नए सिरे से तैयार कर नया डिजायन बनाकर सभी अंचलों को कार्यान्वयन हेतु प्रेषित किया गया.
- ग्राहकों को 'मिस कॉल' सुविधा - बैंक के पास पंजीकृत मोबाइल नंबर से ग्राहक बैंक को 'मिस कॉल' करेगा एवं ग्राहक एसएमएस के माध्यम से अपने खाते की राशि की जानकारी प्राप्त करेगा.
- भारतीय रिज़र्व बैंक के अधिदेश के तहत अपरिचालनीय खातों में लघुतम शेष न रखने के लिए प्रभारों को हटा दिया गया है.
- इंटर सोल प्रभारों की एक रुपता- आधार शाखाओं एवं गैर आधार शाखाओं में नॉन आधार शाखाओं से नकदी आहरण प्रभारों को हटाने के बाद नकदी संव्यवहार प्रभारों को छोड़कर सभी प्रभारों को एक समान बना दिया गया है.
- आवक समाशोधन में प्रस्तुत चेकों के बारे में पूछताछ शाखाएं ग्राहकों को उनके द्वारा आहरित चेकों के बारे में विस्तृत जानकारी दे सकती हैं.

केन्द्रीय पेंशन प्रोसेसिंग सेल के उद्घाटन अवसर पर श्री एस. एस. मूंदड़ा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एवं उपस्थित अन्य गणमान्य जन.

अन्य पहलें

- फिनेकल सिस्टम में वॉक इन ग्राहकों के लिए रु. 20 हजार से अधिक एवं रु. 50 हजार से कम के नेफ्ट लेनदेनों के संबंध में केवायसी दस्तावेजों (फोटो पहचान पत्र) की प्रविष्टि.
- भारतीय रिज़र्व बैंक की जमाकर्ता शिक्षा और जागरुकता योजना 2014 (डेफ) को कार्यान्वित किया गया.
- भारतीय रिज़र्व बैंक की जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरुकता निधि योजना 2014 (डेफ) के तहत भारतीय रिज़र्व बैंक को अंतरित दावा न किए गए जमा खाते (चालू और बचत बैंक) की शेष राशियों को वापसी की प्रक्रिया शाखाओं को सूचित की गई.
- यूएस सरकार द्वारा अधिनियमित नए यूएस कानून के तहत फाटका घोषणा का कार्यान्वयन निवासी खातों के लिए विदेशी खाता कर अनुपालन अधिनियम (फाटका) (घोषणा प्राप्त करना).
- 11.03.2014 से 20.05.2014 के दौरान, ग्राहकों को सामने आ रही कठिनाइयों/उनके विचारों को जानने के लिए तथा उसके लिए सुधारात्मक उपाय करने हेतु ऑन लाइन ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण किया गया. ग्राहकों को सर्वेक्षण में भाग लेने हेतु ई-मेल भेजे गए. सर्वेक्षण में सामने आए तथ्यों और कमियों को दूर करने, निगरानी करने एवं उनका अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु सभी अंचलों को सूचित किया गया. इसी क्रम में स्टॉफ कॉलेज, अहमदाबाद को सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सर्वेक्षण के दौरान पाए गए तथ्यों पर ग्राहक सेवा में सुधार लाने हेतु चर्चा करने हेतु सूचित किया गया.
- आपके बैंक की शाखाओं को खातों में मोबाइल नंबर एवं ई-मेल आई डी रजिस्टर करने हेतु सूचित किया गया जिससे कि बैंक एसएमएस,ई-मेल आदि के द्वारा ग्राहकों को सूचित कर सके. सभी अंचलों/क्षेत्रों से अनुरोध किया गया कि वे शाखाओं को भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों का अनुपालन करने हेतु मोबाइल नंबर पंजीकरण में तत्परता से कार्यवाही करने हेतु सूचित करें.

शाखाओं में ग्राहक सेवा सुधारने के प्रयास

आपके बैंक में शाखा में ग्राहक सेवा की क्वालिटी के विषय में शाखा स्तरीय ग्राहक सेवा समिति की बैठकों से फीडबैक प्राप्त किया जाता है. इन समितियों की प्रत्येक महीने बैठकें आयोजित की जाती हैं और इसमें वरिष्ठ नागरिकों एवं पेंशनरों सहित समाज के विभिन्न वर्गों के ग्राहकों को आमंत्रित किया जाता है. बैठकों में प्राप्त विचारों/सुझावों का आकलन कर सेवा गुणवत्ता में सुधार हेतु उनकी संभाव्यता के परीक्षण हेतु समुचित अनुवर्ती कार्यवाही की जाती है.

आपके बैंक का ध्यान सभी डिलीवरी चैनलों के माध्यम से उत्कृष्ट ग्राहक सेवा प्रदान करने पर केन्द्रित है और ग्राहक संतुष्टि के स्तर में बढ़ोत्तरी करने हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए ई-उत्पाद तथा वैकल्पिक वितरण प्रणालियां जैसे - एटीएम/डेबिट कार्ड, पीओएस (पाईंट ऑफ सेल मशीन), इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग के अनुरूप हैं. विभिन्न प्रक्रियाओं तथा पद्धतियों में सुधार कर सभी प्रकार के ग्राहकों के हितों एवं अपेक्षाओं का ध्यान रखा जाता है.

अनुपालन

आपका बैंक भारतीय बैंकिंग कोड्स एवं स्टैण्डर्ड (बीसीएसबीआई) का सदस्य है और इसने बीसीएसबीआई द्वारा निर्धारित "ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्धता संहिता" को अपनाया है. इसने "सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता संहिता" को भी अपनाया है. इन्हें बैंक की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया गया है और ग्राहकों को बैंक शाखाओं के माध्यम से भी उपलब्ध कराया गया है. ग्राहकों में संहिता के बारे में जागरुकता उत्पन्न करने तथा इसमें वृद्धि करने के लिए आपके बैंक की वेबसाइट एवं शाखाओं में भी ग्राहकों को उपलब्ध कराया गया है.

ग्राहकों में बीसीएसबीआई कोड के बारे में जागरुक करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं-

क) कार्पोरेट कार्यालय के विभिन्न भागों की समीक्षा के दौरान कार्यपालक निदेशकों की समिति के निर्देशों के अनुरुप शाखा प्रबंधकों की बैठक/कार्यशाला क्षेत्रीय कार्यालयों के मुख्यालयों पर प्रधान कार्यालय के कार्यपालकों द्वारा बढ़ती हुई धोखाधड़ी की घटनाओं तथा धोखाधड़ी से बचाव के दिशानिर्देशों के अनुपालन करने/खराब अनुपालन को ध्यान में रखकर आयोजित की जा रही हैं. कार्यशालाओं का जोर शाखा प्रबंधकों के साथ धोखाधड़ी के बचाव के उपायों से संबंधित बिंदुओं के बाद भी दिशानिर्देशों का पालन, ई-केवाईसी, बीसीएसबीआई का अनुपालन एवं अन्य अनुपालन पर चर्चा करना था.

ख़) ग्राहकों में बीसीएसबीआई कोड्स के बारे में जागरुकता का स्तर बढ़ाने उन ग्राहकों को जिनके ईमेल आईडी आपके बैंक के पास पंजीकृत हैं उन्हें अंग्रेजी और हिंदी में मेल भेजकर सूचित किया जाता है कि ‘हम बीसीएसबीआई कोर्ड अनुपालक है और ग्राहकों एवं सुक्ष्म एवं लघु उद्यमियों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता की बीसीबीएसआई कोर्ड के अनुपालन उचित व्यवहार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. कोड डाउनलोड करने के लिए कृपया http://www.bankofbaroda.com/bcsbicode.asp. \ क्लिक करें. वित्त वर्ष 15 के दौरान 17,57,000 इमेल भेजे गये.

ग़) ग्राहकों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता के बीसीएसबीआई सहिंता के लिए www.bankofbaroda.com / www.bcsbi.org.in देखें. यह द्विभाषिक रुप में निम्नलिखित पर प्रिंट/प्रदर्शित की जा रही है.

- खाता विवरण.
- एटीएम स्क्रीन और एटीएम स्लिप के पीछे की ओर
- पासबुक के कवर पृष्ठ के आंतरिक भाग पर (नियमित पास बुक और स्वयं सेवा पास बुक प्रिंटर्स)
- बैंक की वेबसाइट पर बैनर.

घ) मानकीकृत सार्वजनिक शिकायत निवारण प्रणाली (एसजीपीआरएस) माड्यूल एक ऑन लाइन शिकायत दर्ज करने की प्रणाली में शिकायत रजिस्टर करने के बाद स्वतः उत्तर में निम्नलिखित संदेश शामिल किया गया है. "हम बीसीएसबीआई संहिता के अनुपालक हैं और ग्राहकों एवं सूक्ष्म तथा लघु उद्यमियों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता की बीसीएसबीआई संहिता के अनुसार ग्राहकों से उचित व्यवहार करने हेतु प्रतिबद्ध है. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.bankofbaroda.com / www.bcsbi.org.in देखें.

ङ) अंचलों को निम्नलिखित का अनुपालन करने हेतु सूचित किया गया हैः

- प्रशिक्षुओं में जागरुकता लाने हेतु एफएलसीसी की सेवाएं लें.
- संहिता की एक प्रति सभी नए खाताधारकों को पत्र के साथ प्रेषित करें. (संहिता की प्रतियां लगभग 14,64, 000 से अधिक ग्राहकों को मार्च 2015 तक भेजी गई)

च) आपके बैंक के मार्केटिंग विभाग, मुंबई नेः

- दिनांक 7.8.2014 से 11.8.2014 तक गुजराती, मराठी, हिंदी, अंग्रेजी के सात राष्ट्रीय समाचार पत्रों में निम्न लिए संदेश प्रकाशित किया. हम बीसीएसबीआई संहिता अनुपालक हैं और ग्राहकों एवं सूक्ष्म व लघु उद्यमियों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता की बीसीएसबीआई संहिता के अनुसार ग्राहकों से उचित व्यवहार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.bankofbaroda.com / www.bcsbi.org.in देखे.
- आपके बैंक ने बैंक के सभी विज्ञापन ब्रोशर्स में निम्नलिखित में से किसी शीर्षक को शामिल करने की व्यवस्था की है. ‘ग्राहकों एवं सूक्ष्म तथा लघु उद्यमियों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता की बीसीएसबीआई संहिता हेतु हमारी वेबसाइट www.bankofbaroda.com / www.bcsbi.org.in देखें.

  ‘बैंक ऑफ़ बड़ौदा बीसीएसबीआई संहिता का अनुपालन करता है. ग्राहकों एवं सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता की बीसीएसबीआई संहिता हेतु www.bankofbaroda.com / www.bcsbi.org.in देखें.

छ) आपके बैंक के एमएसएमई विभाग ने सभी शाखाओं को यह सुनिश्चित करने के लिए सूचित किया है कि सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए बीसीएसबीआई संहिता की प्रति सभी नए ऋणकर्ताओं को स्वीकृति की सूचना देते समय दी जाए और वर्तमान ऋणकर्ताओं के मामले में इसे ई-मेल द्वारा प्रेषित किया जाए.

स्टाफ सदस्यों में बीसीएसबीआई संहिता के प्रति जागरुकता लोन एवं इसमें वृद्धि करने हेतु स्टॉफ कॉलेज ने निम्नलिखित उपाय प्रारंभ किए हैं-

- स्टॉफ कॉलेज के तथा सभी प्रशिक्षण केंद्रों के सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभागियों/स्टॉफ सदस्यों में बीसीएसबीआई संहिता के प्रति जागरुकता में वृद्धि करने के लिए एक सूत्र प्रारंभ किया गया है. अभी तक 810 कार्यक्रम चलाये जा चुके हैं. इसमें 16274 प्रशिक्षार्थियों ने (1.4.2014 से 31.03.2015 तक) भाग लिया.

- कार्यक्रम में वितरित सामग्री के बारे में एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का संचालन किया जाता है जिसे प्रतिभागियों में जागरुकता की परख होती है तथा विषय के बुलेट बिन्दुओं का पुनरावलोकन हो जाता है.
- आपके बैंक के के.एम.पोर्टल पर बीसीएसबीआई संहिता प्रावधानों को ई-लर्निंग माड्यूल में अपलोड कर दिया गया है.
- बीसीएसबीआई संहिता के ई-लर्निंग माड्यूल को लेने हेतु स्टॉफ सदस्यों को प्रोत्साहन योजना अनुमोदिन की प्रक्रिया में है.

निदेशक मंडल की ग्राहक सेवा समिति :

आपके बैंक में 31 मार्च, 2015 के अनुसार प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी की अध्यक्षता में निम्नलिखित सदस्यों की **निदेशक मंडल ग्राहक सेवा की उपसमिति** गठित की गई है -

1.	श्री रंजन धवन	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
2.	श्री बी.बी. जोशी	कार्यपालक निदेशक
3.	श्री के.वी. रामामूर्ति	कार्यपालक निदेशक
4.	श्री प्रेम कुमार मक्कड़	निदेशक
5	श्री भरत कुमार डी. डांगर	निदेशक

उप समिति, नीति निर्धारण तथा उनके अनुपालन से संबंधित मुद्दों को देखती है जिससे ग्राहक सेवा की गुणवत्ता में सतत सुधार होता है. यह मृतक जमाकर्ताओं/लॉकर किराएदारों/सेफ कस्टडी में रखने वाले सामान के जमाकर्ताओं के संबंध में निपटान हेतु उन दावों की स्थिति की मॉनीटरिंग करती है जो 15 दिन से अधिक समय से पेंडिंग हैं तथा बैंकिंग लोकपाल द्वारा पारित अवार्डस के कार्यान्वयनों की समीक्षा भी करती है.

ग्राहक सेवा पर स्थायी समिति

आपके बैंक ने "ग्राहक सेवा पर प्रक्रिया एवं कार्यनिष्पादन लेखा परीक्षा सम्बंधी स्थायी समिति" का गठन किया है जिसमें बैंक के तीन कार्यपालक निदेशक और चार महाप्रबंधकों के अलावा तीन प्रतिष्ठित जन प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं और यह आपके बैंक में प्रचलित प्रणालियों एवं पद्धतियों की समीक्षा करती है तथा आवश्यक सुधारात्मक उपाय करती है.

बैंक के प्रधान कार्यालय द्वारा तिमाही आधार पर क्षेत्रीय कार्यालयों से शाखा स्तरीय ग्राहक सेवा समिति की बैठकों से सुझाव प्राप्त किए जाते हैं और उन्हें ग्राहक सेवाओं संबंधी प्रणालियों एवं पद्धतियों की लेखा परीक्षा की स्थायी समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है.

ग्राहकोन्मुखी पहलें एवं शिकायतों का निवारण

- आपके बैंक में ग्राहकों की शिकायतों के निवारण हेतु निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीति है और इसे ही बैंक की वेबसाइट पर रखा गया है. आपके बैंक में ग्राहकों को शिकायतों के निवारण के लिए एक सुगठित ग्राहक शिकायत निवारण व्यवस्था है जिसके कारण पूर्व में लगने वाले समय में काफी कमी हुई है, शेष शिकायतों की संख्या में भी कमी हुई है.
- आपके बैंक से संबंधित ग्राहक शिकायतों के संबंध में परिचालन एवं सेवाएं विभाग के महाप्रबंधक को नोडल अधिकारी बनाया गया है. अंचल तथा क्षेत्रीय स्तरों पर संबंधित क्षेत्रीय व अंचल प्रमुख नोडल अधिकारी बनाए गए हैं. इसी क्रम में, सभी नोडल अधिकारियों के नाम तथा उनके सम्पर्क नम्बरों को आपके बैंक की सभी शाखाओं में प्रदर्शित किया गया है.
- प्रत्येक तिमाही में आपके बैंक द्वारा ग्राहकों से प्राप्त शिकायतों की स्थिति के बारे में निदेशक मंडल के समक्ष ग्राहक शिकायतों व समस्याओं के निवारण के बारे में एक तिमाही समीक्षा नोट प्रस्तुत किया जाता है.
- ग्राहकों की शिकायतों को कम करने एवं बाधारहित ग्राहक सेवा सुनिश्चित करने की दृष्टि से ग्राहकों से प्राप्त शिकायतों का मासिक आधार पर विश्लेषण किया जाता है तथा की गई कार्यवाही/कारणों को समस्त अंचल तथा क्षेत्रीय प्रमुखों को उपचारात्मक उपाय करने हेतु भेजा जाता है जिससे भविष्य में इस प्रकार की शिकायतों की पुनरावृत्ति न हो.
- आपके बैंक में मानकीकृत सार्वजनिक शिकायत निवारण प्रणाली (एसपीजीआरअस) के नाम से एक वेब आधारित ऑन लाइन शिकायत पंजीकरण एवं निवारण प्रणाली है. आपके बैंक की वेबसाइट के होम पेज पर एक आइकन दिया गया है जिसके माध्यम से आपके बैंक का ग्राहक ऑन लाइन अपनी शिकायत दर्ज कर सकता है और भाविष्य में संदर्भ और ट्रैकिंग के लिए सिस्टम द्वारा तैयार आई.डी ले सकता है.
- इस सिस्टम से न केवल शिकायतों का निवारण शीघ्र हो जाता है बल्कि इससे शिकायतों का केंद्रीकृत डाटा बेस भी तैयार हो जाता है. आपके बैंक ने ऐसे व्यक्तियों जो बैंक के ग्राहक नहीं हैं उन्हें भी शिकायत/सुझाव देने की सुविधा प्रदान की है. इसके अलावा आपके बैंक के ग्राहक शिकायत निवारण के 15 दिनों के बाद शिकायतों को पुनः खोल सकते हैं. यदि वे निवारण से संतुष्ट नहीं हैं तो इसे अगले उच्च अधिकारी/कार्यकारी प्रमुख द्वारा देखा जाएगा.

केवाईसी - ए.एम.एल - सी एफ टी के लिए प्रणाली

अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी) मानदंड/एंटी मनीलांड्रिंग (ए एम एल) मानदंड/आतंकवाद के वित्तपोषण की रोकथाम (सीएफटी) उपाय एवं पीएमएलए, 2002 के अंतर्गत बैंक के दायित्व - आपके बैंक के पास बोर्ड द्वारा अनुमोदित केवाईसी - ए एमएल सी एफ टी नीति है. यह नीति बैंक के केवाईसी मानदंडों, एएमएल मानकों, सी एफ टी उपायों तथा प्रीवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के अंतर्गत बैंक के दायित्वों के कार्यान्वयन का आधार हैं. बैंक ने नियामकों के निर्देशों के आधार पर परिचालित इकाईयों के लिए केवाईसी ए एम एल सी एफ टी से संबंधित मामलों पर दिशानिर्देश जारी किए हैं.

आपके बैंक में के वाई सी - ए एम एल -सी एफ टी कार्यान्वयन की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं :

- बैंक वित्तीय अनुसंधान इकाई भारत (एफआई यू - आई एनडी) को इलैक्ट्रानिक रूप में भेजने के लिए इलैक्ट्रानिक तरीके से नकद लेन देन रिपोर्टों (सी टी आर) को जनरेट करता है.
- सिस्टम आधारित एलटर्स जनरेट करने के लिए "एएमएल अलर्ट" स्थापित कर लागू कर दिया गया है. आई बी ए के कार्य दल की संस्तुति के आधार पर इसमें और अधिक एलर्ट निर्धारित करके इसको आगे और अधिक व्यापक बनाने की गुंजाईश है. आपके बैंक में केवाइसी एएमएल-सीएसटी दिशानिर्देशों के समस्त अनुपालन हेतु नामित निदेशक हैं.
- संदेहास्पद लेन देनों का पता लगाने के लिए और रिपोर्टों (एस टी आर) को वित्तीय अनुसंधान इकाई (एफ आई यू) को प्रेषित करने हेतु सिस्टम आधारित व्यवस्था है.
- बैंक के ग्राहकों के खातों का प्रत्येक छमाही में सिस्टम आधारित जोखिम वर्गीकरण (ए एम एल उपायों से) किया गया है.
- बैंक, एफ आई यू - आई एन डी, नई दिल्ली को जाली करेंसी नोटों की रिपोर्ट (सीसीआर) और गैर लाभकारी संगठनों के लेनदेन के बारे में

रिपोर्ट (एन टी आर) प्रस्तुत करता है. आपका बैंक इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से क्रॉस बॉर्डर वायर ट्रांसफर रिपोर्ट हर माह तैयार करता है और इसे एफआईयू- आइएनडी, नई दिल्ली को प्रसतुत करता है.

- बैंक भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार अपने समस्त वर्तमान ग्राहकों को विशिष्ट ग्राहक पहचान कोड (यूसीआइसी) आबंटित करने के लिए प्रक्रियाधीन है.
- मनी लांड्रिंग को काबू करने के लिए एक बड़े कदम के रूप में एन एस डी एल से पेन कार्ड (PAN) का ऑनलाइन सत्यापन करने के कार्य को परिचालित किया गया है.
- सीबीएस सिस्टम में भी इस प्रकार उपयुक्त रूप से सुधार किया गया है जिससे वह पेन (PAN) फार्म 60/61 ने होने की स्थिति में रु.50000/- तथा इससे अधिक की नकदी को स्वीकार नहीं करे.
- बैंक ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) के सहयोग से आधार आधारित ई-केवायसी को लागू कर दिया है. सीएफटी के रूप में सभी शाखाओं में तत्काल जांच पड़ताल हेतु संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा विनियमावली (UNSCR) से प्राप्त नामों की सूची उपलब्ध है.

अपने ग्राहक को जनिए अर्थात केवायसी के पूर्णतया अनुपालन हेतु स्टाफ सदस्य तथा ग्राहकों को शिक्षित करने के उद्देश्य से बैंक द्वारा निम्नलिखित उपाय किए गए है.

- ग्राहकों की सुविधा के लिए बैंक की वेबसाइट www.bankofbaroda.com पर केवायसी दस्तावेजों की विस्तृत सूची दी गई है.
- ग्राहकों के खातों में केवायसी डाटा अद्यतन करने के लिए मोबाइल आधारित एसएमएस भेजे गए हैं तथा स्थानीय राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्रों में नोटिस दिए गए हैं.
- स्टाफ सदस्यों को शिक्षित करने के लिए केवायसी-एएमएल-सीएफटी शिक्षा के संबंध में संदर्भ सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए बैंक के इंट्रानेट पर केवायसी एएमएल पृष्ठ सृजित किया गया है.
- बैंक के प्रशिक्षण संस्थानों में केवायसी-एएमएल-सीएफटी दिशानिर्देशों पर नियमित प्रशिक्षण सत्र चलाए जाते है.
- बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों/कार्यपालकों के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय बैंक संघ (आईबीए) तथा राष्ट्रीय बैंक प्रबंधन संस्थान (एनआईबीएम) में प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है.
- कॉर्पोरेट पर्यवेक्षण (कार्पोरेट ओवरसाइट) तथा शाखाओं की केवायसी लेखा-परीक्षा के प्रयोजन से बैंक के प्रधान कार्यालय में विशेषज्ञता प्राप्त करने के उद्देश्य निरंतर प्रयास किए जाते हैं.
- विसंगतियों का पता लगाने तथा इनके तत्काल निवारण के लिए नियमित रुप से ऑनसाइट जांच पड़ताल की जाती है.

अनुपालन कार्य

आपके बैंक ने बोर्ड द्वारा अनुमोदित एवं संबद्ध दस्तावेजों से युक्त अनुपालन नीति तैयार की है. जिसमें बैंक के अनुपालन कार्यों का भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशों पर आधारित अनुपालन दर्शन परिलक्षित होता है. यह नीति एक बुनियाद है जिसके आधार पर बैंक का समस्त अनुपालन कार्य संचालित होता है. आपके बैंक में अनुपालन कार्य स्वस्थ अनुपालन व्यवस्था युक्त आंतरिक नियंत्रण तथा अनुपालन जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया सहित गवर्नेंस का एक अभिन्न अंग है.

अनुपालन कार्य की प्रमुख पहलें तथा मुख्य-मुख्य बातें

- अनुपालन विभाग बैंक के कॉर्पोरेट कार्यालय में स्थापित किया गया है तथा इसके प्रमुख मुख्य महाप्रबंधक हैं जो बैंक के वरिष्ठ प्रबंधन को रिपोर्ट करते हैं.
- कार्पोरेट कार्यालय में स्थित अनुपालन विभाग में कार्यरत योग्य स्टाफ के अलावा अनुपालन कार्य की देखरेख के लिए कापोरेट कार्यालय एवं नियंत्रण कार्यालयों तथा शाखाओं में अनुपालन अधिकारी कार्यरत है.
- अनुपालन कार्य विभिन्न विधायों यथा बैंकिंग विनियमावली अधिनियम, भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, विदेशी विनियम प्रबंधन अधिनियम तथा धनशोधन निवारण अधिनियम में उल्लिखित सांविधिक प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करता है. यह भारतीय बैंकिंग संहिता और मानक बोर्ड (बीसीएसबीआई), भारतीय बैंक संघ (आईबीए), भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ (फेडाई) तथा भारतीय नियत मुद्रा बाजार और व्युत्पन्नी संघ (फिम्डा) द्वारा निर्धारित मानकों तथा कोड आदि का पालन भी सुनिश्चित करता है.
- बैंकिंग विधि नियमों, मानकों, नियमित एवं व्यवस्थित शिक्षा के क्षेत्र में अनुपालन स्टॉफ को इन क्षेत्रों की गतिविधियों से अद्यतन बनाए रखने के लिए अनुपालन पर नियमित कार्यशालाएं आयोजित की जाती है. इस उद्देश्य के लिए ज्ञान प्रबंधन टूल्स को भी बैंक की वेबसाइट (http://intranet.bankofbaroda.co.in) पर अपलोड कर दिया गया है. चुनी हुई शाखाओं के शाखा प्रबंधकों तथा क्षेत्रीय/अंचल के अनुपालन अधिकारियों के लिए अनुपालन पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है जिसमें शाखा/क्षेत्र/अंचल और कार्पोरेट स्तर के विभिन्न अनुपालन संबंधी मुद्दों पर चर्चा होती है. इसमें केवायसी, एएमएल मानदंडों पर जोर दिया जाता है जिससे कि अनुपालन के बारे में जन चेतना का प्रसार हो.

बैंक ऑफिस परिचालन

रिजनल बैंक ऑफिस और सिटी बैंक ऑफिस

अब आपके बैंक में 13 क्षेत्रीय बैंक ऑफिस (आरबीओ) हैं. वर्ष के दौरान हैदराबाद में एक बैक ऑफिस खोला गया. अब आपके बैंक में कासा खाते खोलने के फॉर्मो को प्रोसेस करने तथा व्यक्तिगत चेक बुक जारी करने के लिए प्रतयेक अंचल में एक क्षेत्रीय बैंक ऑफिस है. क्षेत्रीय बैंक ऑफिस के माध्यम से आपके बैंक की 5000 से अधिक शाखाओं को केंद्रीकृत खाता खोलने की प्रक्रिया एवं व्यक्तिगत चेक बुक जारी करने हेतु सहबद्ध कर दिया गया है.

हैदराबाद में क्षेत्रीय बैंक ऑफिस के उद्घाटन अवसर पर श्री पि. श्रीनिवास, कार्यपालक निदेशक एवं अन्य गणमान्य जन.

आपके बैंक में समाशोधन के माध्यम से आवक-जावक चेकों की प्रोसेस करने के लिए 85 केंद्रीकृत सिटी बैंक ऑफिस कार्यरत हैं. समीक्षाधीन अवधि के दौरान दक्षिणी ग्रिड में सीटीएस (चेक ट्रंकेशन सिस्टम) क्लीयरिंग हेतु 100% माइग्रेशन का कार्य तथा पश्चिमी ग्रिड के 20 माइकर केंद्रों पर यह कार्य पूरा हो गया. उत्तरी ग्रिड में भी 21 माइकर केंद्रों में सीटीएस क्लीयरिंग को लागू किया गया. सभी तीनों ग्रिडों में जैसे-दक्षिणी, पश्चिमी और उत्तरी ग्रिडों में क्लीयरिंग का कार्य सुचारु रुप से चल रहा है.

सरकारी कारोबार एवं करेंसी चेस्ट

आपके बैंक ने शुल्क आधारित आय को बढ़ाने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 15 के दौरान समर्पित भाव से सरकारी कारोबार बढ़ाने पर अपना ध्यान केंद्रित किया है. समीक्षा अवधि के दौरान इस दिशा में किए गए कुछ प्रमुख प्रयासों का नीचे उल्लेख किया गया है.

- **सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ)-** आपके बैंक ने 1.10.2014 से 31.03.2015 के दौरान पीपीएफ खाते खोलने हेतु विशेष अभियान चलाया और 82,926 खाते खोलने के वार्षिक लक्ष्य को प्राप्त कर लिया.
- **न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस)-** आपके बैंक ने नेशनल पेंशन योजना के तहत एनपीएस-लाइट खाते खोलने के लिए 1.4.2014 से 31.3.15 के दौरान विशेष अभियान चलाया. 28 मार्च 2015 तक एनपीएस लाइट के 95,475 खाते खोले गए.
- **प्रशिक्षण-** आपके बैंक ने 27 स्थानों पर सरकार एवं सरकारी उपक्रमों से कारोबार हेतु कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसके माध्यम से 1534 स्टॉफ सदस्यों को इस बारे में जानकारी दी गई. बीसी/बीएफ/वीएलइज के लिए 13 स्थानों पर कार्यशाला कर उन्हें जागरुक किया गया.
- **सरकारी कारोबारः**
  - आपके बैंक को नवगठित आयुष मंत्रालय (आयुर्वेद विभाग, योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा एवं होमियोपैथी) के मान्यता प्राप्त बैंकर के रुप में मान्यता प्रदान की गयी.
  - आपके बैंक ने सरकारी उपक्रमों से निम्नलिखित सरकारी व्यवसाय प्राप्त किए-
    - एनटीपीसी (नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन) के रु. 2,000 करोड़ का मीयादी ऋण स्वीकृत किया गया.
    - उर्वरक मंत्रालय को रु. 1100 करोड़ का अल्पावधि ऋण स्वीकृत किया गया.
    - आरईसी लिमिटेड (राष्ट्रीय ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड) से 563 करोड़ की जमा राशि प्रदान की.
  - आपके बैंक ने फीस संग्रहण के लिए एफएसएसएआई (फूड सेफ्टी एंड स्टैण्डर्ड अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया) और कृषि मंत्रालय के साथ करार किया है.
- **डिजीटल इंडिया पहल** - आपके बैंक ने भारत सरकार की पहल डिजीटल इंडिया में भाग लिया. इसकी मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैः-
  - आपका बैंक भारत सरकार के प्रतिष्ठित इ-बिज पोर्टल के साथ जुड़े हुए 5 बैंकों में से एक है. इसके द्वारा बड़ी स्टेट सेवाओं के साथ-साथ 50 सेवाओं का शुभारंभ किया जाएगा.
  - डिजीटल लाइफ सर्टिफिकेट (डीएलसी) मार्च 2015 में ऑटोमेटेड हो गया. जीवन प्रमाण पत्र प्राप्त करने की पूरी प्रक्रिया डिजीटाइज होने से सभी पेंशनधारकों को लाभ होगा.
  - आपका बैंक माल एवं सेवा कर (सीएसटी) का संग्रहण कारोबार करने के लिए प्राधिकृत बैंकों में से एक है. इसके वित्त वर्ष 16 में लागू होने की संभावना है.
  - तेजी से पेंशन प्रोसेसिंग एवं संवितरण हेतु पेंशन भुगतान आदेश का डिजीटाइजेशन (ई-पीपीओ).

कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई में बड़ौदा एम पासबुक और ऑनलाइन पीपीएफ सेवाएं के शुभारंभ के अवसर पर श्री रंजन धवन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री के.वी.रामामूर्ती, कार्यपालक निदेशक एवं अन्य अधिकारी गण.

- **राज्य कर एवं नॉनटैक्स संग्रहण -**
  - आपके बैंक को तेलंगाना राज्य में वैट (वैल्यू एडेड टैक्स) के संग्रहण के लिए प्राधिकृत किया गया है.
  - आपके बैंक ने स्टेट रोड टैक्स का संग्रहण चेन्नै प्रोपर्टी टैक्स और चेन्नै स्टेट में एसोसियशन ऑफ सर्जन्स की ओर से फीस संग्रहण का कार्य प्रारंभ किया है.
  - आपके बैंक को राजस्थान राज्य में ई-ग्रास (ऑनलाइन गवर्नमेंट रिसीट एकाउन्टिग सिस्टम) के माध्यम से स्टेट टैक्सेज को संग्रह करने के लिए प्राधिकृत किया गया है. ई-गवर्नेंस पोर्टल के साथ बड़ौदा कनेक्ट को साथ जोड़ा गया है तथा 'आशा' (एक्रेडिटेड सोशल हेल्थ एक्टिविस्ट) के अंतर्गत नेशनल हेल्थ मिशन के भुगतान के लिए केंद्रीकृत सीमलेस भुगतान को स्वीकृत किया है.
  - आपके बैंक को कर्नाटक राज्य में महानगर पालिका प्रॉपर्टी टैक्स संग्रहण के लिए प्राधिकृत किया गया है.
  - आपका बैंक मध्य प्रदेश में साइबर ट्रेजरी वर्क में सहभागिता कर रहा है.
- **सामाजिक सुरक्षा योजनाएं-**
  - आपके बैंक ने एचआरवायएसएसपी (हरियाणा सोशल सिक्योरिटी पेंशन) पहल के अधीन सामाजिक सुरक्षा पेंशन का संवितरण प्रारंभ कर दिया है.
  - आपके बैंक ने गृह मंत्रालय, नई दिल्ली में स्वतंत्रता सेनानियों के लिए पीडीएमसी (पेंशन संवितरण निगरानी सेल) स्थापित किया है.
  - आपके बैंक ने स्वतंत्रता सेनानी पेंशनर्स को पेंशन भुगतान की प्रक्रिया प्रारंभ की है.
  - आपके बैंक को 8 अतिरिक्त राज्यों जैसे - कर्नाटक, ओडिशा, केरल, तेलंगाना, झारखंड, जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश में रेलवे पेंशनरों को पेंशन भुगतान के लिए प्राधिकृत किया गया है. इस प्रकार आपका बैंक सभी राज्यों (संघ शासित क्षेत्रों को छोड़कर) में यह कार्य करने की स्थिति में हो गया है.
  - वित्त वर्ष के दौरान नयी पेंशन योजना के अंतर्गत 20,000 खाते खोले गए जो एक वर्ष में सबसे अधिक है.
- **इ-स्टैम्पिंग कारोबार-** आपके बैंक ने तीन राज्यों यथा तमिलनाडु, झारखंड और राजस्थान में 76 शाखाओं में इ-स्टैम्पिंग की सुविधा का शुभारंभ किया. इस प्रकार कुल राज्यों की संख्या 8 हो गई.
- **अन्य पहलें-**

- आपके बैंक ने भारत सरकार की निम्नलिखित पहलों को कार्यान्वित किया है-
  - चयनित बैंक शाखाओं के माध्यम से किसान विकास पत्र, 2004 का संवितरण.
  - भारत सरकार द्वारा "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान के अंतर्गत कन्या शिशु के कल्याण के लिए प्रारंभ की गई योजना में सुकन्या समृद्धि खाते का शुभारंभ.

नकदी प्रबंधन एवं करेंसी चेस्ट-

- **करेंसी चेस्ट एवं नकदी प्रबंधन विभाग द्वारा शुरु की गयी पहलः**
  - **डोर स्टेप बैंकिंग सेवाएं (डीएसबीएस)** - बैंक ने मुंबई, नई दिल्ली (एनसीआर) और बड़ौदा तीन शहरों में डीएसबीएस का शुभारंभ कर दिया. यह उत्पाद कासा वृद्धि के लिए बहुत अच्छा है. इसमें अधिक ग्राहकों को जोड़ा जाए.
  - **भारतीय रिज़र्व बैंक की क्लीन नोट पॉलिसी के अनुपालन हेतु एनएसएम की स्थापना.** आपके बैंक ने वर्ष 2014-15 के दौरान शेष शाखाओं और करेंसी चेस्ट के लिए 3682 एनएसएम की खरीद हेतु बैंक ने प्राप्ति का अनुरोध फ्लोट किया था. 3,193 एनएसएम शाखाओं/करेंसी चेस्टों में डिलीवर/स्थापित की जा चुकी है. शेष मशीनें स्थापना हेतु मार्गस्थ हैं. जून 2015 तक सभी शाखाओं मे एनएसएम लग जाएगें.
  - **नकली नोटों की पहचान करना एवं जब्त करना-** हमारे बैंक द्वारा वर्ष 2014-15 के दौरान 5,507 नकली नोटों की पहचान कर उन्हें जब्त किया गया एवं इसकी रिपोर्टिंग भारतीय रिज़र्व बैंक को की गयी. वित्तीय वर्ष 14 के दौरान नकली नोटों की संख्या -573- थी.

सतर्कता

बैंकिंग उद्योग में ऑटोमेशन की दिशा में हो रहे परिवर्तनों और अन्य परिवर्तनों के बावजूद बैंकिंग अपनी प्रकृति से व्यक्ति उन्मुख है. उत्पादन संगठनों से भिन्न बैंकिंग व्यक्तिगत सेवा की मांग करता है. अतः इसकी सेवा की गुणवत्ता, समग्रता में इसके कार्मिकों के व्यवहार की गुणवत्ता पर निर्भर करती है.

परिचालन स्तर तथा नियत्रंक कार्यालयों में कार्यरत स्टाफ को प्रोत्साहित एवं सक्षम बनाकर आवश्यक सावधानी सहित बचाव और खोजी उपाय करने हेतु सतर्कता विभाग का प्रयास रहा है. इससे ईमानदार श्रमशक्ति के लिए सुरक्षापूर्ण वातावरण बनाने एवं कार्यकुशलता बढ़ाने में सहायता मिलती है.

कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई में आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान श्री रंजन धवन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी.

घोर लापरवाही के मामलों और अनुचित व्यावसायिक निर्णय वाले मामलों के बीच सावधानीपूर्वक पहचान की जाती है. प्रत्येक मामले की निगरानी यह सुनिश्चित करने के लिए की जाती है कि जांच कार्यवाही शीघ्रता से पूरी हो और सभी संबंधितों को सही प्रतीत हों. यह सुनिश्चित करने के भी प्रयत्न किए जाते हैं कि दण्ड जहां आवश्यक हों वह समय से और न्यायोचित हो.

आपके बैंक में सतर्कता मशीनरी विभिन्न निवारक उपायों के साथ सभी श्रेणी के स्टाफ सदस्यों को जागृत करने के अलावा कंप्यूटरीकृत/ई-बैंकिंग परिवेश में उभर रहे नए जोखिम संभाव्य क्षेत्रो में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रही है.

आपके बैंक में टेंडर की प्रक्रिया और खरीद के मामलों में अधिक पारदर्शिता लाने हेतु, टेंडर आमंत्रित करने का नोटिस/बैंक द्वारा अवार्ड किए गए टेंडरों का ब्यौरा और टेंडरों को सार संक्षेप/निष्कर्ष पर पहुंचे करारों को अधिकतम प्रचार हेतु बैंक की वेबसाइट पर डाला जाता है. वित्त मंत्रालय की सूचना के अनुरूप सभी सरकारी क्षेत्र के बैंकों में एक समान कार्यान्वयन हेतु मानकीकृत सार्वजनिक शिकायत निवारण प्रणाली (एसपीजीआरएस) दिनांक 11.01.2013 से लागू कर दी गई है.

कारोबार निष्पादन

वित्तीय वर्ष 15 के दौरान व्यवसाय विकास के क्षेत्र में आपके बैंक की प्रमुख उपलब्धियों का विवरण नीचे दिया गया है.

31 मार्च, 2015 को समाप्त वित्त वर्ष एवं वित्त वर्ष 2014-15 की चतुर्थ तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा.

संसाधन संग्रहण एवं आस्ति विस्तार

31 मार्च, 2015 को कुल संसाधनों में बैंक की जमाराशियों का अंश 86.37% रहा. आपके बैंक की कुल जमाराशियां रु. 5,68,894 करोड़ से बढ़कर रु. 6,17,560 करोड़ हो गई जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.55% अधिक है. कम लागत वाली जमाराशियो में महत्वपूर्ण घटक बचत बैंक जमाराशियों में 14.24% की वृद्धि हुई तथा ये रु. 96,437 करोड़ से बढ़कर रु. 1,10,172 करोड़ हो गई.

कुल जमाराशियों (घरेलू + विदेशी) में कम लागत की जमा राशियों (चालू + बचत) अर्थात कासा का हिस्सा 26.39% रहा और घरेलू जमाराशियों में यह 33.01% रहा.

वित्तीय वर्ष, 15 के दौरान आपके बैंक के कुल अग्रिमों में 7.82% की वृद्धि हुई. घरेलू अग्रिमों में यह वृद्धि 7.24% और विदेशी अग्रिमों में 9.10% रही.

वडोदरा में सम्पन्न हुई असाधारण सामान्य बैठक के दौरान श्री रंजन धवन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी और अन्य गणमान्य जन.

निधियों की संरचना- वैश्विक

विवरण (₹ करोड़ में)	मार्च, 2014 की समाप्ति पर	मार्च, 2015 की समाप्ति पर	वृद्धि %
जमाएं	5,68,894.39	6,17,559.52	8.55
- घरेलू	3,79,054.04	4,14,277.85	9.29
- विदेशी	1,89,840.35	2,03,281.68	7.08
उधारियां	36,812.97	35,264.28	-4.21

वैश्विक अग्रिम - (शुद्ध)

विवरण (₹ करोड़ में)	मार्च, 2013 की समाप्ति पर	मार्च, 2014 की समाप्ति पर	वृद्धि %
अग्रिम	3,97,005.81	4,28,065.14	7.82
- घरेलू	2,72,168.96	2,91,870.22	7.24
- विदेशी	1,24,836.85	1,36,194.92	9.10

जमा संसाधनः

आपके कारोबार संविभाग 'जमा संसाधन' का उद्देश्य बैंक द्वारा आगे बढ़ाये जाने वाले कारोबारी मॉडल और कार्पोरेट लक्ष्यों को प्रोन्नत करने वाले संगठनात्मक ढाचे के बीच बेहतर तालमेल करके बड़े आधार वाली और सुसंगत कासा तथा खुदरा मियादी जमाओं में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करना है. एक सोचे/समझे निर्णय के अनुरूप बड़ी जमाओं को औचित्यपूर्ण बनाकर खुदरा जमाओं के भाग में वृद्धि करने पर ध्यान केंद्रित किया गया.

संसाधन संग्रहण :

संग्रहण क्षेत्रों से नये संसाधन जुटाने और बैंक के ग्राहक आधार में वृद्धि के लिए आपके बैंक में बहिर्गामी विक्रय आऊटफीट है. इन आऊटफीटों के और सभी 5000 से अधिक शाखाओं के सक्रिय योगदान से आपके बैंक ने वित्तीय वर्ष 2015 में 128.21 लाख नये बचत खाते एवं 1.20 लाख नये चालू खाते जुटायें. यह सुव्यवस्थित विकास दर खोले गये नये खातों की निरंतर निगरानी एवं 18 अगस्त 2014 से 20 सितंबर, 2014.के दौरान विशेष अभियान द्वारा अनुपूरित खातों से प्राप्त की गयी है. अभियान के दौरान 16.59 लाख नये खाते खोले गये और रू. 1068.34 करोड़ की राशि संग्रहित की गयी. आपके बैंक की घरेलू जमाराशियां मार्च 2014 में 3,79,054 करोड़ की तुलना में 4,14,278 करोड़ रही इनमें 9.29% की सुदृढ वृद्धि दर्ज की गयी. यह वृद्धि वर्ष के दौरान उच्च लागत वाली और अधिमान्य दरवाली बल्क जमा राशियों को सोच - समझ कर कम करने के बावजूद भी प्राप्त हुई.

खुदरा जमाराशियों के अंतर्गत विकास दरः

आपके बैंक की **बचत जमाराशियां घरेलु परिचालन** रू. 1,06,736 करोड़ पर पहुंच गयी इसमें 13,355 करोड़ की वृद्धि हुई इस प्रकार वर्ष दर वर्ष (वर्ष दर वर्ष) आधार पर मार्च 2015 में 14.30% की वृद्धि हुयी.

आपके बैंक की घरेलु **चालू जमाराशियां** वर्ष मार्च 2014 में 27,000 करोड़ की तुलना में 31 मार्च 2015 को 30,016 करोड़ पर पहुंच गयी. इसमें वार्षिक वृद्धि रू. 3,016 करोड़ रही. यह वृद्धि वर्ष दर वर्ष आधार पर 11.17% रही.

आपके बैंक का कुल जमाओं (घरेलू) में घरेलू **कासा का हिस्सा** मार्च 2014 में 31.76% से बढ़कर मार्च 2015 में 33.01% हो गया.

खुदरा मीयादी जमा राशियां : आपके बैंक की खुदरा मीयादी जमा राशियां मार्च 2014 में रू. 1,25,421 करोड़ की तुलना में मार्च 2015 में 1,66,509 करोड़ हो गयी. इस प्रकार इनमें वर्ष दर वर्ष अधार पर 32.76% की वृद्धि हुयी. कुल मीयादी जमा राशियों में खुदरा मीयादी जमाराशियां का हिस्सा मार्च 2014 में 48.49% प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2015 में 60.00% हो गया. यह बैंक द्वारा खुदरा जमाओं में वृद्धि पर और बल्क जमाराशियों को कम करने पर जोर देने के कारण संभव हुआ.

औसत वृद्धि सतत प्रगति का एक महत्वपूर्ण सूचक है. विभिन्न जमाओं के सेगमेंट में जमाराशियों में पुख्ता वृद्धि के बैंक के उद्देश्य के अनूकूल आपके बैंक ने औसत कासा जमाराशियों 10,308 करोड़ की औसत विकास दर प्राप्त की और वित्त वर्ष 2015 में दैनिक औसत आधार पर 33,273 करोड़ की जमाराशियां प्राप्त की जोकि 10.12% होती है. समग्र जमाराशियों की वृद्धि में औसत जमाराशियां 10.14% के बेहतर स्तर पर रही.

अन्य कारोबारी पहलें :

- **वर्तमान खाता धारकों के साथ संबंधों को पुनर्जीवित एवं मजबूत करने के लिए** आपके बैंक ने निष्क्रिय खातों को सक्रिय करने के लिए विशेष ध्यान दिया. वित्त वर्ष 2015 के दौरान 8.39 लाख निष्क्रिय बचत बैंक खातों को सक्रिय किया.
- **डेबिट कार्ड जारी करने पर जोर देना विशेष रूप से वर्तमान सक्रिय बचत खातों में :** आपके बैंक ने डेबिट कार्ड जारी करने पर विशेष रूप से पुराने एवं सक्रिय बचत खातों में, जिसमें रू. 5,000/- और अधिक राशि शेष है, ध्यान केंद्रित रखा. वित्त वर्ष 2015 के दौरान कुल मिलाकर 8.40 लाख डेबिट कार्ड इन खातों में जारी किए गये. जबकि सभी नये खातों में खाता खोलने के साथ ही डेबिट कार्ड जारी किये जा रहे है.
- **सक्रिय ग्राहक आधार बढ़ाने के लिए शून्य शेष वाले खातों में फंडिंग करने पर जोर** देने हेतु ऐसे बचत खातों की सूची जिनमें शून्य शेष है, सभी क्षेत्रों / अंचलों को नियमित अंतरालों पर, इन खातों में फंडिंग करने के लिए फालो-अप हेतु प्रेषित की जा रही है वित्त वर्ष 2015 के दौरान इस प्रकार के कुल 5.76 लाख खातों में राशियां जमा की गयी. इन खातों में रू. 457.59 करोड़ की राशि संग्रहित की गयी.

एन. आर. आई. सेवाएं

विदेशों में रहने वाले भारतीय, धन प्रेषण, बैंक जमाओं, रीयल इस्टेट और अन्य निवेशों के माध्यम से भारत के साथ जुड़े रहते हैं. अनिवासी जमाएं बैंकों को जमा संसाधनों के लिए निरंतर सहायता करते रहते है. आपके बैंक में 1.4.2011 को एन. आर. आई. सेवा विभाग का गठन किया गया. यह विभाग परिचालन इकाइयों को एन. आर.आई. ग्राहकों को समुचित बैंकिंग सेवाएं देने के लिए टेक्नालाजी प्लेटफार्म का उपयोग, स्टाफ के ज्ञान कौशल को बढाकर, विदेशी शाखाऑ के साथ ताल-मेल बैठाकर एन आर आई सेवाएं एवं उत्पादों के लिए पसंदीदा बैंक बनाने हेतु उपयुक्त कार्ययोजना उपलब्ध करा रहा है.

प्रवासी भारतीय दिवस 2015 के अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री के वी रामामूर्ती, महाप्रबंधक श्री प्रभात अग्रवाल एवं अन्य अधिकारी

एन आर आई जमा राशियां

(राशि करोड़ में)

	31.03.2014	31.03.2015	वर्ष दर वर्ष वृद्धि	
	वास्तविक	वास्तविक	समग्र	%
एन आर ई	24212	29201	4989	20.61
एन आर ओ	2708	2863	155	5.72
एफ सी एन आर	18153	20836	2683	14.78
कुल एन आर आई जमा	**45073**	**52900**	**7827**	**17.37**

मार्च 2014 की तुलना में कुल एन आर आई जमा राशियों में 17.37 % के वृद्धि दर्ज हुयी जोकि समकक्षी बैंकों में सर्वोत्तम में से एक है.

वित्त वर्ष 2015 के दौरान प्रारंभ की गयी पहलें.

नई आंतरिक वित्तप्रेषण प्रक्रिया

1 विशेष एन आर आई जमा अभियान एवं नॉन केवायसी अनुपालन वाले खाते में डाटा क्लीनिंग अभियान दिनांक 1.11.2014 से 31.12.2014 चलाया गया. इस दौरान आपके बैंक ने 18,562 नये खाते खोले और 1,463 करोड़ की राशि संग्रहित की.

2 निष्क्रिय एन आर आई खातों को सक्रिय बनाने के लिए निरंतर अभियान, शून्य शेष खातों में फंडिंग, सक्रिय खातों में ए.डी.सी को जारी करना तथा उनकी सुपुर्दगी, ग्राहक शिकायतों का निस्तारण से एन आर आई संसाधनों को बढ़ाने में बड़ा योगदान प्राप्त हुआ.

3 यूएई एक्सचेंज हाउस के साथ टाई-अप व्यवस्था के अंतर्गत यू. ए. टी. हेतु वेब आधारित ऑनलाइन इनवर्ड उत्पाद फ्लैश रेमिट शुभारंभ के लिए तैयार है.

4 यू. के टेरीटरी में लगने वाले समय को घटाने (टैट) हेतु आवक - रेमिटेन्स उत्पाद "रेपिड फंडस टू इंडिया " हेतु एसटीपी माडल का शुभारंभ किया गया.

5 भारतीय रिजर्व बैंक के जोखिम आधारित पर्यवेक्षण के अंतर्गत आपके बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य सांविधिक और विनियामक जैसे एन आर आई /पी आई ओ खातों में केवायसी क्लीनिंग, पासपोर्ट विवरण एवं अन्य विवरणों को अद्यतन करने जैसे दिशानिर्देशों के अनुपालन हेतु कई सिस्टम चेक एवं उपाय किये.

6 वृहत् मुंबई अंचल में एक और विशिष्टीकृत एन आर आई शाखा के शुभारंभ के प्रस्ताव को सहमति प्राप्त हो गयी.

होलसेल एवं मिड कार्पोरेट बैंकिंग

मजबूत कार्पोरेट ऋण संस्कृति और ऋणों में स्वस्थ प्रगति पिछले कुछ वर्षों से आपके बैंक को अन्य बैंकों से अलग प्रदर्शन करने वाले कारक रहे हैं.

आपके बैंक का लार्ज कार्पोरेट एवं मिड कार्पोरेट बैंकिंग प्रभाग ; कार्पोरेट को उनके विस्तार और / अथवा नये वेंचर्स हेतु मीयादी ऋण एवं कार्यशील पूंजी की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु फंड आधारित एवं नॉन फंड आधारित उत्पाद उपलब्ध कराता है. इन उत्पादों में मीयादी ऋण, मांग ऋण, कार्पोरेट ऋण, विदेशी मुद्रा ऋण, ऋण, कैश क्रेडिट, बिल भुनाई, कार्यशील पूंजी के लिए टॉप- अप सुविधा, ट्रेड फाइनेंस उत्पाद, सिंडीकेटेड ऋण, फ्यूचर रेंट प्राप्तियों के पेटे अग्रिम, कार्पोरेट के उपयुक्त कई और उत्पाद शामिल है. उपलब्ध कराए जाने वाले उत्पाद लचीले एवं समुचित रूप से तैयार किये गये हैं इनमें ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं एवं जोखिम प्रोफाइल का ध्यान रखा गया है.

कार्पोरेट्स एवं ग्राहकों को उनके बिक्री टर्न ओवर के आधार पर लार्ज एवं मिड कार्पोरेट्स के रूप में जैसे रु. 500/- करोड़ और उससे अधिक को लार्ज कार्पोरेट्स एवं रु. 150/- करोड़ से रु. 500/- करोड़ तक वार्षिक बिक्री टर्न ओवर को मिड कार्पोरेट्स में वर्गीकृत किया जाता है.

मिड कार्पोरेट्स के लिए ऋण मामलों को एक अलग संविभाग अर्थात मिड कार्पोरेट बैंकिंग विभाग द्वारा इस विचार से संचालित किया जाता है कि इन ऋण कर्ताओं को ऋण प्रवाह बढ़े और उनकी संख्या में पर्याप्त वृद्धि हो. प्रतिष्ठित मिड कार्पोरेट बिजनेस सेगमेंट को सेवा देने हेतु केंद्रित कारोबारी विचार से प्रारंभ में देश में 16 मिड कार्पोरेट शाखाएं खोली गयी थी. समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष में आपके बैंक ने जोगेश्वरी (मुंबई) में एक और मिड कार्पोरेट शाखा खोली है.

ग्राहक केंद्रित विचारधारा से युक्त आपके बैंक ने कार्य कुशल चैनलों के माध्यम से तथा बहूदेशीय, घरेलू कारोबारी घरानों और श्रेष्ठ सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को ऋण प्रशासन में सुपीरियर एवं तेजी से सुपुर्दगी के मामलें में निरंतर उपलब्धि अर्जित की है.

आपका बैंक प्रतिभाव समय में सुधार करने के लिए प्रयासरत है. पिछले वित्त वर्ष के दौरान निर्णय की गुणवत्ता में समझौता किये बिना निर्णय लेने की गति में सुधार हेतु प्रयास किये गये. ऋण मामलों में सभी स्तरों पर निर्णय में तेजी लाने एवं टर्न अराउंड समय घटाने हेतु आवश्यकता आधारित निर्णय लेने के और अधिक अधिकारों का प्रत्यायोजन किया गया.

आपके बैंक ने आवेदन कर्ताओं द्वारा प्रस्तुत किये गये ऋण आवेदनों के स्टेटस जानने में सुविधा हेतु "ऑनलाइन लोन एप्लीकेशन ट्रैकिंग" प्रारंभ की गयी. इस सिस्टम में शाखा स्तर पर प्राप्त होने पर सभी ऋण आवेदनों को शाखा अधिकारियों द्वारा 'लोन ट्रैकिंग मॉड्युल' में दर्ज किया जाता है तथा सिस्टम से तैयार यूनिक आवेदन संख्या एवं पासवर्ड सहित पावती उपलब्ध करा दी जाती है. बैंक की वेबसाइट पर दिये गये लिंक "लोन ट्रैकिंग" पर लॉग इन करके आवेदन कर्ता ऋण आवेदन का स्टेटस जान सकेगा.

वर्ष के दौरान बैंकिंग उद्योग में नॉन फूड क्रेडिट ग्रोथ सामान्यतः कम रही तथापि इस अवधि में भी आपके बैंक के लार्ज एवं मिड कार्पोरेट बैंकिंग डिवीजन नें ऋण विस्तार के लिए कार्पोरेट्स की पहचान करने का कार्य प्रारंभ किया तथा फास्ट ट्रैक डेस्क से 115 नये ग्राहक संबंध स्थापित किये (70 लार्ज एवं 45 मिड) विभाग ने वर्ष के दौरान 25,423 करोड़ रुपये की नयी ऋण सुविधाएं (21726 करोड़ सं. 3395.91 करोड़ मिड कार्पोरेट के तहत) स्वीकृत कीं. वर्ष के दौरान लार्ज एवं मिड कार्पोरेट डिवीजन के विभिन्न सेकटरों / प्रोजेक्टस के साथ इंडस्ट्रीज / देश भर में फैली इकाइयों को नये और संवर्धन सहित कुल स्वीकृतियां 1,00,676 करोड़ रही.

आपके बैंक ने कार्पोरेट अपेक्षाओं को नीचे तक पहुंचाने एवं अधिकतम कारोबार जुटाने हेतु जमीनी स्तर पर यूनिटों द्वारा महसूस की जा रही कठिनाइयों को समझने के लिए सी एफ एस शाखा प्रमुखों की कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया.

बैंक कुछ सेक्टरों में आसन्न दबाव के प्रति इन सेक्टरों के अंतर्गत ऋण निर्णय करते समय संवेदनशील बना रहा .

आपका बैंक आस्तियों की गुणवत्ता बनाये रखने के लिये सभी ऋण प्रस्तावों की कार्यकुशल प्रोसेसिंग और मूल्यांकन की गुणवत्ता को उच्च महत्व देता है तथा इसे प्राप्त करने के लिये कुशल एवं प्रोत्साहित कर्मचारियों के महत्व को महसूस करता है. इसे ध्यान में रखते हुए आपके बैंक ने ऋण एवं फोरेक्स अधिकारियों को नियमित रुप से प्रशिक्षित कर तैयार करने पर जोर बनाये रखा तथा बैंक के भीतर एवं विभिन्न संस्थानों के साथ सहयोग कर विशिष्टीकृत प्रशिक्षण दिया. इस प्रकार की प्रशिक्षण सुविधाए बढ़ाने के लिए बैंक ने अपने अधिकारियों को विस्तृत ऋण प्रशिक्षण दिलवाने हेतु प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ टाय- अप किया है.

स्वीकृति प्राधिकारियों को गुणवत्ता पूर्ण मूल्यांकन प्रस्तुतिकरण सुनिश्चित करने एवं इसमे सुधार के विचार से आपके बैंक ने महत्वपूर्ण मानदंडों पर सभी स्तरों पर प्रत्येक ऋण प्रस्ताव के साथ "चेक लिस्ट" प्रस्तुत करने की प्रणाली प्रारंभ की है, आपके बैंक ने सभी स्तरों पर पर्याप्त सावधानी को बढाने के लिए अन्य उपाय जैसे - बैंक के इंट्रानेट पृष्ठ के माध्यम से सभी स्तरों पर महत्वपूर्ण आवश्यक सूचनाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की है.

आपके बैंक के लार्ज कार्पोरेट बैंकिंग प्रभाग में ''घरेलू विदेशी कारोबार'' प्रभाग भी है. डी.एफ.बी प्रभाग घरेलू शाखाओं में विदेशी मुद्रा व्यवसाय संचालित करने एवं विदेशी मुद्रा कारोबार बढ़ाने में वृद्धि करने के साथ-साथ शुल्क आधारित आय बढ़ाने में बड़ा योगदान करता है. समीक्षाधीन वर्ष में आपके बैंक ने प्राधिकृत 'बी' श्रेणी की 3 और शाखाओं को सीधे विदेशी मुद्रा कारोबार करने तथा उनके आस- पास की शाखाओं के लिए नोडल शाखा के रूप में कार्य करने हेतु जोड़ा. डी.एफ.बी. के माध्यम से आपका बैंक प्रतिष्ठित निर्यातक ग्राहकों को गोल्ड कार्ड जारी करता है, जिससे उन्हें रियायती मूल्यों पर निर्यात ऋणों में अतिरिक्त लचीलापन प्राप्त करने में सुविधा प्राप्त होती है. अब तक आपके बैंक ने 612 गोल्ड कार्ड जारी किए हैं.

लार्ज कार्पोरेट प्रभाग में ''टफ सेल्स'' भी कार्यरत है. यह वस्त्र मंत्रालय द्वारा टेक्सटाइल इंडस्ट्री में टेक्नॉलजी उन्नयन हेतु नोडल बैंक के रूप में कार्य करता है. इसके लिए पूरे देश में टेक्सटाइल यूनिटों द्वारा मशीनरी में निवेश एवं ब्याज पर सहायता राशि प्रदान करता है. आपका बैंक उन बड़े बैंकों में से एक है जो टेक्स्टाइल इकाइयों को इस प्रकार सहायता राशि उपलब्ध कराता है. बैंक के पास टफ (TUFs) योजना के तहत कवर किये गये 1000 से अधिक मीयादी ऋण है. शाखा स्तर के स्टाफ को उसी उस क्रम में शिक्षित करने तथा उन्नत बनाने हेतु टफ सेल प्रशिक्षकों एवं फील्ड स्टाफ के लिये सीधे ही स्थानीय स्तर पर कार्यशालाओं का आयोजन करता है.

खुदरा ऋण :

पूर्व की भांति वित्तीय वर्ष, 15 में भी रिटेल बैंकिंग सेवाएं बैंक के समग्र व्यवसाय में महत्वपूर्ण व्यवसाय घटक /संविभाग बना रहा. यह संविभाग वैयक्तिक एवं लघु व्यवसाय ग्राहकों (व्यापारियों) की वित्तीय जरुरतों पर अपना ध्यान केंद्रित करता है जो सहज एवं संवहनीय लागत पर बैंकिंग सुविधाओं की अपेक्षा रखते हैं.

वर्ष के दौरान रिटेल बैंकिंग संविभाग के कार्यनिष्पादन का विवरण नीचे दिया गया है.

रिटेल लेंडिंग के अंतर्गत वृद्धि

आपके बैंक की बुक में पांच प्रमुख उत्पाद यथा आवास ऋण, ऑटो ऋण, शिक्षा ऋण, ट्रेडर्स ऋण तथा मार्गेज ऋण शामिल हैं. जिनकी मार्च, 2015 के अंत में कुल रिटेल ऋणों में 78.35% हिस्सेदारी थी. अन्य उत्पादों, लाबोड /ओडीबीओडी की कुल रिटेल ऋणों में हिस्सेदारी 18.18% रही.

अन्य खुदरा ऋण उत्पाद जैसे बड़ौदा वैयक्तिक ऋण और अन्य विविध उत्पाद जैसे डॉक्टर्स ऋण सरकारी प्रतिभूतियों के पेटे ऋण आदि खुदरा ऋण का 3.47% है.

कुल रिटेल ऋण 31 मार्च, 2014 को रु.46,019 करोड़ की तुलना में 31 मार्च, 2015 को रु.52,488 करोड़ रहे. वित्तीय वर्ष, 2015 के दौरान इनमें कुल रु. 6,469 करोड़ (14.06%) की वृद्धि दर्ज की गई जबकि पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान यह वृद्धि रु.7,973 करोड़ (20.96%) थी.

जोधपुर क्षेत्र में रिटेल लोन फ़ैक्ट्री का शुभारंभ करते हुए श्री बी.बी. जोशी, कार्यपालक निदेशक.

पांच प्रमुख रिटेल उत्पादों के अंतर्गत वृद्धि

पांच प्रमुख उत्पादों जिनकी कुल ऋणों में हिस्सेदारी 78.35% है, में वित्त वर्ष, 15 के दौरान कुल रु.4,623 करोड़ (12.67%) की वृद्धि हुई जबकि वित्त वर्ष, 14 के दौरान यह वृद्धि रु.5,899 करोड़ (19.28%) थी.

आवास ऋणः वित्तीय वर्ष, 15 के दौरान कुल वृद्धि रु.2,984 करोड़ (15.26%) दर्ज की गई जब कि वित्तीय वर्ष, 14 के दौरान यह वृद्धि रु.3,513 करोड़ (21.89%) थी. यद्यपि वित्तीय वर्ष 31 मार्च, 2015 के दौरान रु. 6,335 करोड़ का संवितरण किया गया, जो गत वर्ष इसी अवधि के दौरान 6,372 करोड़ था.

ऑटो ऋणः वित्तीय वर्ष, 15 के दौरान कुल रु. 517 करोड़ (14.19%) की वृद्धि दर्ज की गई जबकि वित्तीय वर्ष, 14 के दौरान कुल वृद्धि रु.698 करोड़ (23.71%) थी. यद्यपि वित्तीय वर्ष 31 मार्च, 2015 के दौरान रु. 1,796 करोड़ का संवितरण किया गया, जो गत वर्ष इसी अवधि के दौरान 1,778 करोड़ था.

बड़ौदा ट्रेडर्स ऋणः वित्तीय वर्ष, 14 के दौरान कुल रु.754 करोड (8.96%) की वृद्धि दर्ज की गई जबकि वित्तीय वर्ष, 14 के दौरान कुल वृद्धि रु.1,215 करोड़ (16.92%) थी.

बड़ौदा मार्गेज ऋणः वित्तीय वर्ष, 15 के दौरान कुल रु.333 करोड़ (-11.76%) की कमी दर्ज की गई जबकि वित्तीय वर्ष, 14 के दौरान वृद्धि रु. 367 करोड़ (14.73%) थी.

शिक्षा ऋणः वित्तीय वर्ष, 15 के दौरान नयी सीएसआईएस योजना के तहत भारत सरकार से प्राप्त शिक्षा ऋण ब्याज सब्सिडी को समायोजित करने के बाद कुल रु. 36 करोड़ (1.74%) की वृद्धि दर्ज की गई जबकि वित्तीय वर्ष, 14 के दौरान यह वृद्धि रु.106 करोड़ (5.40%) थी.

रिटेल ऋणों में एनपीए

आपके बैंक के रिटेल ऋणो में 31.03.2015 को गैर निष्पादक आस्तियों का हिस्सा रु. 1,101 करोड़ (2.10%) था. 31 मार्च, 2014 के रिटेल ऋणों में एनपीए का हिस्सा रु. 901 करोड़ था जो कि कुल रिटेल ऋणों का 1.96% था.

मार्च, 2015 के अंत में रिटेल ऋणों में एनपीए 31.03.2014 के स्तर से रु. 200 करोड़ की (22.20%) वृद्धि हुई. वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान यही वृद्धि रु. 232 करोड़ (34.61%) थी.

वित्त वर्ष 2015 के दौरान खुदरा बैंकिंग में नयी पहलें-

- प्रारंभः-
    - **प्रिमियम संस्थानों के छात्रों का बडौदा शिक्षा ऋण** - प्रिमियम संस्थानो के पाठ्यक्रम में अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए नयी विशेष शिक्षा ऋण योजना.
    - बड़ौदा आवास ऋण एडवांटेज स्कीम - बचत खाते से संबद्ध बड़ौदा होम लेन.
    - बड़ौदा आवास ऋण सुरक्षा वैयक्तिक ऋण - ग्रुप क्रेडिट जीवन बीमा के तहत बीमा प्रीमियम चुकाने के लिए आवास ऋणकर्ताओं हेतु नयी व्यैक्तिक ऋण योजना.
- बड़ौदा पूर्व अनुमोदित आवास ऋण योजना.
    - संभाव्य ऋणकर्ता को आवास/फ्लैट संपत्ति निर्धारित करने से पहले आवास ऋण का सैद्धांतिक अनुमादन देने हेतु नयी योजना.
    - बड़ौदा सीआरई आवास ऋण - तीसरे घर के लिए आवास ऋण.
- बड़ौदा स्कॉलर के अधीन शिक्षा ऋण योजना में संशोधन. न्यूजीलैंड में पढ़ाई के लिए शिक्षा के मामले में वीसा प्राप्त करने से पहले ऋण संवितरण के संबंध में आस्ट्रेलिया से अलग जहां यह सुविधा पहले से उपलब्ध है.

- दिनांक 1.12.2014 से बड़ौदा ट्रेडर्स ऋण में ब्याज में 1% की कमी की गयी.

अन्य पहलें:-

- आपके बैंक ने -15- नई रिटेल लोन फैक्ट्रियों का शुभारंभ किया.
- खुदरा ऋणों पर हिन्दी में एनीमेशन फिल्में (सीडी) सभी अंचलों को जारी की गई जिससे आवास ऋण और कार ऋणों का प्रचार हो.

धन संपदा प्रबंधन सेवाएं:-

आपका बैंक 2004 से अपने ग्राहकों को बैंकिंग सेवाओं से अलग विभिन्न प्रकार की वित्तीय सेवाएं दे रहा है. जीवन बीमा, गैर जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, म्यूचुअल फंड्स, ऑनलाइन ट्रेडिंग खाता आदि विभिन्न टाई-अप सहयोगियों के माध्यम से दिए जा रहे हैं. बैंक की दो संयुक्त उद्यम कंपनियों एक जीवन बीमा में और दूसरी म्यूचुअल फंड्स कारोबार में बाज़ार में वर्षों से स्थापित हो चुकी हैं. आपका बैंक संयुक्त उद्यमों के उत्पाद तथा अन्य पार्टियों के उत्पाद जिनके साथ टॉप अप व्यवस्था है के उत्पाद भी संवितरित करता है.

बड़ौदा पायोनियर म्यूचुअल फ़ंड कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय प्रमुख, रायपुर को सम्मानित करते हुए श्री पि. श्रीनिवास, कार्यपालक निदेशक, श्री प्रभात अग्रवाल, महाप्रबंधक.

वित्तीय वर्ष 15 के दौरान चालू खाता पोर्टफोलियो में सुधार करने के विचार से मर्चेन्ट संस्थानो में बॉबकाड्‌र्स की पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीने लगाने पर ज़ोर दिया गया. वर्ष के दौरान कुल 3565 नई पीओएस मशीने लगाई गई . इससे नए चालू जमा खाते प्राप्त करने एवं पुराने खातों को अपने साथ रखने में सहायता मिली. पिछले वर्ष के दौरान पॉइंट ऑफ सेल ग्राहकों की संख्या में प्रचुर वृद्धि हुई है.

आपके बैंक ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आस्बा (एएसबीए) सुविधाएं प्रदान की. इसे ग्राहकों से बहुत अच्छा प्रतिसाद प्राप्त हो रहा है. इससे बैंक को परिचालनशील खातों में फ्लोट राशि रखने तथा इस सेगमेंट में प्रतियोगी बने रहने, विशेष रूप से जब आईपीओ/ एफ़पीओ/आरआई (राईट-इश्यू) आदि बढ़ रहे हैं, में सहायता मिलती है.

आपके बैंक की जीवन बीमा, गैर जीवन बीमा और म्यूचुअल फंड्स कारोबार आय में पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में पिछले वर्ष स्वस्थ प्रगति हुई है. आपका बैंक और व्यैक्तिकृत सेवाएं देकर ग्राहक आनंद सुनिश्चित करने के प्रतिबद्ध है और इस दिशा में आगे बढेगा.

एमएसएमई कारोबार:-

बैंक और राष्ट्र की अर्थव्यवस्था के लिए इस महत्वपूर्ण सैक्टर के महत्व को समझते हुए विनिर्माण एवं सेवा देने वाली इकाइयों के वित्तपोषण के लिए जिनका क्रमशः प्लांट और मशीनरी एवं ईक्विपमेंट में विनियामक दिशा निर्देशो से अधिक निवेश है और इनका टर्न ओवर 150 करोड़ तक है, इनको बैंक एमएसएमई की तर्ज़ पर वित्तपोषण करने पर विचार करता है. यह आंतरिक रूप से इस 'विस्तृत' सैक्टर पर अग्रतापूर्वक ध्यान देने हेतु विनियामक एमएसएमई उद्यमों की लाइन पर किया जाता है.तथापि विनियामकों को रिपोर्ट करने हेतु आपके बैंक का कार्यनिष्पादन केवल नियामक ऋणदान के लिए देखा जाता है अर्थात वे इकाइयां/ऋणकर्ता जो सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की परिभाषा को पूरी तरह से पूरा करते हैं.

इस विनियामक श्रेणी में आपके बैंक का कार्यनिष्पादन अर्थव्यवस्था में समग्रता में मंदी के बावजूद भी काफी उत्साहवर्धक रहा है.

एमएसएमई व्यवसाय में वृद्धि:-

जामनगर क्षेत्र में माइक्रो उद्यम सेल का शुभारंभ करते हुए श्री के. वी. रामामूर्ती, कार्यपालक निदेशक.

31 मार्च, 2015 को समाप्त अवधि में एमएसएमई क्षेत्र में कुल बकाया राशि 61,993 करोड़ रही. इन तीन वर्षों में एमएसएमई क्षेत्रों में ऋणों में हुई वृद्धि निम्नलिखित तालिका में दर्शाई गई है:-

वर्ष	वृद्धि(% वर्ष दर वर्ष)
2012-13	30.31%
2013-14	21.21%
2014-15	9.46%

वित्तीय वर्ष, 2015 के दौरान प्रमुख उपलब्धियां:-

- वित्तीय वर्ष 2015 में मंद आर्थिक स्थिति एव बडी कंपनियों की मांग में कमी जो कि एमएसएमई सेगमेन्ट की प्रमुख आपूर्ति कर्ता होती है, के कारण एमएसएमई अग्रिम की वृद्धि पिछले वर्ष अर्थात 2013-14 की तुलना में कम रही. पूर्व के वर्षो में वृद्धि मुख्यतः भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार पुनः वर्गीकरण के कारण अधिक थी.
- मार्च, 2015 की समाप्ति पर एमएसएमई अग्रिम 61,993 करोड़ था जो पिछले वर्ष के एमएसएमई अग्रिम की तुलना में 9.46% वृद्धि दर्शाता है.
- वित्तीय वर्ष 15 में एमएसएमई सैक्टर में 50,300 करोड़ के कुल ऋणों में 31,120 करोड़ का अग्रिम सूक्ष्म उद्यमों को दिया गया जो 61.87% रहा. इस प्रकार भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित 60% अनिवार्य लक्ष्य को आसानी से पार कर लिया गया.
- 31 मार्च, 2015 को आपके सकल घरेलू ऋण में एमएसएमई अग्रिमों का योगदान 17.27% रहा.
- मार्च, 2015 की समाप्ति तक सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को दिए गए अग्रिम भारत सरकार द्वारा दिए गए लक्ष्य 56,000 करोड़ की तुलना में 55,535 करोड़ तक पहुँच गया है.

वित्त वर्ष 2015 के दौरान अपनाई गई कार्ययोजना/ पहलें:-

1 आपके बैंक ने प्रत्येक क्षेत्र में एवं अग्रणी जिले में एक कक्ष के हिसाब से बड़ौदा माइक्रो इंटरप्राईजेज़ सेल (बीएमई) की स्थापना की. इस प्रकार माइक्रो इंटरप्राईजेज़ के वित्तपोषण पर केंद्रीकृत ध्यान देने में सुविधा के हिसाब से 100 बीएमई सेल खोलने का लक्ष्य है. दि. 31.03.2015 को 80 बीएमई सेल परिचालन में आ गए हैं.

2 20 और 21 जून, 2014 को सभी 52 एसएमई लोन फैक्ट्री प्रमुखों की दो दिन की समीक्षा बैठक स्टाफ कॉलेज, अहमदाबाद में रखी गई. समीक्षा बैठक को हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा मुख्य कार्यपालक निदेशक ने संबोधित किया.

3 आपके बैंक ने 01 जुलाई, 2014 से 15 सितंबर, 2014 तक सीजीटीएमएसई के अंतर्गत पात्र सभी खातों को कवर करने हेतु 'माइक्रो उद्यमों के वित्तपोषण' के लिए विशेष अभियान चलाया जाए.

4 आपके बैंक ने 01 जनवरी, 2015 से 31 मार्च, 2015 तक 'एमएसएमई उत्सव' का आयोजन किया.

5 मुंबई मेट्रो मध्य क्षेत्र, मुज़फ़्फ़रपुर और वर्धमान में एसएमई लोन फैक्ट्री (एसएमईएलएफ़)के खोलने के प्रस्ताव को अनुमोदन प्राप्त हो गया है. फलस्वरूप मुंबई मेट्रो मध्य क्षेत्र में दि. 10.09.2014 को और 09.03.2015 को मुजफ्फरपुर में एसएमईएलएफ़ खोल दी गई है. वर्धमान में एसएमई लोन फैक्ट्री शीघ्र ही खुलने वाली है.

6 एसएमई कॉर्पोरेट मोड्यूल में लेंडिंग ऑटोमेशन प्रोसेसिंग सिस्टम (लैप्स) सभी एसएमई लोन फैक्ट्रियों में 03.11.2014 से लागू हो गया है जिससे लगने वाले समय में कमी लाई जा सके.

7 आपके बैंक ने सीजीटीएमएसई योजना के अंतर्गत सम्पार्श्विक रहित लेंडिंग पर ध्यान केंद्रित किया है.

8 आपके बैंक ने वर्ष के दौरान बैंक की ब्रांड छवि निर्मित करने के लिए प्रदर्शनियो, सेमीनारों आदि में भाग लिया.

9 एसएमईएलएफ़ की कार्यकुशलता में सुधार लाने हेतु, परिचालन एवं प्रशासनिक दिशानिर्देशों की समीक्षा की गई एवं उन्हे अद्यतन किया गया.

10 आपके बैंक ने 2014-15 में नई योजनाओं को अनुमोदित किया, वे इस प्रकार हैं:-

- फूटवेयर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रोन्नत 'इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ लेदर सैक्टर स्कीम' नामक योजना को कार्यान्वित करने के प्रस्ताव को सीपीसी द्वारा अनुमोदित किया गया.
- एनयूएलएम के तहत नई योजना 'ग्रुप इंटर प्राइजेज़/एसएचजी और व्यक्तियों के लिए बड़ौदा स्वरोजगार कार्यक्रम' (पुर्नगठित एसजीएसआरवाई) को सीपीसी ने अनुमोदित किया.
- भरुच क्षेत्र में केमिकल एवं फ़ार्मासियूटिकल इकाइयों के वित्त पोषण के लिए नई योजना.

निम्नलिखित योजनाओं को वित्तीय वर्ष 15 के दौरान नवीकृत किया गया:

- अखिल भारतीय आधार पर, सीपीसी द्वारा अनुमोदित, कृषि आधारित योजना कवरेज में विस्तार हेतु बढ़ी हुई ऋण सीमा के साथ.
- कानपुर में होजियरी इंडस्ट्री इकाइयों के वित्तपोषण हेतु एरिया विशिष्ट योजना.
- पश्चिम बंगाल व सिक्किम क्षेत्र में चाय संसाधक इकाइयों के लिए एरिया विशिष्ट योजना.
- सीपीसी द्वारा अनुमोदित डीएम आर II एवं आगरा क्षेत्र शूज निर्माता इकाइयों के वित्तपोषण के लिए एरिया विशिष्ट योजना.
- राजस्थान अंचल में मार्बल, ग्रेनाइट, सैंड, रेड, कोटा स्टोन की संसाधक इकाइयों के लिए एरिया विशिष्ट वित्तीय सहायता की योजना.
- राजकोट क्षेत्र में ए) रिरोलिंग मिल्स, बी) मशीन टूल्स का विनिर्माण, सी) टेक्सटाइल प्रिंटिंग कार्यकलाप में लगी इकाइयों को वित्तपोषण हेतु क्षेत्र विशिष्ट योजना.
- पंजाब जम्मू कश्मीर क्षेत्र में खेल का सामान, हैंड टूल्स के निर्माण से जुड़ी इकाइयों के वित्तपोषण हेतु क्षेत्र विशिष्ट योजना.
- जोधपुर, अजमेर तथा उदयपुर क्षेत्र में खनिज ग्राइंडिंग मिल्स (बाल मिल्स) के वित्तपोषण हेतु विशेष की योजना.
- देहरादून क्षेत्र में होटल/मोटल्स/रिसोट्स के वित्तपोषण हेतु क्षेत्र विशेष की योजना.
- अखिल भारतीय आधार पर टेक्सटाइल इकाइयों का वित्तपोषण.
- जामनगर क्षेत्र में पीतल का सामान बनाने वाली इकाइयों के वित्तपोषण के लिए क्षेत्र विशिष्ट की योजना.
- वाणिज्यिक वाहन निर्माताओं से नए वाहन खरीदने के लिए रोड ट्रांसपोर्ट आपरेटरों के वित्तपोषण के लिए योजना.
- "बड़ौदा आरोग्यधाम ऋण" नाम की योजना.
- नया वाहन खरीदने के लिए एसएमई ऋणकर्ताओं को वित्तपोषण की योजना.
- लैन्ड एंड बिल्डिंग के पेटे "बड़ौदा ओवरड्राफ्ट" नामक योजना.
- चेन्नै मेट्रो क्षेत्र में आटो मोबाइल और इंजीनियरिंग के वित्तपोषण हेतु क्षेत्र विशिष्ट योजना.
- एनएचएफडीसी द्वारा प्रोन्नत अक्षमता वाले व्यक्तियों के लिए वित्तपोषण की योजना.
- राजकोट क्षेत्र (एनजीजेड) एवं महाराष्ट्र तथा गोवा अंचल में फाउंड्रीज का वित्तपोषण.
- राजकोट एवं अहमदाबाद में सिरामिक टाइल्स/फ्लोर टाइल्स/वाल टाइल्स/विट्रीफाइड टाइल्स/सिरामिक एवं सेनेटरीवेयर इकाइयों के वित्तपोषण की योजना.
- वलसाड़, इन्दौर और बृहन्मुंबई अंचल में प्लास्टिक एवं प्लास्टिक पैकिजिंग इकाइयों का वित्तपोषण.

कुछेक पाकेट्स के लिए उपरोक्तानुसार अनुमोदित क्षेत्र विशिष्ट योजनाओं से जहां इन इकाइयों की संख्या अधिक है अथवा इनसे मिलती जुलती गतिविधि है और कारोबार की संभावनाएं अच्छी हैं इन्होंने अच्छे परिणाम दिए हैं. अग्रणी जिला शाखाओं के द्वारा क्लस्टर विकास किया जा रहा है. इन शाखाओं को आगामी वर्षों में और बड़ी भूमिका निभानी है.

ग्रामीण एवं कृषि बैंकिंग :

जैसा कि आप जानते ही हैं आपका बैंक प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र एवं कृषि ऋणों में हमेशा अग्रणी रहा है. यह अपनी 1912 ग्रामीण शाखाओं एवं 1386 अर्द्धशहरी शाखाओं के विशाल नेटवर्क के माध्यम से ग्रामीण बाजार की संभावनाओं का लाभ उठा रहा है.

वित्त वर्ष, 15 के दौरान भी आपके बैंक ने ग्रामीण एवं अर्द्धशहरी क्षेत्रों में 250 नई शाखाएं खोलीं.

आपके बैंक को उत्तर-प्रदेश और राजस्थान राज्यों में राज्य स्तरीय बैंकर्स

समिति (एसेलबीसी) के संयोजक होने का गौरव प्राप्त है. आपके बैंक के पास गुजरात (14), राजस्थान (12), उत्तर-प्रदेश (15), उत्तराखण्ड (2), मध्य प्रदेश (2), बिहार (2), एवं दिल्ली (1) राज्यों में 48 जिलों में अग्रणी बैंक दायित्व है.

आपके बैंक ने तीन राज्यों में 1821 शाखाओं के नेटवर्क और मार्च, 2015 के अंत तक रू 37,529.15 करोड़ के कुल व्यवसाय के साथ तीन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) प्रायोजित किए गए हैं.

वित्तीय वर्ष 2014-15 में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋणों में कार्यनिष्पादन

आणंद क्षेत्र द्वारा आयोजित महालोन मेला के अवसर पर श्री के.वी.रामामूर्ती, कार्यपालक निदेशक.

आपके बैंक के प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिम मार्च, 2014 के अंत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 93,728.13 करोड़ से बढ़कर मार्च, 2015 में 1,03,342.67 करोड़ हो गए जो समायोजित बैंक ऋण (एएनबीसी) का 36.40% है जब कि अनिवार्य लक्ष्य 40% का है.

कृषि अग्रिमः वर्ष के दौरान आपके बैंक के प्रत्यक्ष कृषि अग्रिमों में पिछले वर्ष की तुलना में कुल रु. 4,493.41 करोड़ की वृद्धि हुई. मार्च 2015 के अंत में यह बढ़कर रु.26,610.92 करोड़ हो गई.

आपके बैंक का कुल कृषि ऋण मार्च 2015 की समाप्ति पर 5,730.94 करोड़ की वृद्धि के साथ 37,403.29 करोड़ पर पहुंचा. वर्ष के दौरान कमजोर आर्थिक परिवेश और कम बारीश की स्थिति में यह अच्छा प्रदर्शन है. आपके बैंक के प्रत्यक्ष कृषि अग्रिमों का मार्च 2015 के अंत में अंश समायोजित निवल बैंक ऋण (एएनबीसी) का 9.37% रहा जबकि अनिवार्य लक्ष्य 13.50% था समायोजित निवल बैंक ऋण (एएनबीसी) 13.17% रहे जबकि अनिवार्य लक्ष्य 18% का है.

अपने प्रमुख कृषि उत्पाद "बड़ौदा किसान क्रेडिट कार्ड" के अंतर्गत आपके बैंक ने वित्तीय वर्ष, 2015 में 2.28 लाख क्रेडिट कार्ड जारी कर किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान की. आपके बैंक ने किसान समुदाय की सुविधा हेतु 4.12 लाख बड़ौदा किसान रूपे कार्ड, एटीएम समर्थित स्मार्ट कार्ड जारी किए. वित्तीय वर्ष, 15 के दौरान आपके बैंक ने लगभग 3,05,950 नए कृषकों को रू 5,447.29 करोड़ ऋण प्रदान किए गए.

अपने सूक्ष्म वित्तपोषण के नवोन्मेषी उपायों के एक भाग के रूप में आपके बैंक ने ऋण सहबद्ध 7,543 स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय वर्ष 15 के दौरान रु. 101.84 करोड़ की ऋण सहायता प्रदान की जिसके फलस्वरुप स्वयं सहायता समूह ऋण सहबद्धता की कुल संख्या 1.91 लाख तथा बकाया ऋण राशि रु. 1,772.41 करोड़ हो गई.

व्यवसाय एवं सामाजिक पहलें

आपके बैंक ने वित्तीय वर्ष 15 के दौरान ग्रामीण और कृषि ऋणों हेतु उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के प्रयोजन से अनेक नवोन्मेषी पहलों की शुरुआत की. इनमें से कुछ निम्नानुसार हैं:

1. कृषि अग्रिमों को बढ़ाने के लिए आपके बैंक ने विशेष अभियान अर्थात् "ज़ोडे किसान" फसली ऋणों के लिए खरीफ एवं रबी अभियान चलाए जिनमें रु. 1.75 लाख नए किसानों को जोडा गया एवं रु. 2,788 करोड़ संवितरित किए गए. निवेश ऋणों के लिए भी एक और अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत रु. 840 करोड़ का संवितरण किया गया.
2. आपके बैंक ने कृषि ऋणों को बढ़ाने क उद्देश्य से पूरे देश में 446 थ्रस्ट शाखाओं का चयन किया है. इन शाखाओं ने मार्च 2015 के अंत तक बैंक के कुल कृषि अग्रिम 35.95% योगदान दिया है.
3. आपके बैंक ने क्षेत्र विशेष को ध्यान में रखते हुए अनेक योजनाएं बनाई हैं जो कि स्थानीय कृषक समुदाय की आवश्यकताओं के अनुरुप पूर्ति करेगी. इसमें ब्याज दर, प्रभार आदि में रियायत आदि विविध सुविधाएं शामिल है. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान किसानों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु 11 ऐसी योजनाएं अनुमोदित कर कार्यान्वित की गई.
4. आपके बैंक ने बेहतर ग्राहक सेवा एवं बैंक के कृषि अग्रिमों की मात्रा एवं गुणवत्ता में सुधार हेतु कृषि ऋण फैक्ट्रियों की शुरुआत की. ऐसी तीन पायलट फैक्ट्रियों ने गुजरात में मेहसाणा, उ.प्र. में बरेली एवं बिहार में मुजफ्फरपुर में कार्य करना प्रारंभ कर दिया है.
5. वर्तमान में आपके बैंक के 49 बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (बीएसवीएस), बड़ौदा आर-सेटी है जो पूरे देश में युवाओं को प्रशिक्षित कर स्वरोजगार उद्यम शुरु करने के लिए आवश्यक ज्ञान एवं कौशल प्रदान कर रहे हैं. वित्तीय वर्ष 15 में 33,309 युवा लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया गया जिनमें से 18,523 ने स्वरोजगार उद्यम स्थापित किया. इन केंद्रों द्वारा प्रशिक्षित 2,25,104 लाभार्थियों में से अभी तक 1,39,052 ने अपने स्वरोजगार उद्यम स्थापित कर लिए हैं.
6. आपके बैंक ने पूरे देश में 49 वित्तीय साक्षरता केंद्र (एफएलसी) स्थापित किए हैं जिन्हें 'सारथी' नाम दिया गया है. ये केंद्र जरुरतमंद लोगों को वित्तीय साक्षरता तथा ऋण परामर्श सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्थापित किए गए हैं ताकि वे बैंकिंग प्रणाली से वित्तीय सेवाओं का लाभ उठा सके और साथ ही वित्तीय संकट में जूझते लोगों को परामर्श सुविधाएं प्रदान कर सके. आपके बैंक ने इन केंद्रों को बीएसवीएस ट्रस्ट के संरक्षण में खोला है और इन केंद्रों द्वारा संबंधित लोगों को निःशुल्क परामर्श सेवाएं दी जा रही है.

बैंक द्वारा प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का कार्यनिष्पादन

वर्तमान में आपके बैंक द्वारा प्रायोजित तीन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक हैं-

- बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, प्रधान कार्यालय, रायबरेली
- बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, प्रधान कार्यालय, अजमेर
- बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक, प्रधान कार्यालय, भरूच

इन तीन क्षेत्रीय ग्रामीण बैकों का कुल व्यवसाय मार्च, 2014 के अंत के 33,169.55 करोड रूपये से बढ़कर मार्च 2015 के अंत में 37,529.15 करोड हो गया इस प्रकार इसमें 13.14% की वृद्धि दर्ज हुई.

इन तीनों क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने वर्ष 15 के दौरान रू. 347.91 करोड का शुद्ध लाभ अर्जित किया जब कि वर्ष 2014 के दौरान शुद्ध लाभ 289.40 करोड रू. था.

इन सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की समग्र शुद्ध मालियत मार्च 2014 के अंत के रु. 1,523.82 करोड से सुधर कर मार्च, 2015 के अंत में रु. 1,871.73 करोड हो गई और "आरक्षित निधियां तथा अधिशेष" मार्च, 2015 के अंत के रु. 1,066.92 करोड रूपए से बढ़ कर मार्च, 2015 के अंत में रु. 1,414.83 करोड हो गया.

वित्तीय वर्ष 14 के दौरान अ.जा./ अ.ज.जा. को अग्रिम

आपके बैंक द्वारा अ.जा/अ.ज.जा समुदाय को दिया जाने वाला बकाया अग्रिम साल-दर-साल तेजी से बढ़ रहा है. यह इस तथ्य को दर्शाता है कि इन लाभार्थियों को मार्च, 2014 के अंत तक दिया गया 4,810 करोड़ रु. अग्रिम मार्च, 2015 के अंत तक 4,997 करोड़ रु. हो गया. वास्तव में समीक्षाधीन अवधि के दौरान आपके बैंक ने कुल अग्रिमों के अंश का 22.20% कमजोर तबके को प्रदान किया. इसके अलावा आपके बैंक ने विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन(एनआरएलएम), स्वर्णजयंती शहरी रोजगार योजना (एसजेएसआरवाय), प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) आदि के अंतर्गत अ.जा/अ.ज.जा को वित्तपोषित करने के लिए एक विशेष ट्रस्ट भी बनाया है.

बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान भी प्रशिक्षणार्थियों के चयन में अ.जा/अ.ज.जा समुदाय को वरीयता प्रदान करता है. हम सहर्ष अवगत कराते हैं कि अभी तक यह केंद्र 15,801 युवाओं को अ.जा/अ.ज.जा श्रेणी में प्रशिक्षित कर चुके हैं.

वित्तीय समावेशन के लिए बैंक के प्रतिबद्ध प्रयास

वित्तीय समावेशन अल्प आय तक वंचित वर्ग के व्यापक जन समुदाय को औचित्यपूर्ण दूरी के भीतर वहन करने योग्य लागत पर बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना है. वित्तीय समावेशन योजना का उेश्य समाज के वर्गों तक वित्तीय सेवाओं को वहन करने योग्य लागत पर सहज पहुंच बनाना है. जो कि अब तक इनसे वंचित थे ताकि उन्हें वित्तीय क्षेत्र की मुख्य धारा में लाया जा सके. वित्तीय समावेशन कार्यान्वयन आपके बैंक के लिए कोई नई धारणा नहीं है. आपके बैंक द्वारा अपनी स्थापना से ही वित्तीय समावेशन संबंधी गतिविधियां सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों, निर्धनतम व्यक्तियों को ऋण प्रदान कर अल्पसंख्यक समुदायों को ऋण सुविधाएं प्रदान कर, अनुसूचित जाति, जनजाति के लोगों को ऋण सुविधाएं उपलब्ध करवा कर, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत ऋणदान आदि के माध्यम से संचालित की जा रही है. तथापि, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा वर्ष, 2005 में वित्तीय समावेशन की धारणा को मूर्त रुप प्रदान किया गया जब उनके द्वारा व्यवसाय प्रतिनिधि (बीसी) चैनल के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने की अनुमति दी गई. भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा वर्ष, 2010 में सभी वाणिज्यिक बैंकों को वित्तीय समावेशन के अंतर्गत ग्रामीण बैंक रहित क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने हेतु बोर्ड द्वारा अनुमोदित योजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए.

नई दिल्ली में वित्तीय समावेशन कियोस्क का शुभारंभ करते हुए श्री बी.बी.जोशी, कार्यपालक निदेशक.

भारत सरकार की अपेक्षाओं तथा भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशों के अनुरुप आपके बैंक ने वर्ष 2010-11 से प्रभावी तीन वर्ष की अवधि की वित्तीय समावेशन योजना (एफआयपी) लागू करने के लिए अनुमोदित कर दी है. योजना के अंतर्गत वित्तीय समावेशन के अंतर्गत विभिन्न प्रौद्योगिकी आधारित नवोन्मेषी प्रयासों/तरीकों का उपयोग करने 20,000 गावों को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है. इसके पश्चात वित्त मंत्रालय तथा भारतीय रिज़र्व बैंक ने आपके बैंक को सूचित किया कि मार्च, 2012 तक ऐसे सभी गांवों को शामिल करे जिनकी आबादी 2000 से अधिक है. तद्नुसार, आपके बैंक को 2855 गांव आबंटित किए गए जिन्हें निर्धारित समयावधि में इसमें शामिल कर लिया गया है.

उसके बाद, भारतीय रिजर्व बैंक के सभी बैंकों को सूचित किया कि वे तीन वर्षों अर्थात 2013-14 से 2015-16 तक बैंक विशेष के सेवा शेष के अंदर सभी गांवो को बैंकिंग सुविधाएं मुहैय्या कराएं. तदनुसार आपके बैंक के निदेशक मंडल ने ३ वर्षों अर्थात मार्च, 2016 तक कवर किए जाने वाले सभी 21,526 सेवा क्षेत्र गांवों के लिए भिन्न-भिन्न प्रकार के वित्तीय समावेशन प्लान (एफआईपी) अनुमोदित किए. निदेशक मंडल के अनुमोदित एफआईपी के अनुसार सेवा क्षेत्र गांवों को कवर करने के लिए वर्ष 2013-14, 2014-15 तथा 2015-16 के लिए लक्ष्य क्रमशः 11124, 16324 तथा 21526 था. आपके बैंक ने पर्याप्त समय से ही कवर किए जाने वाले गावों के वार्षिक लक्ष्य को हासिल कर लिया. मार्च, 2014 के लिए विभिन्न क्षेत्रों में एफआईपी के लिए निर्धारित वार्षिक लक्ष्यों के सभी पैरामीटर्स को प्राप्त कर लिया.

वित्तीय समावेशन के लिए आपके बैंक द्वारा अपनाए गए मॉडल

वित्तीय समावेशन के अंतर्गत बैक़िंग सेवाएं प्रदान करने के लिए आपके बैंक ने जो विभिन्न मॉडल अपनाए हैं, वे इस प्रकार हैंः

ए) आईसीटी (सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी) आधारित बीसी मॉडल.

1. पी ओ एस (पाइंट ऑफ सेल/सर्विस)
2. कियोस्क

बी) मोबाइल वैन

सी) ब्रिक एवं मोर्टार शाखाएं

ए) सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी (आईसीटी) आधारित व्यवसाय प्रतिनिधि मॉडलः

1. पीओएस आधारित बीसी मॉडल

वित्तीय समावेशन के लिए यह सॉल्यूसन स्मार्ट कार्ड आधारित प्रौद्यैगिकी के साथ एप्लीकेशन सेवा प्रदाता (एएसपी) मॉडल पर आधारित है. इस मॉडल के अंतर्गत व्यवसाय प्रतिनिधि, सेवा प्रदाता के माध्यम सए बैंकों द्वारा नियुक्त किए जाते हैं. उनको प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) डिवाइस प्रदान किया जाता है. जिसका प्रयोग करके वे स्मार्ट कार्ड धारकों के घर पर लेन-देन करते है. ग्राहक बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के जरिए अपने स्मार्ट कार्ड का प्रयोग करके अपने खातों का संचालन कर सकता है. इस पद्धति में बीसी द्वारा किए गए सभी लेनदेन बैंक के सीबीएस में तत्काल आधार पर ऑनलाइन निबटाये जाते हैं. फील्ड में लगाई गई पीओएस डिवाइस, स्मार्ट कार्ड एकाउंट नंबर (कार्ड रहित) तथा अधार नंबर (एईपीएस लेन-देन) के आधार पर सभी संव्यवहार करने में सक्षम है. व्यवसाय प्रतिनिधि बीसी उसको आबंटित गांव में निर्धारित दिवस तथा समय पर जाते हैं और वहां के निवासियों को देहलीज पर सेवा प्रदान करते हैं.

2. कियोस्क बीसी माडल

यह वेब आधारित एप्लिकेशन है तथा इसे प्राधिकृत व्यक्तियों द्वारा उनके लैपटाप या डेस्कटाप पर इंटर कनेक्टिविटी के जरिए एक्सेस किया जा सकता है. यह एक कार्ड लेस साल्यूशन है. खाता धारक खाता संख्या साथ आधार संरचना से खाते का संचालन कर सकता है. कियोस्क वेब आधारित कनेक्टिविटी के माध्यम से आपके सीबीएस से कियोस्क आपरेटर के लैपटाप/डेस्कटाप से कनेक्ट रहता है लेन देनों को बायो मैट्रिक प्रमाणीकरण के माध्यम से ऑनलाइन रीयल टाइम आधार पर

प्रोसेस किया जाता है. सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विस इण्डिया लिमिटेड़, एफआईए टेकनालॉजी सर्विसेज प्रा. लिमिटेड़ एनआइसीटी वक्रांगी और जिओसंसार को बैंक को आवंटित गावों में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने तथा शहरी वित्तीय समावेशन के लिए कार्पोरेट बी.सी. नियुक्त किया गया है.

बी) मोबाइल वैन

आवश्यकतानुसार वैन को बैंकिंग कार्यकलाप के प्रयोजन हेतु खास रुप में तैयार किया गया है. वैन का बाहरी हिस्सा बैंक के विज्ञापनों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक द्वारा प्रदान की जा रही सूचनाओं तथा उत्पादों से कवर किया जाता है. इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में आपके बैंक के लिए यह एक विज्ञापन मीडिया भी है. वैन में सीबीएस को एक्सैस करने के लिए कंप्यूटर हार्डवेयर तथा कनेक्टीविटी गांव में बैंकिंग सेवा प्रदान करने के लिए बैंक स्टाफ भी वैन में रहता है. वैन पूर्व निधारित दिन तथा समय पर मौजूदा शाखाओं के निकट ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए गांवों में घूमती हैं. बैंकिंग सेवाएं सप्ताह के किसी निश्चित दिन ही प्रदान की जाती है. फिलहाल उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, उत्तराखंड, बिहार एवं गोवा राज्य के 258 गावों में वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए 20 मोबाइल वैन लगाई हैं.

सी) ब्रिक एवं मोर्टार शाखा

ब्रिक एवं मोर्टार शाखाएं तुलनात्मक रुप से संभाव्यता तथा व्यवहार्यता वाले बड़े गावों में खोली जाती है. ऐसे केंद्र बैंक के शाखा विस्तार योजना को अंतिम रुप देने के दौरान निर्धारित किए जाते है. बैंक की 1912 ग्रामीण शाखाएं हैं. वित्तीय वर्ष 2015 के दौरान आपके बैंक ने 351 नई शाखाएं (140 ग्रामीण) खोलीं.

शहरी वित्तीय समावेशन

ग्रामीण व्यक्ति वित्तीय समावेशन प्रयासों का मुख्य केंद्र रहे हैं क्योंकि गांवों का अधिकांश भाग अभी भी बैंकिंग रहित है. गांव तथा दूर दराज के क्षेत्रों में रह रहे व्यक्ति के अलावा शहरी गरीब व्यक्ति अभी भी सामान्य वित्तीय उत्पादों तथा सेवाओं जैसे बचत, ऋण, रेमिटेंस तथा बीमा तक नहीं पहुंच पाए हैं और अपने निजी स्वास्थ्य तथा जीविका संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दूसरे साधन अपनाने को मजबूर हैं, उनमें से बहुत से प्रवासी मजदूर खोमचेवाले तथा झोपड़पट्‌टी वाले मजदूर होते हैं जो रोजी रोटी की तलाश में अपना गांव छोड़ देते है. भारत सरकार ने जन-धन योजना अभियान को सभी राज्यों में प्रथम चरण पूरा कर लिया है. आपके बैंक ने पूरे देश में विभिन्न केन्द्रों पर 2,355 बीसी तैनात किए गए हैं. ताकि इन असुरक्षा वाले समूहों को वित्तीय प्रणाली के मुख्य धारा से जोड़ा जा सके.

वित्तीय समावेशन के तहत प्रस्तुत उत्पाद

1. **अंतर्निहित ओडी सुविधा सहित बेसिक बचत बैंक जमा खाता**

   भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार यह उत्पाद विशेष रुप से आसान के वाय सी मानदंडों के साथ वित्तीय समावेशन वाले गावों के व्यक्तियों हेतु बनाया गया है. यह खाता बिना कोई राशि जमा किए खोला जा सकता है इस पर कोई दंड नहीं लगता और व्यवसाय प्रतिनिधि माध्यम से खोला/संचालित किया जाएगा. इस योजना के अंतर्गत रु. 5,000/- तक की ओवरड्रॉफ्ट सुविधा पूर्ववर्ती 6 महीने के दौरान खाते के संतोषजनक परिचालन पर उपलब्ध है.

2. **आवर्ती जमा खाता**

   वर्तमान में आवर्ती जमा खाता वित्तीय समावेशन खाताधारक को आपके बैंक की शाखाओं के माध्यम से प्रदान किया जा रहा है. इस उत्पाद में परिपक्वता पर खाताधारक को एक मुश्त राशि प्रदान की जाती है. आपके बैंक के बीसी के माध्यम से इस उत्पाद को देने का कार्य प्रक्रियाधीन है.

3. **बड़ौदा किसान क्रेडिट कार्ड (बीकेसीसी)**

   यह उत्पाद किसानों के लिए है जो उनकी आवश्यकताओं जैसे उत्पादन ऋण, निवेश ऋण, पर्सनल ऋण आवश्यकताओं और उपभोग आवश्यकताओं को कवर करता है. यह ऋण सीमा का उपयोग करने में फ्लैक्सीबल है यथा वह वर्ष के दौरान अपनी आवश्यकतानुसार ऋण सीमा का उपयोग कर सकता है.

4. **बड़ौदा जनरल क्रेडिट कार्ड (बीजीसीसी)**

   आपके बैंक की शाखाओं के माध्यम से बीजीसीसी कार्यान्वित किया गया है. इस योजना के अंतर्गत ऋण सुविधा प्रदान की जाती है. जिसके अंतर्गत उद्यमी की कार्यकारी पूंजी तथी मीयादी ऋण आवश्यकताएं शामिल है.

5. **बड़ौदा स्वाभिमान सुरक्षा (कम प्रीमियम वाला)**

   आपके बैंक ने इंडिया-फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के साथ समन्वय करके वित्तीय समावेशन ग्राहकों के लिए कम प्रीमियम वाला एक जीवन बीमा उत्पाद भी शुरु किया है. यह ग्राहकों को पांच वर्ष की अवधि हेतु 20.88 प्रति हजार के सिंगल प्रीमियम पर रु. 5,000/- से रु. 50,000 तक का कवर लेने की आसान सुविधा देता है.

वित्त वर्ष 2015 में वित्तीय समावेशन के अंतर्गत बैंक कार्यनिष्पादन की विशेषताएं

- **आपके बैंक ने वित्तीय समावेशन प्लान 2016 में दिए गए सभी लक्ष्यों को दिसंबर 2014 में ही प्राप्त कर लिया है.**
- आपके बैंक ने 16324 गावों के लक्ष्य के समक्ष 22030 गावों को कवर किया.
- आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2014-15 में 78.82 लाख खातों के लक्ष्य के समक्ष 163.33 लाख "बेसिक बचत खाता जमा खाता" खोलें.
- बैंक ने बी.सी. के माध्यम से 52.05 लाख खाते खोले जबकि वित्त वर्ष 2015 में बीसी के माध्यम से खाता खोलने का लक्ष्य 18.82 लाख था.
- आपके बैंक में "बेसिक बचत जमा खाता" में रू 2109.48 करोड़ के समक्ष वित्त वर्ष 2015 में रू 3458 करोड़ की राशि शेष है.
- आपके बैंक ने वित्त वर्ष २०१५ में "बेसिक बचत जमा खाता" में रू 9.11 करोड़ की ओवरड्राफ्ट के समक्ष रू 16.46 करोड़ की राशि स्वीकृत की.
- आपके बैंक को 2000 से अधिक जनसंख्या वाले गावों में 2644 अति लघु शाखाएं हैं.
- वित्त वर्ष 2014-15 में आपके बैंक ने 500 कियोस्क के समक्ष 2355 कियोस्क खोले.

वित्तीय साक्षरता- सफल वित्तीय समावेशन का मूल सिद्धांत

वित्तीय समावेशन का वांछित उेशय केवल तभी प्राप्त किया जा सकता है जब बैंक गांवों से सही प्रतिक्रिया प्राप्त करने में समर्थ हो. ग्रामीणों से प्रतिक्रिया लेने के उेश्य से बैंक को उन्हें विभिन्न बैंकिंग सुविधाओं और इनके लाभ की जानकारी देने की आवश्यकता है. विशेष रूप से बचत, आधार सीडिंग, कम से कम शेष रखने ओवरड्राफ्ट पाने की पात्रता रूपे कार्ड का प्रयोग एवं संभालकर रखना. यूएसएसडी सुविधा, दुर्घटना एवं जीवन बीमा प्राप्त करने की पात्रता, जीसीसी, तत्परता से ऋणों का भुगतान, अन्य खुदरा ऋण एवं एसएमई ऋणों की उपलब्धता के बारे में सिक्षित किया जाना चाहिए. दूसरे शब्दों में, वित्तीय साक्षरता किसी बैंक की वित्तीय समावेशन पहल की सफलता के लिए कारक होगी. इसलिए वित्तीय समावेशन के सभी घटकों को प्रत्येक दूसरे के साथ बांड विकसित करने की आवश्यकता है जो केवल बैंकिंग सेवा प्रदान करने के लिए ही नहीं, बल्कि जहां भी कोई बैंक वित्तीय समावेशन कार्यक्रम का क्रियान्वयन कर रहा है, वित्तीय साक्षरता के माध्यम

से जनसंख्या के बीच बैंकिंग और बैंकिंग उत्पादों की बड़ी जागरुकता पैदा की जा सकती. आपके बैंक की लिंक शाखाएं उनके सेवा क्षेत्र में गावों एवं स्कूलों में बैठक कर वित्तीय साक्षरता अभियान चला रही हैं. मानकीकृत वित्तीय साक्षरता सामग्री जैसे कॉमिक बुकलेट, ऑडियो विजुअल का प्रयोग वित्तीय साक्षरता के प्रचार के लिए किया जाता है अब तक 48.199 शिविरों का आयोजन किया जा चुका है.

आपके बैंक ने देश के ग्रामीण हिस्से में वित्तीय साक्षरता की दिशा में निम्नलिखित मुख्य पहलें की हैं:

1. बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान 2003 में बैंक द्वारा बनाया गया एक ट्रस्ट है जो ग्रामीण और अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में रोजगार युवाओं को प्रशिक्षण देने और उनका उद्यम स्थापित करने में मदद कर रहा है. आपके बैंक ने पूरे देश में 49 ऐसे केंद्र स्थापित किए है जिन्होंने कलेंडर वर्ष 2015 के दौरान 1055 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें 29,245 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया. वर्ष के दौरान 28249 प्रशिक्षणार्थियों ने सफलतापूर्वक अपने उद्यम स्थापित कर लिए हैं. प्रशिक्षणार्थी तथा व्यवसाय स्थापित करने वालों का सेटलमेंट अनुपात 49.81% था.
2. पूरे देश में लगभग 49 वित्तीय साक्षरता एवं ऋण परामर्श केंद्र (एफएलसीसी) 'सारथी' कार्यरत हैं. इन वित्तीय साक्षरता एवं ऋण परामर्श केंद्रों के प्रारंभ से लगभग 2,02.128 व्यक्तियों ने इन केंद्रों पर परामर्श हेतु आए हैं और 1,65,681 प्रकरणों में, मामले सुलझाए गए हैं
3. लगभग 52 बड़ौदा ग्रामीण परामर्श केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में मूल्यवर्द्धित सेवाओं और विकास गतिविधियों हेतु वित्तीय शिक्षा, ऋण परामर्श, तकनीकी मामलों पर सूचना सांझा करने एवं परेशानी हल करने, अन्य संगठनों के साथ संयोजन एवं संपर्क की सुविधा दे रहे हैं.
4. मोबाइल माइक्रो फाइनेंस लोन फैक्ट्री एसएचजी- बैंक लिंकेज कार्यक्रम के अंतर्गत एसएचओ को उनकी दहलीज पर ऋण एवं बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने, अधिकतम चार दिन में परेशानी मुक्त और शीघ्र ऋण डिलीवरी सुनिश्चित करने एवं एसएचजी को सहूलियत से ऋण देने के उेश्य से स्थापित की गई है.
5. "बीवायएसटी बॉब उद्यम-वृत्ति उद्यमी विकास कार्यक्रम" (बीवायएसटी) ऋण, व्यवसाय सलाहकार, प्रशिक्षण और नेटवर्किंग एवं मार्केटिंग के रुप में गैर लाभांवित युवा सक्रिय माइक्रो - उद्यमी को प्रारंभ से अंत तक सहायता उपलब्ध कराता है.

प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई)

प्रधानमंत्री जन-धन योजना के अंतर्गत कायनिष्पादन हेतु श्री नागेश कुमार श्रीवास्तव, अंचल प्रमुख(म. प्र. एवं छत्तीसगढ़) को सम्मानित करते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री, श्री शिवराज सिंह चौहान.

माननीय प्रधानमंत्री जी ने वित्तीय समावेशन के तहत स्वतंत्रता दिवस अर्थात 15 अगस्त 2014 के अवसर पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए एक नई योजना की घोषणा की जिसे प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के नाम से जाना जाता है. जिसका शुभारंभ औपचारिक रूप से 28 अगस्त 2014 को किया गया है. प्रधानमंत्री जन-धन योजना एक विस्तृत वित्तीय समावेशन योजना है जिसका दायरा बढ़ाकर इसे और अधिक उपयोगी बनाया गया है. वित्तीय समावेशन के लिए यह राष्टीय मिशन है. प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत 6 केन्द्रित पहलें हैं. इसमें प्रत्येक की समय-सीमा निर्धारित की गई है. यह एक मिशन मोड परियोजना है जिसे दो चरणों में पूरा किया जाता है. इसका शुभारंभ 15 अगस्त, 2014 से लेकर 14 अगस्त, 2018 में पूरा होना है.

प्रधानमंत्री जन-धन योजना विकास दर्शन "सबका साथ - सबका विकास" के मूल में निहित है. प्रत्येक देशवासी जिसका बैंक खाता हो वह बैंकिंग एवं ऋण सुविधाओं के लिए पहुंच बना सकेगा यह उन्हें अपनी राशियों को बेहतर ढंग से सुरक्षित रखने में सक्षम बनाएगा तथा उन्हें औपचारिक स्रोतों से धन जुटाने की आदत से बाहर लाएगा.

प्रथम चरण के रूप में प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत जो खाता खोलेगा उसे रूपे डेबिट कार्ड मिलेगा तथा वह रू 1 लाख के दुर्घटना बीमा हेतु पात्र होगा. खातों के संतोषजनक संचालन के बाद उन्हें रू 5000/- के ओवरड्राफ्ट की सुविधा मिलेगी. इसी क्रम में जिन्होंने 15.08.2014 से 26.01.2015 के बीच खाता खोला है उन्हें भारतीय जीवन बीमा निगम की ओर से परिवार के 1 सदस्य को रू 30,000/- का अतिरिक्त बीमा कवर प्राप्त होगा. वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम के अतिरिक्त दूसरे बीमा और पेंशन उत्पाद जैसे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना खाता धारकों को उपलब्ध कराई गई है.

पीएमजेडीवाई के तहत पहलें:

- आपके बैंक को राज्य स्तरीय बैंकर समितियों द्वारा पूरे देश में 6,829 एसएसए आवंटित किए गए थे जिसके अंतर्गत 22,030 गावों का समावेश था. आपके बैंक ने सेवा क्षेत्र के सभी घरों तक पहुंच पूरी कर ली. बैंक ने आवंटित गावों और वार्डों का सफलतापूर्वक सर्वेक्षण पूरा करने के बाद 79.53 लाख बेसिक बचत जमा खाते खोले.
- 31.05.2015 को आपके बैंक ने 1,101 करोड़ की राशि प्रधानमंत्री जन-धन योजना के खातों में संगृहित की प्रति निधिकृत खाते की राशि 2,558/- है.
- प्रधानमंत्री जन-धन योजना में सभी बैंकों द्वारा खोले गए कुल खातों में हमारे बैंक का हिस्सा 5.7% है और संग्रहीत राशि 7.86% है.
- बैंक ने 31.03.2015 तक खाता धारकों को 77.42 लाख रूपे कार्ड जारी किए गए हैं.
- पूरे देश में आपके बैंक ने 8,751 व्यावसाय प्रतिनिधि (बीसी) नियुक्त किए हैं इसमें से 2,355 को शहरी केन्द्रों पर नियुक्त किया गया है.
- आपके बैंक की शाखाओं द्वारा खाते खोलने, वित्तीय साक्षरता सत्र संचालित करने, वित्तीय साक्षरता से सम्बद्ध सामग्री वितरित करने, पास बुक तथा रूपे डेबिट कार्ड वितरित करने आदि के लिए 48199 शिविर आयोजित किए गए.
- आपका बैंक वित्तीय समावेशन के तहत खातेदारों को रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए ओवरड्राफ्ट सुविधा प्रदान कर रहा है.
- आपके बैंक ने इंडिया फर्स्ट इंश्योरेंस कंम्पनी के माध्यम से किफायती/ सहजता से वहनीय प्रीमियम दरों पर माइक्रो बीमा सुविधा प्रारम्भ की है, इसमें प्रीमियम राशि ग्राहकों द्वारा वहन की जाती है.

- आधार कार्ड पर आधारित खाते खोलने के लिए शाखाओं तथा बीसी केन्द्रों पर ई- केवायसी को कार्यान्वित किया है.
- आपके बैंक ने बीसी केन्द्रों पर आधार इनेबल भुगतान सुविधा प्रारम्भ की है.
- बैंक ने बेसिक मोबाइल हैंडसेटों पर मोबाइल बैंकिंग संव्यवहारों के लिए यूएसएसडी सुविधा को कार्यान्वित किया है. यूएसएसडी सुविधा के अंतर्गत शेष राशि, धन अंतरण, मिनी स्टेटमेंट, आधार लिंक बैंक खाते की जानकारी प्राप्त करने जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं.
- मानकीकृत वित्तीय साक्षरता सामग्री के रूप में अंचलों, क्षेत्रों तथा शाखाओं को ऑडियो विज़ुअल उपलब्ध कराए गए हैं ताकि वित्तीय साक्षरता में तेजी आ सके.
- आपके बैंक ने क्षेत्रीय/ जिला स्तरों पर व्यावसायिक संवाददाताओं (बीसी) के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए हैं.
- आपके बैंक द्वारा परस्पर बेहतर समन्वय तथा यथास्थल समस्याओं के निवारण के लिए व्यावसायिक सेवादाताओं तथा शाखा प्रमुखों के लिए संयुक्त कार्यशालाओं का आयोजन किया गया.

अंतर्राष्ट्रीय परिचालन

वर्ष 2014 में वैश्विक वृद्धि पिछले कई वर्षों से चल रहे असंतोषजनक कार्यनिष्पादन के चलते अपेक्षाकृत कम रही. वर्ष 2014 में वृद्धि दर 2.6% रही जबकि 2013 में यह 2.5% थी. श्रम मार्केट में सुधार तथा वित्तीय नीति की अनुकूलता के चलते संयुक्त राज्य अमेरिका तथा यू.के. की स्थितियों में सुधार हुआ है. यूरो क्षेत्र तथा जापान में वित्तीय संकट लम्बा चलने तथा ढांचागत कठिनाइयों के चलते सुधार की गति असामान्य रही. दूसरी ओर चीन में धीमी गति पर निगरानी रखी जा रही है.

अंतर्राष्ट्रीय परिचालन हेतु व्यावसायिक नीति निर्देश 2014-15 को मुंबई में सर्वोच्च प्रबंधन टीम के साथ श्री एस. एस. मूंदड़ा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक.

आपका बैंक इस दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है तथा अंतर्राट्रीय बैंकिंग परिदृश्य पर निरन्तर अपनी पैनी नजर बनाए हुए है. विदेशी शाखाओं तथा अनुषंगियों में व्यवसाय वृद्धि में निरंतरता बनी हुई है. ग्राहक संतुष्टि को ध्यान में रखते हुए सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवोन्मेषी प्रयास किए जा रहे हैं . आपके बैंक ने तंजानिया तथा केन्या में अपनी अनुषंगियों की एक अतिरिक्त शाखा खोलकर अपनी उपस्थिति में और विस्तार किया है.

व्यवसाय एवं लाभ कार्यनिष्पादन

वित्तीय वर्ष 15 के दौरान बैंक की विदेशी शाखाओं में कुल वृद्धि (जमा + निवल अग्रिम) 7.88% रही. ग्राहकों की जमाओं में वृद्धि 2.35% रही. कुल जमाओं में वृद्धि 7.08% तथा निवल अग्रिमों में वृद्धि 9.10% रही. वित्त वर्ष - 15 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय परिचालनों ने बैंक के वैश्विक व्यवसाय में 32.47% का महत्वपूर्ण योगदान दिया.

कुल आस्तियां

वित्त वर्ष 15 में बैंक के अंतर्राष्ट्रीय परिचालन की कुल आस्तियों में 8.02% की वृद्धि दर्ज की गई अर्थात इनमें वर्ष 2014 की तुलना में रु. 18,565 करोड़ की वृद्धि हुई.

लाभ

अंतर्राष्ट्रीय परिचालनों के लिए यह वर्ष समेकन का वर्ष रहा. वैश्विक स्तर पर धीमी प्रगति तथा मार्जिन बनाए रखने के दबाव के बावजूद आपका बैंक वित्तीय वर्ष 15 का सकल लाभ लगभग पिछले वर्ष के स्तर पर बनाए रखने में कामयाब रहा. सकल लाभ में मार्च 14 की तुलना में 1.17% वृद्धि लगभग सामान्य रही. ऐसा हमारी विदेशी शाखाओं द्वारा स्वयं को बदले हुए परिवेश के अनुरूप ढ़ालने तथा स्वयं आगे बढ़कर प्रभावी प्रयास करने से संभव हो पाया है. तथापि एनपीए तथा करों के लिए अधिक प्रावधान के कारण शुद्ध लाभ में पिछले वर्ष की तुलना में 40.66% की नकारात्मक वृद्धि दर दर्ज की गई. बैंक के वैश्विक शुद्ध लाभ में अंतर्राष्ट्रीय परिचालनों का योगदान 20.15% रहा.

आस्ति गुणवत्ता

विद्यमान बैंकिंग परिवेश में आस्ति गुणवत्ता का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है. आपके बैंक ने विदेशी (ओवरसीज़) केन्द्रों पर प्रभावी ऋण निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास किए हैं. बैंक ऋण जोखिम को चिह्नित करने, इसकी गणना करने, मॉनीटर करने हेतु केंद्रीकृत प्रयास कर रहा है.

वैश्विक स्तर पर धीमी प्रगति के चलते विश्व की अनेक अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं. इससे बैंक की आस्ति गुणवत्ता पर दबाव बढ़ा है. आपके बैंक ने आस्ति गुणवत्ता बनाए रखने के लिए ऋण निगरानी तकनीकों को और बेहतर बनाया है.

शुद्ध अग्रिमों में पिछले वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष 15 के दौरान 9.10% की वृद्धि हुई है. आपके बैंक ने आस्ति गुणवत्ता बनाए रखने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं. फलस्वरूप अंतर्राष्ट्रीय परिचालनों के सकल अग्रिमों में शुद्ध अग्रिमों का प्रतिशत मार्च 15 तक 1.70% रहा. इस प्रकार मार्च 14 के स्तर से 1.57% की वृद्धि दर्शाता है.

अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति

आपके बैंक की अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति 24 देशों में अपनी 104 शाखाओं/कार्यालयों के साथ इस प्रकार हैः

बैंक की ओवरसीज़ शाखाएं/ कार्यालय	60
बैंक के प्रतिनिधि कार्यालय	1
बैंक की विदेशी अनुषंगियों की शाखाएं	43
कुल	104

बैंक के निम्नलिखित संयुक्त उपक्रम / सहयोगी इकाइयां भी हैं -

1. इंडो जाम्बिया बैंक लि. की 27 शाखाएं
2. इंडिया इंटरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी मलेशिया की एक शाखा

फ़िज़ी के माननीय प्रधानमंत्री से प्रधानमंत्री एक्सपोर्टर ऑफ़ द इयर अवार्ड प्राप्त करते हुए बैंक का फ़िज़ी परिचालन.

ओवरसीज़ विस्तार

वित्तीय वर्ष 15 के दौरान आपके बैंक ने ओवरसीज़ अनुषंगियों की दो नई शाखाएं मेरू, केन्या तथा मवंजा, तंजानियां में खोलीं.

भावी योजनाएं

बैंक की उन देशों में जहां उसकी पहले से शाखाएं हैं, महत्वपूर्ण केन्द्रों पर शाखाएं खोलने की योजना है. बैंक की उन नए देशों जहां व्यवसाय में लाभदायक वृद्धि के अवसर हैं, में भी प्रवेश की योजना है.

बैंक की यूएई, केन्या, युगान्डा, बोत्सवाना, घाना तथा न्यूज़ीलैंड में अपने मौजूदा नेटवर्क को और बढ़ाने की योजना है.

बैंक को ओवरसीज़ विस्तार पर भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी विभिन्न दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही विचार किया जाता है.

सिंडिकेशन सेंटर

वैश्विक वित्तीय बाजार में सामूहिक ऋण, वित्त पोषण का अत्यंत महत्वपूर्ण संसाधन बन गया है. आपके बैंक का लंदन में ग्लोबल सिंडिकेशन सेंटर तथा दुबई और सिंगापुर में रीज़नल सिंडिकेशन सेंटर स्थित हैं जो कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सिंडिकेशन ऋणों के व्यवसाय पर ध्यान केन्द्रित करता है. आपके बैंक ने कार्पोरेट कार्यालय, मुम्बई में एक अंतर्राष्ट्रीय मर्चेंट बैंकिंग कक्ष (आईएमबीसी) स्थापित किया है जो मुख्य रूप से भारतीय कार्पोरेट्स की जरूरतों को पूरा करता है तथा भारतीय कार्पोरेट्स से जिन्हें विदेशी मुद्रा संसाधनों की आवश्यकता है, व्यवसाय अर्जित करने के लिए रीज़नल सिंडिकेशन सेंटर को सहयोग प्रदान करता है.

उत्पाद एवं सेवाएं

विश्व के 24 विभिन्न देशों में परिचालन करते हुए आपके बैंक ने प्रत्येक देश की स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अपने उत्पाद और सेवाएं तैयार एवं विकसित की है. आपका बैंक अंतर्राष्ट्रीय बाजार की व्यवसायगत जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अपने उत्कृष्ट उत्पाद एवं सेवाएं प्रदान कर रहा है.

आपके बैंक में अपनी सभी ओवरसीज शाखाओं और अनुषंगियों के लिए सिंगल कोर सॉल्यूशन की सुविधा उपलब्ध है जो नए उत्पादों और सेवाओं के अनुरूप है और इसमें परिचालन वाले देश के ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप आशोधन /सुधार की समुचित व्यवस्था है.

प्रौद्योगिकी

- 31 मार्च, 2015 को समाप्त अवधि में विदेशी कार्यालयों एवं अनुषंगियों में एटीएम की संख्या बढ़कर 96 (56 ऑनसाइट एवं 40 ऑफसाइट) हो गई है. जो 31 मार्च, 2014 को 91 (54 ऑनसाइट एवं 37 ऑफसाइट) थी.
- डेबिट कार्ड/ एटीएम कार्ड जारी करने का कार्य 11 विदेशी टेरीटरीज/ अनुषंगियों में कार्यान्वित किया गया है. जिनमें से 4 टेरीटरीज / अनुषंगियों ने ग्लोबल पेमेंट टेक्नोलॉजी कंपनी 'मै. वीसा' के साथ टाई-अप की व्यवस्था की हुई है. इसी क्रम में केन्या अनुषंगी को वीजा के लिए प्राधिकृत कर दिया गया है और ओमान टेरीटरीज, गयाना तथा युगांडा में वीसा प्राधिकृत करने का कार्य प्रगति पर है.
- कई टेरीटरी/अनुषंगियां चिप आधारित डेबिट कार्ड सुविधा की ओर बढ रही हैं. यूएई टेरीटरी में इवीएम (चीप कार्ड) का कार्य पूर्ण कर लिया गया है. ओमान, मॉरिशस एवं न्यूज़ीलैंड में यह कार्य प्रगति पर है.
- इंटरनेट बैंकिंग (बड़ौदा कनेक्ट) 16 विदेशी टेरीटरीज/ अनुषंगियों में कार्यान्वित की गई है. यथा 1. यू.ए.ई. 2. यूनाइटेड किंगडम 3. ओमान 4. मॉरीशस 5. फिज़ी 6. सैशल्स 7. आस्ट्रेलिया (व्यू) 8. केन्या 9. यूगांडा 10. बोत्सवाना 11. न्यूज़ीलैंड 12. घाना 13. तंजानियां (व्यू बेस्ड) 14. यू.एस.ए. (व्यू बेस्ड) 15. गुयाना 16. त्रिनिदाद एवं टोबेगो टेरीटरी. गुयाना तथा टोबेगो टेरीटरी में इंटरनेट बैंकिंग को समीक्षा वर्ष के दौरान लाइव किया गया.
- न्यूज़ीलैंड, यू.ए.ई, यू.के, युगांडा तथा केन्या की इंटरनेट बैंकिंग में फ्रॉड मैनेजमेंट सोल्यूशन (2एफए) कार्यान्वित कर दिया गया है तथा ई-बैंकिंग स्मार्ट फोन इन टेरीटरीज/ अनुषंगियों के लिए इनेबल कर दिया गया है. बोत्सवाना, फिज़ी, ओमान, मॉरीशस, सैशल्स तथा घाना टेरीटरीज / अनुषंगियों में एफएमएस कार्यान्वयन प्रगति पर है.
- चेक ट्रंकेशन व ऑटोमैटेड क्लीयरिंग हाउस को बोत्सवाना में कार्यान्वित कर दिया गया है तथा त्रिनिदाद एवं टोबेगो, सैशल्स में कार्य चल रहा है.
- विदेशी टेरीटरीज/ अनुषंगियों में स्थानीय सामूहिक एसएमएस का प्रयोग करते हुए एस एम एस भेजने का कार्य अंतिम रूप ले चुका है. *केन्या में यह कार्य पूर्ण हो गया है. 5 टेरीटरीज/ अनुषंगियों (फिज़ी, गुयाना, युगांडा, बोत्सवाना तथा चीन) के लिए कार्यान्वयन चल रहा है.
- विंडो एक्सपी के लिए टेक्नालॉजी सपोर्ट बन्द हो जाने के कारण अधिकांश टेरीटरीज/ अनुषंगियों में विंडोज 7 में माइग्रेशन का कार्य पूर्ण हो गया है. शेष स्थानों पर यह कार्य अंतिम चरण में है.
- सभी अंतर्राष्ट्रीय टेरीटरीज/ अनुषंगियों में सीबीएस डाटाबेस ऑरेकल 10G से ऑरेकल 11G तक अपग्रेड कर दिया गया है.

ओवरसीज़ परिचालनों में जोखिम प्रबन्धन

विनिर्दिष्ट/सम्बद्ध टैरीटरी की आर्थिक, वित्तीय तथा सांस्कृतिक परिस्थितियां भिन्न भिन्न होने के कारण आपके बैंक के ओवरसीज़ परिचालनों के जोखिम की प्रकृति भी अलग अलग है. आपका बैंक तद्नुरूप प्रत्येक टैरीटरी में परिचालन अनुभव तथा जोखिम प्रबंधन की बेहतर समझ रखनेवाले अधिकारियों को ही जोखिम प्रबंधन के जॉब रोल के लिए नामित करता है. वे अपने जोखिम प्रबंधन संबंधी दायित्वों का निर्वहन बड़ौदा कार्पोरेट सेंटर के जोखिम प्रबंधन विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन में ही करते हैं.

क्रेडिट रिस्क वेलिडेशन सेल, कार्पोरेट कार्यालय मुम्बई की देखरेख में कार्य करने वाले सभी ओवेरसीज़ केन्द्रों पर ऋण जोखिम प्रणाली की शुरूआत कर दी गई है, इसी प्रकार ऋण जोखिम सम्बधी समस्त डाटा जिसके द्वारा आस्ति वर्गीकरण किया जाता है, विनिर्दिष्ट प्रावधान किए जाते हैं, बेसिल II RWA तथा अन्य सम्बद्ध प्रबंधन सूचना प्रणाली रिपोर्ट तैयार की जाती है, को एकत्रित करने के लिए एस्क्रॉम सिस्टम कार्यान्वित किया गया है.

वैश्विक आधार पर बाजार जोखिम का पता लगाने के लिए ग्लोबल मिड ऑफिस, ट्रेजरी शाखा मुम्बई में एक प्रणाली विकसित की जा रही है जो अंतिम चरण में है. परिचालनगत जोखिम प्रबंधन प्रणाली जो घरेलू

परिचालनों के तहत दो राज्यों में सफलतापूर्वक कार्यान्वित की गई थी, को शीघ्र ही ओवरसीज़ परिचालनों में कार्यान्वित किया जाएगा.

विनियामक अनुपालन

आपके बैंक की प्रतिष्ठा एक नियमपालक बैंक के रूप में रही है आपका बैंक यह सुनिश्चित करता है कि संबंधित देशों के विनियामक मानदंडों का सख्ती से पालन किया जाता है. सभी विनियामक मामलों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही की जाती है तथा दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है.

सुव्यवस्थित अनुपालना ढांचा सुनिश्चित करता है कि बैंक के अनुपालन संबंधी मुद्दे समय से निपटाए जाते हैं. अनुपालना मामलों की देख-रेख के लिए आपके बैंक ने विदेशी केंद्रों पर समर्पित अधिकारियों को पदस्थ किया है जिनके कौशल में प्रशिक्षण एवं अन्य तरीकों से लगातार वृद्धि की जाती है. आपका बैंक अनुपालना को केवल विनियामक आवश्यकता के रूप में ही नहीं देखता बल्कि अपनी तथा अपने शेयरधारकों के हित और प्रतिष्ठा की सुरक्षा के रूप में लेता है.

सभी विदेशी कार्यालयों/अनुषंगियों के लिए उनकी संबंधित विनियामक आवश्यकताओं के अनुसार बैंकिंग के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नीति/नियम बने हैं. विनियामक दिशानिर्देशों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए इनकी समय-समय पर समीक्षा की जाती है.

ट्रेज़री परिचालन

आपके बैंक में बड़ौदा सन टॉवर कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई में अति आधुनिक डीलिंग रूम कार्यरत है. इस डीलिंग रूम के माध्यम से आपका बैंक ट्रेजरी परिचालनों को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है तथा मार्केट में नवीनतम सूचनाओं के साथ कदम मिलाकर चलता है. आपके बैंक का ट्रेजरी डिवीजन घरेलू परिचालन का कार्य संचालित करता है तथा विभिन्न मार्केट कार्यकलापों जैसे विदेशी मुद्रा, ब्याज दरें, सावधि आय, डेरीवेटिव्स, इक्विटी और अन्य वैकल्पिक आस्ति श्रेणियों का कार्य देखता है. आपका बैंक अपने ग्राहकों को विभिन्न प्रकार की वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए अति आधुनिक प्रौद्यिगिकी प्लेटफार्म का उपयोग करता है. इन सेवाओं में ब्याज दर स्वैप, मुद्रा स्वैप, वायदा एवं आप्शन सुविधाएं शामिल हैं. संपूर्ण देश में विदेशी मुद्रा संव्यवहार करने वाली प्राधिकृत शाखाओं के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक अति आधुनिक स्वचालित डीलिंग प्रणाली स्थापित की गई है. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान बिजनेस में ग्लोबल ट्रेजरी सोल्यूशन के कार्यान्वयन की मारिशस में विस्तृत समीक्षा की गई और इसे आगामी वित्तीय वर्ष में लागू किया जाएगा.

वित्तीय वर्ष 15 के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था को गति पकड़ने के लिए संघर्ष करना पड़ा चूँकि कई उच्च आय वाले देशों को वैश्विक वित्तीय संकट जैसी परिस्थितियों से जूझना पड़ा. श्रम मार्केट में सुधार तथा वित्तीय नीति की अनुकूलता के चलते संयुक्त राज्य अमेरिका तथा यूके की स्थितियों में सुधार हुआ है. जापान में सुधार असामान्य रहा जबकि चीन की वृद्धि दर धीरे धीरे कम हो रही है. यूरो की कमजोर (स्थिति) चाल, रूस में आर्थिक मंदी और अमेरीकी डॉलर की तुलना में रूबल के मूल्य में भारी कमी, यूक्रेन की विकट स्थिति इस क्षेत्र में कठिन परिस्थितियां उत्पन्न कर रही हैं. वित्तीय वर्ष 15 में जापान में मात्रात्मक सुलभता कार्यक्रम/व्यवस्था जारी रही जबकि यूरोपियन सेंट्रल बैंक (ईसीबी) ने अपना मात्रात्मक सुलभता कार्यक्रम वित्तीय वर्ष 15 की चौथी तिमाही में प्रारंभ किया.

तेल की कीमतें अप्रैल 2014 के $110 प्रति बैरल के स्तर से घट कर 31 मार्च 2015 को $53 प्रति बैरल हो गई; तेल की कीमतों में हाल ही में हुई कमी कई कारणों से हुई जिनमें से प्रमुख है, शेल गैस आयल द्वारा भारी मात्रा में तेल की आपूर्ति, चीनी अर्थववस्था में मंदी की स्थिति, यूरोपियन अर्थव्यवस्था की डावांडोल स्थिति, अमेरिकी डालर के मूल्य में वृद्धि तथा तेल उत्पादक एवं निर्यातक देशों ((ओपेक) की नीति आदि, भारत जैसे तेल आयातक देशों के लिए तेल की कम कीमतों से मुद्रास्फीति में कमी तथा बाह्य तथा वित्तीय दबाव में कमी आई है.

घरेलू मोर्चे पर वित्तीय वर्ष 15 की प्रथम छमाही में निर्यात में अत्यधिक वृद्धि हुई जबकि अंतिम तिमाही में इसमें गिरावट आई है. आर्थिक सुधारों के प्रति सकारात्मक सोच वाली सरकार के बनने के बाद निवेशकों के विश्वास में आशातीत वृद्धि हुई है. केन्द्र में स्थिर सरकार के गठन के बाद भारतीय बाजारों में डेब्ट और इक्विटी सेगमेंट में भारी निवेश हुआ. विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निवेश में तीसरी तथा चौथी तिमाही में डेब्ट सेगमेंट में होने वाली आय में कमी आई है. पोर्ट फोलियो निवेश तथा चालू खाता घाटे की अपेक्षा से बेहतर स्थिति के फलस्वरूप प्रमुख देशों की करेंसी की एवज में रुपए की कीमत में सुधार हुआ जबकि डालर की एवज में रुपए की कीमत में कमी आई. जहां 2 अप्रैल 2014 को यूएस डालर की एवज में रुपए की कीमत रु.59.89 थी वहीं 31 मार्च 2015 को कम होकर रु.62.50 हो गई. दूसरी ओर जहां 2 अप्रैल 2014 को ग्रेट ब्रिटेन पाउंड की कीमत रु.99.72 थी वही 31 मार्च 2015 को यह सुधर कर रु.92.45 हो गई. 2 अप्रैल 2014 को यूरो की कीमत रु.82.58 थी जो 31 मार्च 2015 को सुधर कर रु.67.20 हो गई.

आर्थिक परिवेश और मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति को देखते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्तीय वर्ष के दौरान बेंचमार्क दरों में 50 बेसिस प्वाइंट की कमी की. भारतीय रिज़र्व बैंक ने दो बार रेपो रेट में प्रत्येक बार 25 बेसिक प्वाइंट की कमी करते हुए इसे 8.00% से कम कर 7.50% कर दिया. भारतीय रिज़र्व बैंक ने सिस्टम में नकदी के सरल एवं सहज प्रवाह के उद्देश्य से विभिन्न परिपक्वताओं के लिए आवधिक रेपो (टर्म रेपोस) की शुरूआत की. अधिशेष एसएलआर प्रतिभूतियों के पेटे एलएएफ रेपो के तहत निधियों का समग्र आबंटन बैंकिंग पद्धति से शुद्ध मांग एवं समय देयता (एनडीटीएल) 0.25% तक सीमित कर दिया. जबकि आवधिक (टर्म) रेपो के तहत निधियों का समग्र आबंटन बैंकिंग पद्धति से शुद्ध मांग एवं समय देयता एनडीटीएल 0.75% तक सीमित कर दिया है. इसी क्रम में बैंकों को अपनी कुल आवश्यकताओं का न्यूनतम सीआरआर पूर्व के अपेक्षित स्तर 99.00% से कम कर 95.00% करने की अनुमति दी गई थी.

आपका बैंक वर्ष की प्रथम छःमाही में आय में बढ़ोत्तरी के फलस्वरूप अवसर का लाभ उठाने में सफल रहा और बैंक ने अपने संविभाग में बांड्स जोड़ते हुए निवेश पर औसत आय में वृद्धि करने में सफलता पाई. 31.03.2015 को देशीय एसएलआर निवेशों पर प्रतिफल बढ़कर 8.22% हो गया. वर्ष की दूसरी छःमाही में प्रतिफल में होने वाली अत्यधिक गिरावट की स्थिति को कुशलतापूर्वक सम्भालते हुए बांडों की बिक्री में उल्लेखनीय लाभ अर्जित किया. वित्तीय वर्ष 15 के दौरान आपके बैंक की ट्रेजरी ने निवेश की बिक्री तथा विनिमय आय के रूप में रू.1,009 करोड़ तथा रू.603 करोड़ की आय अर्जित की. ब्याज/बट्टे (डिस्काउंट) के रूप में रू.10,379 करोड़ की आय अर्जित की.

आपके बैंक की ट्रेजरी अपने वर्तमान उत्पादों जैसे ब्याज दर स्वैप (आईआरएस), करेंसी स्वैप (सीआईआरएस), ब्याज दर फ्यूचर्स, फारवर्ड एवं आपशन के आधार पर ब्याज दरें और विदेशी मुद्रा जोखिमों को कम करने के लिए अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान प्रदान करती है. ब्याज दर स्वैप तथा करेंसी ऑप्शन कार्पोरेट के लिए ब्याज दर तथा करेंसी के बचाव के लिए प्रयुक्त की जाती है. आपके बैंक ने करेंसी फ्यूचर्स में कार्य करना वित्तीय वर्ष 15 की प्रथम तिमाही से प्रारम्भ किया तथा अब यह इस मार्केट का प्रमुख प्रतियोगी/खिलाड़ी है. आस्ति श्रेणियों के बीच जिसमें मनीमार्केट, सीबीएलओ काल मार्केट रेपो सरकारी प्रतिभूथियां तथा विदेशी मुद्रा बाजार शामिल हैं. उपलब्ध अंतरण सुविधाओं का प्रभावी रूप से उपयोग किया है.

मई 2014 में हुए आम चुनावों के बाद देश में बनी स्थिर सरकार के बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निवेश तथा निवेशकों की धारणा बदलने के फलस्वरूप वित्तीय वर्ष 15 की प्रथम छःमाही में इक्विटी मार्केट में सुधार हुआ है. बैंक की ट्रेजरी के इक्विटी विभाग की गतिविधियों को तेज किया और नियमित अंतरालों पर लाभ अर्जित किया.

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विदेशी मुद्रा संविभागों में आपके बैंक की ट्रेजरी ने विदेशी मुद्रा बाजार के बड़े भागीदारों में अपना स्थान बनाए रखा. प्रोप्राइटरी ट्रेडिंग, डेस्क भारतीय बाजारों को प्रभावित कर रही चलनिधि की कठिन परिस्थितियों के बावजूद उपलब्ध संसाधनों को भुनाने का प्रयास कर संसाधनों का संग्रहण कर रहा था.

आपके बैंक का ट्रेजरी मिड ऑफिस निदेशक मंडल द्वारा निर्धारित बाजार एक्स्पोजर सीमा को वास्तविक समय के आधार पर मॉनिटर करता है. वैल्यू एट रिस्क (बीएआर) जोखिम प्रबंधन पैरामीटर सहित सभी पोर्टफोलियों पर बाजार जोखिम को आकलित करने के लिए प्रयोग में लाया जाता है. इन उपायों को जोखिम नंबरों पर बैक टेस्टिंग के साथ समर्थित रखा जाता है और करेंसी पोर्टफोलियों तथा विभिन्न निवेशों की स्ट्रैस टेस्टिंग की जाती है.

कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर)

भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर मुंबई में निःशुल्क फूड स्टॉल का उद्घाटन करते हुए श्री रंजन धवन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी.

एक जिम्मेदार कार्पोरेट नागरिक होने के नाते आपके बैंक का हमेशा यह प्रयास रहा है कि वह अल्प सुविधा प्राप्त तथा कमजोर तबकों के सामाजिक आर्थिक विकास के जरिए इन समुदायों की स्थिति को मजबूत बनाए. समाज के विभिन्न वर्गों के लिए अपने प्रयासों को जारी रखते हुए आपके बैंक ने वित्तीय वर्ष 15 के दौरान अपने प्रयासों को और तेज कर दिया.

आपके बैंक द्वारा सीएसआर के क्षेत्र मे जो कदम उठाए गए वे निम्नलिखित हैं :

- आपके बैंक ने बेरोजगार युवकों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 49 बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (बड़ौदा आरसेटी) स्थापित किए हैं ताकि ये युवक अपने कौशल का विकास कर रोजगार प्राप्त कर सकें. इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरेगी और साथ ही उन्हें इन स्थानों पर विद्यमान विभिन्न क्षेत्रीय आर्थिक स्थितियों का लाभ मिलेगा. आपके बैंक के लगभग सभी अग्रणी जिलों में एक आरसेटी है. इनके द्वारा 2,25,104 युवकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है और 1,39,052 युवकों ने अपना स्वरोजगार स्थापित कर लिया है अथवा रोजगार प्राप्त किया है.
- विभिन्न बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं के बारे में ग्रामीणों के बीच जागरूकता लाने तथा वित्तीय समावेशन की प्रक्रिया को तेज करने के लिए आपके बैंक ने संपूर्ण भारत में 49 वित्तीय साक्षरता केंद्र खोले हैं. ये केंद्र साधारण संदेशों जैसे बचत क्यों करें, बैंक से उधार क्यों लें, जहां तक संभव हो आय अर्जन कार्यकलापों के लिए क्यों उधार लें. समय पर भुगतान क्यों करें. स्वयं का बीमा क्यों, अपनी सेवानिवृत्ति के लिए बचत क्यों करें, के माध्यम से वित्तीय साक्षरता प्रदान कर रहे हैं.
- आपके बैंक ने बेरोजगार युवकों को बड़ौदा स्वरोजगार संस्थान के माध्यम से स्वरोजगार बनने हेतु कौशल विकास , विभिन्न बैंकिंग तथा वित्तीय सेवाओं के प्रति ग्रामीण जनता कोजागरूक करने आर सेटी के वित्तीय साक्षरता तथा परामर्श केन्द्रों के माध्यम से वित्तीय समावेशन प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य से रू.10.58 करोड़ की राशि व्यय की है.

बड़ौदा शक्ति टीम ने बड़ौदा कॉर्पोरेट सेंटर, मुंबई के स्टाफ सदस्यों के लिए फ्री हेल्थ चेक-अप का आयोजन किया.

- आपके बैंक ने "स्वच्छ विद्यालय अभियान" के अंतर्गत राजस्थान, उत्तर प्रदेश तथा गुजरात राज्यों में स्कूलों में शौचालयों के निर्माण के लिए रू. 5 करोड़ की राशि निर्धारित की है.

आस्ति गुणवत्ता प्रबंधन

आपके बैंक ने आस्ति गुणवत्ता में सुधार तथा एनपीए में कमी पर विशेष रूप से अपना ध्यान केन्द्रित किया है. वित्तीय वर्ष 15 में बैंकिंग उद्योग के लिए अर्थव्यवस्था पर निरंतर दबाव तथा आर्थिक सुधार की धीमी गति के कारण आस्ति गुणवत्ता बनाए रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य रहा. वित्तीय वर्ष 15 के दौरान भारतीय बैंकों ने सामान्य रूप से धीमी देशीय वृद्धि तथा वैश्विक बाजार में अनिश्चितता की स्थिति के फलस्वरूप जिस कारण विभिन्न उत्पाद वस्तुओं यथा सूती वस्त्र, इंजिनियरिंग वस्तुओं आदि के निर्यात में कमी आई, कार्पोरेट्स तथा लघु एवं मध्यम उद्यमियों के कार्यनिष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है.

एस ए एस परिचालन जोखिम प्रबंधन प्रणाली का शुभारंभ करते हुए श्री पि. श्रीनिवास कार्यपालक निदेशक.

प्रतिकूल आर्थिक पैरामीटर्स परिदृश्य के कारण आपके बैंक के प्रारंभिक शेष की तुलना में वर्ष के दौरान नए स्लिपेज 2.05% रहे. उच्च स्लिपेज की पृष्ठ भूमि की तुलना में 31 मार्च 2015 को सकल अग्रिमों में सकल एनपीए 3.72% रहा. जिसके फलस्वरूप मार्च 2015 के अंत में शुद्ध अग्रिमों की तुलना में शुद्ध एनपीए का अनुपात बढ़कर 1.89% तक पहुंच गया.

पिछले कई वर्षों में आपके बैंक ने ऋण हानि प्रावधान अनुपात को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित 70% के अनिवार्य मानदंडों के स्तर पर अथवा इससे ऊपर बनाए रखने के सभी संभव प्रयास किए हैं. तथापि वित्त वर्ष 15 में एनपीए में तीव्र बढ़ोत्तरी तथा उच्च प्रावधान होने के कारण विवेकपूर्ण तकनीकी रूप से बट्टे खाते डाले गए अग्रिमों में फैक्टरिंग करने के बाद ऋण हानि कवरेज अनुपात 64.99% रहा है.

आपके बैंक ने शाखा, क्षेत्र, अंचल और कार्पोरेट स्तर पर वसूली एवं ऋण अनुप्रवर्तन के लिए व्यापक ढांचा तैयार किया है. इसके अलावा प्रत्येक डीआरटी सेंटर में नोडल अधिकारियों को विविध मामलों की अनुवर्ती कार्यवाही के लिए लगाया गया जिससे डिक्री लेने में लगने वाले समय को कम से कम किया जा सके तथा वसूली को बढ़ाया जा सके. डीआरटी दावा दायर एनपीए खातों में वसूली के लिए, बैंक के पक्ष में प्रभरित आस्तियों का उचित मार्केट मूल्य प्राप्त करने के लिए ई-नीलामी के जरिए बेचा जा रहा है. इसके अतिरिक्त और अधिक तेज गति से वसूली करने के लिए एआरसी को वसूली एजेंट के रूप में नियुक्त किया गया है. सरकारी परिसमापक (ओएल) से संपर्क साधने के लिए परामर्शदाता नियुक्त किए गए हैं. वादग्रस्त तथा गैरवादग्रस्त एनपीए खातों में वसूली में तेजी लाने के लिए क्षेत्रीय लोक अदालतों में नियमित प्रतिभागिता के अलावा दिनांक 06.12.2014 तथा 14.02.2015 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालतों में अधिकतम प्रतिभागिता सुनिश्चित की गई. आपके बैंक की शाखाओं द्वारा लंबे समय से लंबित पड़े मामलों को कम करने तथा वसूली करने और छोटे खातों में वसूली में तेजी लाने के लिए निश्चित रूप में वसूली शिविरों का आयोजन किया गया.

आपके बैंक ने एनपीए खातों में वसूली की संभावनाओं का पता लगाने के लिए अनुवर्ती कार्यवाही प्रणाली पर जोर देना जारी रखा. बड़ी राशि वाले एनपीए खातों, जैसे एक करोड़ और उससे अधिक राशि के खातों की कॉर्पोरेट कार्यालय से सीधे क्षेत्रों तथा अंचलों के साथ पाक्षिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की गई ताकि अनुप्रवर्तन करने की प्रणाली से शाखाओं द्वारा वकीलों, रिकवरी एजेंटों के माध्यम से प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित हो सके. विभिन्न स्तरों पर सरफेसी अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की निगरानी आपके बैंक के कार्पोरेट कार्यालय स्तर से की गई.

एनपीए/अपलिखित खातों में वसूली/कानूनी कार्यवाही प्रक्रिया में तेजी लाने के उेश्य से ऋण वसूली न्यायाधिकरण (DRT)/ ऋण वसूली अपील न्यायाधिकरण सभी नोडल अधिकारियों तथा सभी अंचलों के वसूली के लिए तथा उपक्षेत्रीय प्रबंधकों, उप अंचल प्रमुखों एवं एआरएमबी प्रमुखों के लिए ये अलग-अलग कानक्लेव आयोजित किए गए.

वित्त वर्ष 15 के दौरान आपके बैंक ने गांव/कस्बा स्तर पर वसूली लगातार तथा लोक अदालतों के मध्यम से छोटे खातों की वसूली पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया. इसके अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 15 की पहली छमाही के दौरान विशेष वसूली योजना 'भागीरथ प्रयास' की भी शुरुआत की गई. आपके बैंक ने प्रोत्साहन पर आधारित "संकल्प-VII" वसूली योजना चलायी, ताकि रू 25 लाख तक की बकाया राशि वाले छोटे खातों में वसूली बढ़ाने का सभी स्टाफ सदस्यों का सार्थक प्रयास/सहयोग मिल सके. इस योजना के तहत वित्त वर्ष 15 के दौरान रू 10.29 करोड़ की नकद वसूली की गई.

एनपीए वसूली पर विशेष नोट देने के उद्देश्य से आपके बैंक ने 23 फरवरी 2015 तथा 23 मार्च 2015 को वसूली दिवस के रूप में मनाया तथा इन अवसरों पर वसूली हेतु अलग से प्रयास किए गए. इन वसूली दिवसों के दौरान आपके बैंक द्वारा देश भर में कुल रू.172 करोड़ के एनपीए वसूली की गई.

इन सकेन्द्रित प्रयासों के बल पर वित्तीय वर्ष 15 के दौरान एनपीए खातों में वसूली स्थिति में पर्याप्त सुधार हुआ तथा इस वर्ष कुल वसूली रू 1,492.81 करोड़ हुई. जबकि वित्तीय वर्ष 14 के दौरान रू 887.27 करोड़ की वसूली हुई थी. इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 15 के दौरान अपग्रेडेशन बढ़ कर 1,058.43 करोड़ हो गए जबकि वित्तीय वर्ष 14 के दौरान यह राशि रू. 684.72 करोड़ थी.

आपके बैंक के अग्रिम पोर्टफोलियो का आस्ति वर्गीकरण ब्रेकअप इस प्रकार है.

(रू करोड़ में)

आस्ति वर्ग (सकल)	31 मार्च 2015	31 मार्च 2014
मानक	4,21,018.94	3,91,823.53
सकल एनपीए	16,261.45	11,875.90
कुल	4,37,280.38	4,03,699.43
सकल एनपीए में शामिल है		
अवमानक	4,368.56	3,809.20
संदिग्ध	10,382.67	6,863.10
हानिगत	1,510.22	1,203.60
कुल एनपीए	16,261.45	11,875.90

सूचना प्रौद्योगिकी

आपके बैंक ने घरेलू परिचालनों, विदेशी परिचालनों और अनुषंगी परिचालनों को ध्यान में रखते हुए एंड टू एंड बिजनेस एवं आईटी स्ट्रेटेजी प्रोजेक्टस हाथ में लिए हैं.

श्री रंजन धवन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं श्री एस.एस. घाघ, महाप्रबंधक डॉ. अनिल काकोदकर एवं डॉ.रघुनाथ माशेलकर के करकमलों से आई बी.ए. टेक्नॉलाजी अवार्ड 2014-15 प्राप्त करते हुए.

- आपके बैंक ने सर्वोत्तम टेक्नॉलाजी इंफनस्ट्रकचर तैयार कर अति आधुनिक डाटा सेंटर संचालित किया है और यह अप टाइम इंस्टीटयूट टीयर-3 के मानदंडों को पूरा करता है. विभिन्न भूकंप खंडों को ध्यान में रखते हुए तथा प्रत्येक असफलता बिंदु का गहन विशेलषण कर डिजास्टर रिकवरी साइट तैयार की गई है ताकि ग्राहकों को निर्बाध रूप से बैंकिंग सेवाएं मिलती रहें.

- डिजास्टर रिकवरी सेंटर के अलावा आपके बैंक ने वर्ष के दौरान नीयर डिजास्टर रिकवरी सेंटर भी कार्यान्वित किया है ताकि बिजनेस कंटीन्यूटी प्लान तथा डिजास्टर रिकवरी रणनीति के रूप में नीयर जीरो डाटा लॉस सुनिश्चित हो सके .
- आपके बैंक ने कई अन्य प्रौद्योगिकी पहलें, जैसे विंडो सर्वर वर्चुअलाइजेसन, डेस्कटॉप वर्चुअलाइजेसन तथा बैक ड्रॉप कंसालीडेशन ऑटोमेटिक स्टोरेज मैनेजमेंट (एएसएम) व रीयल एप्लीकेशन क्लस्टर (आरएसी) की शुरुआत की हैं. इन्हें पर्यावरण उन्मुखी कदम के रूप में उठाया गया है और इनसे डाटा सेंटर की कार्यकुशलता में वृद्धि होगी. एप्लिकेशन वर्चुअलाइजेसन, ऑटोमैटिक वर्चुअलाइजेसन बैक अप लिंक के लिए प्रावधान, बैंडविड्थ अपग्रेडेशन, एएसएम एवं आरएसी लागू करना, एमपीएलएस (मल्टी प्रोटॉकॉल लेवल स्विचिंग) पर आधारित नई टेक्नोलॉजी का प्रयोग आदि अप टाइम तथा मांग अपग्रेड करने हेतु कुछ नए कदम उठाए गए हैं.
- आपके बैंक ने विभिन्न सेवा डिलीवरी चैनलों पर व्यवसाय की बढ़ती मांग को सुदृढ़ता प्रदान करने के लिए नियमित कैपेसिटी (प्लानिंग, अपग्रेड व रिफ्रेश) को अपने हाथ में लिया है.
- आपके बैंक ने इंटरप्राइज मैनेजमेंट सिस्टम को अपग्रेड कर दिया है तथा बैंक के बढ़ते आईटी इंफनस्ट्रकचर का प्रभावी रूप से प्रबंधन करने व मॉनीटरिंग करने के लिए मॉड्यूल को स्थापित किया है.
- आपके बैंक ने सभी देशी तथा 23 विदेशी केंद्रों में कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) व अन्य एप्लीकेशन प्लेटफार्म प्रदान करने के लिए केन्द्रीयकृत आईटी आर्कीटेक्चर प्रदान किया है ताकि संसाधनों का प्रबंधन, मॉनिटरिंग व उपयोग आसानी से किया जा सके. आपके बैंक के क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) भी डिलीवरी चैनलों के साथ सीबीएस प्लेटफार्म पर हैं.

वैकल्पिक डिलीवरी चैनल

• इंटरनेट बैंकिंग - बड़ौदा कनेक्ट

आपका बैंक अपने इंटरनेट बैंकिंग चैनलों (बड़ौदा कनेक्ट) में लगातार और अधिक सुविधाएं जोड़ रहा है. नई जोड़ी गई सेवाओं में ऑन लाइन बैंकिंग रजिस्ट्रेशन, पीपीएफ खातों को देख पाना और उनमें राशि जमा करना, वेतन अपलोड़ सुविधा, स्मार्ट फोन के माध्यम से मोबाइल ओटीपी जनरेट करना, विभिन्न राज्यों के कर भुगतान की सुविधा, तत्काल भुगतान सुविधा (आईएमपीएस) अन्य महत्वपूर्ण सेवाएं जैसे भारत सरकार के पोर्टल e-biz.gov.in के साथ जोड़ना साइट्रस एण्ड पे टीएम पेमेंट सोल्यूशन प्रोवाइडर, कार्पोरेट ग्राहकों के शॉपिंग मॉल संव्यवहारों के लिए मार्कर/चेकर की शुरूआत भी की गई है. अपने ग्राहकों को कहीं भी बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंटरनेट बैंकिंग सुविधा सभी स्मार्ट फोन/टेबलेट्स पर उपलब्ध कराई गई है. इंटर्नेट बैंकिंग सुविधा कुल 16 ओवेरसीज़ टेरिटरीज़ यथा तंजानिया, युगांडा, केन्या, मारिशस, सेशल्स, बोत्सवाना, न्यूज़ीलैंड, यूईए, फिज़ी, यूके, ओमान, घाना, आस्ट्रेलिया, त्रिनिदाद एवं टोकियो, गुयाना और यूएसए में कार्यान्वित कर दी गई है. आपके बैंक द्वारा प्रायोजित सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में भी इंटरनेट बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराई गई है. इंटरनेट बैंकिंग में सुरक्षा व विश्वास बढ़ाने के लिए आपके बैंक के फ्रॉड मैनेजमेंट सोल्यूशन बहाल कर सुरक्षा को और पुख्ता कर दिया है. इसमें विश्लेषण पर आधारित स्टेप अप प्रमाणीकरण, ओटीपी, पुल ओटीपी, एसएमएस ओटीपी, क्यू एनए को इनेबल कर दो घटक प्रमाणीकरण भी शामिल है. आपके बैंक के कार्पोरेट ग्राहकों के लिए प्रमाणीकरण और उच्च मूल्य के इंटरनेट बैंक लेन-देन को अस्वीकार करने के लिए इंटरनेट के माध्यम से डिजिटल सर्टिफिकेट के प्रयोग की शुरुआत की है. आपके बैंक ने त्रिनिदाड एवं टोबैगो टेरिटिरी, जहां लेन-देन ई-बैंकिंग पर आधारित है, फ्रॉड मैनेजमेंट सॉल्यूशन कार्यान्वित किया है.

• मोबाइल बैंकिंग बड़ौदा एम कनेक्ट तथा आइएमपीएस

मोबाइल बैंकिंग का आपके बैंक में नई पीढ़ी तथा प्रौद्योगिकी से भलीभांति परिचित ग्राहकों की जरूरतों के अनुकूल बनाते हुए, इसकी पहचान और अनुभव को और बेहतर बनाते हुए तथा उपयोग में इसे अत्यंत सरल बनाते हुए इस सुविधा का कायाकल्प किया गया है. वैकल्पिक डिलीवरी चैनल के रूप में मोबाइल बैंकिंग प्लेटफार्म ग्राहकों को अनेक सुविधाएं यथा आइकॉन आधारित यूजर इंटरफेस, बैलेंस इंक्वायरी, मिनीस्टेटमेंट, निधिअंतरण, भुगतान रोकना, चेक स्टेटस अन्य सेवाएं प्रदान कर रहा है. मोबाइल बैंकिंग एप्लीकेशन सुविधा सभी आई फोन, ब्लेक बैरी, एंडरॉयड़ विंडो डिवाइस पर उपलब्ध कराई गई है.

पर्सन टू एकाउंट (पी2ए), मर्चेंट भुगतान (पी2एम), आधार कार्ड आधारित धनप्रेषण (पी2यू) को कवर करने के लिए तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) क्रियांवित की गई है. मोबाइल टॉप-अप/ डीटीएच टॉप-अप, बीमा प्रीमियम भुगतान, ऑनलाइन खरीददारी, काउंटर पर भुगतान, स्कूल/ कॉलेज/ यूनिवर्सिटी की फीस का भुगतान, आईएमपीएस - आईआरसीटीसी के प्रयोग से मोबाइल फोन के माध्यम से गैर इंटरनेट आधारित रेलवे टिकिट बुकिंग आदि के लिए **आईएमपीएस व्यापारी भुगतान (पी2एम)** आरंभ किया गया है. वर्तमान में आपका बैंक मोबाइल बैंकिंग के अंतर्गत ग्राहकों के उपयोग हेतु सरल तथा सुविधाजनक एनयूयूपी (नेशनल यूनिफाइड यूएसएसडी प्लेटफार्म) आरंभ कर रहा है.

मोबाइल प्लेटफार्म पर अन्य महत्वपूर्ण सुविधाएं यथा मोबाइल पासबुक (M-Passbook) शामिल की गई है ताकि ग्राहकों को अपने खाते की विवरणी देखने में सुविधा हो सके. इसके अलावा ग्राहकों को अपने खाते में शेष राशि की जानकारी एसएमएस पर उपलब्ध कराने के लिए 'मिस्ड काल' सुविधा उपलब्ध कराई गई है.

• ई-लॉबी

आपके बैंक ने ग्राहकों को दी जानेवाली सेवाओं का और बेहतर बनाने के उद्देश्य से अगली कड़ी के रूप में उनके लिए ई-लॉबियों की स्थापना कर एक और कदम आगे बढ़ाया है. स्वयंसेवा सुविधाओं यथा बंच नोट स्वीकार करने वाली मशीनों (बंच नोट एसेप्टर्स), कैश रिसाइकलर, स्वयंसेवा पासबुक प्रिंटर्स, चेक डिपाज़िट कियोस्क, मल्टी फंक्शन कियोस्क ऑन साइट/ऑफ़ साइट स्थलों पर स्थापित किए गए. ग्राहकों की सुविधा के लिए कार्ड तथा खाता क्रमांक के माध्यम से बंच नोट एसेप्टर में नकद राशि जमा करने की सुविधा प्रदान की गई. आनेवाले वर्षों में इस नेटवर्क को और व्यापक बनाने का लक्ष्य रखा गया है. आपके बैंक का देशभर में प्रमुख 1,000 शाखाओं में इन स्वयंसेवा डिवाइज़ की शुरुआत करने का प्रस्ताव है.

• एटीएम

भारत, यूएई, ओमान, मॉरिशस, फिज़ी, तंजानिया, बोत्सवाना, त्रिनिदाद एवं टोबेगो (टी एण्ड टी) तथा न्यूज़ीलैंड में एटीएम स्विच स्थापित किया गया है. भारत, ओमान तथा मारिशस में वीज़ा चिप आधारित कार्ड संबंधी कार्य पूर्ण हो गया है. आपके बैंक ने मारिशस तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर शेष सभी टेरीटरीज़ में डेबिट कार्ड मैनेजमेंट सिस्टम (डीसीएमएस) से कार्ड मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएस) में अपग्रेडेशन का कार्य पूर्ण कर लिया है. आपका बैंक ग्राहकों को कार्डों की त्वरित एवं सुनिश्चित निर्बाध डिलीवरी करने के लिए खाता खोलते समय ही काउंटर पर नॉन पर्सनलाइज़ड डेबिट कार्ड जारी कर रहा है वर्ष के दौरान आपके बैंक ने एक कार्ड से दूसरे कार्ड में अंतरण तथा डेबिट कार्ड तथा एटीएम से पिन से ई-कामर्स संव्यवहार की सुविधा प्रदान की है. अनेक ग्राहकोन्मुख सेवाएं यथा एटीएम से

एनईएफटी, एटीएम से धनप्रेषण, रुपे डेबिट कार्ड, रुपे पीओएस तथा रुपे केसीसी कार्ड, रुपे ई-कामर्स, ब्राउन लेबल एटीएम, इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी धारकों के लिए बीमा प्रीमियम राशि का संग्रहण, चेक बुक आवेदन, एटीएम से तत्काल भुगतान सेवा उपलब्ध हैं. दृष्टिबाधितों के लिए बोलनेवाले (टाकिंग) एटीएम स्थापित किए गए हैं. आपके बैंक ने प्रीपेड कार्ड, एटीएम से गिफ्ट कार्ड एवं जनरल परपस रीलोडेबल कार्ड, एटीएम के माध्यम से आधार कार्ड दर्ज करने के लिए रुपे चिप कार्डों का अंतर्राष्ट्रीय उपयोग करने, नकदी आहरण एवं बैलेंस इंक्वायरी के लिए समर्थ करने हेतु प्रमाणीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया है. उन्नत सुरक्षा एवं, भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुपालन के लिए चिप आधारित कार्डों की शुरुआत की गई है. इसके अलावा बिना कार्ड संव्यवहारों के प्रमाणीकरण के लिए भारत में एटीएम/पीओएस मशीनों में फ्रॉड प्रबंधन सोल्यूशन की व्यवस्था की गई. मध्यप्रदेश सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार समग्र रुपे डेबिट कार्ड तथा राजस्थान सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार भामाशाह रुपे डेबिट कार्ड से सम्बद्ध कार्य कार्यान्वित किया गया. एटीएम लेनदेन पर्ची क्षेत्रीय भाषाओं जैसे हिन्दी में प्रिन्ट हो रही है, गुजराती, मराठी, तमिल, मलियालम, तेलगू, कन्नड़ तथा बंगाली क्षेत्रीय भाषाओं के स्क्रीन चयन हेतु एटीएम में इनेबल किया गया है. यू. ए. ई., बीएसपी (बैंक साउथ पैसीफिक) फिजी हेतु इन्टरचेंज कार्यान्वित किया गया तथा चिप आधारित कार्ड भारत, ओमान, मॉरीशस के लिए कार्यान्वित किया गया. आपके बैंक ने सफलता पूर्वक अपने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में भी रुपे एटीएम तथा रुपे केसीसी कार्ड की शुरूआत कर दी है. ओमान, न्यूजीलैंड, फिजी के लिए डेबिट कार्डों की ऑनलाइन हॉट लिस्टिंग के लिए सफलतापूर्वक इनेबल किया गया. एटीएम प्रभारों की मेट्रो तथा गैर मेट्रो केंद्रों पर एकरूपता लोन के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक की अनिवार्यता को कार्यान्वित किया गया.

- **एसएमएस बैंकिंग**

उन ग्राहकों के लिए जो केवल सूचना आधारित बैंकिंग सेवाएं प्राप्त करना चाहते हैं, आपके बैंक ने बेलेंस इंक्वायरी, लघु विवरणी, पंजीकृत मोबाइल नं. से चेक की स्थिति जानने के लिए एसएमएमस बैंकिंग प्रांरभ की है. इस उत्पाद का प्रयोग करना बहुत ही आसान और इतना सरल है कि कोई भी ग्राहक किसी पंजीकरण प्रक्रिया के बिना भी इसका उपयोग करना प्रारंभ कर सकता है.

- **कान्टेक्ट सेंटर**

आपके बैंक ने कॉन्टैक्ट सेन्टर के माध्यम से बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए ग्राहकों का 360 डिग्री दृश्यावलोकन के लिए नई पहल के रुप में ग्राहक संबंध प्रबंधक कार्यान्वित किया है. मौजूदा/भावी ग्राहकों के लिए टोल फ्री नम्बर है (1800 22 344 तथा 1800 102 4455) जहां निम्मलिखित सेवाएं प्राप्त की जा सकती है.

- चेक बुक जारी करना
- उत्पाद एवं सेवाओं के बारे में जानकारी
- खाता संबंधी पूछताछ- बैलेंस, संव्यवहार, समाशोधन में राशि आदि
- एटीएम कार्ड की हॉट-लिस्टिंग
- भुगतान रोकना-मार्किंग/अनमार्किंग
- डेबिट कार्ड जारी करने हेतु अनुरोध
- डेबिट कार्ड पिन पुनः जारी करने हेतु अनुरोध
- ई-बैंकिंग उपयोगकर्ता की सहायता
- मोबाइल बैंकिंग पासवर्ड को पुनः जारी करना
- ऑनलाइन टी-पिन जारी करने की सुविधा (कागज रहित)
- आपके बैंक के उत्पादों और सेवाओं के बारे में मौजूदा ग्राहक/संभावित ग्राहकों को अन्य जानकारी भी उपलब्ध कराई जाती है.
- सीआरएम एप्लीकेशन को बिक्री कार्यालयों जैसे रिटेल लोन फैक्ट्री (आरएलएफ) और सिटी सेल्स ऑफिस (सीएसओ) से भी जोडा गया है. जिसमें ग्राहकों द्वारा संपर्क केंद्रों में उत्पाद संबंधी की गई पूछताछ के आधार पर लीड तैयार की जाती है और इन कार्यालयों में इसे अनुवर्ती कार्यवाही हेतु भेजा जाता है.
- आपके बैंक ने केंद्रों के माध्यम से वसूली की प्रक्रिया की व्यवस्था कर रहा है. जिसमें ग्राहकों को उनकी ईएमआई और देय राशि के बारे में सूचित किया जाता है. इससे ग्राहकों को देय तिथि पर ईएमआई/देय राशि जमा करने में सुविधा होती है.
- ग्राहकों के लिए ऑनलाइन मैसेजिंग (वेबचैट) की बैंक की वेबसाइट पर व्यवस्था की गई है तथा इसे कान्टेक्ट सेंटर एजेंटों द्वारा संचालित किया जा रहा है.
- समीक्षा अवधि के दौरान नई सेवाओं के लिए कांटेक्ट सेंटर द्वारा निर्गामी फोन काल्स की व्यवस्था की गई है.

भुगतान पद्धति

- आपके बैंक की सभी शाखाओं में आरटीजीएस और एनईएफटी के माध्यम से अंतर बैंक धनप्रेषण की सुविधा उपलब्ध है. आपके बैंक के इंटरनेट बैंकिंग पोर्टल में भी आरटीजीएस तथा एनईएफटी शुरु कर दी गई है. बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक दोनों में एनईएफटी तथा आरटीजीएस की सरल प्रक्रिया कार्यांवित कर दी गई है. आरटीजीएस एवं एनईएफटी सुविधा को यूगांडा में भी कार्यान्वित कर दिया गया है.
- व्यापारियों तथा इंटरनेट शॉपर्स को ऑनलाईन खरीददारी करने वालों के लिए सुरक्षित और संरक्षित खरीददारी के लिए डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड संबंधी इंटरनेट पेमेंट गेटवे बढ़ी संख्या में प्रदान किए जा रहे है.
- भारत में विदेशी मुद्रा कारोबार के लिए प्राधिकृत सभी शाखाओं और 22 विदेशी केंद्रों सहित विश्वभर में अंतर बैंक वित्तीय संप्रेषण के लिए स्विफ्ट सुविधा उपलब्ध है.
- भारत में सभी प्राधिकृत शाखाओं तथा 22 विदेशी केंद्रों में पेमेंट मेसेजिंग सॉल्यूशन (पीएमएस) लागू किया गया है. पीएमएम के माध्यम से सीबीएस द्वार स्विफ्ट मानकों के अनुरूप तैयार स्विफ्ट संदेशों की वैधता एवं फार्मेटिंग की सुविधा प्राप्त होती है और यह एएमएल जांच से भी गुजरता है.
- समीक्षाधीन वर्ष के दौरान चेक ट्रंकेशन सिस्टम (सीटीएस) के अंतर्गत आपके बैंक ने अतिरिक्त एमाएसीआर केन्द्रों को पश्चिमी ग्रिड (मुम्बई), उत्तरी ग्रिड (दिल्ली) तथा दक्षिणी ग्रिड (चेन्नै) के सम्बद्ध सी टी एस केन्द्रों में माइग्रेट कर दिया है.
- जमा व नामे दोनों प्रकार के संव्यवहारों के लिए राष्ट्रीय स्वचालित समाशोधन गृह (एनएसीएच) लागू किया गया है.
- न्यूजीलैंड टेरीटरी के लिए रेपिड फण्ड्स टू इंडिया कार्यान्वित कर दिया गया है.

ग्राहक केन्द्रित अन्य पहलें

- आपके बैंक ने बहुमूल्य ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप उच्च स्तरीय विशिष्ट रूप से निर्मित आईटी समर्थित उत्पादों तथा सेवाओं की शुरुआत की है. इसी तरह अन्य उत्पाद तथा सेवाएं जैसे आरबीआई इन्फ्लेशन इंडेक्स्ड बॉण्ड, अधिक मात्रा में गिफ्ट कार्ड जारी करना, डेबिट कार्ड तथा पिन मेलर को सीधे ग्राहक के पास प्रेषित

करना, एक्सचेंज हाऊस के लिए धन अंतरण सेवा योजना के तहत धन प्रेषण आदि भी कार्यान्वित की गई है.

- नकदी प्रबंधन प्रणाली टू फैक्टर प्रमाणीकरण के साथ एक पूर्णतः वेब आधारित नकदी प्रबंधन सॉल्यूशन है जो आपके बैंक के ग्राहकों के लिए प्रारंभ की गई है, इसमें रसीद प्रबंधन (वसूली), भुगतान प्रबंधन तथा इनवायस प्रबंधन (प्राप्य और देय प्रबंधन) जैसी सेवाएं शामिल हैं.
- आपके बैंक द्वारा रिटेल के साथ-साथ कार्पोरेट ग्राहकों के लिए रिटेल डिपोजिटरी सेवाएं उपलब्ध कराई गई है. एक केंद्रीयकृत डिपोजिटरी एप्लीकेशन के साथ शाखाएं एनसीडीएल तथा सीडीएसएल दोनों को डिपोजिटरी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तैयार की गई हैं. ऑनलाइन ट्रेडिंग प्रणाली के साथ, आपका बैंक ग्राहकों को इक्विटी म्यूचुअल फण्ड, बांड तथा इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) जैसे लिखतों में व्यवसाय करने के लिए सभी सेवाएं ऑनलाईन उपलब्ध कराने में समर्थ होगा.
- आपके बैंक के डेबिट कार्ड परिचालन में सहयोग एवं व्यापक प्रबंध व्यवस्था/प्रबंधन उपलब्ध कराने के लिए देशीय तथा अंतर्राष्ट्रीय परिक्षेत्रों में डेबिट कार्ड मैनेजमेंट सिस्टम (DCMS) को PA - DSS कम्प्लायर सोल्यूशन कार्ड मैनेजमेंट सिस्टम (CMS) में अपग्रेड किया गया है.
- बाबकार्ड्स तथा कांटेक्ट सेंटरों में डेबिट कार्डों को ऑन लाइन हॉट लिस्टिंग इनेबल किया गया है.
- आपके बैंक ने ग्राहकों के सरकार द्वारा नियंत्रित एजेंसियों तथा कम्पनी मामलों संबंधी मंत्रालय के लिए भुगतान अनुरोध (आइएफटी तथा एनएफटी) स्वीकार करने के लिए EBIZ सरकारी पोर्टल के साथ सहबद्धता का कार्य पूर्ण कर लिया है. वित्त मंत्रालय, चंडीगढ़ प्रशासन की आवश्यकताओं के अनुरूप कर तथा गैरकर राजस्व स्वीकार करने के लिए चंडीगढ़ के इ-ग्रास पोर्टल को भी ई-बैंकिंग से जोड़ दिया गया है. भारत सरकार के लिए इलेक्ट्रानिक डाटा एक्सचेंज (इडीआई) पैकेज, कस्टम हाउस की सीबीएस के साथ ऑनलाइन सहबद्धता का कार्य पूर्ण हो गया है.
- आपके बैंक ने आधार कार्ड आधारित भुगतान जैसे प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी), इलएक्ट्रानिक लाभ अंतरण (ईबीटी) आधार भुगतान ब्रिज प्रणाली (एपीबीएस)के तहत प्रत्यक्ष लाभार्थी अंतरण तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी अधिनियम (एमजीनरेगा) के वेतन भुगतान के लिए पहल की है.
- वित्तीय समावेशन के तहत खोले गए खातों के मामले में आधार नंबर पर आधारित पीओएस मशीनों से संव्यवहार करने के लिए आधार समर्थित भुगतान प्रणाली (एईपीएस). वित्त मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुरूप ग्राहकों को एलपीजी पहचान को तेल निर्माता कंपनी से लिंक करने को लागू कर दिया है.
- एनपीएस, एनपीएसलाइट (आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को उनके बुढ़ापे के दौरान उनका भविष्य सुरक्षित करने के लिए वित्तीय सुरक्षा उपलब्ध कराने की योजना), एनआरआई के लिए एमजीपीवाई लागू की गई.
- ऑनलाइन व ऑफलाइन संव्यवहारों तथा खाता खोलने की प्रक्रिया के लिए आईटी ढांचे को विकसित किया गया है. यह कार्य व्यवसाय प्रतिनिधियों द्वारा किया जाता है. इस प्रकार यह वित्तीय समावेशन समर्थित भी है.
- आपके बैंक की बाजार पर पैठ बनाने के प्रयोजन से ग्राहकों से लगातार फीडबैक लेने के लिए एक ऑनलाइन ग्राहक सर्वे पोर्टल विकसित किया गया है. ऑनलाइन पोर्टल ग्राहकों/ विजिटर्स के लिए लॉगइन करने तथा उनके फीडबैक/ सुझाव/ शिकायतों की स्थिति को देखने के लिए बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध है.
- समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न नवोन्मेषी प्रयास यथा बायोमेट्रिक तथा आधार नम्बर के माध्यम से ई के वाय सी, सरलीकृत खाता खोलने संबंधी प्रक्रिया, एटीएम ट्राजेंक्शन पूल खाता ट्रांसफर/कैश लोडिंग प्रविष्टियों के लिए अलग माड्यूल, आईटी पेमेंट सिस्टम, पीपीओ के लिए डाक्यूमेंट मैनेजमेंट सिस्टम तथा सिक्योरिटी फार्मों के लिए ऑन लाइन मांग सूची प्रारम्भ किए गए.
- वैकल्पिक डिलिवरी चैनलों के माध्यम से किए गए सभी ट्रांजेक्सनों के लिए तथा निर्धारित सीमा से अधिक की सभी सीबीएस ट्रांजेक्सनों के लिए आपके बैंक ने अपने ग्राहकों को एसएमएस अलर्ट भेजने की सुविधा भी शुरु की है. आपके बैंक ने अपने ग्राहकों को एसएमएस अलर्ट भेजने की सुविधा प्रारम्भ की है. वर्सः के दौरान डेबिट कार्ड की हॉट लिस्टिंग, इनवर्ड क्लीयरिंग चेक, ग्राहकों को जन्मदिन की शुभकामनाओं, अपर्याप्त शेष राशि के कारण एनपीसीआई, एटीएम/पीओएस संव्यवहारों तथा फार्म 15जी /15एच के प्रस्तुतिकरण के संबंध में एसएमएस भेजने की व्यवस्था कर दी गई है. खाता खोलना, खाता सक्रिय करना, ऋण खातों में ब्याज दर में परिवर्तन, ऋण खातों में किस्त देय / अतिदेय का नोटिस, चेक बुक भेजने (डिलीवरी विवरण के साथ), चेक अस्वीकृत होने, एफडी परिपक्वता का नोटिस, ग्राहक को केवायसी अनुपालना के लिए नोटिस, आधार लिंक/डिलिंक के समय नोटिस, संभावित निष्क्रिय खाते का नोटिस, खाते के निष्क्रिय होने के समय नोटिस जैसे गैर-वित्तीय कार्यों के लिए भी ग्राहकों को एसएमएस अलर्ट भेजे जाते हैं.

  आपके बैंक ने कार्पोरेट ग्रहकों के लिए उच्च मूल्य के लेन देनों के लिए तथा समाशोधन में चेको के प्रस्तुतीकरण पर इ-मेल अलर्ट्स भेजना शुरु किया है.

सहायक सेवाएं

- परिचालन की लागत को कम करने तथा बेहतर निधि प्रबंधन के लिए यूके, यूएई, बहामास, बहरीन, हांगकांग, सिंगापुर, बेल्जियम तथा भारत में इंटीग्रेटिड ग्लोबल ट्रेजरी सोल्यूशन क्रियांवित किया गया है.
- आपके बैंक द्वारा दी जा रही सेवा में सुधार करने के लिए, बैक ऑफिस कार्य को सिटी बैक ऑफिस तथा क्षेत्रीय बैक ऑफिस में केन्द्रीयकृत किया गया है. वर्तमान में आपके बैंक में 80 सिटी बैक ऑफिस तथा 13 क्षेत्रीय बैक ऑफिस हैं. वैयक्तिक चेक बुक जारी करने के कार्य को केन्द्रीयकृत किया गया है. आपके बैंक ने केन्द्रीयकृत एफसीएनआर परिचालन भी शुरु किया है.
- बेहतर एवं शीघ्र ग्राहक सेवा देने के लिए आपके बैंक ने अपने लोन प्रोसेसिंग (रिटेल, कृषि, एसएमई) मॉडयूल को पूर्ण रूप से स्वचालित किया है. आपका बैंक आवास ऋण, वाहन ऋण तथा शिक्षा ऋण के लिए सिंगल क्लिक पर ऑनलाइन लोन एप्लीकेशन भी उपलब्ध कराता है. ऑनलाईन रिपोर्ट तथा स्केनिंग के लिए लैपस-सिबिल इंटरफेस को कार्यान्वित किया. लोन ट्रैकिंग सिस्टम तथा रिपोर्टिंग को भी कार्यान्वित किया गया है.
- स्टाफ के लिए कम्यूनिटी क्लाउड में न्यू लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम की शुरुआत ई-लर्निंग पहल के रुप में की गई है.

- आपके बैंक ने बार्ड / स्टीयरिंग कमिटी की बैठक को पेपरलैस बैठकों के संचालन के लिए ई-बोर्ड एप्लीकेशन कार्यान्वित किया है.
- इंटरप्राइज वाइड जीएल सोल्यूशन क्रियांवित कर दिया गया है. यह आपके बैंक को व्यवसाय विकास में नीतिगत निर्णय लेने के इनपुटों के विविध प्रकार उपलब्ध कराता है तथा इंटरप्राइज वाइड समेकित रिपोर्ट जनरेट करता है.
- भारत में आपके बैंक के सभी कार्यालयों में केन्द्रीयकृत पेरोल, वेतन मॉडयूल, ई-टीडीएस मॉडयूल तथा छुट्टी मॉडयूल को क्रियांवित किया गया है.
- निर्णय लेने, पदोन्नति एवं चयन प्रक्रियाओं को सरल करने तथा अन्य एचआर प्रक्रियाओं को स्वचालित करने के लिए बैंक कर्मचारियों का एक केन्द्रीयकृत डेटाबेस तैयार करने के प्रयोजन से कर्मचारी सेवाओं के लिए मानव संसाधन नेटवर्क कार्यान्वित किया गया है.
- आपके बैंक ने अपनी व्यवसाय रणनीति के रूप में लचीली तथा समुचित सूचना प्रदान करने के लिए डाटा वेयर हाउस, तथा बेहतर ग्राहक दृश्यावलोकन तथा एकसमान ग्राहक पर्यवेक्षण के लिए कस्टमर रिलेशनशिप मेनेजमेन्ट भी शुरू किया है. यह ऑटोमेटेड डाटा फ्लो को सुविधाजनक बनाता है.
- आपके बैंक ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान बडे ऋणों के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक के सेंट्रल रिपोस्ट्री सूचना व्यवस्था, डेटा विश्लेषण एवं माईनिंग-ग्राहक वर्गीकरण को लागू किया है.
- विनियामक अनुपालना के लिए धनशोधन निवारण (एएमएल) को भारत में तथा 22 विदेशी केन्द्रों में क्रियान्वित किया गया. आपके बैंक ने जोखिम प्रबंधन सोल्यूशन को क्रियान्वित किया है. आपके बैंक ने अपने प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में भी एएमएल सोल्यूशन को क्रियांवित किया है.
- वर्ष के दौरान विभिन्न नई विनियामक आवश्यकताओं यथा एसएमएस ई-बैंकिंग जैसे विभिन्न चैनलों से आधार सीडिंग, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण से आधार सम्बधी विवरण का सत्यापन बड़ी संख्या में आधार विवरण भरना , ओएफएसएए आदि के आस्ति देयता प्रबंधन आदि की शुरुआत की गई.

सूचना सुरक्षा

प्रौद्योगिकी से संबंधित खतरों के मद्देनजर समीक्षाधीन वर्ष के दौरान एक सुदृढ़ सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली कार्यान्वित की गई है. बैंक ने अपने कोर बैंकिंग सोल्यूशन तथा अन्य सभी एप्लीकेशनों, साथ ही डाटा सेंटर / डिजास्टर रिकवरी सेंटर इंफनस्ट्रक्चर का बाहरी एजेंसियों से ऑडिट कराया है. शाखाओं में सीबीएस लॉगिन के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन शुरु किया गया है.

आपके बैंक ने उन्नत सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा (एसओसी) के लिए एक सुरक्षा परिचालन केंन्द्र (एसओएस) स्थापित किया है. आपके बैंक का डाटा सेंटर और डिजास्टर रिकवरी सेंटर दोनों ही आईएसओ 27001 द्वारा प्रमाणित हैं.

इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम तथा पीओएस के लिए आपके बैंक ने फ्रॉड मैनेजमेंट सोल्यूशन कार्यांवित किया है. इंटरनेट बैंकिंग में सुरक्षा और विश्वास बढ़ाने के लिए आपके बैंक ने, दोहरे प्रमाणीकरण सहित फ्रॉड मैनेजमेंट सोल्यूशन भारत में तथा 13 विदेशी केन्द्रों पर आरंभ किया है और इसे एआरसीओटी ओटीपी, पीयूएलएल ओटीपी तथा एसएमएस ओटीपी द्वारा इनेबल किया है.

आपके बैंक ने एक्सटर्नल फेसिंग एप्लीकेशन, ई-बैंकिंग, मेल मेसेजिंग, सीएमएस, आईपीजी इत्यादि की नियमित वीएपीटी (संवेदनशीलता मूल्यांकन एवं पेनिट्रेशन जांच) कराई है.

आपके बैंक ने ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए शाखाओं में हो रहे संदिग्ध संव्यवहारों की दिन-प्रतिदिन निगरानी के लिए फ्रॉड जोखिम प्रबंधन प्रणाली क्रियान्वित की है.

जब साइबर अटैक ज्यादा अप्रत्याशित हो गए है, तथा इलेक्ट्रोनिक भुगतान पद्धति पर आक्रमण नए तरीके से दुरुपयोग हो रहा है, बैंको के लिए यह जरुरी है कि वे कतिपय न्यूनतम जांच शुरू करें ताकि ऐसे आक्रमणों का प्रभाव न्यूनतम किया जा सके, तथा कम से कम हानि / नुकसान हो सके.

नुकसान को न्यूनतम करने के लिए आपके बैंक ने निम्नलिखित अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए हैं जिन्हें शीघ्र ही आरंभ किया जाएगा.

- आपके बैंक ने कार्ड से किए जाने वाले संव्यवहारों के लिए जोखिम को कम करने के उपाय के रूप में भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों को क्रियान्वित किया है.
- सभी नए डेबिट तथा क्रेडिट कार्ड घरेलू उपयोग के लिए जारी किए जाएंगे, जब तक कि ग्राहक द्वारा विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय उपयोग के लिए मांगा नहीं जाए.
- आपका बैंक मौजूदा मैगस्ट्रिप कार्डों को ईएमवी चिप कार्ड में परिवर्तित करेगा.
- आपका बैंक पिन समर्थित पीओएस आरंभ करेगा.
- आपके बैंक ने कार्पोरेट इन्टरनेट बैंकिंग में लॉग-इन तथा संव्यवहार हेतु डिजीटल सिग्नेचर इनेबल किया है, ताकि कार्पोरेट ग्राहकों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान की जा सके.

ई-बिजनेस

वर्ष के दौरान ट्रांजेक्शन बैंकिंग विभाग ने वैकल्पिक डिलिवरी चेनलों/ग्राहक सम्पर्क सुविधाओं का विस्तार किया है उनकी उपलब्धता को बढ़ाया है और ग्राहकों को स्तरीय सेवाएं प्रदान करने सम्बधी समग्र स्थिति को बेहतर बनाया है. नई बड़ौदा नॉन स्टाप ई-लॉबीज एटीएम, कैश रिसाइकलर्स, पासबुक प्रिंटर्स तथा मल्टी फंक्शन कियोस्क जोड़ते हुए आधारभूत ढ़ांचे को और मजबूत किया गया है इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, एनइएफटी, डेबिट कार्ड, प्रीपेड कार्ड आदि जैसी सेवाओं को बेहतर सेवा डिलीवरी, परिचालनगत लागत को और कम करते हुए तथा ग्राहकों की सुविधाओं को बढ़ाते हुए इनमें और सुधार किया गया है.

श्री रंजन धवन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी कोडाम बवकम,चेन्नै मेट्रो क्षेत्र में ई-लॉबी का शुभारंभ करते हुए.

वित्तीय वर्ष 15 के दौरान कार्यनिष्पादन की विशेषताओं का नीचे उल्लेख किया गया है.

❖ **बड़ौदा नॉन स्टाप लॉबीज (ई-लॉबीज)**

विवरण	31/03/2014	31/03/2015	वर्ष के दौरान नई खोली गई
बड़ौदा नॉन स्टाप लॉबीज़ की संख्या	45	151	106

- बड़ौदा नॉन स्टाप लॉबीज़ जिनमें पांच स्वयं सेवा मशीनें यथा कैश रिसाइकलर, एटीएम, मल्टी फंक्शन कियोस्क, पासबुक प्रिंटर तथा डिजिटल साइनेज सिस्टम सेवाएं उपलब्ध हैं. 24 x 7 रुटीन बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए स्थापित इन लॉबीज से बैंक की बेहतर उपस्थिति दर्ज हो रही है.
- इन लॉबीज को ग्राहकों तथा स्टाफ सदस्यों से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है.

❖ **एटीएम लगाना तथा डेबिट कार्ड जारी करना**

विवरण	31.03.2014	31.03.2015	वर्ष के दौरान वृद्धि
परिचालित एटीएम की संख्या	6,254	8,030	1,776
जारी डेबिट कार्डों की संख्या (लाख में)	121.90	225.64	103.74

- समीक्षाधीन वर्ष में आपके बैंक ने डेबिट कार्ड की तीन विधाएं, रुपे प्रधानमंत्री जन-धन योजना डेबिट कार्ड, मध्य प्रदेश सरकार की समग्र रुपे डेबिट कार्ड, राजस्थान सरकार की भामाशाह रुपे डेबिट कार्ड प्रारंभ की हैं.
- गुजरात के सभी एटीएम में बिजली के बिलों के भुगतान (गुजरात ऊर्जा बिल भुगतान सेवा) संबंधी नई सेवा की शुरुआत की गई है.

- **कैश रिसाइकलर्स/बंच नोट एक्सेप्टर (बीएनए)**

विवरण	31.03.2014	31.03.2015	वर्ष के दौरान वृद्धि
स्थापित कैश रिसाइकलर्स/ बंच नोट एक्सेप्टर	100 (बीएनए)	390	290

- आपके बैंक ने 20 जुलाई 2014 को देश में प्रथम कैश रिसाइकलर की शुरुआत की.
- कैश रिसाइकलर मशीन से बैलेंस इंक्वायरी, मिनी स्टेटमेंट तथा पिन बदलने संबंधी सुविधा के अलावा कैश जमा और आहरित किए जाने की सुविधा उपलब्ध है.
- कैश रिसाइकलर मशीनें रिटेल तथा व्यावसायिक ग्राहकों दोनों में लोकप्रिय हैं चूंकि इनका परिचलान आसान और 24X7 उपलब्ध है.

❖ **सेल्फ सर्विस पासबुक प्रिंटर्स**

विवरण	31.03.2014	31.03.2015	वर्ष के दौरान वृद्धि
स्थापित की गई सेल्फ सर्विस पासबुक मशीनें	1,200	2,300	1,100
जारी की गई मैगनेटिक स्ट्रिप की संख्या (लाख में)	8.23	65.67	57.44

- यह सुविधा ग्राहकों की जरुरतों के अनुरुप सरल और कारगर होने के कारण ग्राहकों के प्रत्येक वर्ग में प्रचालित है, इसमें पासबुक अपडेशन की ऑनलाइन सुविधा है.
- स्वयं सेवा पासबुक प्रिंटर्स सभी मेट्रो तथा शहरी शाखाओं में उपलब्ध कराए गए हैं. इन्हें ऐसी अर्द्धशहरी और ग्रामीण शाखाओं में भी उपलब्ध कराया गया है जहां लोग अधिक आते हैं.

❖ **इंटरनेट बैंकिंग (बड़ौदा कनेक्ट)**

विवरण	31.03.2014	31.03.2015	प्रतिशत वृद्धि
प्रयोक्ताओं की संख्या (लाख में)	13.68	17.08	24.85
सहबद्ध खातों की संख्या (लाख में)	61.79	81.23	31.46

- बड़ौदा कनेक्ट में कई नई सेवाएं जिनमें आइएमपीएस का इस्तेमाल करते हुए निधि अंतरण, आवर्ती जमा के लिए ऑनलाइन आवेदन, पीपीएफ खाते में निधि अंतरण, बैलेंस देखना तथा पीपीएफ खाते की विवरणी, ग्राहक के रजिस्टर्ड मोबाइल हैण्डसेट पर स्वयं ओटीपी जनरेट करने की सुविधा आदि शामिल है, समाहित की गई है.

❖ **मोबाइल बैंकिंग**

विवरण	31.03.2014	31.03.2015	प्रतिशत वृद्धि
रजिस्ट्रेशनों की संख्या (लाख में)	12.95	27.12	109.42
कुल टर्नओवर	46,525	2,91,527	526.60
औसत संव्यवहार प्रतिदिन	16,822	49,500	194.25

- बेहतर यूजर अनुभव, उन्नत निधि अंतरण तथा मोबाइल टॉपअप सुविधाओं से युक्त एक नई आईकान पर आधारित एप्लीकेशन प्रारंभ की गई.
- आम जनता के लिए नेशनल यूनिफाइड यूएसएसडी प्लेटफार्म सेवा की शुरुआत की गई.

❖ **मल्टी फंक्शनल कियोस्क**

विवरण	31.03.2014	31.03.2015	वर्ष के दौरान वृद्धि
परिचालित किए गए मल्टी फंक्शनल कियोस्क की संख्या	-	122	122

- मल्टी फंक्शनल कियोस्क सहज प्रयोग विकल्पों के साथ सीटीएस इंटिग्रेशन में चेक जमा करने, निधि अंतरण, बिल भुगतान, इंटरनेट बैंकिंग तथा सूचना सेवाओं की सुविधा प्रदान करता है. यह प्रयोक्ताओं के लिए एक आकर्षक विकल्प है.

❖ **इंटरनेट पेमेंट गेटवे**

विवरण	31.03.2014	31.03.2015	प्रतिशत वृद्धि
कुल टर्नओवर (रु. करोड़ में)	118.33	299.55	153.15
लाभ (रु. लाख में)	130.02	183.43	41.08

- आपके बैंक का नामांकित व्यापारियों के ग्राहकों को अतिरिक्त भुगतान विकल्प के रुप में प्रमुख बैंकों की नेट बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने

के लिए दो भुगतान संग्रहकों- साइट्रस पेमेंट सोल्यूशनस प्रा.लि. तथा पेटीएम के साथ टाइअप है.

❖ **कान्टेक्ट सेंटर**

विवरण	31.03.2014	31.03.2015	सुधार प्रतिशत में
एजेंटों द्वारा फोन कॉल अटेंड करना (लाख में)	55.98	69.32	26.08

- आपके बैंक के कान्टेक्ट सेंटर में एजेंटों द्वारा अटेंड की जाने वाली औसत फोन कॉल संख्या बढ़कर 26,000 प्रतिदिन से अधिक हो गई है.
- कान्टेक्ट सेंटर के माध्यम से प्रारंभ की गई नई सुविधाओं में नेट आधारित ग्राहकों की पूछताछ का वेब चैट के माध्यम से समाधान बर्हिगामी फोन कॉल्स, एटीएम/पीओएस मशीनों के लिए धोखाधड़ी जोखिम मॉनिटरिंग शामिल है.

❖ **एनईएफटी/आरटीजीएस**

विवरण	एनईएफटी		आरटीजीएस	
	31.03.2014	31.03.2015	31.03.2014	31.03.2015
कुल आवक संव्यवहार (लाख में)	281.39	404.34	27.05	31.55
कुल जावक संव्यवहार (लाख में)	97.76	104.68	32.67	37.01

❖ **बड़ौदा कैश मैनेजमेंट**

विवरण	31.03.2014	31.03.2015	प्रतिशत वृद्धि
संव्यवहारों की संख्या (लाख में)	47.06	64.14	36.29
टर्नओवर (करोड़ में)	27,388	31,262	14.14
आय (करोड़ में)	1.31	1.58	20.61

- **गिफ्ट कार्ड**
- आपके बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष के दौरान जारी गिफ्ट कार्डों की संख्या 53,124 थी.
- जारी किए गिफ्ट कार्डों की कुल मूल्य राशि रु. 20.16 करोड़ थी.
- वर्ष के दौरान रु. 141.27 लाख का लाभ अर्जित किया गया.
- **बड़ौदा ट्रेवल इज़ी कार्ड**
- वर्ष के दौरान जारी किए गए ट्रेवल इज़ी कार्डों की संख्या 1072 थी.
- जारी किए इन कार्डों की कुल मूल्य राशि रु. 24. 61 करोड़ थी.
- अर्जित लाभ रु. 46.75 लाख था.
- **डिपॉजिटरी परिचालन**
- आपके बैंक ने डिपॉजिटरी परिचालन के तहत वर्ष के दौरान 946 खाते खोले.

वित्तीय वर्ष 15 के दौरान ई-बिजनेस अन्य पहलें

- आपके बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए उनके खाते का शेष जानने के लिए 'मिस्ड कॉल' सुविधा प्रारंभ की है. मौजूदा औसत कॉल लगभग 1,21,000 प्रतिदिन है.
- इलेक्ट्रानिक संव्यवहारों यथा इसीएस, एपीबीएस,डीबीटीएल संव्यवहारों को प्रोसेस करने के लिए बैंक में एक नया प्लेटफार्म नेशनल ऑटोमेटिड क्लीयरिंग हाऊस क्रियान्वित किया गया है.
- ग्राहकों को ई-उत्पादों/सेवाओं तथा संबद्ध सुरक्षा उपायों के लिए शिक्षित एवं अपडेट करने के लिए आपके बैंक ने ग्राहकों को लगभग 1.50 करोड़ शिक्षा एवं जागरुकता से जुड़े एसएमएस भेजे हैं.
- बैंक के उत्पादों तथा सेवाओं को आकर्षक रुप में प्रचारित करने के लिए देश भर में ई-लॉबीज तथा ऐसी शाखाओं जहां बड़ी संख्या में लोग आते हैं, 400 बड़े आकार के एलइडी लगाए गए हैं. इन एलइडी पर डिस्पले की जाने वाली सामग्री का ट्रांजेक्शन बैंकिंग विभाग द्वारा चयन एवं प्रसारण किया जाएगा.
- आपके बैंक ने वैकल्पिक डिलीवरी चैनलों का प्रचार प्रसार टीवी, रेडियो, समाचार पत्रों, मूवी थियेटर तथा प्रमुख स्थानों पर लगे होर्डिंग जैसे अनेक माध्यमों से किया है. इसके अलावा सभी डिलीवरी चैनलों के लिए श्रव्य एवं दृश्य प्रेजेन्टेशन तैयार किए गए है और उन्हें ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए अंचल/क्षेत्रों को भी भेजा गया है.

वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए प्रस्तावित नई पहलें

- 100 और बड़ौदा नॉन स्टॉप लॉबीज़ की स्थापना.
- एटीएम तथा कैश रिसाइकलर्स की संख्या बढ़ाकर 31.03.2016 तक क्रमशः 10000 तथा 2500 करना.
- मल्टी फंक्शनल कियोस्क का विस्तार तथा इनकी संख्या 1000 तक पहुंचाना.
- स्वयं सेवा पासबुक प्रिंटर्स की संख्या बढ़ाकर 3000 करना.
- डेबिट कार्ड के दो नए प्रारुपों की शुरुआत.
- कार्ड से कार्ड निधि अंतरण, डेबिट कार्ड तथा एटीएम पिन के माध्यम से रेलवे टिकिट बुकिंग, एसएमएस के माध्यम से डेबिट कार्ड ब्लाकिंग जैसी मूल्य वर्धित सेवाएं प्रारंभ करना.
- इसीएस से एनएसीएच प्लेटफार्म में माइग्रेशन.

मानव संसाधन - व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए सक्षमता एवं जोश पैदा करना

श्रीमती विंध्या रमेश, महाप्रबंधक (मा.सं.प्र.) ने मुंबई में बैंकिंग फ्रंटियर वर्क प्लेसेज अवार्ड्स 2014 द्वारा बैंक को प्रदत्त सर्वोतम एच आर एवं टैलंट प्रैक्टीसेज अवार्ड प्राप्त किया.

आपके बैंक की सफलता एवं इसका चहुंमुखी विकास, बैंक में विद्यमान विभिन्न आस्तियों के परिणामस्वरूप है. इनमें से सबसे महत्वपूर्ण है इसकी मानव पूंजी - इसमें कार्य करने वाले कर्मचारी, जिन्होंने बैंक को वृद्धि के माध्यम से व्यापक परिप्रेक्ष्य में नई ऊंचाइयों पर पंहुचाया है.

आपके बैंक के पास 49,000 कुशल एवं योग्य कर्मचारियों के रूप में एक बड़ी श्रम शक्ति है, **जो चिंतन, ध्यान तथा सक्षमता के माध्यम से हितधारकों के मूल्य संवर्धन** के लिए सदैव प्रतिबद्ध है.

अपनी उत्कृष्टता के इस सफर में ऊंचाइयों पर पहुंचने की सभी हितधारकों की बड़ी आकांशाओं और बडे सपनों को पूरा करने का उत्तरदायित्व आपके बैंक ने लिया है, यह वास्तव में आपके बैंक की **मानव शक्ति** ही है जिसने यह संभव किया है.

आपके बैंक के निरंतर विकास के लिए इस पूंजी का महत्व समझने के लिए जहां एक तरफ तो बड़ी संख्या में सेवानिवृत्ति, प्रतिभावान लोगों की व्यापक भर्ती, बड़ी मात्रा में प्रशिक्षण आवश्यकताएं, उच्च उत्पादकता के लिए लगातार नई योजनाएं एवं उन्हें लागू करने जैसी बहुत सी चुनौतियां हैं, वहीं दूसरी तरफ आपके बैंक ने हाल ही में और मुख्यतः वित्तीय वर्ष-14 में मानव संसाधन के क्षेत्र में बहुत सारी पहलें की हैं.

भर्ती, पदोन्नति, तैनाती इत्यादि जैसी नियमित मानव संसाधन गतिविधियों के अलावा आपके बैंक में व्यापक एवं बेहद सुगठित मानव संसाधन प्रोजेक्ट के सम्पूर्ण विस्तार के अंतर्गत मानव संसाधन संबधी नये संशोधन/ सुधार प्रारम्भ करने का कार्य किया गया है. कुछ मुख्य सुधार निम्नलिखित हैंः

1. **मानव संसाधन से जुड़ी सेवाएं सीपीसी की शुरूआतः** विभिन्न मानव संसाधन कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु अपेक्षित, ध्यान केन्द्रीत करने एवं दक्षता लाने के लिए एक संशोधित मानव संसाधन ढांचा तैयार किया गया है. इसके अंतर्गत एक मानव संसाधन से जुड़ी सेवाएं सीपीसी का गठन किया गया है. जिसके माध्यम से रूटीन मानव संसाधन दावे जो अभी तक शाखाओं, क्षेत्रीय कार्यालयों, अंचल कार्यालयों के द्वारा निष्पादित किये जाते थे, उन्हें केन्द्रीकृत किया गया है, जिसके कारण मानव संसाधन प्रशासन में अद्भुत दक्षता आई है. इसने विषेश कर निम्न कार्यों को सफल बनाया हैः

- मानव संसाधन के समय को विकास एवं कार्योन्मुखी गतिविधियों के लिए बचाया है
- प्रतिपूर्ति आदि से संबंधित लागू नियमों को एकसमान अर्थघटन करते हुए लागू करना एवं असमानताओं को पूरे बैंक में दूर करना. प्रतिपूर्ति दावों के निष्पादन संबंधित असमानताओं को दूर करते हुए पूरे बैंक में वर्तमान नियमानुसार एकसमान प्रस्तुतीकरण को संभव बनाया है.
- दावों के निष्पादन हेतु तीव्र - "टर्न अराउंड टाइम" - दावे की प्राप्ति के 48 घंटे में निष्पादन.

पेरोल में ऑनलाइन लाभ/दावा माड्यूल को सक्रिय करना

कर्मचारियों के लिए विभिन्न अनुलाभों/भत्तों के दावों जिनका निष्पादन पहले मैनुअल रूप से किया जाता था उनका आपके बैंक की पेरोल प्रणाली से ऑनलाइन एवं मानव संसाधन सेवाएं सीपीसी में केन्द्रीकृत की गई हैं.

2. **मानव संसाधन प्रशासनिक कार्यकुशलता को सुधारने के लिए विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी टूल्स का कार्यान्वयन**

   विभिन्न शाखाओं/इकाईयों में वैज्ञानिक आधार पर स्टॉफ बल की आवश्यक्ता का पता लगाने के लिए मानवशक्ति आयोजना संबंधित निर्णयों - भर्ती, पोस्टिंग, ट्रांसफर एवं पदोन्नति की प्रक्रिया को आसान बनाया है.

3. **ऑनलाइन कार्यनिष्पादन प्रबंधन माड्यूल कार्यान्वित**

   सिस्टम को अधिक सुदृढ़, वस्तुनिष्ठ एंव तीव्र बनाने के लिए वर्ष 2014-15 से अधिकारियों के लिए कार्यनिष्पादन प्रबंधन प्रणाली ऑनलाइन माध्यम में उपलब्ध कराई गई.

4. **नई भर्ती हेतु ढ़ांचागत ऑन-बोर्डिंगः**

   आपके बैंक में एक बड़ी संख्या में नई भर्तियों को ध्यान में रखते हुए एक ढ़ांचागत ऑन-बोर्डिंग कार्यक्रम संचालित किया गया है. इस कार्यक्रम का उद्देश्य नए भर्ती अधिकारियों एंव कर्मचारियों को व्यवहारिक एवं सांस्कृतिक ऑन-बोर्डिंग प्रशिक्षण देते हुए उन्हें सुखद कार्यग्रहण अनुभव के साथ-साथ कार्य के लिए तेजी से तैयार करना है. अधिकारियों के लिए यह ऑन-बोर्डिंग 6 माह का है एवं विशेषज्ञों के लिए क्षेत्र विशेषज्ञता के आधार पर 7-8 सप्ताह का, लिपिक वर्ग के लिए 2 सप्ताह के लिए होता है.

5. **कर्मचारियों के लिए व्यापक कार्यनिष्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना का शुभारंभः**

   बैंक द्वारा सभी कर्मचारियों एवं इकाईयों को अपनी परिधि में शामिल करते हुए व्यापक कार्यनिष्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना बनाई गई है. इस योजना में आपके बैंक की 25% श्रेष्ठतम कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं/इकाईयों में कार्य करने वाले 25% कर्मचारियों को प्रोत्साहन राशि के भुगतान का प्रावधान किया गया.

   कार्यनिष्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना पूर्ववर्ती प्रभाव 2012-13 से लागू की गई. दिनांकः 30 जून 2014 तक वर्ष 2012-13 के लिए सभी पात्र स्टॉफ सदस्यों को इस योजना की राशि भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है. योजना के अंतर्गत वर्ष 2012-13 के लए 4 अंचलों, 14 क्षेत्रीय कार्यालयों, 954 शाखाओं एवं 32 परिचालिन इकाईयों के लगभग 11,614 कर्मचारियों ने रू. 26.12 करोड़ की कुल प्रोत्साहन राशि प्राप्त की.

६. **कर्मचारी जुड़ावः**

   कर्मचारियों को प्रोत्साहित एवं जुड़ाव रखने के लिए कई पहलें तैयार की गईं. जुड़ाव पहलों का निरूपण इस उद्देश्य से किया गया है कि इससे कर्मचारियों में अपने कार्य, सहकर्मियों, संगठन के साथ जुड़ाव /सामंजस्य स्थापित हो. कर्मचारियों की कार्यकुशलता के विकास के लिए विभिन्न प्रयास किए गए हैं जिसमें एचआर कनेक्ट, कर्मचारियों का संकेन्द्रीत संवाद एवं निष्ठा भाव, गर्व, संकल्प जागृत करना जैसे कि शाखाओं में एचआर विजिट, व्यवसाय टाउन हॉल बैठकों का आयोजन करना, एक्जिट साक्षात्कार आदि शामिल है.

वित्तीय वर्ष 2015 में मानव संसाधन क्षेत्र में कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैंः

नीतिपरक मानव शक्ति आयोजना एवं भर्ती अभियानः

व्यवसाय वृद्धि एवं इसे बरकरार रखने के लिए मानव शक्ति का सर्वोत्कृष्ठ मिश्रण/सामंजस्य एक पूर्वशर्त है. अतः स्तर, कौशल आधारित एवं शाखा द्वारा जनबल की आवश्यकताओं के अनुमान लगाने हेतु वैज्ञानिक जनबल योजना/नियोजन मॉडल तैयार किया गया. यह मॉडल मानव संसाधन कार्यों जैसे कि भर्ती नियोजन, कैरियर प्रगति, रिक्तियां एवं नियुक्ति हेतु अगले कुछ वर्षों तक नीतिपरक मानव शक्ति नियोजन में सहायक होगा.

आपके बैंक ने एक स्पष्ट परिभाषित नियुक्ति नीति बनाई है जो कि नीतिपरक जनबल आयोजना द्वारा अनुमानित बड़ी संख्या में भर्ती को विभिन्न चैनलों से भर्ती संचालित करता है.

बैंक की वेबसाइट पर एक विशेषरूप से तैयार 'कैरियर पोर्टल' लांच किया गया है, जो कि आगे इसके महत्व को स्पष्ट करता है कि भावी आवेदक को विभिन्न पहलुओं का पूर्वानुमान लगा कर बैंक ऑफ़ बड़ौदा में कार्य करने

के चयन को वरीयता क्यों देनी चाहिए. यह कार्यनीति आपके बैंक की "नियोक्ता ब्रांडिंग" को असीम प्रेरक शक्ति प्रदान करती है.

बड़ौदा परिवार में नई नियुक्तियों के सरल एवं प्रभावी समाकलन के लिए आपके बैंक ने एक सुनियोजित, व्यवस्थित एवं संक्रेंद्रित "ऑन बोर्डिंग कार्यक्रम" शुरू किया है. इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवनियुक्तों के बैंक में न केवल व्यावहारिक समाकलन बल्कि संस्था की संस्कृति को भी उनमें आत्मसात कराना है. इसके अतिरिक्त आपके बैंक ने नवनियुक्तों के लिए "बड़ौदा सारथी" मेंटरिंग कार्यक्रम भी लांच किया है. इसमें वरिष्ठ स्टॉफ - मेंटर के रूप में नए स्टाफ सदस्य को कॉर्पोरेट वर्ल्ड में सामंजस्य बनाने में एवं आपके बैंक में कार्य एवं इसकी महत्ता को अपनाने में मदद करते हैं.

बड़ौदा मणीपाल स्कूल ऑफ बैंकिंग

बड़ौदा मणीपाल स्कूल ऑफ बैंकिंग, बैंक ऑफ़ बड़ौदा और मणीपाल ग्लोबल एजूकेशन का बैंक ऑफ़ बड़ौदा में बैंकिंग कैरियर के लिए विद्यार्थियों को 'फर्स्ट डे, फर्स्ट आवर' प्रोडक्टिविटी मॉडल पर प्रशिक्षण देने का अनूठा संयुक्त प्रयास है जिसके माध्यम से प्रशिक्षित अधिकारियों का तैयार दल प्राप्त होता है. विद्यार्थी एक वर्षीय संकेन्द्रित कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं जो कि विशिष्ट रूप से बैंक की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जाता है और बैंक में प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप में शामिल किए जाने से पहले वे बैंकिंग व वित्त में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा हासिल करते हैं. यह कार्यक्रम प्रशिक्षण, भर्ती एवं तैनाती के इनवर्टिड मॉडल पर कार्य करता है.

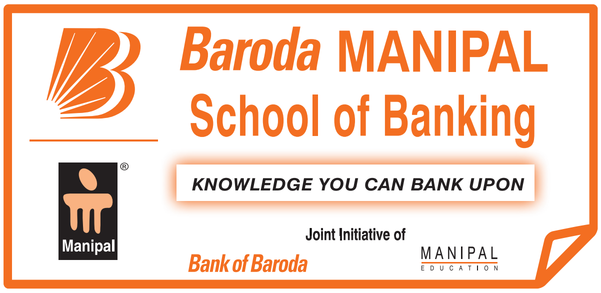

इस नवीन संसाधन चैनल की शुरूआत वित्तीय वर्ष 2012 में हुई एवं अब तक 3,417 विद्यार्थी इस कोर्स को पूरा कर चूके हैं/रहे हैं. आपके बैंक में प्रोबेशनरी ऑफिसर के पद पर 2,156 विद्यार्थियों ने कार्यग्रहण किया है.

वित्तीय वर्ष-15 के दौरान भर्ती अभियान

आपका बैंक वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सेवानिवृत्ति, व्यवसाय विकास को बनाए रखने व तीव्र शाखा विस्तार इत्यादि पर विशेष ध्यान देते हुए भर्ती के विशेष प्रयास कर रहा है. आपके बैंक की श्रम शक्ति संबंधी समस्या को दूर करने के लिए वर्ष के दौरान भर्ती के लिए विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन किया गया. आपके बैंक की दोनों ही तरह की जरूरतों -सामान्य रूप से नौकरी छोडकर जाने वालों की जगह भरने व व्यवसाय विकास की जरूरतों को पूरा करने की दृष्टि से विशेषज्ञ अधिकारियों, परिवीक्षाधीन अधिकारियों तथा लिपिकों की भर्ती की शुरुआत की गई. आपके बैंक ने विभिन्न श्रेणियों/ वेतनमानों में 3,407 अधिकारियों (सामान्य और विशेषज्ञ दोनों), 2594 लिपिकों तथा 620 अधीनस्थ संवर्ग के स्टाफ सदस्यों की भर्ती की, वित्तीय वर्ष 15 की अवधि के दौरान कुल 6,621 नए कर्मचारियों की भर्ती की गई. भर्ती प्रक्रिया 2015-16 के दौरान भी जारी है जिसके तहत अधिकारियों के लगभग 5,550 पदों और लिपिकों के 4,000 पदों को भरने की भर्ती प्रक्रिया चल रही है.

प्रतिभा प्रबंधन पद्धति

बैंक में संभावित युवा लीडरों को चिन्हित करने एवं उन्हें प्रशिक्षित करने की दृष्टि से ताकि वे कठिन परिस्थितियों में काम कर सकें और भविष्य में भावी नेतृत्व प्रदान कर सकें, आपके बैंक ने एक सुगठित टेलेन्ट मेनेजमेंट सिस्टम बनाने तथा उसे लागू करने के लिए बडा कदम उठाया है. यह पद्धति विभिन्न मानदंडों के आधार पर भविष्य के संभावित लीडरों का चयन करती है प्रत्येक चयनित लीडर को विधिवत विकास योजना के माध्यम से प्रशिक्षित भी करती है.

यह एक वार्षिक प्रक्रिया है और वित्तीय वर्ष-15 में आपके बैंक ने अधिकारियों के विभिन्न स्केल अर्थात् स्केल II, III, IV, V तथा VI में लगभग 20% लोगों का चयन भावी लीडरों के रूप में किया है.

कैरियर विकास हेतु रूप-रेखा

आपके बैंक द्वारा कर्मचारियों के कैरियर विकास के प्रोत्साहन हेतु समन्वित प्रयास किए गए हैं. खासकर उनके प्रयासों के लिए उन्हें पुरस्कृत करना तथा उन्हें कार्पोरेट पदानुक्रम अर्थात् कैरियर में आगे लाना और इस प्रकार संस्थागत तथा व्यक्तिगत आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अभिप्रेरित करना शामिल है.

आपका बैंक न केवल पदानुक्रम में आगे बढ़ने के लिए अवसर प्रदान करता है बल्कि उन्हें विस्तृत एक्सपोजर प्रदान करने तथा उनके लिए कडी मेहनत से प्राप्त किया जाने वाला एक स्पष्ट कैरियर पाथ प्रदान करने के लिए विभिन्न कार्यों में अधिकारियों का समानांतर स्तर भी सुनिश्चित करता है.

हाल के वर्षों की तरह, वित्त वर्ष 15 में भी, सभी संवर्गों में पदोन्नति प्रक्रिया आयोजित की गई तथा निम्नलिखित तालिका के अनुरूप कुल 2,259 कर्मचारियों को उच्च ग्रेड/ स्केल में पदोन्नत किया गया.

सब-स्टाफ से क्लर्क	320
क्लर्क से अधिकारी	575
जेएम-I से एमएम-II (अधिकारी से प्रबंधक)	448
एमएम-II से एमएम-III (प्रबंधक से वरि. प्रबंधक)	342
एमएम-III से एसएम-IV (वरि. प्रबंधक से मुख्य प्रबंधक)	410
एसएम-IV से एसएम-V (मुख्य प्रबंधक से सहा. महाप्रबंधक)	100
एसएम-V से टीईजी-VI (सहा. महाप्रबंधक से उप महाप्रबंधक)	43
टीईजी-VI से टीईजी-VII (उप महाप्रबंधक से महाप्रबंधक)	21

एचआर प्रौद्योगिकी का कार्यान्वयन

आपके बैंक नें एचआरएम, प्रशिक्षण, पे-रोल व छुट्टी के मॉड्यूल जैसी कर्मचारी सेवाओं के लिए एक विशिष्ट एचआर तकनीक प्लेटफार्म तैयार किया है, जिसे **'कर्मचारी सेवाओं के लिए मानव संसाधन नेटवर्क (एचआरएनईएस)'** नाम दिया गया है. इस तकनीकी प्लेटफार्म ने विभिन्न एचआर कार्यों एवं प्रक्रियाओं को स्वचालित कर दिया है. एचआर स्वचालन, विभिन्न एचआर पहलों को बनाए रखने तथा उनको क्रियान्वित करने में अत्यंत कारगर है तथा कुछ प्रक्रियाओं को पूरी तरह स्वचालित कर दिया गया है इससे एचआर कार्यों की दक्षता में वृद्धि होती है वहीं समय भी कम लगता है.

उपरोक्त एचआर कार्यों के अतिरिक्त, वित्त वर्ष-14 के दौरान आपके बैंक में एचआर विभाग की कार्य प्रणाली भी सुदृढ़ की गई है तथा नियमित प्रशासनिक गतिविधियों का एचआर बैक-ऑफिस में केन्द्रीकरण कर इसे और अधिक सक्षम बनाया गया है.

अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछडें वर्गों के विकास पर विशेष बल

बैंक भारतीय समाज के एससी/एसटी एवं अन्य पिछडे वर्गों से जुडे व्यक्तियों के विकास एवं कल्याण संबंधी संवैधानिक उपबंधों एवं सामाजिक उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध है. हमारा बैंक पूरे बैंकिंग उद्योग में उन चुनिंदा बैंकों में से

एक है जिसके पास एससी एवं एसटी संवर्ग से जुडे अधिकतम कर्मचारी हैं, जिससे बैंक की इस वर्ग के विकास एवं उत्थान के प्रति प्रतिबद्धता का पता चलता है. बैंक द्वारा एससी एवं एसटी लोगों के विकास एवं कल्याण के संबंध में किए गए प्रयासों का संक्षिप्त उल्लेख नीचे किया गया है.

1. **नौकरियों में आरक्षण**

बैंक अपनी अखिल भारतीय एवं भर्ती योजनाओं में भारत सरकार द्वारा नौकरियों में आरक्षण के संबंध में निर्धारित सभी दिशानिर्देशों का अनुपालन करता है. अखिल भारतीय नियुक्तियों में तथा बैंक द्वारा शुरु किए जा रहे भर्ती के एक नए चैनल बड़ौदा मणिपाल स्कूल ऑफ बैंकिंग के लिए चयन में कुल पदों में से 15% पद अनुसूचित जातियों के लिए तथा 7.5% पद अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित हैं. क्षेत्रीय आधार पर की गई अन्य भर्तियों में विभिन्न राज्यों के लिए निर्धारित उपयुक्त प्रतिशत का अनुपालन किया जा रहा है. बैंक में भर्ती के संबंध में एससी/एसटी आवेदकों के लिए भर्ती पूर्व ओरिएंटेशन प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं. आयु सीमा एवं योग्यता में उपयुक्त रियायत प्रदान की जाती है. एससी/एसटी अभ्यर्थियों के साक्षात्कार में भी रियायत बरती जाती है ताकि आरक्षित पदों पर नियुक्ति हो सके. भर्ती हेतु समीक्षा पैनल में अनिवार्य रूप से एससी/एसटी सदस्य शामिल किया जाता है. साक्षात्कार हेतु बुलाए गए एससी/ एसटी अभ्यर्थियों को यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति की जाती है. नौकरी में आरक्षण देने के अलावा बैंक विद्यमान दिशानिर्देशों के अनुरूप एससी/ एसटी कर्मचारियों के कैरियर विकास एवं पदोन्नति के संबंध में आरक्षण एवं अन्य सुविधाएं प्रदान करता है. पदोन्नति प्रक्रिया में भाग लेने वाले कर्मचारियों को पदोन्नति पूर्व प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है. इसके अलावा, बैंक के उपलब्ध आवासों में एससी/ एसटी के लिए 10% का आरक्षण किया गया है.

31 मार्च 2015 को स्टाफ की संख्या एवं अनुसूचित जाति तथा जनजाति का प्रतिनिधित्व निम्नानुसार रहाः

कैडर	कुल	एससी	एससी%	एसटी	एसटी%
अधिकारी	22,256	3,864	17.36%	1,698	7.63%
लिपिक	18,976	2,842	14.98%	1,474	7.77%
सब स्टाफ	8,146	2,664	32.70%	805	9.88%
कुल	49,378	9,370	18.98%	3,977	8.05%

2. **आरक्षण कक्ष**

बैंक में आरक्षण तथा एससी/ एसटी कर्मचारियों के लिए अन्य सम्बद्ध प्रावधानों की निगरानी के लिए एक विशेष आरक्षण कक्ष कार्यरत है. महाप्रबंधक स्तर के एक कार्यपालक एससी/ एसटी/ पीडब्ल्यू एवं भूतपूर्व कर्मचारियों के लिए मुख्य संपर्क अधिकारी हैं जो एससी/ एसटी/ पीडब्ल्यू एवं भूतपूर्व कर्मचारियों से संबंधित विविध दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हैं. बैंक के प्रत्येक अंचल में एससी/ एसटी हेतु एक संपर्क अधिकारी नियुक्त किया गया है जो अंचल के एससी/ एसटी कर्मचारियों के सभी मामलों एवं शिकायतों के निपटारे की स्थिति की देखरेख करता है.

3. **अनुसूचित जाति/ जनजाति कल्याण संघ के साथ बैठक**

बैंक कार्पोरेट स्तर की अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण संघ के प्रतिनिधियों के साथ तिमाही आधार पर बैठकें आयोजित करता है ताकि उनके साथ सीधा संवाद स्थापित किया जा सके एवं एससी/ एसटी संबंधी आरक्षण तथा अन्य प्रावधानों की समीक्षा की जा सके. इन बैठकों में प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा वरिष्ठ कार्यपालक जिसमें एससी/ एसटी/ पीडब्ल्यूडी एवं भूतपूर्व कर्मचारियों हेतु मुख्य संपर्क अधिकारी शामिल है, भाग लेते हैं.

4. **भारत रत्न डॉ बाबा साहब अंबेडकर मैमोरियल ट्रस्ट**

बैंक ने 1991 में 'भारत रत्न डॉ बाबा साहब अंबेडकर मैमोरियल ट्रस्ट' की स्थापना की जिससे कि एससी/ एसटी कर्मचारियों एवं उनके परिवार जनों के लाभ हेतु कल्याणकारी गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके. एससी/ एसटी कर्मचारियों के बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के अतिरिक्त यह ट्रस्ट देश के महत्वपूर्ण केन्द्रों पर सामान्य एससी/ एसटी समुदाय के जरूरतमंद छात्रों को भी छात्रवृत्ति प्रदान करता है.

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग

दिनांकः 19 मार्च, 2015 को राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग ने मुंबई का दौरा किया. आयोग के सुझावों एवं दिशानिर्देशों का हमारे बैंक द्वारा पूर्ण रूप से से पालन किया जा रहा है.

एचआर के क्षेत्र में बैंक के समग्र प्रयासों के कारण, आपके बैंक ने नियोजकों के क्षेत्र में अपनी सकारात्मक पहचान बनाई है जिसे इस तथ्य के साथ प्रमाणित किया जा सकता है कि वर्ष 2013 में आईबीपीएस की रैंकिंग के अनुसार नये भर्ती होने वालों के लिए बैंक ऑफ़ बड़ौदा सबसे पहली पसंद का सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक रहा है.

प्रशिक्षण एंव विकास के लिए एक समर्पित कक्ष

अनुसंधान, शिक्षण एवं विकास

पिछले कुछ वर्षों में आपके बैंक ने नवोन्मेषी एवं अभिनव प्रयासों की श्रृंखलाओं की शुरूआत कर बैंकिंग उद्योग जगत में सफलतापूर्वक अपनी छवि बनाई है एवं "बड़ौदा अकादमी" ब्रांड नाम अर्जित किया है.

प्रतिस्पर्धा के दौर में स्टाफ सदस्यों की कार्यक्षमता की और कौशल को बढाने के लिए प्रशिक्षण एक महत्वपूर्ण कारक है. बड़ौदा अकादमी नए भर्ती अधिकारियों/स्टॉफ को प्रशिक्षित करने के साथ-साथ स्टॉफ सदस्यों को बैंकिंग के प्रमुख क्षेत्र जैसे कि अग्रिम, विदेशी विनिमय, आधारभूत बैंकिंग आदि में व्यापक रूप से प्रशिक्षित करता है.

संगठन में व्यापक रूप से नवोन्मेषी संस्कृति के प्रसार के लिए बैंक के प्रत्येक कर्मचारी तक पहुंच बनाने के लिए ई-लर्निंग के क्षेत्र में बैंक ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं.

श्री एस. ज्ञानवेल, महाप्रबंधक (सीएलओ एवं बीपीआर) आईएसटीडी भुवनेश्वर द्वारा प्रदत्त नैशनल अवार्ड इन इन्वोवेशन एंड ट्रेनिंग अवार्ड प्राप्त करते हुए.

आपकी प्रशिक्षण प्रणाली द्वारा नवोन्मेषी तकनीकी पहलेंः

बड़ौदा नेट अकादमीः दिनांकः 21.07.2014 को आपके बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय ने ई-लर्निंग पाठ्यक्रम के लिए स्टेट ऑफ द आर्ट

शिक्षण प्रबंधन प्रणाली का शुभारंभ किया, जो कि इंट्रानेट पर उपलब्ध हैं. इस प्रणाली की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- बैंकिंग प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुसांधान संस्थान के इंडियन बैंकिंग कम्यूनिटी क्लाउड पर मौजूदगी. हमारा बैंक प्रथम ऐसा बैंक है जिसने ई-लर्निंग के लिए इस सुविधा का प्रयोग किया है.
- बैंक के कर्मचारी किसी भी डिवाइस जैसे पीसी, लेपटॉप तथा मोबाईल के माध्यम से अपनी सुविधानुसार किसी भी स्थान अथवा समय बैंक तक अपनी पहुंच बना सकते है.
- कर्मचारियों का ज्ञान एवं व्यवसाय कौशल बढाने के लिए विभिन्न कार्यात्मक एवं व्यावहारिक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं.
- न्यूनतम लागत में आपके बैंक की सभी कर्मचारियों तक पहुचं की क्षमता.
- कर्मचारियों ने अब तक 1 हजार से भी अधिक घंटों की अवधि का प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है.

मोबाइल स्निपेट्स: आपका बैंक पहला बैंक है जिसने 'मोबाइल स्निपेट्स" लांच किया है. यह कर्मचारियों की सुविधा के लिए एक मोबाइल एपलिकेशन है. यह कर्मचारियों को दैनिक बैंकिंग समाचार, महत्वपूर्ण बीओबी/ आरबीआई परिपत्रों, गृह-प्रकाशन, भावी कार्यक्रम की सूचना एवं विडियो संदशों को एक्सेस करने की सुविधा प्रदान करता है. यह प्रयोगकर्ता को एक साथ विभिन्न विषयों पर प्रश्नोत्तरी ऑफर करता है. जब कभी महत्वपूर्ण सामग्री अपलोड की जाती है तो रीयल टाइम अलर्ट जारी किया जाता है. यह एपलिकेशन बैंक में हो रही महत्वपूर्ण गतिविधियों संबंधित फोटो, विडियो साझा करने की सुविधा प्रदान करता है.

फेसबुक पृष्ठ: - "बड़ौदा एपेक्स अकादमी" का अनौपचारिक शिक्षण के लिए एक फेसबुक पृष्ठ है.

पुरस्कार एवं सम्मान :

विगत वर्ष आपके बैंक के लिए उल्लेखनीय वर्ष रहा, बैंक की शिक्षण पद्धति को पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हुए. शिक्षण एंव प्रगति के क्षेत्र में आपके बैंक को मिले पुरस्कार निम्नानुसार हैं:

- वर्ष 2014 हेतु "गोल्डन पीकॉक" राष्ट्रीय प्रशिक्षण अवार्ड
- नवोन्मेषी प्रशिक्षण पद्धति, 2014 के लिए आईएसटीडी (इंडियन सोसायटी फॉर ट्रेनिंग एण्ड डेवेलपमेंट) अवार्ड
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में प्रशिक्षण, मानव संसाधन, इ-लर्निंग, पहल श्रेणी में आईबीए अवार्ड

माइंड जिम सीरीज:

आपके बैंक द्वारा माइंड जिम सीरीज नाम एक कार्यकम की शुरूआत की गई है जिसके अंतर्गत अभिप्रेरणा, वक्तव्य, विडियो शो एवं समूह गतिविधियों का आयोजन कर नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से हटकर अधिक व्यापक आधार पर शिक्षण की व्यवस्था की है. इस सीरीज के अंतर्गत बड़ौदा कॉर्पोरेट सेंटर में आयोजित व्याख्यान को स्टॉफ सदस्यों द्वारा प्रशंसा एवं सराहना की गई.

ग्राहक शिक्षा - "कस्टमर कनेक्ट" अभियान:

ग्राहक शिक्षा के कार्यक्रम के रूप में मार्च 2015 में शिक्षण प्रणाली के द्वारा अभियान का शुभारंभ किया गया. इसमें 20,000 से अधिक की संख्या में ग्राहकों को कवर किया गया है और यह प्रयास अगले वर्ष भी जारी रहेगा. कस्टमर कनेक्ट अभियान के दौरान निम्नलिखित चार उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया.

- महानगरीय एवं शहरी शाखाओं के लिए वैकल्पिक डिलिवरी चैनल
- लघु एवं मध्यम उद्यमियों के लिए एमएसएमई उत्पाद
- ग्रामीण इलाकों में संयुक्त देयता समूहों पर जागरूकता एवं सब्सिडी योजना, कृषि उत्पाद
- व्यवसाय प्रतिनिधियों एवं ग्राम स्तरीय उद्यमियों को ग्राहक शिक्षा एवं खुदरा एवं कृषि उत्पादों की क्रॉस-सेलिंग हेतु समग्र एवं विशिष्ट बिक्री गुण (यूएसपी)

पीडब्ल्यूडी (शारीरिक रूप से अक्षम) स्टॉफ के लिए विशेष कार्यक्रम

क) दृष्टिबाधित कर्मचारियों को सशक्त बनाने के लिए बड़ौदा एपेक्स अकादमी, अहमदाबाद में इस प्रकार का पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. यह 6 दिवसीय आवासीय कार्यक्रम तकनीकी एवं सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण मिलाजुला कार्यक्रम था. इस संबंध में उल्लेखनीय बात यह थी कि कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों के साथ-साथ संचालन करने वाले संकाय सदस्य भी दृष्टिबाधित थे.

ख) श्रवणशक्ति में अक्षम कर्मचारियों को उनकी क्षमतानुसार श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन में सक्षम बनाने के उद्देश्य से उनके लिए एक तीन दिवसीय आवासीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

बाह्य प्रशिक्षण:

वित्तीय वर्ष-15 के दौरान विभिन्न बाह्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए लगभग 11,900 स्टाफ सदस्यों को नामांकित किया गया. आपका बैंक **बाह्य प्रशिक्षण** को क्षमता निर्माण का अभिन्न भाग मानता है, इन कार्यक्रमों में उद्योग में विद्यमान उत्कृष्ट कार्य प्रणाली को सीखने तथा उसे अपनाने के लिए सभी स्तर के कर्मचारी भाग लेते है.

वित्तीय वर्ष 15 के दौरान आयोजित किए गए कुछ महत्वपूर्ण एवं समर्पित कार्यक्रम इस प्रकार हैं:

1 **अधीनस्थ स्टॉफ के लिए विशेष कार्यक्रम** "संग सीखें, संग बढ़ें": आपके बैंक ने सभी क्षेत्रों में अधीनस्थ स्टॉफ के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम "संग सीखें, संग बढ़ें" को स्थानीय भाषा में तैयार किया है. देश भर में 18-35 वर्ष तक के 1,070 अधीनस्थ स्टॉफ को प्रशिक्षित किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को कार्य संबंधित जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ उनके अपने स्वाभिमान में वृद्धि करना है.

2 **प्रोजेक्ट उत्कर्ष:**

आपके बैंक ने स्थानीय अंचलों के साथ परामर्श कर सभी कार्यरत लिपिक कर्मचारियों को व्यावहारिक, कार्यात्मक एवं तकनीकी प्रशिक्षण देने के लिए प्रोजेक्ट उत्कर्ष (रिफ्रेशर कोर्स) तैयार किया है. इस प्रोजेक्ट में पूरे भारत में 14000 लिपिकों में से 11575 लिपिकों को शामिल करते हुए लगभग 83% लक्ष्य समूह को कवर किया है.

3 **नवनियुक्त आईटी अधिकारियों के लिए आवश्कतानुरूप प्रौद्योगिकी उन्मुख कार्यक्रम:**

नवनियुक्त आईटी अधिकारियें के लिए आवश्कतानुरूप प्रौद्योगिकी कार्यक्रम का आयोजन आईडीआरबीटी, हैदराबाद में किया गया.

4 **मेंटरिंग कार्यक्रम:** समीक्षाधीन अवधि में 2001 नवनियुक्त अधिकारियों को कवर करने के लिए 390 नवचयनित मेंटर्स के लिए मेंटरिंग कार्यशालाओं का आयोजन किया गया.

5 **टैलेंट पूल प्रशिक्षण:** आपके बैंक द्वारा चयनित स्केल II, III, IV के अधिकारियों के लिए टीम विकास प्रणाली, संवाद, कौशल, ग्राहक केन्द्रियता, नेतृत्व कौशल, व्यक्ति क्षमता, नीतिपरकता को विकसित करने के लिए टैलेंट प्रबंधन प्रणाली जारी रखा गया है.

6 **नेतृत्व विकास कार्यक्रमः** नए पदोन्नत महाप्रबंधकों, उप महाप्रबंधकों को नीतिपरक प्रबंधन कौशल में सामर्थ्य हासिल कराने के लिए टाटा मैनेजमेंट ट्रेनिंग सेंटर (टीएमटीसी), पुणे में एक नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. भावी नेतृत्व को प्रशिक्षित एवं विककित करने के लिए सेंटर फॉर आरगेनाजेशन डेवलपमेंट (सीओडी) हैदराबाद में नए पदोन्नत सहायक महाप्रबंधकों के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य भावी लीडरों में नेतृत्व क्षमता, कौशल का विकास करना है, ताकि वे विद्यमान व्यावसायिक परिवेश में प्रभावी भूमिका निभा सकें.

7 **विदेशों में प्रशिक्षणः** कार्यपालकों को बैंकिंग की अंतर्राष्ट्रीय अवधारणा एवं नीतिपरक सोच को विस्तृत बनाने के लिए, जटिल मामलों के संबंध में वैचारिक समझ को व्यापक बनाने के लिए एवं प्रभावी नेतृत्व क्षमता प्रदान करने के लिए बडी संख्या में कार्यपालकों को विदेशों में स्थित प्रतिष्ठित संस्थाओं जैसे कि केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, जेम्स एल एलेन सेंटर, एलिनॉयस, यूएसए, सेंटर फॉर यूनिफाइड बायोमेट्रिक्स (सीयूबीएस) एवं सेंटर फॉर एक्सिलेंस इन इन्फॉर्मेशन सिस्टम अस्योरेंस रिसर्च एण्ड एडुकेशन (सीईआईएसएआरआई) दि स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क, बफेलो, यूएसए, एशियन इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमेंट - एक्जिक्यूटिव एजूकेशन एण्ड लाइफलॉग लर्निंग सेंटर (एआईएम - इएक्सेल) , मनीला और सेंटर ऑन इन्टिग्रेटेड रूरल डेवेलपमेंट फॉर एशिया एण्ड दि पैसेफिक (सीआईआरडीएपी), ढ़ाका में प्रशिक्षण हेतु भेजा गया.

बिजनेस प्रोसेस रि-इंजीनियरिंग (प्रोजेक्ट नवनिर्माण)

इस प्रोजेक्ट में प्रक्रियाओं के सरलीकरण, शाखा उत्पादकता में सुधार तथा ग्राहकों को सर्वोत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से आपके बैंक की प्रक्रियाओं, संरचनाओ तथा पद्धतियों के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है.

परिवर्तन कार्यक्रम सफल रहा, और यह पहल आपके बैंक को बहुत से अवार्ड और पुरस्कार दिलाने में महत्वपूर्ण कारक रही और इससे यह सही अर्थो में **भारत का अंतर्राष्ट्रीय बैंक** स्थापित हो सका.

वित्तीय वर्ष 15 के दौरान प्रोजेक्ट नवनिर्माण के अंतर्गत प्रमुख उपलब्धियों का विवरण निम्नानुसार है.

- **बड़ौदा नेक्स्ट शाखाएंः** वित्तीय वर्ष 15 की समाप्ति तक लगभग 1,468 मेट्रो एवं शहरी शाखाओं को बड़ौदा नेक्स्ट शाखाओं के रूप में रूपांतरित किया गया है.
- **शाखा फ्रंट-एंड ऑटोमेशनः** क्यू मैनेजमेंट सिस्टम (क्यूएमएस), चेक डिपोजिट मशीन तथा वैयक्तिक पास बुक प्रिंटर क्रमशः 98,93 तथा 230 शाखाओं में स्थापित किए गए हैं.
- **सिटी बैक आफिस (सीबीओ)ः** सभी शाखाओं (सीबीओ से लिंक्ड) के लिए समाशोधन परिचालनों को केन्द्रीकृत किया गया. वर्तमान में पूरे देश में 85 सीबीओ कार्य कर रहे हैं.

रिजनल बैंक ऑफिस (आरबीओ)ः समीक्षा वर्ष के अंतर्गत हैदराबाद में एक आरबीओ खोला गया जिससे कुल आरबीओ 13 हो गए. कुल मिलाकर 5,051 शाखाएं बचत तथा चालू खाते खोलने के लिए लिंक की गईं तथा 5,051 शाखाएं पीसीबी (वैयक्तिक चेक बुक) जारी करने के लिए लिंक की गईं.

- **कॉनटेक्ट सेंटर** : आपके बैंक के लखनऊ तथा अहमदाबाद में दो कॉनटेक्ट सेंटर हैं. मौजूदा सेवाओं के अतिरिक्त, वर्ष के दौरान मोबाइल बैंकिंग सहायता सेवा को भी शामिल किया गया. बेहतर ग्राहक सुविधा के लिए सेवा के समय को भी प्रातः 6 बजे से रात 10 बजे (पहले प्रातः 8 बजे से रात 8 बजे तक) तक बढ़ा दिया गया है.
- **ई-लॉबी** : आपके बैंक ने अलग-अलग अंचलों में 151 स्वतंत्र ई-लॉबी आरंभ की हैं. इसमें निम्नलिखित 6 सेवाएं दी जाती हैं - कैश डिस्पेंसर(एटीएम), बंच नोट एक्सेप्टर (बीएनए), सेल्फ सर्विस आटोमेटिक पासबुक प्रिंटर किओस्क, चेक डिपोजिट मशीन (सीडीएम), इंटरनेट बैंकिंग किओस्क तथा फोन बैंकिंग सुविधा.

विपणनः

वित्त वर्ष - 15 के दौरान सुदृढ व्यवसाय विकास एवं संबंधों में प्रगाढ़ता लाने हेतु आपके बैंक ने विभिन्न विपणन पहलों के माध्यम से बैंक ने ब्रांड और विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं के प्रचार-प्रसार पर पर ध्यान केन्द्रित किया.

यूगांडा में बैंक को ईस्ट अफ्रीका 2014 का सुपर ब्रांड अवार्ड प्रदान किया गया.

क्षेत्रीय एवं अंचल स्तर पर विभिन्न गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न मीडिया माध्यमों जैसे कि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक (टीवी/रेडियो) डिजिटल एवं आउट ऑफ होम (ओओएच) का प्रभावी उपयोग विपणन पहलों में शामिल हैं.

वित्त वर्ष 15 के दौरान आयोजित विभिन्न विपणन/संचार गतिविधियों की प्रमुख विशेषताएं नीचे दी गई हैं:

विगत वर्षों में बैंक द्वारा ब्रांड संबंधित पहलों जैसे कि 2005 में बैंक की पुनर्ब्रांडिंग, 2009 में सब ब्रांड - बड़ौदा नेक्स्ट, 2010 में स्टिकमैन मॉस्क्ट, 2011 में सिग्नेचर ट्यून का लाभ उठाने के लिए आपके बैंक द्वारा हमारे 'मॉस्क्ट' को "बॉबमित्र" नाम दिया गया. जिसकी टैगलाइन 'दोस्त यू कैन बैंक ऑन' रखी गयी है.

आपके बैंक ने प्रभावी डिलिवरी प्रक्रिया की महत्ता को समझते हुए मुखपात्र 'बॉबमित्र' के साथ वैकल्पिक डिलिवरी चैनल (एडीसी) की प्रभावशीलता का लाभ उठाने के लिए वैकल्पिक डिलिवरी चैनलों पर 360 डिग्री अभियान शुरू किया है.

इस संदर्भ में, जनसंचार माध्यम द्वारा साक्षरता/रोचक अनुभव के विवेकपूर्ण मिश्रण से ग्राहक जागरूकता का प्रसार एवं गहन प्रसार हेतु इलेक्ट्रॉनिक माध्यम जैसे कि टेलीवीजन एवं रेडियो के साथ-साथ सिनेमा हॉल में विज्ञापन के द्वारा बाजार में पहुंच बनाने के लिए अभियान चलाया. इस प्रयास को आगे गहन गतिविधियों द्वारा विस्तृत किया गया. जैसे कि पारंपरिक एवं नवोन्मेषी आउट ऑफ होम माध्यम, प्रिंट और ऑनलाइन विज्ञापन विभिन्न ग्राउंड गतिविधियों के साथ - अंचल, क्षेत्र, क्लस्टर शाखाओं में ग्राहक गोष्ठियों के माध्यम से ग्राहक जागरूकता कार्यक्रम, विपणन अधिकारियों, आंचलिक व्यवसाय विकास प्रबंधकों, क्षेत्रीय व्यवसाय विकास प्रबंधकों, ई-चैनल प्रबंधकों एवं शाखा प्रबंधकों द्वारा ग्राहक के साथ संबंध बढाने संबंधी शाखा स्तरीय वैयक्तिक संवाद के साथ प्रिंट एंव ऑनलाइन विज्ञापन आदि चलाए गए.

उपरोक्त प्रयासों के अतिरिक्त आपके बैंक ने विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में विज्ञापन के माध्यम से टारगेट ग्राहकों में अपने उत्पाद एवं सेवाओं के विस्तार के लिए विभिन्न उत्पादन प्रोत्साहन अभियान चलाए हैं. आपके बैंक ने विभिन्न उत्पाद एवं सेवाओं विशेषकर - बचत जमाराशियां, चालू जमाराशियां, आवास ऋण, कार ऋण एवं एसएमई ऋणों को बढावा देने के साथ आपके बैंक ने नए उत्पादों की श्रृंखला जैसे कि आवास ऋण विविधताओं, वैकल्पिक डिलिवरी चैनलों को तेजी से बढ़ावा दिया है. इसके अतिरिक्त पूरे भारत में विभिन्न जनसंचार माध्यमों के विवेकपूर्ण प्रयोग से विशेष ग्राहक वर्ग को एसएमई, ग्रामीण एवं कृषि क्षेत्र, एनआरआई आदि को विशेष सुविधाएं प्रदान करने के लिए टारगेट किया गया है.

स्टैंडर्ड चार्टड मुंबई मैराथन 2015 में बैंक की टीम की सहभागिता.

बैंक अपने विविध शेयरधारकों के साथ ब्रांड संपर्क बढ़ाने के लिए विभिन्न आयोजनों में शामिल हुआ जैसे कि फिक्की-आईबीए बैंकिंग कान्फ्रेंस 2014, प्रवासी भारतीय दिवस 2015, मिन्ट एनुअल बैंकिंग कॉनक्लेव 2015, वर्ल्ड रैंकिंग स्नूकर टूर्नामेंट - इंडिया लेग, आईएलएण्ड एफएस बीकेसी रन 2015 एवं स्टैण्डर्ड चार्टड मुंबई मैराथन - 2015 - वेस्टइंडीज एवं इंडिया-श्रीलंका क्रिकेट सीरीज 2014, दून ब्रॉडस्ट्रीट इंडियन एक्सपोर्ट एक्सिलेंस अवार्ड 2015, एसएमएएसएच इंटरटेन्मेंट जोन. इसके अतिरिक्त दृश्यता एवं ब्रांड महत्व बढाने के लिए कई आयोजनों में भाग लिया है.

वाईब्रैंट गुजरात समिट 2015 के अवसर पर श्री रंजन धवन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी और अन्य गणमान्य जन.

वित्त वर्ष 15 में आपके बैंक को देश भर में आयोजित विभिन्न गतिविधियों के लिए मीडिया कवरेज मिला है एवं ब्रांड बड़ौदा को विभिन्न श्रेणियों में प्रतिष्ठित ब्रांड के रूप में सम्मान मिला है. दि इकॉनोमिक टाइम्स के ब्रांड इक्विटी में बैंक को सर्वश्रेष्ठ भारतीय ब्रांड 2014 में 21वां स्थान प्राप्त हुआ है. बैंक को सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में माई एफएम स्टार्स ऑफ दि इंडस्ट्री अवार्ड द्वारा बैंकिंग में उत्कृष्टता का अवार्ड मिला है साथ ही बैंक ने 54वें एसोसियेशन ऑफ बिजनस कम्यूनिकेशन ऑफ इंडिया (एबीसीआई) अवार्ड 2015 में चैंपियन ऑफ चैंपियन्स अवार्ड प्राप्त किया है. इसके अतिरिक्त बैंक को कॉर्पोरेट फिल्म में 6 श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त हुएः स्वर्ण/एक्जिवेशन कोलेटरल - रजत/वॉल कैलेंडर 2014, रजत/इनवायर्मेंटल कम्यूनिकेशन - रजत /ई-जाइन - कांस्य/ भारतीय भाषाओं में प्रकाशन/ कांस्य.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा को पुरस्कार व उद्योग जगत में मान्यता

आपके बैंक ने जीत को अपने लिए एक मनोवेगी प्रयास बनाया है. वित्त वर्ष 15 में आपके बैंक ने विभिन्न पुरस्कार को जीतने की परंपरा को बरकरार रखा है. विभिन्न मानदंडों में व्यवसाय एवं वित्तीय मानदंडों जैसे कि उद्योग नेतृत्व/गलोबल व्यवसाय विकास/ब्रांडिंग एवं विपणन/मानव संसाधन एवं प्रशिक्षण/सूचना प्रौद्योगिकी/एसएमई/वित्तीय समावेशन/राजभाषा में निरंतर बेहतर कार्यनिष्पादन कायम रखा है. फलस्वरूप इस वर्ष के लिए बैंक का मोटो "रेस अहेड" को मजबूती प्राप्त हुई है.

श्री रंजन धवन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी जन. (डॉ.) वी.के. सिंह (सेवानिवृत) राज्य मंत्री, भारत सरकार के करकमलों से द मोस्ट इफीसियेंट पब्लिक सैक्टर बैंक -2014 अवार्ड प्राप्त करते हुए.

वित्तीय वर्ष 2014-15 में बैंक को मिले विभिन्न पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है:

वित्तीय वर्ष 2014-15

दिनांक	अवार्ड
02.04.2014	बैंक ऑफ़ बड़ौदा को नई दिल्ली में आयोजित 5वीं दलाल स्ट्रीट इनवेस्टमेंट जनरल पीएसयू अवार्ड 2013 में 'बेस्ट पीएसयू बैंक' का अवार्ड प्राप्त हुआ. यह पुरस्कार दिनांकः 02.04.2014 को उत्तरी अंचल के महाप्रबंधक श्री डी.के. गर्ग ने ग्रहण किया.
23.05.2014	बैंक ऑफ़ बड़ौदा को इंस्टीच्यूट ऑफ डाइरेक्टर्स, नई दिल्ली के तत्वाधान में तिरूवंतपुरम में आयोजित एक आयोजन में अवार्ड ज्यूरी द्वारा वर्ष 2014 के लिए दिनांकः 23.05.2015 को नेशनल ट्रेनिंग अवार्ड प्रदान किया गया.
20.06.2014	बैंक ऑफ़ बड़ौदा को दिनांकः 20.06.2014 को नई दिल्ली में स्कॉच कंसलटेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इंडियाज बेस्ट 2014 फाइनेंशियल इनक्लूजन एण्ड डीपेनिंग अवार्ड 2014 में स्कॉच ऑर्डर मेरिट अवार्ड प्राप्त हुआ.

11.07.2014	बैंक ऑफ़ बड़ौदा को 11 जुलाई 2014 को नई दिल्ली में इंडिया एसएमई फॉरम द्वारा "बेस्ट पीएसयू फॉर एमएसएमई" का अवार्ड मिला है. बैंक की तरफ से यह पुरस्कार महाप्रबंधक उत्तरी अंचल ने प्राप्त किया.
06.08.2014	बैंक ऑफ़ बड़ौदा को बेस्ट इंडियन ब्रांड में 21वां स्थान प्राप्त हुआ है - ब्रांड इक्विटी के दि इकॉनोमिक्स टाइम्स में प्रकाशित (6.08.2014).
27.08.2014	बैंक ऑफ़ बड़ौदा को "बेस्ट बैंक - ग्लोबल बिजनेस डेवेलपमेंट (पब्लिक सेक्टर)" एवं "बेस्ट बैंक - ओवरऑल (पब्लिक सेक्टर)" का अवार्ड 27 अगस्त 2014 को मुंबई में आयोजित दून एवं ब्राडस्ट्रीट - पोलरिस फाइनेंशियल टेक्नॉलाजी बैंकिंग अवार्ड 2014 में प्राप्त हुआ. बैंक की ओर से यह अवार्ड कार्यपालक निदेशक श्री पि.श्रिनिवास ने प्राप्त किया.
14.09.2014	बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने वर्ष 2012-13 के लिए राष्ट्रीयकृत बैंकों की श्रेणी में भाषाई क्षेत्र 'ख' में राजभाषा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्यनिष्पादन कर इंदिरागांधी राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है. बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री पि. श्रीनिवास ने इस पुरस्कार को नई दिल्ली में दिनांकः 14.09.2014 को प्राप्त किया है.
16.10.2014	बैंक ऑफ़ बड़ौदा को दिनांकः 16.10.2014 को मुंबई में आयोजित दि इकॉनोमिक टाइम्स बेस्ट ब्रांड्स 2014 में श्रेष्ठ ब्रांडों में शामिल किया गया.
13.11.2014	● बैंक ऑफ़ बड़ौदा को भारतीय रिज़र्व बैंक राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता 2012-13 में तीन पुरस्कार मिले. ● भाषाई क्षेत्र 'ख' में प्रथम पुरस्कार ● भाषाई क्षेत्र 'क' एवं 'ग' में द्वितीय पुरस्कार बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री पि श्रीनिवास ने ये पुरस्कार प्राप्त किए.
30.01.2015	बैंक ऑफ़ बड़ौदा को वर्ष 2012-13 में दिनांकः 30.01.2015 को मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में दि फाइनेंशियल एक्सप्रेस द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 'एफई इंडियाज बेस्ट बैंक' का अवार्ड मिला.
14.02.2015	बैंक ऑफ़ बड़ौदा को माई एफएम स्टार्स ऑफ दि इंडस्ट्री अवार्ड द्वारा 14.02.2015 को मुंबई में 'एक्सीलेंस इन बैंकिंग (पीएसयू सेक्टर)' का अवार्ड मिला.
11.02.2015	बैंक ऑफ़ बड़ौदा को मंबई में आईबीए बैंकिंग टेक्नॉलोजी अवार्ड 2014 में 3 पुरस्कार प्राप्त हुए. इनकी श्रेणियां निम्नानुसार हैंः ● "बेस्ट फाइनेंशियल इनक्लूजन इनिशिएटीव" विजेता ● "ट्रेनिंग" एण्ड ह्यूमन रिसोर्सेज, ई-लर्निंग इनिशिएटीव" में प्रथम रनर अप ● 'बेस्ट यूज डेटा' में प्रथम रनर अप
21.02.2015	बैंक ऑफ़ बड़ौदा को राष्ट्रीय पुरस्कार "इंडीयन सोसायटी फॉर ट्रेनिंग एण्ड डेवलपमेंट" (आईएसटीडी) द्वारा भुवनेश्वर में वर्ष 2014 के लिए "इनोवेटीव ट्रेनिंग प्रैक्टीसेस" के लिए प्रथम रैंक प्राप्त हुआ है.
27.02.2015	बैंक ऑफ़ बड़ौदा को एसोसियेशन ऑफ बिजनेस कम्यूनिकेशन ऑफ इंडिया (एबीसीआई) अवार्ड्स 2015 में चैंपियन ऑफ चैंपियन्स अवार्ड मिला. प्राप्त अवार्ड की 6 श्रेणियां निम्नानुसार हैः- ● इंडियन लैंगुएज पब्लिकेशन - कांस्य ● एक्जिविशन कॉलेटरल - स्वर्ण ● वॉल कैलेंडर 2014 - रजत ● इनवायरमेंटल कम्यूनिकेशन - रजत ● ई-जाईन - कांस्य ● कॉर्पोरेट फिल्म - स्वर्ण
23.03.2015	बैंक ऑफ़ बड़ौदा को वर्ष 2014 के लिए 'बेस्ट पीएसयू ऑफ इंडिया अवार्ड' में दलाल स्ट्रीट इनवेस्टमेंट जनरल द्वारा नई दिल्ली में 'दि मोस्ट इफिशिएंट पब्लिक सेक्टर बैंक' का अवार्ड मिला. प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री रंजन धवन ने बैंक की ओर से पुरस्कार ग्रहण किया.

श्री पि.श्रीनिवास कार्यपालक निदेशक श्री यशवंत सिन्हा पूर्व केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार के करकमलों से बेस्ट बैंक ग्लोबल बिज़नेस डेवलपमेंट एंड बेस्ट बैंक (समग्र) पब्लिक सैक्टर अर्वाड प्राप्त करते हुए.

परिसर रि-इंजीनियरिंग और आकर्षक परिवेश

वित्त वर्ष 2015 के दौरान 'परिसर एवं रि-इंजीनियरिंग और आकर्षक परिवेश' के क्षेत्र में आपके बैंक द्वारा अर्जित महत्वपूर्ण उपलब्धियों का विवरण निम्नानुसार हैः

- आपके बैंक ने प्रत्येक वर्ष 50 ग्रामीण केन्द्रों पर आदर्श ग्रामीण शाखा (एजीबी) की स्थापना का निर्णय लिया है. इस केन्द्र में विभिन्न आयोजनों हेतु भूतल पर 125-150 लोगों के शामिल हाने की क्षमता वाले कम्यूनिटी हॉल एवं प्रथम तल पर शाखा प्रबंधक के निवास की व्यवस्था होगी. आपके बैंक ने इस उद्देश्य के लिए झुंझनू एवं सिलोरा (राजस्थान) में अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर ली है.
- वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के दिशानिर्देशानुसार आपके बैंक ने स्टेट ऑफ दि आर्ट विडियो कान्फ्रेंसिंग प्रणाली द्वारा एमपीएलएस एवं कनेक्टिविटी सहित सभी क्षेत्रीय कार्यालयों प्रधान कार्यालय एवं कॉर्पोरेट कार्यालय से जोड़ा है. वी.सी. के माध्यम से कार्यकारी प्रमुख के साथ चर्चा से त्वरित एवं लागतप्रभावी निर्णय लेने में मदद मिली.
- आपके बैंक ने ई-टेंडरिंग, ई-खरीद के रूप में सभी प्रौद्योगिकी केंन्द्रित पहलें अपनायी है. इन्हें चरणबद्ध रुप में से लागू किया गया है.
- आपका बैंक वेंडरों को किए जाने वाले सभी भुगतान आरटीजीएस/

एनईएफटी के माध्यम से करता है.

- प्रशासनिक कार्यालयों हेतु स्वयं के परिसर हेतु आपके बैंक की नीति के अनुरूप बैंक ने इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश), राजरहाट, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) एवं मनोहरपुरा, जयपुर (राजस्थान) आवास भवन के लिए भूमि खरीदी हैं.
- बढ़ते हुए किराये को देखते हुए आपके बैंक द्वारा उपलब्ध परिसर के प्रत्येक स्थान का पूरा उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है. नवीनीकरण के दौरान ले-आउट को उन्नत किया जा रहा है और सभी शाखाओं एवं कार्यालयों की फर्निशिंग को पर्यावरण अनुकूल एवं श्रमदक्ष रूप में डिजाइन किए गए फर्नीचर आइटम के माध्यम से किया जा रहा है. परिसरों के अधिग्रहण हेतु क्षेत्र नियमों की समीक्षा भी की गई है तथा उसे लागू किया गया है.
- पूरे भारत में प्रणालियों एवं पद्धतियों में एकरूपकता लाने के लिए परिसर नीति निर्देश, निर्माण मैनुअल नवीनीकरण मैनुअल तैयार किए गए. फर्नीचर की मदों के डिजाइन में एकरूपता रखने के लिए ताकि वे आकर्षक दिखाई दें और आंतरिक परिवेश सुन्दर लगे, मॉड्यूलर फर्नीचर एवं कुर्सियों के लिए एजेंट निर्धारित किए गए जो फर्नीचर की त्वरित प्राप्ति में मदद करते हैं.
- आपके बैंक ने इस वर्ष कई हरित पहलों की शुरूआत की है. कार्यक्षमता वृद्धि हेतु एसी सिस्टम का अपग्रेडेशन, विद्युत उर्जा एवं खर्च को बचाने के लिए उर्जा इफिशियेंट लाइट्स का इंस्टालेशन. जयपुर, इंदौर, बनारस आदि में निर्माण कार्य परियोजना में नवीन पर्यावरण अनूकुल उत्पादों का प्रयोग. आपका बैंक आगामी निर्माण परियोजनाओं के लिए एलईडी/जीआरआईएचए रेटिंग के लिए प्रयास कर रहा है.
- बड़ौदा कॉर्पोरेट सेंटर में विद्युत उर्जा संरक्षण, प्रकाश बढ़ाने एवं स्टॉफ कार्यक्षमता बढ़ाने हेतु आफिस लाइटिंग को एलईडी लाइटिंग से बदला जा रहा है.

वित्त वर्ष 2015 में कार्यान्वित परियोजनाएंः

- संसद मार्ग, नई दिल्ली मं आपके भवन का (लिफ्ट लॉबी, सीढ़ियों, शौचालयों एवं सभी तलों के आम रास्तों) आंतरिक नवीनीकरण किया गया.
- प्रतापगढ़, बांसवाडा, अजमेर, जयपुर एवं डुंगरपुर (राजस्थान) में बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान का निर्माण.

1 आदर्श ग्रामीण शाखा

2 बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (बीएसवीएस), प्रतापगढ़ (राजस्थान)

3 अलकापुरी, वडोदरा में बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रशासनिक भवन का प्रस्तावित दृश्य

कार्यान्वयन के अंतर्गत परियोजनाएं

- अलकापुरी, वडोदरा में प्रशासनिक भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है.
- वलसान (आनंद, गुजरात) झाबुआ एवं अलिराजपुर (म.प्र.) में बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (बीएसवीएस) का निर्माण
- इंदौर (म.प्र.) में व्यावसायिक सह रिहायशी कॉम्पलैक्स का निमार्ण तेजी से चल रहा है.
- हैदराबाद में आपदा नियंत्रण साइट के लिए स्वयं के भवन का निर्माण
- गांधीनगर, गुजरात में बैंक ऑफ़ बड़ौदा सूचना एवं प्रौद्योगिकी संस्थान का नवीनीकरण

श्री एस.एस. मूंदड़ा, भूतपूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री रंजन धवन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी और अन्य अधिकारी बड़ौदा भवन, बड़ौदा के शिलान्यास समारोह के अवसर पर.

- फैजाबाद (उत्तर प्रदेश) में क्षेत्रीय कार्यालय के भवन का निर्माण पूर्णता की ओर है.
- बेंगलुरू (कर्नाटक) में क्षेत्रीय आवासीय प्रशिक्षण कॉलेज का निर्माण चल रहा है.
- 10 स्थानों पर नए क्षेत्रीय एवं अंचल कार्यालयों के लिए विडियो कान्फ्रेंसिंग प्रणाली की खरीद.
- कोयंबटूर के क्षेत्रीय कार्यालय एवं मुख्य शाखा की फेस लिफ्टिंग
- रामनगर शाखा, कोयंबटूर के व्यवसायिक सह आवासीय भवन का पुनर्विकास
- न्यू रायपुर (छत्तीसगढ़) में कार्यालय भवन का निर्माण
- न्यू रायपुर (छत्तीसगढ़) में आवासीय भवन का निर्माण

श्री रंजन धवन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी मुंबई मेट्रो सेंट्रल क्षेत्र का मुंबई में शुभारंभ करते हुए.

संपदा प्रबंधन संबंधी भावी योजनाएंः

- संसद मार्ग, नयी दिल्ली में स्थित बैंक के भवन का बाह्य नवीनीकरण एवं सौंदर्यकरण
- भांडुप, मुंबई में स्टॉफ क्वाटर्स का पुनर्विकास. स्थानांतरित कार्यपालकों/अधिकारियों के लिए यहां 138 आवासीय फ्लैटों का निर्माण
- जोगेश्वरी, मुंबई में आवासीय सह व्यावसायिक उपयोग हेतु स्टॉफ क्वाट्र्स का पुनर्विकास
- भारत सरकार के निर्देशानुसार पूरे भारत में विभिन्न केन्द्रों पर बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (बीएसवीएस) का निर्माण.

- ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.) एवं भुवनेश्वर (ओडीसा) में क्षेत्रीय आवासीय प्रशिक्षण कॉलेज की स्थापना.
- बरेली (उत्तर प्रदेश) में अंचल कार्यालय भवन का निर्माण.
- देहरादून (उत्तराखंड) एवं इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) के क्षेत्रीय कार्यालय का निर्माण.

ब्रिक एवं मोर्टार शाखा विस्तार

ई बैंकिंग चैनलों, जिसे तकनीक कुशल शहरी समुदाय द्वारा ज्यादा पसंद किया जाता है, की तुलना में आम ग्राहकों के ज्यादा करीब माने-जाने वाले ब्रिक एवं मोर्टार वितरण चैनलों की 31 मार्च 2014 की स्थिति नीचे दी गई है.

क्षेत्र वर्गीकरण (भारत)	शाखाओं की संख्या	कुल संख्या का %
महानगरीय	989	19.06
शहरी	903	17.40
अर्द्ध शहरी	1386	26.70
ग्रामीण	1912	36.84
कुल	5190	100
विदेशी प्रतिनिधि कार्यालय तथा अनुषंगियों की शाखाएं	104	-

घरेलू अनुषंगियां और सहयोगी कंपनियां

वित्तीय वर्ष 2015 के दौरान बैंक की अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगी कंपनियों का कार्यनिष्पादन संतोषजनक और अपेक्षा के अनुरूप रहा.

बैंक के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी **बॉबकार्ड्स लिमिटेड** की स्थापना वर्ष 1994 में हुई. इसका कार्य क्रेडिट कार्ड जारी करना एवं व्यापारी आधार बढ़ाने (मर्चेंट एक्वायरिंग/एमई व्यवसाय) के साथ डेबिट कार्ड परिचालन के लिए बैंक ऑफ़ बड़ौदा को सपोर्ट सेवाएं प्रदान करना है. पूरे देश में कंपनी की 36 एरिया ऑफिस हैं. कंपनी जो कि वृहद गैर निष्पादक आस्तियों के कारण निरंतर घाटे में चल रही थी, वित्त वर्ष 2011 में मुनाफे में आई और तब से कंपनी लगातार लाभ अर्जित कर रही है. कंपनी ने व्यवसाय विकास के सभी गुणात्मक पहलुओं पर अपना ध्यान केंद्रित किया, परिणामस्वरूप लाभप्रदता, गुणवत्तापरक कार्ड आधार एवं सदस्य संस्थान आधार में सुधार दर्ज किया. कंपनी ने प्रीमियम विशेषताओं सहित एडेड प्रिविलेज एंव ऑफर सहित प्लेटिनम कार्ड की एक श्रृंखला शुरू की. कार्ड एवं मर्चेंट आधार को बढ़ाने के लिए कंपनी आक्रामक योजनाओं के कार्यान्वयन की प्रक्रिया में है. कंपनी ने हाल ही में पुनर्निर्मित वेबसाइट एवं ग्राहक केन्द्रित स्वयं सेवा पोर्टल लांच किया है. जिसका उद्देश्य सभी हितग्राहकों, क्रेडिट/डेबिट कार्ड धारकों एवं सदस्य संस्थानों को सुविधाएं देना है. कंपनी अपने कार्ड/सदस्य संस्थानों के आधार में अगले वर्ष अच्छी प्रगति की उम्मीद कर रही है.

बॉब कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी है, जिसकी स्थापना वर्ष 1996 में संस्थागत ब्रोकिंग, निवेद बैंकिंग एवं वित्तीय उत्पादों से संवितरण शुरू करने के लिए की गई. कंपनी जो हाल के कुछ समय तक धीमी प्रगति कर रही थी, इसे प्रोफेशनल टीम की नियुक्ति कर सक्रिय किया गया. इसका मुख्य जोर कैपिटल मार्केट गतिविधियां, डेब्ट एवं इक्विटी सिंडिकेशन, निवेश परामर्श सेवाओं पर है. कंपनी ने संस्थागत ब्रोकिंग व्यवसाय शुरू की है एवं अक्टूबर 2009 से ऑनलाइन इंस्टीच्यूशनल ट्रेडिं प्लेटफार्म लांच किया है. हाल ही में कंपनी ने 20 जुलाई 2012 को व्यावसायिक उद्देश्य ऑनलाइन रिटेल ट्रेडिंग प्लेटफार्म लांच किया. बॉबकैप्स का जोर संस्थागत ब्रोकिंग एवं वित्तीय उत्पादों के संवितरण पर होता है एवं बॉबकैप्स के माध्यम से 27 बडी, प्रतिष्ठित संस्थाएं प्रतिभूति बाजार में निवेश के लिए कंपनी के साथ सूचीबद्ध हैं.

नैनीताल बैंक लिमिटेड को स्वर्गीय भारत रत्न पंडित गोविंद वल्लभ पंत और अन्यों द्वारा प्रमोट किया गया था जोकि वर्ष 1973 में बैंक ऑफ़ बड़ौदा का सहयोगी बैंक बना. आज, नैनीताल बैंक में बैंक ऑफ़ बड़ौदा की शेयर धारिता 98.57% है और यह बैंक का अनुषंगी बैंक है. उत्तराखंड राज्य ने दिनांक 3 अगस्त 2012 की सरकारी सूचना द्वारा अधिसूचित किया है कि अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ नैनीताल बैंक लिमिटेड को भी समतुल्य समझा जाए. बैंक ने वर्ष के दौरान नेट बैंकिंग सुविधाओं की शुरुआत की है तथा बैंक ने अपने मौजूदा ग्राहकों को एनएसीएच (NACH) प्लेटफार्म के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) पहल को कार्यान्वित किया है. बैंक ने उत्तरी ग्रिड में सीटीएस सॉफ्टवेयर को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है तथा विस्तृत जानकारी, इंटरेक्टिव ग्राफिकल यूजर इंटरफेस को समाहित करते हुए अपने वेब पोर्टल को प्रोन्नत किया है.

बड़ौदा पायोनियर एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेडः पायोनियर ग्लोबल एसेट मैनेजमेंट स्पा के साथ एक संयुक्त उद्यम है और यह परिचालन के 7वें वर्ष में है. समीक्षा वर्ष के दौरान कंपनी उसके एयूएम को उललेखनीय ढंग से सुदृढ़ बनाने में सक्षम रही जो कि मार्च 2015 को वर्ष दर वर्ष के आधार पर 9% बढ़ा. यह प्रगति, संस्थागत सेगमेंट पर सुदृढ़ ध्यान की वजह से हुई जो कि कंपनी को उनके डेबिट और पूंजी मार्केट उत्पादों सहित रिटेल निवेशकों हेतु सुव्यवस्थित निवेश योजनाओं (एमआईपी) पर ध्यान केंद्रित करने की वजह से हासिल हुई. यह कंपनी अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए B-15 (प्रमुख शहरों से आगे निकलते हुए) पर निरंतर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है तथा फलस्वरूप B-15 शहरों में इसका व्यवसाय मजबूती से आगे बढ़ रहा है. यह कंपनी निवेशकों को शिक्षित करने संबंधी अपने प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभा रही है.

इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड लीगल एवं जनरल ग्रुप के साथ संयुक्त उद्यम कंपनी है, जिसने 16 नवंबर, 2009 को अपना व्यवसाय परिचालन शुरु किया और देश भर में इसके उत्पादों को उत्साहवर्धक प्रतिसाद मिला. इंडिया फर्स्ट अत्यंत तेजी से आगे बढ़ती हुई कंपनी है जिसने अपने परिचालन से 5वें वर्ष में ही लाभ-अलाभ की स्थिति अर्जित कर ली है तथा प्राइवेट प्रतियोगियों में यह 8वें स्थान पर है. इसका मार्केट शेयर 4.5% तथा दिसंबर 2014 में कंपनी का एयूएम रु. 8188 करोड़ रहा. कंपनी को बैंकिंग फ्रंटियर पर इनोवेशन की ओर से प्रतिष्ठित 'फिन्नोविटी 2015' पुरस्कार प्राप्त हुआ है.

इंडिया इंफ्राडेब्ट लि. आईसीआईसीआई बैंक लि., आईसीआईसीआई होम फायनॉस कंपनी लि. सिटीकॉर्प फायनॉस (इंडिया) लि. तथा भारतीय जीवन बीमा निगम की संयुक्त उद्यम कंपनी है. कंपनी का गठन 31 अक्तूबर 2012 को मुंबई में किया गया. यह कंपनी इंफ्रास्ट्रक्चर डेब्ट फंड- नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (IDF-NBFC) के रुप में परिचालन कर रही है. कंपनी की प्रमुख गतिविधि परियोजना कंपनियों की ऋण देयताओं की आंशिक पुनर्वित्त उपलब्ध कराना है. इसके ग्राहकों में पुनर्वित्त /टेक आउट वित्तपोषण के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI), हिमालयन एक्सप्रेसवे लिमिटेड, स्वर्ण टोलवे प्राइवेट लिमिटेड आदि शामिल है.

(रु. लाख में)

इकाई (पंजीकरण की तारीख के साथ)	देश	स्वाधिकृत निधियां	कुल आस्तियां	शुद्ध लाभ	कार्यालय	स्टाफ
बॉब कैपिटल मार्केट लि. (11 मार्च 1996)	भारत	15030.15	15749.67	1360.93	1	41
बॉबकार्ड्स लि. (29 सितंबर 1994)	भारत	20776.00	31025.85	3580.26	36	199
बड़ौदा पायोनियर एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि. (5 नवंबर 1192)	भारत	5343.31	5343.31	(-)1283.09	1	84
बड़ौदा पायोनियर ट्रस्टी कंपनी लि. (23 दिसंबर 2011)	भारत	6.42	6.42	0.72	1	0
इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि. (19 जून, 2008)	भारत	35746.24	828275.64	688.89	44	1230
नैनीताल बैंक लि. (31 जुलाई 1922)	भारत	49468.39	597792.62	6718.19	125	835
इंडिया इन्फ्राडेट लि. (31.10.2012)	भारत	34928.78	109541.07	2176.46	1	11

राजभाषा नीति (रा.भा) का कार्यान्वयनः

समीक्षाधीन अवधि के दौरान आपके बैंक ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में उल्लेखनीय प्रगति की. संघ सरकार की राजभाषा नीति के अंतर्गत विभिन्न सांविधिक आवश्यकताओं के अनुपालन के अलावा, आपके बैंक ने ग्राहकों के साथ बेहतर संपर्क और व्यवसाय विकास के टूल के रुप में हिंदी के उपयोग के लिए पहल की.

वर्ष 2014-15 के लिए भारत सरकार के वार्षिक कार्यान्वयन कार्यक्रम के तहत निर्धारित विभिन्न लक्ष्यों तथा हमारे बैंक की विभिन्न शाखाओं/कार्यालयों के निरीक्षण दौरों के समय संसदीय राजभाषा समिति को दिए गए आश्वासनों को पूरा करने के लिए सुव्यवस्थित वार्षिक कार्ययोजना तैयार की गयी है. विभिन्न स्तरों पर सतत निगरानी एवं नियमित प्रयासों से आपके बैंक ने कार्यक्रम के सभी बड़े लक्ष्यों एवं संसदीय राजभाषा समिति को दिए गए आश्वासनों को पूरा किया है.

बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/कार्यपालक निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक नियमित रुप से तिमाही आधार पर आयोजित की गई. समिति द्वारा दिए गए मार्गदर्शन के अनुसार वित्तीय वर्ष 15 के दौरान कई नए कदम उठाए गए. आपके बैंक ने अपने ग्राहकों को इंटरनेट बैंकिंग सेवाएं तथा मोबाइल पासबुक हिंदी में उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण पहल की. सभी वैकल्पिक डिलवीरी चैनलों को जैसे- सेल्फ पासबुक प्रिंटिंग मशीन, चेक जमा मशीने, कैश डिपॉजिट मशीनें, मल्टी फंक्शन कियोस्क, आदि को ग्राहकों की सुविधा हेतु हिंदी यूजर इंटरफेस से लैस किया. सभी एटीएम मशीनों को ट्रांजेक्शन स्लिप और मिनी स्टेटमेंट को ऐसे ग्राहकों की सुविधा के लिए जो अपनी सुविधा के लिए मशीन से हिंदी में इन्ट्रैक्ट करते हैं उनके लिए हिंदी प्रिंट करने हेतु सक्षम बनाया गया. बैंक के सभी एटीएम में इस सुविधा की उपलब्धता की पुष्टि के लिए एक अखिल भारतीय अभियान चलाया गया.

आपके बैंक की तिमाही हिंदी प्रगति रिपोर्ट के प्रस्तुतीकरण की प्रणाली के ऑटोमेशन के कार्य में उल्लेखनीय प्रगति हुई है. आपके बैंक ने जनवरी 2015 में बैंक की सभी शाखाओं/कार्यालयों द्वारा प्रगति ऑनलाइन पैकेज के माध्यम से जिसे पिछले वित्त वर्ष में लागू किया गया था. तिमाही प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए अभियान चलाया गया. आपके बैंक की लगभग 70% शाखाओं/कार्यालयों ने अभियान के दौरान अपनी प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन प्रस्तुत की. आपके बैंक ने ऑनलाइन रिपोर्ट को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करने हेतु मिशन 100% पहले ही चला रखा है.

वर्ष के दौरान, केवायसी, संभावित निष्क्रिय खाते, निष्क्रिय खाते से संबंधित ग्राहकों को फिनेकल से तैयार किए गए द्विभाषिक (अंग्रेजी-हिंदी) पत्र भेजना प्रारंभ किया गया. यह आपके बैंक में क्षेत्रीय बैंक कार्यालय में स्थापित प्रणाली के अलावा है जहां नए खोले जा रहे खातों में लाखों पत्र द्विभाषिक रुप में भेजे जा रहे हैं. इन सिस्टम से तैयार पत्रों ने राजभाषा कार्यक्रम के तहत निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में काफी मदद की है. आपके बैंक द्वारा भाषिक क्षेत्र 'क' और 'ख' में स्थित शाखाओं में खाता विवरण और पासबुक हिंदी में प्रिंट करने के लिए और अधिक शाखाओं को आईटी कार्यक्रम के दायरे में लाया गया है.

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, एक पहल के रुप में आपके बैंक ने 'सोशल मीडिया में हिंदी की दस्तक' और 'खुदरा बैंकिंग' पर मुंबई एवं जयपुर में सेमीनारों का आयोजन किया जिसमें विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों/वक्ताओं/प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. इस पहल को भारतीय रिज़र्व बैंक/भारत सरकार/संसदीय राजभाषा समिति से प्रसंशा प्राप्त हुई. आपके बैंक ने 10.1.2015 को बैंक की सभी ओवरसीज़ टेरीटरीज में विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया. इस अवसर को मनाने के लिए संक्षिप्त कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इसमें हिंदी साहित्य से जुड़े और हिंदी का प्रयोग बढ़ाने से जुड़ी हस्तियों को आमंत्रित किया गया. इस कार्यक्रम में आपके बैंक के स्टाफ सदस्यों, प्रतिष्ठित ग्राहकों एवं भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने भाग लिया.

भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गयी प्रधानमंत्री जन-धन योजना एवं वित्तीय समावेशन अभियान में योगदान देने हेतु आपके बैंक ने फील्ड स्तर पर काम करने वाले बिजनेस कॉरेस्पांडेंटस के उपयोग हेतु 'समावेशन संदर्भ' नामक पुस्तिका तैयार की. इस पुस्तिका का गुजराती संस्करण भी वर्ष के दौरान जारी किया गया. यह पुस्तिका आपके बैंक के सभी बीसी एवं लिंक शाखाओं में वितरित की गयी. इसी क्रम में आम जनता में वित्तीय साक्षरता के प्रचार-प्रसार के लिए आपके बैंक ने हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में कार्टून पुस्तिकाएं एवं एनीमेशन फिल्में बनाकर प्रचारित करना जारी रखा. यह पुस्तिकाएं एवं एनीमेशन फिल्में बचत, किसान क्रेडिट कार्ड और समय पर ऋणों के भुगतान करने के प्रति जागरुकता लाने के लिए तैयार की गयी. इन कार्टून पुस्तिकाओं और एनीमेशन फिल्मों को हिंदी में 'छोटी बचत बड़ी खुशहाली', 'आम के आम गुठलियों के दाम', 'समय पर कर्ज का भुगतान जिंदगी बने आसान', 'रिटेल लोन से खुशहाली' नाम दिया गया. इन पुस्तिकाओं एवं एनीमेशन फिल्मों को क्षेत्रीय/अंचल कार्यालयों को प्रभावी उपयोग के लिए भेजा गया है. उल्लेखनीय है कि राजभाषा कार्यक्रमों/

कार्यशालाओं का उपयोग प्रधानमंत्री जन-धन योजना के गुणों को प्रचारित करने के लिए किया गया.

आपका बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के माध्यम से हिंदी का प्रचार प्रसार करने में अग्रणी रहा है. आपके बैंक ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान गृह मंत्रालय, भारत सरकार के अनुदेशों के तहत 4 नयी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया. यह समितियां सिहोर (म.प्र), सीतामढ़ी (बिहार), आणंद (गुजरात), फैजाबाद (उ.प्र) में आपके बैंक के समन्वय में कार्य कर ही हैं. इस प्रकार आपके बैंक के संयोजन में गठित नगर राजभाषा समितियों की संख्या 12 हो गयी है.

राजभाषा पर गठित संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उपसमिति ने हमारे बैंक की नागरकोइल (तमिलनाडु) शाखा का दौरा किया. समिति ने आपके बैंक में हिंदी भाषा के प्रयोग में प्रगति के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की.

आपके बैंक के प्रयासों को भारत सरकार तथा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा भी सराहा गया. भारत सरकार द्वारा आपके बैंक को 'ख' क्षेत्र में इंदिरा गांधी राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया. यह पुरस्कार बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री पि.श्रीनिवास ने हिंदी दिवस 2014 के अवसर पर राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में भारत के माननीय राष्ट्रपति से प्राप्त किया. इसके अलावा आपके बैंक को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा रिज़र्व बैंक राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता के तहत 'ख' क्षेत्र में प्रथम तथा 'क' और 'ग' दोनों में द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया. आपके बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री पी.श्रीनिवास ने ये पुरस्कार भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर से प्राप्त किए.

आपके बैंक ने छात्र समुदाय के बीच हिंदी को लोकप्रिय बनाने हेतु अपनी प्रसिद्ध योजना 'मेधावी विद्यार्थी सम्मान योजना' को जारी रखा. इस योजना के तहत नकद पुरस्कार एवं आपके बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा हस्ताक्षरित प्रशस्ति पत्र उन छात्रों को प्रदान किए जाते हैं, जिन्होंने एम.ए हिंदी में सर्वाधिक अंक अर्जित किए हैं. यह योजना वर्तमान में देश के 64 विश्वविद्यालयों में लागू है.

श्री निर्मेष कुमार, महाप्रबंधक (पूर्वी उत्तर प्रदेश अंचल) राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन हेतु उत्तर प्रदेश के राज्यपाल मा. श्री राम नाईक के करकमलों से प्रथम पुरस्कार ग्रहण करते हुए.

आपके बैंक ने हिंदी में गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराने हेतु वर्ष के दौरान हिंदी में पांच पुस्तकों 'आस्ति प्रबंधन', 'मध्य भारत काव्यांजलि', 'मध्य भारत लेखमाला', 'बैंकिंग के विभिन्न आयाम' तथा 'खुदरा ऋण मार्गदर्शिका' का प्रकाशन किया.

निदेशक मंडल (वर्ष के दौरान निदेशकों की नियुक्ति/विराम)

नियुक्तियॉः

श्रीमती सुरेखा मरांडी को बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (सी) के तहत केंद्र सरकार द्वारा 10.06.2014 से आगामी आदेशों तक श्री सुदर्शन सेन के स्थान पर भारतीय रिज़र्व बैंक के नामिति निदेशक के रुप में नामित किया गया है.

श्री प्रेम कुमार मक्कड़ को बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9 (3) (एफ) के तहत केंद्र सरकार द्वारा 19.09.2014 से तीन वर्ष के लिए अथवा उनके बैंक के अधिकारी न रहने तक अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, ऑफिसर इम्पलॉय डायरेक्टर के रुप में नियुक्त किया गया है.

श्री मोहम्मद मुस्तफा को बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9 (3)(सी) के तहत केंद्र सरकार द्वारा 25.11.2014 को आगामी आदेशों तक डा. के. पी. कृष्णन के स्थान पर सरकार के नामिति निदेशक के रुप में नामित किया गया है. श्री आर नारायण स्वामी को 24.12.2014 से नामांकनों की जांच पड़ताल करने और उचित एवं सही पाए जाने पर शेयरहोल्डर निदेशक के रुप में निर्वाचित घोषित किए गए.

डॉ. आर. नारायणस्वामी 24.12.2014 से नामांकनों की जांच पड़ताल करने और उचित एवं सही पाए जाने पर शेयर होल्डर निदेशक के रुप में निर्वाचित घोषित किए गए.

श्री भरत कुमार धीरुभाई डांगर 24.12.2014 से नामांकनों की जांच पड़ताल करने और उचित एवं सही पाए जाने पर शेयर होल्डर निदेशक के रुप में निर्वाचित घोषित किए गए.

श्री के.वी. रामामूर्ति को बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9 (3) (ए) के तहत केंद्र सरकार द्वारा 10.03.2015 से अपनी अधिवर्षिता की तारीख तक अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, कार्यपालक निदेशक नियुक्त किया गया है.

श्री सुदर्शन सेन, से भारतीय रिज़र्व बैंक के नामिति निदेशक उनके स्थान पर श्रीमती सुरेखा मरांडी का नामांकन होने के कारण 09.06.2014 से निदेशक के रुप में नहीं रहे.

श्री विनिल कुमार सक्सेना, कामगार कर्मचारी निदेशक, अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद 24.07.2014 से निदेशक के रुप में नहीं रहे.

श्री एस.एस.मूदड़ा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक के डिप्टी गवर्नर के रुप में नियुक्ति के फलस्वरुप 30.07.2014 से निदेशक के रुप में नहीं रहे.

श्री के.पी.कृष्णन, आइएएस, सरकार द्वारा नामिति निदेशक उनके स्थान पर श्री मोहम्मद मुस्तफा का नामांकन होने के फलस्वरुप 24.11.2014 से निदेशक के रुप में नहीं रहे.

श्री मौलिन अरविंद वैष्णव, शेयर होल्डर निदेशक, अपना कार्यकाल पूरा होने के फलस्वरुप 24.12.2014 से निदेशक के रुप में नहीं रहे.

श्री सुरेन्द्र सिंह भण्डारी, शेयर होल्डर निदेशक, अपना कार्यकाल पूरा होने के फलस्वरुप 24.12.2014 से निदेशक के रुप में नहीं रहे.

श्री राजीब शेखर साहू, शेयर होल्डर निदेशक, अपना कार्यकाल पूरा होने के फलस्वरुप 24.12.2014 से निदेशक के रुप में नहीं रहे.

श्री पि. श्रीनिवास, कार्यपालक निदेशक, युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रुप में नियुक्ति के फलस्वरुप 31.12.2014 से निदेशक के रुप में नहीं रहे.

निदेशकों का दायित्व संबंधी अभिकथन

निदेशक गण, इस आशय की पुष्टि करते हैं कि 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए वार्षिक लेखा तैयार करते समय

1. महत्वपूर्ण विसंगतियों, यदि कोई हो, के समुचित स्पष्टीकरण सहित लेखा मानकों का पूर्णतः पालन किया गया है.

2. भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशानुसार तैयार की गई लेखा नीतियों का निरंतर पालन किया गया है.
3. वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर बैंक के कार्यपालकों की स्थिति तथा 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक के लाभ की वास्तविक एवं सुस्पष्ट स्थिति प्रस्तुत करने की दृष्टि से तर्कसंगत और विवेकपूर्ण निर्णय एवं आकलन किए गए है.
4. भारत में बैंकों पर लागू नियमों संबंधी प्रावधानों के अनुरुप उचित लेखाकंन रिकॉर्ड तैयार रखने के लिए समुचित एवं प्रर्याप्त सावधानी बरती गई है तथा
5. लेखों को उत्तरोत्तर जीवंत (कंसर्न) आधार पर तैयार किया गया है.

आभार

निदेशकगण, भारत सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड, अन्य विनियामक प्राधिकारियों, विभिन्न वित्तीय संस्थाओं, बैंकों तथा विदेशों एवं भारत स्थित प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए उनके प्रति आभार प्रकट करते हैं.

निदेशकगण, आपके बैंक के देश-विदेश स्थित समस्त हितधारकों यथा ग्राहकों, शेयरधारकों एवं शुभचिंतकों द्वारा प्रदत्त सहायता एवं सहयोग की सराहना करते हैं.

निदेशकगण, विभिन्न स्तरों पर कार्यरत स्टाफ सदस्यों की प्रतिबद्धता एवं कड़ी मेहनत की सराहना करते हैं जिसके कारण बैंक को आर्थिक चुनौतियों के बावजूद वर्ष दर वर्ष उच्च गुणवत्तापूर्ण व्यवसाय अर्जित करने में सफलता हासिल हुई और बैंक ने देश के अग्रणी बैंक के रुप में अपनी स्थिति को मजबूत किया.

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से,

रंजन धवन
प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य कार्यपालक अधिकारी

DIRECTORS' REPORT

Your Directors have pleasure in presenting the One Hundred and Seventh Annual Report of your Bank with the audited Balance Sheet, Profit & Loss Account and the Report on Business and operations for the year ended March 31, 2015 (FY15).

Performance Highlights

- **Total Business** (Deposit+Advances) increased to **Rs 10,45,625 crore** reflecting a growth of 8.25% (y-o-y).
- **Gross Profit** and **Net Profit** were **Rs 9,915 crore and Rs 3,398 crore** respectively. Net Profit registered a growth of (-) 25.16% over the previous year.
- **Credit-Deposit Ratio** stood at 84.82% as against 86.15% last year.
- **Retail Credit** posted a growth of 14.06% constituting 14.07% of your Bank's Gross Domestic Credit in FY15.
- **MSME Credit** posted a growth of 9.46% constituting 17.27% of your Bank's Gross Domestic Credit in FY15.
- **Net Interest Margin (NIM)** as per cent of interest earning assets in global operations was at the level of 2.31% and in domestic operations at 2.91% during FY15.
- **Net NPAs to Net Advances** stood at 1.89% this year against 1.52% last year.
- **Capital Adequacy Ratio (CAR)** as per Basel II stood at 13.33%.
- **Capital Adequacy Ratio (CAR)** as per Basel III stood at 12.60%.
- **Net Worth** at **Rs 36,895 crore** registering a rise of 11.48%.
- **Book Value** improved from **Rs 162.70** (Rs 813.50 pre split of shares) to **Rs 166.83** on year.
- **Business per Employee** moved up from Rs 1,865 lakh to **Rs 1,889 lakh** on year.

Segment-Wise Performance

The Segment Results for the year FY15 reveal that the contribution of Treasury Operations was **Rs 3,333 crore**, that of Corporate/Wholesale Banking was **Rs 936 crore,** that of Retail Banking was **Rs 3,005 crore**, and of Other Banking Operations was **Rs 50 crore**. Your Bank earned a Profit after Tax (PAT) of **Rs 3,398 crore** after deducting **Rs 1,904 crore** of unallocated expenditure and **Rs 2,022 crore** towards provision for tax.

Dividend

Your Bank's Directors have recommended dividend of **Rs 3.20** per share. The face value of Rs 2 each for the total outgo in the form of dividend, including taxes, will be **Rs 851.69 crore**.

Capital Adequacy Ratio (CAR)

Your Bank's **Capital Adequacy Ratio (CAR)** was comfortable at 13.33% under **Basel II** and at **12.60% under Basel III** as on 31st March 2015. Moreover, your Bank's Tier 1 ratio was at 9.87% and common equity Tier 1 was at 9.35% under Basel III framework.

Your Bank's Net Worth as at 31st March 2015 was **Rs 36,895 crore** comprising paid-up equity capital of **Rs 443 crore** and reserves (excluding revaluation reserves) and FCTR) of **Rs 36,452 crore**. An amount of **Rs 2,547 crore** was transferred to reserves from the profits earned.

Provisions towards Retirement and Other Benefits

During the year FY15, your Bank made provision towards contribution to gratuity (Rs. 40.04 crore), pension funds (Rs . 920.69 crore), leave encashment (Rs . 148.54 crore) and additional retirement benefits of Rs (-)211.33 crores (reversal on actuarial basis). Total provisions under these four categories amounted to Rs. 897.94 crore during the year FY15 and Rs 1,276.37 crore during the year FY14. Total corpus available with your Bank at the end of March 2015 under these heads was: Rs 1,491.36 crore (gratuity), Rs 8,583.68 crore (pension funds), Rs 781.97 crore (leave encashment) and Rs 369.87 crore (additional retirement benefit)

Key Financial Ratios

Particulars	FY 15	FY14
Return on Average Assets (ROAA) (%)	0.49	0.75
Average Cost of Funds (%)	5.23	5.37
Average Yield (%)	7.53	7.68
Average Interest Earning Assets (Rs crore)	5,70,592.45	5,07,082.68
Average Interest Bearing Liabilities (Rs crore)	5,69,190.46	5,02,176.05
Net Interest Margin (%)	2.31	2.36
Cost-Income Ratio (%)	43.63	43.44
Book Value per Share (Rs)	166.83*	813.50
EPS (Rs)	15.83*	107.38

*post split of face value of the share

Management Discussion and Analysis

Economic Scene in FY15 and Outlook for FY16

During FY15, while the growth outlook remained subdued throughout the year, the sentiments were optimistic as they received a boost from a host of domestic and global factors such as formation of stable government, sharp fall in crude oil prices, passing of major bills such as insurance and mining, and investment oriented union budget. As a result, the Indian economic outlook improved amidst subdued growth prospects of major advanced and emerging economies.

As per the revised and rebased estimates for GDP data released by Central Statistical Office (CSO), the GDP is to grow at 7.4% in 2014-15 as against 6.9% in 2013-14 and 5.1% in 2012-13. While the industry and services sector are estimated to grow at a higher rate in 2014-15 than that in 2013-14, the agriculture sector was affected adversely by deficit and uneven spatial distribution of rains during kharif season and unseasonal rains in rabi season. The index of industrial production (IIP) which saw buoyant growth in first quarter of the year slipped sharply only to rise again in February 2015 at 5%. As a result, the IIP growth for FY15 was at low rate of 2.8% on y-o-y basis. Although production of capital goods and non-oil non-gold imports gathered some momentum, the vicious cycle of supply constraints, stranded investments, stressed bank balance sheets, risk aversion and weak demand continued during FY15. The exports growth was subdued during the year and the imports were also weak, resulting in narrowing of trade deficit. However, as the portfolio flows were buoyant given the surge in equity markets, the net capital flows being significantly larger than the external financing requirements, foreign exchange reserves rose to a peak level of US$ 343.0 billion during the year.

However, there were some green shoots of growth visible during the year. The new investments proposals saw some improvement in 2014-15. The parliament passed bills covering insurance and coal sectors. In the Union Budget, the government announced a 25% increase in capital spending – primarily on highways and railways to kick-start the investment demand. A healthy shift was underway from government subsidies to investments.

A slew of initiatives were taken in the current financial year that includes rationalization of administered pricing policies in petroleum and natural gas and to ensure adequate availability of key inputs like coal and power. The biggest financial inclusion initiative under the Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY), extending financial services to the large hitherto un-served population to unlock growth potential was successful. Substantive progress has been made in direct benefit transfer linked to Aadhar.

For a large net importer of crude oil like India, the decline in crude prices since June 2014 by about 50% has been a favourable external shock. This has had a wide positive effect, for instance, on growth, easing of inflationary pressure and lowering current account deficit. The declining input costs manifested in the sharp fall of the CPI (combined) from 8.59% in April 2014 to 5.17% in March 2015 much below the target set by the Reserve Bank of India (RBI)'s glide path and WPI slipped from 5.5% in April 2014 to (-) 0.17% in November 2014 and thereafter remained in negative zone till March 2015 at (-) 2.33%.

During the initial phase of the FY15, the inflation was at elevated level while growth remained subdued. The RBI kept the rates unchanged to contain the demand pressures and rupee volatility, however in order to support the slowing growth, the RBI had cut the SLR by 150 bps with 50 bps cut each on June 14, 2014, August 9, 2014 and February 7, 2015. But, as the disinflation process strengthened since July 2014 on account of faster than expected decline in fuel and food prices, given the persisting slack in economic activity and weakened pricing power, the RBI cut the repo rate by 50 bps with 25 bps on January 15, 2015 and March 4, 2015 each. This was also supported by high quality fiscal consolidation by the Union Government.

A number of important changes happened in the operation of the monetary policy during the year. As per the recommendation of the Dr Urjit Patel committee, the RBI adopted the new CPI (combined) as the key measure of inflation and there was explicit recognition of the glide path for disinflation. The RBI had set the target to keep the economy on a disinflationary course, taking CPI inflation to 8.0% by January 2015 and 6.0% by January 2016. The RBI revised its liquidity management framework from September 5, 2014, with more frequent 14-day term repos and daily overnight variable rate repo operations, to ensure flexibility, transparency and predictability in liquidity management operations.

In February 2015, a historic landmark agreement was signed by the Government of India and the Reserve Bank of India that committed to an institutional architecture that accords price stability as a major objective of monetary policy. Apart from these developments, the RBI also sought to widen the banking space by issuing license to new market participants as well as introduce payment banks to cater to specialized payment functions.

During the year, the markets remained concerned about the possible US Fed rate hike following the signs of strengthening of the US economy. But as the year progressed and there were signs of weakness, the rate normalization was deferred. Further, the massive quantity easing in Europe and Japan gave a boost to their economy. With the increased signs of China's economy slowing down gathered momentum, the Indian economy began to be considered to be among the better performing economies amidst dismal growth outlook.

Most of the private and public think-tanks from across the globe including International Monetary Fund (IMF) have projected higher growth for Indian economy in 2016. Moreover, the Moody's rating agency revised the rating

outlook to positive from stable as they perceive higher probability of better growth outlook going forward. The revival of growth is helped by the government's continued commitment to lower its budget deficit while also investing more to upgrade infrastructure sector, railways and power lines. While the uncertainty pertaining to the US Fed rate normalization, geo-political risks affecting the stability in crude oil prices, probability of below normal monsoon, the strengthening of the green shoot of recovery to a broad based growth, and pace of reforms remain the key uncertainties going forward.

Performance of Indian Banking Sector in FY15 and Outlook for FY16

The Banking sector was facing multifarious challenges with a subdued credit growth, heightening asset quality concerns amidst weakening corporate balance sheets and capital conservation given the tighter Basel –III capital norms.

During FY15, both the credit and deposit growth of the banking industry slipped to multiyear low on the back of overall economic slowdown, stalled projects, weak investment, stretched corporate balance sheets and supply constraints. The credit growth on an average basis was at around 10% during FY15. Apart from weak macroeconomic environment, the banks remained risk averse amidst surging asset quality concerns. Further, the alternative sources of credit such as commercial papers and external commercial borrowings remained buoyant source of funds. Moreover, during the year, the banks resorted to sale of assets to asset reconstruction companies.

During the year, the banks reduced deposit rates on various maturities driven by the sharp fall in inflation and the RBI cutting SLR and policy rate cuts during the year. The major concern of the banking sector was regarding the asset quality which resulted in higher provisions, thereby adversely affecting the profitability of the banks.

With the number of initiatives of the government to revive the economy and accommodative policy stance of the RBI, there are green shoots of economic recovery. However, a broad based revival in the economy, in particular infrastructure, would have a positive impact on the banks' asset quality and consequently on the overall performance of the banking industry.

Apart from these concerns, the banking industry has been facing the challenges of raising capital to meet the Basel –III capital requirements. With the liquidity coverage ratio and monitoring tools being implemented from January 2015, capital conservation has assumed greater importance.

Amidst these challenges, the banking industry played a pivotal role in achieving the goals of Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY) well ahead of its deadline. Further, the banks played an important role in the government's Direct Benefit Transfer, linked to Aadhar in the delivery of subsidies.

Risk Management

To ensure sustainable and consistent growth, your Bank has developed a sound risk management framework so that the risks assumed by the Bank are properly assessed and monitored. The ultimate responsibility for setting up the risk management framework lies with the Board of the Bank. It includes setting up risk appetite, framing policies and effective monitoring. Your Bank's Board has put in place a robust Enterprise-wide Risk Management architecture so that the risks remain within the risk appetite defined by the Board.

Specific committees of the Board have been constituted to facilitate focused oversight on various risks. The Board has also constituted a Sub Committee of Board on ALM and Risk management which oversees the inter linkages between different type of risks. Policies approved from time to time by the Board of Directors or committees of the Board form the governing framework for each type of risk. The business activities are undertaken within these policy frameworks.

A brief outline of the mechanism for identifying, evaluating and managing various risks within your Bank is as follows.

Asset Liability Management (ALM)

Your Bank's Asset Liability Management (ALM) is aimed at strategic planning, implementation, and control processes that affect the volume, mix, maturity, rate sensitivity, quality and liquidity of the Bank's assets and liabilities, thereby ensuring that the returns are commensurate with the level of risk taken.

The ALM is the function of Asset Liability Management Committee (ALCO), which comprises of General Managers and Executive Directors and is headed by the Managing Director & CEO. It operates under the guidance and supervision of the Board and/or Sub-Committee of Board on ALM and Risk Management. It meets at regular intervals to review the interest rate scenario, product pricing, maturity profile of assets and liabilities, demand for funds, cash flows of the Bank, profit planning and overall Balance Sheet Management. The ALCO is also entrusted with the job of fixing and reviewing Base Rate of the Bank.

In your Bank, the liquidity risk is measured and monitored through two approaches-Flow approach and Stock approach. Flow approach is done through preparation of Structural liquidity statement on a daily basis against prudential caps fixed for liquidity gap positions. The quality of liquidity is further tested by working out various ratios under Stock Approach, wherein a series of prudential caps are tested on a daily basis. The compliance to Stock Approach caps ensures that the Bank has managed its liquidity through appropriate diversification and kept it within the sustainable limit. Moreover, liquidity position is projected every fortnight, for the subsequent three months on a dynamic basis through Dynamic Gap Reports.

For measurement and monitoring of Interest rate risk,

currency wise, both Traditional Gap and Duration Gap approaches are followed. The short-term impact of interest rate movements on NIM is worked out through “Earnings at Risk” approach taking into consideration Yield curve risk, Basis risk and Embedded Options Risk. The long-term impact of interest rate movements on Market Value of Equity is also worked out through Duration Gap approach.

Advanced techniques such as stress testing of liquidity risk and interest rate risk, simulation, sensitivity analysis etc., are used at regular intervals to draw the contingency funding plan under different liquidity and interest rate scenarios. Your Bank has also put in place contingency plans to meet its liquidity obligations under various stressed scenarios.

Your Bank has implemented Oracle Financial Services Analytical Applications (OFSAA) platform, which is a multi-currency ALM, Fund Transfer Pricing (FTP) and profitability solution, offering extensive data management capabilities for accurate information gathering and analysis. With a powerful suite of analytical and reporting tools, an efficient liquidity and interest rate risk management has been facilitated, enabling strategic decision-making and generating alerts against potential deviations.

Your Bank has implemented Basel III Framework on Liquidity Standards – Liquidity Coverage Ratio (LCR), Liquidity Risk Monitoring Tools and LCR Disclosure Standards. The LCR standard aims to ensure that banks maintain an adequate level of unencumbered High Quality Liquid Assets that can be converted into cash to meet liquidity needs for a 30 calendar day time horizon under a significantly severe liquidity stress scenario specified by the RBI. The LCR and monitoring tools is applicable since January 2015 for Indian banks at whole bank level only i.e. on a stand-alone basis including overseas operations through branches and from March 2016, this shall be implemented on Consolidated basis.

Credit Risk

Credit risk implies the possibility of losses associated with default in repayment or diminution in the credit quality of borrowers or diminution in the value of primary and/ or collateral assets. Credit risk is managed in your Bank though a well established Board approved framework that sets out policies, procedures and reporting which are in line with international best practices. Adequate attention is given to segregate the activities of policy framers and risk takers. Your Bank has a well structured credit approval process with a well defined Board approved credit policy to monitor and mitigate risks associated in Bank’s lending.

Credit Risk Rating in your Bank involves a method of systematically classifying credit proposals according to their quality and inherent risk characteristics. Rating is an important single point indicator of credit quality to the Bank as also to other stakeholders (viz. regulators, analysts, auditors etc.). Your Bank has adopted a robust web based two dimensional credit rating system which consists of borrower rating as well as facility rating.

Over the years, your Bank has gained good experience in internal rating and has thus built up data on credit rating migration. This robust platform has enabled your Bank to get an approval of regulator for a parallel run under Foundation Internal Rating Based (FIRB) approach of Credit Risk under Basel II rules from 31st March, 2013. Under the IRB approach, the banks are allowed to develop their own empirical model to quantify required capital for credit risk. IRB implementation will make your Bank more risk sensitive and would benefit the Bank with improved risk management systems and strong risk assessment processes, and possibly reduced credit risk capital requirements.

Your Bank’s corporate research cell prepares industry report to assess the risks prevalent in industries where the Bank has sizable exposure and also identifies the sunrise industries. To manage imprudent concentration, your Bank has also put in place prudential caps across industries, sectors and borrowers. Also, the corporate research cell carries out detailed studies on sectoral exposure, credit concentration, ratings distribution and migration.

Market Risk

Market Risk implies the “risk” of loss of earnings or economic value due to adverse changes in market rates or prices. The change in economic value of different market products is largely a function of change in interest rates, exchange rates, economic growth, business confidence etc.

Your Bank has clearly articulated policies to control and monitor its treasury functions. These policies comprise management practices, procedures, prudential risk limits, review mechanisms and reporting systems. These policies are reviewed regularly in line with changes in financial and market conditions.

The Interest rate risk in your Bank is measured through Interest Rate Sensitivity Gap Reports and Earning at Risk. Furthermore, your Bank calculates duration, modified duration, PV01, Value at Risk for its investment portfolio consisting of fixed income securities on daily basis. It monitors the short-term Interest rate risk from the NII (Net Interest Income) perspective and long-term interest rate risk from the EVE (Economic Value of Equity) perspective. Moreover, the stress testing of fixed interest investment portfolio through sensitivity analysis and equities through scenario analysis is regularly conducted in your Bank. The foreign exchange risk and equity price risk is monitored too and measured through daily marking to market , stop loss limits , VaR limits , portfolio size limits , IGL , AGL etc.

The Value at Risk for the treasury positions is calculated through historical simulation method for a ten days holding period, at 99.0% confidence level.

Operational Risk

Operational Risk implies the risk of loss resulting from inadequate or failed internal processes, people and systems or from external events. This includes legal risk, but excludes strategic and reputational risks. Your Bank is implementing a comprehensive Operational Risk Management Framework (ORMF) to meet the qualitative and quantitative requirements of the Standardized Approach (TSA) and Advanced Measurement Approach (AMA) of Basel II requirements. Operational Risk Management Committee (ORMC) of your Bank shoulders the responsibility of monitoring and controlling the operational risk by way of prescribing/ amending processes, imposing controls and defining roles and responsibilities. Your Bank has sound operational risk governance practice with three lines of defence mechanism such as Business line management, independent corporate operational risk management function and an independent inspection and audit function to ensure that its internal guidelines, policies and procedures are complied with.

Your Bank has implemented a globally accredited sophisticated web-based Operational Risk Management System to capture, measure, monitor and manage its operational risk exposure.

Your bank is one of the promoters and initial equity capital subscribers to Cordex India Private Limited, which will be a consortium of Operational Risk loss data in India for the banking industry.

Basel III Implementation

The Basel III capital regulations have been implemented by Indian banks with effect from April 1, 2013. To ensure smooth transition to Basel III, appropriate transitional arrangements have been made with capital requirement and disclosures at consolidated level which are to be disclosed with the publication of financial results have been provided for meeting the minimum Basel III capital ratios, full regulatory adjustments to the components of capital. This implementation requires enhanced quality and quantity of capital on one side and more elaborate disclosure on the other. The bank is fully equipped to comply with the regulatory norms with reasonable cushion over the minimum regulatory capital requirements.

Risk Based supervision (RBS)

The Department of Banking Supervision (DBS) at Reserve Bank of India (RBI) has adopted a Risk Based Supervisory (RBS) approach, based on the recommendations of the High Level Steering Committee (HLSC) for Review of Supervisory Processes of Commercial Banks. The RBI's revised supervisory approach is called Supervisory Program for Assessment of Risk and Capital (SPARC), which was rolled out to your Bank in the 2012-13 supervisory cycle.

RBS is driven by Offsite as well as Onsite supervision which requires a bank to put in place robust systems for data collection and compilation process and reporting.

SPARC is risk focused and intended to increase the effectiveness and efficiency of the supervisory process. The two major areas of assessment under SPARC are Risk and Capital Assessment. This assessment is done from quantitative and qualitative aspects. Based on the evaluation of these two aspects, the probability of failure of a bank and the likely impact of this failure on Banking System is calculated.

The banks under SPARC are mandated to submit the following data and information, in addition to the existing DSB returns, in forms under three Tranches as under:

i. Risk and selected financial parameters: Tranche I and IA

ii. Control and Governance Oversight Information: Tranche II

iii. Compliance Information: Tranche III

Expectations from banks

The following expectations with respect to the reporting of data and information should be met by the banks:

i. Timely submission of data and information

ii. Accuracy of data and information submitted

iii. Consistency of data

iv. Availability of evidence to substantiate/validate the data/ information submitted

v. Ability to provide a further drill down/break-up of the data as and when requested by the RBI.

It may be noted that your Bank has successfully completed the second cycle under SPARC for the FY15 and is now well positioned to embark on the third supervisory cycle of 2015-16.

Credit Monitoring

Credit monitoring is one of the most important tools for ensuring quality of advance assets. Your Bank has the system of monitoring of the advance accounts at various levels (Branch/Region/Zone and Corporate) to prevent asset quality slippages and to take timely corrective actions to improve the quality of its credit portfolio.

A separate department for **Credit Monitoring** functions at the Corporate level, headed by a General Manager, and one at the Regional and Zonal level, started functioning since September 2008. The Slippage Prevention Task Force (SPTF) formed at all Zonal, Regional offices in terms of the Bank's Domestic Loan Policy was activated for the purpose of arresting slippages and also for initiating necessary restructuring in potential and viable sick accounts at an early stage in a time bound manner.

The primary **objectives** of the **Credit Monitoring Department** at the Corporate level are enumerated as under:

- Identification of weakness/Potential default/incipient sickness in the advance account at an early stage and initiation of suitable and timely corrective actions for preventing further impairment in advance accounts / deterioration in credit quality of the borrowal accounts;
- Based on the RBI guidelines for Revitalizing Distressed Assets in the Economy, accounts with incipient stress are identified under Special Mention Accounts (SMA) categories. SMA accounts are followed up for the formation of the Joint Lenders Forum and options to resolve the stress under Corrective Action Plan are explored namely Rectification, Restructuring and Recovery;
- Prevention of slippage in the Asset Classification and relegation in Credit Ratings through vigorous follow up;
- Identification of suitable cases for restructuring/ rescheduling/ rephasement as well as further financing in deserving and genuine cases with matching contribution from the borrower; Liaisoning with CDR Cell, Zonal Offices & Regional Offices;
- Taking necessary steps / regular follow up, for review of accounts and compliance of terms and conditions, thereby improving the quality of Bank's credit portfolio;
- Monitoring progress of accounts under Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR).

Monthly Monitoring of Advances accounts

On-line web-based software developed by the IT Department for Monthly Monitoring Reports (MMR) in respect of advance accounts with Fund Based and Non-Fund Based (FB+NFB) exposure of Rs 10 crore and above was launched in January 2013 and is being upgraded time to time.

Based on the MMRs, the follow up actions are taken for ensuring expeditious review of accounts, rectification of irregularities, compliance of terms and conditions in high value advance accounts for improving the asset quality of your Bank's credit portfolio.

Restructuring of Advances Accounts

As a part of an on-going business strategy to improve upon the quality of advance assets, your Bank reaffirmed the need to look into the stressed advance portfolio on a continuous basis, industry-wise as well as borrower-wise, and to initiate suitable action by way of restructuring based on the viability of the project/activity.
During the financial year 2014-15, the Bank undertook restructuring of various advances accounts as per the table given below.

Restructuring of Advance Accounts (Global) – 2014-15

(Rs crore)

		CDR Mechanism	SME Restructuring	Others	Total
Standard Advances Restructured	No. of Borrowers	42	1,098	5,098	**6,238**
	Amt. Outstanding	1,498	1,281	4,367	**7,146**
Sub-standard Advances Restructured	No. of Borrowers	3	2,233	494	**2,730**
	Amount Outstanding	6	727	138	**871**
Doubtful Advances Restructured	No. of Borrowers	2	2,270	313	**2,585**
	Amount Outstanding	272	682	133	**1,087**
Total	No. of Borrowers	**47**	**5,601**	**5,905**	**11,553**
	Amount Outstanding	**1,776**	**2,690**	**4,638**	**9,104**

Economic Intelligence Unit

A specialised Economic Intelligence Unit (EIU) located at the Corporate Office of your Bank supports your Bank's Top Management in several critical areas like Macroeconomic Forecasting, Investor Relations, Business Strategy Formulation, Asset-Liability Management, and in discussions/deliberations with Regulators – domestic and international and Rating Agencies. The EIU regularly provides the Top Management of your Bank as well as its operational units a periodic outlook on key macroeconomic and financial variables like industrial and infrastructure growth, inflation, interest rates, stock and debt market movement, sectoral credit deployment and resource mobilisation of the banking industry, liquidity conditions, exchange rates, etc.

By providing deep understanding of macroeconomic aspects, corporate sector health and banking sector policies, the EIU of your Bank supports the Bank's efforts in tapping right kind of business opportunities and swiftly responding to market dynamics.

The EIU publishes a weekly newsletter (e-publication) covering weekly macroeconomic developments and policy

highlights to share its perspectives on global and domestic economic and policy scenarios with investors, bankers, regulators, rating agencies and other market participants.

This division works as an intellectual arm of your Bank in comprehending developments that eventually aid the formulation of rightly aligned strategies.

Internal Control Systems

Your Bank has a well established Central Internal Audit Division (CIAD) that examines and ensures the adherence to systems, policies and procedures of the Bank. The guidelines received on various issues of internal control from Reserve Bank of India, Government of India, Bank's Board and the Audit Committee of the Board (ACB) have become part of the Internal Control System for better risk management.

With the size of business increasing year after year, Central Internal Audit Division is constantly aiming for curbing the inherent risks through effective control mechanism so as to safeguard the Bank's interest.

The CIAD operates through thirteen Zonal Internal Audit Divisions to carry out audit of Branches/Offices as per the periodicity decided by the Audit Committee of the Board and examines adherence to such systems of internal control and risk management.

Audit Committee of the Board oversees the overall Internal Audit function of the Bank. The committee guides in developing effective internal audit, concurrent audit, IS Audit and all other inspection & audit functions for protecting the assets of the Bank. The committee monitors the functioning of the Audit Committee of Executives and inspection / audit department in the Bank. Audit Committee of Executives is one layer above CIAD and it monitors the entire Internal Audit System in your Bank.

All the branches of your Bank are covered under Risk Based Internal Audit (RBIA). A total of 4,291 branches were inspected during FY15. Out of these, 3,453 branches (80.43%) were in Low Risk, 756 branches (17.61%) were in Medium Risk and 82 branches (1.91%) were in High Risk categories.

The I.S. Audit Cell working under Audit Division, is based at Mumbai and performing the function of Offsite Surveillance.

The coverage of Concurrent Audit has been increased to 1,036 branches in 2015-16 from 982 branches in 2014-15 and will cover 70.72% of the Bank's total deposits, 78.82% of its total advances and 74.10% of its total business as on 31.12.2014.

To sum up, the Central Internal Audit Division's principal function is to monitor compliance of systems & procedures laid down by the Bank, the Regulator and the Government of India.

Operations and Services

Customer-Centric initiatives

As always, efficient customer service and customer satisfaction are the primary objectives of your Bank in its day to day operations. Your Bank is highly responsive to the needs and satisfaction of its customers, and is committed to the belief that all technology, processes, products and skills of its people must be leveraged for delivering superior banking experience to its customers.

Recently, your Bank has taken several measures to improve the customer service at its branches and at the same time, strengthened the customer complaint redressal machinery for fast disposal of customer complaints.

Some of the measures taken by your Bank for fraud prevention and enhancing customer service during FY15 are as under.

Fraud prevention measures:

- Guidelines to be followed while passing Inter-SOL Clearing / transfer transactions, Screening of cheques through Ultra Violet Machine, precautions to be taken in Government Accounts and other precautionary measures to prevent frauds were reiterated to branches.
- All Non MICR / CTS branches / CBOs were advised to contact base branch over phone/fax/email and seek confirmation for ascertaining the genuineness of all transactions and to keep on record such confirmation for cheques of Rs.2 lakh and above.
- Master Circular on Fraud Prevention measures was issued.
- New Procedure was developed in respect of handling transactions by employees in their own account at single / one man branches.
- Confirmation of Inter-SOL Clearing transactions at Base Branches - Report for Base Branches to check Inter-SOL Clearing transactions (Off-SOL clearing transaction report) which contains list of cheques of Rs.2 lakh and above drawn on their branch presented in Inter-SOL clearing at other centres with phone number of branch where the cheque has been presented with name and phone number of customer to enable the base branches to confirm with their customer for genuineness of transactions.
- Soft copy of Telephone Directory is provided to all branches to enable them to contact branches while passing Inter-sol transactions. The same is updated from time to time.
- Email Alerts to Corporate and Government Customers for debit transactions of Rs. 1.00 lakh and above
- The precautionary measures to be taken while receiving cheques issued in favour of "Yourself / Bank of Baroda" were reiterated to the branches to avoid fraudulent transactions in the accounts.
- In order to prevent fraudulent fund transfer through e-mails, branches have been advised that e-mails is not a valid mandate for banking transactions and the guidelines to take precautions are circulated.

Customer Service:

- SMS alerts in respect of acknowledgement of Form No. 15 G/H and noting thereof in the system.

- The bilingual Comprehensive Notice Board displayed in branches for convenience of customers were redrafted & redesigned and sent to all Zones for its implementation.
- "Miss Call" facility to customers was started wherein the customer will give "Miss Call" to Bank through the mobile number registered in the Bank and the customer will receive the balances of their accounts through sms.
- Charges for Non Maintenance of minimum balance in inoperative accounts have been removed in terms of the RBI's mandate.
- To bring uniformity of Inter-Sol charges, all charges have been made similar at base and non-base branches except cash handling charges by removal of cash withdrawal charges at non-base branches.
- To satisfy the inquiry of cheques presented in inward clearing, the branches can provide comprehensive information to customers about the cheques drawn by them.

Shri S.S. Mundra, CMD and other dignitaries during the inauguration of Central Pension and Processing Cell in New Delhi

Other initiatives:

- Entry of KYC document (Photo Identity Card) details in Finacle system in respect of NEFT transactions for walk-in customers for Rs.20,000/- and above and less than Rs.50,000/-.
- Implemented Depositor Education and Awareness Fund Scheme-2014 (DEAF) of the RBI.
- Process of refund of balances of unclaimed deposit accounts (Current and Savings Bank) transferred to the RBI under Depositor Education and Awareness Fund Scheme - 2014 (DEAF) of the RBI has been advised to branches.
- Implementation of "Foreign Accounts Tax Compliance Act (FATCA)" for resident accounts (Obtaining declaration). FATCA declaration is the new US law enacted by the US Government.
- Online Customer Satisfaction Survey was conducted during 11.03.2014 to 20.05.2014 to know about the customer's views / problems faced by customers and to take remedial measures. Emails were sent to customers inviting them to participate in the survey. The findings of the survey and suggested action points to remove the deficiencies were advised to all the Zones to monitor and ensure the compliance thereof. Further, Staff College was advised to discuss findings of the Survey during all training programmes to improve Customer Service.
- Your Bank's branches have been advised to register Mobile number and email id in accounts to facilitate the Bank to notify the customer by SMS / email etc. All Zones and Regions are requested to advise branches to take prompt action for registration of mobile number in order to comply with the RBI instructions.

Efforts to improve Customer Service at Branches

In your Bank, the feedback on quality of customer service at branches is obtained through the Branch Level Customer Service Committee meetings that are held every month in which customers from various cross sections of the society are invited including senior citizens and pensioners. The suggestions/views generated during the meetings are collated and an appropriate follow-up action is taken to examine the feasibility to implement the suggestions for improving the service quality.

Your Bank is focused towards providing excellent customer service through all delivery channels and has been making continuous efforts for enhancing the level of customer satisfaction by leveraging technology to provide e-products and alternative delivery channels e.g. ATM/Debit cards, POS, Internet Banking, Mobile Banking, etc., best suited to the diverse needs of different customers. The varied interests and expectations of customers are taken care of by improving upon various processes and procedures.

Compliance

Your Bank is a member of the Banking Codes and Standards Board of India (BCSBI) and has adopted the "Code of Commitment to the Customers" prescribed by the BCSBI. It has also adopted the "Code of Bank's Commitment to MICRO and Small Enterprises". These have been placed on your Bank's website and also made available to customers at the branches.

The following measures were initiated to create and enhance awareness about BCSBI codes amongst customers:

A. As per the directions of the Committee of Executive Directors, during the review of verticals of Corporate Office, Branch Managers' meeting / workshop is being organized by the Executives of Head Office, Baroda, at Head quarters of Regions keeping in view the increasing number of frauds and non/poor compliance of guidelines on prevention of frauds, KYC AML and BCSBI Code. The emphasis of workshop was to interact with Branch Heads on various issues pertaining to measures on prevention of frauds, compliance of KYC guidelines, E-KYC, compliance of BCSBI Code and other Compliances.

B. To enhance level of awareness about BCSBI Codes amongst customers, E mails are sent to customers

whose e-mail ID are registered with your Bank advising in Hindi & English to them that "We are BCSBI Code Compliant and committed to treat Customers fairly as per BCSBI Codes of Bank's Commitment to Customers and Micro and Small Enterprises. To download the Codes please click to 'http://www.bankofbaroda.com/bcsbicode.asp' ". More than 17,57,000 email have been sent during FY15.

C. The message "For BCSBI Codes of Bank's Commitment to Customers visit www.bankofbaroda.com / www.bcsbi.org.in" is being printed / displayed in bilingual on

   a) Statements of accounts

   b) ATM screen and backside of the ATM transaction slips

   c) Inside cover of Passbook (regular passbooks and passbooks used for Self Service Passbook printers)

   d) Banner on your Bank's website

D. Upon registering complaint in Standardised Public Grievance Redress System (SPGRS) Module, an Online Complaint Registering system, the following message is incorporated in Auto Reply: "We are BCSBI Code Compliant and committed to treat customers fairly as per BCSBI Codes of Bank's Commitment to Customers and Micro and Small Enterprises. For details, Please visit our website www.bankofbaroda.co.in or www.bcsbi.org.in

E. Zones have been advised to adhere to the following :

   a. To use services of FLCC for creating awareness amongst trainees.

   b. To send a copy of Code to all new accounts along with letter. (copy of codes were sent to about 14,64,000 plus customers up to March 2015)

F. Your Bank's Marketing Department, Mumbai have:

   i. Arranged to publish advertisement as per following details in seven National Daily News papers in Hindi, English, Gujarati and Marathi languages on 07.08.2014 and 11.08.2014. ''हम बीसीएसबीआई संहिता अनुपालक है और ग्राहकों और सूक्षम लघु उधमियों के प्रति बैंक की प्रतिबध्दता की बीसीएसबीआई संहिता के अनुसार ग्राहकों से उचित व्यवहार करने के लिए प्रतिबध्द है । अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वैबसाईट देखें www.bankofbaroda.com or bcsbi.org.in किसी भी प्रकार के लिए मार्गदर्शनहेतु प्रति की कोड/स्पष्टीकरण/, नजदीकी शाखा का संपर्क करें ।''

   ii. Your Bank has also arranged for incorporating a note in advertisement brochures of the Bank with either of the following captions: - "For BCSBI Codes of Bank's Commitment to Customers and Micro and Small Enterprises visit www.bankofbaroda.com / www.bcsbi.org.in"

   "Bank of Baroda is complying with BCSBI Codes - for BCSBI Codes of Bank's Commitment to Customers and Micro and Small Enterprises visit www.bankofbaroda.com / www.bcsbi.org.in"

G. Your Bank's MSME Department, have advised all the branches to ensure that copy of BCSBI code of MSE should be furnished to all the new borrowers while advising sanctions and in respect of existing borrowers, the same should be sent by email.

   The following measures initiated by the Staff College to create and enhance awareness about BCSBI codes amongst staff members:

   - Introduced one session of BCSBI Codes in all training programs of Staff College and all Training Centres to enhance awareness among the Staff / participants. So far, 810 such programs have been conducted which were attended by 21,124 trainees from 01-04-2014 to 31-03-2015.
   - A quiz is being conducted about the contents delivered during the program that checks the level of awareness of the participants and also revises the bullet points of the subject.
   - E-learning Module on BCSBI Codes provisions is uploaded on the KM portal of your Bank.
   - Incentive scheme to staff is under process of approval to motivate them to take up the E-learning Module of BCSBI Codes.

Customer Service Committee of the Board

Your Bank has a Sub-Committee of Board for Customer Service which is headed by your Banks' Managing Director & CEO with the following members as on 31st March 2015 :

1	Shri Ranjan Dhawan	Managing Director & CEO
2	Shri B B Joshi	Executive Director
3	Shri K. V. Rama Moorthy	Executive Director
4	Shri Prem Kumar Makkar	Director
5	Shri Bharatkumar D. Dangar	Director

This Sub-Committee addresses the issues relating to the formulation of policies and assessment of their compliance which brings about consistent improvement in the quality of customer service. It also monitors the status of the number of deceased claims pending for settlement beyond 15 days pertaining to depositors/locker hirers/depositors of safe custody articles, and reviews the status of implementation of awards passed by the Banking Ombudsman

Standing Committee on Customer Service

Your Bank has also set up a Standing Committee on Procedures and Performance Audit on Customer Services, comprising of three eminent public personalities as members along with all the Executive Directors and four General Managers of your Bank. This Committee oversees timely and effective compliance of the RBI instructions on Customer Service and also reviews the practices and procedures prevalent in your Bank and takes necessary corrective steps on an ongoing basis.

The suggestions emanating in the Branch Level Customer Service Committee meetings are obtained by your Bank's

Head Office on quarterly basis from Regional Offices and placed before the Standing Committee on Procedure and Performance Audit on Customer Services. The feedback of the committee meetings is then put up to the Customer Service Committee of the Board of Directors.

Customer-Centric initiatives and Redressal of Complaints

Your Bank has a Board approved policy on Customer Grievance Redress and the same is placed on the Bank's website. Your bank is also having a well structured Customer Grievance Redressal Mechanism, due to which the TAT has considerably reduced and the outstanding complaints have also come down.

The General Manager, Operations & Services, is designated as Nodal Officer for customer complaints in your Bank. Moreover, all Zonal Heads and Regional Heads are designated as Nodal Officers for their respective Zones and Regions. Further, the names of all Nodal Officers along with their contact numbers are displayed in all the branches of your Bank.

A quarterly review note on customer grievances is placed before the Board of Directors giving position of customers' complaints received by your Bank.

To minimize customer complaints and to ensure hassle free customer service, a regular analysis of complaints is done on monthly basis and action points / findings are sent to all Zonal/Regional Heads for taking remedial measures to minimize recurrence of such complaints in the future. Your Bank is also focused on rendering best banking services to the customer courteously.

Your Bank is having a web based online complaint registration and redressal system in the name of Standardized Public Grievance Redress System (SPGRS). An icon has been provided on home page of your Bank's website, through which your Bank's customer can lodge their compliant online and a system generated tracker id for their future reference and tracking is created. A facility of uploading complaint/ redressal reply in pdf or txt format upto 500 kb has also been provided in the system.

The system not only facilitates a speedy redressal of the complaints, but enables your Bank to maintain centralized data base of complaints. Your Bank has provided a facility to lodge complaint/suggestion to non-customers also. Moreover, your Bank's customers can re-open their complaints within 15 days of its redressal, if they are not satisfied with the redressal and the same will be attended by the next higher authority/functional head.

Systems for KYC-AML-CFT

Know Your Customer (KYC) norms/Anti-Money Laundering (AML) Standards / Combating of Financing of Terrorism (CFT) measures and Obligation of Bank under PMLA, 2002

Your Bank has a Board approved KYC-AML-CFT Policy. The said Policy is the foundation on which the Bank's "implementation of KYC norms, AML standards, CFT measures and obligation of the Bank under Prevention of Money Laundering Act (PMLA) 2002" is based. The Bank issues guidelines to operational units on issues relating to KYC-AML-CFT issues based on the directives of the regulators.

Your Bank has a Board approved KYC-AML-CFT Policy. The said Policy is the foundation on which the Bank's "implementation of KYC norms, AML standards, CFT measures and obligation of the Bank under Prevention of Money Laundering Act (PMLA) 2002" is based. The Bank issues guidelines to operational units on areas relating to KYC-AML-CFT issues based on the directives of the regulators.

The major highlights of KYC-AML-CFT implementation across your Bank are as under:

- The Bank generates Cash Transaction Reports (CTRs) electronically for submission to Financial Intelligence Unit-India (FIU-IND), through the electronic medium.
- The "AML Solution" for generating system-based alerts has been installed and implemented. The scope has been further widened with addition of more alert definitions as per recommendations of IBA working group. Your Bank has a Designated Director for overall compliance of KYC-AML-CFT guidelines.
- There is a system-based detection and submission of Suspicious Transaction Reports (STRs) to the Financial Intelligence Unit-India (FIU-IND).
- System-based Risk Categorization (from AML angle) of Bank's customers' accounts has been done every half year.
- The Bank files Counterfeit Currency Reports (CCRs) and Non Profit Organizations Transaction Reports (NTRs) to FIU-IND, New Delhi every month. Your Bank generates Cross Border Wire Transfer Reports every month through electronic media and submits the same to FIU-IND, new Delhi
- The Bank is in the process of allotting Unique Customer Identification Code (UCIC) to all its existing customers as per the RBI guidelines.
- Online verification of PAN from NSDL has been operationalised as a major step to tackle money laundering activities.
- CBS system has been modified suitably not to accept cash deposits of Rs.50,000/- and above in absence of PAN / Form No. 60/61.
- Your Bank has implemented Aadhaar based e-KYC in collaboration with UIDAI. Real-time checking of names from UNSCR list is available in all the branches as a step towards CFT.

The full KYC compliance entails Staff Education as well as Customer Education for which the following measures are taken by the Bank:

- A comprehensive list of KYC documents is uploaded on your Bank's website (www.bankofbaroda.com) for the benefit of customers.

- Mobile based SMS are being sent and notices have been published in local and national dailies for updation of KYC data in accounts of the customers.
- A KYC-AML page is created at the Bank's INTRANET for posting reference material on KYC-AML-CFT education for staff.
- Regular training sessions are conducted on the KYC-AML-CFT guidelines at the Bank's training establishments.
- Training is being arranged for the Bank's senior officials/ executives at RBI, IBA (Indian Banks' Association) and National Institute of Bank Management (NIBM).
- Sustained efforts are being made to create expertise at the Banks' Head Office for the Corporate Oversight and also for the KYC Audit of branches.
- Regular On-site and Off-site test checking is being carried out to find out deficiencies and prompt rectification.

Compliance Function

Your Bank has put in place a Board approved Compliance Policy outlining the compliance philosophy of the Bank based upon the directions of the RBI on Compliance Function in banks. The said Policy is the foundation on which all Compliance Function of your Bank is based. Compliance Function in your Bank is an integral part of governance along with internal control and compliance risk management process supported by a healthy compliance culture in the Bank.

Major Initiatives / highlights of Compliance Function

- Compliance Department is set up at the Bank's Corporate Office headed by Chief General Manager reporting to Senior Management of the Bank
- Apart from qualified staff in the Compliance Department at Corporate Centre, each Functional Department at Corporate Office of the Bank, Controlling Offices across India i.e. Zonal / Regional Offices and Overseas Branches / Offices and Subsidiaries are posted with Compliance Officers (COs) to look after Compliance Function.
- Compliance Function ensures observance of statutory provisions contained in various legislations viz. Banking Regulation Act, Reserve Bank of India Act, Foreign Exchange Management Act, Securities and Exchange Board of India Act and Prevention of Money Laundering Act and also the regulations of the various Regulators where the Bank is having its Offices / Branches in overseas centres. It also ensures Standards and Codes prescribed by BCSBI (Banking Codes and Standard Board of India, IBA (Indian Banks' Association), FEDAI (Foreign Exchange Dealers Association of India), FIMMDA (Fixed Income Money Market and Derivatives Association of India) are complied with.
- In order to keep the compliance staff up-to-date with developments in the areas of banking laws, rules and standards, regular and systematic education, Workshops on Compliance are conducted regularly. Knowledge Management Tools for the purpose have also been uploaded on the Bank's site (https://intranet.bankofbaroda.co.in). Workshop on compliance is also being arranged for Branch Managers of selected Branches and Regional / Zonal Compliance Officers in the Regions wherein various compliance issues at Branch / Regional / Zonal and Corporate levels are discussed with greater emphasis on KYC / AML norms so as to create mass awareness about the Compliance.

Back Office Operations

Regional Back Offices and City Back Offices

Your Bank is having 13 Regional Back Offices (RBOs) at present with one RBO opened during the year under review at Hyderabad. Now, your Bank has one RBO in each zone for processing of CASA account opening forms and issue of Personalized cheque books. More than 5,000 branches of your Bank are linked for centralized account opening process through RBOs and issuance of Personalized cheque books.

Shri P. Srinivas, Executive Director and other dignitaries during the inauguration of Regional Back Office in Hyderabad

Your Bank is having 85 centralized city back offices for processing of inward and outward cheques through clearing. During the year under review, 100% migration to CTS (Cheque Truncation System) clearing has taken place in Southern Grid and also at all the 20 MICR (Magnetic Ink Character Recognition) locations of the Western Grid. Also, CTS clearing has been implemented in Northern Grid consisting of 21 MICR centers. CTS clearing is functioning in all the 3 Grids ,viz., Southern, Western and Northern Grids smoothly.

Government Business & Currency Chest

Your Bank focused on Government Business in a dedicated fashion during FY15 to augment its fee-based income. Some of the major initiatives taken during the year under review are listed below.

- **Public Provident Fund (PPF):-** Your Bank undertook special efforts for the mobilization of PPF accounts with effect from 01.10.2014 to 31.03.2015 and achieved annual target of opening of new 82,926 PPF accounts.

- **New Pension Scheme (NPS):-** Your Bank also undertook special endeavors for the mobilization of NPS-Lite accounts under National Pension Scheme during the period from 01.04.2014 to 31.03.2015 and as on 31.03.2015, total no. of new NPS-Lite accounts opened were 95,475
- **Training:-** Your Bank conducted workshops on Government & PSU Business, thereby sensitizing 1,534 staff members at 27 locations and 315 BCs/BFs/VLEs at 13 locations.
- **Government Business:-**
  - Your Bank became the Accredited Banker to newly formed Ministry of Ayush (Department of Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy).
  - Your Bank canvassed following Government business from PSUs:-
    - Term Loan of Rs. 2,000 crore sanctioned to NTPC Ltd (National Thermal Power Corporation).
    - Short term loan of Rs. 1,100 crore sanctioned to Ministry of Fertillizers.
    - Deposits of Rs. 563 crore canvassed from REC Ltd. (Rural Electrification Corporation Ltd.)
  - Your Bank has entered into an agreement with FSSAI (Food Safety & Standards Authority of India) and Ministry of Agriculture for collection of fees.
- **Digital India initiative:-** Your Bank participated in Digital India initiative of Government of India, the highlights are as under
  - Your Bank is one of five banks associated with Government of India's prestigious e-Biz portal, which would launch about 50 services along with major state services.
  - Digital Life certificate (DLC) got automated in March, 2015. Digitizing the whole process of securing life certificates which will be beneficial to all pensioners.
  - Your Bank is one of the Authorized Bank to undertake Goods & Service Tax (GST) collection that is likely to be implemented from FY16.
  - Digitalization of Pension Payment Order (e-PPO) for speedier pension processing and disbursement.

Shri Ranjan Dhawan, MD & CEO, Shri K V Rama Moorthy, ED and other officials at the launch of Baroda mPassbook & online PPF Services in Corporate Office, Mumbai

- **State Tax & Non-Tax Collections:-**
  - Your Bank has been authorized for collection of VAT (Value Added Tax) in the State of Telangana.
  - Your Bank has taken up the work of State Road Tax collection, collection of Chennai Property Tax and collection of fees on behalf of Association of Surgeons in the State of Chennai.
  - Your Bank has been authorized to collect State Taxes through e-GRAS (Online Government Receipts Accounting System), integrated Baroda Connect with e-Governance Portal and conceded centralized Seamless payment for National Health Mission under ASHA (Accredited Social Health Activist) in the State of Rajasthan.
  - Your Bank has been authorized to collect Mahanagar Palika Property Tax in the State of Karnataka.
  - Your bank is participating in Madhya Pradesh Cyber Treasury work.
- **Social Security Schemes:-**
  - Your Bank has started disbursing Social Security pension under the initiative HRYSSP (Haryana Social Security Pension).
  - Your Bank established PDMC (Pension Disbursement Monitoring Cell) for Freedom Fighter pensioners at Ministry of Home Affairs, New Delhi.
  - Your Bank initiated the process of payment of pension to Freedom Fighter pensioners.
  - Your Bank has been authorized for payment of Pension to Railway pensioners in additional eight states, i.e. Karnataka, Odisha, Kerala, Telangana, Jharkhand, Jammu & Kashmir, Himachal Pradesh and Andhra Pradesh, thereby putting your Bank in the position to undertake this business across all states (except Union Territories).
  - New Pension Accounts opened during the financial year were over 20,000, the largest number of accounts canvassed in any single year.
- **E-Stamping business:-** Your Bank started providing e-stamping facility in 76 branches across three additional states namely Tamil Nadu, Jharkhand and Rajasthan, taking the total no. of states to eight.
- **Other initiatives:-**
  - Your Bank has implemented the following initiatives of Government of India.:-
  - Distribution of Kisan Vikas Patra, 2004 through selected Bank branches.
  - Introduction of Sukanya Samriddhi Account, a scheme launched by Government of India for the welfare of girl child under the campaign "Beti bachao, beti padhao".

Cash Management & Currency Chest

- **Initiatives taken by the Currency Chest & Cash Management Department:**
- **Door Step Banking Services (DSBS).** Your Bank has launched the DSBS in three Cities of Mumbai, New Delhi (NCR) and Vadodara. The product is very good for CASA growth. More customers be included in the scheme.
- **Installation of NSM to comply with the Clean Note Policy of RBI:** Your Bank has floated the request for procurement (RFP) of 3,682 Note Sorting Machines (NSMs) for remaining branches and Currency Chests during 2014-15. Of them, 3,193 NSMs have been delivered/installed in branches and Currency Chests and rest are underway for installation. All the branches shall be equipped with the NSMs by June 2015.
- **Detection and Impounding of Counterfeit Notes:** Your Bank has detected, impounded and reported 5,507 counterfeit Notes during the year 2014-15 against 573 Counterfeit Notes in FY14.

Vigilance

Despite global changes towards automation and other drastic changes that are taking place in the banking industry, its very nature remains person oriented. Banking unlike production organisations demands personalised service hence the quality of its service largely depends upon the quality and attitude of its personnel.

It has been the endeavour of Vigilance department to encourage and enable the operating level staff as also those at controlling offices to exercise due care and caution to take preventive and detective measures. This helps in increasing efficiency and creating an environment of security for the honest work force.

Shri Ranjan Dhawan, MD & CEO, Executive Directors and Chief Vigilance Officer during the Vigilance Awareness Week observed at Corporate Office, Mumbai

Careful distinction is made between cases of gross negligence and cases of business decisions gone awry. Periodical monitoring of individual cases is carried out to ensure that inquiries are quickly concluded and are perceived as fair by all concerned. Endeavour is made towards ensuring that penalties, where necessary, are timely and just.

Vigilance machinery in your Bank is effectively performing its proactive role in new risk prone areas emerging in computerised / e-banking environment, in addition to sensitising all categories of staff members with the various preventive measures.

To bring about greater transparency in procurement and tendering processes in your Bank, Notice inviting tenders / details of tenders awarded by the Bank and summary of tenders/ contracts concluded are put on the Bank's website for widest possible publicity. Also, Standardized Public Grievance Redress System (SPGRS) as advised by MOF for uniform implementation in PSBs is made active with effect from 11.01.2013.

Your Bank follows Central Vigilance Commission Guidelines on Whistle Blower Complaints under Public Interest Disclosure and Protection of Informers (PIDPI) resolution.

Business Performance

Given below are the details of your Bank's major achievements on the business front during FY15.

Announcement of Financial Results for FY 2014-15 and Q4:FY 2014-15 for the year ended 31st March 2015

Resource Mobilisation and Asset Expansion

The share of Bank's Deposits in total resources stood at 86.37% as of 31st March 2015. Total Deposits of your Bank grew from Rs 5,68,894 crore to Rs 6,17,560 crore, posting a healthy growth of 8.55% over the previous year. Of this, Savings Bank Deposits – a critical component of Low-Cost Deposits grew by 14.24% from Rs 96,437 crore to Rs 1,10,172 crore.

The share of low cost deposits (Current + Savings) or CASA deposits in Total (Domestic + Overseas) Deposits was at 26.39% and in Domestic Deposits at 33.01%.

Your Bank's Total Advances expanded by 7.82% during FY15 led by 7.24% expansion in Domestic Advances and 9.10% expansion in Overseas Advances.

Shri Ranjan Dhawan, MD & CEO, Executive Directors and other dignitaries during the Extraordinary General Meeting (EGM) held at Vadodara

Composition of Funds – Global

Particulars (Rs crore)	End March 2014	End March 2015	Growth (%)
Deposits	5,68,894.39	6,17,559.52	8.55
- Domestic	3,79,054.04	4,14,277.85	9.29
- Overseas	1,89,840.35	2,03,281.68	7.08
Borrowings	36,812.97	35,264.28	-4.21

Global Advances (Net)

Particulars (Rs crore)	End March 2014	End March 2015	Growth (%)
Advances	3,97,005.81	4,28,065.14	7.82
- Domestic	2,72,168.96	2,91,870.22	7.24
- Overseas	1,24,836.85	1,36,194.92	9.10

Deposit Resources

Your Bank's business vertical "Deposit Resources" is aimed to bring better synergy between business models persuaded by the Bank and the organizational structure promoting the corporate goals and thereby ensuring focus on consistent and broad based growth in CASA as well as Retail Term Deposit. As a conscious decision, the retail deposits share was focused to grow with rationalization of the bulk deposits.

Resource Mobilisation

Your Bank has in place outbound sales out-fits for garnering new resources from the catchment area and adding to the client base of the Bank. With the active contribution of these outfits & all its 5,000 plus branches, your Bank has canvassed 128.21 lakh new Savings Bank accounts and 1.20 lakh new current accounts in FY15. This organic growth was achieved through constant monitoring of new accounts opened and supplemented by special SB Drive from 18th August 2014 to 20th September 2014. During the drive, 16.59 lakh new accounts were opened and an amount of Rs.1,068.34 crore was mobilized. At the end of FY15, the domestic deposits of your Bank stood at Rs.4,14,278 crore, against Rs. 3,79,054 crore as of March 2014 registering a steady growth of 9.29%, despite a conscious shedding of high cost and preferential rate bulk deposits during the year.

Growth under Retail Deposits-

Savings Deposits of your Bank Domestic operations reached at Rs.1,06,736 crore reflecting the growth of Rs.13,355 crore at 14.30% on year-on-year (y-o-y) basis in March 2015.

Domestic Current Deposits of your Bank reached at Rs.30,016 crore as on 31st March 2015 against Rs. 27,000 crore in March 2014 indicating the annual growth of Rs.3,016 crore at 11.17% on y-o-y basis in March 2015.

Share of domestic CASA of your Bank to total deposits (domestic) of the Bank increased from 31.76 % as of end March 2014 to 33.01% as of end March 2015.

Retail Time Deposits of your Bank reached the level of Rs.1,66,509 crore in March 2015 as compared to Rs.1,25,421 crore as of March 2014 registering growth of 32.76% on y-o-y basis. Share of retail term deposits (excluding CDs) to total term deposits (excluding CDs) increased from 52.41% in March 2014 to 62.87% in March 2015 as a consequence of the Bank's thrust on retail growth and reducing reliance on Bulk Deposits.

Average Growth is an important indicator of consistent progress. In line with Bank's objective of steady growth in deposits across various deposit segments, your Bank has achieved average growth of Rs.10,308 crore in average CASA deposits and Rs.33,273 crore in total deposits during the year FY15 on daily average basis, which works out to 10.12% growth in total average deposits of which growth in average savings deposits was healthy at 12.14%.

Other Business initiatives

- **Special Focus for activation of dormant accounts:** To revive & strengthen the relationship with existing customers, your Bank initiated a special focus for activation of dormant accounts. A total of 8.39 lakh dormant Savings Bank Accounts were activated during FY15.
- **Special Focus for Issuance of Debit Cards specially in existing active SB accounts:-** Your Bank is continuing its focus for issuance of Debit Cards specially in old & active SB accounts having balance Rs.5,000/- and above. During FY15, an aggregate of 8.40 lakh Debit Cards were issued in such accounts, while all new accounts are being supplemented automatically by a debit card.
- **Focus on funding of zero balance accounts to widen the active customer base:** The list of SB accounts having zero balance was being sent to each Region /Zone on regular intervals for follow up for funding these accounts. During FY15, a total of 5.76 lakh such accounts were funded mobilizing Rs.457.59 crore in these accounts.

NRI Services

Indians abroad remain financially connected to India

through remittances, bank deposits, real estates and other investments. NRI deposits have been consistently helping the banks for its deposit resources. Your Bank's NRI Services department, which came into existence on 01.04.2011, has been constantly facilitating the operating units with suitable strategies for providing integrated Banking services to NRI customers by leveraging on technology platform, sharpening skills of staff and evolving synergies with overseas branches so as to become preferred Bank for NRI Services & Products.

Shri K V Rama Moorthy, Executive Director, Shri Prabhat Agarwal, General Manager and other officials at the Pravasi Bhartiya Diwas 2015

NRI Deposits

Amt. in crores

	31.03.14 Actual	31.03.15 Actual	YOY Growth	
			Abs	%
NRE	24212	29201	4989	20.61
NRO	2708	2863	155	5.72
FCNR	18153	20836	2683	14.78
Total NRI Dep.	**45073**	**52900**	**7827**	**17.37**

The total NRI deposit registered a growth of 17.37% over March 2014, which is one of the best growth rates among peer banks.

Initiatives taken during FY15:

1. Special NRI deposit campaign & Data Cleaning in non KYC compliant account campaign launched from 01.11.2014 to 31.12.2014. During the period, your Bank opened 18,562 new accounts & mobilized Rs.1,463 crore.
2. Constant drive on rejuvenation of Dormant NRE accounts, funding of zero balance accounts, issuance and delivery ADCs to active accounts, redressal of customer grievances yielded good results in augmenting NRI resources
3. "Baroda Flash Remit" web based online inward remittance product in tie up arrangement with UAE Exchange House launched.
4. Facilitated introduction of STP model for 'Rapid Funds 2 India' inward remittance product in the UK territory to reduce TAT.
5. Under Risk Based Supervision of the RBI, your Bank introduced several system checks and measures for compliance of the RBI and other statutory and regulatory guidelines eg. cleansing of KYC in accounts of NRI/ PIOs, updation of Passport details and others.
6. The proposal for opening one more Specialized NRI Branch in Greater Mumbai Zone was cleared.

Wholesale & Mid Corporate Banking

A strong corporate credit culture and healthy growth in credit has been the consistent differentiators of your Bank for the past few years.

Your Bank's Large Corporate & Mid Corporate Banking Division offer an array of funded and non-funded credit products for meeting the Term Lending and Working Capital financial requirements of the Corporates for their existing, expansion and/or new ventures. The products basket includes Term loans, Demand Loans, Corporate Loan, Foreign Currency Loans, Loans, Cash Credit, Bills Discounting, Top-up Facility for the Working Capital Facilities, Trade Finance Products, Syndicated Loans, Advance Against Future Rent Receivables and many more suiting to the needs of Corporates. The product offerings are flexible and suitably structured taking into account the customers' specific needs and risk profiles.

The corporate customers are identified as large and mid corporates based on their sales turnover i.e. sales over Rs 500 crore are classified as large corporates and those having annual sales turnover of between Rs 150 crore to Rs 500 crore are classified as mid-corporates.

Credit matters for Mid Corporate segment are handled under a separate vertical i.e. Mid Corporate Banking with a view to accelerate the flow of credit to these borrowers and increase substantially their numbers. In order to have focused business approach for catering to the valued Mid – Corp business segment, initially, 16 Mid Corporate branches were opened across the country. During financial year under review, your Bank opened one more Mid Corporate Branch in Jogeshwari (Mumbai).

Possessed by the customer-centric approach, your Bank has made consistent achievement in providing superior & faster delivery through efficient channels and adoption of better practices in credit administration to multinationals, domestic business houses and prime public sector companies.

Your Bank continues to strive for improvement in the response time. During the previous financial year, further efforts were made to improve the speed of decision making without compromising with the quality of decision. Need based further delegation of decision making powers in credit matters was made to expedite the decisions and reduce the turnaround time at all levels.

Your bank has introduced the system of "Online loan application tracking" to facilitate knowing status of loan applications submitted by the applicants. In the system, all loan applications, on receipt at the branch level, are entered into a Loan Tracking Module by the Branch Officials and a system generated acknowledgement would be made

available to the applicant containing unique application number and password. The applicant would be able to track the status of his application by logging through 'loan tracking' link providing on to Bank's website.

During the year, the non-food credit growth, in general, remained low in the Indian banking industry. However, even during this phase, your Bank's Large & Mid Corporate Banking Division undertook the identification of corporates for credit expansion and created 115 new relationships (70 Large and 45 Mid) through its Fast Track Desk. The department sanctioned fresh credit facilities to large & mid corporate to the tune of Rs.25,423 crore during the year. Total sanctions under Large & Mid Corporate Division amounted to Rs.1,00,676 crore during the year including fresh and enhancement in existing accounts under various sectors /industries with projects /units spread across the country.

Your Bank organized the conclave of Branch Leaders of CFS Branches to understand the difficulty experienced by the units at ground level to facilitate them to garner maximum business and to percolate the corporate expectation.

The Bank remained sensitive to the imminent stress in some sectors while taking credit decisions in accounts under such sectors.

Your Bank attaches higher degree of importance to the quality of appraisal and efficient processing of credit proposals at all levels to maintain the asset quality and realizes the importance of skilled and motivated employees to achieve the same. Keeping this in view, your Bank continued its thrust on regular grooming of Credit and Forex Officers and provides specialized training within the Bank as well as in collaboration with various institutions. To increase such training facilities, the Bank has tied-up with reputed Institutes for comprehensive credit grooming of its officers.

In order to improve and ensure quality submission of appraisal notes to the sanctioning authorities, your Bank has introduced the system of submission of "check-list" on critical parameters, along with each credit proposal at all levels. Your Bank has taken other measures also to enhance the due diligence at all levels e.g. availability of critical caution information at levels through Bank's intranet page.

Your Bank's Large Corporate Banking Division also houses the "Domestic Foreign Business" (DFB) Division. DFB contributes significantly to support domestic branches to handle and promote Forex Business and strives to enhance the turnover as well as Fee based Income. During the year under review, your Bank added 3 more "Authorised 'B' Category" Branches to deal in Forex Business directly and to act as nodal branches for their nearby branches. Through DFB, your Bank issues Gold Cards to its valued Exporter Customers which facilitates them with additional flexibility in export credit at concessional pricing. So far, your Bank has issued 612 gold Cards.

The Large Corporate Banking Division also houses "TUFS Cell" in it, acting as Nodal Bank for TUFS Scheme implemented by Ministry of Textile aiming at promoting technology upgradation in textile industry by providing subsidy towards interest and investment in machinery by the Textile Units, across the country. Your Bank is one of the major Banks, facilitating the Textile Units to avail such subsidies. The Bank presently has over 1,000 Term Loans covered under the different schemes under TUFS. To further promote and educate the Branch level staff, about the scheme, the TUFS Cell has been conducting various locational workshops directly to field level staff as well to the trainers.

Retail Credit

Retail banking services continued to remain an important business division of your Bank in FY15 as well. This division focuses on meeting the financial needs of personal and small business customers (traders) who are looking for accessible and affordable banking services.

The performance of your Bank's Retail banking division during the year under review is as under.

Growth under Retail Lending

Your Bank's Retail Loan Book consists of five key products viz. Home Loan, Auto Loan, Education Loan, Traders Loan and Mortgage Loan, which constituted 78.35% of total Retail Loans as at end-Mar, 2015. The other products namely LABOD/ODBOD constituted 18.18% of the Bank's total retail loan.

The other retail loan products like Baroda Personal Loan and other miscellaneous products viz. Doctors Loan, Loan against Government securities etc., constituted 3.47% of Retail Loans.

Total Retail Loans stood at Rs 52,488 crore as on 31st March, 2015 as against the level of Rs 46,019 crore as on 31st March, 2014. Absolute growth of Rs 6,469 crore (14.06%) was registered during FY15 as against a growth of Rs 7,973 crore (20.96%) during the previous financial year.

Shri B. B. Joshi, Executive Director inaugurating Retail Loan Factory in Jodhpur Region

Growth under Five Key Retail Products

Under five key products which constituted 78.35% of total Retail Loans, an absolute growth of Rs 4,623 crore (12.67%)

was posted during FY15 as against Rs 5,899 crore (19.28%) during FY14.

Home Loans: Absolute growth of Rs 2,984 crore (15.26%) was registered during FY15 as against a growth of Rs 3,513 crore (21.89%) during FY14. However, disbursement of Rs.6,335 crore has been made during the financial year ended 31st March 2015 as against Rs.6,372 crore during the same period last year.

Auto Loans: Absolute growth of Rs 517 crore (14.19%) was registered during FY15 as against a growth of Rs 698 crore (23.71%) during FY14. However, disbursement of Rs.1,796 crore has been made during the financial year ended 31st March 2015 as against Rs.1,778 crore during the same period last year.

Baroda Traders Loans: Absolute growth of Rs 754 crore (8.96%) was registered during FY15 as against a growth of Rs 1,215 crore (16.89%) during FY14.

Baroda Mortgage Loans: Absolute decline of Rs 333 crore (11.76%) was registered during FY15 as against a growth of Rs 367 crore (14.92%) during FY14.

Education Loans: Absolute growth of Rs 36 crore (1.74%) was registered during FY15 after adjustment of Education Loan Interest Subsdy received from Govt. of India under new CSIS scheme as against a growth of Rs 106 crore (5.40%) during FY14.

NPAs under Retail Loans

The amount of Non Performing Assets as on 31.03.2015 under Retail Loan stood at Rs.1,101 crore (2.10 %) as against the level of Rs.901 crore (1.96%) as on 31.03.2014.

As at end March 2015, the NPAs in Retail Loans have increased by Rs.200 crore (22.20%) over the 31.03.2014 level as compared to increase of Rs.232 crore (34.61%) during the last Financial year 2013-14.

Initiatives in Retail Banking During FY15

- Introduction of:
    - Baroda Education Loan to students of Premier Institutions - New Special Education Loan Scheme for students pursuing courses in premier Educational Institutions.
    - Baroda Home Loan Advantage Scheme - Home Loan linked with SB A/c
    - Baroda Home Loan Suraksha Personal Loan - New Personal loan for home loan borrower for funding life insurance premium under group credit life insurance.
    - Baroda Pre-approved Home Loan - New scheme to give 'in-principle approval' for a home loan to prospective borrower prior to identification of house / flat property.
    - Baroda CRE Home Loan – Home Loan for third house.
- Modification in education loan scheme under Baroda Scholar regarding disbursement of loans before obtaining VISA in case of educational loan for studies in New Zealand apart from Australia wherein this facility is already available.
- Retail Loan Campaigns and Disbursement Fortnights launched for various products during different periods of the year.
- Reduction of 1% in rate of interest for Baroda Traders Loan with effect from 01.12.2014.

Other Initiatives:

- Your Bank opened 15 new Retail Loan Factories aggregating to 60 at present during FY15.
- Animation video films (CDs) in Hindi on retail loans have been released by your Bank to all the zones for wide publicity of home loan, car loan etc.

Wealth Management Services

Your Bank is offering Wealth Management Services since 2004 to its customers with a view of providing various financial services, apart from the regular banking activities. Life Insurance, Non-Life Insurance, Health Insurance, Mutual Funds, Online trading account etc are offered to the customers through various tie-up partners. The two JV (Joint Venture) Companies of the Bank, one in Life Insurance and the other in Mutual Fund business, has got established in the market over the years. Your Bank distributes the products of the JV companies as well as various products of third party companies with whom the tie-up arrangement is there.

Shri P. Srinivas, Executive Director, Shri Prabhat Agarwal, GM felicitating Regional Head, Raipur at the Baroda Pioneer Mutual Fund event

During the year FY15, with a view of improving the Current Account Portfolio, thrust was given for installations of Point of Sale (POS) machines of Bobcards at Merchant establishments. A total of 3,565 new POS machines have been added during the year. This has helped in acquiring as well as retaining current deposit customers. The POS customer base has shown significant growth during the last year.

Your Bank provided the ASBA facilities, both online and offline, and it is receiving good response from customers. This helps the Bank in retaining the float balance in operating

accounts and to be competitive in the segment, especially during the period when IPO/FPO/RI (Right issues) etc are increasing.

The Life Insurance, Non Life Insurance and Mutual Fund business income of your Bank has shown healthy increase during the last year against the previous year figures. Your Bank is committed to provide more personalised services to ensure customer delight and will move forward in the same direction.

MSME Business

Considering the importance of this vital sector to your Bank and to the nation's economy, the Bank considers financing the units in Manufacturing and Services activity which have investment in Plant & Machinery and Equipment respectively, in excess of Regulatory guidelines and have turnover upto Rs. 150 crore on the same footing as the MSME units. This is done internally to give preferred attention to this "Expanded" sector on the lines of Regulatory MSME enterprises. However, for reporting to the Regulators, the performance of your Bank is reckoned on Regulatory lending only i.e. to units / borrowers who comply strictly with definition of Micro, Small and Medium Enterprises.

Performance under this Regulatory category for your Bank has been very encouraging despite the overall slow-down in the economy.

Growth of MSME Business

Shri K V Rama Moorthy, Executive Director inaugurating Micro Enterprises Cell in Jamnagar Region

The total outstanding in MSME Sector works out to Rs 61,993 crore as on 31st March 2015. The growth in lending to MSME Sector during the last three years is given in the table below.

Year	Growth (%, YoY)
2012-13	30.31%
2013-14	21.21%
2014-15	9.46%

Major Achievements in FY15

- The growth in MSME advances in FY15 was lower than the previous year (i.e.) 2013-14 due to subdued economic conditions and lack of demand from bigger companies to which the MSME segment is the major supplier. In earlier years, the growth was high partially due to reclassification of accounts as per RBI guidelines.
- The MSME advances of Rs 61,993 crore as of end-Mar 2015 reflected a growth of 9.46% over the MSME advances in the previous year.
- The advances of Rs 31,120 crore to Micro Enterprises for FY15 to total MSE credit of Rs 50,300 crore as of preceding year stood at 61.87% in FY15 comfortably reaching the mandatory target of 60% fixed by the RBI.
- The MSME advances as on 31st Mar, 2015 contributed 17.27% to the gross domestic advances of your Bank.
- The advances to Micro & Small enterprises reached the level of Rs 55,535 crore as against the Government set mandatory target of Rs 56,000 crore by end-Mar, 2015.

Initiatives / Strategies adopted during FY15

1. Your Bank has established Baroda Micro Enterprises (BME) cell with one cell each per Region and Lead district, thus targeting 100 BME Cells to facilitate focused attention on financing of Micro Enterprises. As at 31.03.2015, 80 BME cells were operationalised.
2. A two day review meeting was held at Staff College, Ahmadabad for all 52 SME Loan Factory heads on 20/21 June 2014. The review meeting was addressed by the Chairman & Managing Director and Executive Director of your Bank.
3. Your Bank celebrated special campaign for "financing Micro Enterprises and covering of all eligible accounts under CGTMSE" from 1st July 2014 to 15th September 2014.
4. Your Bank celebrated "MSME festival" from 1st Jan.2015 to 31st March , 2015.
5. The proposal for opening SME Loan Factory (SMELF) at Mumbai Metro Central (MMCR) Region, Muzaffarpur and Burdwan was approved. Consequently, the SMELF at MMCR was opened on 10.09.2014 and SMELF at Muzaffarpur was opened on 09.03.2015. SME Loan Factory at Burdwan is likely to be opened shortly.
6. MSME Corporate module in 'Lending Automation Processing System (LAPS)' is rolled out in all SME Loan Factories with effect from 03.11.2014 so as to reduce the turn around time (TAT).
7. Your Bank has given focus on collateral free lending under CGTMSE scheme.
8. Your Bank participated in exhibition, seminars during the year to build brand image of the Bank.
9. To improve the operational efficiency of SMELF, Operational and administrative guidelines on SME Loan Factories were reviewed and updated.
10. Your Bank approved New Schemes during 2014-15 which are as under.

- Proposal to Implement the scheme named as a "Integrated Development of Leather sector (IDLS)

scheme" promoted by Footwear Design & Development Institute Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India approved by CPC.

- New scheme named as "Baroda self employment programme for individuals and group enterprises/SHGs (Restructured SJSRY scheme) under NULM approved by CPC.
- Fresh scheme for financing units in Chemicals & Pharmaceuticals at Bharuch Region.

Following Schemes were renewed during FY15

- Agro Based scheme on Pan India basis approved by CPC, with increased limits for extension of coverage.
- Area specific scheme for financing units in Hosiery Industry at Kanpur.
- Area specific scheme for financing Tea Processing Units at West Bengal & Sikkim Region.
- Area specific scheme for financing manufacturing of shoes at DMR II & AGRA Regions approved by CPC.
- Area specific scheme for financial assistance to Marble, Granite, Sand, Red Kota stone processing units by Branches in Rajasthan Zone.
- Area specific scheme for financial units engaged in a) Re-Rolling Mills b) manufacturing of machine tools and c) Textiles printing activity at Rajkot Region.
- Area specific scheme for financing manufacturing units engaged in Hand Tools and Sport goods at the Punjab, Jammu & Kashmir Region.
- Area specific scheme for financing Mineral grinding units (Ball Mills) in Udaipur, Ajmer and Jodhpur Regions.
- Area specific scheme for financing Hotels/Motels/ Resorts at Dehradun Region.
- Scheme for financing Textiles units on Pan India basis.
- Area specific scheme for financing Brass manufacturing units at Jamnagar Region.
- Scheme for financing Road Transport operators for purchase of New Vehicles from commercial vehicle manufacturers.
- Scheme named "Baroda Arogyadham Loan".
- Scheme named "Scheme for financing SME borrowers for purchase of New Vehicles".
- Scheme named "Baroda Overdraft against Land & Building".
- Area specific special scheme for financing Automobiles & Engineering Units at Chennai Metro Region.
- Scheme for financing persons with disability promoted by NHFDC.
- Financing foundries at the Rajkot Region (NGZ) and Maharashtra & Goa Zone.
- Financing Ceramic Tiles/Floor Tiles/Wall Tiles/Vitrified Tiles/Ceramic & Sanitary ware units at Rajkot & Ahmedabad.
- Financing Plastic & Plastic packaging units at Bulsar, Indore Regions and Greater Mumbai Zone.

Area Specific schemes approved as above for certain pockets where there is a concentration with units with same or similar activity and with good business potential, have yielded satisfactory results. Cluster Development is also being undertaken with lead district branches having a larger role to play in the ensuing year.

Rural and Agricultural Lending

As you all are aware, your Bank has always been a frontrunner in the area of Priority Sector and Agriculture lending. It has been harnessing the vast potential of the rural market through its wide network of 1,912 rural branches and 1,386 semi-urban branches.

Even during FY15, your Bank opened 250 new branches in rural and semi-urban areas.

Your Bank is the proud Convener of State Level Banker's Committee (SLBC) in the states of Uttar Pradesh and Rajasthan. Your Bank shoulders the Lead Bank Responsibility in 48 districts in the states of Gujarat (14), Rajasthan (12), Uttar Pradesh (15), Uttaranchal (2), Madhya Pradesh (2), Bihar (2) and Delhi (1).

Your Bank has also sponsored three Regional Rural Banks (RRBs) in three states with a network of 1,821 branches and total business of Rs 37,529.15 crore as of March, 2015.

Performance of Priority Sector Lending in F.Y. 2014-15

Shri K V Rama Moorthy, Executive Director at Maha Loan Mela organized by Anand Region

Priority Sector Advances of your Bank surged from Rs.93,728.13 crore as on March 2014 to Rs 1,03,342.67 crore as on March 2015 and formed 36.40% of the Adjusted Net Bank Credit (ANBC) against the mandated target of 40.00%.

Agriculture Advances: The Direct Agriculture advances of your Bank increased to Rs26,610.92 crore over the previous year with an absolute growth of Rs 4,493.41 crore (20.32%) during the year. The total agriculture advances of your Bank have grown by Rs 5,730.94 crore and reached Rs 37,403.29 crore as at end-March 2015. It is a good performance given the weak economic environment and erratic monsoons

during the year. Your Bank's Direct Agricultural advances formed 9.37% of ANBC as of March 2015 against the mandated target of 13.50%. The Total Agricultural Advances were at 13.17% of ANBC against the mandated target of 18.00%.

Under its flagship agriculture loan product "Baroda Kisan Credit Card", your Bank issued as many as 2.28 lakh Credit Cards during FY15 to provide credit to farmers across India. Baroda Kisan RuPay Card, an ATM enabled smart Card, has been issued to 4.12 lakh farmers for their convenience. Your Bank financed as many as 3,05,950 new farmers during FY15 granting them loans worth Rs 5,447.29 crore.

As a part of its microfinance initiatives, your Bank credit linked 7,543 Self Help Groups by granting loans amounting to Rs 101.84 crore during FY15 thereby taking the total number of SHGs credit linked to 1.91 lakh with a loan amount of Rs 1,772.41 crore.

Business and Social Initiatives

Your Bank introduced various initiatives/strategies to harness the emerging opportunities in rural and agriculture lending. Some of them are mentioned below.

1. Understanding the importance of adding new farmers to the fold in order to augment Agriculture advances, your Bank conducted two special campaigns viz. 'JODEN KISAN' during the Kharif and Rabi seasons under which 1.75 lakh new farmers were added to whom disbursements worth Rs 2,788 crore was made. Another Campaign for Investment Credit was also undertaken, in which disbursements of Rs 840 crore were made.
2. Your Bank has identified 466 Thrust Branches across India to boost Agriculture lending. These branches contributed 35.95% of the total Agriculture outstanding of the Bank as at 31st March 2015.
3. Your Bank formulated various area-specific schemes which are tailor-made to cater to the needs of the local farming community, with various freebies like concessions in rate of interest & charges etc. Eleven such schemes to accommodate the varied needs of farmers were approved and implemented during the year under review.
4. Your Bank launched Agriculture Loan Factories for bettering customer service and improving the volume and quality of the agriculture advances. Three such pilot factories have started functioning in Mehsana in Gujarat, Bareilly in U.P and Muzaffarpur in Bihar.
5. At present, your Bank has 49 Baroda Swarojgar Vikas Sansthan (BSVS), Baroda R-SETI Centers across India training the youth and imparting them knowledge and skills required for taking up self-employment ventures. During FY15, about 33,309 youth beneficiaries were trained at these centres, out of which 18,523 have established self-employment ventures. Out of the total 2,25,104 beneficiaries trained by these centers so far, 1,39,052 have successfully taken up their own self employment ventures.
6. Your Bank has established 49 Financial Literacy Centres (FLC) across India, christened as "SARATHEE" to impart financial literacy and credit counseling services to the needy to help them avail financial services from the Banking system and also to provide counseling services to those under financial distress. Your Bank has opened these centers under the patronage of its BSVS Trust and free services are provided to all by these centers.

Performance of RRBs Sponsored by your Bank

Presently there are three RRBs sponsored by your Bank:

- Baroda Uttar Pradesh Gramin Bank, Head Office: Raebareli.
- Baroda Rajasthan Kshetriya Gramin Bank, Head Office: Ajmer.
- Baroda Gujarat Gramin Bank, Head Office: Bharuch.

The aggregate business of these three RRBs rose to Rs 37,529.15 crore as of March, 2015 from Rs 33,169.55 crore as at end-March, 2014, registering a growth of 13.14%.

The three RRBs together posted a Net Profit of Rs 347.91 crore during FY15 as against Rs 289.40 crore earned during FY14.

The Net Worth of all these RRBs put together improved from Rs 1,523.82 crore as on 31.03.2014 to Rs 1,871.73 crore on 31.03.2015 and "Reserves and Surplus" from Rs 1066.92 crore to Rs 1,414.83 crore.

Advances to SC/ST Communities during FY15

The outstanding advances granted by your Bank to SC/ST communities have been growing year after year. This is evident from the fact that the outstanding advances granted to these beneficiaries went up from Rs 4,810 crore as at end-March, 2014 to Rs 4,997 crore as at end-March, 2015. In fact, the SC/ST communities accounted for a share of 22.20% in the total advances granted to weaker sections by your Bank. Furthermore, a special thrust is laid by your Bank in financing SC/ST under various government sponsored schemes namely National Rural Livelihood Mission (NRLM), Swarna Jayanti Shahari Rojgar Yojana (SJSRY), Prime Minister Employment Generation Programme (PMEGP), etc.

Baroda Swarojgar Vikas Sansthans (BSVS) have been giving due preference to SC/ST communities while selecting the trainees. It is heartening to indicate that so far, these centres have trained 15,801 youths under the SC/ST category.

Bank's Committed Efforts at Financial Inclusion (FI)

Financial Inclusion is delivery of banking services at an affordable cost to the vast sections of disadvantaged and low income groups within a reasonable distance. The Financial Inclusion Plan aims at providing easy access to financial services to all sections of the society who are deprived of it so far at affordable cost thereby bringing them into the

mainstream financial sector. Implementation of Financial Inclusion is not a new concept for your Bank. Financial Inclusion activities are being implemented by your Bank since inception through various Governments sponsored programs, lending to the poorest of the poor, lending to the minority communities, lending to SC/ST, lending to priority sectors, etc. However, the RBI has permitted rendering of Banking Services through Business Correspondent channel in the year 2005 and advised all commercial banks in the year 2010 to submit Board Approved Plan for providing Banking Services in Rural Unbanked areas under Financial Inclusion.

Shri B B Joshi, Executive Director inaugurating Financial Inclusion Kiosk in New Delhi

As desired by Government of India and directed by the RBI, the Board had approved a Financial Inclusion Plan for implementation by your Bank within a period of three years commencing from 2010-11. The plan had envisaged covering 20,000 villages in a span of three years under Financial Inclusion utilizing various technology based initiatives. Thereafter, the Ministry of Finance and the RBI advised the banks to cover the villages having population above 2,000 by March 2012. Accordingly, your Bank was allotted 2,855 villages which were covered well within the set timelines.

Thereafter, the RBI had advised to provide banking services to all villages within the service area of the bank in 3 years i.e. 2013-14 to 2015-16. Accordingly, your Bank's Board has approved disaggregated FIP for all 21,526 service area villages of your bank to be covered in 3 years i.e. up to March 2016. As per board approved FIP, the year wise target for coverage of service area villages is 11124, 16324 & 21526 during 2013-14, 2014-15 & 2015-16, respectively. Your Bank has already surpassed the annual target of village coverage 2015-16 in December 2014 itself. All other parameters of Annual Target set in disaggregated financial inclusion plan for March 2015 have also been achieved.

Models used by your Bank for FI:

Your bank has adopted various models for providing banking services under financial inclusion such as:

a) ICT based BC model
   1. POS (Point of Sale)
   2. Kiosk

b) Mobile Van

c) Brick & Mortar Branches

a) Information and Communication Technology (ICT) based BC model:

1. POS based BC Model

This solution is based on Application Service Provider (ASP) model with smart cards/card less/Aadhaar based technology for financial inclusion. Under this model, Business Correspondents are appointed by banks through service providers who are provided with point of sale (POS) devices, using which they carry out transactions for the customers who have opened accounts through BCs or having Aadhaar linked bank account at their doorsteps. Transactions processed at BC locations are authenticated through biometric authentication. These transactions are online real time basis in core banking of the bank. The POS devices deployed in the field are capable to process the transactions on the basis of Smart Card, Account number (card less) and Aadhaar number (AEPS transactions). The BC is fixed point online and interoperable. TCS and HCL are providing banking services through POS model.

2. KIOSK BC Model

It is web-based application which can be accessed through internet connectivity on laptop or desktop by authorized individual. This is card less solution; account holder can operate the account on the basis of account number as well as Aadhaar number. Kiosks are connected with your CBS through web based connectivity from the computer system/ laptop of the kiosk operator. Transactions are processed through biometric authentication on online real time basis. CSC e-governance Service India Ltd, FIA Technology Services Pvt Ltd, NICT, Vakrangee and Geosansar are appointed as corporate BCs for providing banking services in the villages allocated to the bank as well as for implementation of Urban Financial Inclusion.

b) Mobile Van:

The customized vehicle (van) is specifically designed for the purpose of banking activity. The exterior of the van is covered with bank advertisements and information about products offered by the Bank in rural areas. Thereby, it is also an advertising media for the Bank in rural segment. The van is equipped with computer hardware and connectivity to access the CBS. The Bank staff is deployed on the van to provide banking services in the villages. The van is moving into the cluster of villages on predetermined day and time which are in proximity to the existing branches, for providing online banking services. The banking services are being provided during fixed days in a week. Presently, 20 mobile vans have been deployed for catering financial services to 258 villages in the states of Uttar Pradesh, Rajasthan, Gujarat, Uttarakhand, Bihar, Madhya Pradesh and Goa.

c) Brick and mortar branch:

The brick and mortar branches are opened in a comparatively bigger village having potential and viability. Such centers are

identified during the course of finalization of Bank's branch expansion plan. The Bank has 1,912 rural branches. During FY15, your Bank opened 351 (Rural 140) new branches.

Urban Financial Inclusion:

The rural inhabitants have largely remained the focus of your financial inclusion efforts since, a large proportion of the villages are still unbanked. Besides, the people living in rural and far flung areas, urban poor still have no access to formal financial products and services like savings, credit, remittance and insurance, forcing them to depend on usurious informal sources to meet their personal, health, and livelihood-related needs. Many of those are normally migrant labors, hawkers, slum dwellers from rural areas that generally leave their villages for livelihood. In order to cover them under financial inclusion the Government of India has completed the first phase of Jan Dhan Yojana campaign in all states to bring these vulnerable groups under mainstream financial system. Your bank has deployed 2,355 urban BCs at various locations across the country.

Product Offered under Financial Inclusion

1. **Basics Savings Bank Deposit Account with in-built OD facility**

   The product is specially devised for individuals from Financial Inclusion villages as per the RBI guidelines. The account can be opened without depositing any amount which doesn't attracts any penalty and will be opened through BC. These accounts can be operated through business correspondent as well as at the branches. In-built overdraft facility up to Rs.5000 is available under the scheme subject to satisfactory conduct of account in the preceding six months.

2. **Recurring Deposit Account**

   At present, Recurring Deposit Accounts are offered to the financial inclusion account holders through your Bank branches. The product offers lump sum amount to the account holder on maturity. Offering this product through your Bank's BCs is under process.

3. **Baroda Kisan Credit Card (BKCC)**

   This product is for farmers which cover their needs like production credit, investment credit, personal loan needs as well as consumption needs. It is flexible in utilization of the limit as he can utilize the limits as per his requirements during the year.

4. **Baroda General Credit Card (BGCC)**

   The BGCC is implemented through all the branches of your Bank. The credit facility offered under the scheme would include working capital and term loan requirements of the entrepreneurs.

5. **Baroda Swabhimaan Suraksha (Low Premium Insurance)**

   Your bank has introduced life insurance product with low premium for financial inclusion customers in coordination with India-first Life Insurance Company. An insurance cover of Rs 5,000 to Rs 50,000 is available at premium of Rs. 20.88 per thousand for 5 years.

Highlights of the Bank's Performance under Financial Inclusion for FY15

- **Your Bank has surpassed all targets of Disaggregated FIP 2016 in December 2014 itself.**
- Your Bank has covered 22,030 villages against a target of 16,324.
- Your Bank has opened 163.33 lakh "Basic Savings Bank Deposit Account" against target of 78.82 lakh for FY 2014-15.
- The Bank has opened 52.05 lakh accounts through Business Correspondents as against a target of 18.82 lakh for FY15.
- The balance outstanding in the "Basic Savings Bank Deposit Account" of your Bank is around Rs 3,458 crore as against a target of Rs 2109.48 crore for FY15.
- Your Bank has sanctioned overdraft of Rs 16.46 crore as against a target of Rs. 9.11 crore in Basic Saving Bank Deposit Account for FY15.
- Your Bank has 2644 Ultra Small Branches in villages with population above 2000.
- The Bank has opened 2355 Urban kiosk as against a target of 500 for FY 2014-15.

Financial Literacy Key to successful Inclusion

The desired objective of Financial Inclusion can be achieved only when we are able to generate equal responses from the villages. In order to invoke responses amongst villagers, there is a need to educate them on various banking facilities and its benefits to them. In particularly, the benefits of savings, Aadhaar seeding, maintaining minimum balance, eligibility for availing Overdraft, use and safekeeping of RuPay cards, USSD facility, eligibility of availing accidental & life insurance, lodgment of claim under insurance, micro insurance products, pensions, benefits of Kisan Credit Card (KCC), GCC, prompt repayment, availability of other retail and SME loans to them. In other words, financial literacy would be the key for success of financial inclusion initiatives of the bank. Therefore, all constituents of FI need to develop a bond with each other for not only to provide banking facilities but also to create awareness of banking and banking products amongst the population through Financial Literacy, wherever implementing Financial Inclusion programme. Your Bank's link branches and BCs are arranging Financial Literacy campaign regularly by conducting meetings in their service area villages and schools. Standardized financial literacy material such as comic booklet, audio visuals is being used for spreading the financial literacy and 48,199 camps have been organized so far.

Your Bank has also taken the following major initiatives towards financial literacy in rural part of the country.

1. **Baroda Swarojgar Vikas Sansthan (Baroda RSETI)** is a trust formed by the Bank way back in 2003 for undertaking skill building activities for un employed rural youth and providing hand holding support to them till their settlement in their respective venture. Your Bank has established 49 such centers all over the country which have conducted 1,055 training programmes during FY15 in which 29,245 candidates were trained. During the year under review, 14,568 candidates established their business ventures successfully. The settlement ratio of candidates trained to candidates settled in business works out to 49.81%.
2. **Around Fourty Nine Financial Literacy & Credit Counseling Centres (FLCCs) "SAARTHEE"** are operational across the country. Since inception, around 2,02,128 individuals visited FLCCs of which in 1,65,681 cases, the issues were resolved.
3. Around Fifty two **Baroda Grameen Paramarsh Kendra's** facilitate financial education, credit counseling, information sharing and problem solving on technical issues, synergy & liaison with other organizations for value added services and development activities in rural areas.
4. **Mobile Micro Finance Loan Factory** has been established with a vision to provide credit and banking facilities to SHGs at their doorstep under the SHG – Bank linkage program, ensuring hassle free and prompt credit delivery within maximum of 4 days & Hassle free credit to the SHGs.
5. **"BYST-BoB Entrepreneurship Development Programme" (BYST)** provides end-to-end support to disadvantaged young dynamic micro-entrepreneurs in the form of Loans, Business Mentors, Training, and Networking & Marketing.

Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY)

Shri Shivraj Singh Chouhan, Chief Minister, Madhya Pradesh felicitating Shri Nagesh Kr. Srivastava, Zonal Head (MP & CG) for performance under Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana

The Hon'ble Prime Minister announced a new scheme The Hon'ble Prime Minister announced a new scheme under Financial Inclusion, during his address to the nation on the occasion of Independence Day i.e. 15th August 2014 known as "Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana" (PMJDY) which has been launched on 28th August 2014. PMJDY is a comprehensive financial inclusion plan wherein the ambit of financial inclusion is enlarged to make it more meaningful. It is a National Mission for Financial Inclusion. Under PMJDY, there are 6 focused initiatives (6 Pillars) and the timelines for each initiative are defined. It is a mission mode project to be completed in two phases starting from 15 August 2014 up to 14 August 2018.

Pradhan Mantri Jan-Dhan Yojana lies at the core of development philosophy of "Sab Ka Sath Sab Ka Vikas". Every household having bank account would gain access to banking and credit facilities. This will enable them to secure their savings in a better manner and also to come out from the habit of raising funds from informal sources.

As a first step, every person who opens the account under PMJDY will get a RuPay debit card and would be eligible for Rs.1,00,000/- accident insurance cover. After six months of satisfactory conduct of account, they would be able to get an overdraft facility up to Rs 5000/-. Further, the account holders who opened account between 15.08.2014 to 26.01.2015 will get additional term insurance of Rs.30,000/- from LIC limited to one member in the household. Besides the financial literacy programs other insurance and pension products like Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana, Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana and Atal Pension Yojana have been made available to account holders.

Initiatives under PMJDY:

- Your bank has been allotted 6,829 SSAs by SLBCs covering 22,030 villages and 3,023 wards across the country. Your Bank has since saturated all households in service area and allocated urban wards by opening of 79.53 lakh Basic Savings Bank Deposit Accounts after successfully completing survey in the allotted villages and wards.
- As on 31.03.2015, your Bank has mobilized Rs 1,101 crore in PMJDY accounts. The average per funded accounts balance is around Rs. 2,558.
- Your Bank's share in opening PMJDY account is 5.7% of the total accounts opened by all banks and share in deposits mobilized is 7.86%.
- The Bank has issued 77.42 lakh RuPay debit cards to PMJDY account holders as on 31.03.2015.
- Your Bank has appointed 8,751 Business Correspondents (BC) points across the country out of which 2,355 BC have been appointed in Urban Locations.
- Your Bank branches have organized 48,199 camps periodically for opening of accounts, conducting financial literacy sessions, distribution of financial literacy materials, distribution of pass books and RuPay Debit cards, etc.
- Your Bank has been giving overdraft facility to account holders under Financial Inclusion for their day-to-day financial needs.

- Your Bank has introduced micro insurance facility through India First Insurance Company at affordable premium that is borne by customers.
- e-KYC has been implemented at the branches as well as BC points for opening of Aadhaar based accounts.
- Your Bank has also rolled out Aadhaar Enabled Payment System (AEPS) facility at BC Points.
- The Bank has implemented Unstructured Supplementary Service Data (USSD) for carrying out mobile banking transactions on basic mobile handsets. Facilities available under USSD are balance enquiry, money transfer, mini statement, knowing Aadhaar link bank a/c.
- Standardized Financial Literacy material such as comic booklet, audio visual has been supplied to all Zones, Regions and branches for spreading financial literacy.
- Your Bank organized capacity building program for BCs at Regional/District Level.
- Joint Workshops of BCs and Branch Head to improve coordination and resolve issues in the field were organized by your Bank.

International Operations

Global growth in 2014 was lower than initially expected, continuing a pattern of disappointing outturns over the past several years. Growth picked up only marginally in 2014, to 2.6%, from 2.5% in 2013. While activity in the United States and the United Kingdom has gathered momentum as labor markets healed and monetary policy remained extremely accommodative, the recovery has been sputtering in the Euro Area and Japan as legacies of the financial crisis linger, intertwined with structural bottlenecks. China, meanwhile, is undergoing a carefully managed slowdown.

Shri S S Mundra, CMD, with Top management team releasing the Business Policy Guidelines 2014-15 for International Operations in Mumbai

Your Bank has continued to grow at a steady pace and keep continuous watch on the emerging trends in the International banking scenario. The overseas branches and subsidiaries have persistently worked on sustaining business growth. New initiatives were taken in IT infrastructure for enhancing customer satisfaction. Your bank further spread its presence in Tanzania and Kenya by opening an additional branch of its subsidiaries in the respective countries.

Business & Profit Performance:

During FY15, the total business (Deposits + Net Advances) of the Bank's overseas branches registered a growth of 7.88% The Customer Deposits increased by 2.35%, Total Deposits by 7.08% and Net Advances by 9.10%.

During FY15, the International Operations have contributed a significant 32.47% to Bank's global business.

Total Assets:

Total Assets of the Bank's International Operations have shown a growth of 8.02% in March'2015, that is, an increase of Rs.18,565 crore over March'2014.

Profit:

It was a year of consolidation for the international operations. Amidst global slowdown and pressure to maintain the margins, your Bank was able to maintain the gross profit for the year FY15 more or less in line with the previous year. There was a modest increase of 1.17% in gross profit as against March'14. This is due to the proactive measures taken by the overseas territories and adaptability to changing scenarios. The Net Profit however showed negative growth of 40.66% as against the previous year due to higher provisioning for NPA and taxes.

Contribution of international operations to the Bank's global Net Profit is 20.15%.

Asset Quality

Asset quality has increasingly gained importance in the current banking scenario. Your Bank has taken all out steps to have an efficient credit monitoring mechanism at the overseas centers. The Bank is making concentrated efforts to identify, measure, monitor, and control credit risk.

In the wake of the global slowdown, many economies across the world have been affected. This has put pressure on the asset quality of the banks. Your Bank has further enhanced the credit monitoring techniques so as to maintain the asset quality.

Net Advances during FY15 have increased by 9.10% over the level of previous year. Your Bank has put in best efforts to maintain the quality of assets, as the Gross NPAs of International operations as % to Gross Advances of International Operations was 1.70% as on Mar'15 which shows an increase from the level of 1.57% as of Mar'14.

International Presence

Your Bank's international presence covers 24 countries through its 104 branches/offices as under:

Bank's Overseas Branches/ Offices	60
Bank's Representative Office	1
Branches of Bank's Overseas Subsidiaries	43
TOTAL	104

The Bank also has following Joint Ventures/ Associates:

1. Indo Zambia Bank Ltd., Zambia having 27 branches
2. India International Bank (Malaysia) Bhd., Malaysia having one branch.

Bank's Fiji Operations receiving Prime Minister's Exporter of the Year Award 2014 from Hon. Prime Minister of Fiji.

OVERSEAS EXPANSION:

During FY15, your Bank opened two new branches of overseas subsidiaries viz. one at Meru, Kenya and another at Mwanza, Tanzania.

Future Plans

Your Bank has plans to further expand its presence in upcoming centers in the countries where the Bank is already present and also to enter new countries offering opportunities for profitable growth of business.

Necessary infrastructure is being created for further expanding the network in UAE, Kenya, Uganda, Botswana, Ghana and New Zealand.

The overseas expansion is considered in line with the various directives issued from Ministry of Finance, Govt. of India regarding overseas expansion of Public Sector Banks of India.

Syndication Centres

Syndicated loans have become a very significant source of financing in the Global financial markets. Your Bank has a Global Syndication Centre at London and Regional Syndication Centres at Dubai and Singapore which focus on the business of Syndication Loans in International Market. Your bank has also set up an International Merchant Banking Cell (IMBC) at Corporate Office, Mumbai, which mainly caters to the requirements of Indian corporates and also supports the regional syndication centres to canvass business from Indian corporates who are in need of foreign currency resources.

Products and Services

While operating in 24 different countries, your Bank has devised customized products and services according to the local needs for each country of operation. Your Bank provides state of the art products and services in the international market to suit the business needs of the International market.

The single Core Banking Solution at all its overseas branches and subsidiaries facilitates introduction of new products and services and also to carry out modification/ improvement in line with the requirements of customers in the country of operation.

Technology

- The number of ATMs at overseas Territories and subsidiaries increased to 96 (56 on-site and 40 off-site) as on March, 2015 from 91 (54 on-site and 37 off-site) as on 31st March, 2014.
- Debit Card/ATM card issuance is implemented in 11 overseas territories/ subsidiaries out of which four territories/ subsidiaries are having tie up with Global Payment Technology company M/s VISA. Further, VISA accreditation approval is given to Kenya subsidiary and is in progress for Oman, Guyana and Uganda subsidiaries/territories.
- Many of the territories / Subsidiaries are moving to chip-based debit cards. The EMV (chip cards) implementation in UAE territory has been completed and implementation in Oman, Mauritius and New Zealand territories is in progress
- Internet banking (Baroda Connect) is implemented in 16 overseas territories/ subsidiaries. viz 1.UAE, 2. United Kingdom 3. Oman, 4. Mauritius, 5. Fiji 6.Seychelles, 7. Australia (View) 8.Kenya, 9.Uganda, 10.Botswana, 11.New Zealand, and 12. Ghana. 13. Tanzania (View Based) 14. USA (View Based) USA 15. Guyana, 16. Trinidad & Tobago territory. The internet banking was made live for Guyana and Trinidad & Tobago territory during the year under review.
- Fraud Management Solution (2FA) has been implemented in internet banking of New Zealand, UAE, UK, Uganda, and Kenya and compatibility of e-banking in Smart Phones has also been enabled for these territories/ subsidiaries. The FMS implementation is in progress for Botswana, Fiji, Oman, Mauritius, Seychelles and Ghana territories/ Subsidiaries.
- The Cheque Truncation & Automated Clearing House has been implemented in Botswana and implementation is in final stage in T&T, Seychelles
- Approach finalized for sending SMS alert using the local SMS aggregator in International territories/ subsidiaries. Implementation completed in Kenya and is in progress for 5 territories/ subsidiaries. (Fiji, Guyana, Uganda, Botswana and China)
- In view of the end of technical support for Windows XP, Migration to Windows 7 has been completed in most of the territories/Subsidiaries and in the remaining places, it is in final stage.
- CBS database for all international territories/ subsidiaries has been upgraded from Oracle 10 G to Oracle 11G.

Risk Management in Overseas Operations

The risks inherent in Overseas operations of your Bank is diverse owing to the economic, financial and cultural situations of the specific territory. Your Bank identifies officers having operational experience and fair understanding of Risk management for each of the

territories for assigning risk management job role. They discharge their risk management responsibilities under the technical guidance of Risk Management Department at Baroda Corporate Centre.

Credit rating system has been rolled out at all the overseas centres which functions under the overall supervision of Credit Risk Validation Cell at Corporate Office. Similarly, ASCROM system has been implemented to capture entire Credit Risk related data which does asset classification, generates specific provisions, Basel II RWA and other related MIS reports.

Systems to capture Market Risk on Global basis is being implemented at Global Mid Office, Treasury branch Mumbai and is in quite advanced stage. Operational Risk Management system, which was successfully implemented in two zones of domestic operations is likely to be rolled out in Overseas operations shortly.

Regulatory Compliance

Your Bank has a reputation of being a Regulatory Compliant Bank. Your Bank ensures that the stringent of the home/host country regulatory norms are followed. All the regulatory issues and guidelines are attended on top priority basis.

Well-integrated compliance setup ensures that the compliance issues of the Bank are handled in a timely manner. Your Bank has posted dedicated compliance officers at overseas centres whose skills are continuously enhanced through continuous skill updation trainings. Your Bank does not see compliance as merely a regulatory requirement but a duty to protect the interest and reputation of the Bank and its other stakeholders.

All the overseas territories/subsidiaries have prudential Policies/Manuals in varied areas of banking as per their respective regulatory requirements which are periodically reviewed to ensure that they are in conformity with the regulatory guidelines and requirements.

Treasury Operations

Your Bank operates its Treasury from a State of the Art Dealing Room at Baroda Sun Tower at its Corporate Office in Mumbai. This dealing room is well positioned to scale up your Bank's Treasury Operations and keep pace with the latest developments in the market. Your Bank's Treasury handles domestic treasury operations and covers activities in various markets i.e. Foreign Exchange, Interest Rates, Fixed Income, Derivatives, Equity and other alternative asset classes. A basket of financial products are offered to the Bank's clients like interest rate swaps, currency swaps, forwards and options facilitated by the advanced technology platforms used by your Bank . A sophisticated Automated Dealing System caters to the needs of clients of Authorized Branches dealing in foreign exchange transactions across the country. During the financial year under review, your bank carried out a detailed study for implementation of Global treasury Solution in Mauritius, and is likely to implement the same in the next financial year.

During FY15, the global economy struggled to gain momentum as many high-income countries continued to grapple with legacies of the global financial crisis. While growth in the United States and the United Kingdom has gathered momentum as labour markets healed and monetary policy remained extremely accommodative, the recovery has been sputtering in Japan. China, is undergoing a gradual slowdown. Weak activity in the Euro Area; a severe slowdown in Russia combined with a sharp depreciation of the rouble against the U.S. dollar and a sharp contraction in Ukraine present difficult headwinds to the region. FY15 also saw the continued Quantitative easing program from Japan and European Central Bank (ECB) commenced its quantitative easing programme in Q4 of FY15.

Oil prices have declined sharply from $ 110 per Barrel in April 2014 to $ 53 per barrel on 31st March 2015. A number of factors such as abundant supply of shale gas oil, slowdown in Chinese economy, European economy in doldrums, appreciation of the U.S. dollar and OPEC policy objectives have driven the recent plunge in oil prices. For oil-importing countries like India, weak oil prices support activity and reduce inflationary, external and fiscal pressures.

Domestically, export growth has been robust during the 1st Half of FY15 before declining in the last quarter. Investor confidence has been bolstered by the election of a reform-minded government. After the formation of stable government at the centre, Indian markets saw major inflow of portfolio investments in debt and equity segments. FII flows in to the debt segment took yields downwards in the third and fourth quarter of the financial year. Portfolio inflows along with better than expected current account deficit enabled Rupee to remain appreciated against currencies of major countries though Rupee depreciated against the dollar. Rupee depreciated from Rs.59.89 per USD on 2nd April 2014 and closed at Rs.62.50 on 31st March 2015. However Rupee appreciated from 99.72 per GBP on 2nd April 2014 and closed at Rs.92.45 on 31st March 2015 while Rupee appreciated from 82.58 per EURO on 2nd April 2014 and closed at 67.20 on 31st March 2015.

Looking at the economic scenario and inflation trends, the RBI cut benchmark rates by 50 Basis Points during the financial year. RBI has reduced the Repo rate from 8.00% to 7.5% in two tranches of 25 bps each. The RBI has introduced Term Repos of various maturities for easy transmission of liquidity in the system. The overall allocation of funds under LAF Repo and term Repo against surplus SLR Securities was limited to 0.25% of Bank's Net Demand and Time Liabilities (NDTL) and 0.75% of the Net Demand and Time Liabilities (NDTL) of banking system respectively. Further, banks were permitted to maintain a minimum daily CRR balance of 95.00% of the total requirement down from earlier requirement of 99.00%.

Your Bank was able to capitalize on the opportunity offered by higher yields in the First half of the year to add bonds to the portfolio and enhance the average yield on Investments. The average yield on Domestic SLR investments increased to 8.22% as on 31.03.2015. The sharp downwards yield movement in the second half of the year was adroitly handled to realise significant amount of profits on sale of bonds. During FY15, your Bank's Treasury realised Profit on Sale of Investment and Exchange Earnings of Rs 1,009 crore and Rs 603 crore , respectively and earned Rs 10,379 crore as Interest/Discount.

Your Bank's Treasury offers customized solutions using available products viz Interest Rate Swaps (IRS), Currency Swaps (CIRS), Interest Rate Futures, Forwards and Options to meet the Interest rate and Foreign Exchange risk mitigation requirements of the corporate clients. The Interest Rate Swaps and Currency options were widely used for hedging the interest rate and currency for the corporate. Your Bank's Treasury started dealing in Currency Futures in the first quarter of the FY15 and emerged as one of the major player in the market. Arbitrage opportunities available between asset classes including Money Market CBLO, Call, Market Repo, Government Securities and Forex markets were effectively utilised.

Equity markets improved during First half of FY15 amid FII inflows and change in investors' sentiments after stable government at centre in May 2014 general elections. The Equity desk of the treasury actively churned its portfolio and booked profits at regular intervals.

The Foreign exchange desk of the Treasury retained its position as one of the premier market players in the Forex desks of the Public Sector Banks. The Proprietary trading desk was active in encashing the available arbitrages and mobilised resources in tight situations of liquidity impacting the Indian markets.

Your Bank's Treasury Mid-Office monitors market exposures and limits fixed by the Board of Directors, on a real time basis. The Risk Management parameters, including Value-at-risk (VaR) are used to measure Market Risk on all portfolios. These measures are backed up by the Back Testing on risk numbers and Stress Testing of various investment and currency portfolios.

Corporate Social Responsibility (CSR)

Shri Ranjan Dhawan, MD & CEO inaugurates Free Food Stall in Mumbai on the occasion of death anniversary of Bharat Ratna Dr. B. R. Ambedkar

As a responsible corporate citizen, it has been the endeavour of your Bank to empower the community through socio-economic development of the underprivileged and weaker sections. In its continued efforts to make a difference to the society at large, your Bank intensified its efforts further in this direction in FY15.

Some of the initiatives in the domain of CSR undertaken by your Bank are as follows:

- Your Bank has established 49 Baroda Swarozgar Vikas Sansthan Kendra(Baroda R-SETI) for imparting free training to unemployed youth to develop their entrepreneurial skills to become self employed. This is expected to improve the economic status of their families and also give a boost to various regional economies within these locations. Almost all the Lead Districts of your Bank have an R-SETI in which 2,25,104 youth have been trained and 1,39,052 have been gainfully self employed or taken wage employment.
- In order to spread awareness among the rural masses on various financial and banking services and to speed up the process of financial inclusion, your Bank has also established 49 Financial Literacy and Credit Counseling Centres (FLCCs) across India. These centres will impart financial literacy in the form of simple messages like Why Save, Why borrow from banks, Why borrow as far as possible for income generating activities, Why repay in time, Why insure yourself, Why Save for your retirement, etc.
- Your Bank had spent Rs.10.58 crore through Baroda Swarozgar Vikas Sansthan towards imparting free training to unemployed youth to develop their entrepreneurial skills to become self employed and spreading awareness among the rural masses on various financial and banking services and to speed up the process of financial inclusion, through Financial Literacy and Counseling Centres of R-SETIs.

Baroda Shakti team organized a free Health Check up camp for female staff members of Baroda Corporate Centre, Mumbai

- Your Bank has set aside Rs. 5 crore towards construction of toilets in schools in the states of Rajasthan, Uttar Pradesh and Gujarat under "Swachh Vidyalaya Campaign".

Asset Quality Management

Improvement in Asset Quality and Reduction of NPA has been the major focus for your Bank. The year FY15 was a challenging year for the banking industry to maintain the Asset Quality due to continuous stress in the economy and slow economic recovery. Indian banks, in general, witnessed heavy incidence of slippages in FY15 due to sluggish domestic growth and uncertainity in global markets leading sluggish exports of various products including textiles, engineering goods, leather, gems, etc which has adversely affected the performance of corporate as well as small and medium enterprises. Due to various depressed economic parameters impacting the Bank, fresh slippages, during the year, were at 2.05% of the opening Standard Advances of your Bank. Against the backdrop of high slippages, the ratio of Gross NPA to Gross Advances was at 3.72% as on 31st Mar, 2015. Consequently, the ratio of Net NPA to Net Advances increased to 1.89% by end-Mar, 2015.

Shri P. Srinivas, Executive Director inaugurating SAS Operational Risk Management system

In the past several years, your Bank has made all out efforts to maintain the Loan Loss Provisioning ratio at or above the mandated norm of 70% set by the RBI. However due to steep rise in NPAs and higher provisioning, the loan loss coverage ratio was at 64.99% during FY15, after factoring in the Prudential/Technically Written-off advances.

Your Bank has developed a comprehensive structure for recovery and credit monitoring function at the Branch, Region, Zone and Corporate levels. Besides this, the Nodal Officers at each DRT centre were assigned the role of follow-up of legal cases on day to day basis so as to minimize the delay in obtaining decrees and execution thereof in order to expedite and maximize recoveries. For Recoveries in all DRT Suit filed NPA accounts, the assets charged to the banks are now being sold through E-auction to get a fair market value. In addition to above, to expedite the recovery, your Bank has appointed Recovery Agents for assisting in taking possession of assets & other pre/post sale activities and Consultants have been appointed to liaison with Official Liquidator(OL) to get the recoveries realised by OLs. The maximum participation in National Lok Adalats dated 06.12.2014 and 14.02.2015 was ensured apart from regular participation in Regional Lok Adalats to expedite recovery in suit filed & non suit filed NPA a/cs. Recovery Camps were regularly conducted by your Bank's branches to recover funds & reduce long pending cases and expedite recoveries in small accounts.

Your Bank continued its emphasis on follow-up mechanism to explore recovery prospects of NPA accounts. The system of monitoring of large value NPA accounts of say Rs. 1 crore and above directly from the corporate office by way of video conferencing with the regions and zones have ensured proactive action by branches, advocates, recovery agents, etc. The actions under SARFAESI Act at various levels were also monitored by your Bank's Corporate Office.

Conclave of all Nodal Officers of DRT/DRAT & Recovery In Charge of all the Zones and another of Deputy Regional Managers, Deputy Zonal Heads and ARMB Heads was organized for expediting recovery/ legal actions in NPA/ Written off accounts.

During FY15, your Bank laid specific focus on recovery of small accounts by organizing Lok Adalats and Recovery Camps at village/town level. Moreover, special Schemes called Bhagirath Prayas were also launched during first half of the FY15. Your Bank also launched an incentive linked recovery scheme called "Sankalp-VII", to enlist personalized attention of each and every staff member in pursuing recovery efforts of small value accounts with an outstanding up to Rs.25 lakhs. The cash recovery made during FY15 under the scheme was at Rs.10.29 crore.

To give more emphasis to NPA recovery, your Bank has observed 23rd February, 2015 and 23rd March 2015 as 'Recovery Day' for undertaking recovery work exclusively. Total NPA recovery of Rs. 172.00 crore was effected across the country by your Bank during these Recovery Days.

Due to the focused attention, the cash recovery in NPA accounts during FY15 substantially improved to Rs.1492.81 crore, from Rs 887.41 crore recovered during FY14. Similarly, the up gradation was higher at Rs.1058.43 crore during FY15 compared to Rs. 684.72 crore during FY14.

The asset classification wise breakup of advances portfolio of your Bank is as under.

(Rs. crores)

Asset Category (Gross)	31st March 2015	31st March 2014
Standard	4,21,018.94	3,91,823.53
Gross NPA	16,261.45	11,875.90
Total	4,37,280.38	4,03,699.43
Gross NPA is comprising of:		
Sub-standard	4,368.56	3,809.20
Doubtful	10,382.67	6,863.10
Loss	1,510.22	1,203.60
Total Gross NPA	16,261.45	11,875.90

Information Technology (IT)

Your Bank has undertaken a total end-to-end business and IT strategy project covering your Bank's domestic, overseas and subsidiary operations.

Shri Ranjan Dhawan, MD & CEO and Shri S S Ghag, General Manager receiving the IBA Technology Award 2014-15 at the hands of Dr.Anil Kakodkar & Dr.Raghunath Mashelkar

- Your Bank has built the best of technology infrastructure by implementing a state-of-the-art Data Centre conforming to Uptime Institute Tier-3 standard and also a Disaster Recovery Site in different seismic zone with redundancy built in every single point of failure to ensure uninterrupted banking service delivery to customers.
- In addition to the Disaster Recovery Centre, your Bank has also implemented the Near Disaster Recovery Centre during the year to ensure Near Zero Data Loss as part of its Business Continuity Planning and Disaster Recovery strategy.
- Your Bank continued to optimise its technology initiatives like windows server virtualization, desktop virtualization and backup consolidation as green initiatives and also to improve Data Centre operational efficiency. Application virtualization, Automatic Storage Management (ASM) & Real Application Clusters (RAC) Implementation, Bandwidth up-gradation, provision of backup link, use of new technology based on MPLS (Multi Protocol Label Switching) for improving uptime and on demand upgrade are some of the major initiatives.
- Your Bank has been undertaking regular capacity planning, upgrade and refresh to support growing demand of business at various service delivery channels.
- Your Bank has implemented Enterprise Management System and modules have been deployed to effectively manage and monitor Bank's growing IT infrastructure.
- Your Bank has deployed centralised IT architecture to provide the Core Banking Solution (CBS) and other application platform to all its domestic branches and 23 overseas territories, providing ease of management & monitoring and optimisation of resources. Your Bank's Regional Rural Banks (RRBs) are also on the CBS Platform with delivery channels.

Alternate Delivery Channels

• Internet Banking - BARODA CONNECT

Your Bank continued to add more facilities under its Internet Banking (Baroda Connect) channels. New enhanced features are such as online e-banking registration, view and deposit to PPF accounts, Salary upload facility, Mobile OTP generation through smartphone, Tax payments of various States, IMPS (Immediate Payment services). Other key enhancements like integration with Government of India portal e-biz.gov.in, Citrus and PayTM payment solution provider, and introduction of Maker/Checker for shopping mall transactions of corporate customers are also implemented. Internet Banking facility is made available on all Smart-phones/tablets offering comfort of anywhere banking to its customers. Internet Banking has also been implemented in total 16 overseas territories viz. Tanzania, Uganda, Kenya, Mauritius, Seychelles, Botswana, New Zealand, UAE, Fiji, UK, Oman, Ghana, Australia, Trinidad & Tabago, Guyana and USA. Internet banking is also provided in all RRBs sponsored by your Bank. In order to enhance security and confidence in Internet Banking, your Bank introduced enhanced security features by deploying Fraud Management Solution, including step-up authentication based on risk analysis, two factor authentications by enabling OTP, PULL OTP, SMS OTP, QnA. Your Bank has also introduced use of digital certificates for corporate customers for authentication and non repudiation in high value interbank transactions through internet banking. Your Bank has initiated the process of implementing Fraud Management Solution for T&T territory where transaction-based e-Banking is implemented.

• Mobile Banking – BARODA M-CONNECT & IMPS

Mobile Banking application has been completely revamped in your Bank to appeal to our new generation and technology savvy customers enhancing its look and feel, user-friendliness and user experience. The Mobile Banking platform as an alternate delivery channel offers many features and facilities to customers, viz., icon based user interface, balance enquiry, mini statement, fund transfer, stop payment, cheque status, other services. Mobile banking application is made available in all i-Phones, Blackberry, Android, Windows devices. Immediate Payment Services (IMPS) are implemented covering Person to Account (P2A), Merchant Payments (P2M), Aadhaar based remittance (P2U). **IMPS merchant payments (P2M)** enabled for Mobile top-up / DTH top-up, Insurance premium payment, Online shopping, Over-the counter payments, fees payments to schools/colleges/ universities, Utility Bill payments, Travel & Ticketing, Temple Donations, Non internet based railway ticket booking through mobile phones using IMPS – IRCTC. Under Mobile Banking, your Bank is now enabled NUUP (National Unified USSD Platform), providing ease of use and convenience to customers.

On the Mobile platform other key facilities have been introduced like **Mobile Passbook** (M-Passbook) application

for ease and convenience to customers to access their account statements and **Missed call** facility for customers to get their account balance information on phone by SMS.

- **eLobby**

Your Bank embarked on the next level of customer engagement by enabling 24 X 7 services for customers through eLobbies. Self-service devices like Bunch Note Acceptors, Cash Recyclers, Self-Service Pass Book Printers, Cheque Deposit Kiosk, Multi function Kiosks, were installed in onsite/offsite locations. Cash deposit in Bunch Note Acceptors was enabled through card as well as account number to provide convenience to customers. In the coming years, large scale expansion of this network is targeted. Your Bank is proposing to introduce these self-service devices to top 1000 branches across the country.

- **ATM**

The ATM switch is deployed for India, UAE, Oman, Mauritius, Fiji, Tanzania, Botswana, Trinidad & Tobago (T&T) and New Zealand. Visa Chip Based Card Implementation has been completed in India, Oman and Mauritius. Your bank has successfully upgraded from Debit Card Management System (DCMS) to **Card Management System (CMS)** for all territories except Mauritius and RRBs. Your Bank is also issuing Non Personalised Debit Cards to enable faster and hassle free delivery of cards to the customer over the counter at the time of account opening itself. Your Bank has enabled card to card transfer and E-commerce transaction with Debit Card and PIN from ATMs during the year. Many customer centric services such as NEFT remittances from ATMs, RuPay Debit Cards, RuPay POS and RuPay KCC Cards, RuPay e-commerce, Brown label ATMs, Collection of Insurance premium for India First Life Insurance Policy holders, Cheque book request, Immediate Payment Services (IMPS) through ATMs are available. Talking ATMs deployed for visually impaired persons. Your Bank has also completed certification of RuPay Chip card for international usage, enabling cash withdrawal & balance enquiry for prepaid cards, gift cards & General Purpose Reloadable cards on ATMs, Aadhaar seeding through ATM. For enhanced security as well as implementation of the RBI mandates, chip based cards were introduced. Further, Multi-factor authentication for card not present transactions implementation of Fraud management Solution in ATMs/ POS in India was done. Samagra RuPay Debit card as per the directives of Madhya Pradesh Government and Bhamashah Rupay Debit Cards as per the directives of Rajasthan Government are implemented. ATM Transaction receipt printing in regional languages such as Hindi, Regional Language Screen selection for Gujarati, Marathi, Tamil, Malyalam, Telugu, Kannada and Bengali are enabled on ATM. Visa Debit card for UAE, BSP (Bank South Pacific) Interchange was implemented for Fiji and Chip Based Card was implemented in India, Oman and Mauritius. Your Bank has successfully launched RuPay ATM and RuPay KCC cards for its RRBs also. Online Hot listing of Debit Cards was enabled for Oman, New Zealand, Fiji. The RBI mandate for rationalization of ATM charges for metro and non metro was implemented.

- **SMS Banking**

For customers who desire to avail only information based banking services, your Bank has introduced SMS banking for balance enquiry, mini statement, Cheque status from the registered mobile number. This is a very simple and easy to use product that a customer can start using without any registration process.

- **Contact Centre**

Your Bank has implemented Customer Relationship Management as a new initiative to get 360 degree view of the customer for providing better services through a contact centre over phone in order to improve their satisfaction and loyalty. Existing customers/Prospective customers may call on Toll Free no. (1800223344 & 18001024455) wherein following services can be availed of.

- Issuance of a cheque book
- Enquiry about products and services
- Account Enquiry – Balance, Transaction, Amount in Clearing etc.
- Hot-listing of ATM cards
- Stop payment marking / un-marking
- Request for issuance of debit card
- Request for re-generation of debit card PIN
- Support for e-banking users
- Re-generation of mobile banking password
- On-line (paperless) TPIN generation facility
- Other information regarding products and services of your Bank is also provided to prospective customers/ account holders.
- The CRM applications is linked to sales offices like Retail Loan Factories (RLFs), City Sales Offices (CSOs) wherein the leads generated at contact centre on the basis of enquiry about the products by customers are transferred to these offices for further processing.
- Your Bank is managing recovery processes through contact centre wherein customers are informed about the EMI and due amounts. This shall facilitate customers to deposit EMI/due amount on demand dates.
- Online messaging (webchat) for customers has been integrated with Bank's website and are handled by contact centre agents.
- Outbound calls by Contact Centre to customers for new services have been implemented during the period under review.

Payment Systems

- All branches of your Bank are enabled for interbank remittances through RTGS and NEFT. The RTGS and NEFT have also been interfaced with your Bank's internet banking portal. The Straight through Processing (STP) of NEFT & RTGS have been implemented for

your Bank as well as RRBs. RTGS & NEFT have also been implemented in Uganda territory.

- Internet Payment Gateway services for debit cards/ credit cards are increasingly offered to merchants and internet shopper as a safe and secure channel for online purchases.
- The SWIFT facility for worldwide inter-bank financial communication is provided at Foreign Exchange Authorized Branches in India as also in 22 overseas territories.
- The Payment Messaging Solution (PMS) is implemented in 22 overseas territories & all authorized branches in India. PMS facilitates validation and formatting of SWIFT messages generated from CBS as per SWIFT standards, and also goes through AML check.
- During the year under review, under Cheque Truncation System (CTS) your bank has migrated additional MICR centers to respective CTS grid centers of Western Grid (Mumbai), Northern Grid (Delhi) and Southern Grid (Chennai).
- National Automated Clearing House (NACH) is implemented for both debit and credit transactions.
- Rapid funds to India have been implemented for New Zealand territory.

Other Customer Centric initiatives

- Your Bank has been offering highly customised IT enabled products and services tailored to the specific requirements of valuable clients. Other products and services like RBI Inflation Indexed Bonds, bulk issuance of gift cards, direct dispatch of debit card & PIN mailers to customers, remittances under Money Transfer Service Scheme for exchange house, etc., have been implemented as well.
- Cash Management System with Two Factor Authentication (2FA) is a full-function web enabled cash management solution offered to your Bank's customers, covering services like Receipt Management (Collections), Payment Management and Invoice Management (Receivable and Payable Management).
- The Retail Depository Services are made available to your Bank's Retail as well as Corporate customers. With a centralized depository application, branches are equipped to provide depository services for both NSDL as well as CDSL. With Online Trading System, your Bank will be able to provide complete suite of online services to the customers for trading in instruments like equities, mutual funds, bonds and initial public offering (IPOs).
- Upgradation from DCMS (Debit Card Management System) to PA-DSS compliant solution CMS (Card Management System) for domestic and international territories to provide comprehensive management and support for your Bank's Debit Card operations.
- Online Hot listing of Debit Cards enabled at BOBCARDS and Contact Centers.
- Your bank has completed integration with EBIZ government portal to accept customer's offline payment requests (IFT & NFT) for Parastatal agencies and Ministry of Corporate affairs. E-Gras portal of Chandigarh also integrated in eBanking to accept the tax and non-tax revenue as per requirement of Finance Department, Chandigarh Administration. Electronic Data Interchange (EDI) package for Government of India, Customs House online integration with CBS has been completed,
- Your Bank has implemented Aadhaar based payment like Direct Benefit Transfer (DBT), Electronic Benefit Transfer (EBT). Direct Beneficiary Transfer under Aadhaar Payment Bridge System (APBS) and wages payment for Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA).
- Aadhaar Enabled Payment System (AEPS) for transactions initiated from POS terminals based on Aadhaar number in case of account opened under Financial Inclusion. Ministry of Finance guidelines for linking LPG id of customers though OMC is implemented.
- NPS, NPSLite (a scheme to provide financial security for economically disadvantaged people for protecting their future during old age), MGPSY for NRI have been deployed.
- The IT setup has been developed for account opening process and transactions, both online and offline, to be carried out through Business Correspondent thus enabling Financial Inclusion.
- To enable your Bank to have its pulse on the market, an online customer survey portal has been developed for is made available on Bank's web site to customers/ visitors to log and track the status of their Feedback/ suggestions/complaints.
- Various initiatives like **eKYC** using Biometric and Aadhaar number, Simplified account opening process, separate module for ATM transaction pool a/c transfer / cash loading entries, IT Payment System, Document Management System – for PPOs and Online indent for security forms have been undertaken during the year under review.
- Your Bank has also enabled SMS Alerts delivery facility to its customers for all transactions made through alternate delivery channels and for all CBS transactions above threshold limits. SMS alerts has been implemented for hot-listing of debit card, inward clearing cheques, for birthday wishes to customers, transaction declined at NPCI ATM/POS due to insufficient funds and submission of 15G/15H forms during the year. SMS alerts are also sent for non-financial events like Account opening, Account Activation, Change in interest rate on loan accounts, Installment due/overdue notice for loan

accounts, Cheque Book Dispatch (containing delivery details), Cheque getting rejected, FD Maturity notice, Notice to customers for KYC Compliance, Notice at the time of Aadhaar Linking/de-linking, Notice to Potentially dormant account, Notice at the time of account becoming dormant. SMS Alerts for UAE Territory using local SMS aggregator has been implemented. For Kenya, Uganda and Botswana, the same is under progress.

- Your Bank has implemented e-mail alerts to Corporate Customers for high value transactions and presentment of cheque in clearing transactions.

Support Services

- The Integrated Global Treasury Solution has been implemented in UK, UAE, Bahamas, Bahrain, Hongkong, Singapore, Belgium and in India, reducing the cost of operations and better fund management.
- For improving your Bank's service delivery, the Back Office functions have been centralized at City Back Offices and Regional Back Offices. Your Bank now has 80 City Back Offices and 13 Regional Back Offices. The personalized cheque book issuance has been centralized. Your Bank has also started centralized FCNR operations.
- Your Bank has fully automated its Loan Processing (Retail, Agri. and SME) modules for better and quick customer service. Your Bank also provides a single click Online Loan Application feature for Home Loan, Auto Loan and Education Loan. LAPS – CIBIL interface for online report and scanning has been implemented. Loan tracking System and reporting has also been implemented.
- New Learning Management System in Community Cloud for Staff has been launched as e-learning initiative.
- Your Bank has implemented eBoard application for conducting paperless meetings Board/Steering committee meetings.
- Enterprise wide GL Solution has been implemented. This provides variety of inputs to your Bank for strategic decision making in business development and also generates enterprise wide consolidated reports.
- The Centralized Payroll, Salary module, e-TDS module and Leave Module have been implemented for all your Bank's offices in India.
- The Human Resource Networking for Employees Service has been implemented with the objective of creating a central database of the Bank employees for facilitating decision-making, promotion and selection exercise as also for automating other HR processes.
- Your Bank has also undertaken, as a part of its business strategy, Data Warehouse for providing flexible and interactive source of strategic information, Customer Relationship Management for better customer insight and uniform customer view across channels. It has also facilitated Automated Data Flow to regulator. Your bank has implemented for the year under review Central Repository Information on Large Credit (CRILC) of RBI, Data Analytics and mining – customer segmentation.
- For regulatory compliance, the Anti Money Laundering (AML) has been implemented in India and 22 overseas territories. Your Bank has implemented Risk Management solution. Your Bank has also implemented AML solution in all its sponsored RRBs.
- Various new Regulatory requirements like Aadhaar seeding through different channels like SMS, ebanking, Demo for verification of Aadhar details from UIDAI, Bulk seeding of Aadhar, Asset Liability Management (ALM) module of OFSAA etc., were undertaken during the year.

Information Security

A robust Information Security Management System has been implemented to protect the existing technology setup against security threat. A Comprehensive Audit by External Agencies is being successfully carried out by your Bank for its Core Banking Solution and all other applications as well as for Data Centre/Disaster Recovery centre Infrastructure. Biometric Authentication is introduced for CBS Login at Branches.

Your Bank has a Security Operation Centre (SOC) for enhanced IT security. Your Bank's Data Centre as well as Disaster Recovery Centre are ISO 27001 certified.

Your Banks has Implemented Fraud Management Solution for Internet Banking, ATM & POS. In order to enhance security and confidence in Internet Banking, your Bank introduced Fraud Management Solution, including two factor authentications in India and thirteen Overseas territories by enabling ARCOT OTP, PULL OTP and SMS OTP.

Your Bank is regularly conducting VAPT (Vulnerability Assessment & Penetration Testing) of external facing applications viz. EBanking, mail messaging, CMS, IPG etc.

Your Bank has enabled a Fraud Risk Management system for day-to-day monitoring of suspicious transactions at branches for protecting the interests of customers. While cyber-attacks have become more unpredictable and electronic payment systems vulnerable to new types of misuse, it is imperative that banks introduce certain minimum checks and balances to minimise the impact of such attacks and to arrest/minimise the damage.

To minimise the damage, your Bank has implemented following additional security measures:

- Your Bank has implemented the RBI mandates as part of Risk and Mitigation measures for card present transactions.
- All new debit and credit cards will be issued for domestic usage unless international usage is specifically sought by the customer.
- Your Bank will convert existing MagStrip Cards to EMV Chip card wherever mandated.

- Your Bank has enabled PIN at POS.
- Your Bank has enabled Digital signatures in Corporate Internet Banking for login and transactions providing additional security to corporate customers.

E-business

During the year, Transaction Banking Department has extended the reach of Alternate Delivery Channels/ Customer touch-points, increased their availability and enhanced overall value proposition for Customers. The infrastructure was strengthened with addition of new Baroda NonStop Lobbies (e-lobbies), ATMs, Cash Recyclers, Passbook Printers and Multi Function Kiosks. The services of Internet Banking, Mobile Banking, NEFT, Debit Cards, Prepaid Cards etc. were further improved for better service delivery, reducing operational cost and increase customer convenience.

Given below are the highlights of performance during the FY15

Shri Ranjan Dhawan, MD & CEO inaugurating the E Lobby, Kodambakkam, Chennai Metro Region

Baroda NonStop Lobbies (e-lobbies)

Particulars	31/03/2014	31/03/2015	Addition during the year
No. of Baroda NonStop Lobbies	45	151	106

- Baroda NonStop Lobbies comprises of Five Self Service machines viz. Cash Recycler, ATM, Multi Function Kiosk, Passbook Printer and Digital Signage System for providing 24x7 routine banking services.
- The lobbies are creating good visibility and encouraging response from Customers as well as staff members.

ATM deployment & Debit card issuance

Particulars	31/03/2014	31/03/2015	Addition during the year
No. of ATMs Operationalised	6,254	8,030	1,776
No. of Debit Cards Issued (in Lakhs)	121.90	225.64	103.74

- In the year under review, your Bank launched three variants of Debit Cards i.e. RuPay PMJDY Debit Card, Samagra RuPay Debit Card for M.P. Government, Bhamashah RuPay Debit Card for Rajasthan Government.
- New service of Electricity Bill Payment was started in all ATMs of Gujarat (Gujarat Urja Bill Payment Service).

Cash Recyclers/BNA

Particulars	31/03/2014	31/03/2015	Addition during the year
No. of Cash Recyclers/BNA deployed	100 (BNA)	390	290

- Your Bank launched the First Cash Recycler in the country on 20th July, 2014.
- Cash Recycler is enabled to accept cash as well as dispense cash apart from balance enquiry, mini statement and PIN change facilities.
- Cash Recyclers are very popular with retail as well as business customers given the ease of operation and 24x7 availability.

Self Service Passbook Printers

Particulars	31/03/2014	31/03/2015	Addition during the year
No. of SSPBP installed	1,200	2,300	1,100
No. of Magnetic Strip Passbooks issued (in Lakh)	8.23	65.67	57.44

- A unique solution, which is hugely popular with all segments of customers due to its simplicity and effectiveness to meet customer requirement, is that of online passbook updation.
- Self Service Passbook Printers are provided to all Metro and Urban branches apart from select high footfall semi-urban and rural branches.

Internet Banking (Baroda Connect)

Particulars	31/03/2014	31/03/2015	Increase in %
No. of Users (in Lakhs)	13.68	17.08	24.85
No. of A/cs Linked (in Lakhs)	61.79	81.23	31.46

- A host of new services were introduced in Baroda Connect including Fund Transfer using IMPS, Online application for Recurring Deposit, Fund Transfer to PPF account, View balance & statement of PPF account, Self generation of OTP on Customer's registered mobile handset etc.

- **Mobile Banking**

Particulars	31/03/2014	31/03/2015	Increase in %
Number of Registrations (in Lakhs)	12.95	27.12	109.42
Total Turnover (in Lakhs)	46,525	2,91,527	526.60
Average Transactions per day	16,822	49,500	194.25

- A new icon based application was introduced with better user experience, improved fund transfer and mobile top-up facilities. Provision is now available to start bill payment services also.
- Introduced National Unified USSD Platform (NUUP) service for masses.

- **Multi Functional Kiosk**

Particulars	31/03/2014	31/03/2015	Addition during the year
No. of MFK Operationalised	--	122	122

- Multi Functional Kiosk offers facility of Cheque Deposit with CTS integration, Fund Transfer, Bill Payment, Internet Banking and Informational Services in an attractive user option.

- **Internet Payment Gateway**

Particulars	31/03/2014	31/03/2015	Increase in %
Total Turnover (in Rs crore)	118.33	299.55	153.15
Profit (in Rs Lakhs)	130.02	183.43	41.08

- Your Bank has tie-up with Two Payment Aggregators viz. Citrus Payment Solutions Pvt. Ltd. and PayTM to offer Net Banking of major banks as additional payment option to customers of the enrolled merchants.

- **Contact Centre**

Particulars	31/03/2014	31/03/2015	Improvement in %
Call attended by agents (in lakhs)	55.98	69.32	26.08

- The average number of calls attended by agents increased to 26,000 plus per day of your Bank's Contact centre.
- New facilities enabled through Contact Centre like Web Chat to provide net based customer enquiry facility, outbound calling, fraud risk monitoring for ATM / POS transactions etc.

- **NEFT/RTGS**

Particulars	NEFT		RTGS	
	31/03/2014	31/03/2015	31/03/2014	31/03/2015
Total Inward Transactions (in Lakhs)	281.39	404.34	27.05	31.55
Total Outward Transactions (in Lakhs)	97.76	143.68	32.67	37.01

- **Baroda Cash Management**

Particulars	31/03/2014	31/03/2015	Increase in %
No of transactions (in Lakhs)	47.06	64.14	36.29
Turnover (in Rs crore)	27,388	31,262	14.14
Income (in Rs crore)	1.31	1.58	20.61

- **Gift Cards**
  - The Gift Cards issued during the financial year were at 53,124 by your Bank.
  - The value of cards issued was at Rs. 20.16 crore
  - The profit of Rs. 141.27 Lacs was earned during the year.

- **Baroda TravelEasy Card**
  - The Baroda TravelEasy Cards issued during the year were at 1,072
  - The value of these cards issued was at Rs. 24.61 crore
  - The profit earned was at Rs. 46.75 Lacs

- **Depository Operations**
  - Under Depository Operations, your Bank opened 946 accounts during the year

Other Initiatives during FY15

- Your Bank started "Missed Call" facility for customers to know their account balance. The current average calls are around 1,21,000 per day.
- National Automated Clearing House (NACH), a new platform for processing of electronic transactions e.g. ECS, APBS, DBTL transaction, is implemented in the Bank.
- To educate and update customers regarding e-products/ services and related safeguards, your Bank has sent approx. 1.50 crore educational and awareness SMSs to Customers.
- To promote Bank's products and services in an attractive manner, 400 large size LED screens are being installed in e-lobbies and high footfall branches across the country. The content for these displays would be relayed and monitored centrally from the transaction banking department.

- Your Bank has carried out multichannel promotion of alternate delivery channels on TV, Radio, print media, Movies Theatres and hoardings at prominent locations. Additionally, audio visual presentation is prepared for the use of all the delivery channels and the same are shared with zones/regions for further propagation to the customers.

Proposed Initiatives for FY 2015-16

- To setup additional 100 Baroda NonStop Lobbies.
- To increase number of ATMs and Cash Recyclers to 10,000 and 2,500 respectively by 31.03.2016.
- To expand the network of Multi Function Kiosks to reach 1,000.
- To increase number of Self Service Passbook Printers to 3,000.
- To introduce two new variants of Debit Cards.
- Start value added services like Card to Card Fund Transfer, Railway ticket booking through Debit Card and ATM Pin, Debit Card blocking through SMS etc..
- Migration of ECS suite to NACH platform.

Human resources - "Creating Competence and Passion for Business Excellence"

The triumph and all round growth of your Bank is an outcome of the synergy of various assets that the Bank possesses. One of the most vital of them being its Human asset – **its people**, which has enabled the Bank to traverse through an all-encompassing growth trajectory.

Mrs. Vindhya Ramesh, GM (HRM) receiving the Best HR and Talent Practices conferred on Bank by Banking Frontiers Inspiring Work Places Awards, 2014 in Mumbai

Your Bank has a rich reservoir of Human capital comprising of the skill sets and competencies of over 49,000 employees who are at all times committed towards augmenting **"Stakeholders' Value through Concern, Care and Competence."**

In this journey of excellence undertaken to fulfill greater aspirations and bigger dreams to touch the lives of all the stakeholders, it is actually the **people power** of your Bank which makes the difference.

Realizing the criticality of this asset for the sustained growth of your Bank on one hand and the multiple challenges like the large number of retirements, massive intake of talent, huge training requirements, succession planning and engagement for higher productivity on the other hand, a lot has been done by your Bank in the area of Human Resources in the recent past and more so in the financial year FY15.

Besides excelling in the routine HR activities like recruitments, promotions, deployments, etc, a host of new HR interventions/ reforms have been introduced in your Bank. Following are some of the key interventions :-

1. **Opening of HR Shared services CPC** – To bring in desired focus and effectiveness in delivery of various HR programmes, a revised HR structure has been formulated under which, an HR shared services CPC has been created through which various routine HR claims hitherto being handled by Branches, Regional / Zonal offices have been centralised which has brought about tremendous efficiencies in HR administration and claim processes. Specifically, this has enabled:
   - Freeing up of HR time for development and engagement activities.
   - Uniform interpretation and application of the applicable rules related to reimbursements, etc. across the Bank and thereby removing the disparities.
   - Faster 'Turn Around Time' for settlement of claims - maintained at 48 hours from the date of receipt of the claim.

Online benefit / claims module activated in Payroll - Various benefits / perquisites to employees which were earlier claimed and processed manually have been made online through your Bank's Payroll system and centralised at HR Shared services CPC.

2. Various IT tools implemented to improve HR administrative efficiency:

Manpower Planning tool put in place which determines manpower required for different Branches / units on a scientific basis. The output from the manpower planning tool facilitates various manpower planning related decisions – recruitment, new hire allocation, transfers and promotions.

3. Online Performance management module implemented:

The processes for the Performance management system for officers was made online with effect from the year 2014-15, in order to make the system more robust, objective and quicker.

4. Structured On-Boarding of New Hires:

In view of the large number of new recruits joining your Bank, a structured on-boarding programme was conducted to ensure both functional as well as cultural on-boarding, provides new hires, both officers and

clerical cadre, a pleasant joining experience and also to make them work-ready quickly. For officers, this on-boarding programme is for duration of 6 months, for specialist officers for around 7-8 weeks depending on the specialisation area and for clerks, the same is for a period of 2 weeks.

5. Introduction of a comprehensive Performance linked Incentive Scheme for employees:

A Comprehensive Performance linked incentive Scheme for the Bank was formulated and implemented encompassing all employees and all units under its ambit. This policy envisages payment of incentives to around 25% of employees by covering the top performing 25% Branches / units in your Bank.

The Performance linked incentive scheme was implemented with retrospective effect from 2012-13 onwards. Processing and payment of incentives to all eligible staff for 2012-13 was completed by 30th June, 2014. A total of around 11,614 employees received incentives covering 954 Branches, 14 Regional offices, 4 Zones and 32 operating units and a total amount of Rs. 26.12 crore was disbursed as incentives for the year 2012-13.

6. Employee engagement:

Various initiatives were formulated to keep employees motivated and engaged. The engagement initiatives were formulated with the objective of creating engagement of employees with the job, with their colleagues and with the organization. Different initiatives were implemented for improving employee – HR connect, focused employee communication and building loyalty, pride and commitment like introduction of structured system of HR visits to Branches, conduct of Business Town Halls, Exit interviews, etc.

Some of the key accomplishments worth mentioning in the HR sphere particularly in FY15 are as under:

Strategic workforce planning and Recruitment drive:

An optimal manpower mix is a prerequisite for the sustenance and growth of the business. Hence a scientific manpower planning model has been put in place for estimating manpower needs by level, skills and by Branch and also for strategic workforce planning for the next few years to feed into various other HR interventions of recruitment planning, career progression, vacancies and postings / deployment.

Your Bank has put in place a clearly defined Recruitment policy which steers the recruitment from different channels, hiring of larger numbers in view of the emerging requirements as projected by the strategic workforce planning.

A especially designed **'Career portal'** has been launched on the Bank's website which defines this Value proposition further with clearly laid out sections related to why your Bank should be the preferred choice for any prospective applicant by projecting the different facets of working at Bank of Baroda. These strategies provide a huge impetus to the "Employer Branding" of your Bank significantly.

For a Smooth and effective integration of the new hires into the Baroda Family, your Bank has also put in place a very well structured and a focused **"On-boarding Programme"** which not only aims at functional integration of the new recruits in the Bank but also their cultural assimilation into this institution. Going further, your Bank has also launched a focused **Mentoring programme "Baroda Sarthy"** for the new hires wherein the senior employee - a mentor handholds the new entrant to enable his smooth transition into the corporate world and help him/her adapt to the Value system and working of your Bank.

Baroda Manipal School of Banking

The Baroda Manipal School of Banking is a unique association of Bank of Baroda and Manipal Global Education to train students for a banking career in Bank of Baroda on a "first-day, first-hour" productive model, and thereby have a ready pool of trained Officers. The students undergo a focused one-year programme customized to the Bank's requirements and this leads to the award of a post-graduate diploma in Banking and Finance, before they are absorbed in your Bank as probationary officers. The programme works on an inverted model of "Train Hire and Deploy".

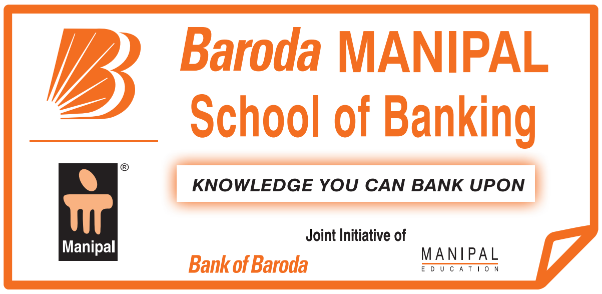

This innovative resourcing channel was initiated during the year FY12 and so far 3,417 students have undergone/undergoing this course and 2,156 students have joined your Bank as probationary Officers.

Recruitment drive during FY15:

Your Bank has been undertaking focused hiring efforts on a sustained basis year on year, to cater to retirements, resignations, sustained business growth and rapid branch expansion etc. Various recruitment exercises were undertaken during the year to address the emerging manpower requirements in your Bank. Recruitment of Specialist officers, Probationary officers and clerical

personnel were initiated to meet the needs of your Bank, both in terms of replacements for normal attrition and factoring in the business growth needs. Your Bank recruited 3,407 officers in various Grades / Scales (both Generalists & Specialists), 2,594 Clerks and 620 Subordinate staff, thereby inducting a total of 6,621 new employees in the Bank during FY15. The recruitment process is continued in the year 2015-16 also with various recruitment projects undertaken for filling up almost 5,550 posts of officers and 4,000 posts of clerks.

Formulation of Talent Management system

With a view to identify and groom young potential leaders in the Bank so that they can go on to man the critical leadership positions and there by fill up the foreseen leadership gaps in future, your Bank has taken a big stride of designing and implementing a well orchestrated Talent Management System. This system proactively identifies future potential leaders based on various criteria and also grooms them through a systematic developmental plan for each of the identified future leader.

This is an annual exercise and in FY15, your Bank was able to clearly identify around 20% people in specific scales of Officers viz. in Scales II, III, IV, V and VI as the future leaders.

Framework for Career Progression

Concerted efforts have been taken by your Bank for fostering the career progression of employees primarily to reward them for their efforts and performance and also to motivate them further to climb up the corporate ladder and thereby fulfill both organizational as well as personal aspirations.

Your Bank not only provides opportunities for upward movement in the hierarchy but also ensures horizontal movement of Officers across different functions to provide them wider exposure and carve out a definite career path for them.

Akin to recent years, in FY15 also, promotion exercise in all the cadres were conducted and a total of 2,259 employees as shown in the table below were promoted to higher grade / scale.

Sub-Staff to Clerk	320
Clerk to Officer	575
JM-I to MM-II (Officer to Manager)	448
MM-II to MM-III (Manager to Sr Manager)	342
MM-III to SM-IV (Sr. Manager to Chief Manager)	410
SM-IV to SM-V (Chief Manager to Asstt. Gen. Manager)	100
SM-V to TEG-VI (Asstt. Gen. Manager to Dy. Gen. Manager)	43
TEG-VI to TEG-VII (Dy. Gen. Manager to General Manager)	21

Implementation of HR Technology

Your Bank has put in place a very comprehensive HR technology platform covering HRM, Training, and Payroll & Leave modules christened as the "Human Resources Network) for Employee Services (HRNes)". This technology platform has enabled automation of various HR functionalities and processes. The HR Automation is a key enabler in the implementation and sustenance of various HR initiatives and certain processes have completely been automated thus enhancing the efficiency of the HR operations thereby reducing the turnaround time.

In addition to the above HR interventions, the setup of the HR function in your Bank has also further been strengthened and made more efficient by centralization of the routine admin activities into a HR Back-office.

Special Thrust on Development of SC/ST/ Other Backward Communities

Your Bank is committed to the constitutional safeguards and social objectives for development and welfare of persons belonging to SCs, STs and Other Backward Classes in the society. Your Bank is one of those banks in the entire banking industry that have the highest number of employees belonging to SCs and STs, which itself shows the commitment of the Bank towards their development and upliftment. Some of the highlights of your Bank's efforts for development and welfare of people belonging to SCs and STs are enumerated as under.

Reservation in Employment

Your Bank observes all guidelines stipulated by the Government of India for reservation of posts in employment in All India recruitment and local recruitment. 15% posts are reserved for SCs and 7.5% posts are reserved for STs in all India recruitments as also for selection to Baroda Manipal School of Banking, it being another channel of resourcing started by your Bank. For other recruitments made on regional basis, appropriate percentage prescribed for various States is being observed. Special efforts are made like offering pre-recruitment orientation training to SC/ST applicants for recruitment in your Bank. Relaxation in age limit and qualifications are given and interviews of SC/ST candidates are taken on relaxed standards in order to ensure that appointment of candidates to the reserved posts happens. In the Interview Panel for recruitment, a member belonging to SC/ST is invariably associated. Candidates belonging to SC/ST, who are called for interview, are reimbursed traveling expenses. In addition to providing reservation in employment, your Bank is also providing reservation and other enabling mechanisms in career growth and promotions for SC and ST employees as per the guidelines in vogue.

The staff strength and representation of SCs and STs as of 31st March 2015 is as under

Cadre	Total	SC	SC %	ST	ST%
OFFI-CER	22,256	3,864	17.36%	1,698	7.63%
CLERK	18,976	2,842	14.98%	1,474	7.77%
SUB STAFF	8,146	2,664	32.70%	805	9.88%
TOTAL	49,378	9,370	18.98%	3,977	8.05%

Reservation Cell

An exclusive Reservation Cell in your Bank has been set up to monitor the reservation and other enabling

provisions for SC/ST employees. An executive in the rank of General Manager is appointed as Chief Liaison Officer for SC/ST/PWD & EX-Serviceman employees who ensures compliance of various guidelines pertaining to the SC/ST/PWD & EX-Serviceman employees. A Liaison Officer for SC/ST has been appointed in each Zone of the Bank who takes care of all matters and grievance redressal of SC/ST employees of that Zone.

Meeting with SC/ST Welfare Association

With a view to have direct dialogue and review of reservation and other special provisions for SC and ST, your Bank holds quarterly meetings with the representatives of SC/ST Welfare Association of the Bank at Corporate level. Your Bank's Managing Director & CEO and Senior Executives including the Chief Liaison Officer for SC/ST/PWD & Ex-Serviceman participate in the meeting.

Bharat Ratna Dr. Babasaheb Ambedkar Memorial Trust

Your Bank has established the "Bharat Ratna Dr. Babasaheb Ambedkar Memorial Trust" in 1991 for promoting welfare activities for the benefit of SC/ST employees and their family members. Apart from scholarships to children of employees belonging to SC/ST, the Trust also provides scholarship to needy students belonging to SC/ST community, in general, in major centres of the country.

National Commission for Safai Karmacharis

National Commission for Safai Karmacharis visited Mumbai on 19.03.2015.The suggestions and guidance of the Commission are being scrupulously observed by your Bank.

Owing to the above work done in the HR sphere, your Bank is yielding positive recognition in the employers market which can be testified by the fact that Bank of Baroda has become the most preferred PSU Bank for new recruits as per the IBPS Rankings.

A Dedicated Cell for Training and Development

Research, Learning and Development

The learning system in your Bank has successfully built its brand in banking industry during last couple of years by commencing series of innovations and path breaking initiatives and has acquired a brand name of 'Baroda Academy'.

Training has now emerged as a critical function in the organizational endeavour to compete and keep the workforce fit enough to take on the competition. Baroda Academy is focusing on comprehensive grooming of staff in key banking areas like credit, forex, core banking etc. apart from on boarding new recruits.

With a view to encourage a culture of innovation across the organization, your Bank has taken the next leap in areas of e-Learning in reaching out to every single employee.

Shri S Gnanavel, GM (CLO & BPR), receiving National Award in Innovation & Training by ISTD, Bhubaneswar

Innovative Technological Initiatives done by your Learning System:

Baroda Net Academy: On 21.07.2014 your Bank's Chairman and Managing Director rolled out state of the art Learning Management System for e-learning courses which are available on the internet. The salient features of this include:

- Hosted on IDRBT's Indian Banking Community Cloud (IBCC). First Bank to use this facility for E-learning
- 24x7 access to all the employees of the Bank at the time and place convenient to each. Can be accessed from any device like PC, Laptop and mobile devices
- Courses available on various functional and behavioral areas to enhance employee knowledge and professional skills.
- Capability to reach to all the employees of your Bank at minimal cost
- Employees have so far undergone more than 1,000 hours of training.

Mobile Snippets: Your Bank is the first Bank to launch 'Mobile Snippets'. A Mobile App for the benefit of employees. This enables the employees to access daily banking news, gist of important BOB / RBI circulars, in-house publications, announcements for upcoming events and video messages. Users are offered quiz on different subjects on the go. Real time alerts are provided when important content is uploaded. This app also allows the users to share photos and videos of important events taking place across the Bank.

Facebook Page: 'Baroda Apex Academy' has a Facebook page for informal learning.

Awards and Recognition:

The year was excellent for your Bank as the learning practices received awards and recognition. Following awards were conferred to your Bank in the field of Learning and Development:

- Winners of Golden Peacock national training award for 2014.
- ISTD (Indian Society for Training & Development) award for Innovative Training Practices,2014

- IBA award in the category of Training & Human resources, e-learning initiatives amongst public sector Banks.

Mind Gym Series:

To broad base learning, your Bank has reached beyond the usual formal training programs by way of organizing events such as motivational speeches, video shows and group activities etc under the name **Mind Gym Series**. Lectures under this series held at Baroda Corporate Centre have received praise and admiration from staff members.

"Customer Connect" - Customer Education:

As part of customer education, a campaign was launched by the learning system during March 2015. More than 20,000 customers were covered and the initiative would continue throughout the next year. The focus of **"Customer Connect"** was in four areas:

- Alternate Delivery Channels for Urban & Metro areas
- Products of MSME for small & medium Entrepreneurs
- Agriculture Products, Subsidy schemes and awareness on JLG groups in rural areas.
- Business Correspondents and Village level Entrepreneurs on customer education and overview and USPs of the Retail and Agriculture Products for cross selling.

Programmes exclusively conducted for PWD (Person with disability):

a) With a view to empower visually impaired employees, a first of its kind training program was organized at Baroda Apex Academy, Ahmedabad. This 6 day residential program was a blend of technical as well as soft skill training. A point worth noting is that the participants as well as faculty members conducting the program were fully visually impaired.

b) Three days residential program was also conducted for employees with hearing impairment with a view to enable them to perform to the best of their abilities.

External Training:

During FY15, a total of 11,900 staff members were nominated to various external training programmes. Your Bank considers External Training an integral part of capacity building wherein employees at all levels are exposed to such programmes to learn and adopt the best practices existing in the industry.

Some of the noteworthy and dedicated programmes organized during the year were:

1. **Special Program for sub staff "संग सीखें संग बढ़ें":** The Bank devised a training intervention "संग सीखें संग बढ़ें" for sub staff for all the regions of your Bank in local language. Sub staffs in the age group 18-35 years aggregating to 1,070 were trained across the country. The goal of this program was to enhance the self esteem of the participants apart from providing job related knowledge.
2. **Project Utkarsh:** Your Bank designed a program under project Utkarsh (refresher course) in consultation with local zones for imparting functional, behavioural and technology training to all the existing clerical employees of the Bank. It covered 11,575 out of 14,000 clerks across India, amounting to 83% of the target group.
3. **Customized Technology Orientation Program for Newly Recruited IT Officers:** Customized technology orientation programs for newly recruited IT officers of your Bank were conducted at IDRBT, Hyderabad.
4. **Mentoring Programs:** Mentoring workshops for 390 newly identified mentors (senior officers) to cover 2,001 newly recruited officers were conducted during the year under review.
5. **Talent Pool trainings:** Your Bank continued Talent Management System to develop team focus communication skills, customer centricity , leadership skills, people skills and strategic intent amongst the selected Scale II , III , IV officers.
6. **Leadership Development Programs:** To equip newly promoted General Managers and Deputy General Managers with strategic management skills, a Leadership Development Program was conducted at **Tata Management Training Centre (TMTC), Pune** focusing on Strategic Orientation and Transformational leadership.

   To develop and nurture the future leaders, a Leadership Development Programme for newly promoted AGMs was conducted at **Centre for Organization Development (COD), Hyderabad.** The objective of the program was to enable future leaders to broaden their horizon and develop leadership skills to become more effective in the emerging business environment.
7. **Overseas Trainings:** To provide the executives with international perspective on banking and expand their strategic thinking, to enhance conceptual understanding of complex issues and equip them to be effective leaders, a good number of service executives were sent to reputed overseas institutes such as **Kellogg School of Management,** James L Allen Center, Illinois, USA, **Center for unified biometrics (CUBS)** and the **Center of Excellence in Information Systems Assurance Research and Education (CEISARE),** The State of University of New York at Buffalo, USA, **Asian Institute of Management - Executive Education and Lifelong Learning Center (AIM-EXCELL),** Manila and **Center on Integrated Rural Development for Asia and the Pacific (CIRDAP),** Dhaka.

Business Process Re-engineering (Project Navnirmaan)

This project touched all aspects of your Bank's processes, structures and systems with an objective to simplify processes, improve branch productivity and provide best-in-class service to the customers.

The change programme has been successful and this initiative has been one of the major factors to help the Bank bag a number of awards and accolades establishing itself as a truly India's International Bank.

The highlights activities under the project Navnirmaan during FY15 are enumerated as under:

- **Baroda-Next Branch:** Around 1,468 Metro/Urban branches have been rolled out as Baroda Next branches in your Bank until end of FY15.
- **Branch Front-end Automation:** The Queue Management System (QMS), Cheque Deposit Machines and Personalized Pass Book Printers are installed in 98, 93 and 2,300 branches, respectively.
- **City Back Office (CBO):** Clearing operations were centralized for all branches (linked to CBO). Currently, there are 85 CBOs operational throughout the country.
- **Regional Back Office (RBO):** One RBO at Hyderabad was added during the year under review taking the figure to 13. Altogether 5,051 branches are linked for CASA opening and 5,051 branches linked for PCB (Personalized Cheque Book) issuance.
- **Contact Centre:** Your Bank has two Contact Centres at Lucknow and Vadodara. In addition to the existing basket of service, Mobile Banking assistance service has been added during the year under review. The service timing has been increased to 6am to 10pm (from earlier 8am to 8pm) for better customer convenience.
- **E- Lobby:** Your bank has started 150 independent E-Lobbies in different Zones. It offers the following six services: -1. Cash Dispenser (ATM) 2. Bunch Note Acceptor (BNA), 3. Self Service Automatic Passbook Printing Kiosk 4. Cheque Deposit Machine (CDM) 5. Internet Banking Kiosk and 6. Phone Banking facility.

Marketing

During FY15, your Bank focused on promotion of Brand and various products and services through a variety of marketing initiatives with dual focus for a robust business growth and deepening of relationships.

Bank awarded the status of SuperBrands East Africa 2014 in Uganda

Marketing initiatives involved effective utilization of different media vehicles such as print, electronic (TV / Radio), digital and out of home (OOH) to support the below-the-line (BTL) activities undertaken at the Zonal / Regional level.

The highlights of various Marketing / Communication activities undertaken during FY15 are detailed below.

In order to capitalize on the Brand initiatives taken in the past few years viz. Bank's Re-Branding in 2005, Sub-brand - Baroda Next in 2009, mascot simply called Stickman in 2010, signature tune in 2011, your Bank undertook the step of giving an identity to our "Mascot" and named the mascot as *"BOBMitra" with the tagline "Dost You Can Bank On".*

Your Bank has realized the immense importance of an efficient service delivery mechanism and initiated a 360 degree campaign on Alternate Delivery Channels (ADCs) to harness the potential of these channels with BOBMitra as the protagonist.

In this context, a judicious mix of customer awareness through educating / engaging experience was undertaken on mass media and the campaign was launched through electronic medium viz. Television and Radio to create the initial buzz in the market in tandem with advertisement in Cinema halls for deeper engagement. This effort was enhanced further with extensive above-the-line (ATL) activities viz. traditional and innovative Out of Home medium, Print and Online advertisements along with on-ground activities - customer awareness programs through customer meets and workshops at Zones / Regions / Cluster of Branches, one to one interaction at the Branch level with the involvement of Marketing Officers, ZBDMs / RBDMs, e-Channel Managers and Branch Managers to gainfully engage with customers and enhance relationships.

In addition to the above initiative, your Bank undertook various product promotion campaigns to promote its products and services amongst target audience through advertising across different geographies. Besides focusing on providing information on various products and services, particularly Saving Deposits, Current Deposits, Home Loan, Car Loan and SME Loans, your Bank's new product lines like Home Loan Variants, Alternate Delivery Channels (ADCs) were aggressively promoted. Further special customer segments were also targeted such as special offerings for MSMEs, Rural & Agri segment, NRIs etc. through judicious use of various media vehicles on pan India basis.

Participation of Bank's team at the Standard Chartered Mumbai Marathon 2015

In order to augment the Brand connect with its diverse stakeholders, your Bank also participated in various events such as FICCI-IBA Banking Conference 2014, Pravasi Bhartiya Diwas 2015, MINT Annual Banking Conclave 2015, World Ranking Snooker Tournament – Indian Leg, IL&FS BKC Run 2015 and Standard Chartered Mumbai Marathon 2015, India - West Indies & India- Sri Lanka Cricket Series 2014, Dun & Bradstreet Indian Exporters Excellence Awards 2015, SMAASH Entertainment Zone among many others events thereby increasing visibility and Brand recall value.

Shri Ranjan Dhawan, MD & CEO, Executive Directors and other dignitaries at the Vibrant Gujarat Summit 2015

During FY15, your Bank received wide Media Coverage of its activities across the country and Brand Baroda was specifically recognized as a leading Brand across Categories when it was ranked ***21st among Best Indian Brands 2014*** in Brand equity by The Economic Times. The Brand was also awarded for ***Excellence in Banking (PSU sector) by My FM stars of the Industry award*** as well as won the Champion of ***Champions Award at the 54th Association of Business Communicators of India (ABCI) Awards 2015*** while winning in six categories as diverse as *Corporate Film – Gold / Exhibition Collateral – Gold /Wall Calendar 2014 – Silver /Environmental Communication – Silver /E-Zine – Bronze / Indian Language Publication – Bronze*

Awards and Industry Recognition for Bank of Baroda

Your Bank has made winning a passionate endeavor for itself. During FY15, your Bank has maintained its tradition of winning several awards and accolades on diverse parameters for its consistent and sustainable performance

Shri Ranjan Dhawan, MD & CEO receiving The Most Efficient Public Sector Bank 2014 at the hands of Gen. (Dr.) V K Singh (Retd.), Minister of State, Govt. of India

on both business and financial parameters including Industry Leadership / Global Business Development/ Branding and Marketing /Human Resources & Training / IT/ MSME / Financial Inclusion / Official Language thereby reinforcing its motto for the year -"RACE Ahead"

Given below is the complete list of awards won by Bank during the year FY 2014-15.

FY - 2014-15

Date	• Awards
02.04.2014	• Bank of Baroda was awarded as 'Best PSU Bank' at 5th Dalal Street Investment Journal PSU Awards 2013.
23.05.2014	• Bank of Baroda was conferred as the winner of Golden Peacock National Training Award for the year 2014 by the Awards Jury at a function at Thiruvananthapuram under the aegis of Institute of Directors, New Delhi.
20.06.2014	• Bank of Baroda was awarded Skoch Order of Merit in India's Best 2014 Financial Inclusion & Deepening Awards 2014 by Skoch Consultancy Services Pvt. Ltd.
11.07.2014	• Bank of Baroda was awarded "Best PSU for MSME" by India SME Forum.
06.08.2014	• Bank of Baroda Ranked 21st amongst Best Indian Brands 2014 in Brand Equity – The Economic Times
27.08.2014	• Bank of Baroda was conferred "Best Bank – Global Business Development (Public Sector)" & "Best Bank – Overall (Public Sector)" Award in Dun & Bradstreet – Polaris Financial Technology Banking Awards 2014.
14.09.2014	• Bank of Baroda won First Prize under Indira Gandhi Rajbhasha Shield Competition for Bank's exemplary performance in Official Language Implementation under the category of nationalized banks in linguistic region "B", for the year 2012-13.
16.10.2014	• Bank of Baroda was endorsed as one of the top brands at The Economic Times Best Brands 2014.

13.11.2014	• Bank of Baroda won three prizes under Reserve Bank Rajbhasha Shield Competition 2012-13:
	• First Prize in Linguistic Region 'B'
	• Second Prize in Linguistic Region 'A' & 'C'
	• Bank of Baroda was awarded 'FE India's Best Bank' by The Financial Express (FE) in the 'Public Sector Bank' category for the year 2012-13.
30.01.2015	• Bank of Baroda was awarded for "Excellence in Banking (PSU Sector)" by My FM Stars of the Industry award
14.02.2015	• Bank of Baroda won 3 prizes at 'The IBA Banking Technology Awards 2014 – 15' at Mumbai. Categories as under:
11.02.2015	• Winner in "Best Financial Inclusion Initiative"
	• First Runner up in "Training & Human Resources, E – learning Initiatives'
	• First Runner up in "Best Use of Data"
	• Bank of Baroda won National Prize – First Rank in "Innovative Training Practices" for the year 2014 from "Indian Society for Training and Development"(ISTD) at Bhubaneshwar
21.02.2015	Bank of Baroda has won National Prize – First Rank in "Innovative Training Practices" for the year 2014 from "Indian Society for Training and Development"(ISTD) at Bhubaneshwar
27.02.2015	• Bank of Baroda won the Champion of Champions Award at the Association of Business Communicators of India (ABCI) Awards 2015. Awarded 6 Categories are as under:
	• Indian Language Publication - Bronze
	• Exhibition Collateral - Gold
	• Wall Calendar 2014 - Silver
	• Environmental Communication - Silver
	• E-Zine - Bronze
	• Corporate Film – Gold
23.03.2015	• Bank of Baroda was conferred 'The Most Efficient Public Sector Bank' for the year 2014 by Dalal Street Investment Journal in the 'Best PSU's of India Awards' held at New Delhi.

Shri P Srinivas, Executive Director receiving Best Bank – Global Business Development & Best Bank (Overall) – Public Sector award at the hands of Shri Yashwant Sinha, Former Union Minister - Govt. of India

Premises Re-Engineering and Ambience Enhancement

The major achievements by your Bank in the area of Premises re-engineering and ambience enhancement during FY15 are as given below.

- Your Bank has decided setting up a branch building with provision for community hall for conducting various programmes (for 125-150 persons) on ground floor and Branch head's residence at first floor at 50 village centres every year to be known as **Adarsh Grameen Branch(AGB).** Your Bank has initiated the process for acquiring land for this purpose and has since acquired land at Jhunjhunu and Silora (Rajasthan).
- As per the directives from Ministry of Finance, Government of India, your Bank has linked its Corporate Office and Head Office with all Regional Offices through State-of-the Art Video Conferencing systems with MPLS Connectivity. Interaction with functional heads through VC has resulted into quick and cost effective decision making.
- Your Bank has adopted all technology centric initiatives in the form of e-tendering, e-procurement etc. and implemented in phased manner.
- All payments to vendors were being made through e-payment mode (RTGS/NEFT or credit to beneficiary account).
- In tune with your Bank's policy to have its administrative offices in owned premises, your Bank has purchased land at Allahabad (UP) Rajarhat, Kolkata (West Bengal) and Manoharpura, Jaipur (Rajasthan) for residential building.
- Looking to the ever increasing rentals, area optimisation of the every corner of the available premises is ensured. Layouts are being revisited while renovation and furnishing of branches/ offices done by introducing eco-friendly and ergonomically designed sleek furniture items. The area norms for acquisition of the premises have also been reviewed and implemented.
- To have uniformity in systems and procedures pan-India, Premises Policy Guidelines, Constructions Manual, Refurbishment Manual have been formulated and agencies for modular furniture and chairs have been identified for quick procurement of the items and to have similar and identical design to get aesthetically pleasant look and vibrant indoor environment.
- Your Bank has undertaken a number of Green Initiatives during the year under review. Up-gradation of AC system for improving efficiency, Installation of energy efficient lights in offices to save electrical energy and expenditure. New eco- friendly products are introduced in all the new construction projects such as Jaipur, Indore, Varanasi. Your Bank is aspiring for LEED / GRIHA ratings for upcoming building projects.
- Office lightings at Baroda Corporate Centre are being replaced with LED lightings to save electrical energy, enhance brightness and increase staff efficiency.

Projects implemented during FY15:

- Internal renovation of (lift lobbies, stair case, toilets and common passage at all floors) of your Bank's building at Parliament street, New Delhi.
- Construction of Baroda Swarojgar Vikas Sansthan (BSVS) at Pratapgarh, Banswara, Ajmer, Jaipur & Dungarpur (Rajasthan).

Projects under implementation:

- Construction of Administrative building at Alkapuri, Vadodara is under progress.

Shri S S Mundra, CMD , Shri Ranjan Dhawan, MD & CEO and other officials during the foundation laying ceremony of Baroda Bhavan in Vadodara

- Construction of Baroda Swarojgar Vikas Sansthan (BSVS) at Valsan (Anand, Gujrat), Bharuch (Gujrat),Banswara ,Pratapgarh, Dungarpur (Rajasthan) Jhabua and Alirajpur (MP).
- Construction of residential cum commercial complex at Indore (MP) is progressing at good pace.
- Construction of own building for Disaster Recovery Site at Hyderabad.
- Renovation of Bank of Baroda Institute of Information Technology at Gandhinagar (Gujarat)
- Construction of Regional Office Building at Faizabad (UP) is on advanced stage.
- Construction of Regional Residential Training College, Bengaluru (Karnataka).
- Procurement of Video Conferencing systems at 10 locations for new Regional and Zonal offices.
- Face-lifting of Regional office and Main Branch Building at Coimbatore.
- Redevelopment of Ramnager Branch, Coimbatore as commercial cum residential building.
- Construction of Office building at New Raipur (Chhattisgarh)
- Construction of Residential building at New Raipur Chhattisgarh)

Future Plans for Estate Management:

Shri Ranjan Dhawan, MD & CEO inaugurating Mumbai Metro Central Region in Mumbai

- To undertake external renovation and face lifting of Bank's Building at Parliament Street, New Delhi
- To redevelop Staff Quarters building at Bhandup, Mumbai, thereby to construct about 138 residential flats for transferee officers/ executives.
- Redevelopment of Staff Quarters at Jogeshawari, Mumbai, to construct a building for residential and commercial use.
- Construction of Baroda Swarojgar Vikas Sansthan (BSVS) at various centres across India as per the directives from the Govt. of India.
- To set up the Regional Residential Training Colleges at Greater Noida (U.P.) and Bhubaneswar (Odissa).
- Construction of Zonal Office building at Bareilly (Uttarakhand).
- Construction of Regional office building at Allahabad (UP) and Dehradun (Uttarakhand).

Brick & Mortar Branch Expansion

Given below is the information on your Bank's brick and mortar distribution channels as on 31st March, 2015, which is observed to be closer to common customers as compared to the E-Banking channels that are generally preferred by the tech savvy urban masses.

Area Classification (India)	Number of Branches	% Share in Total
Metro	989	19.06
Urban	903	17.40
Semi-urban	1386	26.70
Rural	1912	36.84
Total	5190	100
Overseas(Including Representative office & Branches of subsidiaries)	104	-

Domestic Subsidiaries and Associates

The performance of your Bank's subsidiaries, Joint Ventures and Associates was quiet satisfactory during FY15.

BOBCARDS Limited is a wholly owned subsidiary of Bank established in 1994 for issuance of Credit Card and Merchant Acquiring (ME Business) and also providing support services to BOB for Debit Card Operations. The Company is having 36 Area Offices across the country. The Company which was incurring losses continuously on account of huge NPAs, turned around during FY11 and has been earning profit since then. The Company has focused on all qualitative aspects of business development, which has resulted in better profitability, quality card base and ME base. The Company has introduced a range of Platinum Cards with premium features like added privileges & offers. The Company is in process of implementation of aggressive plans for enlargement of Card & Merchant Base. The Company has recently launched revamped website and customer self service portals to benefit all stakeholders, credit / debit cardholders and member establishments. (ME) The Company is expecting substantial growth in its card / ME base in the next year

BOB Capital Markets Limited is a wholly owned subsidiary established by Bank in 1996 as a Financial Institution to start Institutional Broking, Investment Banking and distribution of financial products. The Company, showing subdued performance for quite some time till recent times, has been activated by deploying a professional team. The focus is on investment advisory services, Debt & Equity Syndication and Capital market activities. The Company commenced institutional broking business and has also launched an Online Institutional Trading platform from October 2009. Recently, the Company has commercially launched On-Line Retail Trading platform on July 20, 2012. BOBCAPSs focus remains with institutional broking and distribution of financial products and already 27 major, well known institutions are empanelled with the Company for putting through investments in securities market through BOBCAPs.

The Nainital Bank Limited was promoted by Late Bharat Ratna Pandit Govind Vallabh Pant and others and became Associate Bank of Bank of Baroda in the year 1973. Today, the shareholding of Bank of Baroda in Nainital Bank Ltd. is 98.57% and is a subsidiary of the Bank. The State of Uttarakhand, vide its communiqué dated August 3, 2012, has notified that The Nainital Bank Limited be treated at par with other PSU Banks. The Bank has launched Net banking facilities during the year and also implemented (Direct Benefit Transfer) DBT "Pahal" through NACH platform to existing customer. The Bank has successfully implemented CTS software in northern Grid and has revamped web portal offering expanded content, interactive Graphical User Interface.

Baroda Pioneer Asset Management Company Ltd. a joint venture with Pioneer Global Asset Management SpA, is in its seventh year of operation. During the year under review, the Company was able to strengthen its AUM significantly which rose by 9 % on year on year basis as of **March'14.** The key to this growth was strong focus on the institutional segment which helped the Company to grow its debts & money market products coupled with focus on Systematic Investment Plans (SIPs) for retail investors. The Company continues to focus on B15 (Beyond the top 15 cities of India) to develop and promote its business and consequently, the share of B15 towns has been growing steadily. The Company is active in investor education initiatives.

IndiaFirst Life Insurance Company Ltd., a joint venture company with Legal & General group, commenced its business operations on 16th November 2009 and has received an overwhelming response for its products across the country. IndiaFirst is amongst the fastest Life Insurance Company to break even in the 5th year of operation and its industry ranking is 8th among the private players with market share of 4.5% and AUM (Asset under Management)at Rs 8,188 crore in December 2014. The Company bagged prestigious award "Finnoviti 2015" presented by Banking Frontier for Innovation.

India Infradebt Limited is a joint venture company with ICICI Bank Limited, ICICI Home Finance Company Limited, Citicorp Finance (India) Limited and Life Insurance Corporation of India. The Company was incorporated on October 31, 2012 in Mumbai. The Company is in operation as an Infrastructure Debt Fund – Non Banking Financial Company (IDF-NBFC). The Company's principal activity is to re-finance part of the debt liabilities of the Project Companies. The list of clientele includes National Highway Authority of India (NHAI), Himalayan Expressway Limited, Swarna Tollway Private Limited etc for refinancing / take out financing.

(Rs lakh)

Entity (with date of registration)	Country	Owned Funds	Total Assets	Net Profit	Offices	Staff
BOB Capital Markets Ltd. (11.03.1996)	India	15030.15	15749.67	1360.93	1	41
BOBCARDS Ltd. (29.09.1994)	India	20776.00	31025.85	3580.26	36	199
Baroda Pioneer Asset Management Co. Ltd. (05.11.1992)	India	5343.31	5343.31	(-)1283.09	1	84
Baroda Pioneer Trustee Co Pvt Ltd. (23.12.2011)	India	6.42	6.42	0.72	1	0
IndiaFirst Life Insurance Co. Ltd. (05.11.2009)	India	35746.24	828275.64	688.89	44	1230
The Nainital Bank Ltd. (31.07.1922)	India	49468.39	597792.62	6718.19	125	835
India Infradebt Ltd. (31.10.2012)	India	34928.78	109541.07	2176.46	1	11

Implementation of Official Language (OL) Policy

During the period under review, your Bank made remarkable progress in implementing the Official Language Policy of Government of India. Besides compliance of various statutory requirements under Official Language Policy of the Union Government , your Bank took the initiative of promoting and utilizing Hindi as a tool for business development, establishing better connect with customers.

Your Bank prepared a well-structured annual official language action plan for achievement of various targets set by the Government of India under its Annual Implementation Programme 2014-15 and the assurances given to the Committee of Parliament on Official Language during its visits to various offices/branches of the Bank. Through continuous monitoring and regular efforts at various levels, your Bank could achieve all the major targets of the Programme and fulfilled all the assurances given to the Committee of Parliament on Official Language.

The Meetings of Central Official Language Implementation Committee, presided over by Chairman and Managing Director/ Executive Directors of the Bank, were organized regularly on quarterly basis. Under the guidance received from the Committee, several new initiatives were taken during the year FY15. Your Bank took an important initiative of providing Internet Banking services, Mobile Pass book services to its customers in Hindi. All the alternate delivery channels viz. Self passbook printing machines, cheque deposit machines, cash deposit machines, Multi function Kiosks etc. were equipped with Hindi user interface for the convenience of customers. All the ATMs of the Bank were enabled for printing of transaction slips and mini statements in Hindi for the convenience of customers selecting Hindi as the language of their choice for interaction with the machine. A Pan India drive was also undertaken to confirm availability of this facility in all the ATMs of your Bank.

Your Bank made remarkable progress with respect to automation of Quarterly Hindi Progress report submission system in the Bank. Your bank undertook a major drive during the month of January,2015 viz. " Online Pragati Abhiyaan" for online submission of QPR by all the branches/ offices of the Bank through Pragati Online Package which was implemented during the last fiscal year. Around 70% of your Bank's branches/offices submitted their quarterly progress reports online during the campaign. Your Bank has already launched Mission 100% campaign to ensure cent percent submission of such report through online mode.

Your Bank started sending systems-generated letters through finacle to customers pertaining to KYC, potential dormant Accounts, dormant accounts in bilingual (Hindi-English) format during the year. This is in addition to the system established in your Bank's Regional Back Offices where lakhs of letter are being generated every month in bi-lingual form pertaining to newly opened accounts. These system generated letters have helped to a great extent in meeting its targets set under the Official Language programme. Your Bank brought more branches in the ambit of IT programme used to generate and print pass-books and account statements in Hindi at the branches situated in linguistic regions A and B.

As an initiative to start discourse in Hindi on important Banking topics your Bank Organized Inter Bank Seminar on "Social Media Mein Hindi Ki Dastak" and " Retail Banking", respectively in Mumbai and Jaipur during the year under review wherein representatives/speakers/participants from different banks took part. This initiative earned accolades from the RBI and Government of India and Parliamentary Committee on Official language. Your Bank celebrated World Hindi Day on 10.01.2015 in its all overseas territories. Brief programs were organised to commemorate the occasion in which eminent personalities related to Hindi Literature and Hindi promotion activities were invited. These programmes were attended by staff of your Bank, valued customers and officials of Indian Embassy.

To contribute to the financial inclusion drive and the Pradhanmantri Jan Dhan Yojana started by Government of India, your Bank prepared a reference booklet in Hindi christened as " Samaveshan Sandarbh" for the use of Business Correspondents working at the field level. The Gujarati version of the publication was also released during the year. The booklet was distributed to all the BCs and link branches of your Bank. Further, for increasing financial literacy amongst masses, your Bank continued to prepare and propagate through cartoon booklets, animation films in Hindi and also in regional languages. These booklets and animation films were prepared for inculcating the habit of saving, escalating the features of Kisan Credit Card and emphasizing on the benefits of timely repayment of loans. These cartoon booklets and animation films were christened as "Chhoti Bachat badi Khushhali", " Aam ke aam guthliyon ke daam" and " Samay Par Karj Ka Bhugtan, Jindagi Bane Aasaan", Retail Loan se Khushali" in their Hindi edition. These Booklets/animation films were sent to Regional Offices/ Zonal Offices of the Bank for their effective utililization. Further, your Bank also used the platform of Rajbhasha Karyakrams/workshops for disseminating the features of Pradhanmantri Jandhan Yojana.

Your Bank has been pioneer in spreading and promoting the use of Hindi through the forum of Nagar Rajbhasha Samitis. During the year under review, your Bank, under instructions from of Home Ministry, Government of India constituted four new Nagar Rajbhasha Samitis. These committees are functioning at Sihor, Sitamarhi (Bihar), Anand (Gujarat), Faizabad (Uttarpradesh) under the convenorship of your Bank. Hence, the total number of Nagar Rajbhasha Samitis working under the convenor ship of your Bank stands at 12.

The Third Sub-Committee of parliament on official language visited your Bank's branches/offices at Nagarkoil, Tamilnadu. The Committee appreciated the efforts put in by your Bank for promotion of the use of Hindi language.

Your Bank's efforts earned accolades from Government of India and Reserve Bank of India also. The Government of India awarded your Bank with the 1st Prize in the Indira

Gandhi Rajbhasha Shield Competition in Region 'B'. The award was received by Bank's Executive Director Shri P Srinivas from Honorable President of India at a function held at Rastrapati Bhawan, New Delhi on Hindi Diwas 2014. Further, your Bank was awarded first prize for ' B' Region and second prizes for Region 'A' and 'B' by Reserve Bank of India (RBI) under the RBI Rajbhasha Shield Competition. Your Bank's Executive Director Shri P Srinivas received these awards from the Governor of RBI.

Your Bank continued with its flagship scheme "Medhavi Vidyarthi Samman Yojana" for popularising Hindi amongst the students' community. Under this scheme, cash prizes and commendation certificates signed by your Bank's CMD/ED are given to students scoring highest marks in M.A.(Hindi). This scheme, at present, is applicable in 64 universities of the country.

Shri Nirmesh Kumar, GM(Eastern UP Zone) receiving the first prize in implementation of Rajbhasha Hindi at the hands of Shri Ram Naik, Hon. Governor of Uttar Pradesh

Your Bank published three books in Hindi during the year viz."Aasti Prabandhan", "Madhyabharat Lekhmala" and " Banking ke Vibhinna Aayam ", " Retail Loan Margdarshka" for providing qualitative/informative reading material in the Hindi language.

Board of Directors: (Appointment / Cessation of Directors during the year)

Appointments:

Smt. Surekha Marandi has been nominated as RBI Nominee Director w.e.f. 10.06.2014 by the Central Government u/s 9 (3) (c) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 in place of Shri Sudarshan Sen until further orders.

Shri Prem Kumar Makkar has been Appointed as Officer Employee Director w.e.f. 19.09.2014 by the Central Government u/s 9 (3) (f) of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 for a period of three years or till he ceases to be an Officer of the Bank or until further orders, whichever is earlier.

Shri Mohammad Mustafa has been nominated as Government Nominee Director w.e.f. 25.11.2014 by the Central Government u/s 9 (3) (c) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 in place of Dr. K.P. Krishnan until further orders.

Dr. R. Narayanaswamy, after scrutiny of nominations and determination of 'Fit and Proper' status, declared elected as Shareholder Director on the Board of the Bank w.e.f. 24.12.2014.

Shri Bharatkumar Dhirubhai Dangar, after scrutiny of nominations and determination of 'Fit and Proper' status, declared elected as Shareholder Director on the Board of the Bank w.e.f. 24.12.2014.

Shri K. V. Rama Moorthy has been appointed as Executive Director w.e.f. 10.03.2015 by the Central Government u/s 9 (3) (a) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 for a period upto 31.01.2019 i.e. the date of his attaining the age of superannuation, or until further orders, whichever is earlier.

Cessations

Shri Sudarshan Sen, RBI nominee Director, ceased to be a Director w.e.f. 09.06.2014, on the nomination of Smt. Surekha Marandi, in his place.

Shri Vinil Kumar Saxena, Workmen Employee Director, ceased to be a Director w.e.f. 24.07.2014, on completion of his term.

Shri S.S. Mundra, Chairman and Managing Director, ceased to be a Director w.e.f. 30.07.2014, on his appointment as Deputy Governor, RBI.

Dr. K.P. Krishnan, IAS, Govt. nominee Director, ceased to be a Director w.e.f. 24.11.2014 on the nomination of Shri Mohammad Mustafa, IAS, in his place.

Shri Maulin Vaishnav, Shareholder Director, ceased to be a Director w.e.f. 24.12.2014, on completion of his term.

Shri Surendra Singh Bhandari, Shareholder Director, ceased to be a Director w.e.f. 24.12.2014, on completion of his term.

Shri Rajib Sekhar Sahoo, Shareholder Director, ceased to be a Director w.e.f. 24.12.2014, on completion of his term.

Shri P. Srinivas, Executive Director, ceased to be a Director w.e.f. 31.12.2014, on his appointment as Managing Director & Chief Executive Officer of United Bank of India.

Directors' Responsibility Statement

The Directors confirm that in the preparation of the annual accounts for the year ended March 31, 2015:

1. The applicable accounting standards have been followed along with proper explanation relating to material departures, if any;
2. The accounting policies framed in accordance with the guidelines of the Reserve Bank of India, were consistently applied;

3. Reasonable and prudent judgment and estimates were made so as to give true and fair view of the state of affairs of your Bank at the end of financial year and of the profit of your Bank for the year ended on March 31, 2015;
4. Proper and sufficient care was taken for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the applicable laws governing banks in India; and
5. The accounts have been prepared on a going concern basis.

Acknowledgement

The Directors express their sincere thanks to the Government of India, Reserve Bank of India, Securities and Exchange Board of India, other regulatory authorities, various financial institutions, banks and correspondents in India and abroad for their valuable guidance and support.

The Directors acknowledge with appreciation the assistance and cooperation extended by all stakeholders of your Bank like customers, shareholders and well wishers in India and abroad.

The Directors place on record deep appreciation for the hard work and dedication of the members of your Bank's staff at different levels, which enabled your Bank to record high quality, consistent growth year after year despite economic challenges and consolidate its position as one of the premier banks in the country.

For and on behalf of the Board of Directors,

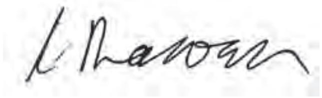

Ranjan Dhawan

Managing Director & CEO

कार्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट 2014-15
Report On Corporate Governance 2014-15

1. गवर्नेंस संहिता के बारे में बैंक का दर्शन

बैंक, उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु संसाधनों के इष्टतम उपयोग के साथ अधिकतम प्रतिफल प्राप्त करने तथा सभी स्तरों पर कार्यनिष्पादन सुनिश्चित करते हुए, शेयरधारकों के हितों की रक्षा करते हुए तथा उनके मूल्यों में अभिवृद्धि के लिए अपने सतत प्रयास जारी रखेगा. बैंक न केवल सांविधिक आवश्यकताओं का अनुपालन करेगा बल्कि स्वेच्छापूर्वक कड़ी कार्पोरेट गवर्नेंस पद्धतियों को निष्पादित करते हुए उनका पालन भी करेगा. बैंक प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए नैतिक मूल्यों के उच्च मानकों, पारदर्शिता तथा अनुशासित दृष्टिकोण अपनाने में विश्वास रखता है. बैंक उत्कृष्ट अंतर्राष्ट्रीय मानदण्डों के अनुपालन के प्रति भी प्रतिबद्ध है. बैंक अपने सभी हितधारकों, जिसमें शेयरधारक, ग्राहक, सरकार, कर्मचारी, लेनदार और व्यापक तौर पर जनता भी शामिल है, को अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए सघन प्रयास करता रहेगा.

बैंक एक सूचीबद्ध निकाय है, जो एक कम्पनी नहीं है, अपितु बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 अर्थात् बैंककारी कंपनी अर्जन अधिनियम के तहत निकाय कार्पोरेट है तथा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित होता है, अतः स्टाक एक्सचेंजो (एसई) के साथ किए गए सूचीयन करार (एलए) के संशोधित उपखण्ड 49 के प्रावधानों का उस सीमा तक पालन करेगा, जहां तक बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 के प्रावधानों और इस संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों का उल्लंघन नहीं होता है.

2. निदेशक मंडल

2.1 निदेशक मंडल का स्वरूप

निदेशक मंडल का गठन बैंकिंग विनियम अधिनियम 1949, बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 यथा संशोधित तथा राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970 (यथा संशोधित) के प्रावधानों द्वारा शासित होता है.

31 मार्च 2015 की स्थिति के अनुरूप निदेशक मण्डल का स्वरूप निम्नानुसार हैः

1. BANK'S PHILOSOPHY ON CODE OF GOVERNANCE

The Bank shall continue its endeavour to enhance its shareholders' value by protecting their interest by ensuring performance at all levels and maximizing returns with optimal use of resources in pursuit of excellence. The Bank shall comply with not only the statutory requirements but also voluntarily formulate and adhere to a set of strong Corporate Governance practices. The Bank believes in setting high standards of ethical values, transparency and disciplined approach to achieve excellence in all its sphere of activities. The Bank is also committed to follow the best international practices. The Bank shall strive hard to serve the interests of its stakeholders comprising shareholders, customers, Government, employees, creditors and society at large.

The Bank is a listed entity, which is not a company but body corporate under The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 and is regulated by Reserve Bank of India. Therefore, the Bank shall comply with the provisions of Clause 49 of the Listing Agreement (LA) entered into with Stock Exchanges (SEs) to the extent it does not violate the provisions of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 and the Guidelines issued by Reserve Bank of India in this regard.

2. BOARD OF DIRECTORS

2.1 Composition of the Board

The composition of Board of Directors of the Bank is governed by the provisions of The Banking Regulation Act, 1949, The Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970, as amended and The Nationalized Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, as amended.

The composition of Board of Directors of the Bank as on 31st March, 2015 is as under:

क्रम सं. Sr. No.	नाम Name	पदनाम Position Held	31.3.2015 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा के धारित शेयरों की संख्या No. of equity shares of the Bank held as on 31.3.2015	बैंक की उप-समितियों की सदस्यता की संख्या No. of membership in Sub -Committees of the Bank	बैंक के अलावा अन्य कंपनियों में निदेशक के रूप में सेवाएं संख्या No. of Directorship held in other Companies i.e. Other than the Bank	अन्य कंपनियों के बोर्ड की उप -समितियों में सदस्यता/ अध्यक्षता की संख्या No. of Membership/ Chairmanship held in Sub Committees of the Board in other Companies	टिप्पणियां (बैंक / अन्य कंपनियों में नियुक्ति का स्वरूप) (31.03.2015 को) Remarks (Nature of appointment in the Bank / other Companies) (As on 31.03.2015)
1	श्री रंजन धवन Shri Ranjan Dhawan	कार्यपालक निदेशक - प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार (कार्यपालक) Executive Director with additional charge as MD & CEO (Executive)	शून्य NIL	9	3	शून्य NIL	बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (ए) के तहत केन्द्र सरकार द्वारा 01.11. 2012 से पूर्णकालिक निदेशक (कार्यपालक निदेशक के रूप में नामित) के रूप में नियुक्त. वे 30.09.2015 तक अर्थात अपनी अधिवर्षिता की तारीख तक अथवा आगामी आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, तक अपने पद पर रहेंगे. वे 27.02.2015 से 3 माह की अवधि के लिए, नियमित पदाधिकारी की नियुक्ति होने तक अथवा अगले आदेश तक जो भी पहले हो, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के अतिरिक्त पद पर भी हैं. वे निम्नलिखित निदेशक मण्डलों में भी निदेशक हैं- (i) बॉब कैपिटल मार्केट लिमिटेड (अध्यक्ष) (ii) बॉब (कीनिया) लि. (अध्यक्ष) (iii) बॉब (तंजानिया) लि. (अध्यक्ष)

क्रम सं. Sr. No.	नाम Name	पदनाम Position Held	31.3.2015 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा के धारित शेयरों की संख्या No. of equity shares of the Bank held as on 31.3.2015	बैंक की उप-समितियों की सदस्यता की संख्या No. of membership in Sub -Committees of the Bank	बैंक के अलावा अन्य कंपनियों में निदेशक के रूप में सेवाएं संख्या No. of Directorship held in other Companies i.e. Other than the Bank	अन्य कंपनियों के बोर्ड की उप -समितियों में सदस्यता/ अध्यक्षता की संख्या No. of Membership/ Chairmanship held in Sub Committees of the Board in other Companies	टिप्पणियां (बैंक / अन्य कंपनियों में नियुक्ति का स्वरूप) (31.03.2015 को) Remarks (Nature of appointment in the Bank / other Companies) (As on 31.03.2015)
							Appointed as a Whole Time Director (designated as Executive Director) w.e.f. 01.11.2012 by the Central Government u/s 9 (3) (a) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, to hold office up to 30.09.2015 i.e. the date of his superannuation or until further orders, whichever is earlier. He is also entrusted with the additional charge of the Managing Director & CEO for a period of 3 months w.e.f. 27.2.2015 or till the date of appointment of regular incumbent or till further order, whichever is the earliest. He is also a Director on the Board of: (i) BOB Capital Markets Ltd. (Chairman) (ii) BOB (Kenya) Ltd. (Chairman) (iii) BOB (Tanzania) Ltd. (Chairman)
2	श्री बी. बी. जोशी Shri B. B. Joshi	कार्यपालक निदेशक (कार्यपालक) Executive Director (Executive)	शून्य NIL	10	2	शून्य NIL	बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (ए) के तहत केन्द्र सरकार द्वारा 05.08.2013 से पूर्णकालिक निदेशक (कार्यपालक निदेशक के रूप में नामित) के रूप में नियुक्त. वे 31.12.2016 तक अर्थात अपनी अधिवर्षिता की तारीख तक अथवा आगामी आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, तक अपने पद पर रहेंगे. वे निम्नलिखित निदेशक मण्डलों में भी निदेशक हैं- (i) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (घाना) लि. (अध्यक्ष) (ii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (बोत्सवाना) लि. (अध्यक्ष) Appointed as a Whole Time Director (designated as Executive Director) w.e.f. 05.08.2013 by the Central Government u/s 9 (3) (a) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, to hold office up to 31.12.2016 i.e. the date of his superannuation or until further orders, whichever is earlier. He is also a Director on the Board of: (i) Bank of Baroda (Ghana) Ltd. (Chairman) (ii) Bank of Baroda (Botswana) Ltd. (Chairman)
3	श्री के. वी. रामा मूर्ती Shri K.V. Rama Moorthy	कार्यपालक निदेशक (कार्यपालक) Executive Director (Executive)	शून्य NIL	10	शून्य NIL	शून्य NIL	बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (ए) के तहत केन्द्र सरकार द्वारा 10.03.2015 से पूर्णकालिक निदेशक (कार्यपालक निदेशक के रूप में नामित) के रूप में नियुक्त. वे 31.01.2019 तक अर्थात अपनी अधिवर्षिता की तारीख तक अथवा आगामी आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, तक अपने पद पर रहेंगे. Appointed as a Whole Time Director (designated as Executive Director) w.e.f. 10.03.2015 by the Central Government u/s 9 (3) (a) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, to hold office up to 31.01.2019 i.e. the date of his superannuation or until further orders, whichever is earlier.

क्रम सं. Sr. No.	नाम Name	पदनाम Position Held	31.3.2015 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा के धारित शेयरों की संख्या No. of equity shares of the Bank held as on 31.3.2015	बैंक की उप-समितियों की सदस्यता की संख्या No. of member-ship in Sub -Committees of the Bank	बैंक के अलावा अन्य कंपनियों में निदेशक के रूप में सेवाएं संख्या No. of Director-ship held in other Companies i.e. Other than the Bank	अन्य कंपनियों के बोर्ड की उप -समितियों में सदस्यता/ अध्यक्षता की संख्या No. of Membership/ Chairmanship held in Sub Committees of the Board in other Companies	टिप्पणियां (बैंक / अन्य कंपनियों में नियुक्ति का स्वरूप) (31.03.2015 को) Remarks (Nature of appointment in the Bank / other Companies) (As on 31.03.2015)
4	श्री मोहम्मद मुस्तफा Shri Mohammad Mustafa	निदेशक (गैर कार्यपालक) केन्द्र सरकार के प्रतिनिधि Director (Non Executive) Representing Central Government	शून्य NIL	8	3	शून्य NIL	बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (बी) के तहत केन्द्र सरकार द्वारा 25.11.2014 से निदेशक के रूप में नामित. वे आगामी आदेशों तक अपने पद पर रहेंगे. वे निम्नलिखित निदेशक मण्डलों में भी निदेशक हैं- 1. नेशनल हाउसिंग बोर्ड (प्रबंध निदेशक) 2. सीईआरएसएआई (भारतीय प्रतिभूतिकरण, आस्ति पुनर्गठन और प्रतिभूति हित केंद्रीय रजिस्ट्री) 3. आईडब्ल्यूआरएफसी (सिंचाई एवं जल संसाधन वित्त निगम लि.) Nominated as a Director w.e.f. 25.11.2014 by The Central Government u/s 9 (3) (b) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 to hold the post until further orders. He is also a Director on the Board of: 1. National Housing Board (Managing Director) 2. CERSAI (Central Registry Securitisation of Asset Reconstruction & Security Interest of India.) 3. IWRFC (Irrigation and Water Resource Finance Corporation Ltd.)
5	श्रीमती सुरेखा मरांडी Smt. Surekha Marandi	निदेशक (गैर कार्यपालक) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुशंसित/ नामित Director (Non Executive) Recommended by/representing Reserve Bank of India	शून्य NIL	6	शून्य NIL	शून्य NIL	बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (सी) के तहत भारतीय रिज़र्व बैंक की अनुशंसा पर केन्द्र सरकार द्वारा 10.06.2014 से निदेशक के रूप में नामित. वे आगामी आदेशों तक अपने पद पर रहेंगी. स्टाक एक्सचेंजो (एसई) के साथ किए गए सूचीयन करार (एलए) के खण्ड 49 (II) (ए)(1) के प्रावधानों के तहत महिला निदेशक भी हैं. Nominated as a Director by Central Government on the recommendadation of Reserve Bank of India w.e.f. 10.06.2014 u/s 9 (3) (c) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 to hold the post until further orders. Also woman Director pursuant to Clause 49 (II) (A)(1) of LA with SEs.

क्रम सं. Sr. No.	नाम Name	पदनाम Position Held	31.3.2015 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा के धारित शेयरों की संख्या No. of equity shares of the Bank held as on 31.3.2015	बैंक की उप-समितियों की सदस्यता की संख्या No. of membership in Sub -Committees of the Bank	बैंक के अलावा अन्य कंपनियों में निदेशक के रूप में सेवाएं संख्या No. of Directorship held in other Companies i.e. Other than the Bank	अन्य कंपनियों के बोर्ड की उप -समितियों में सदस्यता/ अध्यक्षता की संख्या No. of Membership/ Chairmanship held in Sub Committees of the Board in other Companies	टिप्पणियां (बैंक / अन्य कंपनियों में नियुक्ति का स्वरूप) (31.03.2015 को) Remarks (Nature of appointment in the Bank / other Companies) (As on 31.03.2015)
6	श्री प्रेम कुमार मक्कड़ Shri Prem Kumar Makkar	निदेशक (गैर कार्यपालक) गैर वर्कमैन कर्मचारियों के प्रतिनिधि Director (Non Executive) Representing Non-Workmen Employees	5	6	शून्य NIL	शून्य NIL	बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (एफ) के तहत केन्द्र सरकार द्वारा 19.09.2014 से अधिकारी गैर वर्कमैन कर्मचारी निदेशक के रूप में नामित. वे तीन वर्ष की अवधि के लिए या बैंक के अधिकारी रहने या आगामी आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, अपने पद पर रहेंगे. Nominated as Director representing non-workman employees w.e.f. 19.09.2014 by the Central Government u/s 9 (3) (f) of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 for a period of three years or till he ceases to be an Officer of the Bank or until further orders, whichever is earlier.
7	डॉ. आर. नारायणस्वामी Dr. R. Narayanaswamy	निदेशक (गैर कार्यपालक) केन्द्र सरकार से भिन्न शेयर धारकों में से निर्वाचित Director (Non Executive) Elected from amongst Shareholders, other than Central Government	500	4	शून्य NIL	शून्य NIL	बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (आई) के तहत शेयरधारक निदेशक के रूप में 24.12.2014 से 23.12.2017 तक 3 वर्ष के लिए निर्वाचित. Declared elected as Shareholder Director u/s 9 (3)(i) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, for a period of 3 years from 24.12.2014 to 23.12.2017.
8	श्री भरतकुमार डी. डांगर Shri Bharatkumar D. Dangar	निदेशक (गैर कार्यपालक) केन्द्र सरकार से भिन्न शेयर धारकों में से निर्वाचित Director (Non Executive) Elected from amongst Shareholders, other than Central Government	500	7	शून्य NIL	शून्य NIL	बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (आई) के तहत शेयरधारक निदेशक के रूप में 24.12.2014 से 23.12.2017 तक 3 वर्ष के लिए निर्वाचित. Declared elected as Shareholder Director u/s 9 (3)(i) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, for a period of 3 years from 24.12.2014 to 23.12.2017.

2.2 वर्ष के दौरान निदेशकों की नियुक्ति / कार्यसमाप्ति

नियुक्तियां :

श्रीमती सुरेखा मरांडी : बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (सी) के तहत भारतीय रिज़र्व बैंक की अनुशंसा पर केन्द्र सरकार द्वारा श्री सुदर्शन सेन के स्थान पर 10.06.2014 से आगामी आदेशों तक निदेशक के रूप में नामित की गई हैं.

श्री प्रेम कुमार मक्कड : बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (एफ) के तहत केन्द्र सरकार द्वारा 19.09.2014 से गैर-वर्कमैन कर्मचारी निदेशक के रूप में नामित किए गए हैं, वे तीन वर्ष की अवधि के लिए या बैंक के अधिकारी रहने या आगामी आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, अपने पद पर रहेंगे.

श्री मोहम्मद मुस्तफा : बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (सी) के तहत केन्द्र सरकार द्वारा डॉ. के. पी. कृष्णन के स्थान पर 25.11.2014 से आगामी आदेशों तक सरकार नामिति निदेशक के रूप में नामित किए गए हैं.

डॉ. आर. नारायणस्वामी : नामांकनों की जांच तथा 'उपयुक्त एवं समुचित' स्थिति सुनिश्चित करने के बाद बैंक के बोर्ड में केन्द्र सरकार से भिन्न शेयरधारकों के प्रतिनिधि निदेशक के रूप में 24.12.2014 से निर्वाचित.

श्री भरतकुमार धीरुभाई डांगर : नामांकनों की जांच तथा 'उपयुक्त एवं समुचित' स्थिति सुनिश्चित करने के बाद बैंक के बोर्ड में केन्द्र सरकार से भिन्न शेयरधारकों के प्रतिनिधि निदेशक के रूप में 24.12.2014 से निर्वाचित.

श्री के. वी. रामा मूर्ती: बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (ए) के तहत केन्द्र सरकार द्वारा 10.03.2015 से बैंक के कार्यपालक निदेशक के रूप में नियुक्त किए गए हैं, वे 31.01.2019 तक अर्थात अपनी अधिवर्षिता की तारीख तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अपने पद पर रहेंगे.

कार्यसमाप्तिः

श्री सुदर्शन सेन, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नामित निदेशक, उनके स्थान पर श्रीमती सुरेखा मरांडी का नामांकन होने के कारण 10.06.2014 से निदेशक के रूप में नहीं रहे.

श्री विनिल कुमार सक्सेना, वर्कमैन कर्मचारी निदेशक अपना कार्यकाल समाप्त होने पर 24.07.2014 से निदेशक के रूप में नहीं रहे.

श्री एस. एस. मूंदड़ा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक में डिप्टी गवर्नर के रूप में उनकी नियुक्ति होने के कारण 31.07.2014 से अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में नहीं रहे.

डॉ. के. पी. कृष्णन, आईएएस , केन्द्रीय सरकार नामित निदेशक, उनके स्थान पर श्री मोहम्मद मुस्तफा, आईएएस, का नामांकन होने के कारण 25.11.2014 से निदेशक के रूप में नहीं रहे.

श्री मौलिन अरविंद वैष्णव, केन्द्रीय सरकार से भिन्न शेयरधारकों के प्रतिनिधि निदेशक, अपना कार्यकाल समाप्त होने पर 24.12.2014 से निदेशक के रूप में नहीं रहे.

श्री सुरेन्द्र सिंह भंडारी, केन्द्रीय सरकार से भिन्न शेयरधारकों के प्रतिनिधि, निदेशक अपना कार्यकाल समाप्त होने पर 24.12.2014 से निदेशक के रूप में नहीं रहे.

2.2 Appointment / Cessation of Directors During The Year

Appointments:

Smt. Surekha Marandi has been nominated as Director by Central Government on Recommendation of Reserve Bank of India w.e.f. 10.06.2014 u/s 9 (3) (c) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 in place of Shri Sudarshan Sen until further orders.

Shri Prem Kumar Makkar has been Nominated as Non-workmen Employee Director w.e.f. 19.09.2014 by the Central Government u/s 9 (3) (f) of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 for a period of three years or till he ceases to be an Officer of the Bank or until further orders, whichever is earlier.

Shri Mohammad Mustafa has been nominated as Government Nominee Director w.e.f. 25.11.2014 by the Central Government u/s 9 (3) (c) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 in place of Dr. K.P. Krishnan until further orders.

Dr. R Narayanaswamy, after scrutiny of nominations and determination of 'Fit and Proper' status, declared elected as Director representing Shareholders other than Central Government on the Board of the Bank w.e.f. 24.12.2014.

Shri Bharatkumar Dhirubhai Dangar, after scrutiny of nominations and determination of 'Fit and Proper' status, declared elected as Director representing Shareholders other than Central Government on the Board of the Bank w.e.f. 24.12.2014.

Shri K. V. Rama Moorthy has been appointed as Executive Director w.e.f. 10.03.2015 by the Central Government u/s 9 (3) (a) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 for a period upto 31.01.2019 i.e. the date of his attaining the age of superannuation, or until further orders, whichever is earlier.

Cessations:

Shri Sudarshan Sen, Director, nominated by central Government on recommendation of Reserve Bank of India, ceased to be a Director w.e.f. 10.06.2014, on the nomination of Smt. Surekha Marandi, in his place.

Shri Vinil Kumar Saxena, Workmen Employee Director, ceased to be a Director w.e.f. 24.07.2014, on completion of his term.

Shri S.S. Mundra, Chairman and Managing Director, ceased to be Chairman & Managing Director w.e.f. 31.07.2014, on his appointment as Deputy Governor, RBI.

Dr. K.P. Krishnan IAS, Govt. nominee Director, ceased to be a Director w.e.f. 25.11.2014 on the nomination of Shri Mohammad Mustafa, IAS, in his place.

Shri Maulin Arvind Vaishnav, Director representing Shareholders other than Central Government, ceased to be a Director w.e.f. 24.12.2014, on completion of his term.

Shri Surendra Singh Bhandari, director representing Shareholders other than Central Government, ceased to be a Director w.e.f. 24.12.2014, on completion of his term.

श्री राजीव सेखर साहू, केन्द्रीय सरकार से भिन्न शेयरधारकों के प्रतिनिधि, निदेशक अपना कार्यकाल समाप्त होने पर 24.12.2014 से निदेशक के रूप में नहीं रहे.

श्री पि. श्रीनिवास, कार्यपालक निदेशक, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया में प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में उनकी नियुक्ति होने के कारण 31.12.2014 से निदेशक के रूप में नहीं रहे.

2.3 निदेशक मंडल की बैठकें

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान निदेशक मंडल की -18- बैठकें निम्नानुसार आयोजित की गई, जबकि राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्धन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970 के खण्ड 12 के अंतर्गत निर्धारित न्यूनतम -6- बैठकें आयोजित करना अनिवार्य है.

Shri Rajib Sekhar Sahoo, director representing Shareholders other than Central Government, ceased to be a Director w.e.f. 24.12.2014, on completion of his term.

Shri P. Srinivas, Executive Director, ceased to be a Director w.e.f. 31.12.2014, on his appointment as Managing Director & Chief Executive Officer of United Bank of India.

2.3 Board Meetings

During the Financial Year 2014-15, total -18 - Board Meetings were held on the following dates as against minimum of -6- meetings prescribed under Clause 12 of The Nationalized Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970.

02.04.2014	12.05.2014	13.05.2014	10.06.2014	25.06.2014
20.07.2014	27.07.2014	28.07.2014	25.08.2014	27.09.2014
06.11.2014	07.11.2014	29.11.2014	20.12.2014	29.01.2015
30.01.2015	23.02.2015	26.03.2015		

निदेशक मण्डल की उपयुक्त बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति का ब्यौरा निम्नानुसार है, जो उनके कार्यकाल से संबद्ध है:

The details of attendance of the Directors at the aforesaid Board Meetings held during their respective tenure are as under:

निदेशक का नाम	Name of the Director	अवधि Period	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें Meetings Held During Their Tenure	बैठकें जिनमें भाग लिया Meetings Attended
श्री एस.एस.मूंदड़ा	Shri S. S. Mundra	01.04.2014 to 30.07.2014	8	8
श्री पि.श्रीनिवास	Shri P. Srinivas	01.04.2014 to 30.12.2014	14	13
श्री रंजन धवन	Shri Ranjan Dhawan	01.04.2014 to 31.03.2015	18	17
श्री बी. बी. जोशी	Shri B.B. Joshi	01.04.2014 to 31.03.2015	18	15
श्री के. वी. रामा मूर्ती	Shri K.V. Rama Moorthy	10.03.2015 to 31.03.2015	1	1
डॉ. के. पी. कृष्णन	Dr. K.P. Krishnan	01.04.2014 to 24.11.2014	12	9
श्री सुदर्शन सेन	Shri Sudarshan Sen	01.04.2014 to 10.06.2014	4	4
श्री विनिल कुमार सक्सेना	Shri Vinil Kumar Saxena	01.04.2014 to 24.07.2014	6	6
श्री मौलिन अरविन्द वैष्णव	Shri Maulin Arvind Vaishnav	01.04.2014 to 23.12.2014	14	14
श्री सुरेन्द्र एस.भण्डारी	Shri Surendra S. Bhandari	01.04.2014 to 23.12.2014	14	12
श्री राजीव सेखर साहू	Shri Rajib Sekhar Sahoo	01.04.2014 to 23.12.2014	14	12
श्रीमती सुरेखा मरांडी	Smt. Surekha Marandi	10.06.2014 to 31.03.2015	14	12
श्री मोहम्मद मुस्तफा	Shri Mohammad Mustafa	25.11.2014 to 31.03.2015	6	6
श्री प्रेम कुमार मक्कड़	Shri Prem Kumar Makkar	19.09.2014 to 31.03.2015	9	9
डॉ. आर नारायणस्वामी	Dr. R Narayanaswamy	24.12.2014 to 31.03.2015	4	4
श्री भरतकुमार डी. डांगर	Shri Bharatkumar D. Dangar	24.12.2014 to 31.03.2015	4	4

2.4. आचार संहिता :

निदेशक मण्डल तथा वरिष्ठ प्रबन्धन कार्मिक अर्थात कोर प्रबन्धन टीम, जिसमें सभी महाप्रबन्धक तथा विभाग प्रमुख शामिल हैं, के लिए स्टॉक एक्सचेंजों के साथ सूचीबद्धता करार के खण्ड 49 की अनुपालना में, आचार संहिता निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित कर दी गई है. उक्त आचार संहिता बैंक की बेबसाईट

2.4 Code of Conduct:

The Code of Conduct for Board of Directors and Senior Management Personnel i.e. Core Management Team comprising all General Managers and Departmental Heads, has been approved by the Board of Directors in compliance of Clause 49 of the Listing Agreement with

www.bankofbaroda.com पर भी देखी जा सकती है. निदेशक मण्डल के सभी सदस्यों तथा वरिष्ठ प्रबन्धन कार्मिकों ने आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि कर दी है.

3. वार्षिक सामान्य बैठक

बैंक के शेयर धारकों की वार्षिक सामान्य बैठक वड़ोदरा में गुरूवार, 25 जून, 2014 को हुई थी, जिसमें निम्नलिखित निदेशक उपस्थित थे.

Stock Exchanges. The said Code of Conduct is posted on Bank's website www.bankofbaroda.co.in. All the Board Members and Senior Management Personnel have since affirmed the compliance of the Code.

3. ANNUAL GENERAL MEETING

The Annual General Meeting of the shareholders of the Bank was held on Thursday, 25th June, 2014 at Vadodara, where the following Directors were present.

1.	श्री एस. एस. मूंदड़ा	Shri S. S. Mundra	अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक	Chairman and Managing Director
2.	श्री पि.श्रीनिवास	Shri P. Srinivas	कार्यपालक निदेशक	Executive Director
3.	श्री रंजन धवन	Shri Ranjan Dhawan	कार्यपालक निदेशक	Executive Director
4.	श्री बी. बी. जोशी	Shri B.B.Joshi	कार्यपालक निदेशक	Executive Director
5.	श्रीमती सुरेखा मरांडी	Smt. Surekha Marandi	निदेशक (भा.रि.बै. की प्रतिनिधि)	Director (Representing RBI)
6.	श्री राजीब सेखर साहू	Shri Rajib Sekhar Sahoo	निदेशक (शेयरधारक प्रतिनिधि) एवं अध्यक्ष लेखा परीक्षण समिति	Director Representing Shareholder & Chairman Audit Committee
7.	श्री विनिल कुमार सक्सेना	Shri Vinil Kumar Saxena	निदेशक (वर्कमैन प्रतिनिधि)	Director (Representing Workmen)
8.	श्री मौलिन अरविन्द वैष्णव	Shri Maulin Arvind Vaishnav	निदेशक (शेयरधारक प्रतिनिधि)	Director (Representing Shareholder).
9.	श्री सुरेन्द्र एस. भण्डारी	Shri Surendra S. Bhandari	निदेशक (शेयरधारक प्रतिनिधि)	Director (Representing Shareholder).

4. निदेशकों/कार्यपालकों की समिति/उपसमिति

बैंक के निदेशक मण्डल ने कार्पोरेट गवर्नेंस तथा जोखिम प्रबन्धन प्रणाली पर भारतीय रिजर्व बैंक / सेबी / भारत सरकार के दिशानिर्देशानुसार निम्नानुसार कार्यनीति के महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों पर निगरानी रखने हेतु निदेशकों और/या कार्यपालकों की विभिन्न समितियों का गठन किया है. निदेशक मण्डल द्वारा गठित महत्त्वपूर्ण समितियां निम्नानुसार हैं:

- निदेशक मण्डल की प्रबन्धन समिति (एमसीबी)
- निदेशक मण्डल की ऋण अनुमोदन समिति (सीएसीबी)
- बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति (एसीबी)
- हितधारक संबंधपरक समिति
- शेयर/ बांड अंतरण समिति
- बोर्ड की आस्ति देयता प्रबन्धन तथा जोखिम प्रबन्धन उपसमिति
- ग्राहक सेवा समिति
- पारिश्रमिक समिति
- नामांकन समिति
- निदेशकों की समिति
- बड़ी राशि की धोखाधड़ी सम्बन्धी समिति
- निदेशक मण्डल की सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति सम्बन्धी समिति
- निदेशक मण्डल की मानव संसाधन सम्बन्धी संचालन समिति
- वसूली निगरानी समिति
- बैंक एवं वित्तीय संस्थाओं में शेयरधारक निदेशकों के चुनाव के लिए उम्मीदवारों को समर्थन देने संबंधी समिति

4.1 निदेशक मंडल की प्रबंधन समिति (एमसीबी)

बोर्ड की प्रबन्धन समिति का गठन वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किए गए संशोधनों के साथ पठित राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्धन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970 (यथा संशोधित) के खण्ड 13 के अनुसरण में किया गया है जो अत्यधिक महत्त्वपूर्ण कारोबारी मामले तथा अधिक राशि के ऋण प्रस्ताव मंजूर करने, समझौता/बट्टा खाता प्रस्ताव,

4. COMMITTEE / SUB-COMMITTEE OF DIRECTORS / EXECUTIVES

The Board of Directors of the Bank has constituted various Committees of Directors and / or Executives to look into different areas of strategic importance in terms of Reserve Bank of India / SEBI / Government of India guidelines on Corporate Governance and Risk Management. The important Committees are as under:

- Management Committee of the Board (MCB)
- Credit Approval Committee of the Board (CACB)
- Audit Committee of the Board (ACB)
- Stakeholders Relationship Committee
- Shares/Bonds Transfer Committee
- Sub Committee of the Board on ALM & Risk Management
- Customer Service Committee
- Remuneration Committee
- Nomination Committee
- Committee of Directors
- Committee on High Value Frauds
- IT Strategy Committee of the Board
- Steering Committee of the Board on HR
- Committee for Monitoring of Recovery
- Committee to Support Candidates for Election of Shareholder Directors in Banks & FIs.

4.1 Management Committee of the Board (MCB)

In pursuance of Clause 13 of The Nationalized Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 (as amended) read with the amendments made by the Ministry of Finance, Government of India, a Management Committee of the Board has been constituted to consider various business matters of material significance like sanction of high value credit

पूंजीगत एवं राजस्व व्यय की स्वीकृति, परिसर, निवेश, दान आदि पर विचार करती है.

समिति में प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, कार्यपालक निदेशक (गण) और धारा 9(3) (सी) के तहत भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक तथा बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9(3) की उपधारा (ई) (एफ) (एच) व (आई) के तहत नियुक्त निदेशकों में से तीन निदेशकों का समावेश है.

31 मार्च 2015 को समिति की संरचना इस प्रकार है.

(i) श्री रंजन धवन - कार्यपालक निदेशक (प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार)
(ii) श्री बी. बी. जोशी - कार्यपालक निदेशक
(iii) श्री के. वी. रामा मूर्ती - कार्यपालक निदेशक
(iv) श्रीमती सुरेखा मरांडी - निदेशक (गैर-कार्यपालक)
(v) श्री प्रेम कुमार मक्कड़ - निदेशक (गैर-कार्यपालक)
(vi) डॉ. आर. नारायणस्वामी - निदेशक (गैर-कार्यपालक)
(vii) श्री भरतकुमार डी. डांगर - निदेशक (गैर-कार्यपालक)

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान बोर्ड की प्रबन्धन समिति (एमबीबी) की निम्नांकित तारीखों को -28- बैठकें आयोजित हुईं :

proposals, compromise / write-off proposals, sanction of capital and revenue expenditure, premises, investments, donations etc.

The Committee consists of Managing Director & CEO, Executive Director (s) and Directors nominated by Government of India under Section 9 (3) (c) and three Directors from amongst those appointed under sub section (e) (f) (h) and (i) of section 9(3) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970.

The composition of the Committee as on 31st March, 2015 is as under:

(i) Shri Ranjan Dhawan - Executive Director (with Additional charge as MD&CEO)
(ii) Shri B.B.Joshi - Executive Director
(iii) Shri K. V. Rama Moorthy - Executive Director
(iv) Smt. Surekha Marandi - Director (Non Executive)
(v) Shri Prem Kumar Makkar - Director (Non Executive)
(vi) Dr. R. Narayanaswamy - Director (Non Executive)
(vii) Shri Bharatkumar D. Dangar - Director (Non Executive)

During the Financial Year 2014-15, the Management Committee of the Board (MCB) met on -28 - occasions on the following dates :

02.04.2014	22.04.2014	12.05.2014	27.05.2014	11.06.2014
24.06.2014	08.07.2014	19.07.2014	27.07.2014	20.08.2014
02.09.2014	16.09.2014	27.09.2014	13.10.2014	27.10.2014
06.11.2014	20.11.2014	27.11.2014	09.12.2014	20.12.2014
29.12.2014	10.01.2015	23.01.2015	09.02.2015	23.02.2015
04.03.2015	19.03.2015	26.03.2015		

निदेशकों की उनके कार्यकाल के दौरान समिति की आयोजित उक्त बैठकों में उनकी उपस्थिति सम्बन्धी विवरण निम्न प्रकार हैः

The details of attendance of the Directors at the aforesaid Meetings of the Committee held during their respective tenure are as under:

निदेशक का नाम	Name of the Director	अवधि Period	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें Meetings held during their tenure	बैठकें जिनमें भाग लिया Meetings attended
श्री एस. एस. मूंदड़ा	Shri S. S. Mundra	01.04.2014 to 30.07.2014	9	9
श्री पि. श्रीनिवास	Shri P. Srinivas	01.04.2014 to 30.12.2014	21	19
श्री रंजन धवन	Shri Ranjan Dhawan	01.04.2014 to 31.03.2015	28	26
श्री बी. बी. जोशी	Shri B.B. Joshi	01.04.2014 to 31.03.2015	28	26
श्री के. वी. रामा मूर्ती	Shri K.V. Rama Moorthy	10.03.2015 to 31.03.2015	2	2
श्री सुदर्शन सेन	Shri Sudarshan Sen	01.04.2014 to 10.06.2014	4	4
श्री विनिल कुमार सक्सेना	Shri Vinil Kumar Saxena	01.04.2014 to 31.05.2014	4	4
श्री मौलिन अरविन्द वैष्णव	Shri Maulin Arvind Vaishnav	01.05.2014 to 31.10.2014 & 01.12.2014 to 23.12.2014	15	15
श्री सुरेन्द्र एस.भण्डारी	Shri Surendra S. Bhandari	01.04.2014 to 31.07.2014 & 01.11.2014 to 23.12.2014	14	11
श्री राजीब सेखर साहू	Shri Rajib Sekhar Sahoo	01.04.2014 to 30.04.2014 & 01.06.2014 to 30.11.2014	16	13
श्रीमती सुरेखा मरांडी	Smt. Surekha Marandi	10.06.2014 to 31.03.2015	24	20
श्री प्रेम कुमार मक्कड	Shri Prem Kumar Makkar	01.10.2014 to 31.03.2015	15	15
डॉ. आर. नारायणस्वामी	Dr. R Narayanaswamy	24.12.2014 to 31.03.2015	8	8
श्री भरतकुमार डी. डांगर	Shri Bharatkumar D. Dangar	24.12.2014 to 31.03.2015	8	6

4.2 बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति (सीएसीबी)

भारत सरकार की गजट अधिसूचना क्रमांक 13/1/2006 दिनांक 5 दिसम्बर, 2011 की शर्तों के अनुरूप बैंक ने 27 फरवरी 2012 को बोर्ड की ऋण अनुमोदन समिति (सीएसीबी) का गठन किया है. यह समिति रू. 400 करोड़ तक की राशि के ऋण अनुमोदन के सम्बन्ध में बोर्ड की शक्तियों का प्रयोग करेगी. प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी को प्रदत्त अधिकारों से अधिक राशि के ऋण प्रस्तावों, जिन पर अब तक बोर्ड की प्रबन्धन समिति द्वारा विचार किया जाता है, के सम्बन्ध में अब बोर्ड की ऋण अनुमोदन समिति (सीएसीबी) द्वारा स्वीकृति प्रदान की जाएगी. 31 मार्च 2015 को इस समिति की संरचना इस प्रकार है:

(i)	श्री रंजन धवन	-	कार्यपालक निदेशक (प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार)
(ii)	श्री बी. बी. जोशी	-	कार्यपालक निदेशक
(iii)	श्री के. वी. रामा मूर्ती	-	कार्यपालक निदेशक
(iv)	श्री यू. सी. सिंघवी	-	महाप्रबन्धक (कार्पो.खाते, कराधान एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी)
(v)	श्री एच. एस. शर्मा	-	महाप्रबन्धक (जोखिम प्रबन्धन)
(vi)	महाप्रबन्धक गण	-	ऋण / ट्रेजरी कार्यों से सम्बद्ध

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान बोर्ड की ऋण अनुमोदन समिति (सीएसीबी) की निम्नलिखित तारीखों पर -10- बैठकें हुईः

4.2 Credit Approval Committee of The Board (CACB)

In terms of Government of India Gazette Notification No.13/1/2006 dated 5th December, 2011, the Bank has constituted a Credit Approval Committee of the Board (CACB) on 27th February, 2012. The Committee shall exercise the powers of the Board with regard to credit proposals upto Rs.400.00 crores. The credit proposals which exceed the powers delegated to Managing Director & CEO and which were hitherto considered by the Management Committee of the Board, will now be sanctioned by the CACB. The composition of the Committee as on 31st March, 2015 is as under:

(i)	Shri Ranjan Dhawan	–	Executive Director (with additional charge as MD&CEO)
(ii)	Shri B.B. Joshi	–	Executive Director
(iii)	Shri K.V. Rama Moorthy	–	Executive Director
(iv)	Shri U.C. Singhvi	–	General Manager (Corp. A/cs & Taxation and CFO)
(v)	Shri H.S. Sharma	–	General Manager (Risk Management)
(vi)	General Managers	–	Dealing with respective credit / treasury functions

During the Financial Year 2014-15, the Credit Approval Committee of the Board (CACB) met -10- times on the following dates:

10.04.2014	23.04.2014	10.05.2014	29.05.2014	16.06.2014
05.07.2014	26.07.2014	14.03.2015	27.03.2015	30.03.2015

नोटः समिति की बैठकें 31.07.2014 से 27.02.2015 के बीच नहीं हो सकी, क्योंकि इस दौरान बैंक के बोर्ड में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/ प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी नहीं थे. इसलिए, सीएसीबी की शक्तियों के अंतर्गत आने वाले प्रस्ताव इस अवधि के दौरान स्वीकृति हेतु एमसीबी के समक्ष रखे गए.

निदेशकों की उनके कार्यकाल के दौरान समिति की आयोजित उक्त बैठकों में उनकी उपस्थिति सम्बन्धी विवरण निम्न प्रकार हैः

Note: The meetings of Committee could not be held from 31.07.2014 to 27.02.2015 as there was no Chairman and Managing Director/Managing Director & CEO on the Board of the Bank. Therefore, the proposals falling in the CACB's powers were placed before the MCB during this period for consideration.

The details of attendance of the Directors / Executives at the aforesaid Meetings of the Committee held during their respective tenure are as under:

नाम	Name	निदेशक / कार्यपालक	Director / Executive	बैठकों की संख्या Number of Meetings	बैठकें जिनमें भाग लिया Meetings attended
श्री एस. एस. मूंदड़ा	Shri S.S. Mundra	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	Chairman & Managing Director	7	7
श्री पि. श्रीनिवास	Shri P. Srinivas	कार्यपालक निदेशक	Executive Director	7	7
श्री रंजन धवन	Shri Ranjan Dhawan	कार्यपालक निदेशक (प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार)	Executive Director(with additional charge as MD&CEO)	10	9
श्री बी. बी. जोशी	Shri B.B. Joshi	कार्यपालक निदेशक	Executive Director	10	9
श्री के. वी. रामा मूर्ती	Shri K.V. Rama Moorthy	कार्यपालक निदेशक	Executive Director	3	3
श्री वी. के. गुप्ता	Shri V.K. Gupta	कार्यपालक	Executive	7	2
श्री राजेश महाजन	Shri Rajesh Mahajan	कार्यपालक	Executive	7	6
श्री यू. सी. सिंघवी	Shri U.C. Singhvi	कार्यपालक	Executive	3	3
श्री एच. एस. शर्मा	Shri H.S. Sharma	कार्यपालक	Executive	3	3

4.3 बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति (एसीबी)

बैंक ने कार्पोरेट गवर्नेंस के मूल सिद्धांतों के अनुरूप और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसरण में, बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति गठित की है. जिसमें 6 निदेशक हैं. एक गैर कार्यपालक निदेशक, जोकि सनदी लेखाकार है, समिति के अध्यक्ष हैं.

31 मार्च 2015 को समिति की संरचना इस प्रकार है:

(i)	डॉ. आर. नारायणस्वामी	समिति के अध्यक्ष
(ii)	श्री बी. बी. जोशी	सदस्य
(iii)	श्री के. वी. रामा मूर्ती	सदस्य
(iv)	श्री मोहम्मद मुस्तफा	सदस्य
(v)	श्रीमती सुरेखा मरांडी	सदस्य
(vi)	श्री भरतकुमार डी. डंगर	सदस्य

डॉ. के. पी. कृष्णन और श्री सुदर्शन सेन बोर्ड में निदेशक नहीं रहने के कारण संबंधित तारीखों क्रमशः 25.11.2014 तथा 10.06.2014 से एसीबी के सदस्य नहीं रहे.

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति (एसीबी) की -11- बैठकें निम्नलिखित तारीखों पर आयोजित की गई:

4.3 Audit Committee of the Board (ACB)

The Bank, in consonance with the fundamentals of Corporate Governance and in pursuance of directives of the Reserve Bank of India, has constituted an Audit Committee of the Board comprising of six Directors. A Non-Executive Director, who is a Chartered Accountant, is the Chairman of the Committee.

The composition of the Committee as on 31st March, 2015 is as under :

(i)	Dr. R. Narayanaswamy	-	Chairman of the Committee
(ii)	Shri B.B. Joshi	-	Member
(iii)	Shri K.V. Rama Moorthy	-	Member
(iv)	Shri Mohammad Mustafa	-	Member
(v)	Smt. Surekha Marandi	-	Member
(vi)	Shri Bharatkumar D. Dangar	-	Member

Dr. K.P. Krishnan and Shri Sudarshan Sen ceased to be members of ACB w.e.f. 25.11.2014 and 10.6.2014 respectively on account of their cessation as Directors on the Board from the respective dates.

During the Financial Year 2014-15, the Audit Committee of the Board (ACB) met on -11- occasions on the dates given below :

22.04.2014	09.05.2014	12.05.2014	30.06.2014	19.07.2014	27.07.2014
25.08.2014	06.11.2014	13.12.2014	29.01.2015	19.03.2015	

निदेशकों की उनके कार्यकाल के दौरान समिति की आयोजित उक्त बैठकों में उपस्थिति सम्बन्धी विवरण निम्नानुसार है:

The details of attendance of the Directors at the Meetings of the Committee held during their respective tenure are as under:

निदेशक का नाम	Name of the Director	अवधि Period	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें Meetings held during their tenure	बैठकें जिनमें भाग लिया Meetings attended
श्री पि. श्रीनिवास	Shri P. Srinivas	01.04.2014 to 30.12.2014	9	9
श्री रंजन धवन	Shri Ranjan Dhawan	01.04.2014 to 27.02.2015	10	8
श्री बी. बी. जोशी	Shri B.B. Joshi	01.04.2014 to 31.03.2015	11	8
श्री के. वी. रामा मूर्ती	Shri K.V. Rama Moorthy	10.03.2015 to 31.03.2015	1	1
डॉ. के. पी. कृष्णन	Dr. K.P. Krishnan	01.04.2014 to 24.11.2014	8	4
श्री सुदर्शन सेन	Shri Sudarshan Sen	01.04.2014 to 10.06.2014	3	3
श्री राजीब सेखर साहू	Shri Rajib Sekhar Sahoo	01.04.2014 to 15.11.2014	8	8
श्री मौलिन अरविन्द वैष्णव	Shri Maulin Arvind Vaishnav	16.11.2014 to 23.12.2014	1	1
श्रीमती सुरेखा मरांडी	Smt. Surekha Marandi	10.06.2014 to 31.03.2015	8	6
श्री एस. एस. भण्डारी	Shri S.S. Bhandari	02.04.2014 to 23.12.2014	9	9
श्री मोहम्मद मुस्तफा	Shri Mohammad Mustafa	25.11.2014 to 31.03.2015	3	2
डॉ. आर. नारायणस्वामी	Dr. R. Narayanaswamy	24.12.2014 to 31.03.2015	2	2
श्री भरतकुमार डी. डांगर	Shri Bharatkumar D. Dangar	24.12.2014 to 31.03.2015	2	1

लेखा परीक्षा समिति का अन्य बातों के साथ साथ, प्रमुख कार्य बैंक की वित्तीय सूचना प्रणाली की समीक्षा और आकलन करना है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वित्तीय विवरणियां सही, उपयुक्त और विश्वसनीय हैं. यह समिति बोर्ड को प्रस्तुत करने से पहले तिमाही / वार्षिक वित्तीय विवरणियों की समीक्षा और प्रबन्धन को तत्सम्बन्धी संस्तुति करती है.

यह लेखा परीक्षा समिति दिशा निर्देश देती है तथा बैंक के समग्र लेखा परीक्षा कार्यों की समीक्षा करती है, जिसमें संगठन, आंतरिक लेखा परीक्षा का परिचालन और उसका गुणवत्ता नियंत्रण, आंतरिक नियंत्रण, कमियाँ और बैंक की आंतरिक निरीक्षण व्यवस्था, बैंक की सांविधिक / बाह्य लेखा परीक्षा सम्बन्धी अनुवर्ती कार्यवाही तथा भारतीय रिजर्व बैंक के निरीक्षण शामिल हैं.

समिति आंतरिक नियंत्रण प्रणाली, आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग की संरचना, इसकी स्टाफ संरचना की समीक्षा भी करती है और किसी महत्त्वपूर्ण निष्कर्ष के सम्बन्ध में आंतरिक लेखा परीक्षकों / निरीक्षकों के साथ विचार विमर्श तथा उस पर अनुवर्ती कार्यवाही करती है. यह बैंक की वित्तीय व जोखिम प्रबन्धन नीतियों की समीक्षा भी करती है.

सांविधिक लेखा परीक्षा के सन्दर्भ में लेखा परीक्षा समिति, वार्षिक / तिमाही वित्तीय खातों एवं रिपोर्टों को अंतिम रूप देने से पूर्व केन्द्रीय सांविधिक लेखा परीक्षकों के साथ विचार विमर्श करती है. यह समिति लांग फॉर्म ऑडिट रिपोर्ट (एलएफएआर) की विभिन्न मदों पर अनुवर्ती कार्यवाही भी करती है.

4.4 हितधारक संबंध समिति

बैंक द्वारा शेयरधारकों तथा निवेशकों की शिकायतों, यदि कोई हों, के निवारण हेतु हितधारक संबंधपरक समिति (पहले शेयरधारकों/ निवेशकों की शिकायत निवारण समिति के रूप में जानी जाती थी - सूचीयन करार की संशोधित उपखंड 49 (VII) (ई) (4) के अनुपालन में जिसका नाम बदला गया) का गठन किया गया है.

इस समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं:

(i) कार्यपालक निदेशक (गण) एवं

(ii) दो अन्य गैर कार्यपालक निदेशक इसके सदस्य तथा एक गैर कार्यपालक निदेशक इसके अध्यक्ष हैं.

31 मार्च, 2015 को समिति की संरचना इस प्रकार है:

(i)	श्री भरतकुमार डी. डांगर	समिति के अध्यक्ष
(ii)	श्री बी. बी. जोशी	सदस्य
(iii)	श्री के. वी. रामा मूर्ती	सदस्य
(iv)	श्री प्रेम कुमार मक्कड़	सदस्य

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान समिति की निम्नलिखित तारीखों पर -04- बैठकें आयोजित की गईं:

The main functions of Audit Committee, inter-alia, include assessing and reviewing the financial reporting system of the Bank to ensure that the financial statements are correct, sufficient and credible. It reviews and recommends to the Management the quarterly / annual financial statements before their submission to the Board for approval.

The Audit Committee provides directions and oversees the operations of total audit functions of the Bank including the organization, operation and quality control of internal audit, internal control weaknesses and inspection within the Bank and follow-up of the suggestions of Statutory/External Auditors of the Bank and RBI inspections.

The Committee also reviews the adequacy of internal control systems, structure of internal audit department, its staffing pattern and hold discussions with the internal auditors / inspectors on any significant finding and follow-up action thereon. It further reviews the financial and risk management policies of the Bank.

As for Statutory Audit, the Audit Committee interacts with the Statutory Central Auditors before finalization of Quarterly / Year to date / Annual Financial Results and Reports. It also maintains follow up on various issues raised in the Long Form Audit Report (LFAR).

4.4 Stakeholders/Relationship Committee

The Stakeholders Relationship Committee (Formerly known as Shareholders' / Investors' Grievances Committee – renamed in compliance of revised clause 49 (VIII)(E)(4) of the Listing Agreement) has been constituted by the Bank to redress shareholders and investors complaints, if any .

The Committee includes following members :

(i) Executive Director (s) and

(ii) Two Non-Executive Directors as its members with a Non-Executive Director as its Chairman.

The composition of the Committee as on 31st March, 2015 is as under :

(i)	Shri Bharatkumar D. Dangar	Chairman of the Committee
(ii)	Shri B.B. Joshi	Member
(iii)	Shri K.V. Rama Moorthy	Member
(iv)	Shri Prem Kumar Makkar	Member

The Committee met – 4 - times during the Financial Year 2014-15 on the following dates.

30.06.2014	25.08.2014	20.12.2014	23.03.2015

निदेशकों की उनके कार्यकाल के दौरान समिति की आयोजित उक्त बैठकों में उपस्थिति सम्बन्धी विवरण निम्नानुसार है:

The details of attendance of the Directors at the aforesaid Meetings of the Committee held during their respective tenure are as under:

निदेशक का नाम	Name of the Director	अवधि Period	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें Meetings held during their tenure	बैठकें जिनमें भाग लिया Meetings attended
श्री सुरेन्द्र सिंह भण्डारी	Shri Surendra Singh Bhandari	01.04.2014 to 23.12.2014	3	3
श्री पि. श्रीनिवास	Shri P. Srinivas	01.04.2014 to 30.12.2014	3	3
श्री रंजन धवन	Shri Ranjan Dhawan	01.04.2014 to 31.03.2015	3	3
श्री बी. बी. जोशी	Shri B.B.Joshi	01.04.2014 to 31.03.2015	4	3
श्री राजीब सेखर साहू	Shri Rajib Sekhar Sahoo	01.04.2014 to 23.12.2014	3	2
श्री के. वी. रामा मूर्ती	Shri K.V. Rama Moorthy	10.03.2015 to 31.03.2015	1	-
श्री भरतकुमार डी. डांगर	Shri Bharatkumar D. Dangar	24.12.2014 to 31.03.2015	1	1
श्री प्रेम कुमार मक्कड	Shri Prem Kumar Makkar	24.12.2014 to 31.03.2015	1	1

समिति इस आशय की मॉनिटरिंग करती है कि अंतरण, उपविभाजन, समेकन, नवीकरण, विनिमय अथवा मांग/आवंटन राशि के परांकन की प्रस्तुति तारीख से -15- दिनों के भीतर सभी शेयर प्रमाणपत्र जारी कर दिए जाएं. समिति निवेशकों की शिकायतों के निवारण के लिए समयबद्ध रूप से निगरानी भी करती है.

वर्ष के दौरान प्राप्त एवं निवारण की गई शिकायतों / निवेदनों की संख्या का सारांश नीचे दिया गया है:

The Committee monitors the issuance of share certificates within a period of -15- days of the date of lodgment for transfer, sub-division, consolidation, renewal, exchange or endorsement of calls / allotment money. The Committee further monitors the redressal of investors' complaints in a time bound manner.

The summary of number of requests/complaints received and resolved during the year are as under:

01.04.2014 को बकाया Pending as on 01.04.2014	वर्ष के दौरान प्राप्त Received during the year	वर्ष के दौरान निवारण Resolved during the year	31.03.2015 को बकाया Pending as on 31.03.2015
10	17,342	17,340	12

वर्ष के दौरान बकाया सभी आवेदन डुप्लीकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी करने से सम्बन्धित अनुरोध पत्र थे तथा इसके संबंध में आवश्यक औपचारिकताएं प्रक्रिया अधीन हैं.

श्री एम. एल. जैन, उप महाप्रबन्धक एवं कम्पनी सचिव को स्टॉक एक्सचेंजों के साथ सूचीकरण अनुबंध के खण्ड 47 (ए) के तहत बैंक के अनुपालन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है.

All the pending cases as at the end of the year were pertaining to the request for issue of duplicate share certificates, in respect of which the necessary formalities were in process.

Shri M. L. Jain, Deputy General Manager - Company Secretary & Compliance has been designated as the "Compliance Officer" of the Bank under Clause 47 (a) of the Listing Agreement with Stock Exchanges.

4.5 शेयर /बांड अंतरण समिति

हितधारकों की संबंध समिति के अतिरिक्त, बैंक ने कार्यपालकों की एक शेयर/बांड अंतरण समिति गठित की है. प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, कार्यपालक निदेशक गण, -2- महाप्रबन्धक तथा उप महाप्रबन्धक / सहायक महाप्रबन्धक (विधि) इसके सदस्य हैं. 15 दिन में समिति की कम से कम एक बैठक आयोजित होती है जिसका प्रयोजन शेयरों/ बांडों के अंतरण की प्रक्रिया को तेज करना होता है. वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान समिति की -54- बैठकें हुई जिनका विवरण निम्नानुसार है:

4.5 Share/Bond Transfer Committee

Besides the Stakeholders' Relationship Committee, the Bank has constituted a Shares/Bonds Transfer Committee comprising of Managing Director & Chief Executive Officer, Executive Directors, two General Managers and Deputy/ Assistant General Manager (Legal) as members. The Committee meets at least once in 15 days to effect transfer of Shares / Bonds. The Committee met on fifty four times during the Financial Year 2014-15, on the following dates:

04.04.2014	11.04.2014	19.04.2014	26.04.2014	02.05.2014	09.05.2014
16.05.2014	24.05.2014	30.05.2014	04.06.2014	06.06.2014	13.06.2014
18.06.2014	27.06.2014	04.07.2014	11.07.2014	18.07.2014	25.07.2014
01.08.2014	11.08.2014	16.08.2014	22.08.2014	30.08.2014	06.09.2014
13.09.2014	18.09.2014	26.09.2014	04.10.2014	13.10.2014	18.10.2014
20.10.2014	25.10.2014	01.11.2014	08.11.2014	15.11.2014	24.11.2014
29.11.2014	05.12.2014	06.12.2014	15.12.2014	19.12.2014	27.12.2014
06.01.2015	14.01.2015	21.01.2015	23.01.2015	29.01.2015	12.02.2015
20.02.2015	28.02.2015	11.03.2015	19.03.2015	24.03.2015	31.03.2015

4.6 आस्ति देयता प्रबन्धन एवं जोखिम प्रबन्धन पर निदेशक मण्डल की उपसमिति

बैंक ने एक निदेशक मंडल स्तरीय जोखिम प्रबन्धन समिति का गठन किया है जो आस्ति देयता प्रबन्धन एवं जोखिम प्रबन्धन पर निदेशक मंडल की उपसमिति के रूप में जानी जाती है तथा बैंक द्वारा पूर्वानुमानित सम्पूर्ण जोखिम की समीक्षा एवं मूल्यांकन करती है.

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी समिति की अध्यक्षता करते हैं तथा 31 मार्च 2015 को समिति की संरचना इस प्रकार है

4.6 Sub Committee of the Board on ALM & Risk Management:

The Bank has constituted a Board level Risk Management Committee known as 'Sub Committee of the Board on ALM and Risk Management' to review and evaluate the overall risks assumed by the Bank.

The Committee is headed by Managing Director & CEO and its composition as on 31st March, 2015 is as under :

(i)	श्री रंजन धवन	अध्यक्ष
(ii)	श्री बी. बी. जोशी	सदस्य
(iii)	श्री के. वी. रामा मूर्ती	सदस्य
(iv)	श्री भरतकुमार डी. डांगर	सदस्य

वित्तीय वर्ष के दौरान समिति की निम्नलिखित तारीखों पर -02- बैठकें आयोजित की गईं:

(i)	Shri Ranjan Dhawan	Chairman
(ii)	Shri B.B. Joshi	Member
(iii)	Shri K.V. Rama Moorthy	Member
(iv)	Shri Bharatkumar D. Dangar	Member

The Committee met 2 times during the Financial Year on the following dates:

08.07.2014	27.09.2014

निदेशकों की उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित समिति की उक्त बैठकों में उपस्थिति सम्बन्धी विवरण निम्नानुसार है:

The details of attendance of the Directors at the Meetings of the Committee held during their respective tenure are as under:

निदेशक का नाम	Name of the Director	अवधि Period	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें Meetings held during their tenure	बैठकें जिनमें भाग लिया Meetings attended
श्री एस.एस.मूंदड़ा	Shri S. S. Mundra	01.04.2014 to 30.07.2014	1	1
श्री पि. श्रीनिवास	Shri P. Srinivas	01.04.2014 to 30.12.2014	2	2
श्री रंजन धवन	Shri Ranjan Dhawan	01.04.2014 to 31.03.2015	2	2
श्री बी. बी. जोशी	Shri B.B. Joshi	01.04.2014 to 31.03.2015	2	2
श्री सुरेन्द्र एस. भण्डारी	Shri Surendra S. Bhandari	01.04.2014 to 23.12.2014	2	2
श्री के. वी. रामा मूर्ती	Shri K.V. Rama Moorthy	10.03.2015 to 31.03.2015	--	--
श्री भरतकुमार डी. डांगर	Shri Bharatkumar D. Dangar	24.12.2014 to 31.03.2015	--	--

बैंक ने विभिन्न जोखिमों यथा क्रेडिट जोखिम, बाजार जोखिम तथा परिचालनगत जोखिम का पता लगाने, प्रबन्धन, अनुप्रवर्तन तथा नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए बैंक में समुचित जोखिम प्रबन्धन ढ़ाँचा तैयार किया है जिसमें जोखिम संरचनात्मक ढ़ाँचा, जोखिम सिद्धांत, जोखिम प्रक्रिया, जोखिम नियंत्रण तथा जोखिम लेखा परीक्षा शामिल है. इसका मुख्य उद्देश्य बैंक के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय परिचालनों को निरंतर बेहतर एवं कार्यकुशल बनाना है और बैंक की सुरक्षा पर ध्यान देना है.

4.7 ग्राहक सेवा समितियां

(क) निदेशक मंडल की ग्राहक सेवा समिति

बैंक ने निदेशक मंडल की एक उपसमिति का गठन किया है जो 'ग्राहक सेवा समिति' के नाम से जानी जाती है. 31 मार्च 2015 को समिति के निम्नलिखित सदस्य है:

(i)	श्री रंजन धवन	कार्यपालक निदेशक (प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार)
(ii)	श्री बी. बी. जोशी	कार्यपालक निदेशक
(iii)	श्री के. वी. रामा मूर्ती	कार्यपालक निदेशक
(iv)	श्री प्रेम कुमार मक्कड़	निदेशक
(v)	श्री भरतकुमार डी. डांगर	निदेशक

समिति के कार्यों में ग्राहक सेवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए सुझाव तथा नवोन्मेषी उपायों के लिए प्लेटफॉर्म का सृजन करना तथा सभी संवर्ग के ग्राहकों के लिए संतुष्टि के स्तर में सुधार करना शामिल है, जिसमें अन्य बातों के साथ साथ निम्नलिखित का समावेश है:

The Bank has set up an appropriate risk management architecture, comprising Risk Management Organizational Structure, Risk Principles, Risk Processes, Risk Control and Risk Audit, all with a view to ideally identify, manage, monitor and control various categories of risks, viz. Credit Risk, Market Risk and Operational Risk, etc. The underlying objective is to ensure continued stability and efficiency in the operations of the Bank, nationally and internationally and to look after the safety of the Bank.

4.7 Customer Service Committees

(a) Customer Service Committee of the Board

The Bank has constituted a sub-committee of Board known as 'Customer Service Committee'. The Committee has the following members as on 31st March, 2015:

(i)	Shri Ranjan Dhawan	Executive Director (with Additional charge as MD&CEO)
(ii)	Shri B.B. Joshi	Executive Director
(iii)	Shri K.V. Rama Moorthy	Executive Director
(iv)	Shri Prem Kumar Makkar	Director
(v)	Shri Bharatkumar D. Dangar	Director

The functions of the Committee include creating a platform for making suggestions and innovative measures for enhancing the quality of customer services and improving the level of satisfaction for all categories of clientele at all times, which inter-alia comprises the following:

(i) सार्वजनिक सेवाओं की प्रक्रिया एवं कार्यनिष्पादन लेखा परीक्षा सम्बन्धी स्थायी समिति के कार्यों की देखरेख करना तथा ग्राहक सेवाओं की स्थायी समिति की सिफारिशों के अनुपालन को सुनिश्चित करना.

(ii) अधिनिर्णय की तारीख से तीन महीने से अधिक बीत जाने पर भी लागू न किए गए बकाया अधिनिर्णयों तथा बैंकिंग लोकपाल द्वारा बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने में पाई गई कमियों की स्थिति की समीक्षा करना.

(iii) मृत जमाकर्ताओं / लॉकर किराएदारों / सुरक्षित अभिरक्षा में रखी गई वस्तुओं के जमाकर्ताओं से सम्बन्धित निपटान हेतु 15 दिनों की अवधि से अधिक बकाया दावों की संख्या की स्थिति सम्बन्धी समीक्षा करना.

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान समिति की निम्नलिखित तारीखों पर -04- बैठकें आयोजित की गईः

i. Oversee the functioning of the Standing Committee on Procedure and Performance Audit on Public Services and also compliance with the recommendation of the Standing Committee on Customer Services.

ii. Review the status of the Awards remaining unimplemented for more than 3 months from the date of Awards and also deficiencies in providing Banking services as observed by the Banking Ombudsman.

iii. Review the status of the number of deceased claims remaining pending / outstanding for settlement beyond 15 days pertaining to deceased depositors / locker hirers / depositor of safe custody articles.

During the Financial Year 2014-15, the Committee met -4- times on the following dates :

30.06.2014	20.08.2014	09.12.2014	23.03.2015

निदेशकों की उपस्थिति सम्बन्धी विवरण निम्नानुसार हैः

The details of attendance of the Directors are as under:

निदेशक का नाम	Name of the Director	अवधि Period	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें Meetings held during their tenure	बैठकें जिनमें भाग लिया Meetings attended
श्री एस.एस.मूंदड़ा	Shri S.S. Mundra	01.04.2014 to 30.07.2014	1	1
श्री पि. श्रीनिवास	Shri P.Srinivas	01.04.2014 to 30.12.2014	3	3
श्री रंजन धवन	Shri Ranjan Dhawan	01.04.2014 to 31.03.2015	4	3
श्री बी. बी. जोशी	Shri B.B. Joshi	01.04.2014 to 31.03.2015	4	4
श्री मौलिन अरविंद वैष्णव	Shri Maulin Arvind Vaishnav	01.04.2014 to 23.12.2014	3	3
श्री के. वी. रामा मूर्ती	Shri K.V. Rama Moorthy	10.03.2015 to 31.03.2015	1	-
श्री प्रेम कुमार मक्कड़	Shri Prem Kumar Makkar	24.12.2014 to 31.03.2015	1	1
श्री भरतकुमार डी. डांगर	Shri Bharatkumar D. Dangar	24.12.2014 to 31.03.2015	1	1

(ख) ग्राहक सेवा संबंधी स्थायी समिति

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक के निदेशकों की गठित उपसमिति के अतिरिक्त बैंक ने ग्राहक सेवाओं पर प्रक्रियाओं तथा कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षा पर एक स्थायी समिति का भी गठन किया है, जिसमें बैंक के सभी कार्यपालक निदेशक, -4- महाप्रबन्धक तथा -3- अन्य प्रतिष्ठित सार्वजनिक व्यक्ति सदस्य के रूप में शामिल हैं.

इस समिति का गठन विशेष रूप से जन समान्य को उपलब्ध बैंकिंग सुविधाओं पर ध्यान केन्द्रित करने तथा (i) सेवा के मौजूदा स्तर के बैंचमार्क (ii) आवधिक प्रगति की समीक्षा (iii) समयबद्धता एवं गुणवत्ता को बढ़ाने (iv) प्रौद्योगिकी उन्नयन के मद्देनजर प्रक्रिया को युक्तिसंगत बनाने (v) क्रमिक आधार पर परिवर्तन को सुचारू बनाने के लिए समुचित सुझाव देने हेतु किया गया है.

4.8 पारिश्रमिक समिति

भारत सरकार ने अपनी अधिसूचना सं. एफ नं. 20/1/2005-बीओ.आई दिनांक 9 मार्च, 2007 के द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पूर्णकालिक

(b) Standing Committee on Customer Service

Besides, the Sub-Committee of the Board as aforesaid, the Bank has also set up a Standing Committee on Procedures and Performance Audit on Customer Services having three other eminent public personalities as members along with all the Executive Directors and four General Managers of the Bank, as per the guidelines of Reserve Bank of India.

This Committee has been set up to focus on the banking services available to the public at large and focusing on the need to (i) benchmark the current level of service, (ii) review the progress periodically, (iii) enhance the timelines and quality, (iv) rationalize the processes taking into account technological developments, and (v) suggest appropriate initiatives to facilitate change on an ongoing basis.

4.8 Remuneration Committee

Government of India announced Performance Linked Incentives for Whole Time Directors of Public Sector Banks vide Notification No.F No.20/1/2005-BO.I dated 9th March,

निदेशकों के लिए कार्यनिष्पादन आधारित प्रोत्साहन की घोषणा की. यह प्रोत्साहन विगत वित्तीय वर्ष के दौरान विभिन्न अनुपालन रिपोर्टों पर आधारित लक्ष्यों एवं बैंचमार्क के अनुरूप कार्यनिष्पादन मूल्यांकन, जिसमें गुणवत्ता व मात्रा दोनों का समावेश है, पर आधारित है. उक्त दिशानिर्देशों के अनुपालन में वर्ष के दौरान कार्यनिष्पादन के मूल्यांकन तथा देय / अवार्ड की जाने वाली प्रोत्साहन राशि हेतु निदेशक मंडल की पारिश्रमिक समिति का गठन किया गया.

31 मार्च, 2015 को समिति की संरचना इस प्रकार है:

(i) श्री मोहम्मद मुस्तफा — समिति के अध्यक्ष

(ii) श्रीमती सुरेखा मरांड़ी — सदस्य

(समिति पुनर्गठन के अधीन है)

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान 10.06.2014 को समिति की एक बार बैठक हुई, जिसमें सभी सदस्य उपस्थित थे. अधिसूचना की शर्तों के अनुरूप समिति ने नीचे दिए गए विवरण के अनुसार निम्नलिखित पूर्णकालिक निदेशकों को प्रोत्साहन राशि क़ा भुगतान करने का निर्णय लिया.

2007. The incentive is based on certain qualitative as well as quantitative parameters fixed for Performance Evaluation Matrix on the basis of the Statement of Intent (SOI) on goals and benchmarks based on various compliance reports during the previous financial year. In compliance of the said directives, a Remuneration Committee of the Board was constituted for evaluation of the performance and incentive amount to be awarded/ paid during the year.

The composition of the Committee as on 31st March, 2015 is as under:

(i) Shri Mohammad Mustafa - Chairman of the Committee

(ii) Smt Surekha Marandi - Member

(The Committee is under reconstitution)

During the Financial Year 2014-15, the Committee met once on 10.06.2014, wherein all the members were present. In terms of the aforesaid notification, the Committee decided to pay incentives to the following Whole-time Directors as per details given below:

क्र. सं Sr. No	नाम / Name	पद / Designation	वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए कार्यनिष्पादन आधारित प्रोत्साहन (₹) Performance Linked Incentives For The Financial Year 2013-14 (₹)
1	श्री एस. एस. मूंदड़ा Shri S. S. Mundra	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक Chairman and Managing Director	7,00,000/-
2	श्री पि. श्रीनिवास Shri P. Srinivas	कार्यपालक निदेशक Executive Director	5,50,000/-
3	श्री सुधीर कुमार जैन Shri Sudhir Kumar Jain	कार्यपालक निदेशक Executive Director	1,49,178/-
4	श्री रंजन धवन Shri Ranjan Dhawan	कार्यपालक निदेशक Executive Director	5,50,000/-
5	श्री बी. बी. जोशी Shri B.B. Joshi	कार्यपालक निदेशक Executive Director	3,60,137/-

4.9 नामांकन समिति

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970/80 की धारा 9(3)(आई) के प्रावधानों के अंतर्गत राष्ट्रीयकृत बैंकों के निदेशक मंडल में चयन हेतु यथोचित 'फिट एण्ड प्रॉपर' मानदंड निर्धारित किए हैं. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप नामांकन समिति गठित करना अपेक्षित है, जिसमें निदेशक मंडल में से कम से कम तीन निदेशक (सभी स्वतंत्र / गैर कार्यपालक निदेशक) शामिल हों. उक्त दिशानिर्देशों की अनुपालना स्वरूप एक नामांकन समिति का गठन किया गया है.

31 मार्च, 2015 को समिति की संरचना इस प्रकार है:

(i) श्री मोहम्मद मुस्तफा — समिति के अध्यक्ष

(ii) श्रीमती सुरेखा मरांडी — सदस्य

(ii) श्री प्रेम कुमार मक्कड़ — सदस्य

4.9 Nomination Committee

Reserve Bank of India has laid down 'Fit and Proper' criteria to be fulfilled by persons to be elected as directors on the Boards of the Nationalized Banks under the provisions of Section 9(3)(i) of Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/80. In terms of the guidelines issued by Reserve Bank of India, a Nomination Committee is required to be constituted consisting of a minimum of three directors (all independent/ non executive directors) from amongst the Board of Directors. In compliance of the said directives, a "Nomination Committee" has been constituted.

The composition of the Committee as on 31st March, 2015 is as under:

(i) Shri Mohammad Mustafa - Chairman of the Committee

(ii) Smt. Surekha Marandi - Member

(iii) Shri Prem Kumar Makkar - Member

डॉ. के. पी. कृष्णन बोर्ड में निदेशक नहीं रहने के कारण 24.11.2014 से समिति के सदस्य नही रहे. श्री विनिल कुमार सक्सेना निदेशक मंडल में अपना कार्यकाल पूरा करने पर समिति के सदस्य नहीं रहे.

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान 18.04.2014 तथा 10.12.2014 को समिति की दो बैठकें हुई, बैठक के दौरान सभी सदस्य उपस्थित थे. समिति ने 10.12.2014 को आयोजित बैठक में शेयरधारक निदेशक के रूप में निर्वाचित किए जाने वाले नये उम्मीदवारों के 'फिट एण्ड प्रॉपर' स्टेटस की संवीक्षा की क्योंकि तत्कालीन शेयर धारक निदेशक श्री मौलिन अरविंद वैष्णव, श्री एस. एस. भंडारी तथा श्री राजीब सेखर साहू का कार्यकाल 23.12.2014 को समाप्त हो रहा था. समिति ने दोनों उम्मीदवारों अर्थात् डॉ. आर, नारायणस्वामी तथा श्री भरतकुमार डी. डांगर को 'फिट एण्ड प्रॉपर' पाया.

4.10 निदेशकों की समिति

वरिष्ठ स्तर के पदोन्नति सम्बन्धी कार्यों के उद्देश्य से प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक निदेशक तथा भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के नामित निदेशकों की एक समिति का गठन किया गया है. यह समिति सतर्कता सम्बन्धी अनुशासनिक मामलों और विभागीय जांचों की समीक्षा का कार्य भी करती है.

31 मार्च, 2015 तक समिति की संरचना इस प्रकार हैः

(i) श्री रंजन धवन

(ii) श्री मोहम्मद मुस्तफा

(iii) श्रीमती सुरेखा मरांडी

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान समिति की निम्नलिखित तारीखों पर -03- बैठकें आयोजित की गईंः

Dr. K.P. Krishnan ceased to be a member of this committee w.e.f. 24.11.2014 as he ceased to be a Director on the Board. Shri Vinil Kumar Saxena ceased to be a member of this committee on completion of his term on the Board of Directors.

During the Financial Year 2014-15, the Committee met twice on 18.4.2014 & 10.12.2014, during both the meeting all the members were present. The Committee at its meeting held on 10.12.2014 ascertained the 'Fit and Proper' status of new candidates to be elected as shareholder directors as the term of the then shareholder directors Shri Maulin Arvind Vaishnav, Shri S.S. Bhandari and Shri Rajib Sekhar Sahoo ended on 23.12.2014. The Committee accorded "Fit & Proper" status to two candidates viz. Dr. R. Narayanaswamy and Shri Bharatkumar D. Dangar.

4.10 Committee of Directors

A Committee of Directors consisting of Managing Director & CEO and the nominee Directors of Government of India and Reserve Bank of India has been formed for dealing with the promotions at senior level. This Committee also deals with review of vigilance / non-vigilance disciplinary cases and departmental enquiries.

The composition of the Committee as on 31st March, 2015 is as under:

(i) Shri Ranjan Dhawan

(ii) Shri Mohammad Mustafa

(iii) Smt. Surekha Marandi

The Committee met -3- times during the Financial Year 2014-15 on the following dates :

18.4.2014 & 19.4.2014	25.06.2014	26.03.2015

निदेशकों की उपस्थिति का विवरण निम्नानुसार हैः

The details of attendance of directors are as under:

निदेशक का नाम	Name of the Director	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या Meetings held during their tenure	बैठकों की संख्या जिनमें भाग लिया Meetings Attended
श्री एस. एस. मूंदड़ा	Shri S.S. Mundra	2	2
श्री सुदर्शन सेन	Shri Sudarshan Sen	1	1
डॉ. के. पी. कृष्णन	Dr. K.P. Krishnan	2	1
श्री रंजन धवन	Shri Ranjan Dhawan	2*	2*
श्री मोहम्मद मुस्तफा	Shri Mohammad Mustafa	1	-
श्रीमती सुरेखा मरांडी	Smt. Surekha Marandi	2	2
श्री बी. बी. जोशी	Shri B.B. Joshi	1**	-

* एक बैठक प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में तथा एक बैठक कार्यपालक निदेशक के रूप में

** एक बैठक में आमंत्रित

श्री. एस. एस. मूंदडा, श्री. सुदर्शन सेन तथा डॉ. के. पी. कृष्णन बोर्ड में निदेशक नहीं रहने के कारण वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान से सदस्य नहीं रहें.

* One Meeting as Managing Director & CEO and One Meeting as Executive Director

** Invitee in One Meeting

Shri S. S. Mundra, Shri Sudarshan Sen and Dr. K. P. Krishnan ceased to be Members during the FY 2014-15 on account of their cessation as Directors on the Board.

4.11 बड़ी राशि की धोखाधड़ी के बारे में समिति

भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्रांक आरबीआई/2004.15/डीबीएस.एफजीवी(एफ)नं.1004/23.04.01ए/ 2003-04 दिनांक 14 जनवरी, 2004 के निर्देशानुसार हमारे बैंक में रू. 1.00 करोड़ और उससे अधिक की राशि के धोखाधड़ी सम्बन्धी मामलों की मॉनिटरिंग के लिए निदेशक मंडल की विशेष समिति का गठन किया गया है.

समिति के मुख्य कार्यों में अन्य बातों के साथ साथ रू. 1.00 करोड़ और उससे ऊपर की राशि की धोखाधड़ी की निगरानी तथा समीक्षा शामिल है ताकि (क) धोखाधड़ी के आपराधिक कृत्य में प्रणालीगत खामियों का पता लगाने और उन पर नियंत्रण करने के लिए उपाय किए जा सकें (ख) धोखाधड़ी के पता लगाने में विलम्ब के कारणों की पहचान तथा बैंक तथा भारतीय रिजर्व बैंक के उच्च प्रबन्धकों को उसकी रिपोर्टिंग (ग) सीबीआई / पुलिस जांच पड़ताल की प्रगति तथा वसूली की स्थिति (घ) यह सुनिश्चित करना कि धोखाधड़ी के सभी मामलों में सभी स्तरों पर स्टाफ उत्तरदायित्व का परीक्षण हो और स्टाफ पर कार्यवाही, यदि अपेक्षित हो, अविलम्ब हो (च) धोखाधड़ी की पुनरावृति के निवारण के लिए की गई सुधारात्मक कार्यवाही की प्रभावोत्पादकता की समीक्षा यथा आंतरिक नियंत्रण को सशक्त करना और (छ) धोखाधड़ी के खिलाफ निवारक उपायों को सशक्त करने के लिए यथावश्यक अन्य उपाय करना.

निदेशक मंडल के -5- सदस्यों की गठित विशेष समिति में (क) प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (ख) एसीबी के दो सदस्य (ग) भारतीय रिजर्व बैंक के नामित के अलावा निदेशक मंडल के दो अन्य सदस्यों का समावेश है.

31 मार्च 2015 को समिति की संरचना निम्नानुसार है:

(i) श्री रंजन धवन
(ii) श्री मोहम्मद मुस्तफा
(iii) डॉ. आर. नारायणस्वामी
(iv) श्री प्रेम कुमार मक्कड़
(v) उपरोक्त (ग) के अंतर्गत निदेशक की उपलब्धता नहीं होने के कारण अभी खाली

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान समिति की निम्नलिखित तारीखों पर -02- बैठकें आयोजित की गईं:

4.11 Committee on High Value Frauds

As per RBI circular no.RBI/2004.15/.DBS.FGV(F) No.1004/23.04.01A/2003-04 dated 14th January, 2004 a Special Committee of the Board for monitoring high value frauds of Rs.1.00 crore and above has been formed in our Bank.

The major functions of the Committee, inter-alia, include monitoring and review of all the frauds of Rs.1.00 crore and above so as to: (a) identify the systemic lacunae if any that facilitated perpetration of the fraud and put in place measures to plug the same (b) identify the reasons for delay in detection, if any, reporting to top management of the Bank and RBI (c) monitor progress of CBI/Police investigation and recovery position (d) ensure that staff accountability is examined at all levels in all the cases of frauds and staff side action, if required, is completed quickly without loss of time (e) review the efficacy of the remedial action taken to prevent recurrence of frauds, such as strengthening of internal controls and (f) put in place other measures as may be considered relevant to strengthen preventive measures against frauds.

The Committee consists of -5- members of the Board of Directors: (a)Managing Director & CEO (b) Two members from ACB and (c) Two other members from the Board excluding RBI Nominee.

The composition of the Committee as on 31st March, 2015 is as under :

(i) Shri Ranjan Dhawan
(ii) Shri Mohammad Mustafa
(iii) Dr. R. Narayanaswamy
(iv) Shri Prem Kumar Makkar
(v) Since vacant due to non-availability of director under (c) above

The Committee met -2 - times during the Financial Year 2014-15 as per the details below :

11.09.2014	23.03.2015

निदेशकों का उक्त बैठकों में उपस्थिति सम्बन्धी विवरण निम्नानुसार है:

The details of attendance of directors are as under:

निदेशक का नाम	Name of the Director	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या Meetings held during their tenure	बैठकों की संख्या जिनमें भाग लिया Meetings Attended
श्री एस. एस. मूंदड़ा	Shri S.S. Mundra	-	-
श्री पि. श्रीनिवास	Shri P. Srinivas	1	1
श्री बी. बी. जोशी	Shri B.B.Joshi	2	2
श्री मौलिन अरविंद वैष्णव	Shri Maulin Arvind Vaishnav	1	1
श्री सुरेन्द्र एस. भंडारी	Shri Surendra S. Bhandari	1	1
श्री राजीब सेखर साहू	Shri Rajib Sekhar Sahoo	1	1
डॉ. के. पी. कृष्णन	Dr. K.P. Krishnan	1	1
श्री रंजन धवन (27.02.2015 से)	Shri Ranjan Dhawan(w.e.f 27.02.2015)	1	1
श्री मोहम्मद मुस्तफा	Shri Mohammad Mustafa	1	-
डॉ. आर. नारायणस्वामी	Dr. R. Narayanaswamy	1	1
श्री प्रेम कुमार मक्कड	Shri Prem Kumar Makkar	1	1

श्री एस. एस. मूंदड़ा, श्री पी. श्रीनिवास, श्री मौलिन अरविंद वैष्णव, श्री सुरेन्द्र एस. भंडारी, श्री राजीब सेखर साहू और डॉ. के. पी. कृष्णन बोर्ड में निदेशक नहीं रहने के कारण वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान से सदस्य नहीं रहे. श्री रंजन धवन प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में पदोन्नत होनेपर 27.02.2015 से समिति के सदस्य बने है.

4.12 बैंक की सूचना प्रौद्योगिकी नीति

भारतीय रिजर्व बैंक की सूचना सुरक्षा / इलैक्ट्रोनिक बैंकिंग, तकनीकी जोखिम प्रबन्धन तथा साईबर फ्रॉड पर कार्य-दल की सिफारिशों के अनुरूप बैंक ने 27 फरवरी, 2012 को आयोजित बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी नीति समिति का गठन किया गया जिसमें निम्न लिखित सदस्य शामिल हैं:

क्र.सं.	नाम	पदनाम
i.	श्री राजीब एस.साहू	समिति के अध्यक्ष
ii.	श्री पि.श्रीनिवास	कार्यपालक निदेशक
iii.	श्री रंजन धवन	कार्यपालक निदेशक
iv.	श्री बी. बी. जोशी	कार्यपालक निदेशक
v.	श्री मौलिन वैष्णव	निदेशक (गैर कार्यपालक)
vi.	श्री सुरेन्द्र एस. भंडारी	निदेशक (गैर कार्यपालक)
vii.	डॉ. दीपक बी. फाटक	बाह्य सू. प्रौ. विशेषज्ञ
viii.	श्री एस. एस. घाग	महाप्रबंधक (सूप्रौ एवं डीडब्ल्यूएच) बैठक के संयोजक

इस समिति के संख्यात्मक स्वरूप (कोरम) में -3- सदस्य होंगे, जिनमें समिति अध्यक्ष, एक कार्यपालक निदेशक और महाप्रबंधक (सू.प्रौ.) तथा इन सदस्यों में से एक सदस्य सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग, टेक्नोलॉजी, जोखिम प्रबंधन व सायबर धोखाधडी संबंधी भारतीय रिज़र्व बैंक के कार्यदल की सिफारिशों के अनुसार व्यापक आईटी विशेषज्ञता वाला होना चाहिए. यह समिति अन्य बोर्ड समिति तथा वरिष्ठ प्रबन्धन के साथ कार्य करते हुए बैंक की सूचना प्रौद्योगिकी संचालन समिति के कार्यों की समीक्षा करेगी, ताकि कार्पोरेट तथा सूचना प्रौद्योगिकी नीतियों में परस्पर तालमेल, समीक्षा एवं सुधार किया जा सके.

सूचना प्रौद्योगिकी नीति समिति के सदस्य श्री राजीब सेखर साहू, समिति अध्यक्ष, श्री सुरेन्द्र सिंह भंडारी और श्री मौलिन अरविन्द वैष्णव का बैंक के बोर्ड में निदेशक के रूप में कार्यकाल पूरा हो गया, तदनुसार सूचना प्रौद्योगिकी नीति समिति का पुनर्गठन किया गया.

बोर्ड के दिनांक 16.01.2015 के संकल्प द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी नीति समिति पुनर्गठित की गयी और इसमें निम्मलिखित सदस्यों को नामित किया गया. डॉ. दीपक बी. फाटक, बाह्य सू.प्रौ. विशेषज्ञ का 27.02.2015 को कार्यकाल पूरा हो गया, जिसे बोर्ड के संकल्प दिनांक 23.02.2015 द्वारा तीन वर्ष की अवधि के लिए बढ़ाया गया है.

Shri S.S. Mundra, Shri P. Srinivas, Shri Maulin Arvind Vaishnav, Shri Surendra S. Bhandari, Shri Rajib Sekhar Sahoo and Dr. K.P. Krishnan ceased to be members during the FY 2014-15 on account of their cessation as Directors on the Board. Shri Ranjan Dhawan bacame a member of the committee w.e.f. 27.02.2015 on his elevation as Managing Director & CEO

4.12 IT Strategy Committee of the Bank

In accordance with the recommendations of Reserve Bank of India Working Group on Information Security, Electronic Banking, Technology Risk Management & Cyber Frauds, the Bank at its Board meeting held on 27th February, 2012, constituted an IT Strategy Committee, comprising the following members.

Sr.No.	Name	Designation
1	Shri Rajib Sekhar Sahoo	Chairman of the Committee
2	Shri P. Srinivas	Executive Director
3	Shri Ranjan Dhawan	Executive Director
4	Shri B. B. Joshi	Executive Director
5	Shri Maulin Arvind Vaishnav	Director (Non-Executive)
6	Shri. Surendra Singh Bhandari	Director (Non-Executive)
7	Dr. Deepak B. Phatak	External IT Expert
8	Shri S. S. Ghag	General Manager (IT & DWH) – Convenor of the meeting

The quorum of the Committee is three members comprising Chairman of the Committee, one Executive Director and General Manager(IT) and out of three members, one member should have substantial IT expertise as per the recommendation of the RBI (Reserve Bank of India) Working Group on Information Security, Electronic Banking, Technology Risk Management & Cyber Frauds. The Committee shall oversee the functions of IT Steering committee of the Bank, besides working in partnership with other Board Committee and Senior Management to provide input, review and amend the aligned corporate and IT strategies.

Shri Rajib Sekhar Sahoo, Chairman of the Committee, Shri Surendra Singh Bhandari and Shri Maulin A Vaishnav, members of IT Strategy Committee have completed their tenure as directors on Bank's Board and accordingly IT Strategy Committee was reconstituted.

Vide Board Resolution dated 16.01.2015 IT Strategy Committee was reconstituted and following members were inducted.

क्र. सं. Sr.No.	नाम Name	पदनाम Designation
1	श्री भरतकुमार डी डांगर Shri Bharatkumar D. Dangar	समिति के अध्यक्ष Chairman of the Committee
2	श्री प्रेम कुमार मक्कड Shri Prem Kumar Makkar	निदेशक (गैर-कार्यपालक) Director (Non-Executive)

Dr. Deepak B. Pathak, external IT expert's tenure was over on 27.02.2015, which was extended for a period of three years vide Board resolution dated 23.02.2015

31 मार्च, 2015 को समिति की संरचना निम्नानुसार है:

The Constitution of the committee as on 31st March 2015 is as under:

क्र. सं. Sr. No.	नाम	Name	पदनाम	Designation
1	श्री भरतकुमार डी. डांगर	Shri Bharatkumar D. Dangar	समिति अध्यक्ष	Chairman of the Committee
2	श्री बी. बी. जोशी	Shri B. B. Joshi	कार्यपालक निदेशक	Executive Director
3	श्री के. वेंकट रामा मूर्ती	Shri K. Venkata Rama Moorthy	कार्यपालक निदेशक	Executive Director
4	श्री प्रेमकुमार मक्कड	Shri Prem Kumar Makkar	निदेशक (गैर-कार्यपालक)	Director (Non-Executive)
5	डॉ. दीपक बी. फाटक	Dr. Deepak B. Phatak	बाह्य सू. प्रौ. विशेषज्ञ	External IT Expert
6	श्री एस. एस. घाग	Shri S. S. Ghag	महाप्रबंधक (सू. प्रौ. एवं डीडब्ल्यूएच) - बैठक के संयोजक	General Manager (IT & DWH) - Convenor of the meeting

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान समिति की निम्मलिखित 4 बैठकें आयोजित की गई

The Committee met four times during the Financial Year 2014-15 as per the details below:

19.07.2014	16.09.2014	06.11.2014	29.01.2015

निदेशकों तथा बाह्य सू.प्रौ. विशेषज्ञ की उक्त बैठकों में उपस्थिति संबंधी विवरण निम्नानुसार है.

The details of attendance of Directors and External IT Expert are as under:

नाम	Name	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या Meetings held during their tenure	बैठकों की संख्या जिनमें भाग लिया Meetings Attended
श्री राजीब सेखर साहू	Shri Rajib Sekhar Sahoo	3	3
श्री भरतकुमार डी. डांगर	Shri Bharatkumar D. Dangar	1	1
श्री पि. श्रीनिवास	Shri P. Srinivas	3	3
श्री रंजन धवन	Shri Ranjan Dhawan	4	2
श्री बी. बी. जोशी	Shri B. B. Joshi	4	4
श्री मौलिन अरविन्द वैष्णव	Shri Maulin Arvind Vaishnav	3	3
श्री सुरेन्द्र सिंह भंडारी	Shri. Surendra Singh Bhandari	3	2
श्री प्रेम कुमार मक्कड	Shri Prem Kumar Makkar	1	1
डॉ. दीपक बी. फाटक	Dr. Deepak B. Phatak	4	3

4.13 मानव संसाधन पर बोर्ड की संचालन समिति

खंडेलवाल समिति, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की सिफारिशों के अनुरूप 21 अक्तूबर, 2011 को संप्रेषित सन्देश में जानकारी दी गई कि मानव संसाधन मामलों पर बोर्ड की एक संचालन समिति का गठन किया जाए जिसमें अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक तथा कार्यपालक निदेशकों के अलावा सरकार की ओर से निदेशक तथा मानव संसाधन से जुड़े दो प्रबुद्ध पेशेवर व्यक्ति शामिल होंगे. तदनुसार बैंक ने दिनांक 27 फरवरी, 2012 को आयोजित अपनी बोर्ड मीटिंग में मानव संसाधन पर एक संचालन समिति का गठन किया है जो कि मानव संसाधन से जुड़े मसलों का समाधान करेगी. इस समिति में 31 मार्च, 2015 को निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं:

क्र.	नाम	पदनाम
1.	श्री रंजन धवन	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
2.	श्री बी. बी. जोशी	कार्यपालक निदेशक
3.	श्री के. वी. रामा मूर्ती	कार्यपालक निदेशक
4.	श्री मोहम्मद मुस्तफा	सराकार नामित निदेशक
5.	डॉ. दीपक फाटक	प्रोफेसर, आईआईटी, मुंबई
6.	डॉ. आशा भंडारकर	प्रोफेसर, आईएमआई, नई दिल्ली

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान मानव संसाधन पर बोर्ड की संचालन समिति की कोई भी बैठक आयोजित नहीं की गई.

4.13 Steering Committee of the Board on HR

Ministry of Finance, Government of India, vide its communication dated 21st October, 2011, conveyed that as per the recommendations of the Khandelwal Committee, a Steering Committee of the Board on HR issues is to be constituted with Government Director and two outstanding HR professionals, apart from Chairman and Managing Director and Executive Directors as members. Accordingly, the Bank at its Board meeting held on 27th February, 2012, constituted a Steering Committee of the Board on HR to deal with the matters related to Human Resources. The Committee as on 31st March 2015 comprises of the following members:

Sr. No.	Name	Designation
1	Shri Ranjan Dhawan	Managing Director & Chief Executive Officer
2	Shri B.B.Joshi	Executive Director
3	Shri K.V.Rama Moorthy	Executive Director
4	Shri Mohammad Mustafa	Government Nominee Director
5	Dr. Deepak Phatak	Professor, IIT, Mumbai
6	Dr. Asha Bhandarker	Professor, IMI, New Delhi

No meeting of the Steering Committee of the Board on HR was held during the Year 2014-15

4.14 वसूली की मॉनीटरिंग के लिए समिति

वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र क्रमांक एफ.नं.7/112/2012-बीओए दिनांक 21 नवम्बर, 2012 के माध्यम से प्राप्त दिशानिर्देशों के अनुसार वसूली के लिए सुदृढ़ व्यवस्था रखने के क्रम में बोर्ड को एक समिति गठित करने की आवश्यकता है, जिसमें अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक, कार्यपालक निदेशक तथा सरकार द्वारा नामित निदेशक होंगे जो वसूली की प्रगति पर नियमित रूप से निगरानी रखेंगे.

29 नवम्बर, 2012 को आयोजित बोर्ड की बैठक में समिति का गठन किया.

31.03.2015 को उक्त समिति की संरचना निम्नानुसार है:

(i) श्री रंजन धवन - प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

(ii) श्री बी. बी. जोशी - कार्यपालक निदेशक

(iii) श्री के. वी. रामा मूर्ती - कार्यपालक निदेशक

(iv) श्री मोहम्मद मुस्तफा - सरकार द्वारा नामित गैर कार्यपालक निदेशक

समिति की बैठक 06.06.2014, 20.09.2014 तथा 27.12.2014 को आयोजित की गई.

निदेशकों का उक्त बैठकों में उपस्थिति सम्बन्धी विवरण निम्नानुसार है:

4.14 Committee For Monitoring of Recovery

In terms of the guidelines received from Department of Financial Services, Ministry of Finance, Government of India, vide its letter no. F.No.7/112/2012-BOA dated 21st November, 2012 and in order to have a robust monitoring mechanism for recovery, the Board constituted a committee of the Board, consisting of the Chairman & Managing Director, Executive Directors and Government Nominee Director, to monitor the progress in recovery on regular basis.

The Committee was constituted at Board Meeting held on 29th November 2012

The composition of the committee as on 31st March, 2015 is as under:

1. Shri Ranjan Dhawan - Managing Director & CEO
2. Shri B.B.Joshi - Executive Director
3. Shri K.V.Rama Moorthy - Executive Director
4. Shri Mohammad Mustafa - Non Executive Director, Government Nominee

This committee met on 06.06.2014, 20.09.2014, & 27.12.2014.

The details of attendance of Directors are as under:

नाम	Name	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या Meetings held during their tenure	बैठकों की संख्या जिनमें भाग लिया Meetings Attended
श्री एस. एस. मूंदड़ा	Shri S. S. Mundra	1	-
श्री पि. श्रीनिवास	Shri P. Srinivas	3	2
श्री रंजन धवन	Shri Ranjan Dhawan	3	1
श्री बी. बी. जोशी	Shri B. B. Joshi	3	3
श्री के. वी. रामा मूर्ती	Shri K.V.Rama Moorthy	-	-
डॉ. के. पी. कृष्णन	Dr. K. P. Krishnan	2	2
श्री मोहम्मद मुस्तफा	Shri Mohammad Mustafa	1	1

श्री एस. एस. मूंदड़ा, श्री पि. श्रीनिवास और डॉ. के. पी. कृष्णन बोर्ड में निदेशक नहीं रहने के कारण वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान से सदस्य नहीं रहे.

4.15 बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं के शेयर धारक निदेशकों के चुनाव के लिए प्रत्याशियों के समर्थन से संबंधित समिति

वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र क्रमांक एफ.नं.16/11/2012-बीओ-आई दिनांक 03 अप्रैल, 2012 के माध्यम से प्राप्त दिशानिर्देशों के अनुसार वित्तीय संस्थाओं तथा सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कम्पनियों जिनमें हमारा बैंक समान शेयर धारक है, में शेयर धारक निदेशकों के चुनाव के लिए प्रत्याशियों को सहयोग देने के प्रयोजन से निम्न सदस्यों के साथ बोर्ड की समिति का गठन किया गया:

31.03.2015 को उक्त समिति की संरचना निम्नानुसार है:

(i) श्री रंजन धवन - प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

(ii) श्री बी. बी. जोशी - कार्यपालक निदेशक

Shri S.S. Mundra, Shri P. Srinivas & Dr. K.P.Krishnan ceased to be members during the FY 2014-15 on account of their cessation as Directors on the Board.

4.15 Committee to support candidates for election of Shareholder Directors for Banks & FIs

In terms of the guidelines received from Department of Financial Services, Ministry of Finance, Government of India, New Delhi, vide letter No.16/11/2012-BO-I dated 3rd April, 2012, a committee of the Board, for supporting candidates for election of Share Holder Directors in Financial Institutions and Public sector Insurance Companies in which our Bank has equity shareholding was constituted.

The composition of the Committee as on 31st March, 2015 is as under:

(i) Shri Ranjan Dhawan - MD & CEO

(ii) Shri B. B. Joshi - Executive Director

(iii) श्री के. वी. रामा मूर्ती - कार्यपालक निदेशक
(iv) डॉ. आर. नारायणस्वामी - निदेशक
(v) श्री भरतकुमार डी डांगर - निदेशक

समिति को वर्ष के दौरान कोई भी मामला नहीं भेजा गया.

5. निदेशकों का पारिश्रमिक

गैर कार्यपालक निदेशकों की यात्रा तथा ठहरने पर होने वाले व्यय सहित पारिश्रमिक का भुगतान राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्धन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970 (यथा संशोधित) की धारा 17 में उल्लिखित शर्तों के अनुरूप समय - समय पर केन्द्र सरकार द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के परामर्श से यथा निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जा रहा है.

प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा कार्यपालक निदेशक को पारिश्रमिक का भुगतान वेतन के रूप में भारत सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुरूप किया जाता है. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक तथा कार्यपालक निदेशकों को भुगतान किए गए पारिश्रमिक तथा कार्यनिष्पादन आधारित प्रोत्साहन का ब्यौरा निम्नानुसार हैः

क. वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान वेतन का भुगतानः

(iii) Shri K.V. Rama Moorthy - Executive Director
(iv) Dr. R. Narayanaswamy - Director
(v) Shri Bharatkumar D. Dangar - Director

No case was referred to the Committee during the year.

5. REMUNERATION OF DIRECTORS

The remuneration including travelling and halting expenses to Non-Executive Directors are being paid as stipulated by the Central Government in consultation with Reserve Bank of India from time to time in terms of Clause 17 of the Nationalized Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 (as amended).

The Managing Director and CEO and the Executive Directors (Four whole time directors) are being paid remuneration by way of salary as per rules framed by the Government of India. The details of remuneration and Performance Linked Incentives paid to Chairman and Managing Director and Executive Director/s are as under:

A. Salary paid during the Financial Year 2014-15:

क्र. सं. Sr. No	नाम / Name	पदनाम / Designation	Amount (₹)
1	श्री रंजन धवन Shri Ranjan Dhawan	प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (26.02.12015 से) Managing Director and CEO(w.e.f. 26-02-2015)	20,01,719/-
2	श्री एस.एस.मूंदड़ा Shri S.S. Mundra	अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक (30.07.2014 तक) Chairman and Managing Director (upto 30-07-2014)	12,08,979/-
3	श्री पि. श्रीनिवास Shri P. Srinivas	कार्यपालक निदेशक (30.12.2014 तक) Executive Director (upto 30-12-2014)	14,11,198/-
4	श्री बी. बी. जोशी Shri B.B. Joshi	कार्यपालक निदेशक Executive Director	19,02,290/-
5	श्री. के. वी. रामा मूर्ती Shri K V. Rama Moorthy	कार्यपालक निदेशक (10.03.2015 से) Executive Director (w.e.f. 10-03-2015)	95,487/-

(ख) वर्ष 2014-15 के दौरान कार्यनिष्पादन आधारित प्रोत्साहन का भुगतान (वर्ष 2013-14 के लिए प्रदत्त)

B. Performance Linked Incentives paid during 2014-15: (Paid for FY 2013-14)

क्र. सं. Sr. No	नाम / Name	पदनाम / Designation	Amount (₹)
1	श्री रंजन धवन Shri Ranjan Dhawan	प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (26.02.12015 से) Managing Director and CEO(w.e.f. 26-02-2015)	5,50,000/-
2	श्री एस.एस.मूंदड़ा Shri S.S. Mundra	अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक (30.07.2014 तक) Chairman and Managing Director (upto 30-07-2014)	7,00,000/-
3	श्री पि. श्रीनिवास Shri P. Srinivas	कार्यपालक निदेशक (30.12.2014 तक) Executive Director (upto 30-12-2014)	5,50,000/-
4	श्री बी. बी. जोशी Shri B.B. Joshi	कार्यपालक निदेशक Executive Director	3,60,137/-
5	श्री सुधीर कुमार जैन Shri Sudhir Kumar Jain	कार्यपालक निदेशक (08.07.2013 तक) Executive Director(upto- 08.07.2013)	1,49,178/-

राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन एवं विविध प्रावधान) योजना 1970 (सरकारी दिशानिर्देशों के साथ पठित) के प्रावधानों के अनुसार गैर कार्यपालक निदेशकों को बैठक सहभागिता शुल्क दिया गया. वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान दिए गए बैठक सहभागिता शुल्क का विवरण निम्नानुसार हैः (पूर्णकालिक निदेशकों तथा भारत सरकार तथा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नामित निदेशक को किसी प्रकार का बैठक सहभागिता शुल्क देय नहीं है)

The Sitting Fee paid to the Non-Executive Directors as per the provisions of Nationalized Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme 1970, read with government guidelines. Details of sitting fee paid during the Year 2014-15 are as under: (No sitting fee is payable to Whole Time Directors and Directors representing Government of India & RBI):

क्र. सं. Sr. No.	निदेशक का नाम	Name of the Director	भुगतान की गई राशि (रु.) Amount Paid in ₹
1	श्री विनिल कुमार सक्सेना	Shri Vinil Kumar Saxena	85,000/-
2	श्री प्रेम कुमार मक्कड	Shri Prem Kumar Makkar	1,90,000/-
3	डॉ. आर. नारायणस्वामी	Dr. R. Narayanaswamy	95,000/-
4	श्री भरतकुमार डी डांगर	Shri Bharatkumar D. Dangar	90,000/-
5	श्री मौलिन अरविन्द वैष्णव	Shri Maulin Arvind Vaishnav	2,50,000/-
6	श्री सुरेन्द्र सिंह भंडारी	Shri Surendra Singh Bhandari	2,65,000/-
7	श्री राजीब सेखर साहू	Shri Rajib Sekhar Sahoo	2,60,000/-

6. सामान्य सभा की बैठकें

सामान्य सभा की गत तीन वर्षों के दौरान आयोजित बैठकों का विवरण निम्नानुसार हैः

6. GENERAL BODY MEETINGS

The details of General Body Meetings held during the last three years are given below:

बैठक का स्वरूप Nature of Meeting	दिनांक एवं समय Date & Time	स्थान Venue	प्रयोजन Purpose
16 वीं वार्षिक सामान्य बैठक 16th Annual General Meeting	28 जून, 2012 प्रातः 10.30 बजे 28th June, 2012 at 10.30 a.m.	सर सयाजीराव नगर गृह, वडोदरा महानगर सेवा सदन, बैंक ऑफ बड़ौदा, टी.पी.-1 एफ.पी.549/1 जीईबी कॉलोनी के पास, ओल्ड पादरा रोड़, अकोटा, वडोदरा – 390020 Sir Sayajirao Nagargriha, Vadodara Mahanagar Seva Sadan, Bank of Baroda T.P.-1, F.P. 549/1, Near GEB Colony, Old Padra Road, Akota, Vadodara – 390 020	बैंक के 31 मार्च, 2012 को समाप्त अवधि के तुलन पत्र, 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लाभ एवं हानि खाते, बैंक कार्यों एवं गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट तथा तुलन पत्र एवं लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा, इसका अनुमोदन एवं स्वीकार करना तथा वर्ष 2011-12 के लिए लाभांश घोषित करना. To discuss, approve and adopt the Balance Sheet of the Bank as at 31st March 2012, Profit and Loss Account for the year ended 31st March 2012 the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the accounts and the Auditor's Report on the Balance Sheet and Accounts and to declare dividend for the year 2011-12.
असाधारण सामान्य बैठक Extra Ordinary General Meeting	11 मार्च, 2013 प्रातः 10.30 बजे 11th March, 2013 at 10.30 a.m.	सर सयाजीराव नगर गृह, वडोदरा महानगर सेवा सदन, बैंक ऑफ बड़ौदा, टी.पी.-1 एफ.पी.549/1 जीईबी कॉलोनी के पास, ओल्ड पादरा रोड़, अकोटा, वडोदरा – 390020 Sir Sayajirao Nagargriha, Vadodara Mahanagar Seva Sadan, Bank of Baroda T.P.-1, F.P. 549/1, Near GEB Colony, Old Padra Road, Akota, Vadodara – 390 020	सेबी पूंजी निर्गम एवं प्रकटीकरण आवश्यकता विनियमन, 2009 के अनुसार अधिमानी आधार पर भारत सरकार को 1,01,32,920 इक्विटी शेयर सृजित, ऑफर, जारी करने और आवंटित करने के लिए विशेष संकल्प द्वारा शेयरधारकों का अनुमोदन प्राप्त करना. To seek approval of the Shareholders by Special Resolution to create, offer, issue and allot upto 1,01,32,920 equity shares to Government of India on preferential basis in terms of SEBI (Issue of Capital & Disclosure Requirements) Regulations, 2009.
17 वी वार्षिक सामान्य बैठक 17th Annual General Meeting	26 जून, 2013 प्रातः 10.30 बजे 26th June, 2013 at 10.30 a.m.	सर सयाजीराव नगर गृह, वडोदरा महानगर सेवा सदन, बैंक ऑफ बड़ौदा, टी.पी.-1 एफ.पी.549/1 जीईबी कॉलोनी के पास, ओल्ड पादरा रोड़, अकोटा, वडोदरा – 390020 Sir Sayajirao Nagargriha, Vadodara Mahanagar Seva Sadan, Bank of Baroda T.P.-1, F.P. 549/1, Near GEB Colony, Old Padra Road, Akota, Vadodara – 390 020	बैंक के 31 मार्च, 2013 को समाप्त अवधि के तुलन पत्र, 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लाभ एवं हानि खाते, बैंक कार्यों एवं गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट तथा तुलन पत्र एवं लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा, इसका अनुमोदन एवं स्वीकार करना तथा वर्ष 2012-13 के लिए लाभांश घोषित करना. To discuss, approve and adopt the Balance Sheet of the Bank as at 31st March 2013, Profit and Loss Account for the year ended 31st March 2013 the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the accounts and the Auditor's Report on the Balance Sheet and Accounts and to declare dividend for the year 2012-13.

बैठक का स्वरूप Nature of Meeting	दिनांक एवं समय Date & Time	स्थान Venue	प्रयोजन Purpose
असाधारण सामान्य बैठक Extra Ordinary General Meeting	15 जनवरी, 2014 प्रातः 10.00 बजे 15th January, 2014 at 10.00 a.m.	सर सयाजीराव नगर गृह, वडोदरा महानगर सेवा सदन, बैंक ऑफ बड़ौदा, टी.पी.-1 एफ.पी.549/1 जीईबी कॉलोनी के पास, ओल्ड पादरा रोड़, अकोटा, वडोदरा – 390020 Sir Sayajirao Nagargriha, Vadodara Mahanagar Seva Sadan, Bank of Baroda T.P.-1, F.P. 549/1, Near GEB Colony, Old Padra Road, Akota, Vadodara – 390 020	सेबी पूंजी निर्गम एवं प्रकटीकरण आवश्यकता विनियमन, 2009 के अनुसार अधिमानी आधार पर भारत सरकार को 81,58,784 इक्विटी शेयर सृजित, ऑफर, जारी करने और आवंटित करने के लिए विशेष संकल्प द्वारा शेयरधारकों का अनुमोदन प्राप्त करना. To seek approval of the Shareholders by Special Resolution to create, offer, issue and allot upto 81,58,784 equity shares to Government of India on preferential basis in terms of SEBI (Issue of Capital & Disclosure Requirements) Regulations, 2009.
18 वी वार्षिक सामान्य बैठक 18th Annual General Meeting	25 जून, 2014 प्रातः 10.30 बजे 25th June, 2014 at 10.30 a.m.	सर सयाजीराव नगर गृह, वडोदरा महानगर सेवा सदन, बैंक ऑफ बड़ौदा, टी.पी.-1 एफ.पी.549/1 जीईबी कॉलोनी के पास, ओल्ड पादरा रोड़, अकोटा, वडोदरा – 390020 Sir Sayajirao Nagargriha, Vadodara Mahanagar Seva Sadan, Bank of Baroda T.P.-1, F.P. 549/1, Near GEB Colony, Old Padra Road, Akota, Vadodara – 390 020	बैंक के 31 मार्च, 2014 को समाप्त अवधि के तुलन पत्र, 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लाभ एवं हानि खाते, बैंक कार्यों एवं गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट तथा तुलन पत्र एवं लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा, इसका अनुमोदन एवं स्वीकार करना तथा वर्ष 2013-14 के लिए लाभांश घोषित करना. To discuss, approve and adopt the Balance Sheet of the Bank as at 31st March 2014, Profit and Loss Account for the year ended 31st March 2014 the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the accounts and the Auditor's Report on the Balance Sheet and Accounts and to declare dividend for the year 2013-14
असाधारण सामान्य बैठक Extra Ordinary General Meeting	26 मार्च, 2015 प्रातः 10.00 बजे 26th March, 2015 at 10.00 a.m.	सर सयाजीराव नगर गृह, वडोदरा महानगर सेवा सदन, बैंक ऑफ बड़ौदा, टी.पी.-1 एफ.पी.549/1 जीईबी कॉलोनी के पास, ओल्ड पादरा रोड़, अकोटा, वडोदरा – 390020 Sir Sayajirao Nagargriha, Vadodara Mahanagar Seva Sadan, Bank of Baroda T.P.-1, F.P. 549/1, Near GEB Colony, Old Padra Road, Akota, Vadodara – 390 020	सेबी पूंजी निर्गम एवं प्रकटीकरण आवश्यकता विनियमन, 2009 के अनुसार अधिमानी आधार पर भारत सरकार को 6,44,20,471 इक्विटी शेयर सृजित, ऑफर, जारी करने और आवंटित करने के लिए विशेष संकल्प द्वारा शेयरधारकों का अनुमोदन प्राप्त करना. To seek approval of the Shareholders by Special Resolution to create, offer, issue and allot upto 6,44,20,471 equity shares to Government of India on preferential basis in terms of SEBI (Issue of Capital & Disclosure Requirements) Regulations, 2009.

7. प्रकटीकरण

(क) सम्बद्ध पार्टी संव्यवहारों का प्रकटीकरण खातों पर टिप्पणियां शीर्ष के अंतर्गत किया गया है.

(ख) बैंक पर पिछले तीन वर्षों के दौरान पूंजी बाजार से सम्बद्ध किसी भी मामले में किसी भी विनियामक प्राधिकारी अर्थात स्टॉक एक्सचेंज और / अथवा सेबी द्वारा किसी नियम, निर्देशों एवं दिशानिर्देशों का अनुपालन न करने के लिए न तो कोई दंड लगाया गया है और न ही किसी प्रकार की भर्त्सना की गई है.

(ग) निदेशकों ने सूचित किया है कि 31 मार्च, 2015 को उनमें कोई पारस्परिक सम्बन्ध नहीं है.

(घ) स्टॉक एक्सचेंज के सूचीयन करार के संशोधित खंड 49 के अनुसार निम्नलिखित प्रकटीकरणों को शेयरधारक http://www.bankofbaroda.com/fin/Disclosureclause49.asp लिंक पर देख सकते हैं.

i. उपखंड 49(II)(एफ) के अनुसार - सचेतक नीति (व्हिसल ब्लोअर)- इस संबंध में कोई भी व्यक्ति लेखा परीक्षा समिति से अलग नहीं किया गया है.

7. DISCLOSURES

a) The Related Party Transactions are disclosed in the Notes on Accounts.

b) No penalties and strictures have been imposed on the Bank by the Stock Exchange and /or SEBI for non-compliance of any law, guidelines and directives, on any matters related to capital markets, during the last three years.

c) Directors have disclosed that they have no relationship inter-se as on 31st March 2015.

d) Following disclosures pursuant to Revised Clause 49 of the Listing Agreement of the Stock Exchanges, can be viewed by the shareholders at the link: "http://www.bankofbaroda.com/fin/Disclosureclause49.asp"

i. Pursuant to Clause 49(II)(F) - Whistle Blower Policy - In this regard, no personnel has been denied access to Audit Committee.

ii. उपखंड 49(VIII)(ए)(2) के अनुसार - संबंधित पार्टी ट्रांजेक्शन

iii. उपखंड 49(II)(बी)(7) के अनुसार - स्वतंत्र निदेशकों के परिचय प्रोग्राम के बारे में प्रकटीकरण

8. अनिवार्य और गैर-अनिवार्य आवश्यकताएं

बैंक ने स्टॉक एक्सचेंजों, जहाँ बैंक के शेयर सूचीबद्ध हैं, के साथ किए गए सूचीयन करार के संशोधित खंड 49 में यथा उपबन्धित सभी लागू अनिवार्य आवश्यकताओं का अनुपालन किया है.

गैर अनिवार्य आवश्यकताओं के कार्यान्वयन की मौजूदा स्थिति इस प्रकार हैः

ii. Pursuant to Clause 49(VIII)(A)(2) – Related Party Transactions

iii. Pursuant to Clause 49(II)(B)(7) – Disclosures about familiarization programme for the Independent Directors

8. MANDATORY AND NON-MANDATORY REQUIREMENTS

The Bank has complied with all the applicable mandatory requirements as provided in Revised Clause 49 of the Listing Agreement entered into with the Stock Exchanges where Bank's shares are listed.

The extent of implementation of non-mandatory requirements is as under:

क्रम सं. Sr. No.	गैर-अनिवार्य आवश्यकताएं Non-mandatory requirements	कार्यान्वयन की स्थिति Status of Implementation
1	**बोर्ड** कम्पनी के खर्च पर अध्यक्ष का कार्यालय संभालने के लिए गैर कार्यपालक अध्यक्ष अधिकृत किए जा सकते हैं और उनके कार्य निष्पादन पर हुए खर्च की प्रतिपूर्ति की जाए. **The Board** The Board - A non-executive Chairman may be entitled to maintain a Chairman's office at the company's expense and also allowed reimbursement of expenses incurred in performance of his duties.	बैंक के निदेशक मंडल की संरचना बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 के अधीन है, अधिनियम की धारा 9(3)(i) के अंतर्गत केन्द्रीय सरकार से भिन्न शेयरधारकों में से चुने जाने वाले निदेशकों के अलावा सभी निदेशक भारत सरकार द्वारा नियुक्त/ नामित किए जाते हैं. सरकार ने प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति कर दी है तथा अध्यक्ष की नियुक्ति के संबंध में अभी सूचित करना है. The composition of the Board of Directors of the Bank is governed through "Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970, where all the Directors are appointed / nominated by Government of India except Directors to be elected from amongst Shareholders other than Central Government u/s 9(3)(i) of the Act. While the Government has appointed MD & CEO, it is yet to advise on the appointment of the Chairman.
2	**शेयरधारक के अधिकार** गत -6- माह के दौरान महत्वपूर्ण घटनाओं के सारांश सहित वित्तीय कार्यनिष्पादन की छमाही घोषणा प्रत्येक शेयरधारक को भेजी जाए. **Shareholder Rights** A half-yearly declaration of financial performance including summary of the significant events in last six-months, may be sent to each household of shareholders.	30.09.2014 को समाप्त छमाही के लिए बैंक ने गत -6- माह के दौरान महत्वपूर्ण घटनाओं के सारांश सहित वित्तीय कार्यनिष्पादन के छमाही परिणाम प्रत्येक शेयरधारक को भेज दिये हैं. इसके अतिरिक्त बैंक के वित्तीय परिणाम बैंक की बेबसाईट पर प्रस्तुत किए गए हैं. The Bank has sent half-yearly financial results for the half year ended 30.09.2014 including summary of significant developments during last six months to each shareholder by post / e-mail. The financial results are also posted on Bank's website.
3	ऑडिट क्वालीफिकेशन कम्पनी को अनक्वालीफाइड वित्तीय विवरणियों की व्यवस्था को अपनाना चाहिए. **Audit Qualifications** Company may move towards a regime of unqualified financial statements.	बैंक की ऑडिटर रिपोर्ट में कोई भी क्वालीफिकेशन नहीं है. There is no qualification in Auditors report of the Bank.
4	**अध्यक्ष तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी के अलग-अलग पद** कंपनी अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पदों पर अलग-अलग व्यक्तियों को नियुक्त कर सकती है. **Separate posts of Chairman and CEO** The company may appoint separate persons to the post of Chairman and Managing Director/CEO.	बैंक के निदेशक मंडल की संरचना बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 के अधीन है, अधिनियम की धारा 9(3)(i) के अंतर्गत केन्द्रीय सरकार से भिन्न शेयरधारकों में से चुने जाने वाले निदेशकों के अलावा सभी निदेशक भारत सरकार द्वारा नियुक्त/ नामित किए जाते हैं. सरकार ने प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति कर दी है तथा अध्यक्ष की नियुक्ति के संबंध में अभी सूचित करना है. The composition of the Board of Directors of the Bank is governed through "Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970, where all the Directors are appointed / nominated by Government of India except Directors to be elected from amongst Shareholders other than Central Government u/s 9(3)(i) of the Act. While the Government has appointed MD & CEO, it is yet to advise on the appointment of the Chairman.
5	**आंतरिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट** आंतरिक लेखा परीक्षक सीधे लेखा परीक्षा समिति को रिपोर्ट करेंगे. **Reporting of Internal Auditor** The Internal Auditor may report directly to the Audit Committee.	आंतरिक लेखा परीक्षा का कार्य / इसकी संदर्भ शर्तें और बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति की संरचना तथा इसकी संदर्भ शर्तें नियामक अर्थात् भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों/ परिपत्रों के अधीन हैं, बैंक जिनका अनुपालन करता है. The Internal Audit function / its terms of reference and composition of the Audit Committee of the Board & its terms of reference are governed through the guidelines / circulars issued by the Regulator i.e. Reserve Bank of India, which the Bank comply.

9. संप्रेषण के साधन

बैंक मौजूदा विकसित सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार के साधनों के माध्यम से अपने सदस्यों और हितधारकों को उनके हितों से सम्बद्ध जानकारियों के बारे में सूचित करने की आवश्यकता समझता है.

बैंक के वित्तीय परिणामों को निदेशक मण्डल की बैठक में उनके अनुमोदन के पश्चात बैठक की समाप्ति पर तत्काल उन स्टॉक एक्सचेंजों को प्रस्तुत किया जाता है जहाँ पर बैंक की प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हैं. ये परिणाम दो या अधिक समाचार पत्रों में भी प्रकाशित करवाए जाते हैं जिनमें से एक ऐसा समाचार पत्र होता है जिसका प्रसार पूरे भारत में हो और दूसरा समाचार पत्र ऐसा होता है जिसका प्रसार गुजरात राज्य में हो, जहाँ बैंक का प्रधान कार्यालय स्थित है. बैंक छमाही आधार पर अपने शेयरधारकों को परिणामों की प्रति प्रेषित करता है. बैंक अपने वित्तीय परिणामों तथा भावी योजनाओं की घोषणा करने के लिए एनेलिस्ट बैठकें, प्रेस कॉफ्रेंस इत्यादि भी आयोजित करता है.

बैंक के तिमाही / इयर टू डेट / वार्षिक वित्तीय परिणामों के साथ-साथ एनेलिस्ट को दिए गए प्रेजेंटेशन की प्रति तथा अन्य आधिकारिक समाचार बैंक की बेबसाइट http://www.bankofbaroda.com पर उपलब्ध रहते हैं. एनेलिस्ट बैठक में की गई प्रस्तुति के वेबकास्ट सीधा प्रसारण देखने हेतु वेबसाइट में लिंक उपलब्ध कराया जाता है और संगृहित वेबसाइट भी 30 दिनों तक उपलब्ध रहती है.

10. कार्पोरेट गवर्नेंस के तहत पर्यावरण उपाय

(क) सभी शेयरधारकों जिनके पास शेयर भौतिक रूप में हैं, से अनुरोध है कि वे अपना ई-मेल आईडी हमारे पास या हमारे रजिस्ट्रार के पास जिसका पता इस रिपोर्ट में अन्यत्र दिया गया है, के पास पंजी कृत करवा दें ताकि हम दस्तावेज, नोटिस, सम्प्रेषण, वार्षिक रिपोर्ट आदि ई-मेल के माध्यम से भेज सकें.

(ख) वे शेयरधारक जिनके पास शेयर अभौतिक रूप में हैं, उनसे अनुरोध है कि वे उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपने ई-मेल आईडी सम्बन्धित डिपोजिटरी प्रतिभागी के पास पंजीकृत करवा दें.

11. पारदर्शिता और अनुपालन अधिकारी

निम्नलिखित अतिरिक्त कार्य हमारे बैंक के कार्पोरेट मेकेनिज्म के अंतर्गत अधिक से अधिक प्रकटीकरण एवं अनुपालन के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को और भी व्यापक बनाते हैं.

11.1 पारदर्शिता अधिकारी

केन्द्रीय सूचना आयुक्त (सीआईसी) के निर्देशों के अनुसार बैंक ने फरवरी, 2011 से अपने एक वरिष्ठ अधिकारी को पारदर्शिता अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है. यह पारदर्शिता अधिकारी निम्नलिखित के लिए उत्तरदायी होगाः

- लोक प्राधिकारियों के ब्यौरे से सम्बद्ध सूचना अधिकार (आरटीआई) अधिनियम की धारा 4 के अनुपालन की स्थिति की संवीक्षा करना और उसमें हुई प्रगति से उच्च प्रबन्धन को अवगत कराना.
- आरटीआई अधिनियम के अनुपालन में प्रगति के विषय में सीआईसी के लिए इंटरफेस के रूप में कार्य करना.
- केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ), डीम्ड केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारियों (सीपीआईओ) द्वारा किए गए आरटीआई अनुरोधों के सम्बन्ध में सकारात्मक और समय पर उत्तर देने हेतु अनुकूल परिस्थितियाँ निर्मित करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए सहयोग प्रदान करना.
- आरटीआई से सम्बद्ध सभी मामलों में जनता के लिए एक सम्पर्क बिन्दु बनाना.

बैंक के निर्देशानुसार निर्धारित प्रारूप में समस्त जानकारी बेबसाईट पर अपलोड की गई है और यह जानकारी समय समय पर अद्यतन की जाती है.

9. MEANS OF COMMUNICATION

The Bank recognizes the need for keeping its members and stakeholders informed of the events of their interests through present means of communication.

The financial results of the Bank are submitted to the stock exchanges, where the securities of the Bank are listed, immediately after the conclusion of the Board Meeting approving the same. The results are also published in minimum two or more newspapers, one circulating in the whole or substantially the whole of India and the other circulating in the state of Gujarat where the Head Office of the Bank is situated. The Bank furnishes results to the Shareholders on Half Yearly basis. The Bank also organizes analysts'-meets, press conferences etc. for announcing Bank's financial results and its future plans.

The Quarterly / Year to Date / Annual Financial Results of the Bank as well as the copy of presentation made to Analysts and other official news portals are posted on the Bank's Website – http://www.bankofbaroda.co.in. The live web cast of presentation made to Analysts' Meet is made accessible from links uploaded in the website and the archived webcast is also available in the website for 30 days.

10. GREEN INITIATIVE UNDER CORPORATE GOVERNANCE:

a. The shareholders having shares in physical form are requested to register their e-mail ids with us or our Registrars, at the address given elsewhere in this report, to enable us to serve any document, notice, communication, annual reports etc. through e-mail.

b. The shareholders holding shares in Demat form are requested to register their e-mail ID with their respective Depository Participant for the above purpose.

11. TRANSPARENCY & COMPLIANCE OFFICER

Further following additional functions also enhance Bank's commitment to more & more disclosures and compliance under corporate Governance mechanism of the Bank.

11.1 Transparency Officer

As per the directions of Central Information Commissioner (CIC), Bank has appointed one of the Senior Officers as Transparency Officer since February 2011. The Transparency Officer is responsible for the following.

- To oversee the implementation of the Section 4 of Right to Information (RTI) Act detailing with obligations of public authorities and to apprise the top management of its progress.
- To be the interface for the CIC regarding the progress in implementation of RTI Act.
- Help promote congenial conditions for positive and timely response to RTI-request by Central Public Information Officers (CPIOs), deemed-CPIOs.
- To be a contact point for the public in all RTI-related matters.

The Bank has uploaded all the information as directed in the specified format on its website and this information is updated from time to time.

11.2 अनुपालन संबंधी कार्य

बैंक की अनुपालन नीति को दर्शाते हुए बैंक ने बोर्ड द्वारा अनुमोदित एक अनुपालना नीति बनाई है, जो बैंकों में अनुपालना संबंधी कार्यों पर भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों पर आधारित है. यह नीति वह आधार है जिस पर बैंक के अनुपालना संबंधी सभी कार्य आधारित हैं. बैंक में सुदृढ अनुपालना संस्कृति द्वारा समर्थित अनुपालना जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया और आंतरिक नियंत्रण के साथ बैंक में अनुपालना संबंधी कार्य संचालन प्रणाली का महत्वपूर्ण कार्य है.

अनुपालना विभाग विभिन्न विधायी संस्थाओं जैसे बैंककारी विनियमन अधिनियम, भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, विदेशी मुद्रा प्रबन्धन अधिनियम, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड अधिनियम तथा धनशोधन निवारण अधिनियम / केवायसी मानदंडों आदि के विविध सांविधिक प्रावधानों का और विभिन्न विदेशी केन्द्रों, जहां बैंक के कार्यालय/ शाखाएं स्थित हैं नियामकों के नियमों का कड़ा अनुपालन सुनिश्चित करता है. यह बीसीएसबीआई (भारतीय बैंकिंग संहिता एवं मानक बोर्ड), आईबीए (भारतीय बैंकिंग संघ), फेदाई (भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ), एफआईएमएमडीए (फिक्स्ड इनकम मनी मार्केट डेरीइवेटिव्ज एसोसिएशन ऑफ इंडिया), द्वारा निर्धारित किए गए मानकों एवं संहिताओं का भी अनुपालन सुनिश्चित करता है.

12. शेयरधारकों से संबद्ध सूचना

बैंक के शेयर भारत में निम्नलिखित प्रमुख स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं:

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड फिरोज जीजीभाई टावर्स, 25वां तल, दलाल स्ट्रीट, फोर्ट, मुंबई 400 001 बीएसई कोड : 532134
नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. "एक्सचेंज प्लाजा" बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051 एनएसई कोड : BANKBARODA

एक्सचेंजों में सूचीबद्ध सभी प्रतिभूतियों के सम्बन्ध में अब तक के वार्षिक सूचीयन शुल्क का भुगतान कर दिया गया है.

12.1. प्रतिभूतियों का अ-भौतिकीकरण

बैंक के शेयर सेबी की अनिवार्य अभौतिक सूची के अंतर्गत आते हैं और बैंक ने अपने शेयरों के अभौतिकीकरण के लिए नेशनल सिक्योरिटी डिपोजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) तथा सेंट्रल डिपोजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) के साथ करार किया है. शेयरधारक एनएसडीएल तथा सीडीएसएल के पास अपने शेयर को अभौतिकीकृत करवा सकते हैं.

31 मार्च, 2015 को बैंक के पास प्रत्यक्ष एवं अभौतिक रूप में धारित इक्विटी शेयर निम्नानुसार हैं, जिनका ब्यौरा इस प्रकार है:

धारिता का स्वरुप	Nature of Holding	मामले / Cases	शेयर / Shares	प्रतिशत / Percentage
भौतिक	Physical	46,805	*10,07,23,011	4.55%
एनएसडीएल	NSDL	1,42,265	88,02,21,326	39.81%
सीडीएसएल	CDSL	65,480	123,05,51,569	55.64%
कुल	Total:	2,54,550	221,14,95,906	100.00%

*31.03.2015 को अधिमानी आधार पर भारत सरकार को आवंटित किए गए 6,44,20,471 शेयर, जो 13.04.2015 को उसके खाते में जमा किए गए थे, शामिल हैं.

11.2 Compliance Function

The Bank has put in place a board approved Compliance Policy outlining the compliance philosophy of the Bank based upon the directions of Reserve Bank of India on Compliance Function in Banks. The said Policy is the foundation on which all Compliance Function of the Bank is based. Compliance Function in the Bank is an integral part of governance along with internal control and compliance risk management process supported by a healthy compliance culture in the Bank.

Compliance Function ensures observance of statutory provisions contained in various legislations viz. Banking Regulation Act, Reserve Bank of India Act, Foreign Exchange Management Act, Securities and Exchange Board of India Act and Prevention of Money Laundering Act/KYC norms and also the regulations of the various Regulators where the Bank is having its Offices / Branches in overseas centres. It also ensures Standards and Codes prescribed by BCSBI (Banking Codes and Standard Board of India, IBA (Indian Banks Association), FEDAI (Foreign Exchange Dealers Association of India), FIMMDA (Fixed Income Money Market and Derivatives Association of India).

12. SHAREHOLDERS' INFORMATION

The Bank's shares are listed on the following major Stock Exchanges in India:

BSE Ltd., Phiroze Jeejeebhoy Towers 25th Floor, Dalal Street, Fort, Mumbai - 400 001 BSE CODE : 532134
National Stock Exchange of India Ltd., "Exchange Plaza" Bandra Kurla Complex, Bandra,(East), Mumbai - 400 051 NSE CODE : BANKBARODA

The annual listing fees in respect of all the securities listed with the exchange(s) have been paid till date.

12.1: Dematerialization of Securities

The shares of the Bank are under compulsory demat list of SEBI and the Bank has entered in to Agreements with National Securities Depository Limited (NSDL) and Central Depository Services (India) Limited (CDSL) for dematerialization of Bank's shares. Shareholders can get their shares dematerialized with either NSDL or CDSL.

As on March 31, 2015 the Bank has following number of Equity Shares in physical and dematerialized form, as per the detail given below.

*Includes 6,44,20,471 Shares allotted to Government of India on preferential Basis on 31.03.2015 were credited to its demat account on 13.04.2015

बैंक ने अपने शेयरों के अंकित मूल्य को प्रति शेयर रु. 10/- से घटाकर प्रति शेयर रु. 2/- कर दिया है तदनुसार वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान एक इक्विटी शेयर को पांच इक्विटी शेयर में उप-विभाजित किया गया है. इसकी रिकार्ड तारीख 23-01-2015 थी.

बैंक द्वारा वर्ष 2003 में 1,36,91,500 इक्विटी शेयर (उप-विभाजन से पहले 27,38,300) जब्त किए गये जिनमें से 31 मार्च, 2015 तक 24000 इक्विटी शेयर (उप-विभाजन से पहले 4800 शेयर) अभिशून्य किए गए.

12.2: इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवाएं (ईसीएस)

बैंक निवेशकों को, जहां निवेशकों द्वारा मेंडेट दिए गए हैं, शेयरों पर लाभांश/ बांडों पर ब्याज का भुगतान विभिन्न इलेक्ट्रानिक माध्यमों से कर रहा है. इस उद्देश्य के लिए बैंक नेशनल ऑटोमेटिड़ क्लीयरिंग हाउस (एनएसीएच), नेशनल इलेक्ट्रॉनिक क्लीयरिंग सर्विस (एनईसीएस), इलेक्ट्रॉनिक क्लीयरिंग सर्विस (ईसीएस), आरटीजीएस, एनईएफटी तथा सीधे जमा आदि की सेवाओं का प्रयोग कर रहा है.

निवेशक अपने मेनडेट बैंक के रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट अर्थात् कार्वी कंप्यूटरशेयर प्रा. लि. के पास इस रिपोर्ट में ऊपर दिए गए पते पर दर्ज करा सकते हैं.

12.3: रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट, शेयर अंतरण प्रणाली तथा निवेशकों की शिकायतों का निवारण

बैंक सुनिश्चित करता है कि शेयरों का अंतरण सम्बन्धी समस्त कार्य उनकी प्रस्तुति की तारीख से 15 दिन के भीतर विधिवत रूप से सम्पन्न हो जाए. बोर्ड ने सामान्य शेयर धारकों एवं निवेशकों की शिकायतों के निपटान की निगरानी एवं समीक्षा के लिए हितधारक संबंध समिति (जो पहले शेयरधारक / निवेशक शिकायत समिति थी) और शेयरों और बॉण्डों के अंतरण तथा अन्य सम्बद्ध मामलों पर विचार करने के लिए शेयर/ बॉण्ड अंतरण समिति गठित की है. ये समितियाँ नियमित अंतराल पर बैठक आयोजित करती हैं और निवेशक-शिकायतों की स्थिति की समीक्षा करती हैं.

बैंक ने कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्रा.लि. को अपने रजिस्ट्रार और अंतरण एजेंट (आरटीए) के रूप में नियुक्त किया है जिसका कार्य शेयर / बॉण्ड अंतरण, लाभांश / ब्याज भुगतान को प्रोसेस करना, शेयरधारकों के अनुरोध दर्ज करना, निवेशकों की शिकायतों का समाधान तथा शेयर / बॉण्ड जारी करने सम्बन्धी अन्य गतिविधियों / कार्यों को सुनिश्चित करना है. निवेशक अपने अंतरण विलेख / अनुरोध / शिकायतें निम्न पते पर आरटीए को भिजवा सकते हैं.

कार्वी कंप्यूटरशेयर प्रा.लि. (यूनिटः बैंक ऑफ़ बड़ौदा)
कार्वी सेलेनियम टॉवर बी, प्लॉट नं. 31 एवं 32
गचिबोवली, फायनैंसियल डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रमगुडा,
सेरिलिंगमपल्ली, हैदराबाद - 500 008
फोनः (040) 67161500
फैक्सः (040) 23420814
ई-मेल : einward.ris@karvy.com

बैंक ने डिबेंचर न्यासी की भी नियुक्ति की है, जिसका पता नीचे दिया गया हैः

आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेस लि.
एशियन बिल्डिंग, भू-तल,
17, आर कमानी मार्ग, बेलार्ड एस्टेट
मुंबई - 400 001
टेलीफोन : (022) 40807000
फैक्स : (022) 66311776 / 40807080
ई-मेल : itsl@idbitrustee.com

The Bank has reduced the face value of its shares from Rs.10/- each to Rs.2/-each and accordingly sub-divided ONE equity share into FIVE equity shares during FY 2014-15. The Record Date was 23.01.2015

The Bank had forfeited 1,36,91,500 equity shares (27,38,300 shares before sub-division) in the year 2003 and out of the same 24000 equity shares (4800 shares before sub-division) were annulled up to 31st March 2015.

12.2: Dividend / Interest payment through Electronic Modes:

The Bank is paying Dividend on Shares / Interest on Bonds to the Investors through various electronic modes, wherever mandate is given by the investors. For the purpose, the Bank is using the services of National Automated Clearing House (NACH), National Electronic Clearing Services (NECS), Electronic Clearing Services (ECS), RTGS, NEFT & Direct Credit etc.

Investors may lodge their mandate with Bank's Registrar & Share Transfer Agent i.e. Karvy Computershare Pvt. Ltd., at the address given in this report.

12.3: Registrar & Share Transfer Agent, Share Transfer System and Redressal of Investors' Grievances

The Bank ensures that all transfers of Shares are duly affected within a period of -15- days from the date of their lodgment. The Board has constituted Stakeholders' Relationship Committee (renamed from earlier- 'Shareholder/Investor Grievances Committee') to monitor and review the progress in redressal of general shareholders' and investors' grievances and Shares/ Bonds Transfer Committee to consider transfer of Shares and Bonds and other related matters. The Committees meet at regular intervals and review the status of Investors' Grievances.

The Bank has appointed Karvy Computershare Private Limited as its Registrars and Share Transfer Agent (RTA) with a mandate to process transfer of Shares / Bonds, dividend / interest payments, recording of Shareholders' requests, solution of investors' grievances amongst other activities connected with the issue of Shares / Bonds. The Investors may lodge their transfer deeds / requests / complaints with the RTA at following address:

Karvy Computershare Private Limited
(Unit: Bank of Baroda)
Karvy Selenium Tower B, Plot No. 31 & 32
Gachibowli, Financial District, Nanakramguda,
Serilingampally, Hyderabad - 500 008
Phone: (040) 67161500
Fax: (040) 23420814
E Mail: einward.ris@karvy.com

For privately placed Bonds, the Bank has also appointed Debenture Trustee as follows:

IDBI Trusteeship Services Ltd.
Asian Building, Ground Floor,
17, R Kamani Marg, Ballard Estate
Mumbai – 400 001
Tel: (022) 40807000
Fax: (022) 66311776 / 40807080
Email: itsl@idbitrustee.com

बैंक ने निवेशक सेवाएं विभाग की स्थापना कार्पोरेट कार्यालय, मुम्बई में भी की है, जिसके प्रभारी कम्पनी सचिव हैं. जहाँ शेयरधारक अपने अनुरोधों / शिकायतों को समाधान हेतु निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं. वे अपनी शिकायतें / अनुरोध प्रधान कार्यालय, वडोदरा को निम्नलिखित पते पर भी भेज सकते हैं:

बैंक ऑफ़ बड़ौदा निवेशक, सेवा विभाग तृतीय तल, बड़ौदा कार्पोरेट सेंटर सी-26, जी-ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051 टेलीफोन : (022) 6698 5812 / 5846 फैक्स : (022) 2652 6660 ई-मेल : investorservices@bankofbaroda.com (उक्त ई-मेल आईडी विशेष रूप से स्टॉक एक्सचेंजों के साथ सूचीबद्ध होने के करार के खंड 47(एफ) के अनुसरण में निवेशकों की शिकायतों हेतु बनाया गया है)	बैंक ऑफ़ बड़ौदा मुख्य प्रबंधक ग्राहक सेवा आठवां तल, सूरज प्लाजा - I, सयाजीगंज, वड़ोदरा 390 005 टेलीफोन : 0265 - 2361724 फैक्स नं. : 0265 - 2361824 ई-मेल: customerservice@bankofbaroda.com

The Bank has also established Investors' Services Department, headed by the Company Secretary at Corporate Office, Mumbai wherein Shareholders can mail their requests / complaints for resolution at the address given below. They can also send their complaints/ requests at the address given below at Head Office, Vadodara:

Bank of Baroda Investors' Services Department 3rd Floor, Baroda Corporate Centre C-26, G-Block, Bandra-Kurla Complex Bandra (East), Mumbai – 400 051 Telephone : (022) 6698 5812/5846 Fax : (022) 2652 6660 E – mail : investorservices@bankofbaroda.com (The aforesaid e-mail ID is exclusively designated for investors' complaints pursuant to Clause 47(f) of the listing agreement with Stock Exchanges)	Bank of Baroda Chief Manager, Customer Service, 8th Floor, Suraj Plaza – I, Sayajiganj, Vadodara 390 005 Telephone : (0265) – 2361724 Fax No. : (0265) – 2361824 E–mail: customerservice@bankofbaroda.com

13. कार्पोरेट गवर्नेंस रेटिंग

बैंक ऑफ बड़ौदा सार्वजनिक क्षेत्र का पहला ऐसा बैंक है जिसे रेटिंग एजेंसी, आईसीआरए लि. द्वारा बैंक की कार्पोरेट गवर्नेंस कार्य पद्धति को रेटिंग प्रदान की गई है. आईसीआरए द्वारा पहली बार जुलाई, 2004 में "सीजीआर 2" रेटिंग प्रदान की गई. बैंक को यही रेटिंग अर्थात सीजीआर 2 रेटिंग पुनः क्रमशः फरवरी 2006, सितम्बर 2007, अप्रैल 2010, मार्च 2011, अप्रैल 2013 और मार्च 2014 में भी प्रदान की गई और अभी लागू हैं. सीजीआर 1 से सीजीआर 6 के उक्त रेटिंग स्केल में सीजीआर 1 सर्वोच्च रेटिंग कहलाती है. सीजीआर 2 रेटिंग से अभिप्राय है कि रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की राय में बैंक ने उन पद्धतियों, परम्पराओं एवं संहिताओं को अपनाया है तथा उनका पालन कर रहा है जो बैंक के हितधारकों एवं जमाकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण कार्पोरेट गवर्नेंस का आश्वासन प्रदान करता है. यह रेटिंग बैंक की पारदर्शी स्वामित्व संरचना, सुव्यवस्थित कार्यपालक प्रबन्धन संरचना, संतोषजनक जोखिम प्रबन्धन पद्धतियों, बोर्ड एवं वरिष्ठ प्रबन्धन की नियुक्तियों में पारदर्शिता, विस्तृत एवं परिष्कृत लेखा कार्यविधि, जो कि निरीक्षण प्रभाग तथा स्वतंत्र लेखा फर्मों द्वारा अपनायी जाती है, को दर्शाती है.

13. CORPORATE GOVERNANCE RATING

Bank of Baroda is the first Public Sector Bank having been assigned a rating to its Corporate Governance Practices by ICRA Limited. The ICRA had assigned the rating of 'CGR2' (pronounced as CGR 2) on a rating scale of CGR1 to CGR6 where CGR1 denotes the highest rating, in July 2004, which has been reaffirmed in February 2006, September 2007, April 2010, March 2011, April 2013 and March 2014 respectively and presently is in force. The CGR2 rating implies that in ICRA's current opinion, the Bank has adopted and follows such practices, convention and codes as would provide its financial stakeholders including the depositors, a high level of assurance on the quality of Corporate Governance. The rating reflects Bank's transparent ownership structure, well-defined executive management structure, satisfactory risk management practices, transparency in appointment and functioning of the Board and Senior Management and an elaborate audit function, carried out both by its Inspection Division and independent audit firms.

14. वित्तीय कॅलेन्डर

वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल, 2014 से 31 मार्च, 2015

14. FINANCIAL CALENDAR

Financial Year 1st April, 2014 to 31st March, 2015

खातों (एकल एवं समेकित) एवं लाभांश सम्बन्धी सिफारिशों पर विचार विमर्श करने हेतु निदेशक मंडल की बैठक	11 मई, 2015	Board Meeting for considering of Accounts (Standalone & Consolidated) and recommendation of dividend.	11th May 2015
19 वीं वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख, समय एवं स्थान	24 जून 2015 को प्रातः 10.30 बजे सर सयाजीराव नगरगृह, वडोदरा महानगर सेवा सदन, टी.पी.-1, एफ.पी. 549/1, जीईबी कॉलोनी के पास, ओल्ड पादरा रोड़, अकोटा, वडोदरा - 390020	Date, Time & Venue of the 19th AGM	24th June 2015 At 10.30 a.m.Sir Sayaji Rao Nagargriha, Vadodara Mahanagar Seva Sadan, T. P. – 1, F. P. 549/1, Near GEB Colony, Old Padra Road, Akota, Vadodara – 390 020
बहियाँ बन्द करने की तारीख	18 जून, 2015 से 24 जून, 2015 (दोनों दिन शामिल)	Book Closure Dates	18th June 2015 to 24th June 2015 (both days inclusive)
प्रॉक्सी फार्म प्राप्त करने की अंतिम तारीख	19 जून, 2015 (सायं 5.00 बजे तक)	Last Date for receipt of Proxy Forms	19th June 2015 (upto 5.00 p.m.)
लाभांश भुगतान की तारीख	8 जुलाई, 2015	Dividend Payment Date	08th July 2015

15. 31 मार्च 2015 को शेयरधारिता पैटर्न

15. SHAREHOLDING PATTERN AS ON 31st MARCH 2015

क्रम सं. Sr. No.	विवरण	Description	शेयरधारकों की संख्या No. of Share Holders	शेयर Shares	इक्विटी का प्रतिशत % to Equity
1	भारत सरकार (प्रवर्तक)	Government of India (Promoters)	1	127,22,76,886	57.53
2	म्यूच्युअल फंड / यूटीआई	Mutual Funds / UTI	206	15,31,90,961	6.93
3	वित्तीय संस्थाएं / बैंक	Financial Institutions / Banks	36	2,76,48,437	1.25
4	बीमा कम्पनियां	Insurance Companies	46	21,16,92,592	9.57
5	विदेशी संस्थागत निवेशक	Foreign Institutional Investors	277	33,86,87,143	15.31
6	निगमित निकाय	Bodies Corporate	1,875	6,01,46,926	2.72
7	निवासी वैयक्तिक	Resident Individuals	2,43,318	10,08,31,305	4.56
8	अनिवासी भारतीय	Non Resident Indians	3,207	93,90,205	0.42
9	विदेशी कार्पोरेट निकाय	Overseas Corporate Bodies	3	1,10,000	0.00
10	समाशोधन सदस्य	Clearing members	259	21,90,560	0.10
11	न्यास	Trusts	34	43,43,264	0.20
12	विदेशी पोर्टफोलियों निवेशक	Foreign Portfolio Investor	27	2,69,44,801	1.22
13	विदेशी नागरिक	Foreign Nationals	1	5,000	0.00
14	कर्मचारी	Employees	2,756	28,03,750	0.13
15	एचयूएफ	HUF	2,504	12,34,076	0.06
	कुल	**Total**	**2,54,550**	**221,14,95,906**	**100.00**

16. 31 मार्च, 2015 को एस्क्रो/उचंत खातों में पड़े हुए शेयरों की स्थिति

16. STATUS OF SHARES LYING IN ESCROW/SUSPENSE ACCOUNT AS ON 31st MARCH, 2015

16.क. उचंत खाते में पड़े हुए शेयरों की स्थिति (प्रत्यक्ष शेयर डिलीवरी न हो सकने के कारण वापस किए गए)

16.a. Status of Shares lying in Suspense A/c (Physical Shares - returned undelivered)

01.04.2014 को प्रारंभिक शेष Opening Balance as on 01.04.2014		वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान प्राप्त अनुरोधों की संख्या No. of requests received during the Financial Year 2014-15	वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान डेबिट किए गए शेयर Shares debited during the Financial Year 2014-15		31 मार्च, 2015 को अंतिम शेष Closing Balance as on 31st March 2015	
मामले / Cases	शेयर / Shares	मामले / Cases	मामले / Cases	शेयर / Shares	मामले / Cases	शेयर / Shares
72	17,100*	0	1(#)	400*(#)	73	87500**

* उप-विभाजन से पहले ** शेयर उप-विभाजन के बाद

(एक इक्विटी शेयर को पांच इक्विटी शेयरों में उप-विभाजित किया गया)

(#) 400 शेयरों (विभाजन के बाद 2000 शेयर) के एक लेनदेन को शेयरधारकों के डीमेट खाते में जमा किए बिना वापिस किया गया.

*Before Sub-division **After Share Sub-division

(One Equity Share was sub-divided into Five Equity Shares)

(#) One transaction of 400 Shares (2000 Shares after split) were returned uncredited in the Shareholder's Demat Account.

16.(ख). एस्क्रो / उचंत खाते में पड़े हुए शेयरों की स्थिति (अभौतिकीकृत शेयर डिलीवरी न हो सकने के कारण वापस हुए)

16.b. Status of Shares lying in Escrow / Suspense A/c (Demat Shares - returned undelivered)

01.04.2014 को प्रारंभिक शेष Opening Balance as on 01.04.2014		वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान प्राप्त अनुरोधों की संख्या No. of requests received during the Financial Year 2014-15	वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान क्रेडिट किए गए शेयर Shares credited during the Financial Year 2014-15		31 मार्च, 2015 को अंतिम शेष Closing Balance as on 31st March 2015	
मामले / Cases	शेयर / Shares	मामले / Cases	मामले / Cases	शेयर / Shares	मामले / Cases	शेयर / Shares
166	19389*	4	4	253*	162	95680**

* उप-विभाजन से पहले ** शेयर उप-विभाजन के बाद

(एक इक्विटी शेयर को पांच इक्विटी शेयरों में उप-विभाजित किया गया)

*Before Sub-division **After Share Sub-division

(One Equity Share was sub-divided into Five Equity Shares)

17. 31 मार्च, 2015 को शेयर धारकों का आबंटन संबंधी श्रेणी-वार विवरण

17. DISTRIBUTION OF SHAREHOLDERS - CATEGORY WISE AS ON 31ST MARCH, 2015

31/03/2015 को आबंटन तालिका (कुल)
Distribution Schedule As On 31/03/2015 (Total)

क्रम सं. Sr. No.	श्रेणी Category	मामलों की संख्या No. of Cases	मामलों का % % of Cases	राशि (₹) Amount ₹.	राशि का % % of Amount
1	1 - 5000	2,50,392	98.37	18,14,35,688/-	4.10
2	5001 - 10000	2,330	0.92	1,82,42,666/-	0.41
3	10001 - 20000	746	0.29	1,13,51,476/-	0.26
4	20001 - 30000	230	0.09	59,47,330/-	0.13
5	30001 - 40000	92	0.04	33,20,982/-	0.08
6	40001 - 50000	79	0.03	36,79,258/-	0.08
7	50001 - 100000	178	0.07	1,29,59,204/-	0.29
8	100001 & ABOVE	503	0.20	418,60,55,208/-	94.64
	Total:	2,54,550	100.00	442,29,91,812/-	100.00

18. 31 मार्च, 2015 को शेयरधारकों का भौगोलिक दृष्टि से आबंटन संबंधी (राज्य-वार) विवरण

18. GEOGRAPHICAL (STATE WISE) DISTRIBUTION OF SHAREHOLDERS AS AT 31ST MARCH 2015

क्रम सं. Sr. No.	राज्य	State	मामले Cases	शेयर Shares
1	आंध्र प्रदेश	ANDHRA PRADESH	10,084	53,87,985
2	अरुणाचल प्रदेश	ARUNACHAL PRADESH	19	6,371
3	असम	ASSAM	988	3,30,993
4	बिहार	BIHAR	5,450	16,44,169
5	चंडीगढ़	CHANDIGARH	766	3,79,275
6	दिल्ली	DELHI	11,669	128,00,31,631
7	गोवा	GOA	1,882	14,68,388
8	गुजरात	GUJARAT	56,222	2,65,20,192
9	हरियाणा	HARYANA	3,628	14,17,527
10	हिमाचल प्रदेश	HIMACHAL PRADESH	423	1,31,597
11	जम्मू एवं कश्मीर	JAMMU AND KASHMIR	377	1,21,238
12	कर्नाटक	KARNATAKA	12,527	44,69,282
13	केरल	KERALA	5,661	23,45,800
14	मध्यप्रदेश	MADHYA PRADESH	7,400	44,27,524
15	महाराष्ट्र	MAHARASHTRA	67,107	84,10,56,483
16	मेघालय	MEGHALAYA	120	69,933
17	मिज़ोरम	MIZORAM	1	300
18	नागालैंड	NAGALAND	116	1,08,315
19	उड़ीसा	ORISSA	2,066	6,33,276
20	अन्य	OTHERS	3,475	68,99,500
21	पंजाब	PUNJAB	2,555	11,46,058
22	राजस्थान	RAJASTHAN	12,908	60,26,907
23	तमिलनाडू	TAMIL NADU	17,138	1,21,00,963
24	त्रिपुरा	TRIPURA	184	84,886
25	उत्तर प्रदेश	UTTAR PRADESH	17,692	76,85,590
26	पश्चिम बंगाल	WEST BENGAL	14,092	70,01,723
	कुल	Total	2,54,550	221,14,95,906

19. स्टॉक एक्सचेंजों में शेयरों के सौदों की मात्रा तथा शेयर मूल्य और इंडेक्स डाटा

19. SHARE PRICE, VOLUME OF SHARES TRADED IN STOCK EXCHANGES AND INDEX DATA

19. (क). स्टॉक एक्सचेंजों में शेयरों के सौदों की मात्रा तथा शेयर मूल्य (01.04.2014 से 31.03.2015)

19. a Share Price, Volume of Shares Traded in Stock Exchanges (From 01.04.2014 to 31.03.2015)

माह	Month	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. (एनएसई) National Stock Exchange of India Limited (NSE)			बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लि. (बीएसई) BSE Ltd. (BSE)		
		उच्चतम (रु.) Highest (₹)	न्यूनतम (रु.) Lowest (₹)	सौदों की मात्रा (संख्या) Volume Traded (Nos.)	उच्चतम (रु.) Highest (₹)	न्यूनतम (रु.) Lowest (₹)	सौदों की मात्रा (संख्या) Volume Traded (Nos.)
अप्रैल 2014	APR 2014	837.85	714.60	3,96,40,956	837.05	714.00	48,84,883
मई 2014	MAY 2014	1,010.00	790.50	5,05,05,810	1,009.00	790.20	66,47,509
जून 2014	JUN 2014	918.00	813.65	3,04,19,376	918.00	814.40	45,00,422
जुलाई 2014	JUL 2014	897.20	771.10	2,99,70,501	897.00	772.00	38,02,020
अगस्त 2014	AUG 2014	931.00	855.55	2,70,29,062	930.50	855.60	29,36,756
सितंबर 2014	SEP 2014	966.75	862.20	2,34,91,058	966.00	862.50	35,82,876
अक्तूबर 2014	OCT 2014	933.00	846.75	1,79,53,204	959.35	831.55	27,74,919
नवंबर 2014	NOV 2014	1,099.45	924.50	1,98,91,577	1,097.95	924.65	28,28,216
दिसंबर 2014	DEC 2014	1,124.95	985.00	2,27,92,431	1,125.60	985.10	31,40,270
जनवरी 2015	JAN 2015	228.90	185.60	5,75,99,336	228.90	187.90	86,68,339
फरवरी 2015	FEB 2015	192.05	169.35	11,66,55,689	192.00	169.55	1,93,39,056
मार्च 2015	MAR 2015	198.70	155.40	10,18,89,752	200.00	155.50	1,56,35,975

19.ख अप्रैल 2014 से मार्च 2015 तक इंडेक्स डाटा (मासिक समापन मूल्य)

19.b Index Data from April 2014 to March 2015 (Monthly Closing Values)

तारीख	Date	एस एंड पी सीएनएक्स निफ्टी S&P CNX NIFTY	बैंक निफ्टी BANK NIFTY	बॉब एनएसई BOB NSE	बीएसई सेन्सेक्स BSE SENSEX	बैंकेक्स BANKEX	बॉब बीएसई BOB BSE
30-अप्रैल-14	30.04.2014	6,696.40	12,855.85	816.95	22,417.80	14,706.66	819.50
30-मई-14	30.05.2014	7,229.95	14,793.40	842.65	24,217.34	16,953.86	843.40
30-जून-14	30.06.2014	7,611.35	15,241.90	876.45	25,413.78	17,475.08	877.15
31-जुलाई-14	31.07.2014	7,721.30	15,267.60	871.85	25,894.97	17,485.61	870.65
28-अगस्त-14	28.08.2014	7,954.35	15,740.40	871.50	26,638.11	18,003.68	870.85
30-सितंबर-14	30.09.2014	7,964.80	15,392.25	902.30	26,597.11	17,615.46	902.50
31-अक्तूबर-14	31.10.2014	8,322.20	17,045.05	929.50	27,865.83	19,505.16	930.50
28-नवंबर-14	28.11.2014	8,588.25	18,513.15	1087.20	28,693.99	21,212.07	1,088.20
31-दिसंबर-14	31.12.2014	8,282.70	18,736.65	1083.90	27,499.42	21,458.11	1,084.50
30-जनवरी-15	30.01.2015	8,808.90	19,843.75	193.15	29,182.95	22,715.52	193.35
28-फरवरी-15	28.02.2015	8,901.85	19,691.20	185.20	29,361.50	22,572.97	185.10
31-मार्च-15	31.03.2015	8,491.00	18,206.65	163.50	27,957.49	20,865.31	163.30

20. वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान नियुक्त निदेशकों का परिचय

20.1 श्री मोहम्मद मुस्तफा

20. PROFILE OF DIRECTORS APPOINTED DURING THE FINANCIAL YEAR 2014 –15

20.1 Shri Mohammad Mustafa

नाम	श्री मोहम्मद मुस्तफा	Name	Shri Mohammad Mustafa
पता	डी/144, भारती नगर, नई दिल्ली -110 003	Address	D/I/44, Bharati Nagar, New Delhi – 110 003
जन्मतिथि	15 अगस्त, 1968	Date of Birth	15th August, 1968
आयु	46 वर्ष	Age	46 Years
योग्यता	स्नातकोत्तर (दर्शनशास्त्र)	Qualifications	Post Graduate (Philosophy)
निदेशक के रूप में नियुक्ति का स्वरुप	बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (बी) के तहत केन्द्र सरकार द्वारा डॉ. के. पी. कृष्णन के स्थान पर 25.11.2014 से आगामी आदेशों तक निदेशक के रूप में नियुक्त.	Nature of appointment as Director	Nominated as a Director w.e.f. 25.11.2014 by the Central Government u/s 9(3)(b) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, in place of Dr. K.P. Krishnan until further orders.
अनुभव	श्री मोहम्मद मुस्तफा उत्तर प्रदेश कैडर के 1995 बैच के आईएएस अधिकारी हैं. वर्तमान में वे वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली में संयुक्त सचिव के रूप में कार्यरत हैं. वे दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर हैं. उन्हें राज्य और केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों में कार्य करने का व्यापक अनुभव है. कई जिलों में संयुक्त मजिस्ट्रेट तथा मुख्य विकास अधिकारी के रूप में सेवाएं करने के अतिरिक्त उन्होंने कानपुर, प्रतापगढ़, रामपुर, फतेपुर तथा बलरामपुर में जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर के रूप में भी कार्य किया है. उन्होंने माध्यमिक शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, आवास एवं शहरी विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, मनोरंजन कर, वाणिज्यिक कर आदि जैसे विभागों में भी विभिन्न पदों पर कार्य किया है.	Experience	Shri Mohammad Mustafa, is an IAS officer of 1995 batch of Uttar Pradesh cadre. He is presently the Joint Secretary, Department of Financial Services, Ministry of Finance, New Delhi. He is a Post Graduate in Philosophy. He brings with him rich experience of having worked in various departments of State and Central Government. Besides serving as Joint Magistrate and Chief Development Officers in many districts, he has served as Collector and District Magistrate of Kanpur, Pratapgarh, Rampur, Fatehpur and Balrampur. He has also served in various capacities in the Department of Secondary Education, Higher Education, Social Welfare, Minorities Welfare, Housing & Urban Development, Health& Family Welfare, Science & Technology, Entertainment Tax, Commercial Tax, etc.
अन्य कंपनियों में निदेशक अथवा समिति पदों पर कार्य	1. नेशनल हाउसिंग बोर्ड (प्रबंध निदेशक के रूप में) 2. सीईआरएसएआई (भारतीय प्रतिभूतिकरण, आस्ति पुनर्गठन एवं प्रतिभूति हित केन्द्रीय रजिस्ट्री) 3. आईडब्ल्यूआरएफसी (सिंचाई एवं जल संसाधन वित्तीय निगम लि.)	Directorship or Committee Positions held in other Companies	1. National Housing Board (As Managing Director) 2. CERSAI (Central Registry of Securitisation Asset Reconstruction & Security Interest of India) 3. IWRFC (Irrigation and Water Resource Finance Corporation Ltd.)
बैंक ऑफ़ बड़ौदा में धारित शेयरों की संख्या	शून्य	No. of Shares of Bank of Baroda held	N I L

20.2 डॉ. आर. नारायणस्वामी

20.2 Dr. R. Narayanaswamy

नाम	डॉ. आर. नारायणस्वामी	Name	Dr. R. Narayanaswamy
पता	206, फैकल्टी क्वार्टर्स, आईआईएम कैंपस, बान्नेर्घट्टा रोड, बैंगलोर- 560 076	Address	206, Faculty Quarters, IIM Campus, Bannerghatta Road, Bangalore – 560 076
जन्मतिथि	28 जुलाई, 1956	Date of Birth	28th July, 1956
आयु	58 वर्ष	Age	58 Years
योग्यता	बी.कॉम, सीए, आईसीड्ब्ल्यूए, पीएचडी, सीएस, डीएमए	Qualifications	B.Com., CA, ICWA, PhD., CS, DMA
निदेशक के रूप में नियुक्ति का स्वरूप	बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (आई) के तहत 24.12.2014 से 23.12.2017 तक 3 वर्ष की अवधि के लिए शेयरधारक निदेशक के रूप में निर्वाचित घोषित.	Nature of appointment as Director	Declared elected as Shareholder Director under Section 9 (3)(i) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, for a period of 3 years from 24.12.2014 to 23.12.2017.
अनुभव	वे भारतीय प्रबंधन संस्थान, बैंगलोर में फायनैंस एवं कंट्रोल के प्रोफेसर हैं. उन्होंने बहुत से रिसर्च आर्टीकल और एक किताब, फायनैंसियल अकाउंटिंग: ए मैनेजरियल पर्सपेक्टिव (पीएचआई लर्निंग , पांचवा संस्करण, 2014) प्रकाशित किए हैं. वे फायनैंसियल अकाउंटिंग, मैनेजमेंट अकाउंटिंग और वित्तीय विवरणी विश्लेषण पढाते हैं. वे भारतीय रेलवे वित्त कार्पोरेशन लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक थे तथा अकाउंटिंग स्टेंडर्ड बोर्ड और ऑडिटिंग एवं एश्योरेंस बोर्ड में भी थे. बिनजेस टूडे ने उन्हें आईआईएमबी में टॉप 3 प्रोफेसरों में से एक तथा भारत के टॉप 9 बिजनेस स्कूल प्रोफेसरों में से एक माना है.	Experience	He is a Professor of Finance and Control at Indian Institute of Management, Bangalore. He has published many research articles and a textbook, Financial Accounting: A Managerial Perspective (PHI Learning, fifth edition, 2014). He teaches financial accounting, management accounting, and financial statement analysis. He was an independent director of The Indian Railway Finance Corporation Limited and was on the Accounting Standards Board and the Auditing and Assurance Standards Board. Business Today named him one of top three professors in IIMB and one of the top nine business school professors in India.
अन्य कंपनियों में निदेशक अथवा अन्य समिति पदों पर कार्य	शून्य	Directorship or Committee Positions held in other Companies	NIL
बैंक ऑफ़ बड़ौदा में धारित शेयरों की संख्या	500	No. of Shares of Bank of Baroda held	500

20.3 श्री भरतकुमार धीरुभाई डांगर

20.3 Shri Bharatkumar Dhirubhai Dangar

नाम	श्री भरतकुमार धीरुभाई डांगर	Name	Shri Bharatkumar Dhirubhai Dangar
पता	सी/7, रघुवंश अपार्टमेंट, रंजन सोसायटी, चिकुवाड़ी, वडोदरा - 390 007, गुजरात	Address	C/7, Raghuvansh Apartment, Ranjan Society, Chikuwadi, Vadodara – 390 007, Gujarat
जन्मतिथि	18 सितम्बर, 1978	Date of Birth	18th September, 1978
आयु	36 वर्ष	Age	36 Years
योग्यता	बी.ई (इलेक्ट्रिकल), एम.ई (इलेक्ट्रिकल)	Qualifications	B.E. (Electrical) M.E. (Electrical)
निदेशक के रूप में नियुक्ति का स्वरूप	बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (आई) के तहत 24.12.2014 से 23.12.2017 तक 3 वर्ष की अवधि के लिए शेयरधारक निदेशक के रूप में निर्वाचित घोषित.	Nature of appointment as Director	Declared elected as Shareholder Director under Section 9 (3)(i) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, for a period of 3 years from 24.12.2014 to 23.12.2017.
अनुभव	वर्तमान में वे एम. एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा के टेक्नोलॉजी एवं इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं. उनकी शैक्षणिक योग्यताओं में विशेष योग्यता के साथ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग तथा माइक्रोप्रोसेसर सिस्टम एवं एप्लीकेशन में विशेषज्ञता के साथ इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर शामिल हैं. एक विद्यार्थी के रूप में, वे विद्यर्थियों के कल्याण संबंधी कार्यों में सक्रियता से भाग लेते थे. उनके पास विभिन्न कार्पोरेट एवं एसएमई के कार्य के साथ अकादमिक, परिचालन, प्रबंधन, अकाउंटेंसी तथा मानव संसाधन के क्षेत्र में व्यापक अनुभव है. वे फायनैंसिंग, फसल बीमा, ऋण सुविधाओं सहित विभिन्न खेतीहर मामलों में बहुत अनुभवी हैं. उन्होंने कृषक समुदाय तथा उद्योगों के मामलों को सरकार के विभिन्न स्तरों पर उठाया और उसके परिणामस्वरूप उन संबंधित क्षेत्रों में बहुत से सुधार हुए हैं.	Experience	He currently serves as Assistant Professor in Faculty of Technology and Engineering of The M.S. University of Baroda. His education accomplishments include Electrical Engineering with distinction and Masters in Engineering with specialization in Microprocessor systems and application. As a student, he was actively involved in pursuing students' welfare. He brings with him a rich experience in fields of Academics, Operations, Management, Accountancy and Human Resource with exposure to various Corporates and SMEs. He is well versed with various farmers' issues including financing, crop insurance, credit facilities etc. He has been raising issues of farming community and Industry at various levels of Government which resulted into many improvements in respective fields.
अन्य कंपनियों में निदेशक अथवा अन्य समिति पदों पर कार्य	शून्य	Directorship or Committee Positions held in other Companies	NIL
बैंक ऑफ़ बड़ौदा में धारित शेयरों की संख्या	500	No. of Shares of Bank of Baroda held	500

20.4 श्रीमती सुरेखा मरांडी

20.4 Smt. Surekha Marandi

नाम	श्रीमती सुरेखा मरांडी	Name	Smt. Surekha Marandi
पता	401, सन प्लाज्जो, एस. बी. मार्ग, लोअर परेल, मुंबई 400 013	Address	401, Sun Palazzo, S.B. Marg, Lower Parel, Mumbai-400 013
जन्मतिथि	27.07.1959	Date of Birth	27.07.1959
आयु	55 वर्ष	Age	55 Years
योग्यता	एम. ए.	Qualifications	M.A.
निदेशक के रूप में नियुक्ति का स्वरूप	बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (सी) के तहत भारतीय रिजर्व बैंक की अनुशंसा पर केंद्रीय सरकार द्वारा 10.06.2014 से अगले आदेशों निदेशक के रूप में नामित	Nature of appointment as Director	Nominated as a Director by Central Government on recommendation of Reserve Bank of India w.e.f. 10.06.2014 u/s 9(3)(c) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, until further orders.
अनुभव	श्रीमती सुरेखा मरांडी का जन्म 17 जुलाई, 1959 को हुआ था, उन्होंने जबलपुर विश्वविद्यालय से कला में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की है. उन्होंने मई 1983 से भा.रि.बैं. में अपने कैरियर की शुरुआत की तथा 31 वर्ष की अवधि तक कार्य किया, उन्होंने भा.रि.बैंक के विभिन्न कार्यालयों चैन्नई, कोलकाता, अहमदाबाद, भोपाल, गुवाहटी और मुंबई में पर्यवेक्षण विभाग, प्रबंधन सेवाएं विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, मानव संसाधन प्रबंधन विभाग, ग्रामीण आयोजना एवं ऋण विभाग में विभिन्न पदों पर तथा महाराष्ट्र एवं गोवा की बैंकिग लोकपाल, उत्तर पूर्वीय राज्यों के क्षेत्रीय निदेशक तथा मुख्य महाप्रबंधक अर्बन बैंक विभागों में कार्य किया है. वर्तमान में वे भा.रि.बैं मुख्यालय, मुंबई में मुख्य महाप्रबंधक (सीवीओ) के रूप में कार्यरत हैं. वे यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया के बोर्ड में भी भा. रि.बै. नामिति के रूप में कार्यरत हैं. उन्होंने एशियन प्रबंधन संस्थान, मनीला तथा सेंट केथेरिन कॉलेज, कैम्ब्रिज में एडवांस मैनेजमेंट प्रोग्राम में भाग लिया था. उन्हें चंडीगढ़ राज्य के वित्तीय सेक्टर प्लान तथा वित्तीय स्थिरता, ग्राहक सेवा, वित्तीय समावेशन एवं शिक्षा की विभिन्न समितियों में भी शामिल किया गया है.	Experience	Smt. Marandi, born on 27th July, 1959, holds a Master of Arts degree from Jadavpur University. She started her career with RBI in May 1983 and over a span of 31 years, has worked in various offices of RBI at Chennai, Kolkata, Ahmedabad, Bhopal, Guwahati and Mumbai, in various capacities in the department of Supervision, Management Services Department, Department of Information Technology, Human Resources Management Department, Rural Planning and Credit Department and as Banking Ombudsman Maharashtra and Goa, Regional Director of North Eastern States & CGM-Urban Banks Department. Presently she is posted as CGM (CVO) at RBI- Head Quarter in Mumbai. She has also served as RBI nominee on the Board of United Bank of India. She has attended Advanced Management Programmes at Asian Institute of Management, Manila and St. Catherine's College, Cambridge. She has been associated with various committees on Customer Service, Financial Inclusion & Education, Financial Stability and Financial Sector Plan for the State of Chattisgarh.
अन्य कंपनियों में निदेशक अथवा अन्य समिति पदों पर कार्य	शून्य	Directorship or Committee Positions held in other Companies	NIL
बैंक ऑफ़ बड़ौदा में धारित शेयरों की संख्या	शून्य	No. of Shares of Bank of Baroda held	NIL

20.5 श्री प्रेम कुमार मक्कड

20.5 Shri Prem Kumar Makkar

नाम	श्री प्रेम कुमार मक्कड	Name	Shri Prem Kumar Makkar
पता	बी-1/III, जनकपुरी, नई दिल्ली ङ्ग 110 058	Address	B-1/III, Janakpuri, New Delhi – 110 058
जन्मतिथि	12.03.1961	Date of Birth	12.03.1961
आयु	54 वर्ष	Age	54 Years
योग्यता	बी.कॉम, सीएआईआईबी	Qualifications	B.Com., CAIIB
निदेशक के रूप में नियुक्ति का स्वरूप	बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (एफ) के तहत 19.09.2014 से 3 वर्ष की अवधि के लिए या बैंक में ऑफिसर बने रहने तक या अगले आदेशों तक इनमें से जो भी पहले हो तक गैर-वर्कमैन कर्मचारी निदेशक के रूप में नियुक्त.	Nature of appointment as Director	Appointed as Non-workmen employees Director w.e.f. 19.09.2014 u/s 9(3)(f) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, for a period of 3 years or until he ceases to be an officer of the Bank or until further orders whichever is earlier.
अनुभव	वे दिल्ली विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातक हैं, और उन्होंने सीएआईआईबी भी किया है. उन्होंने 1981 में बैंक में कार्यभार ग्रहण किया और उन्हें बैंक में कार्य करने का 30 वर्षों का अनुभव है.	Experience	He is a graduate in Commerce from University of Delhi and has also done CAIIB. Having joined the Bank in 1981, he has over 3 decades of experience in banking.
अन्य कंपनियों में निदेशक अथवा अन्य समिति पदों पर कार्य	शून्य	Directorship or Committee Positions held in other Companies	NIL
बैंक ऑफ़ बड़ौदा में धारित शेयरों की संख्या	5	No. of Shares of Bank of Baroda held	5

20.6 श्री के. वी. रामा मूर्ती

20.6 Shri K. V. Rama Moorthy

नाम	श्री के. वी. रामा मूर्ती	Name	Shri K. V. Rama Moorthy
पता	फ्लैट नं. 14, जी-ब्लॉक, वीनस अपार्टमेंट, आर.जी थडानी मार्ग, पोद्दार हास्पिटल के समीप, वर्ली-सी फेज़, वर्ली, मुंबई - 400 018	Address	Flat No.14, G-Block, Venus Apartments, R.G. Thadani Marg, Near Podar Hospital, Worli-Sea Face, Worli, Mumbai – 400 018
जन्मतिथि	12 जनवरी, 1959	Date of Birth	12th January, 1959
आयु	56 वर्ष	Age	56 Years
योग्यता	बी.एससी (एग्री), सीएआईआईबी	Qualifications	B.Sc (Agri)., CAIIB
निदेशक के रूप में नियुक्ति का स्वरूप	बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (ए) के तहत 10.03.2015 से कार्यपालक निदेशक के रूप में नियुक्त किये गए हैं, वे 31.01.2019 तक अर्थात् अपनी अधिवर्षिता की तारीख या अगले आदेशों, इनमें से जो भी पहले हो, तक अपने पद पर रहेंगे.	Nature of appointment as Director	Appointed as Executive Director w.e.f. 10.03.2015 u/s 9(3)(a) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, for a period upto 31.01.2019 i.e. the date of his attaining the age of superannuation, or until further orders, whichever is earlier.
अनुभव	वे बी.एससी (एग्री) हैं और सीएआईआईबी भी किया है. उन्होंने 1981 में बैंक में कार्यभार ग्रहण किया और उन्हें बैंक में कार्य करने का 30 वर्षों से अधिक का अनुभव है.	Experience	He is B.Sc.(Agri) and has also done CAIIB. Having joined the Bank in 1981, he has over 3 decades of experience in banking.
अन्य कंपनियों में निदेशक अथवा अन्य समिति पदों पर कार्य	शून्य	Directorship or Committee Positions held in other Companies	NIL
बैंक ऑफ़ बड़ौदा में धारित शेयरों की संख्या	शून्य	No. of Shares of Bank of Baroda held	NIL

घोषणा-पत्र

स्टॉक एक्सचेंजों के साथ सूचीकरण करार के खण्ड 49 (II)(ई)(2) के अनुसरण में प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी की घोषणा.

यह घोषित किया जाता है कि बैंक के बोर्ड के सभी सदस्यों तथा वरिष्ठ प्रबन्धन कार्यपालकों ने स्टॉक एक्सचेंजों के साथ किए गए सूचीकरण करार के खण्ड 49 (II)(ई)(2) के अनुसार 31 मार्च 2015 को समाप्त वित्तीय वर्ष की आचार संहिता के अनुपालन के बारे में प्रतिबद्धता दोहराई है. यह आचार संहिता बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है.

कृते बैंक ऑफ बड़ौदा

रंजन धवन
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

स्थान : मुंबई
दिनांक : 11 मई, 2015

DECLARATION

Declaration of the Managing Director & CEO pursuant to clause 49 (II)(E)(2) of Listing Agreement with Stock Exchanges.

It is to declare that all the Board Members and Senior Management Personnel of the Bank have affirmed their compliance of the Code of Conduct for the Financial Year Ended on 31st March, 2015 in accordance with clause 49 (II)(E)(2) of the Listing Agreement entered into with the Stock Exchanges. The said Code of conduct has been posted on the Bank's website.

For Bank of Baroda

Ranjan Dhawan
Managing Director & CEO

Place : Mumbai
Date : 11th May, 2015

कार्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन से संबंधित लेखा परीक्षकों का प्रमाण-पत्र-2014-15
Auditors' Certificate on Compliance of Conditions of Corporate Governance-2014-15

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सदस्यों के लिए

हमने बैंक ऑफ बड़ौदा के, स्टॉक एक्सचेंजों के साथ सूचीबद्ध करने सम्बन्धी करार के खण्ड 49 में विनिर्दिष्ट कार्पोरेट गवर्नेंस शर्तों के सन्दर्भ में बैंक द्वारा 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए कार्पोरेट गवर्नेंस सम्बन्धी अनुपालन स्थिति की जांच की है.

कार्पोरेट गवर्नेंस सम्बन्धी शर्तों का अनुपालन करना प्रबन्धन का दायित्व है. हमारी जांच, कार्पोरेट गवर्नेंस सम्बन्धी बाध्यताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु बैंक द्वारा अपनायी गई प्रक्रियाओं और कार्यान्वयन तक सीमित थी. यह न तो लेखा परीक्षा है और न ही बैंक की वित्तीय विवरणियों के बारे में हमारा अभिमत है.

हम अपनी राय तथा सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के आधार पर प्रमाणित करते हैं कि बैंक ने उपरोक्त सूचीबद्ध करार में विनिर्दिष्ट कार्पोरेट गवर्नेंस सम्बन्धी बाध्यताओं का अनुपालन किया है.

हमारा यह भी अभिकथन है कि उक्त अनुपालन का अभिप्राय बैंक की भविष्य की सक्षमता के प्रति यह कोई आश्वासन नहीं है और न ही यह बैंक के कार्यकलापों के संचालन में प्रबन्धन की कुशलता एवं प्रभावपूर्णता के बारे में आश्वासन है

To: The Members of Bank of Baroda,

We have examined the compliance of conditions of Corporate Governance by Bank of Baroda, for the year ended 31st March 2015, as stipulated in Clause-49 of the Listing Agreement of the Bank with Stock Exchanges.

The compliance of conditions of Corporate Governance is the responsibility of management. Our examination was limited to procedures and implementation thereof, adopted by the Bank for ensuring the compliance of the conditions of the Corporate Governance. It is neither an audit nor an expression of opinion on the financial statements of the Bank.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, we certify that the Bank has complied with the conditions of Corporate Governance as stipulated in the above mentioned Listing Agreement.

We state that such compliance is neither an assurance as to the future viability of the Bank nor the efficiency or effectiveness with which the management has conducted the affairs of the Bank.

कृते खंडेलवाल जैन एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 105049 डब्ल्यू
(चिराग एच दोषी)
भागीदार
एम. नं.: 119079

For Khandelwal Jain & Co
Chartered Accountants
FRN: 105049W
(Chirag H Doshi)
Partner
M. No. 119079

कृते के एस एस जी एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 002228 सी
(के के हरोदिया)
भागीदार
एम. नं.: 034751

For KASG & Co.
Chartered Accountants
FRN: 002228C
(K. K. Harodia)
Partner
M No.034751

कृते वाही एण्ड गुप्ता
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 002263 एन
(अनुज गुप्ता)
भागीदार
एम. नं.: 076560

For Wahi & Gupta
Chartered Accountants
FRN: 002263N
(Anuj Gupta)
Partner
M. No. 076560

कृते एस आर गोयल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 001537 सी
(प्रवीण गोयल)
भागीदार
एम. नं.: 074789

For S. R. Goyal & Co.
Chartered Accountants
FRN: 001537C
(Praveen Goyal)
Partner
M. No. 074789

कृते एम बी अग्रवाल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 100137 डब्ल्यू
(संजयकुमार सी लंकड)
भागीदार
एम. नं.: 048229

For M B Agrawal & Co
Chartered Accountants
FRN: 100137W
(Sanjaykumar C Lunkad)
Partner
M No.048229

कृते रोडी डाबिर एण्ड कं
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 108846 डब्ल्यू
(दिलीप जी रोडी)
भागीदार
एम. नं.: 035810

For Rodi Dabir & Co.
Chartered Accountants
FRN: 108846W
(Dilip G Rodi)
Partner
M. No. 035810

स्थान / Place: मुंबई / Mumbai
दिनांक / Date: 11th May, 2015

व्यवसाय दायित्व रिपोर्ट 2014-15 (लिस्टिंग करार के खण्ड 55 के तहत)
BUSINESS RESPONSIBILITY REPORT 2014-15 (Under Clause 55 of Listing Agreement)

खण्ड - क : बैंक के बारे में सामान्य जानकारी

Section A: General Information about the Bank

1	कम्पनी की कार्पोरेट पहचान संख्या (सीआईएन) Corporate Identity Number (CIN) of the Company	लागू नहीं Not Applicable	
2	कम्पनी का नाम Name of the Company	बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda	
3	पंजीकृत पता Registered address	"बड़ौदा हाऊस", पी.बी.नं. - 506, मांडवी, बड़ौदा - 390006 "Baroda House", P.B. No. 506, Mandvi, Baroda – 390 006	
4	बेबसाइट Website	www.bankofbaroda.co.in	
5	ई-मेल आईडी E-mail id	ed.bb@bankofbaroda.com	
6	प्रतिवेदित वित्तीय वर्ष Financial Year reported	2014-15	
7	क्षेत्र जिनमें कम्पनी शामिल है (कूट अनुसार औद्योगिक गतिविधियाँ) Sector(s) that the Company is engaged in (industrial activity code-wise)	"बैंकिंग एवं वित्त" "Banking & Finance"	
8	तीन मुख्य उत्पादों / सेवाओं की सूची जो कम्पनी निर्मित करती है / उपलब्ध कराती है (तुलन पत्र के अनुसार) List three key products/services that the Company manufactures/provides (as in balance sheet)	1. होलसेल बैंकिंग 2. रिटेल बैंकिंग 3. अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग	1. Wholesale Banking 2. Retail Banking 3. International Banking
9	कुल स्थानों की संख्या जहाँ व्यावसायिक गतिविधियों का उत्तरदायित्व कम्पनी के द्वारा लिया जाता है Total number of locations where business activity is undertaken by the Company		
	i) अंतर्राष्ट्रीय स्थानों की संख्या @ (5 बड़े स्थानों का विवरण उपलब्ध कराएं) Number of International Locations@ (Provide details of major 5)	104 (यूएई, यूके, यूएसए, सिंगापुर हांगकांग) [UAE, UK, USA, Singapore, Hong kong]	
	ii) राष्ट्रीय स्थानों की संख्या Number of National Locations	5,190	
10	बाजार, जहाँ कम्पनी सेवाएं प्रदान करती है- स्थानीय/राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय Markets served by the Company-Local/State/National/ International	राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय National & International	

@31 मार्च, 2015 को बैंक ऑफ बड़ौदा 24 देशों में, 60 शाखाओं, 43 अनुषंगियों तथा एक प्रतिनिधि कार्यालय सहित कुल 104 स्थानों पर परिचालन कर रहा है.

@As of 31st March 2015, Bank of Baroda has operations in 24 countries with the number of branches at 60, the number of branches of its subsidiaries at 43 and one representative office, taking the total tally to 104.

खण्ड - ख : बैंक का वित्तीय विवरण

Section B: Financial Details of the Bank

1.	प्रदत्त पूंजी (भारतीय ₹. में) Paid up Capital (INR)	₹ 443.56 करोड़ crore
2.	कुल टर्न ओवर (भारतीय रूपयों में) Total Turnover (INR)	Rs 10,45,624.66 crore
3.	कर के पश्चात कुल लाभ (भारतीय रूपयों में) Total profit after taxes (INR)	Rs 3,398.43 crore
4.	कर के पश्चात प्रतिशत के रूप में कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पर कुल व्यय (%) Total Spending on Corporate Social Responsibility (CSR) as percentage of profit after tax (%)	0.52%
5.	गतिविधियों की सूची जिनमें उपरोक्त 4 में व्यय किया गया List of activities in which expenditure in 4 above has been incurred:-	

क्र.सं. **Sr. No.**	गतिविधि **Activity**	अनुदत्त दान (संख्या) **No. of Donations**	राशि (₹. लाख में) **Amount (Rs lakh)**
1.	शिक्षा Education	4	34.34
2.	स्वास्थ्य Health	7	153.46
3.	सामाजिक-आर्थिक विकास Socio- Economic Development	4	1080.33
4.	पर्यावरण Environment	2	515.00
	कुल TOTAL	17	1783.13

स्वीकृत दान का खण्डवार वर्गीकरणः

Segment-wise classification of donations sanctioned :

1. **शिक्षा**

1. **Education**

क्र.सं. **Sr. No.**	दानग्राही का नाम **Name of Donee**	उद्देश्य **Purpose**	राशि (₹. लाख में) **Amount (Rs lakh)**
1	मनीलाइफ फाउंडेशन, मुंबई Moneylife Foundation, Mumbai	हैल्पलाइन सह क्रेडिट काउंसलिंग सर्विस स्थापित करने के लिए Setting up of helpline cum credit counselling service	19.20
2	रोहिनी घाडोक फाउंडेशन, नई दिल्ली Rohini Ghadiok Foundation, New Delhi	गरीबों को शिक्षा देने के लिए Bridging the Gap- Education to poor	5.00
3	मरियन सोसायटी, भोपाल Marian Society, Bhopal	मूक बच्चों के लिए आशा निकेतन वरि.मा. स्कूल Asha Niketan Hr. Sec. School for the Deaf	1.50
4	मोगवीरा व्यवस्थापक मंडली, मुंबई Mogaveera Vyavasthapaka Mandali, Mumbai	साईंस जूनियर कॉलेज में कैमेस्ट्री लैब लगाने के लिए Establishing Chemistry Lab at Jr. College of Science	8.64
	कुल TOTAL		34.34

2. स्वास्थ्य / 2. Health

क्र.सं. Sr. No.	दानग्राही का नाम Name of Donee	उद्देश्य Purpose	राशि (₹. लाख में) Amount (Rs lakh)
1	अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच, नई दिल्ली Akhil Bhartiya Marwari Yuva Manch , New Delhi	अल्ट्रा मॉडर्न मोबाइल कैंसर डिटेक्शन यूनिट Ultra Modern Mobile Cancer Detection Unit	100.00
2	राजस्थान मेडीकेयर सोसायटी, जयपुर Rajasthan Medicare Relief Society, Jaipur	साफ-सफाई और रखरखाव के लिए वार्ड अपनाना Adoption of Ward for upkeep and maintenance	2.52
3	कैम्बे मेडीकल रीलिफ सोसायटी , कैम्बे, एनजीज़ेड Cambay Medical Relief Society, Cambay, NGZ	अल्ट्रासाउंड सोनोग्राफी मशीन Ultra Sound Sonography Machine	14.00
4	सुवेन्दु मेमोरियल ट्रस्ट, कोलकाता Suvendu Memorial Trust, Kolkata	टॉपकॉन ऑपरेशन माइक्रोस्कोप Topcon Operation Microscope	5.60
5	इंडियन कैंसर सोसायटी Indian Cancer Society	थ्रो एचडीएफसी म्युचूअल फंड Thro' HDFC Mutual Fund	18.82
6	के जे सोमैया मेडीकल ट्रस्ट मुंबई K J Somaiya Medical Trust, Mumbai	फुली ऑटोमेटेड रेनडम एक्सेस अनालाइज़र मशीन Fully Automated Random Access Analyzer Machine	11.50
7	इंडियन एशोसिएशन ऑफ ब्लड कैंसर एण्ड अलाइड डीजिज, कोलकाता Indian Association of Blood Cancer and Allied Diseases, Kolkata	कैंसर पीडित 5 गरीब बच्चों कों ब्लड ट्रांसफ्यूजन के लिए Blood Transfusion for 5 poor children with cancer	1.02
	कुल **Total**		**153.46**

3. सामाजिक-आर्थिक विकास / 3. Socio-Economic Development

क्र.सं. Sr. No.	दानग्राही का नाम Name of Donee	उद्देश्य Purpose	राशि (₹. लाख में) Amount (Rs lakh)
1	बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान ट्रस्ट Baroda Swarojgar Vikas Sansthan Trust	बडौदा आरसेटी और एफएलसीसी Baroda RSETIs and FLCCs	1058.68
2	कलेक्टर, मुंबई शहर The Collector of Mumbai City	सैन्य सेवा झंडा दिवस Armed Services Flag Day	1.25
3	रैदम सोशल सर्विस सोसायटी फॉर वोमैन, कोयम्बटूर Rythem Social Service Society for women, Coimbatore	वोकेशनल स्किल ट्रेनिंग Vocational Skill Training	2.40
4	नवजीवन सेंटर, कल्याण पश्चिम, मुंबई Navjeevan Centre, Kalyan West, Mumbai	अनाथालय सह शिक्षा Orphanage cum Education	18.00
	कुल **Total**		**1080.33**

4. पर्यावरण

4. Environment

क्र.सं. Sr. No.	दानग्राही का नाम Name of Donee	उद्देश्य Purpose	राशि (₹. लाख में) Amount (Rs lakh)
1	सरकारी स्कूल Govt. Schools	''स्वच्छ विद्यालय अभियान'' के तहत स्कूलों में शौचालय Toilets in Schools under "Swachh Vidyalaya Campaign"	500.00
2	बड़ौदा जि. हरिजन सेवक संघ, बडौदा Baroda Dt. Harijan Sevak Sangh, Baroda	महिला छात्रावास में शौचालयों का निर्माण Construction of Toilets in Girls Hostel	15.00
	कुल / Total		**515.00**

खण्ड -गः अन्य विवरण

Section C: Other Details

1	क्या कम्पनी की कोई अनुषंगी कम्पनी / कम्पनियाँ हैं? Does the Company have any Subsidiary Company/ Companies?	हाँ बैंक की तीन भारतीय तथा 9 विदेशी अनुषंगियाँ हैं. Yes (The Bank has three Domestic and nine Foreign Subsidiaries)
2	क्या अनुषंगी कम्पनी / कम्पनियाँ मूल कम्पनी के व्यावसायिक दायित्व पहलों में सहभागिता करती हैं? यदि हाँ, तो ऐसी अनुषंगी कम्पनियों की संख्या बताएं. Do the Subsidiary Company/Companies participate in the BR Initiatives of the parent company? If yes, then indicate the number of such subsidiary company(s).	नहीं, उपरोक्त अनुषंगियों में से कोई भी अनुषंगी मूल कंपनी अर्थात हमारे बैंक के व्यावसायिक दायित्व पहलों में सहभागिता नहीं करती. No, None of the above mentioned subsidiaries participate in the BR initiatives of the parent company i.e. Bank.
3	क्या अन्य कोई संस्था / संस्थाएं (जैसे-आपूर्तिकर्ता, वितरक आदि) जो कम्पनी के व्यावसायिक दायित्व पहलों में सहभागिता करके व्यवसाय करती है? यदि हाँ, तो इस प्रकार की संस्था / संस्थाओं का प्रतिशत दर्शाएं? (30% से कम, 30-60%, 60% से अधिक) Do any other entity/entities (e.g. suppliers, distributors etc.) that the Company does business with participate in the BR initiatives of the Company? If yes, then indicate the percentage of such entity/entities? [Less than 30%, 30-60%, More than 60%].	शून्य Nil

खण्ड - घः व्यावसायिक दायित्वों सम्बन्धी सूचना

1. व्यावसायिक दायित्व के लिए उत्तरदायी निदेशक / निदेशकों का विवरण

क. व्यावसायिक दायित्वों संबंधी नीति / नीतियों के कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी निदेशक / निदेशकों के नामः

Section D: BR Information

1. Details of Director/Directors responsible for BR

a) Details of the Director/Director responsible for implementation of the BR policy/policies

क्र.सं. Sr. No.	विवरण Particulars	ब्यौरा Details
1.	डीआईएन नं. DIN Number	06713850
2.	नाम Name	बी. बी. जोशी B.B.Joshi
3.	पदनाम Designation	कार्यपालक निदेशक Executive Director

ख. व्यावसायिक दायित्व प्रमुख का विवरण :

b) Details of the BR head

Sr. No.	Particulars	Details
1.	डीआईएन नं. (यदि लागू है) DIN Number (if applicable)	----
2.	नाम Name	एस. कल्याणरामन S. Kalyanaraman
3.	पदनाम Designation	मुख्य महाप्रबन्धक Chief General Manager
4.	टेलीफोन नं. Telephone number	+91-22-66985705
5.	ई-मेल आईडी e-mail id	gm.compliance.bcc@bankofbaroda.com

2 सिद्धांतवार (एन वी जी के अनुसार) बी आर नीति / नीतियाँ (उत्तर हां/ नहीं में)

2. **Principle - wise (as per NVGs) BR Policy / Policies (Reply in Y/N)**

क्र.सं. S.No.	प्रश्न Questions	पी1 P1	पी2 P2	पी3 P3	पी4 P4	पी5 P5	पी6 P6	पी7 P7	पी8 P8	पी9 P9
1.$$	क्या आपके पास इसके लिए नीति / नीतियाँ हैं... Do you have a policy/policies for....	हां* Y*	हां^ Y^	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	नहीं N	हां Y	हां Y
2	क्या नीति का प्रतिपादन सम्बन्धित हितधारकों से परामर्श कर किया जाता है? Has the policy being formulated in consultation with the relevant stakeholders?	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	नहीं N	हां Y	हां Y
3.**	क्या नीति किसी राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है? यदि हां, तो स्पष्ट करें (50 शब्दों में) (कृपया पृष्ठ के नीचे की टिप्पणी देखें) Does the policy conform to any national/international standards? If yes, specify? (50 words) (Pl. see the footnote)	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	नहीं N	हां Y	हां Y
4	क्या नीति बोर्ड द्वारा अनुमोदित की जाती है? यदि हां, तो क्या उस पर प्रबन्ध निदेशक/मालिक/सीईओ / उपयुक्त बोर्ड निदेशक द्वारा हस्ताक्षर किए जाते हैं? Has the policy being approved by the Board? If yes, has it been signed by MD/owner/CEO/appropriate Board Director?	नहीं N	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	नहीं N	हां Y	हां Y
5	क्या कम्पनी में नीति के कार्यान्वयन पर नजर रखने के लिए बोर्ड/निदेशक/ अधिकारियों की विशिष्ट समिति है? Does the company have a specified committee of the Board/ Director/Official to oversee the implementation of the policy?	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	नहीं N	हां Y	हां Y
6	ऑनलाईन देखने के लिए नीति का लिंक दर्शाएं? Indicate the link for the policy to be viewed online?	हां Y	नहीं N	नहीं N	नहीं N	नहीं N	नहीं N	नहीं N	नहीं N	हां# Y#
7	क्या नीति के बारे में समस्त संबंधित आंतरिक व बाह्य हितधारकों को सूचित किया जाता है? Has the policy been formally communicated to all relevant internal and external stakeholders?	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	नहीं N	हां Y	हां Y
8	क्या कम्पनी की नीति / नीतियों के कार्यान्वयन के लिए कोई आंतरिक संरचना है? Does the company have in-house structure to implement the policy/policies.	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	नहीं N	हां Y	हां Y
9	क्या कम्पनी के हितधारकों की नीति/नीतियों से सम्बन्धित शिकायतों के समाधान के लिए नीति / नीतियों सम्बन्धी शिकायत निवारण मशीनरी / व्यवस्था है? Does the Company have a grievance redressal mechanism related to the policy/policies to address stakeholders' grievances related to the policy/policies?	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	नहीं N	हां Y	हां Y
10	क्या कम्पनी द्वारा किसी आंतरिक या बाह्य एजेंसी से नीति की कार्यप्रणाली का स्वतंत्र मूल्यांकन / लेखा परीक्षण करवाया गया है? Has the company carried out independent audit/evaluation of the working of this policy by an internal or external agency?	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	हां Y	नहीं N	हां Y	नहीं N

$$ बहुत सी नीतियां औपचारिक रूप से बैंक के द्वारा तैयार की गई हैं जो बैंक को विभिन्न कार्यों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित करती हैं. तथापि इसके अलावा, बैंक द्वारा समय-समय पर विभिन्न दिशानिर्देश जारी किए जाते हैं जिनका परिचालन इकाइयाँ तथा विद्यमान औपचारिक नीतियों के साथ साथ अनुसरण करती हैं. इसी प्रकार बैंक, बैंकिंग कार्यों को सम्पन्न करते समय विनियामकों सम्बद्ध संस्थाओं द्वारा तैयार नीतियों और अन्य कानूनों / सांविधिक अपेक्षाओं को कार्यान्वित करता है.

* सिद्धांत 1 के तहत, बैंक प्राथमिक रूप से केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा जारी सतर्कता नियम पुस्तक में दिए गए सीवीसी दिशानिर्देशों का अनुसरण करता है. (लिंकः http://cvc.nic.in/man04.pdf)

^ बैंक की घरेलू ऋण नीति द्वारा नियंत्रित सिद्धांत 2 के तहत विभिन्न गतिविधियाँ जो केवल आंतरिक प्रयोग के लिए होती हैं, तथा, इसलिए इन्हें ऑनलाइन नहीं देखा जा सकता.

** क्र.सं. - 3: बैंक द्वारा सभी नीतियों का अनुपालन विभिन्न नियामकों, सांविधिक निकायों जैसे भारतीय रिजर्व बैंक, वित्त मंत्रालय, सेबी, भारत का संविधान, कानूनी अधिनियमों आदि के द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप किया जाता है. अतः ये राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हैं. लिंकः www.bankofbaroda.co.in

$$ There are several policies formally put in place by the Bank that govern various functions in the Bank directly or indirectly. However, at the same time, there are various guidelines, issued by the Bank from time to time, that are followed by the operating units as well as the policies formally put in place. Similarly, the Bank also implements the policies framed by regulators, affiliated associations and other statutes while carrying out the banking functions.

*Under Principle 1, the Bank follows primarily the CVC guidelines as contained in the Vigilance Manual issued by the Central Vigilance Commission. (Link: http://cvc.nic.in/man04.pdf)

^ Various activities under Principle 2 are governed by the Bank's Domestic Loan Policy which is meant for internal use only and, therefore, cannot be viewed online.

** S. No. 3: All the policies being followed by the Bank are in conformity with the guidelines issued by various regulators and statutory bodies such as Reserve Bank of India, Ministry of Finance, SEBI, Constitution of India, legal Acts etc. Hence, they conform to national standards.

#Link: www.bankofbaroda.co.in

2 क यदि किसी सिद्धांत के आगे क्र.सं. -1 का उत्तर 'नहीं' में है तो उसका कारण बतायें (2 विकल्पों तक पर निशान लगायें).

2a. If answer to S. No. 1 against any principle is 'No', please explain why: (Tick up to 2 options)

क्र.सं. S.No.	प्रश्न Questions	पी1 P1	पी2 P2	पी3 P3	पी4 P4	पी5 P5	पी6 P6	पी7 P7	पी8 P8	पी9 P9
1.	कम्पनी सिद्धांतो को नहीं समझ पाई The company has not understood the Principles	**सिद्धांत पी 7 के लिए नीति नहीं होने का कारणः** हालांकि सिद्धांत 7 के लिए कोई लिखित नीति नहीं है, बैंक देश के बड़े बैंकों में से एक होने के नाते नीति निर्धारकों तथा विनियामकों के सार्वजनिक हित, विशेष रूप से संचालन एवं प्रशासन के क्षेत्र में आर्थिक क्षेत्र में, बैंकिंग क्षेत्र में सुधार, सम्मिलित विकास नीतियों इत्यादि की बेहतरी के लिए सहयोगी है. **Reason for not having policy for P7** While there is no written policy for Principle 7, the Bank being one of the largest banks in the country is associated with policymakers and regulators for the advancement of public good, especially in the areas of governance and administration, economic, especially banking sector reforms, inclusive development policies, etc.								
2.	कम्पनी इस स्थिति में नहीं है कि वह अपने आप को विनिर्दिष्ट सिद्धांतों पर नीतियों के प्रतिपादन तथा कार्यान्वयन की स्थिति में पा सके. The company is not at a stage where it finds itself in a position to formulate and implement the policies on specified principles									
3.	कम्पनी के पास इस कार्य के लिए वित्तीय अथवा श्रमशक्ति स्रोत उपलब्ध नहीं हैं. The company does not have financial or manpower resources available for the task									
4.	इसे अगले 6 महीने में सम्पन्न किए जाने की योजना है It is planned to be done within next 6 months									
5.	इसे अगले 1 वर्ष में सम्पन्न किए जाने की योजना है It is planned to be done within the next 1 year									
6.	अन्य कोई कारण (कृपया विवरण दें) √ Any other reason (please specify)√									

3. व्यावसायिक दायित्वों से सम्बन्धित संचालन

3. Governance related to BR

निदेशक मण्डल, बोर्ड समिति या सीईओ द्वारा कम्पनी के व्यावसायिक दायित्व कार्यनिष्पादन का आकलन करने के लिए सम्बन्धित आवधिकता का उल्लेख करें. 3 माह के भीतर, 3-6 माह, वार्षिक, 1 वर्ष से अधिक. Indicate the frequency with which the Board of Directors, Committee of the Board or CEO to assess the BR performance of the Company. Within 3 months, 3-6 months, Annually, More than 1 year.	वार्षिक Annually
क्या कम्पनी व्यावसायिक दायित्व या प्रतिधारण (सस्टेनेबिलिटी) रिपोर्ट प्रकाशित करती है? इस रिपोर्ट को देखने के लिए हाइपरलिंक क्या है? इसके प्रकाशन की अवधि क्या है? Does the Company publish a BR or a Sustainability Report? What is the hyperlink for viewing this report? How frequently it is published?	हां, बीआर रिपोर्ट को www.bankofbaroda.co.in पर देखा जा सकता है. Yes, BR Report can be viewed at www.bankofbaroda.co.in यह रिपोर्ट वार्षिक आधार पर प्रकाशित होती है और यह बैंक की वार्षिक रिपोर्ट का भाग है. This Report is published annually and is a part of the Bank's Annual Report.

खण्ड ड. - सिद्धांतवार कार्यनिष्पादन स्थिति

Section E: Principle-wise performance

सिद्धान्त 1 Principle 1	"कारोबारी संव्यवहार नीतिपरक पारदर्शी तथा उत्तरदायी होने चाहिए" **"Businesses should conduct and govern themselves with Ethics, Transparency and Accountability"**
1. क्या नैतिक मूल्य, रिश्वतखोरी तथा भ्रष्टाचार संबंधी नीति में केवल संस्था से जुड़े मामले ही शामिल हैं ? 1. Does the policy relating to ethics, bribery and corruption cover only the company?	जी हां, इसमें केवल बैंक से जुड़े मामले ही शामिल होते हैं. बैंक की स्थापना 20 जुलाई, 1908 को कंपनी अधिनियम, 1897 के अधीन केवल ₹.10 लाख मात्र की प्रदत्त पूंजी से की गई थी जो कि अब सुदृढ़ एवं विश्वसनीय वित्तीय संस्था के रूप में रुपांतरित हो चुका है. यह एक सुगठित एवं सुसंगत वृद्धि है जिसमें कार्पोरेट विवेक एवं विद्वता, सामाजिक गरिमा, परोपकारी दृष्टिकोण अर्थात दूसरों के विकास में ही अपना उत्थान जैसा दर्शन शामिल है. बैंक की स्थापना सुदृढ़ नैतिक मूल्यों पर हुई तथा इन्ही मूल्यों को ईमानदार एवं विवेकपूर्ण नेतृत्व ने आगे बढ़ाया है. वित्तीय निष्ठा व्यापारिक विवेक, सजगता एवं सावधानी तथा मेहनती लोगों द्वारा मेहनत से की गई कमाई के प्रति पूर्ण कर्तव्यपरायणता जैसे मूल्य बैंक के केंद्रीय दर्शन में शामिल हैं और इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए बैंक द्वारा व्यवसायगत निर्णय लिए जाते हैं. बैंक में भ्रष्टाचार, अनाचार, गबन की घटनाओं तथा निधियों के दुर्विनियोजन की रोकथाम के लिए प्रभावी तंत्र मौजूद है. **बैंक केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा जारी सतर्कता मेन्युअल में उल्लिखित दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करता है.** इस दिशा में अनुपालन किए जा रहे कुछ दिशानिर्देश इस प्रकार हैः- • अधिकारियों द्वारा भरी जाने वाली वार्षिक संपत्ति विवरणी (एपीआर)ः क) एपीआर की ऑनलाईन प्रस्तुति को अनिवार्य कर दिया गया है ख) विवरणों की 100% जांच पडताल. ग) स्केल V और ऊपर के कार्यपालकों की अचल संपत्ति विवरणों (आईपीआर) को बैंक की वेबसाईट पर डाला जाता है. • सर्वसम्मत सूचीः सीबीआई प्राधिकारियों से परामर्श कर ऐसे अधिकारियों जिनके विरूध्द कोई शिकायत है, जिनकी ईमानदारी एवं निष्ठा संदिग्ध एवं संदेहास्पद है, की सर्वसम्मत सूची तैयार की जाती है. • संदेहस्पद निष्ठा वाले अधिकारियों की सूचीः केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार संदेहास्पद निष्ठा वाले अधिकारियों की सूची वार्षिक रूप से बनायी / उसकी समीक्षा की जाती है. • उपरोक्त सूचियों में शामिल अधिकारियों की पोस्टिंगः मानव संसाधन विभाग द्वारा यह सुनिश्चित किया जाता है कि उपरोक्त सूचियों में शामिल अधिकारियों की पोस्टिंग संवेदनशील जगहो पर न हो. सतर्कता विभाग द्वारा इसकी निगरानी की जाती है. • स्टाफ रोटेशनः बैंक में संवेदनशील पदों पर स्टाफ रोटेशन की निगरानी की जाती है और सूचना केंद्रीय सतर्कता आयोग को मासिक रिपोर्टों के माध्यम से भेजी जाती है. • प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोगः सीवीसी दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग करते हुए सतर्कता प्रशासन में सुधार लाने के प्रयोजन से सभी आवेदन फॉर्म / प्रोफार्मा डाउनलोड करने योग्य रूप में वेबसाइट पर उपलब्ध कराये गये हैं. संलग्न करने योग्य सभी दस्तावेज और उपलब्ध कराई जाने वाली सूचना वेबसाइट पर स्पष्टता से समझाई गयी है और यह आवेदन फॉर्म का हिस्सा है, वित्त मंत्रालय द्वारा सभी सरकारी क्षेत्र के बैंकों में एक समान रूप से कार्यान्वयन हेतु सूचित मानकीकृत जन-शिकायत निवारण पद्धति (एसपीजीआरएस) को सुचारू बनाया गया है. विभिन्न बोलीदाताओं की स्थिति और एल-1 एजेंसी का नाम, जिसे कार्य सौंपा गया है, को दर्शाते हुए संविदाओं का सारांश मासिक आधार पर कॉपोरेट वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाता है. सुरक्षा खामियों को दूर करने के लिए फिनेकल में निरंतर सुधार किया जाता है. धोखाधड़ी नियंत्रित करने / रोकने के लिए धोखाधड़ी प्रबंधन समाधान (एफएमएस) लागू किया गया है. • स्टाफ खातों की जांचः विभिन्न अंचलों /क्षेत्रों के सतर्कता अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षणों तथा निवारक सतर्कता लेखा परीक्षा के दौरान स्टाफ सदस्यों के खातों की यादृच्छिक (रेंडम) जांच पड़ताल की जा रही है. एहतियाती सर्तकता उपाय के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के माध्यम से एक प्रणाली शुरू की गयी है जिसके तहत स्टाफ पर अपने स्वयं के खाते में नामे अथवा जमा करने पर प्रतिबंध लगाया गया है. • नियमित / आकस्मिक / कनकरेंट ऑडिट / निरीक्षणः बैंक में सभी शाखाओं का आवधिक आधार पर नियमित/ आकस्मिक निरीक्षण/कनकरेंट ऑडिट किए जाने की एक प्रणाली है. • निवारक सतर्कता ऑडिटः धोखाधड़ी/दुर्विनियोजन की रोकथाम के लिए प्रत्येक वर्ग के स्टाफ सदस्यों में जागरुकता लाने के उद्देश्य से अंचल/ क्षेत्रीय कार्यालय/ कार्पोरेट कार्यालय के सतर्कता अधिकारियों द्वारा चयनित शाखाओं में निवारक सतर्कता ऑडिट किया जाता है.

- अंचल सतर्कता समितिः

  प्रत्येक अंचल में अंचल सतर्कता समिति की बैठक मासिक आधार पर आयोजित की जाती है और विभिन्न मामलों को विस्तार पूर्वक देखा जाता है. सतर्कता समिति अनुशासनात्मक कार्यवाही की दृष्टि से स्पेशल ऑबजर्वेशन लेटर (एसओएल), निरीक्षण रिपोर्ट में पाई गई अनियमितताओं, शिकायतों की प्रथम दृष्ट्या जांच करती है, अनुशासनात्मक कार्यवाहियों तथा सतर्कता विभाग से संबंधित सभी मामलों की मॉनिटरिंग करती है, केन्द्रीय सतर्कता विभाग को इनकी रिपोर्ट मिलती है.

- तत्काल दंडात्मक कार्यवाहीः

  मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा यह निगरानी की जाती है कि दोषी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासमनात्मक प्राधिकारी द्वारा तत्काल दण्डात्मक कार्यवाही की जाए.

- सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजनः

  केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) दिशानिर्देशों के अनुरुप सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया जाता है. भ्रष्टाचार के विरुद्ध स्टाफ/जनसामान्य/ग्राहकों में जागरुकता लाने के उद्देश्य से सभी शाखाओं/कार्यालयों द्वारा सप्ताह के दौरान सेमिनार, बैठकों, प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन किया जा रहा है.

- सतर्कता शिकायतेंः

  मुख्य सतर्कता अधिकारी, सतर्कता दृष्टिकोणवाली शिकायतों की जांच सुनिश्चित करते हैं और जहां कहीं आवश्यक हो समुचित कार्रवाई करते हैं.

Yes, it covers the Bank only.

The Bank was set up on the 20th July 1908, under the Companies Act of 1897, with a small paid up capital of Rs 10 lakh that has now translated into a strong and trustworthy financial body. It has been a wisely orchestrated growth, involving corporate wisdom, social pride and the vision of helping others grow, and growing itself in turn.

The Bank has been founded on strong ethical values taken forward by its honest and prudent leadership. The financial integrity, business prudence, caution and an abiding care and concern for the hard earned savings of hard working people, have been the central philosophy around which business decisions are effected in the Bank.

The Bank has effective mechanism in place to check corruption, malpractices, embezzlements and misappropriation of funds. **The Bank follows the guidelines strictly as per the Vigilance Manual issued by the Central Vigilance Commission.** Some of the guidelines being followed are as under:

- Annual Property Returns (APR) filed by officers:

a) Online submission of APR has been made mandatory.

b) 100% scrutiny of the Returns.

c) Immoveable Property Returns (IPR) of the executives in Scale V and above has been put on Bank's website

- Agreed List:

  An agreed List of officers against whose honesty or integrity, there are complaints, doubts or suspicions is prepared annually in consultation with the CBI authorities.

- List of Officers of Doubtful integrity:

  As per CVC guidelines, list of Officers of Doubtful integrity is prepared/ reviewed annually.

- Posting of officers appearing in the above lists:

  It is ensured by the HRM Department that the officers appearing in any of the aforesaid lists are not posted in sensitive assignments. This is monitored by Vigilance Department.

- Rotation of staff:

  Rotation of staff in sensitive positions in the Bank is monitored and information is submitted to the Central Vigilance Commission in monthly reports.

- Leveraging of Technology:

	As per CVC guidelines for improving Vigilance Administration by leveraging technology, all application forms / proforma are made available on the websites in downloadable forms. All documents needed to be enclosed and the information to be provided is clearly explained on the website and is also part of the application form. Standardized Public Grievance Redressal System (SPGRS) as advised by MOF for uniform implementation in PSBs made active. Display of summary of contracts awarded, showing position of various bidders and name of the agency L1 to whom the work is awarded, in corporate website on monthly basis. Improvement in FINACLE to plug security loopholes is continuously effected. Fraud Management Solution (FMS) has been put in place as a tool to control/ prevent frauds. • Scrutiny of staff accounts: Scrutiny of staff accounts at random is being undertaken at the time of regular inspection and during the Preventive Vigilance Audits conducted by the Vigilance Officers of various Zones/ Regions. As a preventive vigilance measure, a system has been introduced through IT dept, putting restriction on staff to put either debit or credit in his own account. • Regular/Surprise/Concurrent audit/inspections : The Bank is having a system of conducting Regular/Surprise inspections/ Concurrent audit of the branches periodically. • Preventive Vigilance Audit: In order to bring awareness in the rank and file to curb occurrence of frauds/ misappropriation, Preventive Vigilance Audits of selected branches by the Vigilance Officers at Zonal Offices/ Regional/ Corporate Offices are conducted. • Vigilance Committees at Zones: Zonal Vigilance Committees at each Zone meet every month and take a comprehensive stock of various issues. The Vigilance Committees examine all Special Observation Letters (SOL), irregularities pointed out in Inspection reports, complaints etc warranting disciplinary action prima facie, monitoring of disciplinary actions and all issues regarding vigilance administration. Central Vigilance Department gets a report thereof. • Prompt punitive action: The Chief Vigilance Officer monitors for prompt punitive action by the Disciplinary Authorities against the delinquent officials. • Observance of Vigilance Awareness Week: Vigilance Awareness Week is observed annually as per CVC guidelines. Seminars, meetings, competitions etc. are being organized at the branches/ offices during week to disseminate awareness against corruption amongst staff/ public/ customers. • Vigilance complaints: The Chief Vigilance Officer ensures investigation of complaints having vigilance overtones and takes appropriate action wherever required.
क्या इसे समूह/संयुक्त उपक्रमों/आपूर्तिकर्ताओं/संविदाकारों/ एनजीओ/अन्यों पर भी लागू किया जाता है ? Does it extend to the Group/Joint Ventures / Suppliers /Contractors/NGOs/Others?	**नहीं / NO**

2. विगत वित्त वर्ष में हितधारकों की कितनी शिकायतें प्राप्त हुईं तथा प्रबंधन द्वारा कितने प्रतिशत शिकायतों का संतोषजनक ढंग से समाधान किया गया ? यदि शिकायतें प्राप्त हुई हों तो 50 शब्दों में इसका विवरण दें। 2. How many stakeholder complaints have been received in the past financial year and what percentage was satisfactorily resolved by the management? If *so, provide details thereof, in about 50 words or so.*	विगत वित्त वर्ष (2014-15) के दौरान 19254 ग्राहक शिकायतें प्राप्त हुई तथा इनमें से 19160 (99.51%) का संतोषजनक ढंग से समाधान किया गया. बैंक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित ग्राहक शिकायत निवारण नीति तथा एक सुगठित ग्राहक शिकायत निवारण मशीनरी कार्यरत है. बैंक ग्राहक की संतुष्टि तथा उनकी आवश्यकताओं/अपेक्षाओं को पूरा करने के प्रति सजग एवं जागरुक है. बैंक इस धारणा के प्रति प्रतिबद्ध है कि तकनीक प्रक्रिया, उत्पाद और स्टाफ कौशल का उपयोग अनिवार्य रूप से ग्राहकों को उत्कृष्ट बैंकिंग सेवाएं/अनुभव प्रदान करने के लिए किया जाए. इसके अलावा, वर्ष (2014-15) के दौरान 88 सतर्कता संबंधी शिकायतें भी प्राप्त हुई. इन शिकायतों की विभिन्न अधिकारियों द्वारा जांच पड़ताल/छानबीन की गई. During the past financial year (2014-15), 19,254 customer complaints were received, out of which 19160 (99.51%) were satisfactorily resolved. The Bank has put in place a Customer Grievance Redressal Policy, approved by the Board, and a well structured Customer Grievance Redressal Mechanism. The Bank is highly responsive to the needs and satisfaction of its customers, and is committed to the belief that all technology, processes, products and skills of its people must be leveraged for delivering superior banking experience to its customers without fail. Also, during the year (2014-15), 88 vigilance complaints were received. All these complaints were examined/ investigated, wherever warranted, through various authorities.

सिद्धान्त 2 Principle 2	**''व्यवसाय के माध्यम से इस प्रकार के उत्पाद एवं सेवाएं प्रदान की जाएं जो सुरक्षित हों एवं जीवनपर्यंत सहयोगी एवं मददगार हों.''** **"Businesses should provide goods and services that are safe and contribute to sustainability throughout their life cycle"**
1. अपने -3- ऐसे उत्पादों अथवा सेवाओं का उल्लेख करें जिन्हें सामाजिक अथवा पर्यावरण के उद्देश्यों, जोखिम तथा/अथवा अवसरों की दृष्टि से निरुपित किया गया है. List up to 3 of your products or services whose design has incorporated social or environmental concerns, risks and/or opportunities.	i. **स्वयं सहायता समूह (एसएचजी)** स्वयं सहायता समूह गरीब लोगों तक पहुंच बनाने, उनमें बचत की आदत विकसित करने और बैंक ऋण के माध्यम से उनके लिए आय के साधन जुटाने का एक किफायती जरिया है. बैंक ने इस संबंध में बहुत से कदम उठाए हैं. बैंक ने स्वयं सहायता समूहों के वित्तपोषण के लिए नियमों/मानदण्डों को सरल बनाया है. बैंक स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए प्रतिष्ठित गैर सरकारी संगठनों की मदद ले रहा है. महिला सशक्तिकरण में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका को ध्यान मे रखते हुए बैंक महिला स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं उनके वित्त पोषण पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है. बैंक वित्त मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार देश के चुनिंदा पिछड़े जिलों में महिला लाभार्थियों के वित्तपोषण संबंधी योजना को क्रियान्वित कर रहा है, जिसके तहत न्यूनतम ₹.50,000/- के ऋण स्वीकृत किए जाते हैं. इस योजना को लागू करने के लिए बैंक के छः अग्रणी जिलों को चुना गया है जहां गैर सरकारी संगठनों के साथ तालमेल के जरिए केवल महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जाता है. बैंक महिला स्वयं सहायता समूहों को रिआयती ब्याज दरों पर निर्बाध ऋण देने के उद्देश्य से एनआरएलएम योजना के क्रियान्वयन में सक्रियता से शामिल है.
	ii. **बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (बड़ौदा आरसेटी)** ग्रामीण युवाओं को कार्यकुशल बनाने की आवश्यकता तथा उन्हें स्वरोजगार उद्यमों में लगाने की जरुरत को ध्यान में रखते हुए बैंक ने एक न्यास का गठन किया है. जिसके अंतर्गत बेरोजगार युवाओं को निःशुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए देशभर में 49 केन्द्र स्थापित किए गए हैं. ये केन्द्र प्रशिक्षित युवाओं को बैंक ऋण प्राप्त करने तथा स्वयं के उद्यम स्थापित करने के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान कर रहे हैं. मार्च, 2015 तक बैंक ने 2,25,104 अभ्यर्थियों को इसके तहत प्रशिक्षित किया है तथा इनमें से 1,39,052 (61.77%) ने सफलतापूर्वक अपने उद्यम स्थापित कर लिए हैं.

iii. **वित्तीय साक्षरता और ऋण परामर्श केन्द्र (सारथी)**

समाज के वंचित वर्ग को वित्तीय सेवाओं के दायरे में लाने के लिए वित्तीय साक्षरता प्राथमिक आवश्यकता है, इसी बात को ध्यान में रखते हुए बैंक ने देशभर में 49 वित्तीय साक्षरता और ऋण परामर्श केन्द्र स्थापित किए हैं, जो उत्तरदायित्वपूर्ण ऋण दान हेतु वित्तीय साक्षरता प्रदान करते है. तथा जो वित्तीय कठिनाइयों में हैं, उन्हें परामर्श प्रदान करते हैं. मार्च 2015 तक कुल मिलाकर 2,28,361 व्यक्तियों ने सेवाएं प्राप्त करने के लिए इन केन्द्रों से संपर्क किया.

इन केन्द्रों पर संपर्क करने वालों को केन्द्रों पर कार्यरत सभी परामर्शदाता प्रत्यक्षतः सेवाएं प्रदान कर रहे हैं. परामर्शदाता दूरस्थ केन्द्रों पर शिविर लगाकर भी सेवाएं दे रहे हैं.

iv. अक्षय ऊर्जा स्रोतो के लिए वित्त पोषणः

विशेष रुप से ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की बिजली तथा पानी गरम करने दोनों के लिए सौर ऊर्जा के उपयोग में वृध्दि की आवश्यकता के मद्देनजर बैंक ने निम्नलिखित योजनाएं बनाई हैं:

1 सोलर लाईटिंग तथा कम क्षमता वाले पी वी सिस्टम स्थापित करने के लिए वित्त पोषण हेतु योजना

2 सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम स्थापित करने के लिए वित्त पोषण हेतु योजना

3 लघु सिंचाई परियोजनाओं हेतु फोटो-वॉल्टेक पंपिंग सिस्टम की स्थापना के लिए वित्त पोषण की योजना.

i. **Self Help Groups (SHGs)**

SHG is a cost effective way to reach out to the poor and empower them by inculcating saving habit amongst them as well as enable them to undertake income generating activities through bank credit.

Bank has taken several steps in this regard. Bank has adopted more liberal norms of financing to SHGs. Bank is also taking help of reputed NGOs for formation of SHGs. Considering the role played by SHGs in empowerment of women, bank is focusing on formation and financing of women SHGs. Bank is implementing the scheme of financing to women beneficiaries in identified backward districts of the country, as per the guidelines of the Ministry of Finance, wherein the minimum loan amount of Rs.50,000/ is being sanctioned. Banks' 6 Lead districts are identified for implementation of this scheme under which exclusive women SHGs are formed under tie up with NGOs.

Bank is actively involved in implementation of NRLM Scheme aimed at providing hassle free Credit to Women SHGs at a concessional rate of interest.

ii. **Baroda Swarojgar Vikas Sansthan (Baroda RSETI)**

Identifying the need for imparting skill to rural youth and engaging them in self employment ventures, Bank has formed a trust under which 49 centers are established all over the country to provide free of cost vocational training to unemployed youth.

These centers are also providing handholding support to the trained youth in availing bank credit and in establishment of their ventures.

Bank has trained 225104 candidates under this activity out of which 139052 (61.77%) have established their ventures successfully up to March 2015.

iii. **Financial Literacy & Credit Counseling centers (SARATHEE)**

Financial literacy being a prerequisite for bringing the excluded sections of the society under the financial services, Bank has established 49 Financial Literacy and credit counseling centers all over the country which are providing financial literacy for responsible borrowing and also counseling to those who are under financial distress. Till March 2015, cumulatively 2,28,361 persons visited these centers for availing services.

	All the counselors at these centers are providing face to face services to the visitors at the centers as also conducting camps in the remote areas for providing their services. **iv. Financing for renewable Energy Sources:** In view of the need to increase the use of solar energy both for home lighting and water heating particularly in rural areas, Bank has the following schemes: 1. Scheme for financing for installation of Solar Lighting and Small Capacity PV Systems. 2. Scheme for financing for Installation of Solar Water Heating Systems. 3. Scheme for financing Installation of Photo-voltaic Pumping System for Small Irrigation Projects.
2. ऐसे प्रत्येक उत्पाद के संबंध में संसाधनों के उपयोग (ऊर्जा, जल, कच्चा माल आदि) संबंधी प्रति उत्पाद निम्नलिखित विवरण दें (वैकल्पिक) i. इस संदर्भ में पिछले वर्ष की तुलना में संसाधनों/ उत्पादन/संवितरण के दौरान लाई गई कमी ii. पिछले वर्ष की तुलना में उपभोक्ताओं द्वारा उपयोग के दौरान (ऊर्जा, जल) लाई जा सकी कमी.	लागू नहीं
For each such product, provide the following details in respect of resource use (energy, water, raw material etc.) per unit of product(optional) i. Reduction during sourcing/production/ distribution achieved since the previous year throughout the value chain? ii. Reduction during usage by consumers (energy, water) has been achieved since the previous year?	Not Applicable
3. क्या कंपनी की धारणीय संसाधन प्राप्ति के लिए प्रक्रिया/व्यवस्था उपलब्ध है (परिवहन व्यवस्था सहित) i. यदि हां तो आपके इनपुट्स का कितना प्रतिशत धारणीय प्राप्त किया गया है ? 50 शब्दों में इसका विवरण भी दें. Does the company have procedures in place for sustainable sourcing (including transportation)? i. If yes, what percentage of your inputs was sourced sustainably? *Also,provide details thereof, in about 50 words or so.*	लागू नहीं Not Applicable
4. क्या कंपनी ने स्थानीय तथा लघु उत्पादकों, जिसमें उनके कार्यस्थल के आसपास का समुदाय भी शामिल है, से उत्पाद एवं सेवाएं प्राप्त करने हेतु कोई कदम उठाए हैं ? यदि हां तो उनकी क्षमता तथा स्थानीय तथा छोटे वेन्डर्स की क्षमताओं में सुधार हेतु क्या उपाय किए गए हैं ? Has the company taken any steps to procure goods and services from local & small producers, including communities surrounding their place of work? If yes, what steps have been taken to improve their capacity and capability of local and small vendors?	लागू नहीं Not Applicable
5. क्या कंपनी के पास उत्पादों तथा बेकार वस्तुओं की रिसाइकिलिंग के लिए कोई व्यवस्था है ? यदि हां तो उत्पादों तथा बेकार वस्तुओं की रिसाइकिलिंग का प्रतिशत कितना है ? (अलग-अलग <5%, 5-10%, >10%) 50 शब्दों में इसका विवरण उपलब्ध कराएं Does the company have a mechanism to recycle products and waste? If yes, what is the percentage of recycling of products and waste (separately as <5%, 5-10%, >10%). Also, provide details thereof, in about 50 words or so.	लागू नहीं Not Applicable

सिद्धान्त 3 Principle 3	"व्यवसाय से सभी कर्मचारियों की सुख-समृद्धि उन्नत होनी चाहिए." "Businesses should promote the wellbeing of all employees"
1. कृपया कर्मचारियों की कुल संख्या को दर्शाएं Please indicate the Total number of employees.	49378 (31 मार्च, 2015 को) (as on 31st March 2015)
2. कृपया अस्थायी / संविदा / आकस्मिक आधार पर लिए गए कर्मचारियों की संख्या को दर्शाएं. Please indicate the Total number of employees hired on temporary/contractual/casual basis	शून्य NIL
3. कृपया स्थायी महिला कर्मचारियों की संख्या दर्शाएं. Please indicate the Number of permanent women employees.	10,382
4. कृपया अपंग स्थायी कर्मचारियों की संख्या दर्शाएं. Please indicate the Number of permanent employees with disabilities	988
5. क्या आपके पास कोई कर्मचारी संगठन है जो प्रबन्धन के द्वारा मान्य है? Do you have an employee association that is recognized by management?	जी हां, दो संगठन हैं • ऑल इंडिया बैंक ऑफ बड़ौदा ऑफिसर्स एसोसिएशन • ऑल इंडिया बैंक ऑफ बड़ौदा एम्प्लॉईज फेडरेशन (वर्कमेन के लिए) Yes, Two Associations • All India Bank of Baroda Officer's Association • All India Bank of Baroda Employee's Federation (for workmen)
6. आपके स्थायी कर्मचारियों का कितना प्रतिशत इस मान्य कर्मचारी संगठन के सदस्य हैं? What percentage of your permanent employees is members of this recognized employee association?	ऑल इंडिया बैंक ऑफ बड़ौदा ऑफिसर्स एसोसिएशन : 63.74% ऑल इंडिया बैंक ऑफ बड़ौदा एम्प्लॉईज फेडरेशन (वर्कमेन के लिए) : 46.73% All India Bank of Baroda Officer's Association 63.74% All India Bank of Baroda Employee's Federation 46.73%

7. कृपया पिछले वित्तीय वर्ष में बाल मजदूरी, जबरन मजदूरी, अनैच्छिक मजदूरी, यौन उत्पीड़न से सम्बन्धित शिकायतों की संख्या दर्शाएं तथा इस वित्तीय वर्ष के अंत तक बकाया शिकायतों की स्थिति दर्शाएं.
Please indicate the Number of complaints relating to child labour, forced labour, involuntary labour, sexual harassment in the last financial year and pending as on the end of the financial year.

क्र.सं. S. No.	श्रेणी Category	वित्तीय वर्ष के दौरान दर्ज की गई शिकायतों की संख्या No of complaints filed during the financial year	वित्तीय वर्ष के अंत में बकाया शिकायतों की संख्या No of complaints pending as on end of the financial year
1.	बाल मजदूरी, जबरन मजदूरी, अनैच्छिक मजदूरी Child labour /forced labour/involuntary labour	शून्य Nil	शून्य Nil
2.	यौन उत्पीड़न Sexual harassment	1	शून्य Nil
3.	पक्षपाती रोजगार Discriminatory employment	शून्य Nil	शून्य Nil

8. नीचे दर्शाए गए कर्मचारियों में से कितने प्रतिशत कर्मचारियों को पिछले वर्ष सुरक्षा तथा कौशल विकास (अपग्रेडेशन) का प्रशिक्षण दिया गया?
What percentage of your under mentioned employees were given safety & skill up-gradation training in the last year?

• स्थायी कर्मचारी Permanent Employees	52.00%
• स्थायी महिला कर्मचारी Permanent Women Employees	46.00%
• आकस्मिक आधार पर लिए गए / अस्थायी / संविदा कर्मचारी Casual/Temporary/Contractual Employees	शून्य Nil
• अशक्त कर्मचारी Employees with Disabilities	45.00%

सिद्धान्त 4 Principle 4	**''व्यवसाय में सभी हितधारकों, विशेषकर जो वंचित, कमजोर और हाशिए पर हैं, उनके हितों का सम्मान होना चाहिए तथा उनके प्रति संवेदनशील होना चाहिए.''** **"Businesses should respect the interests of, and be responsive towards all stakeholders, especially those who are disadvantaged, vulnerable and marginalized"**
1. क्या कंपनी ने अपने आंतरिक एवं बाह्य हितधारक सुनिश्चित कर लिए है? Has the company mapped its internal and external stakeholders?	**जी हां** **Yes**
2. उपरोक्त में से क्या कम्पनी ने वंचित, कमजोर और हाशिए पर पड़े हितधारकों को चिह्नित कर लिया है? Out of the above, has the company identified the disadvantaged, vulnerable & marginalized stakeholders?	**जी हां** **Yes**
3. क्या कम्पनी ने वंचित, कमजोर और हाशिए पर पड़े हितधारकों को आकर्षित करने के लिये कोई विशेष पहल की है? यदि हां, तो इसका लगभग 50 शब्दों में विवरण दें. Are there any special initiatives taken by the company to engage with the disadvantaged, vulnerable and marginalized stakeholders. If so, provide details thereof, in about 50 words or so.	बैंक ने आंतरिक वंचित, कमजोर और हाशिए पर पड़े हितधारकों को आकर्षित करने तथा उनको लाभ पहुँचाने के लिए विभिन्न पहलें की हैं. इनमे से कुछ इस प्रकार हैं: **अ.जा./अ.ज.जा. कर्मचारी** जाति, संप्रदाय और धर्म के आधार पर भेदभाव न कर, बैंक अपने सभी कर्मचारियों के साथ एक समान व्यवहार की भावना की नीति का आचरण करता है. अ.जा./अ.ज.जा. वर्ग के कर्मचारियों के लिए बैंक कुछ विशिष्ट लाभ/सुविधाएं/सहायता मुहैया करवाता है जैसे भर्ती पूर्व प्रशिक्षण, पदोन्नति पूर्व प्रशिक्षण तथा अ.जा./अ.ज.जा. वर्ग के कर्मचारियों के बच्चों के लिए भारत रत्न डॉ बाबासाहेब अंबेडकर मेमोरियल ट्रस्ट से छात्रवृत्ति. हाल ही में डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर ट्रस्ट के संरक्षण में एक स्कॉलरशिप योजना शुरू की गई है जिसमें अ.जा./अ.ज.जा. वर्ग के उन योग्य / काबिल जरुरतमंद विद्यार्थियों (हमारे स्टाफ सदस्य के बच्चे पात्र नहीं हैं) को वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी, जिन्होंने राज्य माध्यमिक स्कूल बोर्ड द्वारा ग्रामीण/अर्धशहरी क्षेत्रों में आयोजित 10वीं स्तर की बोर्ड परीक्षा में अत्यंत बेहतरीन प्रदर्शन किया है और अपनी पढ़ाई को आगे जारी रखना चाहते हैं. अ.जा./अ.ज.जा. वर्ग के कर्मचारियों से संबन्धित मुद्दों/ शिकायतों पर विचार करने के लिए बैंक ने प्रधान कार्यालय में महाप्रबंधक स्तर के मुख्य संपर्क अधिकारी तथा प्रत्येक अंचल (कुल 13) में संपर्क अधिकारी की व्यवस्था की है. साथ ही, बैंक ने प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में एक समर्पित अनुभाग की स्थापना भी की है जिसके अनुभवी एवं पेशेवर कर्मी अ.जा./अ.ज.जा. आरक्षण से संबन्धित मुद्दों को देखते हैं तथा अ.जा./अ.ज.जा. आयोग, सरकारी कर्मचारियों एवं अन्य बाहरी एजेंसियों के साथ संपर्क में रहते हैं ताकि अ.जा./अ.ज.जा. आरक्षण संबंधी दिशा निर्देशों का समुचित अनुपालन सुनिश्चित हो. कॉर्पोरेट स्तर एवं अंचल स्तर पर बैंक, अखिल भारतीय बैंक ऑफ बड़ौदा अ.जा./अ.ज.जा. कर्मचारी कल्याण संगठन के साथ तिमाही बैठकें आयोजित करता है जिसमें अ.जा./अ.ज.जा. कर्मचारियों के लाभ एवं आरक्षण से संबन्धित विभिन्न नीतियों के समुचित अनुपालन पर नियमित रूप से विचार किए/निर्णय लिए जाते हैं. **अशक्त व्यक्ति** एक नियोक्ता के तौर पर बैंक अपने सभी कर्मचारियों को एक समान अवसर प्रदान करता है. अशक्त कर्मचारियों को अन्य कर्मचारियों के समान ही मजदूरी/वेतन, पदोन्नति तथा अन्य लाभ प्रदान किए जाते हैं. अशक्त व्यक्तियों को काम सौंपते हुए इसका उचित ध्यान रखा जाता है कि अपनी अशक्तता के बावजूद भी वे सौंपा गया कार्य आसानी से कर सकें. इसके अलावा, अशक्त व्यक्तियों को विशेष रूप से निश्चित लाभ/प्रतिफल दिये जाते हैं जैसे प्राथमिकता के आधार पर बैंक के रिहायशी आवासों का आवंटन, श्रवण यंत्र (बहरे लोगों के लिए) खरीदने के लिए वित्तीय सहायता, कृत्रिम अंग (अस्थि विकलांगता के लिए) निश्चित सीमा के भीतर, अंधे एवं अस्थि विकलांग कर्मचारियों के लिए वाहन भत्ते का भुगतान, सुविधाजनक स्थानों पर नियुक्ति, ग्रामीण/अर्ध शहरी स्थानों में नियुक्ति से छूट इत्यादि. सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार, अशक्त कर्मचारी, कर्मचारी की अशक्तता संबंधी विशिष्ट आवश्यकताओं अर्थात अशक्तता सर्टीफिकेट का नवीकरण, मेडिकल जांच आदि और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा विनिर्दिष्ट की जाने वाली अशक्तता एवं विकास संबंधी सभाओं/सेमीनारों/कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए क्रमशः 4 दिन तथा 10 दिन की विशेष आकस्मिक छुट्टी लेने के लिए भी पात्र हैं.

बैंक समाज के निचलें स्तर पर बैंकिंग सुविधाओं के लाभ पहुँचाने के लिए प्रतिबध्द है. बैंक ने इस दिशा में संगठित प्रयास किए हैं.

बैंक ने कमजोर वर्ग अर्थात् छोटे किसानों, एससी, एसटी, ओबीसी, महिला लाभार्थियो के बीच अपने ऋणो में वृध्दि करने के लिए बहुत सी पहलें की हैं और उनके लिए ऋण लेने हेतु अपने उत्पादों को सरल बनाने के लिए उनमे समय-समय पर संशोधन किए हैं. इनमे से कुछ इस प्रकार हैः

क. ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी शाखाओं में कृषि ऋणों के लिए "नो ड्यूज़ सर्टीफिकेट" लेने संबंधी आवश्यकता मे छूट.

ख. ₹.1 लाख तक के कृषि ऋण में मार्जिन एवं संपार्श्विक प्रतिभूति संबंधी आवश्यकता में छूट.

ग. बड़ौदा किसान क्रेडिट कार्ड योजना (बीकेसीसी) के अंतर्गत बीकेसीसी धारक किसान वैयक्तिक ऋण सहित कृषि एवं परिवार के भरणपोषण, उपभोग की वस्तुओं एवं निवेश के लिए अग्रिम ले सकते हैं.

घ. ऋण स्वैप योजना के अंतर्गत गैर संस्थागत ऋणदाताओं से लिए गए ऋण के अधिग्रहण के समय ऋणग्रस्तता साक्ष्य संबंधी दस्तावेजों की आवश्यकता में छूट. ₹. 25000/- तक के ऋण के लिए आवेदक द्वारा केवल स्व घोषणा दिये जाने की आवश्यकता है.

ड. छोटे एवं मझोले किसानों, खेतिहर मजदूरों एवं कमजोर वर्ग के अन्य विनिर्दिष्ट श्रेणी के ऋणकर्ताओं से कोई मार्जिन राशि लेने की आवश्यकता नहीं है जबकि विशेष विकास कार्यक्रमों जैसे एनआरएलएम इत्यादि के तहत अनुदान की व्यवस्था है.

च. खेतिहर मजदूर, बंटाईदार एवं अलिखित पट्टेदार को फसल उपजाने के लिए दिये जाने वाले ऋण की स्थिति में, स्थानीय प्रशासन/पंचायती राज संस्था द्वारा जारी प्रमाणपत्र बैंक स्वीकार करता है.

छ. कमजोर वर्गों के शिक्षा ऋणकर्ताओं एवं शहरी गरीबों के लिए आवास ऋण हेतु बैंक ऋण ब्याज अनुदान योजना संचालित कर रहा है.

ज. कृषि क्षेत्र में अग्रिम के लिए सरलीकृत ऋण दस्तावेजीकरण अर्थात एकल दृष्टिबंधन प्रक्रिया अपनाई गई है.

The Bank has taken various initiatives to engage and extend benefits to the internal disadvantaged, vulnerable and marginalized stakeholders. Some of them are as under:

SC/ST Employees

The Bank practices policy of equal treatment of all employees without any discrimination and bias on the basis of caste, creed and religion. The Bank extends certain special benefits/facilities/assistance to employees belonging to SC/ST category such as pre-recruitment training, pre promotion training and scholarship for meritorious students among children of employees belonging to SC/ST category, from Bharat Ratna Dr. Babasaheb Ambedkar Memorial Trust.

Recently, under the aegis of Dr. Babasaheb Ambedkar Trust, Scholarship Scheme for providing financial assistance to deserving/ meritorious needy students (not applicable for children of our staff members) belonging to SC/ST community who has performed exceedingly well in Xth Standard Board Examination conducted by State Secondary School Board located at rural/ semi-urban areas and continue his/ her further studies has also been implemented.

The Bank has a Chief Liaison Officer in the rank of General Manager at Head office level and Liaison officer at each zone (total 13) for effectively addressing issues/grievances of SC/ST employees. Also, there is a dedicated reservation (SC/ST) cell at the Bank's Head Office, Baroda, manned by experienced professionals, which deals with issues related to SC/ST reservation and liaison with SC/ST commission, Government officials and other external agencies for ensuring strict compliance of SC/ST reservation guidelines.

The Bank conducts quarterly meetings with All India Bank of Baroda SC/ST Employees Welfare Association at corporate level as well as zonal offices level wherein regular view is made about the proper implementation of the various policies pertaining to reservation and benefits extended to employees belonging to SC/ST.

Persons with Disabilities

The Bank, as an employer, provides equal opportunities to all its employees. The wages/salaries, promotions and other benefits extended to employees with disabilities are at par with other employees. At the time of assignment of duties to employees with disabilities, proper care is taken to ensure that they are able to discharge their duties comfortably, despite their disability.

Moreover, certain benefits/considerations are especially extended to persons with disabilities such as preferential allotment of the Bank's residential accommodation, financial assistance for buying hearing aid (for hearing impaired persons), artificial limbs (for orthopedically challenged) within certain limits, payment of conveyance allowance to blind and orthopedically handicapped employees, convenient place of posting, exemption from rural/semi-urban posting etc.

In terms of Govt. directives, employees with disability are also eligible to avail special casual leave of -4- days and -10- days for specific requirements relating to disabilities of the employee viz. renewal of disability certificate, medical check-up etc and for participating in Conference/ Seminars/ Trainings/ Workshop related to disability and development, to be specified by the Ministry of Social Justice and Empowerment, respectively

Bank is committed to percolate down the benefits of banking facilities to the lowest strata of the society. Bank has been taking concerted efforts in this direction.

Bank has taken various initiatives for increasing its lending to weaker sections i.e. small marginal farmers, SC,STs,OBCs, women beneficiaries etc and modified its products from time to time to make it easier for them to avail loans. Some of these are as below:

- Dispensed with obtaining "No Dues Certificate" for agriculture loans in rural & Semi urban branches.
- Margin and collateral security requirements are waived for agricultural loans up to Rs.1 lac.
- Under Baroda Kisan Credit Card (BKCC) Scheme, BKCC holder farmers can avail farm and family maintenance, consumption and investment credit requirements including personal loans.
- Under the Debt Swap scheme for takeover of loans availed from non institutional lenders, Bank has waived the requirement for any documentary evidence for indebtedness, only self declaration for loans up to Rs.25000/- is required from the applicant.
- For small and marginal farmers, agriculture labourers and other specified categories of weaker sections, no margin by borrowers is required where subsidy is available under special development programmes like NRLM etc.
- The Bank is accepting certificates provided by local administration/ panchayti Raj institutions regarding the cultivation of crops in case of loans to landless laborers, sharecroppers and oral lessees.
- The Bank is implementing Interest Subsidy Scheme for Education Loan borrowers belonging to weaker sections and Interest Subsidy Scheme for Housing to Urban Poor
- Simplified loan documentation is adopted for lending to agriculture Sector.

सिद्धान्त 5 Principle 5	''व्यवसाय को मानवाधिकारों का सम्मान एवं संवर्द्धन करना चाहिए.'' "Businesses should respect and promote human rights"
1. क्या कंपनी की मानवाधिकार नीति केवल कंपनी से सम्बद्ध है या इसमें समूह/संयुक्त उद्यम/ आपूर्तिकर्ता/संविदाकार/एनजीओ/ अन्य शामिल हैं? Does the policy of the company on human rights cover only the company or extend to the Group / Joint Ventures / Suppliers / Contractors / NGOs / Others?	बैंक की मानवाधिकार नीतियाँ प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से केवल बैंक परिचालन से ही सम्बद्ध हैं और ये अनुषंगियों पर लागू नहीं होती. बैंक इस तथ्य से अच्छी तरह से परिचित है कि सभी व्यक्ति स्वतंत्र एवं समान हैं और व्यक्तियों के मौलिक अधिकारों का सम्मान अवश्य होना चाहिए. बैंक ऐसी नीतियों का अनुसरण करता है जिससे राष्ट्रीय मूल, नागरिकता, रंग, जाति, विश्वास, धर्म, पूर्वजों, वैवाहिक स्थिति, लिंग, अपंगता, उम्र, यौन उन्मुखता, जन्म स्थान, सामाजिक स्थिति, या नियम विरुद्ध अन्य किसी आधार पर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पक्षपात न हो. कार्यस्थल पर मानवाधिकार संबंधी भारतीय संविधान के तथ्यों एवं अंतर्राष्ट्रीय नियमों को बैंक अच्छी तरह समझता है. बैंक सगठनों की आजादी एवं परस्पर सहमति का सम्मान करता है. **यौन उत्पीड़न की रोकथाम** कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का बैंक निषेध करता है. कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए सेवा शर्तों में समुचित प्रावधान है. तदनुसार, बैंक ने कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियों से संबन्धित मामलों को देखने के लिए कॉर्पोरेट स्तर पर उप महाप्रबंधक स्तर की मुख्य महिला संपर्क अधिकारी की नियुक्ति की है. इसके अलावा, भारत सरकार से प्राप्त नए दिशानिर्देशों के अनुपालन में बैंक ने प्रत्येक अंचल में आंतरिक शिकायत समिति गठित की है जिसकी प्रमुख महिला संपर्क अधिकारी होती है और इसमे एक अधिकारी, एक लिपिक तथा एक बाहरी सदस्य जो महिलाओं के लिए समर्पित किसी एनजीओ से होता है. बैंक ने प्रत्येक क्षेत्र में भी एक महिला संपर्क अधिकारी नियुक्त की है. उपरोक्त पहलें महिला कर्मचारियों से संबन्धित शिकायतों पर त्वरित एवं तत्परता से कारवाई करने के लिए की गई हैं. इन महिला संपर्क अधिकारियों को महिला कर्मचारियों से संबन्धित शिकायतों को संभालने के लिए समर्थ बनाने हेतु आवधिक प्रशिक्षण दिये जा रहे हैं. महिला कर्मचारियों से संबन्धित मामलों, उनके अधिकारों एवं यौन उत्पीड़न से रोकथाम के महत्व एवं इसकी संवेदनशीलता पर लगातार बल दिया जा रहा है. महिला कर्मचारियों के लाभ, अधिकार, यौन उत्पीड़न से रोकथाम, सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देश एवं उन्हें लागू करने के लिए बैंक समय समय पर परिपत्र जारी कर सेवा शर्तों के नियमों को लागू करता है. सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 4 के तहत अन्य संबंधित विवरणों सहित आंतरिक शिकायत समिति के सदस्यों के विवरण बैंक की वेबसाईट पर भी अपलोड किए गए है. **बैंक वैबसाइट के माध्यम से सूचना को जनता तक पहुंचाना** बैंक अपने उत्पादों/सेवाओं/ जनता के लिए उपलब्ध सुविधाओं की अद्यतन जानकारी / कोई अन्य सूचना जो सार्वजनिक की जा सकती है, पब्लिक डोमैन में रखता है. एक अधिसूचित कंपनी होने के नाते सार्वजनिक सूचना के लिए बैंक अपने वित्तीय परिणाम को पब्लिक डोमैन में प्रदर्शित करता है. सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में दी गई सार्वजनिक प्राधिकरण की परिभाषा के अनुसार बैंक एक सार्वजनिक प्राधिकरण है और इसीलिए सर्व साधारण को सूचना उपलब्ध कराने के लिए बाध्य है. **शिकायतों का निपटारा** ग्राहक शिकायत को शीघ्रता से निपटाने हेतु ग्राहक शिकायत निपटान प्रणाली को मजबूत करने के लिए बैंक ने कई कदम उठाए हैं. इनमे से एक है मानक जन शिकायत निवारण प्रणाली (एसपीजीआरएस). ग्राहक शिकायत निपटान के लिए यह एक वेब आधारित मौडयूल है. यद्यपि, बैंक ग्राहकों के अधिकार का सम्मान करता है, फिर भी यदि वे अपनी शिकायत के निपटाए जाने से संतुष्ट नहीं हैं तो आरबीआई की लोकपाल योजना, 2006 के अंतर्गत राज्यों की राजधानियों में स्थित बैंकिंग लोकपाल से संपर्क कर सकते हैं. The Bank's various policies protecting the Human Rights, directly or indirectly, cover only the operations of the Bank and do not extend to its subsidiaries etc.

	The Bank is well conscious of the fact that all human beings are free and equal, and that the basic human rights of individuals must be respected. The Bank follows such policies that, directly or indirectly, do not discriminate on the basis of national origin, citizenship, color, race, belief, religion, ancestry, marital status, gender, disabilities, age, sexual orientation, place of birth, social status, or any other basis prohibited by the law.
	The Bank understands well the Human Rights content of the Constitution of India and other international laws on Human Rights at the work place. The Bank respects the freedom of associations and the right to collective bargaining. **Prevention of Sexual Harassment** The Bank prohibits sexual harassment at the work place. In the Service conditions, there are clauses exclusively for prevention of sexual harassment at workplace. Accordingly, for addressing issues related specifically to women employees in work places, the Bank has appointed Chief Lady Liaison Officer in the rank of Deputy General Manager at the Corporate office level. Further, in compliance of the recent guidelines received from the Government of India, Bank has constituted Internal Complaints Committee at every Zone headed by a Lady Liaison Officer and comprising of -1- Officer, -1- Clerk and -1- external member from an NGO committed to the cause of women. Bank has also appointed a Lady Liaison Officer at every Region. The above initiatives have been taken to ensure prompt and expeditious redressal of the grievances of women employees. The Lady Liaison Officers are given periodical training to equip themselves to handle grievance of women employees effectively. There are regular reinforcements regarding sensitivity and importance of matters relating to women employees, their rights and prevention of Sexual Harassment. The Bank issues circulars from time to time reinforcing service condition rules, benefits to women employees, rights of women employees, prevention of Sexual Harassment, guidelines issued by Supreme court of India and their implementation. The details of members of Internal Complaints Committee at corporate level are also uploaded on the Bank's website under Section 4 of RTI Act, 2005 along with other relevant details. **Dissemination of Information to public through the Bank's web site** The Bank places up-to-date information about its Products/ Services/ Facilities available to public/any other information, which can be disclosed, in public domain. Being a listed company, the Bank displays its financial results in the public domain for information to the public. Bank of Baroda is a Public Authority, as per definition of Public Authority in the Right to Information Act, 2005, and, thus, is under obligation to provide the information to members of public. **Redressal of Complaints** The Bank has taken several measures to strengthen the customer complaint redressal machinery for fast disposal of customer complaints. One of such measures being Standardized Public Grievances Redressal System (SPGRS), a web based online customer complaint redressal module. However, the Bank respects the right of the customers, in case they are not satisfied with the redressal of their complaints, to approach The Banking Ombudsman located in State Capitals under RBI Ombudsman Scheme 2006.
2. विगत वित्तीय वर्ष के दौरान कितने हितधारकों से शिकायतें प्राप्त हुई हैं और कितने प्रतिशत को प्रबंधन द्वारा संतोषपूर्ण ढंग से निपटाया गया.	वित्तीय वर्ष के दौरान यौन उत्पीड़न से संबन्धित एक शिकायत प्राप्त हुई जिसे बिना समय गंवाए संतोषपूर्ण ढंग से निपटा लिया गया.
2. How many stakeholder complaints have been received in the past financial year and what percent was satisfactorily resolved by the management?	There was one complaint filed on Sexual Harassment during the financial year which was satisfactorily resolved.

सिद्धान्त 6 Principle 6	''व्यवसाय को पर्यावरण का सम्मान, संरक्षण एवं पुनरुद्धार करना चाहिए'' "Business should respect, protect, and make efforts to restore the environment"
1. क्या कंपनी की सिद्धान्त 6 से संबन्धित नीति केवल कंपनी को कवर करती है या इसमें समूह/संयुक्त उद्यम/ आपूर्तिकर्ता/ संविदाकार/ एनजीओ/ अन्य शामिल हैं? Does the policy related to Principle 6 cover only the company or extends to the Group/Joint Ventures / Suppliers/ Contractors/ NGOs/ others.	यह नीति केवल बैंक ऑफ बड़ौदा को कवर करती है. The policy covers Bank of Baroda only.
2. क्या कंपनी के पास भूमंडलीय वातावरण संबंधी मामलों जैसे वातावरण में परिवर्तन, भूमंडलीय ताप वृद्धि इत्यादि के लिए रणनीति है/ कंपनी ने कदम उठाए हैं? अगर हाँ, तो वेब पेज इत्यादि के लिए हायपरलिंक दें. Does the company have strategies/initiatives to address global environmental issues such as climate change, global warming, etc? If yes, please give hyperlink for webpage etc.	जी हाँ क) बैंक की घरेलू ऋण नीति के अनुसार पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाले उद्योगों को बैंक ऋण नहीं देता है जैसे ओज़ोन को क्षति पहुँचाने वाले पदार्थ यथा-फोम उत्पादन, रेफ्रिजरेटर एवं एयर कंडीशनर, ऐरोसोल उत्पादन, सफाई वाले विलायकों, अग्निशमक यंत्रो आदि में उपयोग की जा रही क्लोरोफ़्लोरो कार्बन (सीएफ़सी - 11, 12, 113 & हैलोंस - 1211, 1301, 2402) ख) बैंक ऐसी पर्यावरण अनुकूल हरित परियोजनाओं को महत्ता एवं प्राथमिकता देता हैं जो स्थायी विकास में योगदान देती हैं और जिनसे कार्बन क्रेडिट को बढ़ावा मिले जैसे पवन चक्की/सौर ऊर्जा परियोजना इत्यादि. ग) विषैले प्रदूषक उत्सर्जन वाली निर्माण इकाइयों के मामलों में, ऐसे प्रदूषकों को वातावरण में छोड़ने से पहले इसके प्रसंस्करण के लिए जल प्रशोधन प्रणाली की स्थापना पर ज़ोर देता है. बैंक शर्त रखता है और यह सुनिश्चित करता है कि ऋणकर्ता ग्राहक ने केन्द्रीय/राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है. घ) बैंक के स्थापना दिवस जैसे विशेष मौकों पर वृक्षारोपण जैसे विशेष अभियान चलाए जाते हैं. ड) ग्लोबल वार्मिंग, स्वच्छ पर्यावरण, वृक्षारोपण, जलसंरक्षण आदि जैसे पर्यावरण मसलों पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से बैंक स्टाफ, स्टाफ के बच्चों और विभिन्न स्कूली बच्चों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता आदि आयोजित करता है और विजेताओं को समुचित रूप से पुरस्कृत करता है. च) बैंक पर्यावरण को स्वच्छ रखने की दिशा में एनजीओ द्वारा चलाई जानेवाली गतिविधियों को प्रोत्साहित करता हैं. छ) बैंक ने "स्वच्छ भारत" अभियान के तहत पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए स्वच्छता अभियान का प्रचार किया तथा बैंक के सभी कार्यालयों, इसकी शाखाओं और इसके स्टाफ सदस्यों ने अपने आवासीय क्षेत्रों में, बैंक का अपना स्वयं का परिसर हो या बाहरी, में सक्रियता से भाग लिया. ज़) स्थावर सम्पदा परियोजनाओं को वित्त पोषित करते समय बैंक राष्ट्रीय भवन कोड 2005 के दिशानिर्देशों का पालन करता हैं, तथा ऊर्जा सम्बन्धी जरूरतों को पूरा करने के लिए फ्लाई एश उत्पादों के उपयोग और बारिश के पानी को एकत्रित करने, सौर ऊर्जा के प्रयोग को प्रोत्साहित करता हैं. झ) बैंक ने अपनी सभी शाखाओं / कार्यालयों को निर्देश दिए हैं कि वे उधारकर्ताओं, विक्रेताओं आदि को भुगतान / ऋणों का संवितरण केवल खातों में सीधे जमा/ एन.ई.एफ.टी/आर.टी.जी.एस. के माध्यम से ही करें और इस प्रकार कागज की बचत करें. ञ) बैंक अपने स्टाफ सदस्यों संबंधी सभी भुगतानों जैसे स्टाफ वेतन, लाभ, दावें, रिटर्न फाइलिंग, छुट्टी, कार्यनिष्पादन मूल्यांकन आदि को ऑनलाईन करता है और इससे कागज की खपत में कमी की हैं. ट) बैंक ने कागज की खपत को कम करने के लिए रिटेल ऋणों एवं एसएमई ऋणों के मूल्यांकन के लिए एलएपीएस पद्वति क्रियान्वित की है. ठ) बैंक वैकल्पिक सर्विस डिलिवरी चैनलों की उपलब्धता में वृध्दि कर रहा है तथा कागज बचाने एवं बढती हुई मांग को कम करने और उससे पर्यावरण एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर पर दबाव कम करने तथा ईंधन एवं ऊर्जा की बचत करने के लिए अपने ग्राहकों तथा स्टाफ सदस्यों द्वारा इनके प्रयोग को प्रोत्साहित कर रहा है.

Yes

a) As per Bank's Domestic Loan Policy, Bank is not extending any finance to the environmental hazardous industries viz. Industries using Ozone Depleting Substances such as Chlorofluoro carbon (CFC-11,12,113) & Halons-1211,1301,2402 being used in Foam Products, Refrigerators & Air-conditioners, Aerosol products, Solvents in cleaning applications, fire extinguishers etc.

b) The Bank gives preferential treatment for environment friendly green projects that contribute to sustainable development and earn carbon credits, such as Wind Mills/Solar Power projects.

c) In case of manufacturing units emitting toxic pollutants, the Bank insists upon installation of water treatment projects for processing of such pollutants before release into the environment. Bank stipulates and ensures that the borrower client also obtains NOC from Central/State Pollution Control Board.

d) Bank undertakes drives such as tree plantation on special occasions like foundation day.

e) In order to spread awareness on environmental issues like global warming, clean environment, tree plantation, conserve water etc, Bank conducts debates, essay competitions, painting competitions etc. amongst staff, staff children, and various school children & suitably reward the winners.

f) Bank supports activities undertaken by NGOs towards keeping environment clean.

g) Bank from its various offices, branches and its staff in their residential areas either in Bank's own premises or outside actively participated and promoted cleanliness drive to keep the environment clean under "Swatchh Bharat" campaign.

h) While financing the Real Estate projects, Bank stipulates observance of guidelines of National Building Code 2005, and promotes use of fly ash products and harvest rain water, harnessing solar energy to meet the energy needs.

i) The Bank has directed all its branches /units to make payment to our borrowers, vendors etc. /disbursement of loans through credit to the account/NEFT/RTGS only to save paper consumption.

j) The Bank has made most of its staff related payments including salary, benefits, claims, returns filings, leaves, performance appraisal etc online, thereby reducing the paper consumption.

k) The Bank has implemented LAPS system for appraisal of Retail & SME loans, reducing the paper consumption.

l) Bank is increasing availability of alternative service delivery channels and promoting its use by its customers and staff leading to paper saving and reducing commuting requirement and thus reducing pressure on environment and infrastructure and saving fuel & energy.

3.	क्या कंपनी पर्यावरण संभावित जोखिम को चिन्हित/ आकलन करती है? Does the company identify and assess potential environmental risks?	जी हाँ, टीईवी अध्ययन एवं परियोजना मूल्यांकन में, बैंक मूल्यांकन पर ध्यान देता है तथा पर्यावरण संबंधी जोखिम को कम करता है. मंजूरी संबंधी निर्णय मुख्यतः परियोजना की व्यवहार्यता पर निर्भर रहते हैं. एसएमई क्रेडिट रेटिंग मोड्यूल में पर्यावरण फ्रेंडली उद्योगों को 5 बोनस अंक देता है. Yes, in the TEV study/project appraisal, Banks considers appraisal & the mitigation of Environmental Risks. The sanction decisions are mainly dependent upon the viability of the projects. In SME Credit Rating module, 5 Bonus marks are allotted to environment friendly industries.
4.	क्या कंपनी के पास स्वच्छता विकास प्रणाली संबंधी कोई परियोजना है? अगर है तो, लगभग 50 शब्दों में इसका विवरण दें. और, यदि हाँ तो, क्या पर्यावरण संबंधी अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है? Does the company have any project related to Clean Development Mechanism? If so, provide details thereof, in about 50 words or so. Also, if Yes, whether any environmental compliance report is filed?	कागज रहित बैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए बैंक ने विभिन्न तकनीकी पहलें की हैं. प्रस्तावों की स्वीकृति के समय, कागज रहित बैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए हम ई-व्यवसाय दिशा - निर्देशों का अनुपालन तय/निर्धारित करते हैं. बैंक पुरानी स्टेशनरी को नष्ट करने के लिए केवल रीसाइक्लिंग यूनिटों को देता है. बैंक वैकल्पिक सर्विस डिलिवरी चैनलों की उपलब्धता में वृध्दि कर रहा है तथा कागज बचाने एवं बढती हुई मांग को कम करने और उससे पर्यावरण एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर पर दबाव कम करने तथा ईंधन एवं ऊर्जा की बचत करने के लिए अपने ग्राहकों तथा स्टाफ सदस्यों द्वारा इनके प्रयोग को प्रोत्साहित कर रहा है. Bank has taken various technological initiatives to promote paperless banking. While sanctioning proposals, Bank stipulate compliance with e-business guidelines to promote paperless banking. The Bank gives the old stationary for destruction only to the recycling units. Bank is increasing availability of alternative service delivery channels and promoting its use by its customers and staff leading to paper saving and reducing commuting requirement and thus reducing pressure on environment and infrastructure and saving fuel & energy.
5.	क्या कंपनी ने प्रदूषण रहित तकनीकी, ऊर्जा दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा इत्यादि के लिए कोई पहल की है. यदि हाँ, तो वेब पेज इत्यादि के लिए हायपरलिंक दें. Has the company undertaken any other initiatives on - clean technology, energy efficiency, renewable energy, etc. If yes, please give hyperlink for web page etc.	बैंक की ऐसी कोई प्रत्यक्ष परियोजना नहीं है लेकिन बैंक ने कई सौर ऊर्जा, जैव ईंधन, लघु जल एवं पवन शक्ति परियोजनाओं को वित्तपोषित किया है. पर्यावरण अनुकूल नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के वित्तपोषण को बैंक प्राथमिकता देता है. The bank has no such direct project but the bank has financed many Solar Power, Biomass, Small Hydro & Wind Power Projects. The bank gives priority in financing environment friendly renewable energy projects.
6.	क्या आलोच्य वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी का अवशिष्ट उत्पादन/ उत्सर्जन सीपीसीबी/ एसपीसीबी द्वारा अनुमत सीमा के भीतर है? Are the Emissions/Waste generated by the company within the permissible limits given by CPCB/SPCB for the financial year being reported?	बैंक सेवा उद्योग के अंतर्गत आता है और कोई विषैले/खतरनाक प्रदूषक का उत्सर्जन नहीं करता है. परियोजनाओं को वित्तपोषण करते समय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना बैंक की महत्वपूर्ण शर्तें हैं. पर्यावरण संबंधी अनुपालन को हम प्रमुख ऋण स्वीकृति शर्तों में रखते हैं. The bank is in service industry & do not emit any toxic/hazardous pollutants. While financing project obtaining NOC form Pollution Control Boards is our prominent condition. We stipulate Environmental compliance as one of the main conditions of credit sanctions.
7.	वित्तीय वर्ष के अंत में सीपीसीबी/एसपीसीबी से प्राप्त लंबित (अर्थात संतोषजनक रूप से नहीं निपटाए गए) कारण बताओ/विधिक नोटिस की कुल संख्या Number of show cause/ legal notices received from CPCB/SPCB which are pending (i.e. not resolved to satisfaction) as on end of Financial Year.	इस तरह का कोई उदाहरण नहीं हैं. No such instance.

सिद्धान्त 7 **Principle 7**	**''व्यवसाय जब जनता एवं नियामक नीतियों को प्रभावित करता हो तो इसे ज़िम्मेदारी पूर्वक सम्पन्न किया जाना चाहिए''.** **"Businesses, when engaged in influencing public and regulatory policy, should do so in a responsible manner"**
1. क्या आपकी कंपनी किसी ट्रेड और चैंबर या संगठन की सदस्य है? यदि हाँ, तो उनमें से प्रमुख का नाम जिनके साथ आपका व्यवसाय सम्बद्ध है? Is your company a member of any trade and chamber or association? If Yes, Name only those major ones that your business deals with.	जी हाँ, 1. भारतीय बैंक संघ (आईबीए) 2. भारतीय बैंकिंग और वित्त संस्थान (आईआईबीएफ़) 3. बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) 4. राष्ट्रीय बैंक प्रबंध संस्थान (एनआईबीएम) 5. इंडियन मर्चेन्ट चैंबर (आईएमसी) 6. महाराष्ट्र आर्थिक विकास परिषद (एमईडीसी) 7. भारतीय वाणिज्य और उद्योग मण्डल परिसंघ (एफ़आईसीसीआई) 8. उच्चस्तरीय वित्तीय अनुसंधान तथा अध्ययन केंद्र (सीएएफ़आरएएल) 9. भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) 10. भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड (सीसीआईएल) 11. द असोसिएटेड चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एएसएसओसीएचएएम) 12. स्विफ्ट इंटरनेशनल बैंकिंग ऑपरेशन सेमिनार (एसआईबीओएस) Yes. 1. Indian Banks Association (IBA) 2. Indian Institute of Banking & Finance (IIBF) 3. Institute of Banking Personnel Selection (IBPS) 4. National Institute of Bank Management (NIBM) 5. Indian Merchant Chamber (IMC) 6. Maharashtra Economic Development Council (MEDC) 7. Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FICCI) 8. Centre for Advanced Financial Research and Learning (CAFRAL) 9. National Payments Corporation of India (NPCI) 10. The Clearing Corporation of India Ltd (CCI) 11. The Associated Chambers of Commerce and Industry of India (ASSOCHAM) 12. Swift International Banking Operations Seminar (SIBOS)
2. क्या आपने उपरोक्त संगठनों के माध्यम से सार्वजनिक हित की प्रगति/सुधार के लिए समर्थन/प्रचार किया है. यदि हाँ, तो प्रमुख क्षेत्र विनिर्दिष्ट करें जैसे शासन प्रणाली और प्रशासन, आर्थिक सुधार, समग्र विकास नीतियाँ, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, दीर्घकालिक व्यवसाय सिद्धान्त, अन्य Have you advocated/lobbied through above associations for the advancement or improvement of public good? If yes, specify the broad areas such as Governance and Administration, Economic Reforms, Inclusive Development Policies, Energy security, Water, Food Security, Sustainable Business Principles, Others)	देश के विशालतम वाणिज्यिक बैंकों में से एक होने के नाते बैंक नीति निर्धारकों एवं नीति निर्धारक संगठनों, जो बैंकिंग उद्योग की कार्यपद्धति और नियंत्रण संबंधी नीतियों, मौद्रिक नीति, वित्तीय समावेशन संबंधी नीतियों तथा बैंकिंग उद्योग के दीर्घकालिक विकास से प्रभावी रूप से सम्बद्ध है. Bank being one of the largest commercial banks in the country works closely with policymakers and policy-making associations, especially in evolving the policies that govern the functioning and regulation of banking industry, monetary policy, financial inclusion related policies and sustainable development of the banking industry.

सिद्धान्त 8 Principle 8	''व्यवसाय से समग्र वृद्धि तथा समान विकास को बल मिलना चाहिए''. "Businesses should support inclusive growth and equitable development"
1. क्या कंपनी के पास सिद्धान्त 8 से संबन्धित नीतियों का अनुसरण करने के लिए विनिर्दिष्ट कार्यक्रम/पहल/ परियोजना है. यदि हाँ, तो इसका विवरण दें. Does the company have specified programmes/ initiatives/projects in pursuit of the policy related to Principle 8? If yes, details thereof.	सिध्दांत 8 के अनुसरण में बैंक ने कई कार्यक्रम/परियोजनाएं/पहल करने के प्रयास किये हैं, बैंक की वित्तीय समावेशन पहल भी उनमे से एक है. जिसका विवरण इस प्रकार है: **वित्तीय समावेशनः** समग्र विकास के लिए बैंक ने वहन करने योग्य लागत पर बैंक रहित ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करवाने हेतु वित्तीय समावेशन परियोजना लागू की है और समान विकास के लिए इसे मुख्य आर्थिक धारा से जोड़ा है. इस वर्ग की आवश्यकताओं को देखते हुए बैंक ने विशेष उत्पाद तैयार किए हैं जैसे बचत सह अंतर्निहित ओवरड्राफ्ट सुविधा, आवर्ती जमा, बड़ौदा किसान क्रेडिट कार्ड, बड़ौदा सामान्य क्रेडिट कार्ड तथा ग्रामीण समुदाय की आवश्यकता को देखते हुए कम प्रीमियम पर बीमा उत्पाद. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बैंकिंग सेवा उपलब्ध करवाने के लिए बैंक ने आईसीटी आधारित बीसी मॉडल, मोबाइल वैन तथा ब्रिक एवं मोर्टर शाखा मॉडल जैसे विभिन्न मॉडल शुरू किए हैं. **अभी तक की प्रगति :** • बैंक ने वित्तीय समावेशन योजना 2016 के अपने विभिन्न लक्ष्यों को दिसंबर 2014 में ही प्राप्त कर लिया है. • कुल 8,751 बीसी नियोजित किये गए थे जिनमें से 2,355 शहरी केन्दों में थे. • बैंक को आवंटित सभी 22,030 गांवों को विभिन्न मॉडलों के माध्यम से कवर किया गया, जिनमें से 20,118 गांव बीसी मॉडल के माध्यम से कवर किये गए, 1912 ब्रिक एवं मोर्टर शाखाओं के माध्यम से कवर किए गए. • रू. 2,109.48 करोड़ की जमाराशियों के साथ 78.22 लाख खातों के लक्ष्यों के प्रति बैंक ने रू. 3,458.41 करोड़ की जमाराशियों के साथ कुल 163.33 लाख बेसिक बचत बैंक खाते खोले हैं. • रू. 46.48 करोड़ की जमाराशियों के साथ 18.82 लाख खातों के लक्ष्यों के प्रति बीसी के माध्यम से रू. 286.36 करोड़ की जमाराशियों के साथ 52.05 लाख खाते खोले गए हैं • बैंक ने 504 शाखाएं खोली हैं, जिससे बैंक रहित गावों में 434 शाखाएं खोलने के वित्तीय वर्ष 2014-15 के लक्ष्यों को पूरा कर लिया गया है (उपलब्धि 116.13%). • बीएसबीडी खातों में रू. 16.47 करोड़ की ओवर ड्राफ्ट (ओडी) सुविधा दी गई है, जिससे 180.98% की उपलब्धि के साथ 2014-15 के लक्ष्यों को पूरा कर लिया गया है. • 2014-15 के लिए बीसी के माध्यम से खोले गए वित्तीय समावेशन खातों में ट्रांजेक्शन राशि और खातों के वार्षिक लक्ष्यों को पूरा कर लिया है (उपलब्धि क्रमशः 381.93% एवं 151.49%). **प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई)** माननीय प्रधानमंत्री जी ने वित्तीय समावेशन के तहत स्वतंत्रता दिवस अर्थात 15 अगस्त 2014 के अवसर पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए एक नई योजना की घोषणा की जिसे प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के नाम से जाना जाता है. जिसका शुभारंभ औपचारिक रूप से 28 अगस्त 2014 को किया गया है. प्रधानमंत्री जन-धन योजना एक विस्तृत वित्तीय समावेशन योजना है जिसका दायरा बढ़ाकर इसे और अधिक उपयोगी बनाया गया है. प्रधानमंत्री जनधन योजना वित्तीय समावेशन के लिए राष्टीय मिशन है. प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत 6 केन्द्रित पहलें हैं. इसमें प्रत्येक की समय-सीमा निर्धारित की गई है. यह एक मिशन मोड परियोजना है जिसे दो चरणों में पूरा किया जाना है. इसका शुभारंभ 15 अगस्त, 2014 से होकर 14 अगस्त, 2018 में पूरा होना है. प्रधानमंत्री जन-धन योजना विकास दर्शन ''सबका साथ - सबका विकास'' के मूल में निहित है. प्रत्येक देशवासी जिसका बैंक खाता हो वह बैंकिंग एवं ऋण सुविधाओं के लिए पहुंच बना सकेगा यह उन्हें अपनी राशियों को बेहतर ढ़ंग से सुरक्षित रखने में सक्षम बनाएगा तथा उन्हें औपचारिक स्रोतों से धन जुटाने की आदत से बाहर लाएगा. प्रथम चरण के रूप में प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत जो खाता खोलेगा उसे रूपे

डेबिट कार्ड मिलेगा तथा वह रू 1 लाख के दुर्घटना बीमा हेतु पात्र होगा. खातों के संतोषजनक संचालन के बाद उन्हें रू 5000/- के ओवरड्राफ्ट की सुविधा मिलेगी. इसी क्रम में जिन्होंने 15.08.2014 से 26.01.2015 के बीच जिन्होंने खाता खोला है उन्हें भारतीय जीवन बीमा निगम की ओर से रू 30,000/- का अतिरिक्त बीमा कवर प्राप्त होगा. खाताधारकों को वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम के अतिरिक्त दूसरे बीमा और पेंशन उत्पाद भी उपलब्ध कराए जाएंगे.

पीएमजेडीवाई के तहत पहलें:

- हमारे बैंक को राज्य स्तरीय बैंकर समितियों द्वारा पूरे देश में 6,829 एसएसए आवंटित किए गए थे जिसके अंतर्गत 22030 गावों तथा 3023 वार्डों का समावेश था. हमने सभी आवंटित एसएसए तथा वार्डों में सर्वे पूरा कर लिया है. तदनुसार हमारे सर्विस एरिया में कुल 88,91,696 घर हैं. हमारे सर्विस एरिया में सभी घरों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य है. बैंक ने सर्विस एरिया के सभी गावों को पूरी तरह कवर कर लिया है.
- बैंक ने 1101.47 करोड़ की जमाराशियों के साथ 79.53 लाख खाते खोले हैं तथा 77.42 लाख रुपे डेबिट कार्ड जारी किये हैं.
- पूरे देश में बैंक ने 8,751 व्यावसायिक प्रतिनिधि (बीसी) नियुक्त किए हैं इसमें से 2,355 को शहरी केन्द्रों पर नियुक्त किया गया है.
- हमारी शाखाएं खाते खोलने, वित्तीय साक्षरता सत्र आयोजित करने, वित्तीय साक्षरता सामग्री वितरित करने, पासबुक एवं रूपे कार्डों के वितरण आदि के लिए समय-समय पर कैम्पों का आयोजन कर रही हैं
- हमारे बैंक में वित्तीय समावेशन के तहत खाता धारकों को दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ओवरड्राफ्ट सुविधा दी जा रही है.
- हमने इंडिया फर्स्ट इंश्योरेंस कंपनी के माध्यम से माइक्रो बीमा सुविधा की शुरुआत की है, जिसका प्रीमियम बहुत ही सामान्य है और ग्राहक द्वारा वहन किया जाता है.
- आधार कार्ड आधारित खाते खोलने के लिए सभी शाखाओं तथा बीसी केन्द्रों पर ई-केवायसी की शुरुआत की गई है. बैंक नें बीसी केन्द्रों पर आधार समर्थित भुगतान प्रणाली (एईपीएस) भी शुरु की है.
- बैंक ने साधारण मोबाइलों पर मोबाइल बैंकिंग ट्रांजेक्शन करने के लिए अनस्ट्रक्चर्ड सप्लीमेंट्री सर्विस डेटा (यूएसएसडी) को शुरु किया है. यूएसएसडी के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाएं बैलेंस इंक्वारी, मनी ट्रांसफर, मिनि स्टेटमेंट, आधार लिंक बैंक खाते की जानकारी आदि हैं.
- वित्तीय साक्षरता फैलाने के लिए मानकीकृत वित्तीय साक्षरता सामग्री जैसे कॉमिक बुकलेट, ऑडियो विज़ुअल आदि अंचलों, क्षेत्रों और शाखाओं को भेजे गए हैं.
- बीसी को प्रशिक्षण - बीसी का क्षमता निर्माण
- समन्वय बढ़ाने तथा स्थानीय स्तर के मामलों को निपटाने के लिए शाखा प्रमुखों तथा बीसी की संयुक्त कार्यशालाएं.

Bank has taken several initiatives/programmes/projects in pursuit of the Principle 8 financial inclusion initiatives of the bank is also one of them. Details are as under:

Financial Inclusion:

Bank has implemented Financial Inclusion project to provide banking service in un-banked rural areas with affordable cost to the rural masses and covered them in main economical stream for inclusive growth. Considering the need of the segment, bank has devised special products such as Savings cum inbuilt Overdraft facility, Recurring Deposit, Baroda Kisan Credit Card, Baroda General Credit Card and Insurance product with low cost premium to cater the need of rural masses. Various models have been implemented for providing the banking services in rural and urban areas such as ICT based BC model, Kiosk Banking model, Mobile Van and Brick & Mortar branches models.

Progress so far:

- Bank has surpassed all targets of Disaggregated Financial Inclusion Plan 2016 in December 2014 itself.
- Total 8,751 BCs have been deployed out of which 2,355 are in urban areas.
- All 22,030 villages allocated to the bank have been covered through various models out of which 20,118 are covered through BC model, 1912 through brick and mortar branches.

- Bank has opened total 163.33 lacs Basic Savings Bank Deposit Accounts with deposit of Rs.3,458.41 crores as against target of 78.22 lacs accounts & deposit Rs.2,109.48 crores.
- 52.05 lacs accounts with deposit of Rs.286.36 crores were opened through the BC as against target of 18.82 lacs account & amount of Rs. 46.48 crores.
- Bank has opened 504 branches thereby surpassed opening of branches in unbanked villages of 434 for FY 2014-15 (achievement of 116.13%).
- Over Draft (OD) of Rs.16.47 crores is given in BSBD accounts thereby surpassed target of 2014-15 by achieving 180.98%.
- Surpassed annual target for accounts and transactions amount in FI accounts opened through BC for 2014-15 (achievement of 151.49% & 381.93% respectively).

Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana

The Hon'ble Prime Minister has announced a new scheme under Financial Inclusion, during his address to the nation on the occasion of Independence Day i.e. 15th August 2014 known as "Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana" (PMJDY) which has been launched on 28th August 2014. PMJDY is a comprehensive financial inclusion plan wherein the ambit of financial inclusion is enlarged to make it more meaningful. PMJDY is National Mission for Financial Inclusion. Under PMJDY now there are 6 focused initiatives (6 Pillars) and the timelines for each initiative are defined. It is a mission mode project to be completed in two phases starting from 15 August 2014 up to 14 August 2018.

Pradhan Mantri Jan-Dhan Yojana lies at the core of development philosophy of "Sab Ka Sath Sab Ka Vikas". Every household having bank account would gain access to banking and credit facilities. This will enable them to secure their savings in a better manner and also to come out from the habit of raising funds from informal sources.

As a first step, every person who opens the account under PMJDY will get a RuPay debit card and would be eligible for Rs.1,00,000/- accident insurance cover. After six months of satisfactory conduct of account, they would be able to get an overdraft facility up to Rs 5000/-. Further, the account holders who opened account between 15.08.2014 to 26.01.2015 will get additional term insurance of Rs.30,000/- from LIC. Besides the financial literacy programs other insurance and pension products also would be made available to account holders.

Initiatives under PMJDY:

- Bank has been allotted 6,829 SSAs by SLBCs covering 22030 villages and 3023 wards across the country. Bank has completed survey in all allocated SSAs and wards. Accordingly there are total 8891696 households in Bank's service area. Bank aims to provide banking services to each and every household in service area. Bank has since saturated all households in service area.
- Bank has opened 79.53 accounts with a deposit of Rs. 1,101.47 crores and issued 77.42 lacs RuPay debit cards.
- Bank has appointed 8751 Business Correspondents (BC) points across the country out of which 2355 BC have been appointed in Urban Location.
- Branches are organizing camps periodically for opening of accounts, conducting financial literacy sessions, distribution of financial literacy materials, distribution of pass books and RuPay Debit cards, etc.
- Bank has been giving overdraft facility to account holders under Financial Inclusion for their day to day financial needs.
- Bank has introduced micro insurance facility through India First Insurance Company at affordable premium borne by customers.

	• e-KYC has been implemented at the branches as well as BC points for opening of Aadhaar based accounts. Bank has also rolled out Aadhaar Enabled Payment System (AEPS) facility at BC Points. • Bank has implemented Unstructured Supplementary Service Data (USSD) for carrying out mobile banking transactions on ordinary mobiles. Facilities available under USSD are balance enquiry, money transfer, mini statement, knowing Aadhaar link bank account. • Standardized Financial Literacy material such as comic booklet, audio visual has been supplied to all Zones, Regions and branches for spreading financial literacy. • Training to BCs- capacity building of BCs. • Joint workshops of branch heads and BCs to increase coordination and resolve field level issues.
2. क्या यह कार्यक्रम/परियोजना आंतरिक टीम/अपनी संस्था/बाहरी एनजीओ/सरकारी संरचनाओं/अन्य किसी संगठन के माध्यम से चलाया जाता है? Are the programmes/projects undertaken through in-house team/own foundation/external NGO/ government structures/ any other organization?	वित्तीय समावेशन योजना आंतरिक टीम के माध्यम से चलायी जाती है. बैंक ने इस उद्देश्य के लिए पृथक विभाग की स्थापना की है जिसके प्रभारी महाप्रबंधक हैं. The financial inclusion project have been undertaken through in-house team. Bank has set up separate department headed by General Manager for this purpose.
3. क्या आपने कभी अपने पहलों के प्रभावों का मूल्यांकन किया है ? Have you done any impact assessment of your initiative?	जी हां, वित्तीय समावेशन का उद्देश्य समाज के उस तबके को कम लागत पर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना है, जो अब तक उनसे वंचित रहे हैं. इस प्रकार बैंक रहित जनसंख्या को औपचारिक वित्तीय सेवाओं के दायरे में लाया जा सकेगा. मूल बचत योजना के अंतर्गत समूचे देश में लगभग 163.33 लाख खाते खोले गए हैं, जिसमें से 52.05 लाख खाते व्यवसाय प्रतिनिधियों के माध्यम से खोले गए है. यह महसूस किया गया है कि बचत के लिए बैंक खाते जैसा विश्वसनीय स्रोत/जरिया मिलने पर, वे लोग जो पहले बचत नहीं कर पाते थे अब पैसा बचाने की आदत डाल रहे हैं. इस तथ्य को इस बात से भी देखा जा सकता है कि बीएसबीडीए खातों में कुल औसत निधि लगातार बढ़ रही हैं. हमारे बैंक के पास दिनांक 31.03.2015 को यह निधि लगभग ₹.3,458 करोड़ थी. बैंक खातों के अभाव में या तो यह निधि मुख्य धारा बैंकिंग में नहीं आती या फिर उपभोग के रूप में व्यय हो जाती. व्यवसाय प्रतिनिधि द्वारा खोले गए खातों में वित्तीय वर्ष के दौरान करीब 96.89 लाख लेन-देन हुए हैं जिनमें ₹.956.26 करोड़ राशि प्रोसेस हुई, जो यह दर्शाता है कि लोगों ने बैंकिंग सुविधा का उपयोग शुरु कर दिया है. बैंक ने वित्तीय समावेशित ग्राहकों को काफी मात्रा में ऋण भी दिए हैं. इनबिल्ट ओवरड्राफ्ट सुविधा की उपलब्धता से न केवल उनको आसानी हुई है बल्कि धीरे-धीरे वे निजी ऋणदाताओं की पकड़ से बाहर आ रहे हैं. हमने जन-धन योजना के तहत लगभग 80 लाख खाते खोले हैं जो पूरे देश में सभी बैंको द्वारा खोले गए कुल खातों का 5.71% हैं. प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत खोले गए खातों में कुल 1101.47 करोंड़ की जमा राशियां संग्रहित की हैं जो पूरे देश में सभी बैंको द्वारा संग्रहित की गई कुल जमा राशियों का 7.86% है. अतः यह उपरोक्त जनसंख्या की बचत की आदत पर सकारात्मक प्रभाव तथा उनके समग्र विकास के लिए मुख्य वित्तीय प्रवाह में शामिल होने को दर्शाता हैं. Yes, The Financial Inclusion plan aims at providing banking services at affordable cost to those segments of society who are deprived of it so far thereby bringing the un-banked population into the formal financial sector. 163.33 lacs accounts opened under Basic Savings Bank Deposit Schemes across the country. Out of which 52.05 lacs accounts are opened through Business Correspondents. It is observed that after getting the reliable sources for saving of their surplus funds like bank account, the people who were earlier not able to save have started developing habits of saving money. It can be seen from the fact that average aggregate funds in BSBDA accounts are continuously increasing. As on 31.03.2015 such funds were around Rs 3,458 crores with bank. In the absence of bank account these funds either would not have brought in mainstream banking or would have been lost in consumption. 96.89 lacs transactions amounting to Rs. 956.26 crores have been processed during the financial year in

		the accounts opened through Business correspondents, thereby indicating that these people have started using banking facilities. The bank has also lent substantial amount to Financial Inclusion customers. The availability of in-built overdraft facility is not only giving them comfort but removing them slowly out of clutches of private money lenders. Bank has opened approximately 80 lacs account under Jan Dhan Yojana which is 5.71% of the total accounts opened by all the banks across the country. Total deposit of Rs. 1101.47 crores has mobilized in the accounts opened under PMJDY which is 7.86% of the total deposits mobilized by all banks across the country. Thus it shows positive impact on savings habit of above said population and joining main financial stream for their overall development.
4.	समुदाय विकास योजनाओं में आपकी कंपनी का प्रत्यक्ष योगदान क्या है ? (राशि ₹.में और प्रारंभ की गई परियोजनाओं का विवरण) What is your company's direct contribution to community development projects (Amount in INR and the details of the projects undertaken)	समुदाय विकास तथा सामाजिक आर्थिक कल्याण गतिविधियों से जुड़े 17 विभिन्न संगठनों को बैंक ने कुल राशि ₹.1,783.13 लाख के ऋण मंजूर किए हैं. (कृपया अनुभाग ख मद संख्या 5 का संदर्भ लें) The Bank has sanctioned a sum of Rs 1,783.13 lakh to 17 organizations engaged in various community development and socio-economic welfare activities. (Pl. refer to Section B point no. 5)
5.	क्या आपने यह सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाया है कि समुदाय विकास पहल को लोगों ने सफलतापूर्वक अपनाया है. यदि हां तो, कृपया 50 शब्दों में विवरण दें. Have you taken steps to ensure that this community development initiative is successfully adopted by the community? Please explain in 50 words, or so.	दान ग्रहण करने वाले संगठन/संस्थान के सनदी लेखाकार से बैंक इस संबंध में एक प्रमाणपत्र प्राप्त करता है कि स्वीकृत दान का उपयोग संबंधित उद्देश्य के लिए हुआ है. The Bank is obtaining a certificate issued by a Chartered Accountant of the donee organization / Institute confirming the end use of the donation for the purpose for which the donation was sanctioned.

सिद्धान्त 9 Principle 9	**''व्यवसाय को अपने ग्राहकों तथा उपभोक्ताओं से जुड़े रह कर उनको जिम्मेदारीपूर्ण ढंग से महत्व देना चाहिए.''** **"Businesses should engage with and provide value to their customers and consumers in a responsible manner"**
1. इस वित्तीय वर्ष के अंत तक कितने प्रतिशत ग्राहक शिकायतें/उपभोक्ता मामले लंबित हैं ? What percentage of customer complaints/consumer cases are pending as on the end of financial year?	31-03-2015 तक कुल प्राप्त शिकायतों (19,254) की 0.49% (94) शिकायतें लंबित है. Around 0.49% (94) of the total number of complaints received (19,254) are pending as of 31.03.2015.
2. क्या कंपनी ने उत्पाद लेबल पर स्थानीय कानून की अनिवार्यता के तहत निर्धारित सूचनाओं के अतिरिक्त उत्पाद संबंधी सूचनाएं प्रदर्शित की है? Does the company display product information on the product label, over and above what is mandated as per local laws?	लागू नहीं. Not Applicable
3. क्या पिछले पांच वर्षों के दौरान किसी हितधारक ने कंपनी के विरुद्ध अवैध व्यापार, गैर-जिम्मेदाराना विज्ञापन और/या गैर प्रतिस्पर्धात्मक व्यवहार के संबंध में मामला दर्ज किया है और यह इस वित्तीय वर्ष के अंत तक लंबित है ? यदि है तो, लगभग 50 शब्दों में इसका विवरण दें. Is there any case filed by any stakeholder against the company regarding unfair trade practices, irresponsible advertising and/or anti-competitive behaviour during the last five years and pending as on end of financial year. If so, provide details thereof, in about 50 words or so.	**शून्य** **Nil**
4. क्या आपकी कंपनी ने कोई उपभोक्ता संतुष्टि प्रवृत्ति / उपभोक्ता सर्वेक्षण कराया है Did your company carry out any consumer survey/ consumer satisfaction trends?	हमारे बैंक में 10-03-2014 से 20-05-2014 के दौरान वेब आधारित मोड के माध्यम से ऑनलाइन ग्राहक संतुष्टि सर्वे किया गया. इस सर्वे में ग्राहक सेवा के विभिन्न पहलुओं पर 10 प्रश्नों की एक प्रश्नावली को बैंक की वेबसाईट पर रखा गया तथा ग्राहकों के फीडबैक लिए गए. ग्राहक सेवा में सुधार हेतु संबद्ध मामलों में आवश्यक समयबद्ध सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं. Online customer satisfaction survey was conducted in the bank through web based mode during 10.03.2014 – 20.05.2014. The Survey consists of a questionnaire of set of 10 questions on various aspects of customer service and was placed on Bank's website to obtain feedback from customers. Necessary and time bound corrective actions to improve customer service in the deficient areas are being taken.

हरित पहल - शेयर धारकों से अपील

ई-मेल के माध्यम से नोटिस/वार्षिक रिपोर्टें तथा अन्य पत्राचार प्राप्त करना.

डिमेट खातो में शेयर रखनेवाले शेयर धारकों से अनुरोध है कि वे अपने डिमेट खाते में ई-मेल आईडी दर्ज करें.

भौतिक रूप से शेयर रखनेवाले शेयर धारकों से अनुरोध है कि -

इस पत्र के नीचे दिये गये भाग को भरकर तथा उस पर हस्ताक्षर करके उसे हमारे रजिस्ट्रार के पास नीचे लिखे पते पर भिजवा दें -

मै. कार्वी कंप्यूटरशेयर प्राइवेट लि. (यूनिट : बैंक ऑफ़ बड़ौदा)
कार्वी सेलेनियम टावर बी, प्लाट क्र. 31 व 32,
गोचीबॉवली, फाइनांसियल डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रामगुडा,
सैरीलिंगम्पल्ली, हैदराबाद - 500 008
फोन नं. 040-6716 1500
फैक्स नं. 040-2300 1153
ई मेल : einward.ris@karvy.com

GREEN INITIATIVE-APPEAL TO SHAREHOLDERS

TO GET NOTICES / ANNUAL REPORTS & OTHER COMMUNICATION THROUGH E-MAIL

Shareholders holding Shares in Demat accounts are requested to: register an email ID in their Demat A/cs.

Shareholders holding Shares in Physical form are requested to:

send their consent by filling up and signing the perforated portion of this communication to our Registrars at their address given hereunder :

M/S Karvy Computershare Private Ltd., (Unit: Bank of Baroda),
Karvy Selenium Tower B, Plot No.-31&32, Gochibowli, Financial District, Nanakramguda, Serilingampally,
Hyderabad - 500 008,
Phone No. 040 – 6716 1500
Fax No. 040 – 2300 1153
E-mail : einward.ris@karvy.com

बैंक ऑफ़ बड़ौदा की हरित पहल

दिनांक

मै. कार्वी कंप्यूटरशेयर प्राइवेट लि.
(यूनिट : बैंक ऑफ़ बड़ौदा)
कार्वी सेलेनियम टावर बी, प्लाट क्र. 31 व 32,
गोचीबॉवली, फाइनांसियल डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रामगुडा,
सैरीलिंगम्पल्ली, हैदराबाद - 500 008

प्रिय महोदय,
मैं / हम ____
बैंक ऑफ़ बड़ौदा कार्पोरेट गवर्नेंस के पर्यावरण सुरक्षा (हरित परिवेश) उपायों के एक प्रयास के रूप में बैंक ऑफ़ बड़ौदा से सभी संदेश अपने नीचे दिए गए ई मेल आइडी के माध्यम से प्राप्त करना चाहता हूं / चाहते हैं. मेरे / हमारे पास बैंक के __________________शेयर भौतिक रूप में हैं.
फोलियोनम्बर:__________ईमेलआइडी:____________________
मैं / हम इस आशय का वचन देता हूं / देते हैं कि मेरे / हमारे ई मेल के माध्यम से प्राप्त संदेश को सही, विधिक तथा बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा हमें भेजे गए दस्तावेजों की समुचित एवं पर्याप्त सुपुर्दगी माना जाएगा. मैं / हम यह भी वचन देता हूं / देते हैं कि यदि किसी तकनीकी / अन्य कारणों से मेरा / हमारा ई मेल हमें सही रूप में प्राप्त न होने के कारण संदेश प्राप्त नहीं हो पाता है तो हम बैंक ऑफ़ बड़ौदा, इसके किसी कर्मचारी, रजिस्ट्रार अथवा इसके कर्मचारियों को उत्तरदायीं नहीं ठहरायेंगे.

____
प्रथम धारक के हस्ताक्षर

GREEN INITIATIVE OF BANK OF BARODA

Date:

M/S Karvy Computershare Private Ltd.,
(Unit: Bank of Baroda),
Karvy Selenium Tower B, Plot No.-31&32,
Gochibowli, Financial District, Nanakramguda,
Serilingampally, Hyderabad - 500 008

Dear Sir,
I/ We ______________________________ holding _________ shares of Bank of Baroda in physical form, intend to receive all communication from Bank of Baroda through our email ID given hereunder, as a part of Green Initiative under Corporate Governance of Bank of Baroda.
Folio Number: _______________ Email ID: _______________
I/ We also undertake that the communication received through my/ our email ID will be treated as proper, legal and sufficient delivery of documents sent to us by Bank of Baroda. I/ We further undertake that we would not hold Bank of Baroda, any of its employees, Registrars or its employees, responsible in case the communication is not properly received at my/ our email ID due to any technical/ other failures.

____
Signature of First Holder

प्रभावी व तत्काल सेवाओं के लिये शेयरधारकों से अपील

1. **कृपया अपने भौतिक शेयर को डीमैट करें**
2. **कृपया लाभांश सीधे अपने खाते में जमा करने के लिये अपना ईसीएस मैनडेट रजिस्टर करें**
3. **कृपया ई- मेल के माध्यम से सन्देश पाने के लिये अपनी ई-मेल आईडी रजिस्टर करें**

अभौतिकीकरण (डीमैटेरियलाइजेशन) के लाभ

1. शेयर सर्टिफिकेट के खोने का कोई डर नहीं
2. शेयर स्थानांतरण शुल्क अथवा स्टॉम्प नहीं
3. सरल / परेशानी रहित स्थानांतरण/ संचरण
4. नामांकन सम्भव
5. लाभांश सीधे आपके बैंक खाते में
6. अस्बा (एएसबीए) / आईपीओ आवेदन सम्भव

ईसीएस मैनडेट

1. लाभांश भुगतान की तारीख को ही लाभांश प्रत्यक्ष जमा करना
2. लभांश वारंट में देरी/ अप्राप्ति / पुनर्वैधता की कोई समस्या नहीं

ई- मेल आईडी

1. भारत सरकार की हरित पहल का हिस्सा बनें
2. कारपोरेट सूचनाएं तत्काल प्राप्त करना जिसमें एजीएम व ईजीएम/ वार्षिक रिपोर्ट / छमाही सूचना इत्यादि की तत्काल प्राप्ति भी शामिल है

Appeal to Shareholders for Efficient & Prompt Services

1. **Please Demat your Physical Shares**
2. **Please register your ECS Mandate for direct credit of Dividend amount in your A/c**
3. **Please register your E-mail ID for receiving communications through E-mail**

Benefits of Dematerialization

1. No threat of loss of share certificate
2. No share transfer fees or stamp
3. Easy / hassle free transfer / transmission
4. Nomination possible
5. Dividend directly credited to your Bank A/c
6. ASBA/IPO application possible

ECS Mandate

1. Direct credit of dividend on Dividend payment date itself
2. No problem of late / non-receipt / revalidation of Dividend Warrants

E-mail ID

1. Be a part of Green Initiative of Government of India (GOI)
2. Immediate receipt of Corporate communication including Notice of AGM & EGM / Annual Reports / Half Yearly communication, etc

महत्वपूर्ण वित्तीय सूचक
Key Financial Indicators

क्र.सं. S.No.	विवरण Particulars प्रतिशत में (In Percentage)	31.03.2011	31.03.2012	31.03.2013	31.03.2014	31.03.2015
1	ब्याज आय / औसत कार्यशील निधियां (एडब्ल्यूएफ) Interest Income / Average Working Funds (AWF)	6.97%	7.58%	7.34%	6.76%	6.62%
2	ब्याज व्यय / एडब्ल्यूएफ Interest Expenses / AWF	4.16%	4.95%	4.98%	4.69%	4.59%
3	शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) Net Interest Margin (NIM)	3.12%	2.97%	2.66%	2.36%	2.31%
4	ब्याज विस्तार / एडब्ल्यूएफ Interest Spread / AWF	2.80%	2.64%	2.36%	2.08%	2.03%
5	गैर-ब्याज आय / एडब्ल्यूएफ Non-Interest Income / AWF	0.89%	0.87%	0.76%	0.78%	0.68%
6	परिचालन व्यय / एडब्ल्यूएफ Operating Expenses / AWF	1.47%	1.32%	1.24%	1.24%	1.18%
7	लागत-आय अनुपात Cost Income Ratio	39.87%	37.55%	39.79%	43.44%	43.63%
8	सकल (परिचालन) लाभ / एडब्ल्यूएफ Gross (Operating) Profit / AWF	2.22%	2.19%	1.88%	1.61%	1.53%
9	शुद्ध लाभ / एडब्ल्यूएफ Net Profit / AWF	1.35%	1.28%	0.93%	0.79%	0.52%
10	शुद्ध मालियत पर प्रतिलाभ Return on Net Worth	21.42%	19.11%	14.59%	13.00%	9.21%
11	आस्तियों पर प्रतिलाभ Return on Assets	1.18%	1.12%	0.82%	0.69%	0.48%
12	औसत आस्तियों पर प्रतिलाभ Return on Average Assets	1.33%	1.24%	0.90%	0.75%	0.49%
13	अग्रिमों पर प्रतिफल Yield on Advances	8.48%	9.39%	8.90%	8.32%	8.11%
14	जमाराशियों की लागत Cost of Deposits	4.56%	5.62%	5.80%	5.38%	5.18%
15	लाभांश भुगतान अनुपात (कारपोरेट लाभांश कर सहित) Dividend Payout Ratio (including Corporate Dividend Tax)	17.76%	16.22%	23.65%	23.86%	25.06%
16	ऋण / जमा अनुपात Credit / Deposit Ratio	86.77%	86.86%	82.03%	86.15%	84.82%
17	ऋण + गैर सांविधिक चलनिधि अनुपात निवेश (अनुषंगी इकाइयों में निवेश को छोड़कर) / जमा अनुपात Credit + Non SLR Investment (excluding Investments in Subsidiaries) / Deposit Ratio	90.29%	90.36%	86.17%	90.00%	89.10%
18	पूंजी पर्याप्तता अनुपात (बासेल I) Capital Adequacy Ratio (BASEL I)	13.02%	12.95%	12.09%	11.66%	
	टीयर Tier - I	8.96%	9.56%	9.20%	8.64%	
	टीयर Tier - II	4.06%	3.39%	2.89%	3.02%	
19	पूंजी पर्याप्तता अनुपात (बासेल II) Capital Adequacy Ratio (BASEL II)	14.52%	14.67%	13.30%	12.88%	13.33%
	टीयर Tier - I	9.99%	10.83%	10.13%	9.54%	10.14%
	टीयर Tier - II	4.53%	3.84%	3.17%	3.34%	3.20%
20	पूंजी पर्याप्तता अनुपात (बासेल III) Capital Adequacy Ratio - BASEL III				12.28%	12.60%
	टीयर Tier - I				9.28%	9.87%
	टीयर Tier - II				3.00%	2.73%

क्र.सं. S.No.	विवरण Particulars	प्रतिशत में (In Percentage)	31.03.2011	31.03.2012	31.03.2013	31.03.2014	31.03.2015
1	कर्मचारी (संख्या) Employees (number)		40046	42175	43108	46001	49378
2	शाखाएं (संख्या) Branches (number)		3418	3959	4336	4934	5250
3	प्रति कर्मचारी व्यवसाय (रु.करोड़ में) Business per employee (Rs. in crore)		12.29	14.66	16.89	18.65	18.89
4	प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय (रु.करोड़ में) Average Business per employee (Rs in crore)		11.26	13.15	15.71	17.48	18.48
5	प्रति कर्मचारी सकल लाभ (रु.लाखों में) Gross Profit per employee (Rs. in lakhs)		17.43	20.35	20.88	20.20	20.08
6	प्रति कर्मचारी शुद्ध लाभ (रु. लाखों में) Net Profit per employee (Rs. in lakhs)		10.59	11.87	10.39	9.87	6.88
7	प्रति शाखा व्यवसाय (रु.करोड़ में) Business per branch (Rs. in crore)		156.27	169.80	184.98	195.76	199.17
8	प्रति शाखा सकल लाभ (रु.करोड़ में) Gross Profit per branch (Rs. in crore)		2.04	2.17	2.08	1.88	1.89
9	प्रति शाखा शुद्ध लाभ (रु.करोड़ में) Net Profit per branch (Rs. in crore)		1.24	1.26	1.03	0.92	0.65
10	प्रति शेयर आय (रुपयों में) Earnings per share (Rupees)		116.37	127.84	108.84	107.38	15.83*
11	प्रति शेयर बहीमूल्य (रुपयों में) Book Value per share (Rupees)		505.71	637.37	729.11	813.50	166.83*

स्रोतः विभिन्न वर्षों की वार्षिक रिपोर्टे (जहां उचित लगा, पिछले वर्षों के आकड़ों को पुनर्समूहीकृत/पुनः वर्गीकृत किया गया है)* @ रु. 2/- प्रति शेयर के अंकित मूल्य पर

Source: Source: Annual Reports of various years. (previous year's figures are regrouped and reclassified, where appropriate) * @ face value of Rs 2 per share

परिभाषाएं / Definitions

औसत कार्यशील निधियां (एडब्ल्यूएफ)	:	कुल आस्तियों का पाक्षिक औसत;	**Average Working Funds (AWF)**	:	Fortnightly Average of Total Assets
औसत जमाराशियां	:	कुल जमाराशियों का पाक्षिक औसत;	**Average Deposits**	:	Fortnightly Average of Total Deposits
औसत अग्रिम	:	कुल अग्रिमों का पाक्षिक औसत;	**Average Advances**	:	Fortnightly Average of Total Advances
औसत व्यवसाय	:	औसत जमाराशियों और औसत अग्रिमों का योग;	**Average Business**	:	Total of Average Deposits & Average Advances
औसत निवेश	:	कुल निवेशों का पाक्षिक औसत;	**Average Investments**	:	Fortnightly Average of Total Investments
ब्याज आय/(एडब्ल्यूएफ)	:	कुल ब्याज आय का औसत विभाजित करें कार्यशील निधियों से;	**Interest Income/AWF**	:	Total Interest Income Divided by AWF
ब्याज व्यय/एडब्ल्यूएफ	:	कुल ब्याज व्यय भाग दें एडब्ल्यूएफ;	**Interest Expenses/AWF**	:	Total Interest Expenses Divided by AWF
ब्याज विस्तार/एडब्लूएफ	:	(कुल ब्याज आय घटाएं : कुल ब्याज व्यय) विभाजित करें एडब्लूएफ से;	**Interest Spread/AWF**	:	(Total Interest Income minus Total Interest Expenses) Divided by AWF
गैरब्याज आय/एडब्ल्यूएफ	:	कुल गैर ब्याज आय विभाजित करें औसत कार्यशील निधि से;	**Non-Interest Income/ AWF**	:	Total Non-Interest Income Divided by AWF
परिचालन व्यय	:	कुल खर्च घटाएं ब्याज खर्च	**Operating Expenses**	:	Total Expenses minus Interest Expenses
परिचालन व्यय/एडब्ल्यूएफ	:	कुल परिचालन व्यय विभाजित करें औसत कार्यशील निधि से;	**Operating Expenses/ AWF**	:	Operating Expenses Divided by AWF
लागत आय अनुपात	:	परिचालन व्यय विभाजित करें (गैरब्याज आय + ब्याज स्प्रेड) से;	**Cost Income Ratio**	:	Operating Expenses Divided by (Non Interest Income plus Interest Spread)
सकल (परिचालन) लाभ/ एडब्ल्यूएफ	:	परिचालन लाभ विभाजित करें एडब्ल्यूएफ से;	**Gross (Operating) Profit/AWF**	:	Operating Profit divided by AWF
शुद्ध लाभ/एडब्ल्यूएफ	:	शुद्ध लाभ विभाजित करें एडब्ल्यूएफ से;	**Net Profit/AWF**	:	Net Profit Divided by AWF
शुद्ध मालियत पर प्रतिलाभ	:	शुद्ध लाभ विभाजित करें शुद्ध मालियत से (पुनर्मूल्यांकन प्रारक्षित निधि को छोड़कर);	**Return on Net Worth**	:	Net Profit Divided by Net Worth (excluding Revaluation Reserves)
आस्तियों पर प्रतिलाभ	:	शुद्ध लाभ विभाजित करें कुल आस्तियों से;	**Return on Assets**	:	Net Profit Divided by Total Assets
औसत आस्तियों पर प्रतिलाभ	:	शुद्ध लाभ विभाजित करें औसत आस्तियों से;	**Return on Average Assets**	:	Net Profit Divided by Average Assets
अग्रिमों पर प्रतिफल	:	अग्रिमों पर अर्जित ब्याज विभाजित करें औसत अग्रिम से;	**Yield on Advances**	:	Interest Earned on Advances Divided by Average Advances
जमाराशियों की लागत	:	जमाराशियों पर प्रदत्त ब्याज विभाजित करें औसत जमाराशियों से;	**Cost of Deposits**	:	Interest paid on Deposits Divided by Average Deposits
लाभांश भुगतान अनुपात (कारपोरेट लाभांश कर सहित)	:	लाभांश, कारपोरेट लाभांश कर सहित; विभाजित करें शुद्ध लाभ से;	**Dividend Payout Ratio** (including Corporate Dividend Tax)	:	Dividend including Corporate Dividend Tax Divided by Net Profit
ऋण जमा अनुपात	:	कुल अग्रिम विभाजित करें ग्राहकों की जमाराशियों से (अर्थात कुल जमाराशियां - घटायें अंतर बैंक जमा राशियां)	**Credit - Deposit Ratio**	:	Total Advances Divided by Customer Deposits (i.e., Total Deposits minus Inter Bank Deposits)
ऋण + गैर सांविधिक तरलता अनुपात निवेश (अनुषंगी इकाइयों में निवेश को छोड़कर) - जमाराशि अनुपात;	:	(कुल अग्रिम + गैर सांविधिक चलनिधि अनुपात निवेश - घटायें अनुषंगी इकाइयों में निवेश) विभाजित करें ग्राहकों की जमाओं से;	**Credit + Non SLR Investments (excluding Investments in Subsidiaries) - Deposit Ratio**	:	(Total Advances Plus Non-SLR Investments minus Investments in Subsidiaries) Divided by Customer Deposits
प्रति कर्मचारी व्यवसाय	:	समग्र जमाराशियां + कुल अग्रिम विभाजित करें, कर्मचारियों की कुल संख्या से	**Business Per Employee**	:	Core Deposits plus Total Advances Divided by Total No. of Employees
प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय	:	औसत जमाराशियां + औसत अग्रिम/विभाजित करें कर्मचारियों की कुल संख्या से	**Average Business Per Employee**	:	Average Deposits plus Average Advances divided by Total No. of Employees
प्रति कर्मचारी सकल लाभ	:	सकल लाभ को विभाजित करें, कर्मचारियों की कुल संख्या से;	**Gross Profit Per Employee**	:	Gross Profit Divided by Total No. of Employees
प्रति कर्मचारी शुद्ध लाभ	:	शुद्ध लाभ को विभाजित करें कर्मचारियों की कुल संख्या से;	**Net Profit Per Employee**	:	Net Profit Divided by Total No. of Employees
प्रति शाखा कारोबार	:	कुल जमाराशियां + कुल अग्रिम को विभाजित करें शाखाओं की संख्या से;	**Business Per Branch**	:	Total Deposits plus Total Advances divided by No. of Branches
प्रति शाखा सकल लाभ	:	सकल लाभ को विभाजित करें शाखाओं की संख्या से;	**Gross Profit Per Branch**	:	Gross Profit Divided by No. of Branches
प्रति शाखा शुद्ध लाभ	:	शुद्ध लाभ विभाजित करें शाखाओं की संख्या से;	**Net Profit Per Branch**	:	Net Profit Divided by No. of Branches
प्रति शेयर आय	:	शुद्ध लाभ को विभाजित करें इक्विटी से गुणा करें दस से (वित्तीय वर्ष 15 के लिए दो से गुणा करें);	**Earning Per Share**	:	Net Profit divided by equity multiplied by ten (for FY'15 multiplied by two)
प्रति शेयर बही मूल्य	:	शुद्ध मालियत (पुनर्मूल्यांकन प्रारक्षित राशि व एफसीटीआर (वित्तीय वर्ष 15 के लिए) विभाजित करें इक्विटी से गुणा करें दस से (वित्तीय वर्ष 15 के लिए दो से गुणा करें);.	**Book Value Per Share**	:	Net Worth [excluding revaluation reserves & FCTR(for FY'15)] divided by equity multiplied by ten (for FY'15 multiplied by two).

31 मार्च, 2015 का तुलन-पत्र
Balance Sheet as on 31st March, 2015

(₹ in 000's)

		अनुसूची SCHEDULE	31 मार्च 2015 को As on 31st Mar, 2015 ₹	31 मार्च 2014 को As on 31st Mar, 2014 ₹
पूंजी और देयताएं	CAPITAL & LIABILITIES			
पूंजी	Capital	1	**443,56,04**	430,67,63
प्रारक्षित निधियां और अधिशेष	Reserves and Surplus	2	**39391,78,72**	35554,99,88
जमाराशियां	Deposits	3	**617559,52,33**	568894,38,85
उधार ली गई राशियां	Borrowings	4	**35264,28,04**	36812,96,88
अन्य देयताएं एवं प्रावधान	Other Liabilities and Provisions	5	**22329,39,67**	17811,50,10
जोड़	TOTAL		714988,54,80	659504,53,34
आस्तियां	ASSETS			
भारतीय रिज़र्व बैंक के पास नकदी और शेष रकम	Cash and Balances with Reserve Bank of India	6	**22488,59,70**	18629,09,39
बैंकों के पास शेष रकम तथा मांग एवं अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि	Balances with Banks and Money at Call and Short Notice	7	**125864,55,37**	112248,81,84
निवेश	Investments	8	**122319,71,96**	116112,66,14
अग्रिम	Advances	9	**428065,13,89**	397005,81,08
अचल आस्तियां	Fixed Assets	10	**2874,84,80**	2734,12,26
अन्य आस्तियां	Other Assets	11	**13375,69,08**	12774,02,63
जोड़	TOTAL		**714988,54,80**	659504,53,34
आकस्मिक देयताएं	Contingent Liabilities	12	**246384,71,81**	259912,77,85
वसूली के लिए बिल	Bills for Collection		**37608,06,25**	31864,91,58
उल्लेखनीय लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	17		
लेखों पर टिप्पणियां	Notes on Accounts	18		

ऊपर दर्शायी गयी अनुसूचियां तुलन-पत्र का एक अभिन्न भाग हैं.
The Schedules referred to above form an integral part of the Balance Sheet.

रंजन धवन
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
के. वी. रामामूर्ती
कार्यपालक निदेशक
यू. सी. सिंघवी
महाप्रबंधक
(कार्पोरेट खाते, कराधान एवं सीएफओ)
अशोक डंगायच
उप महाप्रबंधक
(कार्पोरेट खाते एवं कराधान)

निदेशक

श्री महम्मद मुस्तफा
सुश्री सुरेखा मरांडी
श्री प्रेमकुमार मक्कड़
डॉ. आर नारायणस्वामी
श्री भरत कुमार डांगर

लेखा परीक्षक
सम तारीख की हमारी संलग्न पृथक रिपोर्ट के अनुसार

कृते खंडेलवाल जैन एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 105049 डब्ल्यू
(शैलेश शाह)
भागीदार
एम. नं.: 0033632

कृते के एस एस जी एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 002228 सी
(के के हरोदिया)
भागीदार
एम. नं.: 034751

कृते वाही एण्ड गुप्ता
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 002263 एन
(वाय के गुप्ता)
भागीदार
एम. नं.: 016020

कृते एस आर गोयल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 001537 सी
(प्रवीण गोयल)
भागीदार
एम. नं.: 074789

कृते एम बी अग्रवाल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 100137 डब्ल्यू
(एम बी अग्रवाल)
भागीदार
एम. नं.: 009045

कृते रोडी डाबिर एण्ड कं
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 108846 डब्ल्यू
(दिलीप जी रोडी)
भागीदार
एम. नं.: 035810

स्थान : मुंबई,
दिनांक : 11 मई, 2015

31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष का लाभ व हानि लेखा
Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2015

(₹ in 000's)

		अनुसूची SCHED-ULE	31 मार्च 2015 को Year ended 31st March 2015 ₹	31 मार्च 2014 को Year ended 31st March 2014 ₹
I. आय	I. INCOME			
अर्जित ब्याज	Interest Earned	13	**42963,55,70**	38939,70,95
अन्य आय	Other Income	14	**4401,99,50**	4462,74,41
जोड़	TOTAL		**47365,55,20**	43402,45,36
II. व्यय	II. EXPENDITURE			
खर्च किया गया ब्याज	Interest Expended	15	**29776,32,41**	26974,36,32
परिचालन व्यय	Operating Expenses	16	**7674,12,73**	7137,06,56
प्रावधान और आकस्मिक व्यय	Provisions and Contingencies		**6516,66,53**	4749,94,18
जोड़	TOTAL		**43967,11,67**	38861,37,06
III. लाभ	III. PROFIT			
अवधि का शुद्ध लाभ	Net Profit for the period		**3398,43,53**	4541,08,30
विनियोजन हेतु उपलब्ध राशि	Available for Appropriation		**3398,43,53**	4541,08,30
विनियोजन	Appropriations			
क) सांविधिक प्रारक्षित निधि	a) Statutory Reserve		**849,60,88**	1135,27,08
ख) पूंजीगत प्रारक्षित निधि	b) Capital Reserve		**108,20,60**	8,69,02
ग) राजस्व एवं अन्य प्रारक्षित निधियां	c) Revenue and Other Reserves			
I) सामान्य प्रारक्षित निधि	I) General Reserve		**364,56,82**	1401,37,88
II) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36 (1) के अंतर्गत विशेष प्रारक्षित निधि	II) Special Reserve u/s 36 (1) (viii) Income Tax Act, 1961		**1093,90,21**	912,06,65
III) निवेश प्रारक्षित निधि	III) Investment Reserve Account		**130,46,31**	–
घ) प्रस्तावित लाभांश (लाभांश कर सहित)	d) Proposed Dividend (including Dividend Tax)		**851,68,71**	1083,67,67
जोड़	TOTAL		**3398,43,53**	4541,08,30
प्रति शेयर मूल एवं न्यून अर्जन (₹)	Basic & Diluted Earnings per Share (₹)		15.83	21.48
(सांकेतिक मूल्य प्रति शेयर ₹2)	(Nominal value per share ₹2)			
उल्लेखनीय लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	17		
लेखों पर टिप्पणियां	Notes on Accounts	18		
ऊपर दर्शायी गयी अनुसूचियां लाभ व हानि लेखे का अभिन्न भाग हैं.	The Schedules referred to above form an integral part of the Profit & Loss Account.			

Ranjan Dhawan
Managing Director and CEO
K. V. Rama Moorthy
Executive Director
U. C. Singhvi
General Manager
(Corp A/Cs, Taxation) and CFO
Ashok Dangaich
Dy. General Manager
Corporate A/cs & Taxation

DIRECTORS

Shri Mohammad Mustafa
Shri Surekha Marandi
Shri Prem Kumar Makkar
Dr. R. Narayanaswamy
Shri Bharat Kumar Dangar

AUDITORS
As per our separate report of even date attached

For Khandelwal Jain & Co Chartered Accountants FRN : 105049W	For KASG & Co. Chartered Accountants FRN: 002228C	For Wahi & Gupta Chartered Accountants FRN: 002263N
(Shailesh S. Shah) Partner M No.033632	(K. K. Harodia) Partner M No.034751	(Y. K. Gupta) Partner M No. 016020
For S. R. Goyal & Co Chartered Accountants FRN: 001537C	For M. B. Agrawal & Co. Chartered Accountants FRN: 100137W	For Rodi Dabir & Co. Chartered Accountants FRN : 108846W
(Praveen Goyal) Partner M No. 074789	(M. B. Agrawal) Partner M No.009045	(Dilip G. Rodi) Partner M No.035810

Place : Mumbai
Date : 11th May 2015

तुलन-पत्र की अनुसूचियां
Schedules to Balance Sheet

(₹ in 000's)

			31 मार्च, 2015 को As on 31st Mar, 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को As on 31st Mar, 2014 ₹
अनुसूची -1 पूंजी	SCHEDULE - 1 CAPITAL				
प्राधिकृत पूंजी	AUTHORISED CAPITAL				
प्रति ₹ 2/- के 1500,00,00,000 शेयर (पिछले वर्ष 300,00,00,000/- प्रति शेयर ₹ 10/- के)	1500,00,00,000 Shares of ₹2/- each (previous year 300,00,00,000/- shares of ₹10/- each)		3000,00,00		3000,00,00
निर्गमित तथा अभिदत्त पूंजी	ISSUED AND SUBSCRIBED CAPITAL				
प्रति ₹ 2/- के 222,51,63,406 इक्विटी शेयर	222,51,63,406 Equity Shares of ₹2/- each				
(पिछले वर्ष 43,21,48,587 इक्विटी शेयर प्रति ₹ 10/- के)	(previous year 43,21,48,587 shares of ₹. 10/- each)		445,03,27		432,14,85
मांगी गई पूंजी एवं प्रदत्त पूंजी	CALLED-UP & PAID-UP CAPITAL				
प्रति ₹ 2/- के 221,14,95,906 इक्विटी शेयर (पिछले वर्ष 214,07,54,35 शेयर) जिसमें केन्द्र सरकार द्वारा धारित कुल ₹ 254.46 करोड़ राशि के 127,22,76,886 इक्विटी शेयर (पिछले वर्ष 24,15,71,283 शेयर) शामिल है.	221,14,95,906 (previous year 214,07,54,35) Equity Shares of ₹2 each including 127,22,76,886 Equity Shares (previous year 24,15,71,283 Shares of ₹10/- each) amounting to ₹254.46 Crores held by Central Government		442,29,92		429,41,51
जोड़ें : जब्त किए गए शेयर	Add : Forfeited Shares		1,26,12		1,26,12
जोड़	Total		443,56,04		430,67,63
अनुसूची-2	SCHEDULE - 2				
प्रारक्षित निधियां और अधिशेष	RESERVES & SURPLUS				
I सांविधिक प्रारक्षित निधियां	I Statutory Reserves				
प्रारम्भिक शेष	Opening Balance	8119,36,41		6984,09,33	
अवधि के दौरान परिवर्धन	Additions during the year	849,60,88	8968,97,29	1135,27,08	8119,36,41
II प्रारक्षित पूंजी	II Capital Reserves				
(₹ 987.30 करोड़ की पुनर्मूल्यांकित प्रारक्षित निधि सहित (पिछले वर्ष ₹ 1052.61 करोड़)	(including Revaluation Reserve of ₹987.30 crores (previous years ₹ 1052.61 crores)				
प्रारम्भिक शेष	Opening Balance	1943,96,87		1986,92,90	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	Additions during the year	108,20,60		8,69,02	
अवधि के दौरान समायोजन	Adjustments during the period	(6,37,18)		11,99,60	
		2045,80,29		2007,61,52	
कटौतियां :	Deductions:				
लाभ-हानि खाते में अंतरित पुनर्मूल्यांकित अचल आस्तियों पर मूल्य ह्रास	Depreciation on revalued fixed assets transferred to Profit & Loss account	(58,94,02)	1986,86,27	(63,64,65)	1943,96,87
III शेयर प्रीमियम	III Share Premium				
प्रारम्भिक शेष	Opening Balance	7714,42,62		7172,58,50	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	Additions during the year	1247,11,59	8961,54,21	541,84,12	7714,42,62

(₹ in 000's)

				31 मार्च, 2015 को As on 31st Mar, 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को As on 31st Mar, 2014 ₹	
अनुसूची-2 प्रारक्षित निधियां और अधिशेष (जारी) SCHEDULE - 2 RESERVES & SURPLUS (Contd.)							
IV	राजस्व और अन्य प्रारक्षित / निधियां	IV	Revenue & Other Reserves				
क)	सांविधिक प्रारक्षित निधियां (विदेशी)	a)	Statutory Reserve (Foreign)				
	प्रारंभिक शेष		Opening Balance	106,39,92		106,39,92	
	वर्ष के दौरान परिवर्धन		Additions during the year	-		-	
	वर्ष के दौरान समायोजन		Adjustments during the period	-		-	
				106,39,92		106,39,92	
ख)	आयकर अधिनियम की धारा 36(1)(viii) के अंतर्गत विशेष प्रारक्षित निधियां	b)	Special Reserve u/s 36(1)(viii) of Income Tax Act, 1961				
	प्रारम्भिक शेष		Opening Balance	3321,30,31		2409,23,66	
	वर्ष के दौरान परिवर्धन		Additions during the period	1093,90,21		912,06,65	
				4415,20,52		3321,30,31	
ग.	विदेशी मुद्रा रुपान्तरित प्रारक्षित निधियां	c)	Foreign Currency Translation Reserve				
	प्रारंभिक शेष		Opening Balance	1835,91,88		982,23,42	
	वर्ष के दौरान समायोजन		Adjustments during the period	116,88,16		853,68,46	
				1952,80,04		1835,91,88	
घ.	निवेश प्रारक्षित लेखा	d)	Investment Reserve Account				
	वर्ष के दौरान परिवर्धन		Addition during the period	130,46,31		-	
	वर्ष के दौरान समायोजन		Adjustments during the period	-		-	
				130,46,31		-	
च.	अन्य प्रारक्षित निधियां	e)	Other Reserves				
	प्रारंभिक शेष		Opening Balance	12513,61,87		11905,44,37	
	वर्ष के दौरान परिवर्धन		Additions during the year	364,56,82		1401,37,88	
	वर्ष के दौरान समायोजन		Adjustments during the period	(8,64,53)		(793,20,38)	
				12869,54,16		12513,61,87	
	जोड़ - IV (क, ख, ग और घ)		TOTAL - IV (a, b, c & d)		19474,40,95		17777,23,98
	जोड़ (I से IV)		TOTAL (I to IV)		39391,78,72		35554,99,88

(₹ in 000's)

				31 मार्च, 2015 को As on 31st Mar, 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को As on 31st Mar, 2014 ₹	
अनुसूची-3 जमाराशियां		SCHEDULE - 3 DEPOSITS					
क. I	मांग-जमाराशियां	A. I	Demand Deposits				
	i) बैंकों से		i) From Banks	2231,02,48		2254,50,91	
	ii) अन्य से		ii) From Others	50565,62,52	52796,65,00	47795,87,74	50050,38,65
II	बचत बैंक जमाराशियां	II	Savings Bank Deposits		110172,20,36		96437,43,83
III	मीयादी जमाराशियां	III	Term Deposits				
	i) बैंकों से		i) From Banks	110682,90,27		105824,36,47	
	ii) अन्य से		ii) From Others	343907,76,70	454590,66,97	316582,19,90	422406,56,37
	जोड़ (I से III)		TOTAL (I to III)		617559,52,33		568894,38,85
ख. I	भारत में स्थित शाखाओं की जमाराशियां	B. I	Deposits of branches in India	414277,84,71		379054,03,62	
II	भारत से बाहर स्थित शाखाओं की जमाराशियां	II	Deposits of branches outside India	203281,67,62		189840,35,23	
	जोड़ (I और II)		TOTAL (I & II)	617559,52,33		568894,38,85	
अनुसूची - 4 उधार ली गयी राशियां		SCHEDULE - 4 BORROWINGS					
I.	भारत में उधार ली गयी राशियां	I.	Borrowings in India				
i)	भारतीय रिज़र्व बैंक	i)	Reserve Bank of India	0		2000,00,00	
ii)	अन्य बैंक	ii)	Other Banks	2426,44,20		2022,52,09	
iii)	अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	iii)	Other Institutions and Agencies	1,12,75		2,08,22	
iv)	नवोन्मेषी बेमीयादी ऋण लिखत (आईपीडीआई)	iv)	Innovative Perpetual Debt Instruments (IPDI)	1911,70,00		1911,70,00	
v)	बांडों के रुप में जारी हाय ब्रिड ऋण पूंजी	v)	Hybrid Debt Capital Instruments issued as bonds	5000,00,00		5000,00,00	
vi)	गौण बांड	vi)	Subordinated Bonds	5190,00,00		4490,00,00	
	जोड़ (I to VI)		TOTAL (I to VI)		14529,26,95		15426,30,31
II.	भारत के बाहर उधार ली गयीं राशियां (300 मिलियन यूएस डॉलर अर्थात ₹ 1875 करोड़ के एमटीएन बांड सहित) (पिछले वर्ष 300 मिलियन यूएस डॉलर अर्थात ₹ 1797.45 करोड़)	II.	Borrowings outside India (includes MTN Bonds of USD 300 mn, INR equivalent of ₹ 1875 crores) (previous year USD 300mn ₹ 1797.45 crores)		20735,01,09		21386,66,57
	जोड़-उधार ली गई राशियां (I एवं II)		Total - Borrowings (I & II)		35264,28,04		36812,96,88
	उपरोक्त में शामिल जमानती उधार राशियां		Secured Borrowings included in above		2684,83,75		3612,00,75

(₹ in 000's)

				31 मार्च, 2015 को As on 31st Mar, 2015 ₹	31 मार्च, 2014 को As on 31st Mar, 2014 ₹
अनुसूची - 5		SCHEDULE - 5			
अन्य देयताएं और प्रावधान :		OTHER LIABILITIES AND PROVISIONS			
I	देय बिल	I	Bills Payable	2133,88,12	1557,20,31
II	अंतर कार्यालय समायोजन (शुद्ध)	II	Inter Office Adjustments (Net)	755,40,70	936,13,82
III	उपचित ब्याज	III	Interest Accrued	4644,52,46	3725,00,96
IV	मानक अग्रिमों की एवज में आकस्मिक प्रावधान	IV	Contingent Provision against Standard Advances	2963,73,86	2401,44,88
V	अन्य (प्रावधानों सहित)	V	Others (including provisions)	11831,84,53	9191,70,13
	जोड़ (I से V)		TOTAL (I to V)	22329,39,67	17811,50,10
अनुसूची - 6		SCHEDULE - 6			
नकदी और भारतीय रिज़र्व बैंक के पास शेष		CASH AND BALANCES WITH RESERVE BANK OF INDIA			
I	हाथ में नकदी (विदेशी मुद्रा नोटों सहित)	I	Cash in hand (including foreign currency notes)	3263,82,94	2218,48,27
II	भारतीय रिज़र्व बैंक के पास चालू खाते में शेष राशि	II	Balances with Reserve Bank of India in Current Account	19224,76,76	16410,61,12
	जोड़ (I और II)		TOTAL (I & II)	22488,59,70	18629,09,39

(₹ in 000's)

		31 मार्च, 2015 को As on 31st Mar, 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को As on 31st Mar, 2014 ₹	
अनुसूची -7 बैंकों के पास शेष राशि तथा मांग एवं अल्प सूचना पर देय राशि	SCHEDULE - 7 BALANCES WITH BANKS AND MONEY AT CALL & SHORT NOTICE				
I भारत में	I In India				
i) बैंकों के पास शेष राशि	i) Balances with Banks				
क) चालू खातों में	a) in Current Accounts	602,53,79		1045,29,51	
ख) अन्य जमा खातों में	b) in Other Deposit Accounts	3465,08,79	4067,62,58	1467,22,30	2512,51,81
ii) मांग एवं अल्प सूचना पर देय राशि	ii) Money at call and short notice with				
क) बैंकों के पास	a) Banks	-		-	
ख) अन्य संस्थानों के पास	b) Other institutions	-	-	-	-
जोड़ (i और ii)	TOTAL (i and ii)		4067,62,58		2512,51,81
II भारत से बाहर	II Outside India				
i) चालू खातों में	i) in Current Accounts	33159,60,60		20124,45,27	
ii) अन्य जमा खातों में	ii) in Other Deposit Accounts	62392,07,73		62843,47,59	
iii) बैंकों के पास मांग एवं अल्प सूचना पर देय राशि	iii) Money at Call and Short Notice with Banks	26245,24,46		26768,37,17	
जोड़ (i, ii और iii)	TOTAL (i, ii and iii)		121796,92,79		109736,30,03
कुल जोड़ (I और II)	TOTAL (I and II)		125864,55,37		112248,81,84

(₹ in 000's)

		31 मार्च, 2015 को As on 31st Mar, 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को As on 31st Mar, 2014 ₹	
अनुसूची-8 निवेश	SCHEDULE - 8 INVESTMENTS				
I भारत में निवेश (सकल)	I Investments in India (Gross)	115646,35,91		111424,61,45	
घटायें : मूल्यह्रास के लिए प्रावधान	Less: Provision for Depreciation	519,22,59		769,16,16	
भारत में शुद्ध निवेश	Net Investments in India		115127,13,32		110655,45,29
अलग-अलग विवरण	BREAK - UP				
i) सरकारी प्रतिभूतियां	i) Government Securities	96897,64,08		95736,09,38	
(क्लियरिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया में लॉज किए गए ₹650.00 करोड़ के अंकित मूल्य (पिछले वर्ष ₹150.00 करोड़) के ₹667.85 करोड़ सहित (पिछले वर्ष ₹156.77 करोड़) शामिल है [एमसीएक्स के साथ लॉज किए गए ₹20.00 करोड़ के अंकित मूल्य (पिछले वर्ष ₹0.50 करोड़) के ₹20.59 करोड़ सहित (पिछले वर्ष ₹0.53 करोड़)] [एनएसई के पास लॉज किए गए ₹ 100 करोड़ अंकित मूल्य (पिछले वर्ष ₹0.00करोड़) के ₹ 102.97 करोड़ (पिछले वर्ष ₹0.00 करोड़)] शामिल है [बीएसई के पास लॉज किए गए ₹ 100 करोड़ अंकित मूल्य (पिछले वर्ष ₹0.00करोड़) के ₹ 102.97 करोड़ (पिछले वर्ष ₹0.00 करोड़)] शामिल है [यूएसई में जमा0.30 करोड़ अंकित मूल्य (पिछले वर्ष ₹ 0.30 करोड़) के ₹0.30 करोड़ (पिछले वर्ष ₹0.30 करोड़)] शामिल है	[Includes ₹ 667.85 crores (Previous year ₹ 156.77 crores) face value of ₹650.00 crores (Previous year ₹150.00 crores) lodged with Clg. Corp. of India] [Includes ₹ 20.59 crores (Previous year ₹ 0.53 crores) face value of ₹ 20.00 crores (Previous year ₹ 0.50 crores) lodged with MCX] [Includes ₹102.97 crores (Previous year ₹0.00 crores) face value of ₹100 crores (Previous year ₹0.00 crores) lodged with NSE] [Includes ₹102.97 crores (Previous year ₹0.00 crores) face value of ₹100 crores (Previous year ₹0.00 crores) lodged with BSE] [Includes ₹0.30 crores (Previous year ₹0.30 Crs) face value of ₹0.30 crores (Previous year ₹0.30 crs) lodged with USE]				
ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	ii) Other Approved Securities	1,28,00		1,28,00	
iii) शेयर	iii) Shares	1286,36,09		1734,94,06	
iv) डिबेंचर और बांड	iv) Debentures and Bonds	3312,41,82		3893,79,84	
v) अनुषंगी इकाइयां और / या संयुक्त उद्यम [इसमें बैंक का, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को अग्रिम के रूप में शेयर पूंजी अंशदान पेंडिंग अलाटमैंट ₹152.91 करोड़) (पिछले वर्ष ₹152.91 करोड़) शामिल हैं.]	v) Subsidiaries and/or Joint Ventures [includes Bank's share of contribution as advance of ₹152.91 crores (Previous year ₹152.91 crores) towards Share Capital of RRBs pending allotment]	839,76,75		858,61,77	
vi) अन्य निवेश (वाणिज्यिक पत्रों, यूटीआई व अन्य म्यूचुअल फंड की यूनिटें, पास-थ्रू प्रमाण पत्र आदि)	vi) Other Investments (Commercial Papers, Units of UTI & Other Mutual Funds, Pass Through Certificates etc.)	12789,66,58		8430,72,24	
		115127,13,32		110655,45,29	

		31 मार्च, 2015 को As on 31st Mar, 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को As on 31st Mar, 2014 ₹	
II भारत के बाहर निवेश (सकल)	II Investments Outside India (Gross)	7500,71,81		5707,63,40	
घटायें : मूल्यह्रास के लिए प्रावधान	Less: Provision for Depreciation	308,13,17		250,42,55	
भारत में शुद्ध निवेश	Net Investments in India		7192,58,64		5457,20,85
अलग-अलग विवरण	BREAK - UP				
i) सरकारी प्रतिभूतियां (स्थानीय प्राधिकरणों सहित)	i) Government Securities (Including Local Authorities)	1968,36,82		1043,64,61	
ii) विदेशों में अनुषंगियां तथा / अथवा उपक्रम	ii) Subsidiaries and/or joint ventures abroad	800,10,78		745,01,49	
iii) अन्य निवेश (डिबेंचर्स, बॉण्ड्स आदि)	iii) Other Investments (Debentures, Bonds etc.)	4424,11,04		3668,54,75	
		7192,58,64		5457,20,85	
	TOTAL (I and II)		122319,71,96		116112,66,14

(₹ in 000's)

		31 मार्च, 2015 को As on 31st Mar, 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को As on 31st Mar, 2014 ₹	
अनुसूची-9 अग्रिम	**SCHEDULE - 9 ADVANCES**				
क. i) खरीदे और भुनाए गए बिल	A. i) Bills Purchased and Discounted	57552,43,08		53018,02,23	
ii) नकद ऋण, ओवर ड्राफ्ट और मांग पर चुकौती योग्य ऋण	ii) Cash Credits, Overdrafts and Loans Repayable on Demand	196077,87,97		178648,72,00	
iii) मीयादी ऋण	iii) Term Loans	174434,82,84		165339,06,85	
जोड़ क (i से iii)	TOTAL A (i to iii)		428065,13,89		397005,81,08
ख. i) मूर्त आस्तियों से प्रतिभूतित (बही-ऋण की एवज में अग्रिमों सहित)	B. i) Secured by Tangible Assets (includes advances against Book Debts)	291289,89,75		276384,83,62	
ii) बैंक/सरकारी गारंटी से रक्षित	ii) Covered by Bank/Government Guarantees	83121,08,65		66207,18,68	
iii) गैर-जमानती	iii) Unsecured	53654,15,49		54413,78,78	
जोड़ ख (i से iii)	TOTAL B (i to iii)		428065,13,89		397005,81,08
ग. I भारत में अग्रिम	C. I Advances in India				
i प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	i Priority Sector	95509,78,51		84176,70,01	
ii सार्वजनिक क्षेत्र	ii Public Sector	22481,26,41		22894,36,05	
iii बैंक	iii Banks	3387,53,63		3089,62,10	
iv अन्य	iv Others	170491,63,45	291870,22,00	162008,27,70	272168,95,86
II भारत से बाहर अग्रिम	II Advances Outside India				
i बैंकों से प्राप्य	i Due from Banks	71206,62,67		57342,06,30	
ii अन्य से प्राप्य	ii Due from Others				
क) खरीदे और भुनाए गए बिल	a) Bills Purchased & Discounted	5846,85,52		7080,81,28	
ख) सिंडीकेट ऋण	b) Syndicated Loans	23598,22,06		26575,59,35	
ग) अन्य	c) Others	35543,21,64	136194,91,89	33838,38,29	124836,85,22
जोड़ ग(I और II)	TOTAL C (I & II)		428065,13,89		397005,81,08

(₹ in 000's)

				31 मार्च, 2015 को As on 31st Mar, 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को As on 31st Mar, 2014 ₹	
अनुसूची-10 अचल आस्तियां		SCHEDULE - 10 FIXED ASSETS					
I	परिसर	I	Premises				
	पिछले वर्ष के 31 मार्च की लागत पर		At cost as on 31st March of the preceding year	2804,67,02		2629,06,55	
	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन		Additions/adjustments during the year	89,66,63		179,51,11	
				2894,33,65		2808,57,66	
	वर्ष के दौरान कटौतियां/समायोजन		Deductions/adjustments during the year	6,81,30		3,90,64	
	(पुनर्मूल्यांकित राशि सहित)		(Includes revalued amount)	2887,52,35		2804,67,02	
	घटाएं - आज की तारीख तक मूल्यहास/परिशोधन		Less:- Depreciation/ Amortisation to date	1081,96,77	1805,55,58	996,78,44	1807,88,58
II	अन्य अचल आस्तियां (फर्नीचर एवं फिक्सचर को मिलाकर) पिछले वर्ष के 31 मार्च की लागत पर	II	Other Fixed Assets (including Furniture & Fixtures) At cost as on 31st March of the preceding year	3253,40,25		2751,90,21	
	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन		Additions/adjustments during the year	518,09,08		547,27,28	
				3771,49,33		3299,17,49	
	घटाएं : वर्ष के दौरान कटौतियां/समायोजन		Less: Deductions/adjustments during the year	117,52,98		45,77,24	
				3653,96,35		3253,40,25	
	घटाएं : आज की तारीख तक मूल्यहास		Less : Depreciation to date	2584,67,13	1069,29,22	2327,16,57	926,23,68
	जोड़ (I से II)		TOTAL (I to II)		2874,84,80		2734,12,26

(₹ in 000's)

				31 मार्च, 2015 को As on 31st Mar, 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को As on 31st Mar, 2014 ₹	
	अनुसूची -11 अन्य आस्तियां		SCHEDULE - 11 OTHER ASSETS				
I	उपचित ब्याज	I	Interest Accrued	4282,79,68			4630,94,34
II	अग्रिम कर भुगतान/स्रोत पर कर कटौती (प्रावधानों का निवल)	II	Tax paid in advance/tax deducted at source (net of provisions)	5555,52,60			4826,09,35
III	लेखन सामग्री और स्टाम्प	III	Stationery & Stamps	7,79,39			7,16,79
IV	अन्य	IV	Others	3529,57,41			3309,82,15
	जोड़ (I से V)		TOTAL (I to V)	13375,69,08			12774,02,63
	अनुसूची -12 आकस्मिक देयताएं		SCHEDULE - 12 CONTINGENT LIABILITIES				
I	बैंक के विरूद्ध दावे जिन्हें देनदारी नहीं माना गया	I	Claims against the Bank not acknowledged as Debts	83,96,41			48,26,16
II	आंशिक चुकता निवेशों के लिये देयता	II	Liability for partly paid Investments	28,00			28,00
III	बकाया वायदा विनिमय संविदाओं के कारण देयता	III	Liability on account of outstanding Forward Exchange Contracts	150655,98,80			170986,85,95
IV	संघटकों की ओर से दी गयी गारंटियां :	IV	Guarantees given on behalf of Constituents :				
	क) भारत में		a) In India	17522,30,24		16453,04,14	
	ख) भारत से बाहर		b) Outside India	13323,99,51	30846,29,75	12741,41,33	29194,45,47
V	स्वीकृतियां, परांकन एवं अन्य दायित्व	V	Acceptances, Endorsements and Other Obligations	20007,54,52			19969,19,78
VI	अन्य मदें, जिनके लिए बैंक की आकस्मिक देयता हैं,	VI	Other items for which the Bank is Contingently liable	44790,64,33			39713,72,49
	जोड़ (I से VI)		TOTAL (I to VI)	246384,71,81			259912,77,85

लाभ हानि लेखे की अनुसूचियां
Schedules to Profit & Loss Account

(₹ in 000's)

			31 मार्च, 2015 को Year Ended 31st Mar, 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को Year Ended 31st Mar, 2014 ₹
अनुसूची-13 अर्जित ब्याज	SCHEDULE - 13 INTEREST EARNED				
I अग्रिमों/बिलों पर ब्याज/बट्टा	I Interest / Discount on Advances / Bills		30802,68,00		27878,09,34
II निवेशों पर आय	II Income on Investments		9701,07,35		8695,99,11
III भारतीय रिज़र्व बैंक के पास शेष रकम और अन्य अंतर बैंक निधियों पर ब्याज	III Interest on Balances with Reserve Bank of India and other Inter-Bank Funds		1549,79,45		1533,86,12
IV अन्य	IV Others		910,00,90		831,76,38
जोड़ (I से IV)	TOTAL (I to IV)		42963,55,70		38939,70,95
अनुसूची -14 अन्य आय	SCHEDULE - 14 OTHER INCOME				
I कमीशन, विनिमय और दलाली	I Commission, Exchange and Brokerage		1482,04,36		1437,39,32
II निवेशों के विक्रय पर लाभ	II Profit on sale of Investments	1234,36,25		774,18,11	
घटाएं : निवेशों की बिक्री पर हानि	Less: Loss on sale of Investments	227,34,28	1007,01,97	30,38,51	743,79,60
III भूमि, इमारतों और अन्य आस्तियों के विक्रय पर लाभ	III Profit on sale of Land, Buildings and Other Assets	2,97,79		2,96,30	
घटाएं : भूमि, इमारतों और अन्य आस्तियों की बिक्री पर हानि	Less: Loss on sale of Land, Buildings and Other Assets	3,01,85	(4,06)	2,77,23	19,07
IV विनिमय लेन-देन पर लाभ	IV Profit on Exchange Transactions	1021,30,12		1039,17,31	
घटाएं : विनिमय लेन-देन पर हानि	Less: Loss on Exchange Transactions	15,36,64	1005,93,48	11,40	1039,05,91
V विदेशों/भारत में अनुषंगी इकाइयों कंपनियों और/या संयुक्त उद्यमों से लाभांश आदि के रूप में अर्जित आय	V Income Earned by way of Dividends etc. from Subsidiaries/Companies and/or Joint Ventures abroad/ in India		36,97,70		40,73,73
VI विविध आय	VI Miscellaneous Income		870,06,05		1201,56,78
जोड़ (I से VI)	TOTAL (I to VI)		4401,99,50		4462,74,41

(₹ in 000's)

				31 मार्च, 2015 को Year Ended 31st Mar, 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को Year Ended 31st Mar, 2014 ₹	
	अनुसूची-15 खर्च किया गया ब्याज		SCHEDULE - 15 INTEREST EXPENDED				
I	जमाराशियों पर ब्याज	I	Interest on Deposits	27605,55,82			25220,93,76
II	भारतीय रिज़र्व बैंक/ अंतर बैंक उधार राशियों पर ब्याज	II	Interest on Reserve Bank of India / Inter Bank Borrowings	394,13,16			674,78,56
III	अन्य	III	Others	1776,63,43			1078,64,00
	जोड़ (I से III)		TOTAL (I to III)		29776,32,41		26974,36,32
	अनुसूची-16 परिचालन व्यय		SCHEDULE - 16 OPERATING EXPENSES				
I	कर्मचारियों को भुगतान और तत्संबंधी प्रावधान	I	Payments to and Provisions for Employees		4261,34,65		4139,72,39
II	किराया, कर और बिजली	II	Rent, Taxes and Lighting		695,74,24		618,87,51
III	छपाई और लेखन सामग्री	III	Printing and Stationery		78,82,28		70,61,58
IV	विज्ञापन एवं प्रचार	IV	Advertisement and Publicity		71,81,61		63,80,54
V	बैंक की सम्पत्ति पर मूल्यह्रास	V	Depreciation on Bank's Property	399,33,51		408,67,18	
	घटायें : अचल सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन के कारण प्रारक्षित पूंजी से समायोजित मूल्यह्रास		Less Depreciation adjusted from capital reserve on account of revaluation of immovable properties	58,94,02	340,39,49	63,64,65	345,02,53
VI	निदेशकों की फीस, भत्ते और खर्च	VI	Directors' Fees, Allowances and Expenses		85,88		1,00,29
VII	लेखा परीक्षकों की फीस और खर्चे (शाखा लेखा परीक्षकों की फीस एवं खर्चे सहित)	VII	Auditors' Fees and Expenses (including Branch Auditors' Fees and Expenses)		51,84,39		49,65,98
VIII	विधि प्रभार	VIII	Law Charges		45,65,48		36,36,24
IX	डाक, तार और टेलीफोन आदि	IX	Postages, Telegrams, Telephones etc.		148,79,13		145,31,60
X	मरम्मत और रखरखाव	X	Repairs and Maintenance		471,30,70		372,08,93
XI	बीमा	XI	Insurance		451,04,44		391,52,59
XII	अन्य खर्चे	XII	Other Expenditure		1056,50,44		903,06,38
	जोड़ (I से XII)		TOTAL (I to XII)		7674,12,73		7137,06,56

अनुसूची-17 : 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष की उल्लेखनीय लेखांकन नीतियां
Schedule - 17 : Significant accounting policies for the year ended March 31, 2015

1. तैयारी का आधार

वित्तीय विवरणियां, जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो, परम्परागत लागत आधार पर तैयार की गई हैं. ये भारत में सामान्यतया मान्य लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी)के अनुसार हैं जिनमें सांविधिक प्रावधान, विनियामक/ भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देश, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानक/मार्गदर्शी नोट्स तथा भारत के बैंकिंग उद्योग में प्रचलित कार्यप्रणाली समाविष्ट है. विदेशी कार्यालयों के संदर्भ में संबंधित देशों के प्रचलित सांविधिक प्रावधानों और कार्यप्रणाली का अनुपालन किया गया है.

2. आकलनों का उपयोग

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में वित्तीय विवरण की तारीख को रिपोर्ट की गई आस्ति एवं देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) तथा रिपोर्ट की गई अवधि की आय एवं व्यय संबंधी राशि को रिपोर्ट करने हेतु प्रबंधन को कतिपय अनुमानों और आकलनों की मदद लेनी पड़ती है. प्रबंधन का विश्वास है कि वित्तीय विवरण को तैयार करने के लिए प्रयुक्त आकलन विवेकपूर्ण और उचित हैं. भावी परिणाम इन आकलनों से भिन्न हो सकते हैं. लेखा अनुमानों में कोई भी परिवर्तन/संशोधन वर्तमान एवं भावी अवधि से मान्य होगा जब तक कि अन्यथा उल्लेख न किया गया हो.

3. निवेश

3.1 वर्गीकरण

बैंक के संपूर्ण निवेश पोर्टफोलियो का वर्गीकरण भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशों के अनुरूप निम्नानुसार किया गया है, जिसमें

(क) "परिपक्वता तक धारित" में वे निवेश शामिल हैं जिन्हें परिपक्वता तक रखने के उद्देश्य से प्राप्त किया गया है.

(ख) "व्यापार हेतु धारित" में वे निवेश शामिल हैं, जिन्हें व्यापार के उद्देश्य से प्राप्त किया गया है.

(ग) "बिक्री हेतु उपलब्ध" में वे निवेश शामिल हैं, जो उपरोक्त (क) तथा (ख) में शामिल नहीं है, अर्थात जो न तो व्यापार के उद्देश्य से प्राप्त किए गए हैं और न ही परिपक्वता तक रखने के उद्देश्य से प्राप्त किए गए हैं.

3.2 अधिग्रहण लागत

निवेश की अधिग्रहण लागत में प्रोत्साहन, प्रारंभिक शुल्क एवं कमीशन राशि सम्मिलित है.

3.3 मूल्यांकन का आधार

"परिपक्वता तक धारित" के रूप में वर्गीकृत निवेशों को भारित औसत अधिग्रहण लागत पर लिया गया है, बशर्ते वह अंकित मूल्य से अधिक हो, इस स्थिति में प्रीमियम को परिपक्वता की शेष अवधि तक परिशोधित किया गया है.

"परिपक्वता तक धारित" के रूप में वर्गीकृत निवेशों में डिबेंचर/बांड, जिन्हें स्वरूप/प्रकृति की दृष्टि से अग्रिम माना जाता है, शामिल है (जिनके लिए आस्ति वर्गीकरण संबंधी भारतीय रिज़र्व बैंक के विवेकपूर्ण मानदंड तथा अग्रिमों पर लागू प्रावधान के अनुसार प्रावधान किए जाते हैं).

1 BASIS OF PREPARATION

The financial statements have been prepared under the historical cost convention unless otherwise stated. They conform to Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) in India, which comprises statutory provisions, regulatory/ Reserve Bank of India (RBI) guidelines, Accounting Standards/ guidance notes issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) and the practices prevalent in the banking industry in India. In respect of foreign offices, statutory provisions and practices prevailing in respective foreign countries are complied with.

2 USE OF ESTIMATES

The preparation of financial statements requires the management to make estimates and assumptions considered in the reported amount of assets and liabilites (including contingent liabilites) as of date of the financial statements and the reported income and expenses for the reporting period. Management believes that the estimates used in the preparation of the financial statements are prudent and reasonable. Future results could differ from these estimates. Any revision to the accounting estimates is recognised prospectively in the current and future periods unless otherwise stated.

3 INVESTMENTS

3.1 Classification

The Investment portfolio of the Bank is classified, in accordance with the Reserve Bank of India guidelines, into:

a "Held to Maturity" (HTM) comprising Investments acquired with the intention to hold them till maturity.

b "Held for Trading" (HFT) comprising Investments acquired with the intention to trade.

c "Available for Sale" (AFS) comprising Investments not covered by (a) and (b) above i.e. those which are acquired neither for trading purposes nor for being held till maturity.

3.2 Acquisition Cost

Cost of acquisition of Investments is net of incentives, front-end fees and commission.

3.3 Basis of Valuation

Investments classified as HTM are carried at weighted average acquisition cost unless it is more than the face value, in which case the premium is amortized over the period remaining to maturity.

Investments classified as HTM includes debentures / bonds which are deemed to be in the nature of / treated as advances (for which provision is made by applying the RBI prudential norms of assets classification and provisioning applicable to Advances).

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, ट्रेज़री बिलों, कमर्शियल पेपर्स, इंदिरा विकास-पत्रों, किसान विकास पत्रों और जमा प्रमाण-पत्रों पर किए गए निवेश शामिल हैं और जिनके मूल्य का निर्धारण रखाव लागत पर किया गया है.

संयुक्त उद्यमों तथा अनुषंगियों में (भारत तथा विदेश दोनों में), अस्थायी प्रकार के निवेशों को छोड़कर निवेशों का मूल्यांकन, ह्रास मूल्य को घटाकर अधिग्रहण लागत पर किया जाता है.

वीसीएफ इकाइयों में दिनांक 23.08.2006 के बाद किए गए बैंक निवेशों को प्रारंभिक तीन वर्ष की अवधि के लिए 'परिपक्वता तक धारित' संवर्ग में वर्गीकृत किया जाता है और लागत पर मूल्यांकित किया जाता है. संवितरण के तीन वर्ष पश्चात इसे 'बिक्री के लिए उपलब्ध' में अंतरित कर दिया जाता है और भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार 'बाजार' के रूप में चिन्हित किया जाता है.

''व्यापार के लिए धारित'' एवं ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' के रूप में वर्गीकृत निवेश, स्क्रिपवार बाजार के रूप में चिन्हित किये जाते हैं और तुलन पत्र में घोषित परिणामी शुद्ध मूल्यह्रास यदि कोई हो, को ''लाभ हानि खाते'' के हिसाब में लिया जाता है, जबकि यदि कोई मूल्य वृद्धि हो तो उसे छोड़ दिया जाता है.

प्राथमिक डीलर के रूप में बैंक द्वारा व्यापार के लिए धारित संवर्ग के अन्तर्गत ट्रेजरी बिलों में निवेश का मूल्यांकन मूल्यों के अनुसार रखाव लागत पर किया जाता है.

''व्यापार के लिए धारित'' तथा ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' श्रेणी के निवेशों के मूल्यांकन के लिए, बाज़ार स्टॉक एक्सचेंज में उद्धृत दरें, प्राइमरी डीलर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (पीडीएआई)/फिक्स्ड इन्कम मनी मार्केट एंड डेरिवेटिव्स एसोसिएशन (एफआईएमएमडीए)/फॉरेन एक्सचेंज डीलर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (एफइडीएआई) द्वारा घोषित दरों का उपयोग किया गया है.

जिन निवेशों के लिए ऐसी दरें/उद्धृत दरें उपलब्ध नहीं हैं, उनका मूल्यन भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्धारित मानदंडों के अनुसार किया गया है, जो निम्नानुसार हैं :

क)	सरकारी/अनुमोदित प्रतिभूतियां	- ''परिपक्वता प्रतिफल'' के आधार पर
ख)	इक्विटी शेयर, पीएसयू और ट्रस्टी शेयर	- अद्यतन तुलन-पत्र (12 माह से अधिक पुराना नहीं) के अनुसार ब्रेक अप मूल्य पर अन्यथा ₹1/- प्रति कंपनी.
ग)	अधिमानी शेयर	- समुचित क्रेडिट स्प्रेड मार्क-अप के साथ परिपक्वता के प्रतिफल के आधार पर
घ)	पीएसयू बांड	- समुचित क्रेडिट स्प्रेड मार्क अप के साथ परिपक्वता के प्रतिफल के आधार पर.
ड.)	म्यूचुअल फंड की यूनिटें	फंड द्वारा प्रत्येक स्कीम के संबंध में घोषित अद्यतन पुनर्खरीद मूल्य/एन.ए.वी. पर
च)	उद्यम पूंजी	लेखापरीक्षित तुलनपत्र, जो कि 18 माह से ज्यादा पुरानी न हो, के अनुसार घोषित एनएवी या अलग-अलग एनएवी. यदि, लगातार 18 माह से अधिक के एनएवी या लेखापरीक्षित वित्तीय आंकड़े उपलब्ध न हो तो प्रति वीसीएफ ₹ 1/-.
छ)	प्रतिभूति प्राप्तियां	भारतीय रिजर्व बैंक/सेबी के दिशा निर्देशों के अनुरुप असेट रिकंस्ट्रक्शन कम्पनी द्वारा घोषित शुद्ध आस्ति मूल्य

3.4 निवेशों का निस्तारण

''परिपक्वता तक धारित'' के रूप में वर्गीकृत किए गए निवेशों की बिक्री पर होने वाले लाभ/हानि को, निवेश से संबंधित भारित औसत

Investments in Regional Rural Banks, Treasury Bills, Commercial Papers and Certificates of Deposit which have been valued at carrying cost.

Investments in subsidiaries and joint ventures (both in India and abroad) are valued at acquisition cost less diminution, other than temporary in nature.

Bank's investments in units of VCFs made after 23.08.2006 are classified under HTM category for initial period of three years and are valued at cost. After period of three years from date of disbursement, it will be shifted to AFS and marked-to-market as per RBI guidelines.

Investments classified as HFT and AFS are marked to market scrip-wise and the resultant net depreciation if any, in each category disclosed in the Balance Sheet, is recognized in the Profit and Loss Account, while the net appreciation, if any, is ignored.

Investments made by the Bank as Primary Dealer in Treasury Bills under HFT category have been valued at carrying cost.

For the purpose of valuation of quoted investments in "Held for Trading" and "Available for Sale" categories, the market rates / quotes on the Stock Exchanges, the rates declared by Primary Dealers Association of India (PDAI) / Fixed Income Money Market and Derivatives Association (FIMMDA) / Foreign Exchange Dealers Association of India (FEDAI) are used.

Investments for which such rates / quotes are not available are valued as per norms laid down by RBI, which are as under:

a	Government / Approved securities	- on Yield to Maturity basis.
b	Equity Shares, PSU and Trustee shares	- at book value as per the latest Balance Sheet (not more than 12 months old), otherwise Re.1 per company.
c	Preference Shares	- on Yield to Maturity basis with appropriate credit spread mark-up.
d	PSU Bonds	- on Yield to Maturity basis with appropriate credit spread mark-up.
e	Units of Mutual Funds	- at the latest repurchase price / NAV declared by the Fund in respect of each scheme.
f	Venture Capital	- Declared NAV or break up NAV as per audited balance sheet which is not more than 18 months old. If NAV/ audited financials are not available for more than 18 months continuously then at Re. 1/- per VCF.
g	Security Receipts	- Declared NAV by the Asset Reconstruction Company as per RBI / SEBI guidelines.

3.4 Disposal of Investments

Profit/ loss on sale of Investments classified as HTM is recognized in the Profit and Loss Account based on

लागत/बही मूल्य के आधार पर लाभ/हानि लेखे में लिया जाता है तथा ''परिपक्वता तक धारित'' वर्गीकरण में निवेश की बिक्री पर समतुल्य लाभ के समान राशि पूंजीगत प्रारक्षित खाते में समायोजित की गई है.

'बिक्री के लिए उपलब्ध' और व्यापार के लिए धारित निवेशों की बिक्री से होने वाले लाभ/हानि को लाभ हानि खातें में प्रभारित किया जाता है.

3.5 निपटान तारीख आधार पर किए गए निवेश के लिए बैंक एकरूप लेखांकन पद्धति अपनाता है.

3.6 विदेशी शाखाओं के संबंध में, भारतीय रिज़र्व बैंक अथवा उस देश के दिशा-निर्देशों को, जो भी ज्यादा सख्त हों, का पालन किया गया है. विदेशों में स्थित उन शाखाओं के मामले में जहां पर दिशा-निर्देश विनिर्दिष्ट नहीं हैं, वहां भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों का पालन किया जाता है.

3.7 इन श्रेणियों के बीच प्रतिभूतियों के अंतरण की गणना, अंतरण की तारीख को उसकी अधिग्रहण लागत/बही मूल्य/बाजार मूल्य में से जो भी कम हो, पर की जाती है और ऐसे अंतरण के फलस्वरूप आए मूल्यह्रास, यदि कोई है, के लिए प्रावधान किया जाता है.

3.8 गैर-निष्पादित प्रतिभूतियों के संबंध में आय को मान्यता नहीं दी गई है और इन प्रतिभूतियों के मूल्य में मूल्यह्रास के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा निर्देशानुसार उपयुक्त प्रावधान किया गया है.

3.9 **पुनःखरीद/प्रत्यावर्तित पुनः खरीद**

बैंक ने पुनः खरीद तथा प्रत्यावर्तित पुनः खरीद लेनदेनों को लेखांकित करने हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बताई गई एक समान लेखा प्रणाली को अपनाया है. (भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के अंतर्गत हुए लेनदेनों को छोड़कर). पुनः खरीद एवं प्रत्यावर्तित पुनः खरीद संव्यवहारों को संपार्श्विक उधार/ऋणदान के अंतर्गत माना जाता है जिसमें सहमत शर्तों पर पुनःखरीद का करार किया जाता है. पुनः खरीद के अन्तर्गत बिक्री की प्रतिभूतियों को निवेश के अन्तर्गत दर्शाया जाता है और प्रत्यावर्तित पुनः खरीद प्रतिभूतियों को निवेश में शामिल नहीं किया जाता. लागत एवं राजस्व को ऋण ब्याज व्यय/आय को यथास्थिति लेखाकृत किया जाता है.

भारतीय रिजर्व बैंक के पास चलनिधि समायोजन सुविधा के अंतर्गत खरीदी/बेची गई प्रतिभूतियां निवेश खाते में नामे/जमा की जाती हैं और संव्यवहार की परिपक्वता पर प्रत्यावर्तित की जाती हैं. खर्च किये ब्याज/उस पर अर्जित आय को व्यय/राजस्व के रूप में हिसाब में लिया जाता है.

3.10 **डेरिवेटिव्स**

बैंक वर्तमान में ब्याज दरों तथा मुद्रा डेरिवेटिव्स में डील करता है. बैंक द्वारा व्यवहारित ब्याज दर डेरिवेटिव्स में रुपया ब्याज दर स्वैप, विदेशी मुद्रा ब्याज-दर स्वेप तथा फारवर्ड रेट एग्रीमेंट्स शामिल हैं. बैंक द्वारा व्यवहार में लाये जाने वाले मुद्रा डेरिवेटिव्स में ऑप्शन तथा मुद्रा स्वेप्स हैं.

भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के आधार पर, डेरिवेटिव्स का मूल्यांकन निम्नानुसार किया जाता है :

व्यवस्था बचाव/गैर व्यवस्था बचाव (मार्केट मेकिंग) संव्यवहार अलग-अलग रिकार्ड किये जाते हैं. व्यवस्था बचाव डेरिवेटिव्स उपचय आधार पर लेखांकित किये जाते हैं. ट्रेडिंग डेरिवेटिव पोजिशन्स मार्क्ड टू मार्केट (एमटीएम) हैं तथा किसी भी प्रकार की हानि, यदि कोई हो लाभ-हानि खाते में दर्ज की जाती है. लाभ, यदि कोई हो, को दर्ज नहीं किया जाता. ब्याज दर स्वैप से संबंधित आय तथा

the weighted average cost / book value of the related Investments and an amount equivalent of profit on sale of Investments in HTM classification is appropriated to Capital Reserve Account.

Profit/ loss on sale of Investment in AFS/ HFT category is recognized in Profit and Loss Account.

3.5 The Bank is following uniform methodology of accounting for investments on settlement date basis.

3.6 In respect of investments at overseas branches, RBI guidelines or those of the host countries, whichever are more stringent are followed. In case of those branches situated in countries where no guidelines are specified, the guidelines of the RBI are followed.

3.7 The transfer of a security between these categories is accounted for at the acquisition cost / book value / market value on the date of transfer, whichever is the least, and the depreciation, if any, on such transfer is fully provided for.

3.8 In respect of non-performing securities, income is not recognised, and provision is made for depreciation in the value of such securities as per RBI guidelines.

3.9 REPO / Reverse REPO

The Bank has adopted the Uniform Accounting Procedure prescribed by the RBI for accounting of market Repo and Reverse Repo transactions [other than the Liquidity Adjustment Facility (LAF) with the RBI]. Repo and Reverse Repo Transactions are treated as Collaterised Borrowing / Lending Operations with an agreement to Repurchase on the agreed terms. Securities sold under Repo are continued to be shown under investments and Securities purchased under Reverse Repo are not included in investments. Costs and revenues are accounted for as interest expenditure / income, as the case may be.

Securities purchased / sold under LAF with RBI are debited / credited to investment Account and reversed on maturity of the transaction. Interest expended / earned thereon is accounted for as expenditure / revenue.

3.10 Derivatives

The Bank presently deals in interest rate and currency derivatives. The interest rate derivatives dealt with by the Bank are Rupee Interest Rate Swaps, Foreign Currency Interest Rate Swaps and forward rate agreements. Currency Derivatives dealt with by the Bank are Options and Currency swaps.

Based on RBI guidelines, Derivatives are valued as under:

The hedge/ non-hedge(market making) transactions are recorded separately. Derivative contracts designated as hedges are not marked to market unless their underlying asset is marked to market. Trading derivative positions are marked-to-market (MTM) and the resulting losses, if any, are recognized in the Profit and Loss Account. Profit, if any, is ignored. Income and Expenditure relating to interest rate swaps are recognized on the settlement date. Gains/ losses on

व्यय समझौता तिथि को दर्ज होता है. ट्रेडिंग स्वैप्स की समाप्ति पर लाभ/हानि समाप्ति तिथि पर आय/व्यय के रूप में दर्ज की जाती है.

मूल्यांकन के लिए, कुल स्वैप के वास्तविक मूल्य की गणना तुलन-पत्र की तिथि को स्वैप करारों के कारोबार समाप्ति पर प्राप्य या देय राशि के आधार पर की जाती है, संबंधित हानियों, यदि हों, के लिए पूर्णतः प्रावधान किया गया है, जबकि लाभों को छोड़ दिया गया है.

तुलन पत्र की तिथि को 'फेडाई' द्वारा अधिसूचित विनिमय दर के बंद भाव पर विदेशी मुद्रा में डेरिवेटिव संविदाओं को आकस्मिक देयताओं के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जाता है.

4. अग्रिम

4.1 भारत में अग्रिमों को मानक, अवमानक, संदिग्ध या हानि आस्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है तथा इसके लिए प्रावधान भारतीय रिज़र्व बैंक के विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार किया जाता है. विदेशी शाखाओं द्वारा दिए गए अग्रिमों के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशों के अनुसार अथवा उस देश, जिसमें अग्रिम दिए गए हैं, में विद्यमान मानदंडों में से जो भी कड़े मानदंड हों, के अनुरूप वर्गीकृत किया जाता है.

4.2 अग्रिम, विनिर्दिष्ट ऋणों पर हानि के प्रावधानों, उचंत ब्याज, वादग्रस्त विविध जमा एवं प्राप्त दावा राशि का निवल है.

4.3 पुनर्निधारित/पुनर्गठित खातों के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार पुनर्गठित अग्रिमों के उचित मूल्य में कमी के लिए प्रावधान विद्यमान मूल्य शर्तों पर आकलन करते हुए किया जाता है.

4.4 आस्ति पुनर्गठन कंपनी (एआरसी) /प्रतिभूतिकरण (सिक्योरिटाइजेशन) कंपनी (एससी) को बेची गई वित्तीय आस्तियों के मामले में, बैंक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन कर रहा हैं, वर्तमान में बैंक द्वारा अनुपालन किये जा रहे दिशानिर्देशों के अनुसार यदि बिक्री शुद्ध बही मूल्य से कम मूल्य पर की गई हो (अर्थात बही मूल्य में से प्रावधान घटा कर) तो हानि (कमी) को लाभ हानि खाते में नामे किया जाता है. यदि बिक्री मूल्य बही मूल्य से ज्यादा है तो जिस वर्ष के दौरान राशि प्राप्त होती हैं, आधिक्य प्रावधान राशि लाभ हानि खाते में प्रत्यावर्तित कर दी जाती हैं. अतिरिक्त राशि को आगे लाया जाता है और बाद में गैर निष्पादक अस्तियों की बिक्री के समय हुई कमी/हानि को पूरा करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है.

5. अचल आस्तियां

5.1 परिसर व अन्य अचल आस्तियां पुनर्मूल्यांकित परिसरों को छोड़कर, सामान्यतः परम्परागत मूल्य पर ली गयी हैं. पुनर्मूल्यांकन पर हुई मूल्यवृद्धि, यदि कोई हो, को पूंजीगत प्रारक्षित निधि में जमा किया गया है. तथा इस पर मूल्यह्रास को इसमें से घटाया जाता है.

5.2 परिसरों में भूमि एवं निर्माणाधीन परिसरों को शामिल किया गया है.

6. प्रारक्षित निधियां एवं अधिशेष

राजस्व एवं अन्य प्रारक्षित निधियों में सम्बद्ध देशों के प्रचलित स्थानीय कानूनों के अनुसार विदेशी शाखाओं द्वारा निर्मित सांविधिक प्रारक्षित निधियों को शामिल किया गया है.

7. राजस्व का निर्धारण

7.1 आय (पैराग्राफ 7.2 में दिए गए संदर्भ को छोडकर) को उपचय आधार पर जब तक कि अन्यथा उल्लिखित न हो, लेखांकित किया गया है. विदेशी कार्यालयों के मामले में आय / व्यय की गणना उस देश के कानून के अनुसार की गई है, जहां पर विदेशी कार्यालय स्थित है.

termination of the trading swaps are recorded on the termination date as income/ expenditure.

For the purpose of valuation, the fair value of the total swap is computed on the basis of the amount that would be receivable or payable on termination of the transactions of the swap agreements as on the Balance Sheet date. Losses arising there from, if any, are fully provided for while the profits, if any, are ignored.

Contingent Liabilities on account of derivative contracts denominated in foreign currencies are reported at closing rates of exchange notified by FEDAI at the Balance Sheet date.

4 ADVANCES

4.1 Advances in India are classified as Standard, Sub-standard, Doubtful or Loss assets and provision for advances are made as per the Prudential Norms of the RBI. In respect of Advances made in overseas branches, Advances are classified in accordance with Prudential Norms prescribed by the RBI or local laws of the host country in which advances are made, whichever is more stringent.

4.2 Advances are net of specific loan loss provisions, interest suspense, amount received and held in suit-filed Sundry Deposits and Claims Received.

4.3 In respect of Rescheduled / Restructured accounts, Provision for dimunition in fair value of restructured advances is measured in net present value terms as per RBI guidelines.

4.4 In case of financial assets sold to Asset Reconstruction Company (ARC)/ Securitization Company (SC), the bank is following the guidelines issued by reserv bank of india. At present, the guideline follwed by the bank is that if the sale is at a price below the net book value (NBV), (i.e. Book value less provisions held) the shortfall is debited to the profit and loss account spread over a period of two years. If the sale value is higher than the NBV, excess provision is reversed to profit and loss account in the year the amount are received.

5 FIXED ASSETS

5.1 Premises and other Fixed Assets are stated at historical cost except revalued premises which are stated at revalued amount. The appreciation on revaluation is credited to Capital Reserve and the depreciation provided thereon is deducted therefrom.

5.2 Premises include land and building under construction.

6 RESERVES AND SURPLUS

Revenue and other Reserves include Statutory Reserves created by foreign branches as per applicable local laws of the respective countries.

7 REVENUE RECOGNITION

7.1 Income (other than item referred in Paragraph 7.2)/ expenditure is generally recognised on accrual basis. In case of foreign offices, income/ expenditure is recognised as per the local laws of the country in which the respective foreign office is located.

7.2 सरकारी कारोबार, गारंटियों, साख पत्रों, विनिमय, दलाली आदि पर कमीशन, अग्रिम बिलों पर ब्याज तथा कर रिफंड पर अर्जित ब्याज को छोड़कर शुल्क, कमीशन के माध्यम से आय को वसूली आधार पर हिसाब में लिया जाता है. अनुषंगियों, संयुक्त उपक्रमों तथा सहयोगी कंपनियों के शेयरों पर डिविडेंड वास्तविक प्राप्ति के आधार पर हिसाब में लिए जाते हैं.

7.3 गैर निष्पादित आस्तियों / निवेशों पर आय के संग्रह की अनिश्चितता की दृष्टि से, भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ऐसी आय सिर्फ वसूल होने पर ही लेखांकित होती है.

7.4 भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक 19 (पट्टे) के अनुसार लीज शर्त पर लीज भुगतानों को, जिसमें परिचालन लीज पर ली गई आस्तियों की लागत वृद्धि शामिल है, लाभ/हानि खाते में प्रभारित किया जाता है.

8. कर्मचारियों को लाभ

8.1 भविष्य निधि

बैंक ऑफ बडौदा पीएफ नियमों के अनुसार भविष्य निधि अंशदान योजना एक सांविधिक दायित्व है और बैंक पूर्व निर्धारित दरों पर निश्चित अंशदान का भुगतान करता है. बैंक का दायित्व निश्चित अंशदान तक सीमित है. अंशदान को लाभ/हानि खाते में प्रभारित किया जाता है. निधियों का प्रबंधन बैंक ऑफ बडौदा भविष्य निधि न्यास द्वारा किया जाता है.

8.2 उपदान

बैंक ऑफ बडौदा उपदान निधि नियमों एवं विनियमों के अनुसार उपदान देयता एक सांविधिक दायित्व है और वर्ष के अंत में संचित मूल्य आधार पर इसका प्रावधान किया जाता है. बैंक द्वारा इस योजना के लिए राशि उपलब्ध करवायी जाती है और बैंक ऑफ बड़ौदा उपदान निधि न्यास इसका प्रबंधन करता है.

8.3 पेंशन

8.3.1 बैंक ऑफ बडौदा कर्मचारी पेंशन विनियमों के अंतर्गत पेंशन देयता बाध्यता के रूप में व्याख्या की गई है और वर्ष के अंत में संचित मूल्य आधार पर इसका प्रावधान किया जाता है. यह उन कर्मचारियों के लिए है, जिन्होने 31.3.2010 तक बैंक सेवा ग्रहण की और पेंशन का विकल्प लिया है. बैंक ऑफ बडौदा (कर्मचारी) पेंशन फंड न्यास द्वारा इस योजना के लिए राशि उपलब्ध करवायी जाती है.

8.3.2 जिन कर्मचारियो ने बैंक सेवा 1.4.2010 को या उसके बाद ग्रहण की है उनके लिए नई पेंशन योजना पारिभाषित अंशदान आधार पर लागू है. बैंक द्वारा पूर्व निर्धारित निश्रित अंशदान का भुगतान किया जाता है. बैंक का दायित्व ऐसे पूर्व निर्धारित अंशदान तक ही सीमित है. अंशदान लाभ तथा हानि खाते को प्रभारित किया जाता है.

8.4 प्रतिपूरित अनुपस्थिति

संचित प्रतिपूरित अनुपस्थिति यथा उपार्जित अवकाश (पीएल) और चिकित्सा अवकाश (अप्रयुक्त आकस्मिक अवकाश सहित) का संचित मूल्य के आधार पर प्रावधान किया जाता है.

8.5 अन्य कर्मचारी लाभ (हित)

अन्य कर्मचारी हित (लाभ) यथा छुट्टी नकदीकरण, छुट्टी यात्रा रियायत, अतिरिक्त सेवांत लाभ आदि के लिए संचित मूल्य के आधार पर प्रावधान किया जाता है.

7.2 Income by way of Fees, Commission other than on Government business, Commission on Guarantees, Letter of Credits, Exchange, Brokerage and Interest on Advance Bills are accounted for on realisation basis. Dividend on shares in Subsidiaries, joint ventures and associates is accounted on realisation basis.

7.3 In view of uncertainty of collection of income in cases of Non-performing Assets/Investments, such income is accounted for only on realisation in terms of the RBI guidelines.

7.4 Lease payments including cost escalation for assets taken on operating lease are recognised in the Profit and Loss Account over the lease term in accordance with the AS 19 (Leases) issued by ICAI.

8 EMPLOYEE BENEFITS

8.1 PROVIDENT FUND

Provident fund is a statutory obligation as per Bank of Baroda PF Rules as the Bank pays fixed contribution at pre-determined rates.The obligation of the Bank is limited to such fixed contribution. The contributions are charged to Profit and Loss Account. The fund is managed by Bank of Baroda Provident Fund Trust.

8.2 GRATUITY

Gratuity liability is a statutory obligation as per Bank of Baroda Gratuity Fund Rules and Regulations and is provided for on the basis of an actuarial valuation made at the end of the financial year. The gratuity liability is funded by the bank and is managed by Bank of Baroda Gratuity Fund Trust.

8.3 PENSION

8.3.1 Pension liability is a defined benefit obligation under Bank of Baroda Employees Pension Regulations 1995 and is provided for on the basis of actuarial valuation made at the end of the financial year, for the employees who have joined Bank up to 31.03.2010 and opted for pension. The pension liability is funded by Bank of Baroda (Employees) Pension Fund Trust.

8.3.2 New Pension Scheme which is applicable to employees who joined bank on or after 01.04.2010 is a defined contribution scheme, Bank pays fixed contribution at pre determined rate and the obligation of the Bank is limited to such fixed contribution. The contribution is charged to Profit and Loss Account.

8.4 COMPENSATED ABSENCES

Accumulating compensated absences such as Privilege Leave are provided for based on actuarial valuation.

8.5 OTHER EMPLOYEE BENEFITS

Other Employee benefits such as Leave Encashment, Leave Fare Concession and Additional Retirement Benefit on Retirement are provided for based on actuarial valuation.

विदेशी शाखाओं/कार्यालयों के संदर्भ में प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियों को छोड़कर अन्य कर्मचारियों के लिए संबंधित देश में विद्यमान नियमों के अनुसार लाभों का आकलन किया जाता है.

9. मूल्यह्रास

9.1 भारत में अचल आस्तियों के लिए पुनर्मूल्यांकित आस्तियों को छोड़कर (निम्न वर्णित अनुछेद 9.3 व 9.4 के अलावा) कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची XIV में उल्लिखित मूल्यह्रासित मूल्य पद्धति के अनुसार प्रावधान किया जाता है. इसमें पुनर्मूल्यांकित आस्तियों की अनुमानित उपयोग अवधि के आधार पर अधिक मूल्यह्रास का प्रावधान किया जाता है.

9.2 भारत से बाहर अचल आस्तियों पर, (नीचे अनुछेद 9.3 में वर्णित को छोड़कर) मूल्यह्रास स्थानीय कानूनों या संबंधित देश में प्रचलित प्रक्रिया के अनुसार किया जाता है. और बकाया आकडे तथा रिवर्सल / भुगतान की गई राशि के अंतर को लाभ-हानि खाते में दर्शाया जाता है.

9.3 भारत और भारत के बाहर कंप्यूटरों पर मूल्यह्रास भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार स्ट्रेट लाइन विधि से 33.33% की दर से प्रदान किया गया है. कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, जो कि हार्डवेयर का अनिवार्य अंग नहीं है, का पूर्ण मूल्यह्रास खरीद वर्ष के दौरान ही कर दिया जाता है.

9.4 एटीएम पर मूल्यह्रास का प्रावधान स्ट्रेट लाइन पद्धति से 20% प्रतिवर्ष की दर से किया जाता है.

9.5 परिवर्द्धनों पर मूल्यह्रास खरीद/उपयोग की तारीख से आनुपातिक आधार पर उपलब्ध कराया जाता हैं.

9.6 पट्टे पर धारित जमीन और पट्टे पर धारित जमीन पर किए गए विकास की लागत पट्टा अवधि में चुकता (एमोर्टाईज) की जाती है.

10. आस्तियों का ह्रास

अचल आस्तियों (पुनर्मूल्यांकित आस्तियों सहित) पर ह्रासित हानियों (यदि कोई हो) को, आस्तियों के ह्रास के संबंध में चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट ऑफ़ इंडिया द्वारा जारी लेखा मानक 28 (''आस्तियों का ह्रास'') के अनुसार किया जाता है तथा इसे लाभ हानि खाते को प्रभारित किया जाता है.

11. विदेशी मुद्रा संव्यवहार

11.1 विदेशी मुद्रा विनिमय से संबंधित संव्यवहारों का लेखांकन (विदेशी मुद्रा विनिमय दरों के परिवर्तन का प्रभाव) संबंधित भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखामानक एएस 11 के अनुरूप किया गया है.

11.2 लेखा मानक - एएस-11 के अनुसार बैंक के विदेशी मुद्रा परिचालनों को निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किया गया हैं.

क) एकीकृत परिचालनों एवं

ख) पृथक परिचालनों के रूप में वर्गीकृत किया गया है. सभी विदेशी शाखाओं, ऑफशोर बैंकिंग इकाइयों, विदेशी अनुषंगियों को पृथक परिचालन एवं विदेशी मुद्रा में घरेलू परिचालनों एवं प्रतिनिधि कार्यालयों को एकीकृत परिचालन के रूप में माना जाता है.

11.3 एकीकृत परिचालनों के संबंध में अंतरण :

(क) संव्यवहारों को प्राथमिक तौर पर फेडाई द्वारा सूचित की गई साप्ताहिक औसत दरों पर रिकार्ड किया जाता है.

In respect of overseas branches and offices, the benefits in respect of employees other than those on deputation are valued and accounted for as per laws prevailing in the respective territories.

9 DEPRECIATION

9.1 Depreciation on Fixed Assets in India [other than those referred in Paragraph 9.3 and 9.4] is provided on the written down value method in accordance with Schedule II to the Companies Act, 2013, except in case of revalued assets, in respect of which higher depreciation is provided on the basis of estimated useful life of these revalued assets.

9.2 Depreciation on Fixed Assets outside India [other than those referred to in Para 9.3 below] is provided as per local laws or prevailing practices of the respective territories.

9.3 Depreciation on Computers and Software forming an integral part of Computer Hardware, in and oustside India is provided on Straight Line Method at the rate of 33.33% p.a., as per the guidelines of RBI. Computer software not forming part of an intergral part of hardware is charged directly to Profit and Loss Account.

9.4 Depreciation on ATMs is provided on Straight Line Method at the rate of 20% p.a.

9.5 Depreciation on additions is provided proportionately from the date of purchase/ put to use.

9.6 Cost of leasehold land and leasehold improvements are amortised over the period of lease.

10 IMPAIRMENT OF ASSETS

Impairment losses (if any) on Fixed Assets (including revalued assets) are recognised in accordance with AS 28 (Impairment of Assets) issued by the ICAI and charged off to Profit and Loss Account.

11 FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS:

11.1 Accounting for transactions involving foreign exchange is done in accordance with AS 11, (The Effects of Changes in Foreign Exchange Rates), issued by the ICAI.

11.2 As stipulated in AS 11, the foreign currency operations of the Bank are classified as

a) Integral Operations and

b) Non Integral Operations. All Overseas Branches, Offshore Banking Units, Overseas Subsidiaries are treated as Non Integral Operations and domestic operations in foreign exchange and Representative Offices are treated as Integral Operations.

11.3 Translation in respect of Integral Operations

a) The transactions are initially recorded on weekly average rate as advised by FEDAI.

(ख) विदेशी मुद्रा विनिमय से संबंधित आस्ति एवं देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) को फेडाई द्वारा प्रत्येक तिमाही के अंत में सूचित की गई क्लोजिंग स्पॉट दरों पर अंतरित किया जाता है.

(ग) परिणामी विनिमय अंतरों की गणना आय अथवा व्यय के रूप में की गई है तथा इन्हें तदनुसार लाभ हानि खाते में लेखांकित किया गया है. विदेशी मुद्रा आस्ति देयताओं संबंधी किसी भी भुगतान अथवा रिवर्सल को पिछले सप्ताह की औसत क्लोजिंग दरों के आधार पर किया गया है तथा बकाया राशि एवं उस राशि, जिसके लिए भुगतान किया गया है/रिवर्सल किया गया है, के बीच के अंतर को लाभ हानि खाते में दर्शाया गया है.

(घ) व्यापार हेतु धारित बकाया विदेशी मुद्रा हाज़िर एवं वायदा संविदाओं के तुलन पत्र की तिथि को 'फेडाई' द्वारा अधिसूचित बंद हाजिर एवं वायदा बाजार संविदा दरों एवं अन्तरिम परिपक्वता संविदाओं को 'इन्टरपोलेट' दरों पर बाजार को चिन्हित किया जाता है. इस प्रकार प्राप्त की गई एमटीएम मूल्य को, एमटीएम के मौजूदा मूल्य पर भुनाया जाता हैं. इसके फलस्वरूप वायदा मूल्यांकन लाभ अथवा हानि को लाभ-हानि खाते में शामिल किया जाता है।

11.4 गैर समाकलित परिचालनों के संबंध में अंतरण :

(क) आस्तियों एवं देयताओं को फेडाई द्वारा प्रत्येक तिमाही के अंत में अधिसूचित की गई क्लोजिंग स्पाट दरों पर अंतरित किया गया है.

(ख) तुलनपत्र की तिथि को विदेशी मुद्रा हाजिर एवं वायदा आकस्मिक देयताओं को 'फेडाई' द्वारा अधिसूचित बंद हाजिर व वायदा दरों एवं अन्तरित परिपक्वता संविदाओं को 'इन्टरपोलेटड' दरों पर अंतरित किया जाता है.

(ग) आमदनी एवं खर्चों को फेडाई द्वारा प्रत्येक तिमाही के अंत में अधिसूचित की गई औसत तिमाही दरों पर अंतरित किया गया है.

(घ) परिणामी विनिमय अंतरों की गणना उस अवधि के लिए आय अथवा व्यय के रूप में नहीं की जाती है तथा इसे सम्बद्ध विदेशी शाखाओं में शुद्ध निवेशों के निस्तारण होने तक अलग से एक खाते "विदेशी मुद्रा अंतरण निधि" में रखा जाता है.

11.5 वायदा विनिमय करार

लेखा मानक एएस 11 तथा भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ (फेडाई) के दिशानिर्देशों के अनुसार व्यापार हेतु धारित बकाया विदेशी मुद्रा हाजिर (स्पॉट) एवं वायदा संविदाओं को तुलन पत्र की तिथि को फेडाई द्वारा अधिसूचित बंद हाजिर एवं वायदा बाजार संविदाओं एवं अन्तरिम परिपक्वता संवदिओं को इन्टरपोलेट दरों पर पुनर्मूल्यांकित किया जाता है. इसके फलस्वरूप वायदा मूल्यांकन लाभ अथवा हानि को लाभ-हानि खाते में शामिल किया जाता है.

12. आय पर कर

इसमें भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के लेखांकन मानदंड 22 (आय पर करों का लेखांकन) के अनुसार निर्धारित (सम्बद्ध अवधि के लिए लेखा आय तथा कर योग्य आय के बीच भिन्नता से करों के प्रभाव को दर्शाते हुए) आयकर के लिए प्रावधान, आस्थगित कर अथवा क्रेडिट शामिल

b) Foreign Currency Assets and Liabilities (including contingent liabilities) are translated at the closing spot rates notified by FEDAI at the end of each quarter.

c) The resulting exchange differences are recognized as income or expenses and are accounted through Profit and Loss Account. Any reversals / payment of foreign currency assets and liabilities is done at the weekly average closing rate of the preceding week and the difference between the outstanding figure and the amount for which reversal / payment is made, is reflected in Profit and Loss Account.

d) Foreign exchange spot and forward contracts outstanding as at the balance sheet date and held for trading,are marked to market at the closing spot and forward rates respectively notified by FEDAI and at interpolated rates for contracts of interim maturities. The MTM values thus obtained are discounted to arrive at present value of MTM. This MTM is used revalue the spot and forward transactions on PV basis. The resulting forward valuation profit or loss is included in the Profit and Loss Account.

11.4 Translation in respect of Non Integral Operations

a) Assets and Liabilities are translated at the closing spot rates notified by FEDAI at the end of each quarter.

b) Foreign Exchange Spot and Forwards contingent liabilities outstanding as at the balance sheet date are translated at the closing spot and forward rates respectively notified by FEDAI and at interpolated rates for contracts of interim maturities.

c) Income and Expense are translated at quarterly average rate notified by FEDAI at the end of each quarter.

d) The resulting exchange differences are not recognized as income or expense for the period but accumulated in a separate account "Foreign Currency Translation Reserve" till the disposal of the net investment.

11.5 Forward Exchange Contracts

In accordance with the guidelines of FEDAI and the provisions of AS 11, Foreign exchange spot and forward contracts outstanding as at the balance sheet date and held for trading, are revalued at the closing spot and forward rates respectively notified by FEDAI and at interpolated rates for contracts of interim maturities. The resulting forward valuation profit or loss is included in the Profit and Loss Account.

12 TAXES ON INCOME

This comprise of provision for Income tax and deferred tax charge or credit (reflecting the tax effects of timing differences between accounting income

हैं. आस्थगित कर का आकलन आमदनी एवं खर्च की उन मदों के संबंध में, जो किसी एक अवधि में निर्धारित होती है और जो एक अथवा अधिक परवर्ती अवधियों में प्रत्यावर्तन योग्य हैं, को ध्यान में रखकर किया जाता है. आस्थगित कर आस्तियों एवं देयताओं पर कर की गणना अधिनियमित कर दरों पर उन वर्षों की अपेक्षित दरों पर की जाती है जिन वर्षों में इनकी प्राप्ति, रिवर्सल अथवा निस्तारण की संभावना होती है. आस्थगित कर देयताओं एवं आस्तियों पर कर की दरों में परिवर्तन के प्रभाव को उस अवधि की आय विवरणी, जिसमें ऐसे परिवर्तन को अधिनियमित किया गया हो, में हिसाब में लिया जाता है.

13. प्रति शेयर अर्जन

बैंक, आधारभूत एवं डाइल्यूटेड प्रति इक्विटी शेयर अर्जन को भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा इस संबंध में जारी लेखा मानक 20 (प्रति शेयर आय) के अनुसार रिपोर्ट करता है. आधारभूत प्रति शेयर अर्जन की गणना शुद्ध आय को उस अवधि के लिए बकाया भारित औसत इक्विटी शेयरों की संख्या से विभाजित कर की गई है. डाइल्यूटेड प्रति शेयर अर्जन की गणना शुद्ध आय को उस अवधि के लिए बकाया भारित औसत इक्विटी शेयरों एवं उस अवधि के दौरान डाइल्यूटिव सम्भाव्य इक्विटी शेयरों की संख्या के आधार पर की गई है.

14. प्रावधान, आकस्मिक देयताएं व आकस्मिक आस्तियां

भारतीय सनदी लेखकार संस्थान द्वारा इस संबंध में जारी लेखा मानक 29 (आकस्मिक देयताओं एवं आकस्मिक आस्तियों के लिए प्रावधान) के अनुसार बैंक द्वारा आकस्मिक देयताओं एवं आकस्मिक आस्तियों के लिए प्रावधान केवल विगत में हुई किसी घटना के लिए उत्पन्न हुए वर्तमान दायित्व के लिए किया जाता है. यह संभव है कि इस दायित्व के निस्तारण के लिए आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता हो और तब दायित्व निर्वहन हेतु ऐसी राशि का विश्वसनीय आकलन किया जा सकता है.

आर्थिक हित युक्त संसाधनों के बहिर्गमन की संभावना के लगभग न होने की स्थिति तक आकस्मिक देयताओं को प्रकट किया जाता है.

आकस्मिक आस्तियों को वित्तीय विवरणियों में प्रभारित नहीं किया जाता है, क्योंकि इसका परिणाम ऐसी आय के निर्धारण के रूप में निकल सकता है जिसकी कभी वसूली संभव न हो.

and taxable income for the period) as determined in accordance with AS 22 (Accounting for taxes on Income) issued by ICAI. Deferred tax is recognised subject to consideration of prudence in respect of items of income and expenses those arise at one point of time and are capable of reversal in one or more subsequent periods. Deferred tax assets and liabilities are measured using enacted tax rates expected to apply to taxable income in the years in which the timing differences are expected to be reversed. The effect on deferred tax assets and liabilities of a change in tax rates is recognised in the income statement in the period of enactment of the change

13 EARNINGS PER SHARE

The bank reports basic and diluted earnings per equity share in accordance with the AS 20 (Earnings Per Share) issued by the ICAI. Basic earnings per equity share has been computed by dividing net income by the weighted average number of equity shares outstanding for the period. Diluted earnings per equity share has been computed using the weighted average number of equity shares and dilutive potential equity shares outstanding during the period.

14 PROVISIONS, CONTINGENT LIABILITIES AND CONTINGENT ASSETS

As per AS 29 (Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets) issued by the ICAI, the Bank recognises provisions only when it has a present obligation as a result of a past event, it is probable that an outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation and when a reliable estimate of the amount of the obligation can be made.

Contingent liability is disclosed unless the possibility of an outflow of resouces embodying economic benefit is remote.

Contingent Assets are not recognised in the financial statements since this may result in the recognition of income that may never be realised.

अनुसूची-18 लेखों पर टिप्पणियां
Schedule -18 Notes on accounts

क. भारतीय रिज़र्व बैंक की अपेक्षाओं के अनुसार प्रकटीकरण / A. Disclosure in terms of RBI requirements

क-1. पूंजी / A-1. Capital

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

	विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year		पिछला वर्ष Previous Year	
			बासल II BASEL II	बासल III BASEL III	बासल II BASEL II	बासल III BASEL III
i)	कॉमन इक्विटी टियर 1 पूंजी अनुपात (%)	Common Equity Tier 1 Capital Ratio (%)	9.59%	9.35%	N.A.*	8.95%
ii)	टियर 1 पूंजी अनुपात (%)	Tier 1 Capital Ratio (%)	10.14%	9.87%	9.54%	9.28%
iii)	टियर 2 पूंजी अनुपात (%)	Tier 2 Capital Ratio (%)	3.20%	2.74%	3.33%	3.00%
iv)	कुल पूंजी अनुपात (सीआरएआर) (%)	Total Capital Ratio (CRAR) (%)	13.33%	12.60%	12.87%	12.28%
v)	भारत सरकार की शेयरधारिता का प्रतिशत	Percentage of the shareholding of the Government of India		57.53%		56.26%
vi)	अर्जित इक्विटी पूंजी की राशि	Amount of Equity Capital Raised		1260.00		550.00
vii)	अर्जित अतिरिक्त टियर 2 पूंजी की राशि जिसमें से	Amount of Additional Tier 1 capital raised, of which				
	पीएनसीपीएस	PNCPS		-		-
	पीडीआई	PDI		1000.00		-
viii)	अर्जित अतिरिक्त टियर I पूंजी की राशि जिसमें से	Amount of Additional Tier 2 capital raised, of which				
	ऋण पूंजी लिखत	Debt Capital Instrument		-		2000.00
	अधिमान्य शेयर पूंजी लिखत	Preference Share Capital Instruments		-		-

* लागू नहीं / * Not Applicable

क-2. निवेश / A-2. Investments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(1) निवेशों का मूल्य	(1) Value of Investments		
(i) निवेशों का सकल मूल्य	(i) Gross Value of Investments		
(क) भारत में	(a) In India	115646.36	1,11,424.61
(ख) भारत से बाहर	(b) Outside India,	7500.72	5,707.63
(ii) मूल्यह्रास के लिए प्रावधान	(ii) Provisions for Depreciation		
(क) भारत में	(a) In India	519.23	769.16
(ख) भारत से बाहर	(b) Outside India,	308.13	250.42
(iii) निवेशों का निवल मूल्य	(iii) Net Value of Investments		
(क) भारत में	(a) In India	115127.13	1,10,655.45
(ख) भारत से बाहर	(b) Outside India.	7192.59	5,457.21
(2) निवेशों पर मूल्यह्रास के लिए धारित प्रावधानों का संचलन	(2) Movement of provisions held towards depreciation on investments		
(i) प्रारम्भिक शेष	(i) Opening balance	1019.58	919.14
(ii) जोड़ें : वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	(ii) Add: Provisions made during the year	120.02	363.07
(iii) घटाएं : वर्ष के दौरान अतिरिक्त प्रावधानों का बट्टाकरण/पुनरांकन	(iii) Less: Write-off / write-back of excess provisions during the year	315.37	262.63
(iv) अंतिम शेष	(iv) Closing balance	**824.23**	**1,019.58**

क-2.1 रिपो संव्यवहार (अंकित मूल्य के संदर्भ में) A-2.1 Repo Transactions (in face value terms)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया शेष Minimum outstanding during the year	वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया शेष Maximum outstanding during the year	वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया शेष Daily Average outstanding during the year	31 मार्च 2015 को बकाया शेष Outstanding as on March 31, 2015
रिपो के तहत बेची गई प्रतिभूतियां	Securities sold under repo				
(i) सरकारी प्रतिभूतियां	i. Government securities	99	18254	2032	15352
(ii) कार्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	ii. Corporate debt securities	15	15	-	-
रिवर्स रिपो के तहत खरीदी गई प्रतिभूतियां	Securities purchased under reverse repo				
(i) सरकारी प्रतिभूतियां	i. Government securities	88	13408	1997	1456
(ii) कार्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	ii. Corporate debt securities	-	-	-	-

क-2.2 गैर - एस एल आर निवेश पोर्टफोलियो A-2.2 Non-SLR Investment Portfolio

i) गैर - एस एल आर निवेशों के जारीकर्ता घटक

i) Issuer composition of Non SLR investments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

सं. No.	जारीकर्ता	Issuer	राशि Amount	निजी प्लेसमेंट की सीमा Extent of Private Placement	'निवेश ग्रेड के नीचे' की प्रतिभूतियों की सीमा Extent of 'Below Investment Grade' Securities	'अनरेटेड प्रतिभूतियों' की सीमा Extent of 'Unrated' Securities	'असूचीबद्ध प्रतिभूतियों' की सीमा Extent of 'Unlisted' Securities
(1)		(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
(i)	पीएसयू	PSUs	2230.35	1574.15	1088.93	242.59	396.47
(ii)	एफआई	FIs	1085.55	491.36	54.05	0.00	167.03
(iii)	बैंक	Banks	10322.71	671.18	110.29	110.16	110.65
(iv)	निजी कार्पोरेट	Private Corporate	1843.65	784.71	407.50	185.62	22.35
(v)	अनुषंगियां / संयुक्त उद्यम	Subsidiaries/ Joint Ventures	1656.94	1656.94	0.00	0.00	0.00
(vi)	अन्य	Others	9105.83	1863.91	0.00	6573.10	62.50
(vii)	मूल्यह्रास हेतु धारित प्रावधान	Provision held towards depreciation	824.23	0.00	0.00	11.93	0.00
	कुल	Total	25420.80	7042.25	1660.77	7099.54	759.00

ii) अनर्जक गैर-एसएलआर निवेश

ii) Non-performing Non-SLR investments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current year	पिछला वर्ष Previous year
प्रारंभिक शेष	Opening balance	462.71	405.25
वर्ष के दौरान परिवर्धन	Additions during the year	132.37	134.73
उपरोक्त अवधि के दौरान कटौतियां	Reductions during the year	17.43	77.27
अंतिम शेष	Closing balance	577.65	462.71
कुल धारित प्रावधान	Total provisions held	472.34	353.47

क-2.3. वर्ष के प्रारंभ में एचटीएम श्रेणी में रखे गए निवेशों के बही-मूल्य के 5% से अतिरिक्त के एचटीएम में रखे गए निवेशों की बिक्री

A-2.3 Sales and transfer of Investment held under Held to Maturity (HTM) Category in excess of 5% of the Book value of the investment held in HTM category at the beginning of the year

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

निवेश का आरंभिक शेष (एचटीएम) 01.04.2014 Opening Bal. of investment (HTM) 01.04.14	वर्ष के दौरान बिक्री/अंतरण Sale/ transfer during the year	परिवर्द्धन Addition	निवेशों (एचटीएम) का समाप्ति शेष 31.03.2015 Closing Bal. of Investment (HTM) 31.03.15	निवेश (एचटीएम) श्रेणी का बाज़ार मूल्य 31.03.2015 Market value of investment (HTM) category 31.03.15
-	-	-	-	-

क-2.4. एसएलआर निवेश

A-2.4 SLR Investments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year		पिछला वर्ष Previous Year	
		बही मूल्य Book Value	मार्केट मूल्य Market Value	बही मूल्य Book Value	मार्केट मूल्य Market Value
सरकारी प्रतिभूतियां एसएलआर (सीजी, एसजी व टीबी)*	Govt. sec SLR (CG,SG,&TB) *	96897.64	96897.64**	95,588.38	95,588.38
अनुमोदित प्रतिभूतियां – एसएलआर	Approved sec-SLR	1.28	1.28	1.28	1.28

*इसमें सीसीआईएल/एमसीएक्स/यूएसई/एनएसई के पास रखी एसएलआर प्रतिभूतियां शामिल हैं.
**एसएलआर की गणना के लिए बाजार मूल्य में वृद्धि को ध्यान में नहीं किया गया हैं.

* incl. SLR Securities kept with CCIL/ MCX / USE / NSE
** Appreciation in market value is ignored for SLR calculation

क-2.5. एसजीएल फार्मों के लौटाए जाने पर लगाए गए दंड का प्रकटीकरण

A-2.5 Disclosure on imposition of penalty for bouncing of SGL forms

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

समाप्त वर्ष Year ended	एसजीएल फॉर्म लौटाने की तारीख Date of bouncing SGL form	राशि Amount	टिप्पणी Remarks
2015	-	-	-
2014	-	-	-

क-2.6 डेरीवेटिव्स

A-2.6 Derivatives

क-2.6.1 फारवर्ड दर समझौते / ब्याज दर स्वैप

A-2.6.1 Forward Rate Agreement / Interest Rate Swap

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

	विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current year	पिछला वर्ष Previous year
i)	स्वैप समझौते की कल्पित मूल राशि	The notional principal of swap agreements	38101.20	38,816.59
ii)	समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को काउंटर पार्टी द्वारा पूरा न करने पर होने वाली हानि	Losses which would be incurred if counterparties failed to fulfill their obligations under the agreements	753.48	737.14
iii)	स्वैप में आने पर बैंक के लिए अपेक्षित कोलैटरल	Collateral required by the bank upon entering into swaps	-	-
iv)	स्वैप से उत्पन्न ऋण जोखिम का संकेंद्रण	Concentration of credit risk arising from the swaps	1130.41	1,101.16
v)	स्वैप बही का उचित मूल्य	The fair value of the swap book	576.29	503.04

क-2.6.2 एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव्स : / A-2.6.2 Exchange Traded Interest Rate Derivatives

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

सं. क्र. Sr. No.	विवरण	Particulars	राशि Amount
(i)	वर्ष के दौरान एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव्स की नोशनल प्रिंसिपल राशि (लिखतवार) क. ब्याज दर फ्यूचर (आईआरएफ) ख. करेंसी फ्यूचर्स	Notional principal amount of exchange traded interest rate derivatives undertaken during the year (instrument-wise) A. Interest Rate Future (IRF) B. Currency Futures	 31726.30 69221.30
(ii)	वर्ष के दौरान एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव्स की 31 मार्च, 2015 के अनुसार (लिखतवार) बकाया नोशनल प्रिंसिपल राशि	Notional principal amount of exchange traded interest rate derivatives outstanding as on 31st March 2015 (instrument-wise) A. Interest Rate Future (IRF) B. Currency Futures	 875.00 2840.30
(iii)	बकाया एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव्स की कल्पित मूल राशि तथा जो "अत्यधिक प्रभावी" न हो (लिखतवार)	Notional principal amount of exchange traded interest rate derivatives outstanding and not "highly effective" (instrument-wise)	NIL
(iv)	बकाया एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव्स की मार्क-टू-मार्केट राशि तथा जो "अत्यधिक प्रभावी" न हो (लिखतवार)	Mark-to-market value of exchange traded interest rate derivatives outstanding and not "highly effective" (instrument-wise)	NIL

क-2.6.3 डेरीवेटिव्स में जोखिम एक्सपोजर का प्रकटीकरण

(i) गुणात्मक प्रकटीकरण

बैंक की ट्रेजरी नीति में डेरीवेटिव्स लेन देन के कार्यों के लिए सभी प्रकार की वित्तीय डेरीवेटिव्स लिखतोंके प्रकार, विस्तार एवं उपयोग, अनुमोदन प्रक्रिया तथा ओपन पोजीशन लिमिट, स्टॉप लॉस लिमिट तथा काउन्टर पार्टी एक्सपोजर लिमिट जैसी सीमाएं निर्धारित की गई हैं.

बैंक अपने तुलन पत्र में दर्शाए गए अथवा दर्शाए न गए जोखिमों की हेजिंग के लिए तथा बाज़ार आधार तैयार करने के लिए वित्तीय डेरीवेटिव्स लेन देनों का उपयोग करता है. मूलतः ये उत्पाद, जोखिम के प्रति बचाव व्यवस्था, लागत कम करने तथा ऐसे लेन देनों में प्रतिफल बढ़ाने एवं प्रोपराइटरी ट्रेडिंग के लिए उपयोग में लाए जाते हैं.

बैंक में जिन जोखिमों की सम्भावना बनी रहती है, वे हैं : ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, देशीय जोखिम और परिचालन जोखिम. बैंक में जोखिम प्रबंधन नीतियां (बैंक के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित) हैं, जो एमटीएम, वीएआर तथा पीवी01 के माध्यम से नियमित आधार पर व्यापार बही में लेन देनों की वित्तीय जोखिमों के आंकलन तथा उचित जोखिम सीमाएं तय करने के लिए तैयार की गई हैं. इनको बैंक के जोखिम प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर विश्वसनीय एवं अद्यतन प्रबधन सूचना प्रणालियों द्वारा मॉनीटर किया जाता है तथा इस बारे में बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता वाली निदेशकों की जोखिम प्रबंधन समिति को अवगत कराया जाता है.

लेन देनों की काउंटर पार्टियां, बैंक तथा कार्पोरेट प्रतिष्ठान हैं. अनुमोदित एक्सपोजर सीमाओं के अंतर्गत व्यवहार किए जाते हैं. डेरीवेटिव्स उत्पादों पर ऋण जोखिम आकलित करने के लिए बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित मौजूदा एक्सपोजर पद्धति को अपनाया है, जिसके अनुसार बैंक

A-2.6.3 Disclosures on risk exposure in derivatives

(i) Qualitative Disclosure

The Treasury Policy of the bank lays down the types of financial derivative instruments, scope of usages, approval procedures and the limits like open position limits, stop loss limits and counter party exposure limits for undertaking derivative transactions.

The Bank uses financial derivative transactions for hedging, its on or off balance sheet exposures as well as for market making. Basically, these products are used for hedging risk, reducing cost and increasing the yield in such transactions and for proprietary trading.

The types of risk to which the bank is exposed to are credit risk, market risk, country risk and operational risk, The Bank has risk management policies (approved by Board of Directors of the Bank), which is designed to measure the financial risks for transactions in the trading book on a regular basis, by way of MTM, VaR and PV01, and to set appropriate risk limits. These are monitored by means of reliable and up to date Management Information Systems by the Risk Management Department of the Bank from time to time who, in turn, appraises the risk profile to the Risk management Committee of Directors, which is presided over by the Bank's Chairman and Managing Director.

The counter parties to the transactions are banks and corporate entities. The deals are done under approved exposure limits. The bank has adopted the current exposure method prescribed by Reserve Bank of India for measuring Credit Exposure on Derivative products as per which the bank sums the total

कुल प्रतिस्थापन लागत का योग, (सभी संविदाओं को सकारात्मक मूल्य सहित मार्क-टु-मार्केट द्वारा प्राप्त करने अर्थात् जब बैंक को काउंटर पार्टी से धन प्राप्त करना है) तथा ऋण जोखिम में भविष्य में होने वाले संभाव्य परिवर्तनों की राशि, जिसकी गणना संविदा की कुल कल्पित मूल राशि शेष परिपक्वता के अनुसार संबंधित ऋण रुपांतरण घटकों के साथ गुणा करके परिकलित की जाती है, निम्नानुसार है :-

replacement cost (obtained by mark to market of all its contracts with positive value i.e. when the bank has to receive money from the counter party) and an amount for potential future changes in credit exposure calculated on the basis of the total notional principal amount of the contract multiplied by the relevant credit conversion factors according to the residual maturity as detailed herein under:-

कल्पित मूल राशि पर लागू किया जाने वाला रुपांतरण घटक

Conversion factor to be applied on notional principal amount

अवशिष्ट परिपक्वता	Residual Maturity	ब्याज दर संविदा Interest Rate Contract	विनिमय दर संविदा Exchange Rate Contract
एक वर्ष से कम	Less than one year	0.50%	2.00%
एक वर्ष और अधिक	One year and above	1.00%	10.00%
पांच वर्ष से अधिक	Over five years	3.00%	15.00%

हेज तथा गैर-हेज (मार्कट मेकिंग) लेन देनों को अलग से दर्ज किया जाता है. हैजिंग डेरिवेटिव्स उपचय आधार पर हिसाब में लिए जाते हैं. ट्रेडिंग डेरिवेटिव्स पोजिशन (एमटीएम) को मार्क की जाती है और परिणामस्वरुप लाभ-हानि खाते में यदि कोई हानि हो, हिसाब में ली जाती है. लाभ, यदि कोई हो, नहीं माना जाता है. ब्याज दर स्वैप्स से संबंधित ब्याज और व्यय निपटान की तारीख पर हिसाब में लिए जाते हैं. ट्रेडिंग स्वैप के समाप्त होने पर लाभ /हानि समाप्ति की तारीख पर आय /व्यय के रूप में दर्ज किए जाते हैं.

The hedge/non-hedge (market making) transactions are recorded separately. Hedging derivatives are accounted for on an accrual basis. Trading derivative positions are marked-to-market (MTM) and the resulting losses, if any, are recognized in the Profit and Loss Account. Profit, if any is not recognized. Income and Expenditure relating to interest rate swaps are recognized on the settlement date. Gains/losses on termination of the trading swaps are recorded on the termination date as income/expenditure.

(ii) मात्रात्मक प्रकटीकरण

(ii) Quantitative Disclosures

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

सं. क्र. Sr. No.	विवरण	Particulars	करेंसी डेरिवेटिव्स Currency Derivatives	ब्याज दर डेरिवेटिव्स Interest rate Derivatives
(i)	डेरिवेटिव्स (कल्पित मूल राशि)	Derivatives (Notional Principal Amount)	**4,304.80**	**38,481.64**
	क) हैजिंग के लिए	a) For hedging	494.56	22,972.80
	ख) ट्रेडिंग के लिए	b) For trading	3,810.24	15,508.84
(ii)	मार्कड टू मार्केट पोजिशन	Marked to Market Positions	**79.70**	**493.70**
	क) आस्तियां (+)	a) Asset (+)	86.88	674.05
	ख) देयताएं (-)	b) Liability (-)	-7.18	-180.35
(iii)	ऋण जोखिम	Credit Exposure	223.09	1,029.37
(iv)	ब्याज दर में एक प्रतिशत होने वाले परिवर्तन का संभावित प्रभाव (100*पीवी01)	Likely impact of one percentage change in interest rate (100*PV01)	**22.35**	**825.51**
	क) हैजिंग डेरिवेटिव्स पर	a) On hedging derivatives	22.35	645.51
	ख) ट्रेडिंग डेरिवेटिव्स पर	b) On trading derivatives	0.00	180.00
(v)	वर्ष के दौरान पाए गए न्यूनतम तथा अधिकतम 100*पीवी01	Maximum and Minimum of 100*PV01 observed during the year		
	क) हैजिंग पर	a) On hedging	0.00	885 & -8.86
	ख) ट्रेडिंग पर	b) On trading	253 & 0	1582 & 1.68

क-2.6.4 ऋण चूक स्वैप (सीडीएस)

सीडीएस पर भारतीय रिज़र्व बैंक के दिनांक 23.05.2011 के दिशा-निर्देशों के अनुसार बैंकों को अपनी सीडीएस संविदाओ के मूल्यांकन हेतु फिम्डा द्वारा प्रकाशित दैनिक सीडीएस कर्व अथवा इससे अधिक संरक्षित मूल्यांकन होने पर किसी अन्य स्वामित्व मॉडल का उपयोग करना आवश्यक है. अपनी सीडीएस स्थितियों के मूल्यांकन के लिए हमारा बैंक फिम्डा कर्व का ही उपयोग करता है, सीडीएस मूल्यांकन के लिए बैंक किसी आंतरिक स्वामित्व मॉडल का उपयोग नहीं करता है.

A.2.6.4 Credit Default Swaps (CDS)

As per RBI guidelines on CDS dated 23rd May, 2011 the Banks are required to value their CDS contracts by using daily CDS curve published by FIMMDA or any other proprietary model if it results in a more conservative valuation. Our Bank uses the FIMMDA curve for valuing our CDS positions, Bank does not use any internal proprietary model for CDS valuation.

क-2.7 आस्ति गुणवत्ता

क-2.7.1 गैर निष्पादक आस्तियां

क. गैर निष्पादक आस्तियों का संचलन

A-2.7 Asset Quality

A-2.7.1 Non Performing Assets

A. Movement of NPAs

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores)*

	विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
	1 अप्रैल, 2014 को सकल एनपीए (प्रारंभिक शेष)	Gross NPAs as on 1st April 2014 (Opening Balance)	11875.90	7,982.58
	वर्ष के दौरान जुड़े (नए एनपीए)	Additions (Fresh NPAs) during the year	8515.34	6,833.93
	उप जोड़ (क)	Sub-Total (A)	20391.24	14,816.51
	घटाएं :	Less : -		
(i)	अपग्रेडेशन	(i) Up-gradations	1058.43	684.72
(ii)	वसूलियां (अपग्रेड किए गए खातों से हुई वसूलियों को छोड़कर)	(ii) Recoveries (excluding recoveries made from upgraded accounts)	1492.81	1,261.81
(iii)	बट्टे खाते डाली गई राशि	(iii) Write-offs	1578.56	994.08
	उप जोड़ (ख)	Sub-total (B)	4129.80	2,940.61
	31 मार्च, 2015 के सकल एनपीए (अंतिम शेष) (क-ख)	Gross NPAs as on 31st March 2015 (closing balance) (A-B)	16261.44	11,875.90

ख) गैर निष्पादक आस्तियां

B) Non-Performing Assets

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores)*

	विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(i)	शुद्ध अग्रिमों में शुद्ध एनपीए (%)	Net NPAs to Net Advances (%)	1.89	1.52
(ii)	एनपीए का संचलन (सकल)	Movement of NPAs (Gross)		
	(क) प्रारंभिक शेष	(a) Opening balance	11875.90	7,982.58
	(ख) वर्ष के दौरान जोड़े गए	(b) Additions during the year	8515.34	6,833.93
	(ग) वर्ष के दौरान घटाए गए	(c) Reductions during the year	4129.80	2,940.61
	(घ) अंतिम शेष	(d) Closing balance	16261.44	11,875.90
(iii)	शुद्ध एनपीए का संचलन	Movement of Net NPAs		
	(क) प्रारंभिक शेष	(a) Opening balance	6034.76	4,192.03
	(ख) वर्ष के दौरान जोड़े गए	(b) Additions during the year	4256.34	3,895.89
	(ग) वर्ष के दौरान घटाए गए	(c) Reductions during the year	2221.61	2,053.16
	(घ) अंतिम शेष	(d) Closing balance	8069.49	6,034.76
(iv)	एनपीए हेतु प्रावधान का संचलन (मानक आस्तियों पर प्रावधान को छोड़कर)	Movement of provisions for NPAs (excluding provisions on standard assets)		
	(क) प्रारंभिक शेष	(a) Opening balance	5841.14	3,790.55
	(ख) वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	(b) Provisions made during the year	4259.00	2,938.04
	(ग) तकनीकी/विवेक सम्मत अपलिखित	(c) Technical / Prudential write offs	1456.22	793.69
	(घ) अपलिखित राशि (उपरोक्त के अलावा)	(d) Write off (Other than above)	451.97	93.76
	(घ) अंतिम शेष	(e) Closing balance	8191.95	5841.14
(v)	तकनीकी अपलिखितों का संचलन	Movement of Technical Write offs		
	1 अप्रैल 2014 को तकनीकी/विवेकसम्मत अपलिखित की गई राशियों का प्रारंम्भिक शेष	Opening Balance of Technical / Prudential written-off account as at April 01 2014	5598.58	5205.33
	जोड़ें : वर्ष के दौरान तकनीकी/विवेकसम्मत अपलिखित राशि	Add : Technical / Prudential write-of during the year	1402.48	1040.25
	उप योग (ए)	Sub Total (A)	7001.06	6245.58
	घटाएं : वर्ष के दौरान तकनीकी/ विवेकसम्मत अपलिखित राशियों की वसूली (बी)	Less : Recoveries made from previously technical / prudential written off accounts during the year (B)	210.25	647.00
	31 मार्च 2015 को अन्तिम शेष (ए-बी)	Closing Balance as at March 31st, 2015 (A-B)	6790.81	5598.58

ग) क्षेत्रवार एनपीए

C) Sector-wise NPAs

क्रमांक Sl. No.	क्षेत्र	Sector	क्षेत्र में कुल अग्रिमों में एनपीए का प्रतिशत Percentage of NPAs to Total Advances in that sector	
			चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1	कृषि एवं सम्बद्ध गतिविधियां	Agriculture & allied activities	5.30	5.15
2	उद्योग (माइक्रो एवं लघु, मध्यम एवं बड़े)	Industry (Micro & small, Medium and Large)	7.17	5.11
3	सेवाएं	Services	5.61	4.84
4	वैयक्तिक ऋण	Personal Loans	4.38	5.71

घ) विदेशी आस्तियां, एनपीए तथा राजस्व

D) Overseas Assets, NPAs and Revenue

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	**Particulars**	**चालू वर्ष Current Year**	**पिछला वर्ष Previous Year**
कुल आस्तियां	Total Assets	250117.16	2,31,551.92
कुल एन पी ए	Total NPAs	3567.17	2,021.76
कुल राजस्व	Total Revenue	5511.51	4,980.63

क-2.7.2. क्षेत्रवार अग्रिम
A-2.7.2. Sector-wise advances

क्र. सं. Sl. No	सेक्टर Sector	चालू वर्ष Current Year			पिछला वर्ष Previous Year		
		बकाया कुल अग्रिम Outstanding Total Advances	सकल एनपीए Gross NPAs	उस सेक्टर में कुल अग्रिमों में सकल एनपीए का प्रतिशत Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector	बकाया कुल अग्रिम Outstanding Total Advances	सकल एनपीए Gross NPAs	उस सेक्टर में कुल अग्रिमों में सकल एनपीए का प्रतिशत Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector
क. A	प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र Priority Sector						
1	कृषि एवं अनुषंगी गतिविधियां Agriculture and allied activities	32586.00	1727.80	5.30	27293.93	1405.33	5.15
2	प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत उधार हेतु पात्र औद्योगिक क्षेत्र को ऋण सेवाएं Advances to industries sector eligible as priority sector lending	27465.15	2152.14	7.84	24876.42	1203.29	4.84
3	सेवाएं Services	23794.61	1501.07	6.31	23822.30	1219.57	5.12
4	वैयक्तिक ऋण Personal loans	14168.96	383.09	2.70	13158.50	376.12	2.86
	उपजोड़ (क) Sub – Total (A)	98014.72	5764.10	5.88	89151.15	4204.31	4.72
ख B	गैर प्राथमिका प्राप्त क्षेत्र Non Priority Sector						
1	कृषि एवं अनुषंगी गतिविधियां Agriculture and allied activities	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2	उद्योग Industry	78290.68	5435.39	6.94	89043.42	4497.92	5.05
3	सेवाएं Services	119314.53	2661.80	2.23	97065.07	1138.19	1.17
4	वैयक्तिक ऋण Personal loans	4185.85	59.95	1.43	2595.04	53.15	2.05
	उपजोड़ (ख) Sub – Total (B)	201791.06	8157.14	4.04	188703.53	5689.26	3.01
	कुल (क+ख) Total (A+B)	299805.78	13921.24	4.64	277854.68	9893.57	3.56

क-2.7.3 पुनर्गठित खातों का विवरण

A- 2.7.3 Disclosure of Restructured Accounts

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

क्रम संख्या S. No.	पुनर्गठन के प्रकार Type of Restructuring / आस्ति वर्गीकरण Assets Classification / विवरण Details		सी डी आर कार्यप्रणाली के अधीन Under CDR Mechanisam					एस एम ई ऋण पुनर्निधारण कार्यप्रणाली के अधीन Under SME Debt Restructuring Mechanism					अन्य Others					कुल Total				
			मानक Standard	अवमानक Sub-standard	सन्दिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	सन्दिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	सन्दिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	सन्दिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total
1	01 अप्रैल 2013 को पुनर्गठित खाते Restructred Accounts as on April 01, 2014	ऋणकर्ताओं की संख्या No. of borrowers	53	2	10	0	65	1680	380	882	79	3021	38615	2850	7168	824	49457	40348	3232	8060	903	52543
		बकाया राशि Amount outstanding	6044	50	842	0	6936	2978	340	603	48	3969	13425	917	1045	244	15632	22447	1307	2490	293	26537
		उसपर प्रावधान Provision thereon	368	12	23	0	403	27	1	3	0	31	445	13	26	0	484	840	26	53	0	919
2	वर्ष के दौरान नवीन पुनर्गठन Fresh Restructuring during the year	ऋणकर्ताओं की संख्या No. of borrowers	42	3	2	0	47	1098	2233	2270	0	5601	5098	494	313	0	5905	6238	2730	2585	0	11553
		बकाया राशि Amount outstanding	1498	6	272	0	1777	1281	727	682	0	2690	4367	138	133	0	4638	7146	871	1088	0	9105
		उसपर प्रावधान Provision thereon	102	0	1	0	104	19	0	1	0	20	86	0	1	0	87	207	1	3	0	211
3	वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान पुनर्गठित मानक श्रेणी में अपग्रेडेशन Upgradation to restructured standard category during the FY 2013-14	ऋणकर्ताओं की संख्या No. of borrowers	3	-2	-1	0	0	179	-79	-100	0	0	1308	-709	-572	-27	0	1490	-790	-673	-27	0
		बकाया राशि Amount outstanding	116	-50	-67	0	0	10	-4	-5	0	0	639	-439	-180	-19	0	764	-493	-252	-19	0
		उसपर प्रावधान Provision thereon	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	-1	0	0	0	1	-1	0	0	0
4	पुनर्गठित मानक अग्रिम जिससे उच्च प्रावधानीकरण और/या वित्त वर्ष के अंत में अतिरिक्त जोखिम भार समापन और अगले वित्त वर्ष के प्रारम्भ में पुनर्गठित मानक अग्रिम के रूप में दिखाना आवश्यक नहीं है. Restructred standard advances which ceased to attract higher provisioning and / or additional risk weight at the end of the FY and hence need not be shown as restructured standard advances at the beginning of the next FY	ऋणकर्ताओं की संख्या No. of borrowers	-6	0	0	0	-6	-111	0	0	0	-111	-1000	0	0	0	-1000	-1117	0	0	0	-1117
		बकाया राशि Amount outstanding	-106	0	0	0	-106	-48	0	0	0	-48	-813	0	0	0	-813	-967	0	0	0	-967
		उसपर प्रावधान Provision thereon	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
5	वित्त वर्ष के दौरान पुनर्गठित खातों का डाउनग्रेडेशन Downgradation of restructured accounts during the FY	ऋणकर्ताओं की संख्या No. of borrowers	-10	1	9	0	0	-94	60	34	0	0	-1835	1050	758	27	0	-1939	1111	801	27	0
		बकाया राशि Amount outstanding	-820	74	746	0	0	-27	-45	72	0	0	-1488	2215	558	12	1297	-2336	2302	1319	12	1297
		उसपर प्रावधान Provision thereon	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	-3	-16	0	-19	0	-3	-16	0	-19
6	वित्त वर्ष 2013-14 के दौरान बट्टे खाते में डाले गए पुनर्गठित खाते Write off of restructured accounts during the FY 2013-14	ऋणकर्ताओं की संख्या No. of borrowers	-17	0	-3	0	-20	0	-1813	-2934	-35	-4782	-5002	-3	0	0	-5005	-5019	-1816	-2937	-35	-9807
		बकाया राशि Amount outstanding	-121	0	-162	0	-283	0	-393	-564	-29	-986	-228	-875	0	0	-1104	-349	-1268	-726	-29	-2372
		उसपर प्रावधान Provision thereon	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	31 मार्च 2014 को पुनर्गठित खाते Restructured accounts as on March 31, 2015	ऋणकर्ताओं की संख्या No. of borrowers	65	4	17	0	86	2752	781	152	44	3729	37184	3682	7667	824	49357	40001	4467	7836	868	53172
		बकाया राशि Amount outstanding	6611	80	1632	0	8323	4181	624	803	20	5627	15016	211	2157	238	17621	25808	916	4591	257	31572
		उसपर प्रावधान Provision thereon	470	12	25	0	507	46	1	4	0	52	532	11	29	0	572	1048	25	57	0	1130

क- 2.7.4 प्रतिभूतिकरण/पुनर्गठन कम्पनी अथवा आस्ति पुनर्गठन के लिए बेची गई वित्तीय आस्तियों का विवरण

A-2.7.4 Details of financial assets sold to Securitization/ Reconstruction Company or Asset Reconstruction

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

	विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(i)	खातों की संख्या	No. of accounts	1	23
(ii)	एससी/आरसी को बेचे गए खातों की कुल कीमत (प्रावधानों का नेट)	Aggregate value (net of provisions) of accounts sold to SC / R C	160.23	253.64
(iii)	कुल प्रतिफल	Aggregate consideration	201.60	522.21
(iv)	आरंभिक वर्षों में अंतरित खातों के संबंध में वसूला गया अतिरिक्त प्रतिफल	Additional consideration realized in respect of accounts transferred in earlier years	0.00	0.00
(v)	शुद्ध बही कीमत पर कुल लाभ / हानि	Aggregate gain/loss over net book value	41.37	268.57

क-2.7.5 खरीदी गई / बेची गई गैर निष्पादक वित्तीय आस्तियों का विवरण

A-2.7.5 Details of non-performing financial assets purchased/sold

क. खरीदी गई गैर निष्पादक वित्तीय आस्तियों के विवरण :

A. Details of non-performing financial assets purchased:

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1. क. वर्ष के दौरान खरीदे गए खातों की संख्या	1. (a) No. of accounts purchased during the year	-	-
ख. समग्र बकाया	(b) Aggregate outstanding	-	-
2. क. इनमें से वर्ष के दौरान पुनर्गठित खातों की संख्या	2. (a) Of these, number of accounts restructured during the year	-	-
ख. समग्र बकाया	(b) Aggregate outstanding	-	-

ख. बेची गई गैर निष्पादक वित्तीय आस्तियों का विवरण :

B. Details of non-performing financial assets sold:

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1. बेचे गए खातों की संख्या	1. No. of accounts sold	-	23
2. समग्र बकाया	2. Aggregate outstanding	-	671.28
3. समग्र प्राप्त प्रतिफल	3. Aggregate consideration received	-	522.21

ग. प्रतिभूतिकरण कंपनियों को बेचे गये गैर निष्पादक खाते

C. Non Performing Accounts sold to Securitization Companies (₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण Particulars	एनपीए के कारण बैंक द्वारा विक्रय की गई अन्तर्निहित आस्तियां Backed by NPA sold by the Bank as underlying		एनपीए के कारण अन्य बैंकों वित्तीय गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा विक्रय की गई अन्तर्निहित आस्तियां Backed by NPAs sold by Other banks/ financial / non-banking finaical companies underlying		कुल Total	
	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
प्रतिभूतियों में निवेश का बही मूल्य Book Value of Investment in Security Receipts	NIL	494.57	NIL	NIL	NIL	494.57

क-2.7.6 मानक आस्तियों पर प्रावधान

A-2.7.6 Provisions on Standard Asset

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
आरबीआई मानदण्डों के अनुसार मानक आस्तियों के लिए प्रावधान	Provisions towards Standard Assets as per RBI norms	2963.74	2,401.45

क-2.7.7 जमाओं, अग्रिमों, एक्सपोज़र तथा एनपीए का संकेन्द्रण / A-2.7.7 Concentration of Deposits, Advances, Exposures and NPAs

क) जमाओं का संकेन्द्रण / a) Concentration of Deposits

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
बीस सबसे बड़े जमाकर्ताओं की कुल जमाएं	Total Deposits of twenty largest depositors	49006.75	44,417.01
बैंक की कुल जमाओं में बीस सबसे बड़े जमाकर्ताओं की जमाओं का प्रतिशत	Percentage of Deposits of twenty largest depositors to Total Deposits of the bank	7.94	7.81

ख) अग्रिमों का संकेन्द्रण / b) Concentration of Advances

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
बीस सबसे बड़े ऋणियों को दिए गए कुल ऋण	Total Advances to twenty largest borrowers	39461.16	40,803.08
बैंक के कुल अग्रिमों में बीस सबसे बड़े ऋणियों को दिए गए अग्रिमों का प्रतिशत	Percentage of Advances to twenty largest borrowers to Total Advances of the bank	9.00%	10.09

ग) एक्सपोज़र का संकेन्द्रण / c) Concentration of Exposures

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
बीस सबसे बड़े ऋणियों / ग्राहकों को कुल एक्सपोज़र	Total Exposure to twenty largest borrowers/ customers	52961.39	54,180.12
बीस सबसे बड़े ऋणियों / ग्राहकों को बैंक के कुल एक्सपोज़र का प्रतिशत	Percentage of Exposures to twenty largest borrowers/customers to Total Exposure of the bank on borrowers/customers	7.55%	8.52

घ) एनपीए का संकेन्द्रण / d) Concentration of NPAs

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
चार बड़े एनपीए खातों में कुल एक्सपोजर	Total Exposure to top four NPA accounts	1359.42	1,237.90

ङ) प्रावधान कवरेज अनुपात / e) Provision Coverage Ratio

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर)	Provision Coverage Ratio (PCR)	64.99%	65.45%

क-2.7.8 इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर / A-2.7.8 Intra Group Exposures

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण / Particulars	निधि आधारित Fund Based	निवेश आधारित Investment Based	कुल Total
इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर की कुल राशि **Total Amount of Intra Group Exposures**	204.19	195.61	399.80
20 सर्वाधिक इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर वाले खाते **Total amount of Top 20 Intra Group Exposures**	204.19	195.61	399.80
ऋण कर्ताओं/ग्राहकों को दिये गये बैंक के कुल एक्स्पोजर में इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर का प्रतिशत Percentage of intra-group exposures to total exposure of the bank on borrowers / customers	1% से कम Less than 1%	1% से कम Less than 1%	1% से कम Less than 1%
इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर की सीमाओं के उल्लंघन का विवरण तथा उसपर की गई विनियामक कार्रवाई, यदि कोई हो Details of breach of limits on intra-group exposures and regulatory action thereon, if any	शून्य NIL	शून्य NIL	शून्य NIL

क-2.8 व्यावसायिक अनुपात / A.2.8 Business Ratios

	विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current year	पिछला वर्ष Previous Year
(i)	औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में ब्याज आय	Interest Income as a percentage to Average Working Funds	6.62	6.76
(ii)	औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में गैर-ब्याज आय	Non-interest income as a Percentage to Average Working Funds	0.68	0.78
(iii)	औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में परिचालन लाभ	Operating Profit as a percentage to Average Working Funds	1.53	1.61
(iv)	आस्तियों पर प्रतिफल	Return on Assets	0.49	0.75
(v)	प्रति कर्मचारी व्यवसाय (कोर जमा तथा अग्रिम) (₹ करोड़ में)	Business (Core Deposits plus advances) per employee (₹in Crores)	18.89	18.65
(vi)	प्रति कर्मचारी लाभ (₹ करोड़ में)	Profit per employee (₹in Crores)	0.07	0.10

क-2.9 आस्तियों और देयताओं का प्रबंधन आस्तियों और देयताओं की कुछ मदों का परिपक्वता स्वरुप / A. 2.9 Asset Liability Management Maturity pattern of certain items of assets and liabilities

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

		1 दिन Day 1	2 से 7 दिन 2 to 7 days	8 से 14 दिन 8 to 14 days	15 से 28 दिन 15 to 28 days	29 दिन से 3 माह 29 days to 3 months	3 महीनों से ज्यादा तथा 6 महीनों तक Over 3 months & up to 6 months	6 महीनों से ज्यादा तथा 1 वर्ष तक Over 6 months & up to 1 year	1 वर्ष से ज्यादा तथा 3 वर्ष तक Over 1 year & up to 3 years	3 वर्ष से ज्यादा तथा 5 वर्ष तक Over 3 years & up to 5 years	5 वर्ष से अधिक Over 5 years	कुल Total
जमा राशियां	Deposits	11750.79 (18184.76)	37370.27 (36129.02)	25651.23 (21376.70)	27665.94 (23328.94)	72362.08 (66860.86)	58695.10 (56233.86)	119383.22 (148437.28)	145775.36 (110191.01)	28991.04 (9630.55)	89914.50 (78521.81)	617559.52 (568894.79)
अग्रिम	Advances	5226.85 (3581.32)	12343.90 (15804.50)	15037.74 (6900.05)	14764.58 (16250.56)	72806.89 (59580.87)	41653.89 (46711.54)	30818.57 (29635.90)	163231.50 (106523.95)	36131.59 (33758.64)	36049.62 (78258.48)	428065.14 (397005.81)
निवेश	Investments	503.21 (947.80)	542.40 (2096.30)	1245.71 (352.54)	1635.56 (3713.70)	7232.47 (5104.99)	3194.28 (943.13)	1003.28 (3882.13)	15115.89 (11854.03)	23339.48 (14646.31)	68507.45 (72571.74)	122319.72 (116112.66)
उधार	Borrowings	1769.58 (363.29)	2451.11 (3676.87)	218.75 (451.74)	1957.55 (119.95)	1639.78 (3802.72)	457.2 (2691.44)	3403.49 (2439.41)	4733.01 (7442.40)	10450.27 (1800.44)	8183.53 (14024.70)	35264.28 (36812.96)
विदेशी मुद्रा आस्तियां	Foreign Currency assets	40195.99 (23325.40)	9194.45 (14675.28)	12511.31 (9336.71)	16269.98 (17181.73)	55009.91 (47354.80)	31957.89 (49668.57)	34145.73 (20188.25)	37544.77 (33362.83)	11081.96 (12223.77)	8201.71 (8859.31)	256113.71 (236196.66)
विदेशी मुद्रा देयताएं	Foreign Currency liabilities	10903.34 (15856.78)	25648.69 (23246.72)	15306.22 (11833.0)	20925.16 (15844.92)	46824.65 (39411.49)	27190.54 (27650.75)	38904.63 (41452.11)	51825.81 (45415.91)	11345.75 (7263.73)	5730.47 (9011.56)	254605.27 (236989.97)

- कोष्ठक में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष की संख्याएं हैं. Figures in bracket denote previous year numbers
- आस्तियों एवं देयताओं का विभाजन ''आस्ति देयता प्रबंधन एवं समूह जोखिम नीति 2011'' के अनुसार किया गया है. The distribution of Assets and Liabilities has been done as per the " Asset Liability Management and Group Risk Policy-2011" of the Bank
- शुध्द अग्रिमों की गणना करते समय प्रावधानों एवं अन्य कटौतियों का विभाजन सकल मानक अग्रिमों के अनुपात में किया गया है. The Distribution of provisions and other deductions, while arriving at the net advances, has been done in proportion to the gross Standard Advances.
- विदेशी मुद्रा की देयताओं के प्रावधान का विभाजन मूल देयता विभाजन के अनुपात में किया गया है. Distribution of provision on foreign currency liabilities has been done in proportion to the distribution of the parent liability

क-2.10 एक्सपोजर

A-2.10 Exposure

क-2.10.1 रियल एस्टेट क्षेत्र में एक्सपोजर

A-2.10.1 Exposure to Real Estate Sector

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

श्रेणी	Category	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
क) प्रत्यक्ष एक्सपोजर	a) Direct exposure		
(i) आवासीय बंधक –	(i) Residential Mortgages –		
आवासीय संपत्ति, जो कर्जदार के स्वामित्व में है / होगी या किराए पर है, को बंधक रखते हुए पूर्ण सुरक्षित कर्ज,	Lending fully secured by mortgages on residential property that is or will be occupied by the borrower or that is rented;	25,789.62	22,387.68
इनमें से प्राथमिकता प्राप्त अग्रिमों में शामिल करने हेतु पात्र व्यक्तिगत आवास ऋण	Of which Individual housing loans eligible for inclusion in priority sector	(13,147.04)	(12,548.45)
(ii) वाणिज्यिक रियल एस्टेट	ii) Commercial Real Estate –	13120.22	10585.65
वाणिज्यिक रियल एस्टेट पर बंधक द्वारा प्रत्याभूत कर्ज (कार्यालय भवन, रिटेल स्पेस, बहुद्देश्यीय वाणिज्यिक परिसर, बहुपरिवार आवासीय भवन, बहु किराएदार कमर्शियल परिसर, औद्योगिक या वेयर हाउस स्पेस, होटल, जमीन, अधिग्रहण, विकास तथा निर्माण कार्य आदि). एक्सपोज़र में गैर निधि आधारित (एनएफबी) सीमाएं शामिल हो सकती हैं.	Lending secured by mortgages on commercial real estates (office buildings, retail space, multi-purpose commercial premises, multi-family residential buildings, multi-tenanted commercial premises, industrial or warehouse space, hotels, land acquisition, development and construction, etc.). Exposure would also include non-fund based (NFB) limits;		
(iii) बंधक युक्त प्रतिभूतियों में निवेश (एम बी एस) तथा अन्य प्रतिभूतित एक्सपोजर	(iii) Investments in Mortgage Backed Securities (MBS) and other securitised exposures –		
क. आवासीय	a. Residential,	0.00	0.00
ख. वाणिज्यिक रियल एस्टेट	b. Commercial Real Estate.	0.00	0.00
ख) अप्रत्यक्ष एक्सपोजर	b) Indirect Exposure		
निधि आधारित तथा गैर निधि आधारित एक्सपोजर	Fund based and non-fund based exposures		
(i) नैशनल हाउसिंग बैंक (एनएचबी)	(i) National Housing Bank (NHB)	16.37	38.62
(ii) आवास वित्त कंपनियां (एचएफसी)	(ii) Housing Finance Companies (HFCs)	9742.03	10,694.93
रियल एस्टेट क्षेत्र में कुल एक्सपोजर	Total Exposure to Real Estate Sector	48668.24	43,706.88

क-2.10.2 पूंजी बाजार में ऋण जोखिम

A- 2.10.2 Exposure to Capital Market

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

	विवरण		Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(i)	इक्विटी शेयर्स, परिवर्तनीय बांडों, परिवर्तनीय डिबेंचरों तथा इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की यूनिटों, जिनके कॉरपस कार्पोरेट ऋण में अलग से निवेश नहीं किए गए हों, में प्रत्यक्ष निवेश	(i)	Direct investment in equity shares, convertible bonds, convertible debentures and units of equity-oriented mutual funds the corpus of which is not exclusively invested in corporate debt;	1061.62	1,854.52
(ii)	शेयरों/बांडों/डिबेंचरों अथवा अन्य प्रतिभूतियों की एवज़ में अग्रिम अथवा शेयरों (आईपीओ/ईएसओपी), परिवर्तनशील बांडों, परिवर्तनशील डिबेंचरों तथा इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की यूनिटों में निवेश के लिए व्यक्तियों को निर्बंध आधार पर दिए गए अग्रिम	(ii)	Advances against shares/bonds/ debentures or other securities or on clean basis to individuals for investment in shares (including IPOs/ESOPs), convertible bonds, convertible debentures, and units of equity-oriented mutual funds;	7.41	24.72
(iii)	किन्हीं अन्य ऐसे उद्देश्यों के लिए अग्रिम जहां शेयरों अथवा परिवर्तनीय बांडों अथवा परिवर्तनीय डिबेंचरों अथवा इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की यूनिटों को प्राथमिक प्रतिभूति के रूप में लिया गया है.	(iii)	Advances for any other purposes where shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds are taken as primary security;	0.00	0.06
(iv)	किन्हीं अन्य ऐसे उद्देश्यों के लिए उस सीमा तक अग्रिम, जोकि शेयरों, परिवर्तनशील बांडों अथवा परिवर्तनीय डिबेंचरों अथवा इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की यूनिटों की संपार्श्विक प्रतिभूति से संरक्षित है; अर्थात जहां कि शेयरों/परिवर्तनीय बांडों/परिवर्तनीय डिबेंचरों/ इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंडों के अलावा ली गयी प्राथमिक प्रतिभूति पूरी तरह से अग्रिमों को कवर नहीं कर पायी है.	(iv)	Advances for any other purposes to the extent secured by the collateral security of shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds i.e. where the primary security other than shares/ convertible bonds/convertible debentures/ units of equity oriented mutual funds `does not fully cover the advances	142.15	138.34
(v)	स्टॉक ब्रोकरों को जमानती तथा गैर जमानती अग्रिम तथा स्टॉक ब्रोकरों तथा मार्केट मेकर की ओर से जारी गारंटियां	(v)	Secured and unsecured advances to stockbrokers and guarantees issued on behalf of stockbrokers and market makers	2.58	125.84
(vi)	कार्पोरेट को शेयरों/बांडों/डिबेंचरों अथवा अन्य प्रतिभूतियों अथवा अपने संसाधनों के बढ़ने की प्रत्याशा में नयी कंपनियों की इक्विटी को प्रोमोटर के अंशदान के लिए निर्बंध आधार पर स्वीकृत किए गए अग्रिम	(vi)	Loans sanctioned to corporates against the security of shares / bonds/debentures or other securities or on clean basis for meeting promoter's contribution to the equity of new companies in anticipation of raising resources;	0.00	1.77
(vii)	संभावित इक्विटी प्रवाह/निर्गमों की एवज में कंपनियों को पूरक (ब्रिज) ऋण	(vii)	Bridge loans to companies against expected equity flows/issues;	0.29	1.10
(viii)	शेयरों अथवा परिवर्तनीय बांडों/डिबेंचरों अथवा इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड के प्राथमिक मुद्दों के बारे में बैंकों द्वारा की गई हामीदारी प्रतिबद्धताएं	(viii)	Underwriting commitments taken up by the banks in respect of primary issue of shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds;	0.00	0.00
(ix)	मार्जिन ट्रेडिंग के लिए स्टॉक ब्रोकरों को वित्त प्रदान करना	(ix)	Financing to stockbrokers for margin trading	2.92	2.94
(x)	वेंचर पूंजी निधियों (पंजीकृत तथा गैर पंजीकृत) दोनों का जोखिम	(x)	All exposures to Venture Capital Funds (both registered and unregistered)	823.77	865.89
	पूंजी बाजार में कुल जोखिम		Total Exposure to Capital Market	2040.74	3,015.18

पूंजी बाजार में ₹ 2040.74 करोड़ का ऋण कुल ऋण की सीमा राशि ₹ 13238.86 करोड़ के भीतर है. (अर्थात 31.03.2014 को बैंक की शुद्ध मालियत ₹ 33097.14 करोड़ का 40%). पूंजी बाजार में प्रत्यक्ष एक्सपोज़र ₹ 1895.72 करोड़ है और दिनांक 31.03.2014 को बैंक की निवल मालियत ₹ 33097.14 करोड़ का 20% अर्थात ₹ 6619.43 करोड़ की सीमा के भीतर है.

The exposure to Capital Market of Rs 2040.74 Crores is within the limit of Rs 13238.86 Crores (i.e. 40% of Bank's Net worth of 33097.14 Crores as on 31.03.2014). The direct exposure to Capital Market is Rs 1895.72. Crores and is within the limit of Rs 6619.43 crores i.e. 20% of the Bank's net worth of Rs 33097.14 crores as on 31.03.2014.

क-2.10.3 जोखिम श्रेणीवार देशीय एक्सपोज़र / A- 2.10.3 Risk Category wise Country Exposure

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

श्रेणी	Category	31 मार्च 2015 को एक्सपोज़र (नेट) Exposure (net) as on 31st March 2015	31 मार्च 2015 को प्रावधान Provision held as on 31st March 2015	31 मार्च 2014 को एक्सपोज़र (नेट) Exposure (net) as on 31st March 2014	31 मार्च 2014 को प्रावधान Provision held as on 31st March 2014
महत्वहीन	Insignificant	113135.92	88.41	39,005.81	16.34
न्यून	Low	52456.53	29.70	42,533.67	28.38
मध्य	Moderate	2295.10	--	1,709.58	--
उच्च	High	1512.14	--	2,663.53	--
अधिक उच्च	Very High	15.38	--	477.34	--
सीमित	Restricted	0.10	--	2.92	--
ऋण से इतर	Off-credit	0.26	--	2.19	--
अ-मूल्यांकित	Not Rated	313.92	--	0.00	--
कुल	Total	169729.35	118.11	86,395.04	44.72

क-2.10.4 बैंक द्वारा एकल ऋणी सीमा (एसबीएल)/ समूह ऋणी सीमा (जीबीएल) में आधिक्य / A- 2.10.4 Single Borrower Limit (SBL)/ Group Borrower Limit (GBL) exceeded by the bank

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

वर्ष Year	ऋणी का नाम Name of the borrower	एकल कर्जदार एक्सपोज़र सीमा Single Borrower Exposure Limit	कुल निर्धारित सीमा Total Limit Sanctioned	31 मार्च को शेष Balance as on 31st March
2014-15				
2013-14				

वर्ष Year	ऋणी का नाम Name of the borrower	समूह कर्जदार एक्सपोज़र सीमा Group Borrower Exposure Limit	कुल निर्धारित सीमा Total Limit Sanctioned	31 मार्च को शेष Balance as on 31st March
2014-15				
2013-14				

क-2.10.5 गैरजमानती अग्रिम राशि

ऐसे अग्रिमों जिनमें हकदारी, लाइसेंस, प्राधिकार आदि पर प्रभार हेतु अमूर्त प्रतिभूतियां मूर्त प्रतिभूति के रुप में ली गई है, की राशि भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्रांक डीबीओडी संख्या डीपी.बीसी.9/21.04.048/2014-15 दिनांक 15 जुलाई 2014 के अनुसार ₹ 3741.48 करोड़ है और उन्हें जमानती अग्रिमों के भाग के रूप में वर्गीकृत किया गया है जैसा कि तुलन पत्र की अनुसूची 9 में उल्लिखित है. कुल जमानती अग्रिमों में ऐसे अग्रिमों का अंश 1.28% है.

A-2.10.5 Amount of Unsecured Advances

The amount of advances, for which intangible securities, such as charge over the rights, licenses, authority etc. have been taken as tangible security is Rs. 3741.48 crores as per RBI circular No. DBOD No. DP.BC.9/21.04.048/2014-15 dated 1st July 2014 and the same has been classified as secured, forming part of secured advances as reflected in schedule 9 of the balance sheet. Such advances to total secured advances are 1.28%.

क-2.11 विविध / A-2.11 Miscellaneous

क-2.11.1 वर्ष के दौरान कराधान हेतु किए गए प्रावधान की राशि / A-2.11.1 Amount of Provisions for Taxation during the year

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous year
संपत्ति कर एवं आस्थगित कर सहित करों हेतु प्रावधान	Provision for Tax including Wealth tax & deferred tax	2089.96	1,540.34
घटाएं - पिछले वर्षों से संबंधित कर प्रावधानों का रिवर्सल	Less reversal of Tax Provisions relating to previous years	67.79	584.11
कर के लिए शुद्ध प्रावधान	**Net provision for Tax**	**2022.17**	**956.23**

क-2.11.2 भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा लगाए गए दंड का प्रकटीकरण

वर्ष के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंक पर केवायसी मानदण्डों का पालन न करने के कारण ₹ 0.25 करोड़ की पनैल्टी लगाई गई. विदेशी परिचालनों में प्रोटेक्शन सिस्टम की अवहेलना के कारण सेंट्रल बैंक ऑफ यूएई को ₹ 0.33 करोड़ तथा अल्पावधि डेब्ट सीमा की अवहेलना के कारण सेंट्रल बैंक ऑफ चायना को ₹ 0.16 करोड़ की पनैल्टी का भुगतान किया गया.

A-2.11.2 Disclosure of penalties imposed by RBI

During the year penalty of Rs. 0.25 crores was levied by Reserve Bank of India for Non Compliance of KYC Norms. In overseas operations, a penalty of Rs. 2.33 crores was paid to the Central Bank of UAE for breach of wage protection system and Rs. 0.16 crores to Central Bank of China for breaching the short term debt limits.

क-2.11.3 प्रायोजित एसपीवी ऑफ बैलेंस शीट (जिसे लेखा मानकों के अनुसार समेकित किया जाना अपेक्षित है)

A-2.11.3 Off-balance sheet SPVs sponsored (which are required to be consolidated as per accounting norms)

प्रायोजित एसपीवी का नाम Name of the SPV sponsored	
घरेलू Domestic	विदेशी Overseas
शून्य / NIL	शून्य / NIL

क-2.11.4 प्रतिभूतीकरण

A-2.11.4 Securitisation

S.No.	विवरण	Particulars	संख्या/ राशि (₹ करोड़ में) No. / Amount (₹ in crores)
1.	प्रतिभूतीकरण अंतरण के लिए बैंक द्वारा प्रायोजित एसपीवी की संख्या	No. of SPVs sponsored by the bank for Securitization transaction	
2.	बैंक द्वारा प्रायोजित एसपीवी की बही के अनुसार प्रतिभूतीकरण आस्तियों की कुल राशि	Total amount of Securitized assets as per books of the SPVs sponsored by the Bank	
3.	तुलनपत्र की तिथि को न्यूनतम धारण आवश्यकता (एमआरआर) के अनुपालन के लिए बैंक द्वारा प्रतिधारित जोखिम की कुल राशि	Total amount of exposures retained by the bank to comply with minimum retention requirement (MRR) as on the date of Balance Sheet	
	क) तुलनपत्रेतर जोखिम	a) Off-balance sheet exposures	
	मूल घाटा	First Loss	
	अन्य	Others	
	ख) तुलनपत्र का जोखिम	b) On balance sheet exposures	
	मूल घाटा	First Loss	
	अन्य	Others	
4.	एमएमआर के अलावा प्रतीभूतीकरण अंतरण से जोखिम की राशि	Amount of Exposures to securitisation transactions other than MRR	शून्य NIL
	क) तुलनपत्रेतर जोखिम	a) Off-balance sheet exposures	
	i) अपने प्रतिभूतीकरण से जोखिम	i) Exposures to own securitisations	
	मूल घाटा	First Loss	
	घाटा/अन्य	Loss/Others	
	ii) तृतीय पक्ष प्रतिभूतीकरण से जोखिम	ii) Exposures to third party securitisations	
	मूल घाटा	First Loss	
	अन्य	Others	
	ख) तुलनपत्र का जोखिम	b) On–balance sheet exposures	
	i) अपने प्रतिभूतीकरण से जोखिम	i) Exposures to own securitisations	
	मूल घाटा	First Loss	
	घाटा/अन्य	Loss/Others	
	ii) तृतीय पक्ष प्रतिभूतीकरण से जोखिम	ii) Exposures to third party securitisations	
	मूल घाटा	First Loss	
	अन्य	Others	

क-3. प्रावधानों व आकस्मिकताओं का ब्रेक अप

A-3. Break up of Provisions and Contingencies

क-3.1 लाभ व हानि खाते में आने वाले प्रावधान व आकस्मिकताओं का विवरण इस प्रकार हैः

A-3.1 The break-up of provisions and contingencies appearing in Profit & Loss Account is as under:

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
निवेश पर मूल्यह्रास हेतु प्रावधान (शुद्ध प्रलेखित)	Provision for depreciation on investment (net of written back)	(149.35)	198.60
बट्टेखाते डाले गए अशोध्य ऋणों/एनपीए के लिए प्रावधान (शुद्ध प्रलेखित)	Bad debts written off / Provision made towards NPA (net of written back)	3785.91	2,935.16
मानक आस्तियों हेतु प्रावधान	Provision for standard assets	548.12	535.04
कर हेतु प्रावधान आस्थगित करों, और संपदा कर सहित (शुद्ध प्रतिवर्तित प्रावधान)	Provision for taxes including deferred taxes, and Wealth tax (net of reversal of provisions)	2022.17	956.23
अन्य प्रावधान तथा आकस्मिकताएं	**Other Provision and Contingencies**		
पुनर्गठित मानक व अवमानक खातों में ब्याज के सैक्रिफाइस हेतु प्रावधान	Provision towards sacrifice of interest in restructured standard and sub-standard accounts	211.16	32.56
देशगत जोखिम प्रबंधन हेतु प्रावधान	Provision for Country Risk Management	73.39	9.06
कर्मचारी कल्याण खर्च हेतु प्रावधान	Provision for staff welfare expenses	25.00	25.00
अन्य	Others (includes provision for fraud, claim against bank, sensitive accounts etc.)	0.26	58.29
कुल	**Total**	6516.66	4,749.94

क-3.2 अस्थायी प्रावधान - व्यापक प्रकटीकरण

A-3.2 Floating Provisions – Comprehensive Disclosures

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
क. अस्थायी प्रावधान खाते में आरम्भिक शेष	a. Opening balance in the floating provisions account	850.35	850.35
ख. लेखा वर्ष में किए गए अस्थायी प्रावधान की राशि	b. The quantum of floating provisions made in the accounting year	-	-
ग. लेखा वर्ष के दौरान किए गए ड्रा डाउन की राशि	c. Amount of draw down made during the accounting year	425.00	-
घ. अस्थायी प्रावधान खाते में अंतिम शेष	d. Closing balance in the floating provisions account	425.35	850.35

क-3.3 अस्थायी प्रावधान - व्यापक प्रकटीकरण

A-3.3 Provision on Unhedged Foreign Currency Exposure–

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
क. प्रारंभिक शेष प्रावधान खाता	a. Opening balance provisions account	--	--
ख. लेखा वर्ष में किये गये प्रावधान की राशि	b. The quantum of provisions made in the accounting year	69.09	--
ग. लेखा वर्ष के दौरान रिवर्स की गई राशि	c. Amount Reverse during the accounting year	--	--
घ. प्रावधान खाते का अंतिम शेष	d. Closing balance in the provisions account	69.09	--

*लागू नही

बैंक ने करेन्सी इंड्यूस्ड क्रेडिट रिस्क की कोई नीति तैयार नहीं की है तथापि बैंक भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन कर रहा है.

31.3.2015 के आरक्षित विदेशी मुद्रा उधारियों की एवज में बैंक द्वारा दिये गये ऋणों की राशि 80बीपीएस पर प्रावधान राशि पर 6039.27 करोड़ थी. अतिरिक्त न्यूनतम पूंजी आवश्यकता राशि ₹ 107.20 करोड़ की एवज में अतिरिक्त आरडब्ल्यूए ₹ 1191.17 करोड़ है.

*Not Applicable

The Bank has not prepared any policy with regard to Currency induced Credit Risk. However, the Bank is following regulatory guideline issued by the Reserve Bank of India.

As on 31.03.2015, the amount of bank's credit exposure against Unhedged Foreign Currency exposure of borrowers attracting 80 bps provision was 6039.27 crores. The additional RWA on this exposure is 1191.17 crores against this additional minimum capital requirement is Rs. 107.20 crores.

क- 3.4 आरक्षित निधियों में गिरावट (ड्रा डाउन)

वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान आरक्षित निधियों में कोई गिरावट (ड्रा डाउन) नहीं हुई हैं.

A-3.4 Draw Down from Reserves

During the Financial Year 2014-15, there has been no draw down from the reserves.

क- 4. शिकायतों का प्रकटीकरण

I. ग्राहक शिकायत (एटीएम की शिकायतें छोडकर)

A-4. Disclosure of complaints

I. Customer Complaints

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(क)	वर्ष के शुरू में लंबित शिकायतों की संख्या	(a)	No. of complaints pending at the beginning of the year	132	151
(ख)	वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	(b)	No. of complaints received during the year	19254	23350
(ग)	वर्ष के दौरान निपटाए गए शिकायतों की संख्या	(c)	No. of complaints redressed during the year	19292	23369
(घ)	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	(d)	No. of complaints pending at the end of the year	94	132

* इनमें से 94 शिकायतें (गत वर्ष 132 शिकायतें) 30 दिनों से कम पुरानी हैं.

* Out of these, all 94 nos. of complaints (Previous year 132 nos.) are pending for less than 30 days.

II. एटीएम संबंधी शिकायतें

II. ATM Complaints

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(क)	वर्ष के शुरू में एटीएम से संबंधी लंबित शिकायतों की संख्या	(a)	No. of ATMs complaints pending at the beginning of the year	4830	4,190
(ख)	वर्ष के दौरान एटीएम से संबंधी प्राप्त शिकायतों की संख्या	(b)	No. of ATMS complaints received during the year	252939	7,55,980
(ग)	वर्ष के दौरान एटीएम से संबंधी निपटाए गए शिकायतों की संख्या	(c)	No. of ATMs complaints redressed during the year	252554	7,51,150
(घ)	वर्ष के अंत में एटीएम से संबंधी लंबित शिकायतों की संख्या	(d)	No. of ATMs complaints pending at the end of the year	5215	4,830

III. बैंकिंग लोकपाल द्वारा दिए गए निर्णय

III. Awards passed by the Banking Ombudsman

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(क)	वर्ष के शुरू में कार्यान्वित न किए गए निर्णयों की संख्या	(a)	No. of unimplemented Awards at the beginning of the year	1	-
(ख)	वर्ष के दौरान बैंकिंग लोकपाल द्वारा दिए गए निर्णयों की संख्या	(b)	No. of Awards passed by the Banking Ombudsman during the year	11	20
(ग)	वर्ष के दौरान कार्यान्वित निर्णयों की संख्या	(c)	No. of Awards implemented during the year	12	19
(घ)	वर्ष के अंत में कार्यान्वित न किए गए निर्णयों की संख्या	(d)	No. of unimplemented Awards at the end of the year	0	1

क-5. चुकौती आश्वासन पत्र की स्थिति

(I) **चालू वित्तीय वर्ष के दौरान जारी चुकौती आश्वासन पत्र (एलओसी)**

बैंक ने चालू वर्ष के दौरान विदेशी/देशीय नियामकों द्वारा अपनी अनुषंगियों की स्थापना करने/शाखाओं को खोलने के लिए अपना अनुमोदन प्राप्त करते समय आवश्यकताओं की पूर्ति के संदर्भ में कोई आश्वासन पत्र जारी नहीं किया.

(II) **31.03.2015 को बकाया चुकौती आश्वासन पत्रों की संचयी स्थिति**

बैंक ने निम्नलिखित आश्वासन पत्र जारी किया है.

(i) वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान विदेशी/देशी विनियामकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अनुषंगियों की स्थापना / शाखाएं खोलने हेतु उनसे अनुमोदन प्राप्त करने के लिए रिज़र्व बैंक ऑफ न्यूज़ीलैंड का उस देश में बैंक की अनुषंगी के लिए चुकौती आश्वासन पत्र जारी किया गया था. दि.31.03.2015 के लेखा परीक्षित लेखों के अनुसार अनुषंगी की जमाएं ₹ 156.27 करोड़ एवं बाहरी देयताएं ₹ 1.90 करोड़ है. बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा जारी किया गया एलओसी ₹ 158.17 करोड़ की समस्त राशि अर्थात जमाराशि एवं बाहरी देयताओं को कवर करता है. तथापि 31.03.2015 को इस अनुषंगी की शुद्ध मालियत ₹ 204.77 करोड़ है, इसलिए यह संपूर्ण जमा राशि और बाहरी देयताओं को कवर करता है.

(ii) वित्तीय वर्ष 2010-11 के दौरान बैंक ने संयुक्त उद्यम बैंक - इंडिया इंटरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी (आईआईबीएमबी) में बैंक के 40% शेयरधारिता की सीमा तक बैंक ऑफ़ नेगारा मलेशिया को आश्वासन पत्र जारी किया है. दिनांक 31.03.2015 को बैंक की कुल जमा राशि ₹ 242.95 करोड़ एवं अन्य देयताएं ₹ 24.92 करोड़ अर्थात कुल ₹ 267.87 करोड़ है. दिनांक 31.03.2015 को इस अनुषंगी की निवल मालियत ₹ 561.57 करोड़ है

A-5. Status of Letters of Comfort

I **Letters of Comfort (LOC's) issued during the Current Financial Year**

During the current financial year, the Bank has not issued any Letter of Comfort to meet the requirements of the overseas/domestic regulators while seeking their approval for establishing subsidiaries / opening of branches.

II **Cumulative position of LOC's outstanding as on 31.03.2015**

The Bank has issued the following Letter of Comforts

(i) During financial year 2008-09 to meet the requirements of the overseas/ domestic regulators while seeking their approval for establishing subsidiaries/ opening of branches, the Letter of Comfort was issued to Reserve Bank of New Zealand for the Bank's subsidiary in that country. As per audited accounts as on 31.03.2015, the deposits of the Subsidiary are Rs 156.27 Crores and outside liabilities are Rs 1.90 Crores. The LOC issued by Bank of Baroda covers this entire amount of Rs 158.17 Crores i.e. deposit and outside liabilities. However, the net worth of the Subsidiary as on 31.03.2015 is Rs 204.77 Crores and therefore it covers the entire deposits and outside liabilities.

(ii) During financial year 2010-11, the Bank has issued Letter of comfort to the Bank of Negara Malaysia to the extent of the Bank's 40% shareholding in the joint venture Bank – India International Bank (Malaysia) Bhd' (IIBMB). As on 31.03.2015, the deposits of the Bank are Rs 242.95 Crores and other liabilities are Rs 24.92 Crores i.e. total of Rs 267.87 Crores. The net worth of the Subsidiary as on 31.03.2015 is Rs 561.57 crores.

क-6 तीसरी पार्टी के उत्पादों के विपणन से अर्जित आय

A-6 Income earned for marketing third party products

(₹ करोड़ में / in Crores)

विवरण	Nature of Income	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
जीवन बीमा पालिसियों की बिक्री हेतु	For selling life insurance policies	19.18	14.97
गैर जीवन बीमा पालिसियों की बिक्री हेतु	For selling non life insurance policies	12.55	10.25
म्यूच्यूअल फंड प्रोजेक्टों की बिक्री हेतु	For selling mutual fund projects	3.65	3.18
इक्विटी ब्रोकिंग उत्पाद	Equity broking product	0.42	0.29

क-7 डिपोजिटर एज्यूकेशन एण्ड अवेअरनेस फंड (डीईएफ) में अंतरण

A-7 Transfers to Depositor Education and Awareness Fund (DEAF)

(₹ करोड़ में / in Crores)

विवरण	Nature of Income	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
डीईएफ को अंतरित राशि का प्रारंभिक शेष	Opening balance of amount transferred to DEAF	0.00	0.00
जोड़ेः वर्ष के दौरान डीईएफ को अंतरित राशि	Add: Amount transferred to DEAF during the year	268.26	0.00
घटायें: डीईएफ द्वारा प्रतिपूर्ति की गई राशि	Less: Amounts reimbursed by DEAF towards claims	0.16	0.00
डीईएफ को अंतरित राशि का अंतिम शेष	Closing Balance of amounts transferred to DEAF	268.10	0.00

क.8. तरलता कवरेज अनुपात / A-8 Liquidity Coverage Ratio

क.8.1. मात्रात्मक प्रकटीकरण / A-8.1 Quantitative Disclosure

तरलता कवरेज अनुपात (एलसीआर) प्रकटीकरण	Liquidity Coverage Ratio (LCR) Disclosure		
	बैंक का नामः बैंक ऑफ़ बड़ौदा Name of the Bank : Bank of Baroda	मार्च 2015 को समाप्त तिमाही के लिए मासिक औसत Monthly Averages for the quarter ending March 2015	
	(₹ करोड़ में / ₹ In Crore)	Total Unweighted Value	Total Weighted Value
उच्च गुणवत्ता वाली तरल आस्तियां	**High Quality Liquid Assets**		
1 कुल उच्च गुणवत्ता वाली तरल आस्तियां (एचक्यूएलए)	1 Total High Quality Liquid Assets (HQLA)		68835.77
नकदी बाह्य प्रवाह	**Cash Outflows**		
2 रिटेल जमा एवं छोटे व्यावसायिक ग्राहकों की जमाराशियां,जिनमें सेः	2 Retail deposit and deposits from small business customers, of which:	310682.07	26081.14
i स्थिर जमाराशियां	(i) Stable Deposits	99741.37	4987.07
ii घटाएंः स्थिर जमाराशियां	(ii) Less Stable Deposits	210940.69	21094.07
3 अप्रत्याभूत थोक वित्तीयन, जिनमे सेः	3 Unsecured wholesale funding, of which:	107378.78	78078.49
i परिचालनगत जमाराशियां (सभी काउंटर पार्टियों की)	(i) Operational deposits (all counterparties)	839.14	97.22
ii गैर परिचालनगत जमाराशियां (सभी काउंटर पार्टियों की)	(ii) Non-operational deposits (all counterparties)	100555.79	71997.43
iii अप्रत्याभूत ऋण	(iii) Unsecured debt	5983.84	5983.84
4 प्रत्याभूत थोक वित्तीयन	4 Secured wholesale Funding		433.32
5 आंतरिक आवश्यक्ताएं	5 Additional requirements, of which	36232.87	9453.89
i डेरीवेटिव एक्पोजर तथा अन्य सांपर्श्विक आवश्कताओं से संबंधित बाह्य प्रवाह	(i) Outflows related to derivative exposures and other collateral requirements	509.00	509.00
ii ऋण उत्पादों पर निधियों की हानि संबंधित बाह्य प्रवाह	(ii) Outflows related to loss of funding on debt products	0.00	0.00
iii ऋण एवं तरलता सुविधाएं	(iii) Credit and liquidity facilities	35723.88	8944.90
6 अन्य संविदागत निधियन संबंधी बाध्यताएं	6 Other contractual funding obligations	5819.26	5819.26
7 अन्य आकस्मिक निधियन संबंधी बाध्यताएं	7 Other contingent funding obligations	60201.44	3010.07
8 कुल नकदी बाह्य प्रवाह	8 **TOTAL CASH OUTFLOWS**		122876.18
नकदी अंतर्प्रवाह	**Cash Inflows**		
9 प्रत्याभूत उधार देना (जैसे, रीवर्स रेपो)	9 Secured lending (e.g. reverse repos)	8326.70	5607.49
10 पूर्णतः अर्जक एक्पोजर से अंतर्प्रवाह	10 Inflows from fully performing exposures	61727.31	50627.12
11 अन्य नकदी अंतर्प्रवाह	11 Other cash inflows	5495.99	2969.49
12 कुल नकदी अंतर्प्रवाह	12 **TOTAL CASH INFLOWS**	75550.00	59204.11
			कुल समायोजित मूल्य **Total Adjusted Value**
13 कुल एचक्यूएलए	13 **TOTAL HQLA**		68835.77
14 कुल शुद्ध नकदी बाह्य प्रवाह	14 **TOTAL NET CASH OUTFLOWS**		63672.07
15 तरलता कवरेज अनुपात	15 **LIQUIDITY COVERAGE RATIO (%)**		108.11%

क. 8.2. गुणात्मक प्रकटीकरण

01 जनवरी 2015 से बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के तरलता कवरेज अनुपात (एलसीआर) संबंधी दिशा-निर्देशों को क्रियान्वित कर दिया गया है.

एलसीआर मानक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बैंक भार-रहित एचक्यूएलए के प्रर्याप्त स्तर को बनाए रखे ताकि उसे अत्यधिक तरलता संबंधी तनाव की स्थिति में इसकी तरलता संबंधी आवश्यकता की पूर्ति के लिए नकदी में

A-8.2 Qualitative Disclosure

From 1st January 2015, the bank has implemented guidelines on Liquidity Coverage Ratio (LCR) of the Reserve Bank Of India.

The LCR standard aims to ensure that a bank maintains an adequate level of unencumbered HQLAs that can be converted into cash to meet its liquidity needs for a 30 calendar day time horizon under a significantly severe liquidity stress scenario.

परिवर्तित किया जा सके. एलसीआर तथा निगरानी संबंधी उपाय भारतीय बैंकों के लिए समग्रतः बैंक स्तर पर लागू है अर्थात शाखाओं के जरिए विदेशी परिचालन सहित स्टैंड अलोन आधार पर एलसीआर के दो घटक हैं:

i तनावग्रस्त उच्च गुणवत्ता वाली तरल आस्तियों (एचक्यूएलए) के स्टॉक का मूल्य - द न्यूमरेटर

ii कुल शुद्ध नकदी बाह्य-प्रवाह : ''शुद्ध नकदी बाह्य-प्रवाह को कुल अनुमानित नकदी बाह्य-प्रवाह'' में से ''कुल अनुमानित नकदी अंतर-प्रवाह'' घटाने के बाद प्राप्त राशि के रूप में परिभाषित किया गया है. इसका उपयोग (तनावग्रस्त अवधि के बाद) अगले 30 दिनों के लिए किया जाता है. दि डिनोमिनेटर

एलसीआर = उच्च गुणवत्ता वाली तरल आस्तियों का स्टॉक/अगले 30 दिनों में कुल शुद्ध नकदी बाह्य प्रभाव = 100%

भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुसार, एलसीआर चरणबद्ध रूप में लागू किया जाएगा जो 01 जनवरी 2015 से न्यूनतम 60% से आरंभ होकर 01 जनवरी 2019 तक न्यूनतम 100% तक होगा.

The LCR and monitoring tools are applicable for Indian banks at whole bank level only i.e. on a stand-alone basis including overseas operations through branches.

The LCR has two components:

(i) The value of the stock of high-quality liquid assets (HQLA) in stressed conditions –the numerator.

(ii) Total net cash outflows : The term “Total net cash outflows” is defined as “Total expected cash outflows” minus “Total expected cash inflows” in the specified stress scenario for the subsequent 30 calendar days (the stressed period).-the denominator.

LCR = Stock of High Quality Liquid Assets/Total Net Cash Outflows over the next 30 calendar days >=100%

According to RBI, the LCR will be introduced in a phased manner starting with a minimum requirement of 60% from January 1, 2015 and reaching minimum 100% on January 1, 2019.

	जनवरी 01, 2015 January 1, 2015	जनवरी 01, 2016 January 1, 2016	जनवरी 01, 2017 January 1, 2017	जनवरी 01, 2018 January 1, 2018	जनवरी 01, 2019 January 1, 2019
न्यूनतम एलसीआर Minimum LCR	60%	70%	80%	90%	100%

एचक्यूएलए की संरचना

Composition of HQLA

उच्च गुणवत्ता वाली तरल आस्तियां (एचक्यूएलए)	High Quality Liquid Assets (`HQLAs)	एचक्यूएलए में औसत अंशदान प्रतिशत Average percentage contribution to HQLA
लेवल 1 आस्तियां	Level 1 Assets	
हाथ में नकदी	Cash in hand	4.51%
आधिक्य सीआरआर शेष	Excess CRR balance	23.89%
न्यूनतम एसएलआर आवश्यकता के अलावा सरकारी प्रतिभूतियां	Government Securities in excess of minimum SLR requirement	28.17%
एमएसएफ के द्वारा अनुमत सीमा तक अनिवार्य एसएलआर आवश्यकता के तहत सरकारी प्रतिभूतियां (वर्तमान में एमएसएफ के लिए तथा अनुमत एनडीटीएल की 2 प्रतिशत सीमा तक)	Government securities within the mandatory SLR requirement, to the extent allowed by RBI under MSF (presently to the extent of 2 per cent of NDTL as allowed for MSF)	11.17%
बासेल II मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 0% रिस्क रेटेड वाले विदेशी संप्रभुओं द्वारा जारी की गई अथवा प्रत्याभूत बाजार योग्य प्रतिभूतियां (मेमोरी क.सं. के अंतर्गत देशवार विवरण)	Marketable securities issued or guaranteed by foreign sovereigns having 0% risk-weight under Basel II Standardized Approach (country-wise details to be provided under memo item no.1)	2.39%
तरलता कवरेज अनुपात के लिए तरलता हेतु सुविधा (वर्तमान में एमएफएस के लिए यथा अनुमत एनडीटीएल की 5 प्रतिशत सीमा तक)	Facility to avail Liquidity for Liquidity Coverage Ratio(presently to the extent of 5 per cent of NDTL as allowed for MSF)	27.92%
कुल समायोजित लेवल, आस्तियां	**Total Adjusted Level 1 Assets**	98.06%
कुल लेवल 2ए आस्तियां	**Total Level 2A Assets**	1.87%
कुल लेवल 2बी आस्तियां	Total Level 2B Assets	0.08%
एचक्यूएलए के कुल स्टॉक = लेवल 1 + लेवल 2ए+ लेवल 2बी -15% सीमा के समायोजित - 40% सीमा के समायोजित.	**Total Stock of HQLAs = Level 1 + Level 2A + Level 2B – Adjustment for 15% cap – Adjustment for 40% cap**	100.00%

एसएलआर के अनिवार्य हिस्से (सीमांत स्थायी सुविधा तथा एलसीआर के अंतर्गत तरलता का लाभ उठाने के लिए दी जाने वाली सुविधा) के तहत् उधार-सुविधा, उच्च गुणवत्ता वाली तरल अस्तियों (एचक्यूएलए) का सर्वाधिक बड़ा घटक है, जो लगभग 39.09% बनता है और उसके बाद आता है 28.17% का एक्सेस एसएलआर.

Borrowing facility within the mandatory portion of SLR (Marginal Standing facility and Facility to avail liquidity under LCR) is the largest component of HQLA constituting nearly 39.09% followed by excess SLR at 28.17%.

स्तर-1 की आस्तियां भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनिवार्य की गई न्यूनतम 60% की एचक्यूएलए के सामने 98.06% है.

स्तर-2 की अस्तियां, जोकि स्तर-1 की आस्तियों की तुलना में गुणवत्ता में निम्न है, वह 40% के अधिकतम अनिवार्य स्तर के सामने कुल एचक्यूएलए का 1.87% है.

अंतः अवधि परिवर्तन तथा समयोपरांत परिवर्तन

मार्च, 2015 माह में अतिरिक्त एसएलआर पूर्व के महीनों की तुलना में कम था. अतिरिक्त सीआरआर मार्च, 2015 माह में पूर्व के महीनों की तुलना में अधिकतम रहा. एलसीआर दि. 28 फरवरी, 2015 में 113.60% के स्तर पर अधिकतम रहा और 31 मार्च, 2015 को 104.35% के न्यूनतम स्तर पर रहा.

निधियन स्रोतों का संकेन्द्रणनिधियों के स्रोतों का कोई अनुचित संकेन्द्रण नहीं पाया गया और न ही निधियों के स्रोतों में जोखिम के संकेन्द्रण के परिप्रेक्ष्य में कोई काउंटर-पार्टियां महत्वपूर्ण रहीं. महत्वपूर्ण काउंटर-पार्टियों को इस प्रकार परिभाषित किया जाता है कि- एक एकल काउंटर पार्टी या महत्वपूर्ण काउंटर-पार्टियों का जुड़ा हुआ या संलग्न समूह, जिनका कुल हिस्सा बैंक की कुल देयताओं में 1% से अधिक है.

उसी प्रकार कोई भी लिखत/उत्पाद बैंक की कुल देयताओं के 1% से अधिक का नहीं है. एक महत्वपूर्ण लिखत/उत्पाद को इस प्रकार परिभाषित किया जाता है कि- एक सिंगल लिखत/उत्पाद या वैसे ही लिखतों/उत्पादों का समूह, जिनकी सकल राशि बैंक की कुल देयताओं में 1% से अधिक है. निधिगत लिखत/उत्पादों का उदाहरण-हॉलसेल जमाराशियां जमाराशियों के प्रमाणपत्र, दीर्घावधि के आवधिक बाँड इत्यादि.

बैंक के एकल आधारित सर्वोच्च 10 जमाकर्ता का हमारी कुल जमाराशियों का 7.94% हैं.

डेरीवेटीव एक्सपोज़र एवं संभाव्य संपार्श्विक कॉल्स

बैंक का डेरीवेटीव एक्सपोज़र निम्नानुसार हैः

Level 1 Assets constitute 98.06% of HQLA against minimum 60% mandated by the Reserve Bank Of India.

Level 2 assets which are lower in quality as compared to level 1 asset as HQLA constitute 1.87% of total HQLA, against the maximum mandated level of 40%.

Intra-period changes as well as changes over time;

In the month of March 2015 the composition of excess SLR was less compared to previous months. Excess CRR was maximum in the month of March '15 as compared to the previous months.

The LCR was maximum at 113.60% as on 28th Feb 2015 and minimum at 104.35% as on 31st March 2015.

Concentration of funding sources

There has been no undue concentration of funding sources and no counterparty is significant in terms of concentration risk in sources of funds.

No counterparty contributes more than 1% of the bank's total liabilities. A significant counterparty is defined as a single counterparty or group of connected or affiliated counterparties accounting in aggregate for more than 1% of the bank's total liabilities.

Similarly no instrument/product constitutes more than 1% of the bank's total liabilities. A "significant instrument/product" is defined as a single instrument/product of group of similar instruments/products which in aggregate amount to more than 1% of the bank's total liabilities. Example of funding instruments/ products - wholesale deposits, certificates of deposits, long term bonds, etc.

Top 10 depositors of the bank on solo basis constitute 7.94% of our total deposits.

Derivative exposures and potential collateral calls:

The bank's derivative exposure is as under:

क्रम सं S.No.	विवरण Description	राशि करोड़ में Amt in Rs Crs
1	डेरीवेटीव एक्सपोज़र की काल्पनिक राशि Notional amount of Derivative exposure	159731
2	चालू एक्सपोज़र पद्धति के अनुसार एक्सपोज़र Exposure as per Current Exposure method	2052.29
3	अगले 30 दिनों के लिए डेरीवेटीव एक्सपोज़र Expected outflow for Derivative exposure for next 30 days	245.76

एलसीआर में मुद्रा-मिसमैच

सभी महत्वपूर्ण मुद्राओं के लिए हम मुद्रा वार एलसीआर की गणना करते हैं. महत्वपूर्ण मुद्रा वह है जहां उस मुद्रा में सकल देयताओं की मूल्य-राशि बैंक की कुल देयताओं का 5% या अधिक हो, जैसे कि यूएस डोलर, यूरो, जीबीपी एवं अन्य.

इस विदेशी मुद्राओं के लिए एलसीआर निम्नानुसार हैः

Currency mismatch in the LCR:

We calculate currency wise LCR for all significant currencies. A significant currency is one where aggregate liabilities denominated in that currency amount to 5 per cent or more of the banks total liabilities viz USD, EURO, GBP and others.

The LCR for the significant foreign currencies is as under :

क्रम सं. / S.No.	मुद्रा / Currency	एलसीआर का स्तर / LCR level
1	यूएसडी / USD	137.57%
2	जीबीपी / GBP	126.65%
3.	ईयूआर / EUR	83.09%
4	अन्य / Others	127.64%

चलनिधि प्रबंधन की केंद्रीयकरण की डिग्री का विवरण तथा समूह की इकाइयों के बीच पारस्परिक प्रभाव.

उद्यमवार अधार पर बैंक के लिए चलनिधि प्रबंधक की जिम्मेवारी निदेशक कंडल की है. निदेशक मंडल अपनी यह जिम्मेवारी निदेशक मंडल की समिति को जिसे

Description of the degree of centralization of liquidity mamangement and interaction between the group's units:

The liquidity management for the Bank on enterprise wide basis is the responsibility of the Board of Directors. Board of Directors

'जोखिम प्रबंधन पर निदेशक मंडल की' कहा जाता है, सौंप देता है. यह समिति विभिन्न प्रकार के जोखिमों तथा चलनिधि पर इसके प्रभाव के बीच सहबद्धता परिवेक्षण के लिए उत्तरदाई है. हमारे बैंक में ए.एल.एफ. पॉलिसी ग्रूप है जो समूह के भीतर चल निधि एवं ब्याज दर जोखिम को संचालित करने के लिए बृहद दिशा निर्देश देता है. विदेशों में परिचालित बैंक की इकाइयां अपनी परिचालन चल निधि या अल्पवधि चल निधि लगातार आधार पर या स्वयं ही प्रबन्ध कर लेती है चलनिधि बैंक के विदेशी परिचालन की मॉनिटरिंग बैंक के जोखिम प्रबन्धन विभाग द्वारा की जाती है. ए.एल.एम. समूह की पॉलिसी के संबंध में दिशा निर्देश, जब तक कि विशेष रूप से छूट प्राप्त न हो, विदेशी परिचालनों में भी लागू किए जाते है. बैंक की बैंक की सभी वैधानिक संस्थाए अर्थात अनुषंगियां संयुक्त उद्यम तथा सहयोगी लगातार अपने निजी प्रयासों से अपने व्यवसाय मॉडल तथा चल निधि आवश्यकता के अनुसार अपना प्रबन्ध करती है. वे अपनी निजी ए.एल.एम पॉलिसी रखते है. चूंकि वैधानिक संस्थाए बैंकिंग व्यवसाय करती है. वे उस देश के कनून के अनुसार साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार कार्य करती है जो ज्यादा कड़े है

ख. इंस्टीट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी एकाउंटिंग स्टैंडर्ड (एएस) के संबंध में प्रकटीकरण

बी 1 लेखामानक -5 अवधि के लिए शुद्ध लाभ या हानि अवधि मदों के पूर्व तथा लेखा पॉलिसीयों में परिवर्तन.

बी.1.1 व्यापार हेतु धारित बकाया विदेशी मुद्रा हाजिर तथा वायदा बाजार संविदाओं के तुलन पतर की तिथि को क्लोजिंग स्पाट पर तथा पिछले वर्ष की एमटीएम पॉलिसी के पेटे बाजार को चिन्हित किए जाते है. इस वर्ष परिणामी एमटीएम आधार पर लाभ व हानि की गणना के लिए भुनाया गया है. अतः उक्त पोर्टफोलियों में लाभ रु.0.99 करोड़ बड़ गया है.

बी 1.2 वर्ष के दौरान बैंक ने अचल आस्तियों पर मूल्यहास प्रभावित करने की पॉलिसी को बदल दिया है. तदनुसार मूल्यहास को वित्तीय वर्ष के आधार पर प्रभावित करने के बजाय आस्तियों के उपयोगी जीवन हेतु खरीदी की तारीख से प्रमाणित किया गया है.

उपर्युक्त परिवर्तन के फलस्वरुप चालू वर्ष में मूल्यहास में रु.161.70 करोड़ की कटौती हुई. इसमे पूर्ववर्ती वर्षों में खरीदी गई आस्तियों से संबंधित रु. 88.70 का रिवर्स्ल भी शामिल है.

ख-2. ए.एस.-15 कर्मचारी लाभ

ख-2.1 बैंक ने 07.12.2006 से प्रभावी आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक (ए.एस.-15) को अपनाया है. यह मानक दिनांक 17.12.2007 को संशोधित एवं अधिसूचित किया गया.

ख-2.2 ग्रेच्युटी

बैंक अपने ऐसे कर्मचारियों को, जो कि बैंक सेवा से सेवानिवृत्त अथवा सेवात्याग करते हैं, ग्रेच्युटी का भुगतान करता है. बैंक प्रत्येक वर्ष भुगतान की जाने वाली इस ग्रेच्युटी की फंडिंग के लिए एक आंतरिक न्यास को अंशदान राशि प्रदान करता है. ग्रेच्युटी निधि के नियमों के अनुरूप ब्याज दर, वेतन वृद्धि, मृत्यु दर और सेवा छोड़ने वाले स्टाफ का अनुमान लगाते हुए, परिलक्षित इकाई ऋण बीमांकिक पद्धति के आधार पर ग्रेच्युटी देयता के बीमांकिक मूल्य की गणना की जाती है .

निधियों का निवेश भारत सरकार द्वारा निर्धारित निवेश पद्धति के अनुसार किया जाता है .

भुगतान की जाने वाली ग्रेच्युटी की गणना 3 विभिन्न योजनाओं के तरीके से की जाती है तथा इसके लिए कर्मचारियों के लिए पात्रता जो कर्मचारियों के लिए अधिक लाभकारी हो, उसके आधार पर की जाती है.

has delegated its responsibilities to a Committee of the Board called as the "Sub Committee of the Board on ALM and Risk management". The Committee is responsible for overseeing the inter linkages between different types of risk and its impact on liquidity. We have a Group ALM Policy which provides the broad guidelines with in which all the entities within the Group operate in terms of liquidity and interest rate risk. The bank's entities operating in foreign countries manage their operational liquidity or liquidity in the short-term on their own on an ongoing basis. The monitoring of liquidity and interest risk management of the overseas operations of the bank is be done by the Risk Management Department of the bank. The guidelines of the Group ALM policy, unless otherwise specifically exempted, apply to overseas operations as well. All the legal entities of the bank i.e.-subsidiaries, joint ventures and associates manage their operational liquidity on an ongoing basis at their own according to their business models and liquidity requirement. As to the legal entities carrying out banking business, they have their own ALM Policy in line with the host country guidelines as well as RBI guidelines whichever is more stringent.

B. Disclosure in terms of Accounting Standards (AS) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI).

B-1 AS-5 Net Profit or Loss for the period, Prior Period Items and Changes in Accounting Policies

B-1.1 Foreign exchange spot contracts and forward contract outstanding as at Balance Sheet date and are held for trading are Marked to Market at the closing spot and forward rates as against last year policy of actual MTM. This year the resultant MTM is discounted to calculate Profit & Loss on PV Basis. Hence, the profit of the said portfolio is increased by 0.99 Crores.

B-1.2 During the year, bank has changed its policy of charging depreciation on fixed assets. Accordingly, the depreciation is charged from actual date of purchase for useful life of asset instead of charging the same on financial year basis.

The above change has resulted into reduction in depreciation for current year by Rs 161.70 crores which includes a reversal of Rs 88.70 crores pertaining to assets purchased in earlier years.

B-2 AS-15 Employee Benefits

B-2.1 The Bank has adopted the Accounting Standard (AS-15) issued by ICAI, effective from 07.12.2006. The standard has been revised and notified on 17.12.2007.

B-2.2 GRATUITY

The Bank pays gratuity to employees who retire or resign from Bank's service, after initial service period of five years. Accordingly, the Bank makes contributions to an in-house trust, towards funding this gratuity, payable every year. In accordance with the rule of Gratuity Fund, actuarial valuation of gratuity liability is calculated based on certain assumptions regarding rate of interest, salary growth, mortality and staff attrition as per the Projected Unit credit actuarial method. The investment of the funds is made according to investment pattern prescribed by the Government of India.

The gratuity payable is worked out by way of three different schemes and the entitlement is based on what is most beneficial to employees.

ख-2.3 पेंशन

ख-2.3.1 बैंक ऑफ़ बड़ौदा अपने कर्मचारियों, जिन्होंने पेंशन का विकल्प चुना है और ऐसे कर्मचारियों को, जिन्होंने 29.09.1995 को परंतु 01.04.2010 के पूर्व बैंक सेवा में कार्यभार संभाला है, उन्हें विनिर्दिष्ट लाभ तथा सेवा निवृत्ति योजना के अंतर्गत पेंशन का भुगतान करता है. यह योजना कर्मचारियों को मासिक आधार पर बैंक ऑफ़ बड़ौदा (कर्मचारी) पेंशन विनियम, 1995 के अधीन उनके बैंक छोड़ने के पश्चात् पेंशन प्रदान करने की सुविधा प्रदान करती है. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (कर्मचारी) पेंशन विनियम, 1995 अंतर्गत शामिल कर्मचारी भविष्य निधि में बैंक के अंशदान के लिए पात्र नहीं है.

ख-2.3.2 नई पेंशन योजना

पेंशन का दुबारा विकल्प देने के बारे में भारतीय बैंक संघ और कर्मचारी संगठनों के बीच हुए द्विपक्षीय समझौते और संयुक्त नोट दिनांक 27.04.2010 के अनुसार दिनांक 01.04.2010 को या इसके पश्चात बैंक की सेवा में प्रवेश करने वाले कर्मचारी परिभाषित अंशदायी पेंशन योजना के लिए पात्र हैं जो कि बैंक ने संयुक्त नोट/समझौते दिनांक 27.04.2010 के अनुसार शुरू की है. यह योजना दिनांक 01.01.2004 से केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के लिए शुरू की गई तथा समय-समय पर यथासंशोधित नई पेशन योजना के प्रावधानों से ही नियंत्रित होती है. अतः वे बैंक की भविष्य निधि योजना तथा पेंशन योजना का सदस्य बनने के लिए पात्र नहीं हैं. दिनांक 01.04.2010 को अथवा इसके पश्चात् बैंक सेवाओं में प्रवेश करने वाले बैंक के कर्मचारियों के संबंध में कुल परिलब्धियों से मूल वेतन तथा महंगाई भत्ते की 10% की दर से नई पेंशन योजना के लिए कटौती और इसके समतुल्य ही बैंक द्वारा अंशदान किया जा रहा है.

ख-2.3.3 विवेकपूर्ण विनियामक पद्धति (पेंशन का विकल्प)

वर्ष 2010-11 के दौरान बैंक ने अपने ऐसे कुछ कर्मचारियों के लिए पेंशन का विकल्प पुनः दिया था, जिन्होंने पूर्व में पेंशन योजना का विकल्प न लिया हो. परिणामस्वरूप इस प्रक्रिया के माध्यम से 18,989 कर्मचारियों ने यह विकल्प चुना, जिससे बैंक के लिए ₹.1829.90 करोड़ की देयताएं उत्पन्न हुई.

एएस-15 कर्मचारी लाभ संबंधी मानक की अपेक्षाओं के अनुसार, ₹1829.90 करोड़ की पूर्ण राशि लाभ-हानि खाते को प्रभारित की जाती है. तथापि, भारतीय रिज़र्व बैंक ने दि.9 फरवरी, 2011 को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारियों को पेंशन विकल्प पुनः प्रदान करने तथा ग्रेज्युटी सीमाओं में वृद्धि विवेकपूर्ण नियामक पद्धति के संबंध में परिपत्र सं.डीबीओडी.बीपीबीसी.80/21.04.018/2010-11 जारी किया था. जिसके द्वारा ऐसे पेंशन की राशि को पांच वर्षों से अधिक की अवधि 2010-11 से 2014-15 तक परिशोधित किया जा सकता है. बैंक ने पहले ही रु. 1463.92 करोड़ की राशि 31.3.2014 तक परिशोधित कर दी है. यह राशि 1829.90 करोड़ का 4/5 हिस्सा है. बैंक के पास 365.98 करोड़ की अपरिशेधित राशि शेष थी. अब बैंक ने वित्त वर्ष 2014-15 में शेष राशि परिशोधित कर दी है. इस प्रकार पेंशन विकल्प के पेटे कुल राशि रु. 1829.90 करोड़ लाभ-हानि खाते में प्रभारित की जा चुकी है. इस राशि में विमुक्त / सेवानिवृत्त किसी कर्मचारी की राशि शामिल नहीं है.

ख-2.4 भविष्य निधि

बैंक ऑफ़ बड़ौदा को अपने कर्मचारियों, जो 31.03.2010 को अथवा उससे पूर्व सेवा में आए हैं, के सेवा निवृत्ति लाभों के एक भाग के रूप में भविष्य निधि की देखरेख सांविधिक आवश्यकता है. इस निधि का प्रबंधन आंतरिक न्यासियों द्वारा किया जाता है. प्रत्येक कर्मचारी द्वारा उसके मूल वेतन एवं पात्र भत्तों का 10% अंशदान किया जाता है और बैंक ऑफ़ बड़ौदा उस राशि के बराबर राशि इस निधि में अंशदान करता है. इस निधि का निवेश भारत सरकार द्वारा निर्धारित निवेश पद्धति के अनुसार किया जाता है.

B-2.3 PENSION

B-2.3.1 Bank pays pension, a defined benefit plan covering the employees who have opted for pension and also to the employees joining the bank's service on or after 29.9.1995 but before 01.04.2010. The plan provides for a pension on a monthly basis to these employees on their cessation from service of the Bank in terms of Bank of Baroda (Employees') Pension Regulations, 1995. Employees covered under Bank of Baroda (Employees') Pension Regulations, 1995 are not eligible for Bank's contribution to Provident fund.

B-2.3.2 New Pension Scheme

In terms of Bipartite Settlement and Joint Note dated 27.04.2010 between IBA and Employees Organisations' on extending another option for pension, employees joining the services of the Bank on or after 01.04.2010 are eligible for the Defined Contributory Pension Scheme, which was introduced by the Bank in terms of the Joint Note / Settlement dated 27.04.2010, similar to the one governed by the provisions of New Pension Scheme introduced for the employees of Central Government w.e.f. 01.01.2004 and as modified from time to time. Hence they are not eligible for becoming members of Bank's Provident Fund Scheme and Pension Scheme. In respect of the employees of the Bank, who have joined the services of the Bank on or after 01.04.2010, deduction towards New Pension Scheme at the rate of 10% of the basic pay and dearness allowance from the salary with a matching contribution by the Bank is being made.

B-2.3.3 Prudential Regulatory treatment (reopening of Pension)

During the financial year 2010-11, the Bank had reopened the Pension Option for such of its employees who had not opted for the Pension Scheme earlier. As a result of exercise of such option by 18989 numbers of employee, the Bank had incurred a liability of Rs 1829.90 Crores.

In terms of the requirements of AS 15 - Employee Benefits, the entire amount of Rs 1829.90 Crores was required to be charged to the Profit and Loss Account. However, the RBI had issued a circular no. DBOD.BP.BC.80/21.04.018/2010-11 on Re-opening of Pension Option to Employees of Public Sector Banks and Enhancement in Gratuity Limits – Prudential Regulatory Treatment, dated February 9, 2011, by which such pension amount can be amortised over a period of five year from FY 2010-11 to FY 2014-15. Bank has already charged 1463.92 crores (representing four-fifth of Rs. 1829.90 Crores) up to 31.03.2014 and was having unamortized balance of Rs. 365.98 crores. Now Bank has charged the said unamortized balance during the current FY 2014-15. As such the full liability of Rs. 1829.90 crores on account of Pension option is charged to profit and loss account. This amount does not include any employee relating to separated/ retired employees.

B-2.4 PROVIDENT FUND

The Bank is statutorily required to maintain a provident fund as a part of its retirement benefits to its employees who joined Bank's service on or before 31.03.2010. This fund is administered by a trust managed by the Bank. Each employee contributes 10% of their basic salary and eligible allowances and the Bank contributes an equal amount to the fund. The investment of the fund is made according to investment pattern prescribed by the Government of India.

ख-2.5 छुट्टी का नकदीकरण

कोई भी कर्मचारी अपनी अधिवर्षिता /स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति /मृत्यु की तारीख पर उसके खाते में जमा हुई छुट्टियों में से अधिकतम 240 दिनों तक की अर्जित छुट्टियों का नकदीकरण प्राप्त करने का हकदार है.

तथापि, सेवा त्याग की स्थिति में, कर्मचारी जमा अर्जित छुट्टियों में 50% अधिकतम 120 दिनों तक छुट्टियों की राशि का नकदीकरण प्राप्त करने का हकदार है .

ख-2.6 अतिरिक्त सेवानिवृत्ति लाभ

अतिरिक्त सेवा निवृत्ति लाभ के लिए योजना के अंतर्गत कोई अधिकारी अपनी सेवानिवृत्ति /स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति /मृत्यु पर अतिरिक्त सेवा निवृत्ति लाभ पाने का हकदार होगा बशर्ते कि अधिकारी ने बैंक ऑफ़ बड़ौदा अधिकारी सेवानियमों में उल्लेखित शर्तों को पूरा कर लिया हो. बैंक में 25 वर्षों की सेवा पूरी कर ली हो.

ठीक इसी तरह, अवार्ड स्टॉफ सदस्य सेवा निवृत्ति /स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति/ मृत्यु होने पर अतिरिक्त सेवा निवृत्ति लाभ पाने के लिए हकदार होंगे बशर्ते अवार्ड स्टाफ ने बैंक सेवा में 30 वर्षों की सेवा पूरी कर ली हो. तथापि, बर्खास्तगी, सेवा मुक्ति, सेवा समाप्ति, अनिवार्य सेवा निवृत्ति और सेवा त्याग की स्थिति में सेवा काल के वर्षों की संख्या पर ध्यान न रखते हुए अतिरिक्त सेवा निवृत्ति लाभ का भुगतान नहीं किया जाएगा.

ख-2.7 नवम्बर 2012 से प्रभावी प्रस्तावित वेतन संशोधन विचाराधीन समझौते के मद्देनजर 31 मार्च 2015 को रु. 1050 करोड़ का तदर्थ प्रावधान रखा गया है. वर्ष के दौरान रु. 625 करोड़ का प्रावधान किया गया है. प्रबंधन का विचार है उक्त प्रावधान राशि पर्याप्त है.

ख-2.8 प्रकटीकरण

मूल बीमांकिक अवधारणाएं (वैटेज औसत के रूप में अभिव्यक्त)

B-2.5 LEAVE ENCASHMENT

An employee is entitled to encash privilege leave standing to his/her credit subject to a maximum of 240 days on the date of superannuation/Voluntary Retirement/death.

However, on resignation, an employee is entitled to get encashment to the tune of 50% of the privilege leave standing to the credit subject to a maximum of 120 days.

B-2.6 ADDITIONAL RETIREMENT BENEFIT

The scheme for additional retirement benefit provides that an officer on Retirement/ Voluntary retirement/ Death shall be eligible for additional retirement benefit, provided the officer satisfy the conditions mentioned in BOB officer's service regulations.

In the same manner, award staff member on Retirement/ Voluntary Retirement/ Death shall be eligible for additional retirement benefit, provided the staff member had completed thirty-years of service in Bank.

However, in case of dismissal, discharge, termination, compulsory retirement and resignation, additional retirement benefit shall not be payable irrespective of any number of years of service.

B-2.7 Pending settlement of the proposed wage revision effective from November 2012, an adhoc provision of Rs 1050 crores is held as at 31st March 2015 and during the year bank has made a provision of Rs 625 crores. Management is of the opinion that the said provision is adequate.

B-2.8 Disclosures

Principal Actuarial Assumptions [Expressed as Weighted Averages]

		योजना का स्वरूप TYPE OF PLAN			
		पेंशन PENSION	अवकाश नकदीकरण LEAVE ENCASHMENT	ग्रेच्युटी GRATUITY	अति.सेवा लाभ ARB
डिस्काउंट दर	Discount rate	8.00%	8.00%	8.00%	8.00%
वेतन वृद्धि दर	Salary Escalation Rate	6.00%	6.00%	6.00%	6.00%
ह्रास दर	Attrition Rate	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
योजनागत आस्तियों पर संभावित रिटर्न रेट	Expected Rate of Return on plan Assets	8.00%	-	8.00%	-

मृत्युदर : एलआईसीआई 1994-96 Mortality Rate : LICI 1994-96

नोटः भारतीय रिजर्व बैंक के पत्र दि. 24 मार्च 2014 के अनुसार बैंक में अधिवर्षिता योजनाओं के लिये प्रावधान किया है. प्रबंधन का विचार है की उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक के पत्र के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पर्याप्त प्रावधान किया है.

Note: The bank has provided for superannuation schemes as per the RBI letter dared March 24, 2014. The management is of the view that they have made adequate provision as per the RBI letter based on the actuarial valuation.

देयताओं के आरंभिक और अंतिम शेष का मिलान

Reconciliation of opening and closing balance of liability

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

		योजना का स्वरूप TYPE OF PLAN			
		पेंशन PENSION	अवकाश नकदीकरण LEAVE ENCASHMENT	ग्रेच्युटी GRATUITY	अति. सेवा लाभ ARB
क) 1/4/2014 को पीवीओ	a) PVO as at 01.04.2014	8259.48	735.69	1532.61	647.17
ख) जोड़ेंः ब्याज की लागत	b) Add- Interest Cost	636.08	54.77	113.63	49.14
ग) जोड़ेंः चालू सेवा लागत	c) Add- Current Service Cost	1081.57	142.85	80.49	2.90
घ) घटायेंः प्रदत्त लाभ	d) Less- Benefits Paid	617.01	102.25	224.51	65.97
ङ) जोड़ेंः दायित्वों पर बीमांकिक हानि/लाभ	e) Add- Actuarial loss/gain(-) on obligation	-410.46	-49.07	10.87	-263.37
घ) 31.03.2014 को पीवीओ	**f) PVO as at 31.03.2015**	**8949.66**	**781.97**	**1491.36**	**369.87**

नियोजित आस्तियों के समूचित मूल्य के प्रारंभिक एवं अंतिम शेष का मिलान / Reconciliation of opening & closing balance of fair value of plan assets

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

		योजना का स्वरूप TYPE OF PLAN	
		पेंशन PENSION	ग्रेच्युटी Gratuity
क) 01.04.2013 को योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	a) Fair Value of plan assets as on 01-04-2014	7628.52	1531.90
ख) जोड़ें: योजनागत आस्तियों पर संभावित रिटर्न	b) Add- Expected Return on Plan Assets	610.28	122.55
ग) जोड़ें: अंशदान	c) Add- Contributions	943.92	0.00
घ) घटायें: प्रदत्त लाभ	d) Less- Benefits Paid	617.01	224.51
ङ) जोड़ें: बीमांकिक लाभ / (-) हानि	e) Add- Actuarial gain/(-)loss	142.19	20.66
च) 31.03.2014 को योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	f) Fair Value of Plan Assets as on 31.03.2015	8707.91	1450.60

तुलन-पत्र में हिसाब में ली गई राशि / Amount recognized in the Balance Sheet

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

		योजना का स्वरूप TYPE OF PLAN			
		पेंशन PENSION	अवकाश नकदीकरण LEAVE ENCASHMENT	ग्रेच्युटी GRATUITY	अति. सेवा लाभ ARB
क) दायित्व का पीवी	a) PV of obligation	8949.66	-	1491.36	-
ख) योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	b) Fair value of plan assets	8707.91	-	1450.60	-
ग) अन्तर	c) Difference	-241.75	-	-40.76	-
घ) अनिर्धारित संक्रमणशील देयता	d) Unrecognised transitional liability	0.00	-	0.00	-
ङ) तुलनपत्र में मान्य देयता	e) Liability Recognised in the BS	-241.75	-	-40.75	-

लाभ-हानि खाते में हिसाब में ली गई राशि / Amount recognized in the P & L Account

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

		योजना का स्वरूप TYPE OF PLAN			
		पेंशन PENSION	अवकाश नकदीकरण LEAVE ENCASHMENT	ग्रेच्युटी GRATUITY	अति. सेवा लाभ ARB
क) चालू सेवा लागत	a) Current Service Cost	1081.57	142.85	80.49	2.90
ख) ब्याज लागत	b) Interest Cost	636.08	54.76	113.63	49.14
ग) योजनागत आस्ति पर संभावित रिटर्न	c) Expected Return on Plan Assets	610.28	0.00	122.55	0.00
घ) शुध्द बीमांकिक हानि/लाभ	d) Net Actuarial Loss/gain(-)	-552.66	-49.07	-31.53	-263.36
ङ) वर्ष के दौरान संक्रमणीय देयता	e) Transitional liability recognized in the year	365.98	0.00	0.00	0.00
लाभ हानि खाते में निर्धारित खर्च	**Expenses Recognised in P&L**	**920.69**	**148.54**	**40.04**	**-211.33**

अगली अवधि (2015-16) के लिए अपेक्षित अंशदान

Expected contribution for next period (2015-16)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	पेंशन / Pension	ग्रेच्युटी / Gratuity
संभावित अंशदान	Expected contribution	600.00	50.00

निवेश पैटर्न

Investment Pattern

(% में / in %)

विवरण	Particulars	पेंशन / Pension	ग्रेच्युटी / Gratuity
केन्द्रीय सरकार की प्रतिभूतियां	Central Govt. Securities	17.74	20.02
राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	State Government Securities	24.08	24.22
कार्पोरेट (पीएसयू)	Corporate (PSU)	18.08	21.58
कार्पोरेट (निजी)	Corporate (Private)	2.65	1.49
अन्य	Others	37.45	32.69
कुल	**Total**	**100.00**	**100.00**

ख-3. (ए.एस.-17) सेगमेंट रिपोर्टिंग :
भाग - क : कारोबार खंड

B-3 AS-17 Segment Reporting

Part A – Business Segments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

कारोबार खंड/ Business Segment		ट्रेजरी Treasury		कार्पोरेट/होलसेल बैंकिंग Corporate / Wholesale Banking		रिटेल बैंकिंग Retail Banking		अन्य बैंकिंग परिचालन Other Banking Operations		कुल Total	
विवरण Particulars		चालू वर्ष Current Yr	पिछला वर्ष Prev Year	चालू वर्ष Current Yr	पिछला वर्ष Prev Year	चालू वर्ष Current Yr	पिछला वर्ष Prev Year	चालू वर्ष Current Yr	पिछला वर्ष Prev Year	चालू वर्ष Current Yr	पिछला वर्ष Prev Year
राजस्व	Revenue	13905.38	12534.14	21465.60	19850.58	11932.16	10920.45	62.41	97.29	47365.55	43402.45
परिणाम	Result	3332.69	2256.24	936.42	2079.88	3005.45	2472.28	49.54	75.60	7324.10	6884.00
अनाबंटित खर्च	Unallocated Expense									1903.49	1386.68
परिचालनगत लाभ	Operating Profit									5420.61	5497.32
आयकर	Income taxes									2022.18	956.23
विशिष्ट लाभ/ हानि	Extra-ordinary Profit/loss									-	-
शुद्ध लाभ	Net Profit									3398.44	4541.08
अन्य सूचना	Other Information									-	-
सेगमेंट आस्तियां	Segment Assets	271523.93	247455.59	336363.41	317396.02	99581.41	87512.71	0.00	0.00	707468.75	652364.32
अनाबंटित आस्तियां	Unallocated Assets									7519.80	7140.22
कुल आस्तियां	Total Assets									714988.55	659504.53
सेगमेंट देयताएं	Segment Liabilities	256396.06	233953.24	317623.03	300077.40	94033.27	82737.61	0.00	0.00	668052.37	616768.25
अनाबंटित देयताएं	Unallocated Liabilities									7100.84	6750.61
कुल देयताएं	Total Liabilities									675153.20	623518.86
नियोजित पूंजी	Capital employed	15127.87	13502.34	18740.38	17318.62	5548.15	5548.15	0.00	0.00	39416.39	35596.07
अनाबंटित	Unallocated									418.96	389.60
कुल पूंजी	Total Capital									39835.35	35985.68

भाग - ख : भौगोलिक खंड :

Part B – Geographic Segments

(Rs in Crores)

सेगमेंट → विवरण ↓	Segments → Particulars ↓	घरेलू Domestic		अंतर्राष्ट्रीय International		कुल Total	
		चालू वर्ष Current Yr	पिछला वर्ष Prev. Yr	चालू वर्ष Current Yr	पिछला वर्ष Prev. Yr	चालू वर्ष Current Yr	पिछला वर्ष Prev. Yr
राजस्व	Revenue	41854.04	38421.82	5511.51	4980.63	47365.55	43402.45
आस्तियां	Assets	464871.39	427952.61	250117.16	231551.92	714988.55	659504.53

ख-4. संबंधित पार्टी प्रकटीकरण (एएस-18)

संबंधित पार्टियों के नाम एवं बैंक के साथ उनके संबंध

क) अनुषंगियां

i) बॉब कैपिटल मार्केट लिमिटेड
ii) बॉब कार्ड्स लिमिटेड
iii) नैनीताल बैंक लिमिटेड
iv) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (बोत्सवाना) लिमिटेड
v) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (केनिया) लिमिटेड
vi) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यूगांडा) लिमिटेड
vii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (गुयाना) आईएनसी.
viii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यूके) लिमिटेड
ix) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (तंजानिया) लिमिटेड
x) बड़ौदा कैपिटल मार्केट्स (यूगांडा) लिमिटेड (बैंक ऑफ बड़ौदा यूगांडा लिमिटेड की अनुषंगी)
xi) बॉब त्रिनिदाद व टोबागो लि.
xii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (घाना) लि.
xiii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (न्यूज़ीलैंड) लि.

(ख) सहयोगी इकाइयां

i) बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक
ii) बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
iii) बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक
iv) बड़ौदा पायोनियर एसेट मेनेजमेंट कं. लि.
v) इंडो जांबिया बैंक लिमिटेड
vi) बड़ौदा पायोनियर ट्रस्टी कं. प्रा. लि.

(ग) संयुक्त उपक्रम

i) इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्यूरेंस कं. लि.
ii) इंडिया इंटरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी.
iii) इंडिया इन्फ्राडेब्ट लि.

B-4 Related Party Disclosures (AS-18)

Names of the Related Parties and their relationship with the Bank:

(a) Subsidiaries

(i) BOB Capital Markets Limited
(ii) BOB Cards Limited
(iii) The Nainital Bank Limited
(iv) Bank of Baroda (Botswana) Limited
(v) Bank of Baroda (Kenya) Limited
(vi) Bank of Baroda (Uganda) Limited
(vii) Bank of Baroda (Guyana) Inc.
(viii) Bank of Baroda (UK) Limited
(ix) Bank of Baroda (Tanzania) Limited
(x) Baroda Capital Markets (Uganda) Limited. (Subsidiary of Bank of Baroda Uganda Ltd.)
(xi) BOB Trinidad & Tobago Ltd.
(xii) Bank of Baroda (Ghana) Ltd.
(xiii) Bank of Baroda (New Zealand) Ltd.

(b) Associates

(i) Baroda Uttar Pradesh Gramin Bank
(ii) Baroda Rajasthan Kshetriya Gramin Bank
(iii) Baroda Gujarat Gramin Bank
(iv) Baroda Pioneer Asset Management Company Limited
(v) Indo Zambia Bank Limited
(vi) Baroda Pioneer Trustee Company Private Limited

(c) Joint Ventures

(i) India First Life Insurance Company Limited
(ii) India International Bank (Malaysia) Bhd.
(iii) India Infradebt Limited

(घ) महत्वपूर्ण प्रबंधन कार्मिक

(d) **Key Management Personnel**

S.No	नाम Name	पदनाम Designation	पारिश्रमिक Remuneration चालू वर्ष Current Year ₹	पिछला वर्ष Previous Year ₹
1	श्री रंजन धवन Shri Ranjan Dhawan	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (26-2-2015 से) कार्यपालक निदेशक (25-2-2015 तक) Managing Director and CEO(w.e.f. 26-02-2015) Executive Director (upto 25-02-2015)	25,51,719.00	19,13,437.00
2	श्री सुभाष शिवरतन मूंदड़ा Shri S.S. Mundra	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (30-07-2014 तक) Chairman and Managing Director(upto 30-07-2014)	19,08,979.00	26,27,967.00
3	श्री श्रीनिवास पि. Shri P. Srinivas	कार्यपालक निदेशक (30-12-2014 तक) Executive Director (upto 30-12-2014)	19,61,198.00	20,10,521.00
4	श्री भुवन चंद्र जोशी Shri Bhuwanchandra B. Joshi	कार्यपालक निदेशक Executive Director	22,62,427.00	10,94,767.00
5	श्री के वेंकट राम मूर्ति Shri K Venkata Rama Moorthy	कार्यपालक निदेशक (10-03-2015 से प्रभावी) Executive Director (w.e.f. 10-03-2015)	95,487.00	--
6	श्री सुधीर कुमार जैन Shri Sudhir Kumar Jain	कार्यपालक निदेशक (07-07-2013 तक) Executive Director (upto 07-07-2013)	--	7,67,625.00

आईसीएआई द्वारा जारी संबंधित पार्टी प्रकटीकरण 18 के 9 के मेनजर अनुषंगियों एवं सहायक (एएस) बैंकों से संबंधित लेन-देनों का प्रकटीकरण नहीं किया गया है जिसमें अन्य सरकार नियंत्रित उद्यमों से संबंधित लेन-देनों से संबंधित प्रकटीकरण से छूट प्रदान की गयी है.

The transactions with the Subsidiaries and Associate Banks have not been disclosed in view of para 9 of the (AS) -18 Related Party Disclosures issued by ICAI, which exempts state controlled enterprises from making any disclosure pertaining to transactions with other related state controlled enterprises.

ख-5. एएस-20 प्रति शेयर आय

B-5 AS-20 Earning per Share

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
कर के बाद शुद्ध लाभ (₹. करोड़ में)	Net profit after tax (₹ in Crores)	3398.43	4541.08
शेयरों की संख्या (वेटेड)	Number of Shares (weighted)	2147251929	422888060
प्रति शेयर बुनियादी व डायल्यूटेड अर्जन	Basic & diluted earning per share	15.83	107.38
प्रति शेयर अंकित कीमत	Nominal value per share	Rs 2.00	Rs 10.00

शेयरों का निर्गमन दिनांक 31 मार्च 2015 को भारत सरकार को (शेयर आबंटन समिति के दिनांक 26 मार्च 2015 का संकल्प) किया गया.

Issue of shares has been made on 31st March, 2015 to Government of India. (Resolution dated 26th March 2015 of share allotment committee.)

ख-6. (एएस-22) आय पर करों का लेखांकन

बैंक ने आईसीएआई द्वारा जारी आय पर करों का लेखांकन पर एएस 22 की आवश्यकताओं को बैंक ने पूरा किया है तथा तद्नुसार आस्तियों एवं देयताओं का पुर्नमूल्यांकन @ 34.608% अर्थात वित्त बिल 2015 में किए गए प्रावधानों के अनुरुप किया है. 31 मार्च 2015 को आस्थगित कर देयता रु. 672.42 करोड़ है जिसमें निम्नलिखित का समावेश है:

B-6 AS-22 Accounting for Taxes on Income

The Bank has complied with the requirements of AS 22 on Accounting for Taxes on Income issued by ICAI and has accordingly revalued assets and liabilities @ 34.608% i.e. the rate as per enacted Finance Bill 2015. The net balance of deferred tax liability as on 31st March 2015 amounting to Rs 672.42 Crores consists of the following:

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	31.03.2015		31.03.2014	
		आस्ति Asset	देयता Liability	आस्ति Asset	देयता Liability
क. देशीय	**A. DOMESTIC**				
अचल आस्तियों पर आयकर अधिनियम के तहत बही मूल्यह्रास तथा मूल्यह्रास में अंतर	Difference between book depreciation and Depreciation under Income Tax Act on fixed assets	--	74.52	--	60.37
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के अन्तर्गत कटौती	Deduction under section 36 (1) (viii) of the Income-Tax Act, 1961	--	1528.01*	--	1128.91*

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	31.03.2015 आस्ति Asset	31.03.2015 देयता Liability	31.03.2014 आस्ति Asset	31.03.2014 देयता Liability
परिपक्वता के लिए धारित (एचटीएम) प्रतिभूतियों पर मूल्यहास	Depreciation on HTM Securities	--	96.14	--	92.73
आयकर अधिनियम की धारा 40 (ए) (आईए) के अन्तर्गत गैर अनुमत राशि	Amount disallowed U/S 40 (a) (ia) of the IT Act	3.11	--	3.20	--
अवकाश नकदीकरण के लिए प्रावधान	Provision for leave encashment	254.61	--	250.06	--
संदिग्ध ऋणों तथा अग्रिमों (विदेशी) के लिए प्रावधान	Provision for doubtful debts and advances	763.60	--	236.89	--
जोड़	Total:	1021.32	1698.67	490.17	1282.01
शुद्ध आस्थगित कर आस्तियां/ (देयताएं)	Net Deferred Tax Assets /(Liability) (A)		(677.35)		(791.84)
ख. वैश्विक	**B. GLOBAL**				
स्थायी आस्तियों पर बही मूल्य ह्रास एवं आयकर अधिनियम के तहत मूल्य ह्रास के बीच का अंतर.	Difference between book depreciation and Depreciation under Income Tax Act on fixed assets	3.80	74.52	--	60.37
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36(1)(viii) के तहत कटौती.	Deduction under section 36 (1) (viii) of the Income-Tax Act, 1961	--	1528.01*	--	1128.91*
एचटीएम प्रतिभूतियों पर मूल्यहास	Depreciation on HTM Securities	--	96.14	--	92.73
आयकर अधिनियम की धारा 40 (क) (iक) के तहत अस्वीकृत राशि.	Amount disallowed U/S 40 (a) (ia) of the IT Act	3.11	--	3.20	--
छुट्टी नकदीकरण हेतु प्रावधान.	Provision for leave encashment	254.61	--	250.06	--
संदिग्ध ऋणों एवं अग्रिमों के लिए प्रावधान.	Provision for doubtful debts and advances	764.73	--	236.89	--
कुलः	Total:	1026.25	1698.67	490.17	1282.01
शुद्ध आस्थगित कर आस्तियां/ देयताएं.	Net Deferred Tax Assets /(Liability) (A)		(672.42)		(791.84)

* पूर्व आरक्षित निधियों में से ₹818.90 करोड़ तथा शेष राशि लाभ में से.

* Rs 818.90 crores out of past reserves and balance out of profit.

ख-7. एएस-24 परिचालन बंद करना

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान बैंक ने अपनी किसी भी शाखा को बंद करने संबंधी कार्यवाही नहीं की है, जिससे कि देयताओं को कम करके आस्तियों की वसूली की जा सके और संपूर्ण बैंक स्तर पर अपने परिचालन में किसी कार्यवाही की समाप्ति, जिससे उपरोक्त प्रभाव पड़े, संबंधी निर्णय नहीं लिया गया है.

B-7 AS-24 Discontinuing operations

During the financial year 2014-15 the Bank has not discontinued the operations of any of its branches, which resulted in shedding of liability and realization of the assets and no decision has been finalized to discontinue an operation in its entirety, which will have the above effect.

ख-8. एएस-28 आस्तियों का अनर्जक बनना

लेखा मानक-28 "आस्तियों का इंपेयरमेंट" के खंड 5 से खंड 13 – के अंतर्गत कोई महत्वपूर्ण उल्लेख न होने के फलस्वरूप चालू वित्तीय वर्ष में अचल संपत्ति का कोई भी इंपेयरमेंट जरूरी नहीं है.

B-8 AS-28 Impairment of Assets

In view of the absence of indication of material impairment within the meaning of clause 5 to clause 13 of AS 28 Impairment of Assets, no impairment of fixed assets is required in respect of current financial year.

ख-9. एएस-29 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं तथा आकस्मिक आस्तियां

ख-9.1 देयताओं के लिए प्रावधानों का संचलन (अन्य के लिए प्रावधानों को छोड़कर)

B-9 AS-29 Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets

B-9.1 Movement of provisions for Liabilities (excluding provisions for others)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण विधिक मामले/आकस्मिकताएं	Particulars Legal Cases / contingencies	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1 अप्रैल 2014 को शेष	Balance as on 1st April 2014	47.82	44.51
वर्ष के दौरान प्रावधान	Provided during the year	-17.41	3.31
31 मार्च 2015 को शेष	Balance as on 31st March 2015	30.41	47.82
आउटफ्लो/अनिश्चितताओं का समय	Timing of outflow / uncertainties	निवारन/क्रिस्टलाइजेशन का आउटफ्लो Outflow on settlement/crystallization	

बैंक की पॉलिसी के अनुसार ऐसे ऋणों हेतु जिन्हे दावो के रुप में स्वीकार नहीं किया है, उनके लिए प्रावधान किया गया है.

As per the policy of the Bank, provision for the claims not been acknowledged as debt, has been provided for.

ख-9.2 आकस्मिक देयताएं

तुलनपत्र के शेडयूल 12 के क्र.सं.(I) से (VI) में उद्धृत ऐसी देयताएं क्रमशः मांगी गई राशि, संविदा देयता शर्तें सम्बद्ध पार्टियों की मांग अदालत के निर्णय, पंच फैसले, अदालत के बाह्य निस्तारण, अपील का निपटारा पर निर्भर करती हैं. ऐसे मामलों में कोई प्रतिपूर्ति अपेक्षित नहीं है.

ग. लेखों पर अन्य टिप्पणियां

ग-1. बहियों का मिलान एवं समाधान

अंतर कार्यालय समायोजन के अंतर्गत लेखों के विभिन्न शीर्षों में नामे एवं जमा की बकाया प्रविष्टियों के प्रारंभिक मिलान का कार्य समाधान के प्रयोजन हेतु 31.03.2015 तक कर लिया गया है. इसमें उचित समाधान का कार्य प्रगति पर है.

ग-2. पूंजी

क वर्ष के दौरान, बैंक ने अंकित मूल्य घटा दिये / वर्तमान इक्विटी शेयरों का उपविभाजन किया. रु. 10/- के प्रत्येक इक्विटी शेयर को पूर्ण प्रदत्त रु. 2/- के पांच शेयरों को विभाजित किया गया.

ख वर्ष के दौरान बैंक ने 64420471 शेयर अंकित मूल्य रु. 2/- प्रत्येक को रु. 193.59/- प्रति शेयर प्रीमियम पर भारत सरकार को (कुल निर्गम मूल्य रु. 195.59/-) सेबी विनियम 76(1) के अधिमान आधार पर पूंजी निर्गम और घोषणा आवश्यकताओं के अनुरूप जारी किए गए. इस खाते में बैंक द्वारा कुल राशि रु. 1260/- करोड़ प्राप्त हुई. इस आशय का प्रस्ताव दिनांक 26 मार्च 2015 को असाध सामान्य बैठक में विधिवत पारित किया गया.

ग वर्ष के दौरान बैंक ने टीयर-1 पूंजी 9.48% अप्रतिभूतित, नॉन कनवर्टीवल कर योग्य, दीर्घावधि, बासेल III अनुपालनीय अतिरिक्त टीयर-1 रु. 1000/- करोड़ के बांड के माध्यम से पूंजी जुटाई गई.

ग-3. पूंजीगत प्रारक्षित निधि

पूंजीगत प्रारक्षित निधि में अचल संपत्तियों के पुनर्मूल्यांकन के फलस्वरूप होने वाली मूल्यवृद्धि तथा लघु / मध्यम उद्योगों के लिए निर्यात विकास परियोजनाओं हेतु विश्व बैंक की योजनाओं के अंतर्गत भारत सरकार की अंशदान राशि शामिल है.

ग-4. निवेश

ग-4.1 भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार वर्ष के दौरान बैंक ने ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' श्रेणी में विद्यमान सरकारी प्रतिभूतियों (एसएलआर) के एक भाग को ''परिपक्वता तक धारित'' श्रेणी में अंतरित कर दिया है. ₹ 10.79 करोड़ (गत वर्ष 18.97 करोड़ रुपए) के परिणामी मूल्यह्रास को लाभ एवं हानि लेखे में प्रभारित कर दिया गया है.

ग-4.2 वेंचर कैपिटल फंड की युनिटो की बिक्री पर ''परिपक्वता तक धारित'' श्रेणी के तहत रखे गये निवेशों की बिक्री से प्राप्त लाभ राशि ₹ 218.56 करोड़ को आरंभ में लाभ हानि खाते में जमा किया गया और उसके बाद कर पश्चात ₹ 108.20 करोड़ को पूंजीगत प्रारक्षित निधि में समायोजित किया गया.

ग-4.3 एफसीएनआर- आरबीआई के साथ स्वैप

भारतीय रिज़र्व बैंक ने नयी एफसीएन (बी) जमाराशियां जो किसी भी अनुमत मुद्रा में संग्रहित की गयी हो उन्हें तीन वर्षों या उससे अधिक अवधि के लिए यूएस डॉलर-रुपए में रियायती दरों पर बदलने की प्रारंभ की है.

बैंक ने संग्रहीत यूएस डॉलर 1710 मिलियन भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ सगामी अवधि के लिए स्वैप किया. चूंकि आरबीआई के साथ स्वैप वर्तमान 3.5% प्रतिशत तत्समय प्रवर्तमान दर 8% पर किया गया. इसके परिणाम स्वरुप लाभ का प्रथम वर्ष और परिपक्वता तारीख पर प्रतिकूल हो सकता है. इस निहित प्रतिकूलता से बचाव एवं भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्धारणों के अनुसार हमने स्वैप प्वाइंटस के अमोरटाइज़ेशन की पद्धति को स्वैप की पूरी अवधि के दौरान करने का निर्णय लिया है.

B-9.2 Contingent Liabilities

Such liabilities as mentioned at Serial No (I) to (VI) of Schedule 12 of Balance Sheet are dependent upon the outcome of court judgement / arbitration awards / out of court settlement/disposal of appeals, the amount being called up, terms of contractual obligations, development and raising of demand by concerned parties respectively. No reimbursement is expected in such cases.

C. Other Notes to Accounts

C-1 Balancing of Books and Reconciliation

Initial matching of debit and credit outstanding entries in various heads of accounts included in Inter office Adjustments has been completed upto 31.03.2015, the reconciliation of which is in progress.

C-2 Capital

a) During the year, the Bank reduced face value /sub division of ONE existing equity share of the Bank of Rs 10/- each fully paid up into FIVE equity shares of Rs 2/- each fully paid up.

b) During the year, the Bank has allotted 64420471 equity shares of Rs 2/- each at a cash premium of Rs 193.59 per share (total issue price of Rs 195.59 per share) to Government of India as determined by the Board in accordance with regulation 76 (1) of SEBI Issue of Capital and Disclosures Requirements Regulation on preferential basis. The total amount of capital received by the Bank on this account is Rs 1260.00 Crores. The resolution in this regard was duly passed in Extra Ordinary General Meeting held on 26th March 2015.

c) During the year, the Bank has also raised tier 1 capital via 9.48% Unsecured, Non-convertible, taxable, perpetual, Basel-III compliant, additional Tier-1 bond of Rs 1000 crores.

C-3 Capital Reserves

Capital Reserve includes appreciation arising on revaluation of immovable properties and amount subscribed by Government of India under the World Bank's Scheme for Export Development Projects for small / medium scale industries.

C-4 Investments

C-4.1 In terms of RBI Guidelines, the bank has transferred a portion of Government Securities (SLR) kept in "Available for Sale" category to "Held to Maturity" category during the year. The resultant depreciation of Rs 10.79 Crores (previous year Rs 18.97 Crores) has been charged to the Profit & Loss Account.

C-4.2 Profit on sale of investments held under "Held to maturity" category amounting to Rs 218.56 Crores, which has been to profit and loss account initially and thereafter an amount of Rs 108.20 crores net of tax & transfer to statutory reserve has been appropriated to the capital reserve.

C-4.3 FCNR (B) Swap with RBI

RBI introduced a US Dollar-Rupee concessional swap window for fresh FCNR(B) funds mobilized in any permitted currency for a minimum tenor of three years and above.

Bank has swapped USD 1710 Million mobilized with RBI for the corresponding tenor. As the Swaps done with RBI were at 3.5 % against then prevailing interest rate of 8 %, there would have been a distortion in profits on the first year as well as on maturity date. To avoid this inherent distortion, and as prescribed by RBI, we have adopted the method of amortization of swap points to even out expenses throughout the tenor of swaps.

विवरण	Particulars	31.03.2015	31.03.2014
प्रारंभिक शेष	Opening Balance	148.35	NIL
जोड़ें- अवधि के दौरान अमोरटाइज्ड	Add: Amortized during the period	389.76	148.35
कुल	Total	538.11	148.35

ग-5. करों के लिए प्रावधान

ग-5.1 करों हेतु प्रावधान, अपीलीय प्राधिकारियों के निर्णयों को ध्यान में रखते हुए व अधिवक्ता के परामर्श से किया गया है.

ग-5.2. ''अन्य आस्तियां'' शीर्षक के अंतर्गत दर्शायी अग्रिम कर अदायगी स्रोत पर कर की कटौती राशि में विवादास्पद कर मांगों के संबंध में बैंक द्वारा भुगतान की गई / विभाग द्वारा समायोजित राशि ₹ 5555.52 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 4826.09 करोड़) शामिल है. आयकर की विवादास्पद मांगों के लिए न्यायिक निर्णयों और / या कानूनी परामर्श अधिकारी की राय को ध्यान में रखते हुए इस मद के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है. कर निर्धारण अधिकारी द्वारा किये गये परिवर्तन / मनाही बनाये रखने लायक नहीं है.

ग-5.3 बैंक ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36(1)(viii) के अंतर्गत पात्र व्यवसाय के संबंध में, जो उक्त धारा मे विनिर्दिष्ट है, कटौती हेतु दावा किया है. तदनुसार वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान ₹ 1093.90 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 912.06 करोड़) विशेष प्रारक्षित निधि खाते में अन्तरित कर दिए है. तथा इसे अन्य प्रारक्षित निधि के अंतर्गत रिपोर्ट किया गया है.

ग.5.4 कर खर्चों में पिछले वर्षों से संबंधित दुबई टैक्स प्राधिकरियों द्वारा लगाई गई 374.86 करोड़ की राशि शामिल है. इससे अतिरिक्त रु. 38.44 करोड़ की दण्ड राशि भी टैक्स प्राधिकारियों द्वारा प्रभारित की गयी थी. उसे अन्य परिचालन खर्चों में शामिल किया गा है.

ग-6. परिसर

ग-6.1 बैंक की कुल ₹ 43.54 करोड़ (मूल लागत) - (पिछले वर्ष ₹ 65.30 करोड़) की कुछ संपत्तियों के संबंध में हस्तांतरण विलेख का निष्पादन होना बाकी है.

ग-6.2 बैंक की कुछ संपत्तियों की पुनर्मूल्यांकित राशि का उल्लेख किया गया है. वर्ष के अंत में परिसर शीर्ष के अंतर्गत कुल ₹ 1,773.77 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 1,782.73 करोड़), विदेशी कार्यालयों को ₹ 32.85 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 35.85 करोड़) की राशि सहित पुनर्मूल्यांकित राशि को शामिल किया गया हैं. शुद्ध मूल्यह्रास के संबंध में पुनर्मूल्यांकित राशि ₹ 987.30 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 1,052.61 करोड़) हैं.

ग-6.3 परिसर के अंतर्गत निर्माणाधीन / कब्जे में ली जानेवाली ₹ 28.78 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 154.58 करोड़) की संपत्तियां शामिल हैं.

ग-7. बॉब फिसकल सर्विसेज लिमिटेड (बॉब एफएसएल), पूर्व में पूर्ण रूप से बैंक ऑफ़ बड़ौदा की अनुषंगी द्वारा 24.09.1990 को कंपनी को स्वैच्छिक रूप से समाप्त करने का विशेष संकल्प पारित किया गया और उसके लिए एक परिसमापक की नियुक्ति कर दी गयी.

बॉब फिसकल सर्विसेज लिमिटेड ने बैंक ऑफ़ बड़ौदा के साथ एक समझौता किया जिसके तहत दिनांक 28.02.1991 से बॉब एफएसएल की संपूर्ण आस्तियां एवं देयताएं उसके पूर्ण व्यवसाय के समापन के फलस्वरूप एक गोइंग कंसर्न/ बिक्री के रूप में बैंक ऑफ़ बड़ौदा को स्थानांतरित कर दिए गए. चूंकि कंपनी विचाराधीन कानूनी मामले के कारण पूर्ण रूप से परिसमाप्त नहीं की जा सकती थी अतः दिनांक 30 मार्च 2007 को बॉब एफएसएल की वार्षिक सामान्य बैठक में बॉब एफएसएल को बैंक ऑफ़ बड़ौदा में शामिल करने का निर्णय लिया गया. निदेशक मंडल द्वारा बैंक ऑफ़ बड़ौदा के साथ मैसर्स बॉब फिसकल सर्विसेस लि. के समामेलन को बैंक की दिनांक 28.01.2009 को आयोजित बेठक में अनुमोदित किया गया और उच्च न्यायालय के सम्मुख बॉब के साथ बॉब एफएसएल समामेलन हेतु आवश्यक याचिका दर्ज करने के लिए प्रबंधन को प्राधिकृत किया.

ग-8 बैंक ने सिक्योरड सब स्टेंडर्ड अग्रिमों के लिए 15% की विनियामक अपेक्षाओं की तुलना में @20% की दर से प्रावधान किया है. तथापि अरक्षित अवमानक (सब स्टैंडर्ड) अग्रिमों के लिए बैंक ने विनियामक अपेक्षाओं के अनुरुप @25% की दर से प्रावधान किया है.

ग-9 मौजूदा अवधि/वर्ष के वर्गीकरण के तदनुरूप, जहां कहीं आवश्यकता है, पिछली अवधि/वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहीकृत/पुनःव्यवस्थित किया गया है.

C-5 Provision for Taxes

C-5.1 Provision for Taxes has been arrived at after due consideration of decisions of the appellate authorities and advice of counsels.

C-5.2 Tax paid in advance /tax deducted at source appearing under “Other Assets” amounting to Rs 5555.52 Crores (previous year Rs 4826.09 Crores) represents amount adjusted by the Department / paid by the Bank in respect of disputed tax demands for various assessment years. No provision is considered necessary in respect of the said demands, as in the bank’s view, duly supported by counsels opinion and / or judicial pronouncements, additions / disallowances made by the Assessing Officer are not sustainable.

C-5.3 The Bank has claimed deduction under section 36(1) (viii) of the Income-tax Act,1961 in respect of the eligible business as specified in the said section and has accordingly transferred a sum of Rs 1093.90 Crores (previous year Rs 912.06 crores) to the corresponding Special Reserve account during the financial year 2014-15 and reported under Other Reserve.

C-5.4 Tax expenses include an amount of Rs. 374.86 Crores levied by Dubai Income Tax Authorities, pertaining to earlier years. In addition, penalty of Rs. 38.44 Crores was also levied by the tax authority, which is included in other operating expenses.

C-6 Premises

C-6.1 Execution of conveyance deeds is pending in respect of certain properties amounting to Rs 43.54 Crores (Previous Year Rs 65.30 Crores) – (Original Cost).

C-6.2 Certain properties of the Bank are stated at revalued amounts. The gross amount of revaluation included in cost of premises as at end of the year is Rs 1773.77 Crores (previous year Rs 1,782.73 crores) including Rs 32.85 Crores at overseas offices (previous year Rs 35.85 crores). The revalued amount net of depreciation is Rs 987.30 crores (Previous Year Rs 1,052.61 Crores).

C-6.3 Premises include assets under construction/acquisition amounting to Rs 28.78 Crores (Previous Year Rs 154.58 Crores).

C-7 BOB Fiscal Services Limited (BOBFSL), erstwhile wholly owned subsidiary of Bank of Baroda (BOB), had passed a special resolution for voluntary winding up of the Company on 24.09.1990 and the Liquidator was appointed for the same.

BOBFSL had entered into an agreement with BOB pursuant to which entire assets and liabilities of BOBFSL were transferred to BOB as a going concern / as sale in liquidation of the entire business w.e.f. 28.2.1991. As the Company could not be liquidated due to pending legal cases, a decision to merge BOBFSL with BOB was taken in the Annual General Meeting of BOBFSL held on 30th March 2007.

The Board of Directors of BOB has approved the merger of BOBFSL with BOB in its Board meeting on 28.01.2009 and authorized the Management to file necessary petition for merger of BOBFSL with BOB before the Bombay High Court.

C-8 The Bank has made provision @ 20% on the Secured Sub-standard Advance as against the Regulatory requirement of 15%. However on unsecured sub standard advances, the bank has made provision @ 25% as per regulatory requirement.

C-9 Figures of previous year have been regrouped/ rearranged wherever considered necessary to conform to current year’s presentation.

31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरण
Statement of Cash Flow for the year ended 31st March, 2015

(₹ in 000's अनंकित omitted)

		31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष Year ended 31.03.2015	31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष Year ended 31.03.2014
क. परिचालन कार्यकलापों से नकदी प्रवाह :	A. Cash flow from operating activities:		
कर से पूर्व शुद्ध लाभ	**Net Profit before taxes**	**5420,61,02**	**5497,31,47**
निम्नलिखित के लिए समायोजन :	Adjustments for:		
अचल आस्तियों पर मूल्यह्रास	Depreciation on fixed assets	340,39,49	345,02,53
निवेशों पर मूल्यह्रास (परिपक्व ऋणपत्रों सहित)	Depreciation on investments (including on Matured debentures)	(149,35,85)	198,59,41
बट्टे खाते डाले गए अशोध्य ऋण / गैर निष्पादक आस्तियों के लिए प्रावधान	Bad debts written-off/Provision in respect of non-performing assets	3997,08,22	2967,72,29
मानक आस्तियों के लिए प्रावधान	Provision for Standard Assets	548,12,48	535,04,42
अन्य मदों के लिए प्रावधान (निवल)	Provision for Other items (Net)	98,64,19	92,34,89
अचल आस्तियों की बिक्री से लाभ/(हानि) (निवल)	Profit/(loss) on sale of fixed assets (Net)	4,06	(19,07)
गौण ऋणों पर ब्याज हेतु भुगतान/प्रावधान, (अलग से लिया गया)	Payment/provision for interest on subordinated debt (treated separately)	1154,16,91	1001,58,88
अनुषंगी इकाइयों/अन्य से प्राप्त लाभांश (अलग से लिया गया)	Dividend received from subsidiaries/ others (treated separately)	(36,97,70)	(40,73,73)
उप-जोड़	**Sub total**	**11372,72,82**	**10596,71,09**
निम्नलिखित के लिए समायोजन :	Adjustments for:		
निवेशों में (वृद्धि) /कमी	(Increase)/Decrease in investments	(6021,45,70)	5122,42,17
अग्रिमों में (वृद्धि) /कमी	(Increase)/Decrease in advances	(35056,41,03)	(71787,76,88)
अन्य आस्तियों में (वृद्धि) /कमी	(increase)/Decrease in other assets	127,76,80	(1618,52,46)
उधार राशियों में वृद्धि /(कमी)	Increase/(Decrease)in borrowings	(2520,08,94)	3571,13,80
जमा राशियों में वृद्धि / (कमी)	Increase/(Decrease) in deposits	48665,13,48	95011,05,10
अन्य देयताओं तथा प्रावधानों में वृद्धि /(कमी)	Increase/(Decrease) in other liabilities and provisions	4204,98,31	2529,15,05
प्रदत्त प्रत्यक्ष कर (रिफंड की निवल राशि)	Direct taxes paid (Net of Refund)	(2751,60,74)	(2407,80,27)
परिचालन कार्यकलापों से शुद्ध नकदी (क)	**Net cash from operating activities (A)**	**18021,05,00**	**41016,37,60**

(₹ in 000's अनंकित omitted)

				31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष Year ended 31.03.2015	31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष Year ended 31.03.2014
ख.	निवेश संबंधी कार्यकलापों से नकदी प्रवाह	B.	Cash flow from investing activities:		
	अचल आस्तियों की खरीद / अंतरण		Purchase/ Transfer in of fixed assets	(607,75,71)	(726,78,39)
	अचल आस्तियों की बिक्री / अंतरण		Sales/ Transfer out of fixed assets	67,65,60	37,29,62
	व्यापार संबंधी निवेशों में परिवर्तन (अनुषंगी एवं अन्य)		Changes in Trade related investments (Subsidiaries & others)	(36,24,27)	(39,95,28)
	अनुषंगी इकाइयों/अन्यों से प्राप्त लाभांश		Dividend received from subsidiaries/ others	36,97,70	40,73,73
	निवेश संबंधी कार्यकलापों से शुद्ध नकदी (ख)		**Net cash used in investing activities (B)**	**(539,36,68)**	**(688,70,32)**
ग.	वित्तपोषण संबंधी गतिविधियों से नकदी प्रवाह :	C.	Cash flow from financing activities:		
	शेयर पूँजी		Share Capital	12,88,41	8,15,88
	शेयर प्रीमियम		Share premium	1247,11,59	541,84,12
	गैर जमानती गौण बांड		Unsecured Subordinated Bonds	971,40,10	6662,54,90
	लाभांश कर सहित प्रदत्त लाभांश		Dividend paid including dividend tax	(1083,67,67)	(1059,62,50)
	गैर जमानती गौण बांडों पर प्रदत्त / देय ब्याज		Interest paid / payable on unsecured subordinated bonds	(1154,16,91)	(1001,58,88)
	वित्तपोषण गतिविधियों से शुद्ध नकदी (ग)		**Net cash from financing activities (C)**	**(6,44,48)**	**5151,33,52**
	नकदी एवं नकदी समतुल्य में शुद्ध वृद्धि (क)+(ख)+(ग)		**Net increase in cash & cash equivalents (A)+(B)+(C)**	**17475,23,84**	**45479,00,80**
	वर्ष के प्रारंभ में नकदी व नकदी समतुल्य		Cash and cash equivalents as at the beginning of the year	130877,91,23	85398,90,43
	वर्ष के अंत में नकदी व नकदी समतुल्य		Cash and cash equivalents as at the end of the year	148353,15,07	130877,91,23
	टिप्पणी:	**Notes:**			
1.	नकदी तथा नकदी समतुल्य में हाथ में नकदी, भारतीय रिज़र्व बैंक एवं अन्य बैंक के पास बैलेन्स और मांग एवं अल्प सूचना पर धन समाविष्ट है.	1.	Cash & Cash equivalents includes Cash on hand, Balance with RBI & Other banks and Money at call and Short Notice.		
2.	नकदी तथा नकदी समतुल्य के घटक	2.	**Components of Cash & Cash Equivalents**	As on 31st March 2015	As on 31st March 2014
	नकदी एवं भारतीय रिज़र्व बैंक के पास बैलेंस		Cash & Balance with RBI	224885970	18629,09,39
	बैंकों के पास बैलेंस और मांग एवं अल्प सूचना पर धन		Balances with Banks and Money at Call and Short Notice	1258645537	112248,81,84
	कुल		**Total**	**1483531507**	**130877,91,23**

वित्तीय विवरणियों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
Auditors' Report on the Financial Statements

सेवा में,

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के शेयरधारक

वित्तीय विवरणियों पर रीपोर्ट

1. हमने बैंक ऑफ़ बड़ौदा की 31 मार्च 2015 की वित्तीय विवरणियां जिनमें 31 मार्च 2015 का तुलन-पत्र तथा उसके साथ संलग्न उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के लाभ-हानि लेखे नकद प्रवाह विवरण और उल्लेखनीय लेखांकन नीतियों का सारांश शामिल है, की लेखा परीक्षा की है जिसमें हमारे द्वारा लेखा-परीक्षित 20 शाखाएं, तथा एक विशिष्ट एकीकृत ट्रेजरी शाखा लेखा-परीक्षकों द्वारा लेखा-परीक्षित 2282 शाखाएं और स्थानीय लेखा-परीक्षकों द्वारा लेखा- परीक्षित 49 विदेशी शाखाओं की विवरणियां शामिल हैं. हमारे द्वारा और अन्य लेखा-परीक्षकों द्वारा लेखा-परीक्षा की गई शाखाओं का चुनाव बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार किया है. तुलन पत्र तथा लाभ-हानि खाते म 2887 शाखाओं की विवरणियां भी शामिल की गई हैं, जिनकी लेखा-परीक्षा नहीं की गयी है. ये अ-लेखापरीक्षित शाखाएं 5.15 प्रतिशत अग्रिम, 12.22 प्रतिशत जमाराशियां, 4.31 प्रतिशत ब्याज-आय और 14.59 प्रतिशत ब्याज-व्यय से संबंधित है.

वित्तीय विवरणियों के लिए प्रबंधन का दायित्व

2. बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय समय पर जारी दिशा निर्देशों तथा भारत में स्वीकार्य सामान्य लेखा परीक्षा मानदण्डों के अनुरूप इन वित्तीय विवरणियों को तैयार करने के लिए प्रबंधन जिम्मेदार है. इस दायित्व में वित्तीय विवरणियों को तैयार करने हेतु आंतरिक नियंत्रण, कार्यान्वयन एवं रूपरेखा सम्मिलित है और इनमें, जालसाजी या भूल की वजह से कोई उल्लेखनीय गलती नहीं है.

लेखा परीक्षकों का दायित्व

3. हमारा दायित्व अपनी लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणियों पर अपनी राय व्यक्त करना है. हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार लेखा परीक्षा की है. इन मानकों की अपेक्षा है कि हम नैतिकता का निर्वाह करते हुए लेखा परीक्षा कार्य सुनियोजित एवं सुव्यवस्थित रूप में इस प्रकार सम्पन्न करें कि हमें यह तार्किक आश्वासन मिले कि ये वित्तीय विवरणियां किसी भी प्रकार की उल्लेखनीय / प्रमुख गलतियों से मुक्त है.
4. लेखा परीक्षा में राशियों के साक्ष्यों एवं प्रकटीकरण की जांच हेतु वित्तीय विवरणियों में दी गई निष्पादन प्रक्रिया के अनुरूप कार्यवाही शामिल है. चयनित प्रक्रिया (विधि) लेखा परीक्षक के विवेक पर निर्भर है, इसमें वित्तीय विवरणियों में उल्लेखनीय गलतियों के जोखिम भले ही वह जालसाजी या भूल की वजह से हों, का मूल्यांकन / आकलन करना शामिल है. इन जोखिमों का मूल्यांकन करते समय लेखा परीक्षक इन वित्तीय विवरणियों की उपयुक्त प्रस्तुति हेतु इकाई के सम्बद्ध आंतरिक नियंत्रणों का अवलोकन करता है लेकिन संस्था के आंतरिक नियंत्रण की सार्थकता पर राय देने के लिए नहीं, ताकि परिस्थिति अनुसार उपयुक्त लेखा परीक्षा प्रक्रिया निर्धारित की जा सके. लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमान तथा प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन और वित्तीय विवरणियों की समग्र प्रस्तुति का आकलन सम्मिलित है.
5. हमारा विश्वास है कि हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किया हैं, वह हमारी लेखा परीक्षा राय प्रस्तुत करने के लिए उपयुक्त एवं पर्याप्त हैं.
6. **राय**

   हमारी राय में, बैंक की बहियों में दर्शाए गए अनुसार तथा हमारी अधिकतम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार :

   i नोट के साथ पठित यह तुलन-पत्र पूर्ण और सही है, जिसमें आवश्यक विवरण दिए गए हैं और इसे यथोचित ढंग से बनाया गया हैं, जिससे

To,

The Shareholders of Bank of Baroda

Report on the Financial Statements

1. We have audited the accompanying financial statements of Bank of Baroda as on 31st March, 2015, which comprise the Balance Sheet as on 31st March, 2015, and Profit and Loss Account and the Cash Flow Statement for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information. Incorporated in these financial statements are the returns of 20 branches and one Specialized Integrated Treasury Branch audited by us, 2282 branches audited by statutory branch auditors and 49 foreign branches audited by local auditors in respective countries. The branches audited by us and those audited by other auditors have been selected by the Bank in accordance with the guidelines issued to the Bank by the Reserve Bank of India. Also incorporated in the Balance Sheet and the Profit and Loss Account are the returns from 2887 branches which have not been subjected to audit. These unaudited branches account for 5.15 per cent of advances, 12.22 per cent of deposits, 4.31 per cent of interest income and 14.59 per cent of interest expenses.

Management's Responsibility for the Financial Statements

2. Management is responsible for the preparation of these financial statements in accordance with the Banking Regulation Act 1949, Reserve Bank of India guidelines from time to time and accounting standards generally accepted in India. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation of the financial statements that are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility

3. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements.
4. An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal control relevant to the entity's preparation and fair presentation of the financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on effectiveness of the entity's internal control. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.
5. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.
6. **Opinion**

   In our opinion, as shown by books of bank and to the best of our information and according to the explanations given to us:

   i. The Balance sheet, read with the notes thereon is a full and fair Balance Sheet containing all the necessary particulars,

कि, भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के समरूप नोट के साथ पठित बैंक के 31 मार्च, 2015 के क्रियाकलापों का सही एवं यथायोग्य चित्र सामने आ सके.

ii लाभ-हानि लेखा, दी गई टिप्पणियों के साथ पठित भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के समरूप तथा खाते के वर्ष के लिए बैंक के सही लाभ शेष को दर्शाता है; तथा

iii नकदी प्रवाह-विवरण उस तारीख को समाप्त वर्ष के दौरान नकदी प्रवाह का सही एवं स्पष्ट विवरण प्रस्तुत करता है.

अन्य विधिक एवं नियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

7. तुलन-पत्र और लाभ-हानि लेखा, बैंककारी कंपनी अधिनियम, 1949 की तृतीय अनुसूची के क्रमशः फार्म 'ए' और 'बी' में बनाए गए हैं.

8. उपरोक्त अनुच्छेद 1 से 5 में वर्णित लेखा परीक्षा सीमाओं और बैंककारी (कंपनी उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) 1970/1980 और इनके अन्तर्गत प्रकटीकरण की सीमाओं के अध्यधीन, हम सूचित करते हैं कि :

क. हमने अपने अधिकतम ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार लेखा-परीक्षा हेतु आवश्यक सभी जानकारी तथा स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं तथा उन्हें संतोषजनक पाया है.

ख. बैंक के संव्यवहारों की जो जानकारी हमारे सामने आयी है, वे बैंक के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत ही हैं.

ग. बैंक के कार्यालयों और शाखाओं से प्राप्त विवरणियां लेखा-परीक्षा हेतु सामान्यतः पर्याप्त पायी गयीं.

9. हमारी राय में तुलन पत्र, लाभ/हानि लेखा और नकदी प्रवाह विवरणी मान्य लेखा मानकों के अनुरूप है.

is properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of state of affairs of the Bank as on 31st March, 2015 in conformity with accounting principles generally accepted in India;

ii. The Profit and Loss Account, read with the notes thereon shows a true balance of profit, in conformity with accounting principles generally accepted in India, for the year covered by the account; and

iii. The Cash Flow Statement gives a true and fair view of the cash flows for the year ended on that date.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

7. The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn up in Forms “A” and “B” respectively of the Third Schedule to the Banking Regulation Act, 1949.

8. Subject to the limitations of the audit indicated in paragraph 1 to 5 above and as required by the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 / 1980 and subject also to the limitations of disclosure required therein, we report that;

a. We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purposes of our audit and have found them to be satisfactory;

b. The transactions of the Bank, which have come to our notice have been within the powers of the Bank;

c. The returns received from the offices and branches of the Bank have been found adequate for the purposes of our audit;

9. In our opinion, the Balance Sheet, Profit and Loss Account and Cash Flow Statement comply with the applicable accounting standards.

कृते खंडेलवाल जैन एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 105049 डब्ल्यू
शैलेशकुमार एस. शाह
भागीदार
एम. नं.: 033632

For **Khandelwal Jain & Co**
Chartered Accountants
FRN : 105049W
Shaileshkumar S Shah
Partner
M.No: 033632

कृते के ए एस जी एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 002228 सी
के. के. हरोडीया
भागीदार
एम. नं.: 034751

For **K A S G & Co**
Chartered Accountants
FRN : 002228C
K. K. Harodia
Partner
M.No: 034751

कृते वही एण्ड गुप्ता
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 002263 एन
वाय. के. गुप्ता
भागीदार
एम. नं.: 016020

For **Wahi & Gupta**
Chartered Accountants
FRN: 002263N
Y. K. Gupta
Partner
M.No: 016020

कृते एस आर गोयल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 001537 सी
प्रवीण गोयल
भागीदार
एम. नं.: 074789

For **S R Goyal & Co.**
Chartered Accountants
FRN: 001537C
Praveen Goyal
Partner
M.No: 074789

कृते एम. बी. अग्रवाल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 100137 डब्ल्यू
एम. बी. अग्रवाल
भागीदार
एम. नं.: 009045

For **M B Agrawal & Co**
Chartered Accountants
FRN: 100137W
M. B. Agrawal
Partner
M.No: 009045

कृते रोडी दबीर एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 108846 डब्ल्यू
दिलीप जी. रोडी
भागीदार
एम. नं.: 035810

For **Rodi Dabir & Co**
Chartered Accountants
FRN: 108846W
Dilip G Rodi
Partner
M.No: 035810

स्थान / Place: मुंबई / Mumbai
दिनांक / Date: 11th May, 2015

सी ई ओ / सी एफ ओ प्रमाणीकरण

निदेशक मण्डल

बैंक ऑफ़ बड़ौदा

मुम्बई

प्रिय महोदय,

विषय : 31-03-2015 को समाप्त वर्ष के लिए सी ई ओ / सी एफ ओ प्रमाणीकरण

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के साथ सूचीबद्धता करार की धारा 41 एवं धारा 49 की अनुपालना स्वरूप हम एतद् द्वारा प्रमाणित करते हैं कि

क. हमने 31-03-2015 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय परिणामों / विवरणियों की समीक्षा की है तथा हमारी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार :

   i. इन विवरणियों में कोई विषयगत अयथार्थ अभिकथन नहीं है अथवा कोई विषयगत तथ्य छिपाया नहीं गया है अथवा इनमें कोई भ्रामक अभिकथन शामिल नहीं किया गया है.

   ii. ये अभिकथन / विवरण बैंक के कार्यकलापों का सही एवं स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं तथा ये विद्यमान लेखा मानकों, लागू नियमों एवं विनियमों के अनुरूप हैं.

ख. हमारी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार वर्ष के दौरान बैंक द्वारा ऐसे कोई संव्यवहार नहीं किए गए जो धोखाधड़ी में लिप्त हो, गैर कानूनी हो अथवा बैंक की आचार संहिता के विरूद्ध हों.

ग. हम वित्तीय रिपोर्टिंग से सम्बद्ध आन्तरिक नियन्त्रणों का पूर्ण दायित्व स्वीकार करते हैं. हम यह भी स्वीकार करते हैं कि हमने वित्तीय रिपोर्टिंग की आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली की प्रभावशीलता का मूल्यांकन/आकलन किया है तथा हमने लेखा परीक्षकों और लेखा समिति को आन्तरिक नियन्त्रणों के परिचालन एवं स्वरूप से सम्बद्ध कमियों, यदि कोई है अथवा जो हमारे अभिज्ञान में हैं एवं हमने इन्हें दूर करने के लिए जो उपाय किए हैं या प्रस्तावित है, की जानकारी दे दी है.

घ) हमने लेखा परीक्षकों तथा लेखा परीक्षा समिति को निम्नलिखित से अवगत कराया है.

   i. वर्ष के दौरान वित्तीय रिपोर्टिंग के संदर्भ में आन्तरिक नियन्त्रण व्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तन

   ii. वर्ष के दौरान लेखा नीतियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन तथा इनका उल्लेख वित्तीय विवरणियों के नोट्स में कर दिया गया है

   iii. हमारी जानकारी में आए धोखाधड़ी सम्बंधी विशिष्ट मामले तथा उनमें प्रबन्धन अथवा किसी कर्मचारी की संलिप्तता, जिसकी आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली संबंधी वित्तीय रिपोर्टिंग में अहम भूमिका हो.

यू.सी.सिंघवी	रंजन धवन
महाप्रबंधक	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
(कार्पोरेट खाते एवं कराधान) तथा सीएफओ	

दिनांक : 11 मई 2015
स्थान : मुंबई

CEO / CFO CERTIFICATION

Board of Directors,
Bank of Baroda
Mumbai

Dear Sirs,

Re : CEO / CFO Certification for the year ended 31.03.2015

Pursuant to Clause 41 and 49 of the Listing Agreements with Bombay Stock Exchange Limited and National Stock Exchange Limited, we hereby certify that:

a. We have reviewed financial results / statements for the year ended 31.03.2015 and that to the best of our knowledge and belief:

   i. These results/statements do not contain any materially untrue statement or omit any material fact or contain statements that might be misleading:

   ii. These results/statements together present a true and fair view of the Bank's affairs and are in compliance with existing accounting standards, applicable laws and regulations.

b. There are, to the best of our knowledge and belief, no transactions entered into by the Bank during the year which are fraudulent, illegal or violative of the Bank's code of conduct.

c. We accept responsibility for establishing and maintaining internal controls for financial reporting and that we have evaluated the effectiveness of internal control systems of the Bank pertaining to financial reporting and we have disclosed to the auditors and the Audit Committee deficiencies in the design or operation of such internal controls, if any, of which we are aware and the steps we have taken or propose to take to rectify these deficiencies.

d. We have indicated to the Auditors and the Audit Committee.

   i. Significant changes in internal control over financial reporting during the year.

   ii. Significant changes in accounting policies during the year and that the same have been disclosed in the notes to the financial statements and

   iii. Instances of significant fraud of which we have become aware and the involvement therein, if any, of the management or an employee having a significant role in the Bank's internal control system over financial reporting.

U C SINGHVI
General Manager
(Corporate Accounts & Taxation) and CFO

RANJAN DHAWAN
Managing Director & CEO

Date : 11th May 2015
Place : Mumbai

दिनांक 31.3.2015 को भारतीय रिजर्व बैंक के नये पूंजी पर्याप्तता फ्रेमवर्क (बासेल III) के पिलर 3 के अंतर्गत प्रकटीकरण (समेकित आधार पर)

Disclosures (on consolidated basis) under Pillar 3 in terms of New Capital Adequacy Framework (Basel III) of Reserve Bank of India as on 31.03.2015

डीएफ 1 : अनुप्रयोग का क्षेत्र एवं पूंजी पर्याप्तता

प्रकटीकरण का फ्रेमवर्क बैंक ऑफ़ बड़ौदा पर समेकित आधार पर लागू होता है, जो कि समूह में सर्वोच्च बैंक है.

(i) गुणात्मक प्रकटीकरण

DF 1. Scope of application and Capital Adequacy

The framework of disclosures applies to Bank of Baroda, on consolidated basis, which is the top bank in the group

(i) Qualitative Disclosures: -

इकाई का नाम/ निगमित देश Name of the entity / Country of incorporation	क्या इकाई को समेकन के लेखांकन क्षेत्र के अंतर्गत शामिल किया गया है (हां/ नहीं) Whether the entity is included under accounting scope of consolidation (Yes/No)	समेकन की पद्धति का वर्णन Explain the method of consolidation	क्या इकाई को समेकन के नियामक क्षेत्र के अंतर्गत शामिल किया गया है (हां/नहीं) Whether the entity is included under regulatory scope of consolidation (yes / no)	समेकन की पद्धति का वर्णन Explain the method of consolidation	समेकन की पद्धति में अंतर के लिए कारणों का वर्णन Explain the reasons for difference in the method of consolidation	यदि समेकन के केवल एक ही क्षेत्र के अंतर्गत समेकित किया गया है तो कारणों का वर्णन Explain the reasons if consolidated under only one of the scopes of consolidation
नैनीताल बैंक लि./ भारत The Nainital Bank Ltd. / India	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
बॉब कैपिटल मार्केट लि. / भारत BOB Capital Markets Ltd /India	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
बॉबकार्डस लि. / भारत BOB Cards Ltd. / India	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (बोत्स्वाना) लि./ बोत्स्वाना Bank of Baroda (Botswana) Ltd./ Botswana	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (केन्या) लि./ केन्या Bank of Baroda (Kenya) Ltd. / Kenya	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यूगांडा) लि./ यूगांडा Bank of Baroda (Uganda) Ltd. / Uganda	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (गुयाना) लि./ गुयाना Bank of Baroda (Guyana) Inc. /Guyana	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (तंजानिया) लि./ तंज़ानिया Bank of Baroda (Tanzania) Ltd. /Tanzania	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA

इकाई का नाम/ निगमित देश Name of the entity / Country of incorporation	क्या इकाई को समेकन के लेखांकन क्षेत्र के अंतर्गत शामिल किया गया है (हां/ नहीं) Whether the entity is included under accounting scope of consolidation (Yes/No)	समेकन की पद्धति का वर्णन Explain the method of consolidation	क्या इकाई को समेकन के नियामक क्षेत्र के अंतर्गत शामिल किया गया है (हां/नहीं) Whether the entity is included under regulatory scope of consolidation (yes / no)	समेकन की पद्धति का वर्णन Explain the method of consolidation	समेकन की पद्धति में अंतर के लिए कारणों का वर्णन Explain the reasons for difference in the method of consolidation	यदि समेकन के केवल एक ही क्षेत्र के अंतर्गत समेकित किया गया है तो कारणों का वर्णन Explain the reasons if consolidated under only one of the scopes of consolidation
बैंक ऑफ़ बड़ौदा त्रिनिदाद एण्ड टोबेगो लि./ त्रिनिदाद एण्ड टोबेगो Bank of Baroda Trinidad &Tobago Ltd. / Trinidad &Tobago	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (घाना) लि./ घाना Bank of Baroda (Ghana) Ltd. /Ghana	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (न्यूजीलैंड) लि./ न्यूजीलैंड Bank of Baroda (New Zealand) Ltd. /New Zealand	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यू.के) लि./ यू.के. BOB (UK) Ltd. / UK	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	हां Yes	लाइन दर लाइन आधार Line By Line Basis	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि. / भारत India First Life Insurance Company Ltd. / India	हां Yes	अनुपाती समेकन पद्धति Proportionate Consolidation Method	नहीं NO	विनियामक पूंजी से निवेश आस्ति कम कर दी गई है The investment asset is deducted from regulatory capital	किसी इंश्योरेंस कंपनी पर लागू विनियामक दिशानिर्देश Regulatory guidelines applied to an insurance entity.	विनियामक दिशानिर्देश Regulatory Guidelines.
इंडिया इंटरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी/ मलेशिया India International Bank (Malaysia) Bhd./Malaysia	हां Yes	अनुपाती समेकन पद्धति Proportionate Consolidation Method	हां Yes	अनुपाती समेकन पद्धति Proportionate Consolidation Method	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
इंडिया इंफ्राडेब्ट लि. / भारत India Infradebt Ltd. / India	हां Yes	अनुपाती समेकन पद्धति Proportionate Consolidation Method	हां Yes	अनुपाती समेकन पद्धति Proportionate Consolidation Method	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
इंडों ज़ांबिया बैंक लिमिटेड / ज़ांबिया Indo Zambia Bank Limited / Zambia	हां Yes	इक्विटी पद्धति Equity Method	हां Yes	इक्विटी पद्धति Equity Method	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
बड़ौदा पायोनियर एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि./भारत Baroda Pioneer Asset Management Co. Ltd. / India	हां Yes	इक्विटी पद्धति Equity Method	हां Yes	इक्विटी पद्धति Equity Method	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA

इकाई का नाम/ निगमित देश Name of the entity / Country of incorporation	क्या इकाई को समेकन के लेखांकन क्षेत्र के अंतर्गत शामिल किया गया है (हां/ नहीं) Whether the entity is included under accounting scope of consolidation (Yes/No)	समेकन की पद्धति का वर्णन Explain the method of consolidation	क्या इकाई को समेकन के नियामक क्षेत्र के अंतर्गत शामिल किया गया है (हां/नहीं) Whether the entity is included under regulatory scope of consolidation (yes / no)	समेकन की पद्धति का वर्णन Explain the method of consolidation	समेकन की पद्धति में अंतर के लिए कारणों का वर्णन Explain the reasons for difference in the method of consolidation	यदि समेकन के केवल एक ही क्षेत्र के अंतर्गत समेकित किया गया है तो कारणों का वर्णन Explain the reasons if consolidated under only one of the scopes of consolidation
बड़ौदा पायोनियर ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि./ भारत Baroda Pioneer Trustee Co. Pvt Ltd / India	हां Yes	इक्विटी पद्धति Equity Method	हां Yes	इक्विटी पद्धति Equity Method	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक/ भारत Baroda Uttar Pradesh Garmin Bank / India	हां Yes	इक्विटी पद्धति Equity Method	हां Yes	इक्विटी पद्धति Equity Method	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक/ भारत Baroda Rajasthan Kshetriya Garmin Bank / India	हां Yes	इक्विटी पद्धति Equity Method	हां Yes	इक्विटी पद्धति Equity Method	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA
बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक/ भारत Baroda Gujarat Garmin Bank / India	हां Yes	इक्विटी पद्धति Equity Method	हां Yes	इक्विटी पद्धति Equity Method	लागू नहीं NA	लागू नहीं NA

क. समूह की ऐसी इकाइयों की सूची जिन्हें समेकन के लिए शामिल किया गया है:

a. List of group entities considered for consolidation:

नैनीताल बैंक लि.	The Nainital Bank Ltd.
बॉब कैपिटल मार्केट लि.	BOB Capital Markets Ltd
बॉबकार्डस लि.	BOB Cards Ltd.
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (बोत्स्वाना) लि.	Bank of Baroda (Botswana) Ltd.
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (केन्या) लि.	Bank of Baroda (Kenya) Ltd.
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यूगांडा) लि.	Bank of Baroda (Uganda) Ltd.
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (गुयाना) लि.	Bank of Baroda (Guyana) Inc.
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (तंजानिया) लि.	Bank of Baroda (Tanzania) Ltd.
बैंक ऑफ़ बड़ौदा त्रिनिदाद एण्ड टोबेगो लि.	Bank of Baroda Trinidad &Tobago Ltd.
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (घाना) लि.	Bank of Baroda (Ghana) Ltd.
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (न्यूजीलैंड) लि.	Bank of Baroda (New Zealand) Ltd.
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यू.के.) लि.	BOB (UK) Ltd.
इंडिया इंटरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी	India International Bank (Malaysia) Bhd.
इंडिया इंफ्राडेट लि.	India Infradebt Ltd.
इंडों ज़ांबिया बैंक लिमिटेड	Indo Zambia Bank Limited
बड़ौदा पायोनियर एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि.	Baroda Pioneer Asset Management Co. Ltd.
बड़ौदा पायोनियर ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि.	Baroda Pioneer Trustee Co. Pvt Ltd
बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक	Baroda Uttar Pradesh Garmin Bank
बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	Baroda Rajasthan Kshetriya Garmin Bank
बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक	Baroda Gujarat Garmin Bank

ख. समूह की ऐसी इकाइयों की सूची जिन्हें समेकन के विनियामक तथा लेखांकन दोनों क्षेत्रों के अंतर्गत समेकन के लिए शामिल नहीं किया गया है :

b. List of group entities not considered for consolidation both under the accounting and regulatory scope of consolidation:

इकाई का नाम/ निगमित देश Name of the entity / country of incorporation	इकाई का प्रमुख कार्य Principle activity of the entity	कुल तुलनपत्र इक्विटी (जैसा कि विधिक इकाई के लेखांकन तुलन पत्र में बताया गया है) Total balance sheet equity (as stated in the accounting balance sheet of the legal entity)	कुल इक्विटी में बैंक के शेयर का (%) % of bank's holding in the total equity	इकाई के पूंजी लिखतों में बैंक के निवेश का विनियामक प्रबंध Regulatory treatment of bank's investments in the capital instruments of the entity	कुल तुलन पत्र आस्तियां (जैसा कि विधिक इकाई के लेखांकन तुलन पत्र में बताया गया है) Total balance sheet assets (as stated in the accounting balance sheet of the legal entity)
शून्य / NIL					

(ii) मात्रात्मक प्रकटीकरण

ग. समेकन के लिए शामिल की गई समूह की इकाइयों की सूचीः

(ii) Quantitative Disclosures:

c. List of group entities considered for consolidation:

(राशि लाख में) / (Amt in Lks)

इकाई का नाम / निगमित देश (जैसा कि उपरोक्त (i) क में दर्शाया गया है) Name of the entity / country of incorporation (as indicated in (i) a. above)	इकाई का प्रमुख कार्य Principle activity of the entity	कुल तुलनपत्र इक्विटी (जैसा कि विधिक इकाई के लेखांकन तुलन पत्र में बताया गया है) Total balance sheet equity (as stated in the accounting balance sheet of the legal entity)	कुल तुलन पत्र आस्तियां (जैसा कि विधिक इकाई के लेखांकन तुलन पत्र में बताया गया है) Total balance sheet assets (as stated in the accounting balance sheet of the legal entity)
नैनीताल बैंक लि./ भारत The Nainital Bank Ltd. / India	बैंकिंग Banking	50225.17	597792.62
बॉब कैपिटल मार्केट लि. / भारत BOB Capital Markets Ltd /India	गैर बैंकिंग Non Banking	15011.72	15731.24
बॉबकार्डस लि. / भारत BOB Cards Ltd. / India	गैर बैंकिंग Non Banking	20937.37	31025.85
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (बोत्स्वाना) लि./ बोत्स्वाना Bank of Baroda (Botswana) Ltd./ Botswana	बैंकिंग Banking	11057.81	98362.77
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (केन्या) लि./ केन्या Bank of Baroda (Kenya) Ltd. / Kenya	बैंकिंग Banking	68656.90	431010.89
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यूगांडा) लि./ यूगांडा Bank of Baroda (Uganda) Ltd. / Uganda	बैंकिंग Banking	44059.80	257933.77
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (गुयाना) लि./ गुयाना Bank of Baroda (Guyana) Inc. /Guyana	बैंकिंग Banking	7004.45	44539.92
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (तंजानिया) लि./ तंज़ानिया Bank of Baroda (Tanzania) Ltd. /Tanzania	बैंकिंग Banking	10512.05	57522.36
बैंक ऑफ़ बड़ौदा त्रिनिदाद एण्ड टोबेगो लि./ त्रिनिदाद एण्ड टोबेगो Bank of Baroda Trinidad &Tobago Ltd./Trinidad &Tobago	बैंकिंग Banking	4151.00	49316.69
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (घाना) लि./ घाना Bank of Baroda (Ghana) Ltd. /Ghana	बैंकिंग Banking	19727.94	38455.03
बैंक ऑफ़ बड़ौदा (न्यूजीलैंड) लि./ न्यूजीलैंड Bank of Baroda (New Zealand) Ltd. /New Zealand	बैंकिंग Banking	20477.25	36294.51
बॉब (यू.के) लि./ यू.के. BOB (UK) Ltd. / UK	गैर बैंकिंग Non Banking	10.59	10.59
इंडिया फर्स्ट लाइफ इन्शुरन्स कं. लि. / इंडिया India First Life Insurance Co. Ltd. / India	इन्शुरन्स Insurance	35738.26	853029.40
इंडिया इंटरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी/ मलेशिया India International Bank (Malaysia) Bhd. / Malaysia	बैंकिंग Banking	561.57	829.44

इकाई का नाम / निगमित देश (जैसा कि उपरोक्त (i) क में दर्शाया गया है) Name of the entity / country of incorporation (as indicated in (i) a. above)	इकाई का प्रमुख कार्य Principle activity of the entity	कुल तुलनपत्र इक्विटी (जैसा कि विधिक इकाई के लेखांकन तुलन पत्र में बताया गया है) Total balance sheet equity (as stated in the accounting balance sheet of the legal entity)	कुल तुलन पत्र आस्तियां (जैसा कि विधिक इकाई के लेखांकन तुलन पत्र में बताया गया है) Total balance sheet assets (as stated in the accounting balance sheet of the legal entity)
इंडिया इंफ्राडेट लि. / भारत India Infradebt Ltd. / India	गैर बैंकिंग Non Banking	35294.68	109537.11
इंडों ज़ांबिया बैंक लिमिटेड / ज़ांबिया Indo Zambia Bank Limited / Zambia	बैंकिंग Banking	57105.79	233098.74
बड़ौदा पायोनियर एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि./ भारत Baroda Pioneer Asset Management Co. Ltd. / India	गैर बैंकिंग Non Banking	5343.31	6292.49
बड़ौदा पायोनियर ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि./ भारत Baroda Pioneer Trustee Co. Pvt Ltd / India	गैर बैंकिंग Non Banking	6.42	12.54
बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक/ भारत Baroda Uttar Pradesh Garmin Bank / India	बैंकिंग Banking	95307.04	1563005.27
बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक/ भारत Baroda Rajasthan Kshetriya Garmin Bank / India	बैंकिंग Banking	77550.85	1198528.66
बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक/ भारत Baroda Gujarat Garmin Bank / India	बैंकिंग Banking	14316.12	304123.83

घ. उन सभी अनुषंगियों में पूंजीगत विसंगतियों की कुल राशि जो समेकन के विनियामक क्षेत्र में शामिल नहीं की गई हैं अर्थात जो घटा दी गई है :

d. The aggregate amount of capital deficiencies in all subsidiaries which are not included in the regulatory scope of consolidation i.e. that are deducted:

इकाइयों का नाम/ निगमित देश Name of the subsidiaries / country of incorporation	इकाई का प्रमुख कार्य Principle activity of the entity	कुल तुलनपत्र इक्विटी (जैसा कि विधिक इकाई के लेखांकन तुलन पत्र में बताया गया है) Total balance sheet equity (as stated in the accounting balance sheet of the legal entity)	कुल इक्विटी में बैंक के शेयर का (%) % of bank's holding in the total equity	पूंजीगत कमियां Capital deficiencies
शून्य / Nil				

ड. इंश्योरेंस इकाइयों में बैंक के कुल ब्याज की कुल राशि (जैसे कि वर्तमान बही मूल्य), जो जोखिम-भारित है :

e. The aggregate amounts (e.g. current book value) of the bank's total interests in insurance entities, which are risk-weighted:

(राशि लाख में) / (Amt in Lks)

इंश्योरेंस इकाइयों का नाम / निगमित देश Name of the insurance entities / country of incorporation	इकाई का प्रमुख कार्य Principle activity of the entity	कुल तुलनपत्र इक्विटी (जैसा कि विधिक इकाई के लेखांकन तुलन पत्र में बताया गया है) Total balance sheet equity (as stated in the accounting balance sheet of the legal entity)	कुल इक्विटी में बैंक के शेयर का % / वोटिंग शक्ति का अनुपात % of bank's holding in the total equity / proportion of voting power	जोखिम भारित पद्धति प्रयोग करने बनाम पूर्ण कटौती पद्धति प्रयोग करने का विनियामक पूंजी पर मात्रात्मक प्रभाव Quantitative impact on regulatory capital of using risk weighting method versus using the full deduction method
इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि. India First Life Insurance Company Ltd.	इंश्योरेंस Insurance	47500	44%	16197.5

च. बैंकिंग समूह में नियामक पूंजी अथवा निधियों के ट्रांसफर में कोई प्रतिबंध या अड़चन :

प्रतिबंध तथा अड़चनों के संबंध में मेजबान देशों का स्थानीय कानून तथा नियामक लागू है. समूह इकाइयों के बीच पूंजीगत निधियों का अंतरण प्रतिबंधित है.

f. Any restrictions or impediments on transfer of funds or regulatory capital within the banking group:

In regard to restriction and impediments local laws and regulation of host countries are applicable. The transfer of Capital funds within the Group entities is restricted.

डीएफ 2 : पूंजी पर्याप्तता

क. बैंक जमाकर्ताओं, सामान्य ऋणदाताओं तथा हितधारकों को अप्रत्याशित हानियों से सुरक्षित रखने के लिए एक्सपोज़रों, व्यवसाय इत्यादि के मूल्य में हानि के जोखिम से बचाव के लिए पूंजी की व्यवस्था रखता है, बैंक के पास नियामक तथा आर्थिक पूंजी दोनों के लिए एकीकृत जोखिम / पूंजी मॉडल तैयार करने हेतु एक सुपरिभाषित आंतरिक पूंजी पर्याप्तता निर्धारण प्रक्रिया (आईसीएएपी) नीति है ताकि सभी जोखिमों एवं उचित पूंजी आबंटन को व्यापक रूप से विकसित किया जा सके.

भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक ने ऋण जोखिम के लिए मानकीकृत पद्धति, परिचालन जोखिम के लिए आधारभूत संकेतक पद्धति तथा सीआरएआर की गणना के लिए बाजार जोखिम हेतु मानकीकृत आवधिक पद्धति अपनायी है.

पूंजीगत आवश्यकता आर्थिक परिवेश, नियामक ज़रूरतों तथा बैंक की गतिविधियों से होने वाले जोखिम से प्रभावित होती है. बैंक की पूंजीगत आयोजना का उद्देश्य आर्थिक परिस्थितियों के परिवर्तन के समय, यहां तक कि आर्थिक मंदी के दौर में भी, पूंजी पर्याप्तता को सुनिश्चित करना है. पूंजीगत आयोजना की प्रक्रिया में बैंक निम्नलिखित की समीक्षा करता है:

- बैंक की मौजूदा पूंजीगत आवश्यकता.
- कारोबार रणनीति, नीति तथा जोखिम प्रवृत्ति के संदर्भ में लक्षित तथा धारणीय पूंजी
- भविष्य की पूंजीगत आयोजना अगले तीन वर्ष को ध्यान में रखकर की जाती है.

- पूंजीगत योजना को वार्षिक आधार पर संशोधित किया जाता है. बैंक की नीति आंतरिक पूंजी पर्याप्तता मूल्यांकन नीति (न्यूनतम 12.50% पूंजी पर्याप्तता अनुपात या समय-समय पर बैंक के निर्णयानुसार) में निर्धारित पूंजी को बनाए रखना है, इसके साथ ही बैंक की नीति भविष्य में कारोबार वृद्धि के लिए पूंजी को बनाये रखना है ताकि आवश्यक न्यूनतम पूंजी को सतत आधार पर बनाए रखा जा सके. अनुमान के आधार पर बैंक अपने निदेशक मंडल के अनुमोदन से टियर - 1 या टियर - 2 में पूंजी संगृहीत करता है. बैंक के निदेशक मंडल द्वारा तिमाही आधार पर बैंक की पूंजी पर्याप्तता स्थिति की समीक्षा की जाती है और भारतीय रिज़र्व बैंक को भी प्रस्तुत की जाती है.

(ख) ऋण जोखिम के लिए पूंजीगत आवश्यकताएं (₹ लाखों में)

- मानकीकृत पद्धति के अध्यधीन संविभाग : ₹ 3150323.74
- प्रतिभूतीकरण एक्सपोजर : शून्य

(ग) बाजार जोखिम के लिए पूंजीगत आवश्यकताएं

- ब्याज दर जोखिम : ₹ 135663.04
- विदेशी मुद्रा विनिमय जोखिम (स्वर्ण सहित) : ₹ 44569.29
- इक्विटी जोखिम : ₹ 8089.56

(घ) परिचालन जोखिम के लिए पूंजीगत आवश्यकताएं

- आधारभूत संकेतक पद्धति : ₹ 226685.86
- मानकीकृत पद्धति (यदि लागू हो) : लागू नहीं

(ङ) कॉमन इक्विटी टियर 1 तथा कुल पूंजीगत अनुपात

- बैंक ऑफ़ बड़ौदा (सोलो आधार पर) : 13.07%
  कुल आरडब्ल्यू के लिए कॉमन इक्विटी टियर 1 पूंजी : 9.80%
  कुल आरडब्ल्यू के लिए टियर 1 पूंजी : 10.35%

DF 2. Capital Adequacy

a. a. Bank maintains capital to cushion the risk of loss in value of exposure, businesses etc. so as to protect the interest of depositors, general creditors and stake holders against any unforeseen losses. Bank has a well defined Internal Capital Adequacy Assessment Process (ICAAP) policy to comprehensively evaluate and document all risks and to provide appropriate capital so as to evolve a fully integrated risk/ capital model for both regulatory and economic capital.

In line with the guidelines of the Reserve Bank of India, the Bank has adopted Standardized Approach for Credit Risk, Basic Indicator Approach for Operational Risk and Standardized Duration Approach for Market Risk for computing CRAR.

The capital requirement is affected by the economic environment, regulatory requirement and by the risk arising from bank's activities. Capital Planning exercise of the bank is carried out every year to ensure the adequacy of capital at the times of changing economic conditions, even at the time of economic recession. In capital planning process the bank reviews:

- Current capital requirement of the bank
- The targeted and sustainable capital in terms of business strategy, policy and risk appetite.
- The future capital planning is done on a three-year outlook.

- The capital plan is revised on an annual basis. The policy of the bank is to maintain capital as prescribed in the ICAAP Policy (minimum 12.5% Capital Adequacy Ratio or as decided by the Bank from time to time). At the same time, Bank has a policy to maintain capital to take care of the future growth in business so that the minimum capital required is maintained on continuous basis. On the basis of the estimation bank raises capital in Tier-1 or Tier-2 with due approval of its Board of Directors. The Capital Adequacy position of the bank is reviewed by the Board of the Bank on quarterly basis and the same is submitted to RBI also.

(b) Capital requirements for credit risk (INR Lakhs):

- Portfolios subject to Standardized approach: Rs. 3150323.74
- Securitizations exposures: Nil

(c) Capital requirements for market risk:

- Interest rate risk: Rs. 135663.04
- Foreign exchange risk (including gold): Rs. 44569.29
- Equity risk: Rs. 8089.56

(d) Capital requirements for operational risk:

- Basic Indicator Approach : Rs. 226685.86
- The Standardized Approach (if applicable): NA

(e) Common Equity Tier 1, and Total Capital ratios:

- **Bank of Baroda (Consol Basis): 13.07%**
  Common Equity Tier I capital to Total RWA: 9.80%
  Tier I capital to Total RWA: 10.35%

पूंजीगत अनुपात की गणना में 31 मार्च 2015 का प्रतिधारित अर्जन को शामिल किया गया है.

डीएफ 3 :ऋण जोखिम के संदर्भ में सामान्य प्रकटीकरण

बैंक की ऋण आस्तियों को वर्गीकृत करने के लिए बैंक की निम्नलिखित नीति है :

गैर निष्पादक आस्तियां (एनपीए) : गैर निष्पादक आस्तियां (एनपीए) एक ऐसा ऋण या अग्रिम है जहाँः

i. मीयादी ऋण के संदर्भ में 90 दिन से अधिक की अवधि के लिए मूलधन का ब्याज तथा / या किस्त अतिदेय हो जाती है.

ii. ओवर ड्राफ्ट / नकद उधार (ओ डी / सी सी) के संबंध में खाता अनियमित रहता है.

iii. खरीदे गए तथा बट्टाकृत बिल 90 दिनों से अधिक की अवधि के लिए अतिदेय रहते हैं.

iv. अल्पावधि फसलों के लिए दो फसली मौसमों हेतु मूल राशि की किस्त अथवा उस पर बकाया ब्याज अतिदेय हो जाता है.

v. लम्बी अवधि की फसलों के लिए एक फसली मौसम हेतु मूल राशि की किस्त अथवा उस पर बकाया ब्याज अतिदेय हो जाता है.

किसी ओडी / सी सी खाते को 'अनियमित' खाते के रूप में माना जाएगा यदि खाते में स्वीकृत सीमा / आहरण सीमा से अधिक राशि 90 दिन से अधिक बकाया रहती हो. ऐसे मामलों में, जहाँ मूल परिचालनगत खाते में बकाया शेष स्वीकृत सीमा / आहरण सीमा से कम रहता हो लेकिन जहां तुलन-पत्र की तारीख को निरन्तर रूप से 90 दिनों के लिए अथवा उसी अवधि के दौरान नामे किए गए ब्याज की वसूली हेतु जमा राशि शेष नहीं हो तो ऐसे खातों को **'अनियमित'** खाते की श्रेणी में माना जायेगा.

किसी भी ऋण सुविधा के अन्तर्गत बैंक को देय किसी ऐसी राशि को 'अतिदेय' माना जायेगा यदि यह बैंक द्वारा निर्धारित की गई देय तारीख को अदा नहीं की जाती है.

गैर निष्पादक निवेश (एन पी आई)

प्रतिभूतियों के संबंध में जहाँ ब्याज/मूलधन बकाया है, बैंक प्रतिभूतियों पर आय की गणना नहीं करता है तथा निवेश के मूल्य में मूल्यह्रास के लिए समुचित प्रावधान करता है.

गैर निष्पादक निवेश (एनपीआई) जो गैर निष्पादक अग्रिम (एनपीए) के समान ही है, उसे कहते हैं जहाँः

(i) ब्याज / किस्त (परिपक्व प्राप्तियों सहित) देय है और 90 दिनों से अधिक समय तक अदत्त रहता है.

(ii) यह अधिमानी शेयरों पर जहाँ निर्धारित लाभांश का भुगतान नहीं किया गया है, आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होता है.

(iii) इक्विटी शेयरों के मामले में, जहाँ किसी कंपनी के शेयरों के निवेश करने पर मूल्य प्रति कंपनी 1/- रुपये किया गया है. भारतीय रिज़र्व बैंक के निदेशों के अनुसार अद्यतन तुलन पत्र की अनुपलब्धता के कारण उन इक्विटी शेयरों की गणना भी एनपीआई के रूप में की जाती है.

(iv) यदि निर्गमकर्ता द्वारा प्राप्त की गई कोई ऋण सुविधा बैंक की बहियों में एनपीए है तो उस निर्गमकर्ता द्वारा अधिमानी शेयरों सहित जारी की गई किसी भी प्रतिभूति में निवेश को एनपीआई तथा विलोमतः माना जाएगा. तथापि, यदि केवल अधिमानी शेयर

Retained earnings as on 31st March 2015 have been included in computation of the Capital ratios.

DF 3. General disclosures in respect of Credit Risk

The policy of the bank for classifying bank's loan assets is as under:

NON PERFORMING ASSETS (NPA): A non performing asset (NPA) is a loan or an advance where:

I. Interest and/ or installment of principal remain overdue for a period of more than 90 days in respect of a term loan,

II. The account remains 'out of order' in respect of an Overdraft/Cash Credit (OD/CC),

III. The bill remains overdue for a period of more than 90 days in the case of bills purchased and discounted,

IV. The installment of principal or interest thereon remains overdue for two crop seasons for short duration crops,

V. The installment of principal or interest thereon remains overdue for one crop season for long duration crops.

An OD/CC account is treated as **'out of order'** if the outstanding balance remains continuously in excess of the sanctioned limit/drawing power for more than 90 days. In cases where the outstanding balance in the principal operating account is less than the sanctioned limit/drawing power, but there are no credits continuously for 90 days as on the date of Balance Sheet or credits are not enough to cover the interest debited during the same period, these accounts are treated as **'out of order'**.

Any amount due to the bank under any credit facility is 'overdue' if it is not paid on the due date fixed by the bank.

Non Performing Investments (NPI):

In respect of securities, where interest/principal is in arrears, the Bank does not reckon income on the securities and makes appropriate provisions for the depreciation in the value of the investment.

A non-performing investment (NPI), similar to a non-performing advance (NPA), is one where:

(i) Interest/ installment (including maturity proceeds) is due and remains unpaid for more than 90 days.

(ii) This applies mutatis-mutandis to preference shares where the fixed dividend is not paid.

(iii) In the case of equity shares, in the event the investment in the shares of any company is valued at Re.1 per company on account of the non-availability of the latest balance sheet in accordance with the Reserve Bank of India instructions. Those equity shares are also reckoned as NPI.

(iv) If any credit facility availed by the issuer is NPA in the books of the bank, investment in any of the securities, including preference shares issued by the same issuer would also be treated as NPI and vice versa. However, if

ही एनपीए के रूप में वर्गीकृत हैं तो उस निर्गमकर्ता द्वारा जारी किसी अन्य में किया गया निवेश एनपीए नहीं माना जाएगा.

(v) डिबेंचर / बांड मे निवेश जो कि अग्रिम के रूप में माने जाते हैं, निवेश पर लागू होने वाले एनपीआई मानदंडों के अध्यधीन हैं.

बैंक की गैर निष्पादक अस्तियों को निम्नलिखित -3- श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है.

- **अवमानक आस्तियां**

  अवमानक आस्ति से अभिप्राय, ऐसी आस्ति से है जो कि 12 महीनों की अवधि से कम अथवा समतुल्य अवधि के लिए गैर निष्पादक आस्ति रही हो.

- **संदिग्ध आस्तियां**

  किसी भी आस्ति को, 12 महीनों के लिए अवमानक श्रेणी में बने रहने की स्थिति में उसे संदिग्ध के रूप में वर्गीकृत किया जायेगा.

- **हानि वाली आस्तियां**

  हानि वाली आस्ति से अभिप्राय ऐसी आस्ति से हैं जहां हानि बैंक अथवा आंतरिक अथवा बाह्य लेखा परीक्षकों अथवा भारतीय रिजर्व बैंक के निरीक्षण द्वारा पता चली हो. हानि वाली आस्तियों में उपलब्ध प्रतिभूति का वसूली योग्य मूल्य, बकाया शेष / देयों का 10% से अधिक नहीं होता है.

कार्यनीति एवं प्रक्रियाएं

बैंक की, ऋण जोखिम प्रबंधन के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल करते हुए पूर्ण रूप से परिभाषित ऋण नीति एवं निवेश नीति है, जो कि निम्नानुसार है :

- अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में एक्सपोजर (ऋण) सीमाएं, ऋणियों के विभिन्न प्रकार और उनके ग्रुप एवं उद्योग
- ऋण वितरण में उचित व्यवहार संहिता
- बैंक में विभिन्न स्तरों के प्राधिकारियों के लिए ऋण प्रदान करने संबंधी विवेकाधिकार
- ऋण वितरण प्रक्रिया- स्वीकृति पूर्व निरीक्षण, अस्वीकार करना, मूल्यांकन, स्वीकृति, दस्तावेजीकरण, मानीटरिंग और वसूली आदि के संबंध में प्रक्रियाएं
- मूल्य निर्धारण

बैंक का ऋण जोखिम दर्शन, संरचना और प्रणाली निम्नानुसार है

ऋण जोखिम दर्शन

- जोखिम प्रबंधन इस प्रकार किया जाए कि बैंक के संसाधनों की सुरक्षा, कार्पोरेट वृद्धि एवं समृद्धि सुनिश्चित करने के साथ शेयर धारकों के आर्थिक मूल्य में बढ़ोत्तरी हो तथा सभी हित धारकों के हित संरक्षित हों.
- बैंक अपने वित्तीय संसाधनों को क्रमिक रूप से सुव्यवस्थित और कारगर बनाये ताकि विभिन्न चैनलों को परस्पर जोड़ा जा सके तथा बैंक के सामान्य लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सके.
- अर्थव्यवस्था की विभिन्न राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को योजनाबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए संस्थागत वित्त के अभिनियोजन के मामले में अर्थव्यवस्था के विभिन्न उत्पादक क्षेत्रों में सुनियोजित वृद्धि से लक्ष्य प्राप्त किए जाएं.

only the preference shares are classified as NPI , the investment in any of the other performing issued by the same issuer may not be treated as NPA.

(v) The investments in debentures / bonds which are deemed to be in the nature of advance are subjected to NPI norms as applicable to investments.

Non Performing Assets of the Bank are further classified in to three categories as under:

- **Sub standard Assets**

  A sub standard asset is one which has remained NPA for a period less than or equal to 12 months.

- **Doubtful Assets**

  An asset would be classified as doubtful if it has remained in the sub standard category for 12 months.

- **Loss Assets**

  A loss asset is one where loss has been identified by the bank or by internal or external auditors or the RBI inspection. In loss assets realizable value of security available is less than 10% of balance outstanding/ dues.

Strategies and Processes:

The bank has a well defined Loan Policy & Investment Policy covering the important areas of credit risk management as under:

- Exposure ceilings to different sectors of the economy, different types of borrowers and their group and industry
- Fair Practice Code in dispensation of credit
- Discretionary Lending Powers for different levels of authority of the bank
- Processes involved in dispensation of credit – pre-sanction inspection, rejection, appraisal, sanction, documentation, monitoring, and recovery.
- Fixation of pricing.

The Credit Risk philosophy, architecture and systems of the bank are as under:

Credit Risk Philosophy:

- To optimize the risk and return envisaged in order to see that the Economic Value Addition to Shareholders is maximized and the interests of all the stakeholders are protected alongside ensuring corporate growth and prosperity with safety of bank's resources.
- To regulate and streamline the financial resources of the bank in an orderly manner to enable the various channels to incline and achieve the common goal and objectives of the Bank.
- To comply with the national priorities in the matter of deployment of institutional finance to facilitate achieving planned growth in various productive sectors of the economy.

- उद्यमवार ऋण संस्कृति विकसित करना और परिचालन स्टॉफ को सहयोग प्रदान करना.
- विभिन्न ऋणी वर्गों को आवश्यकता आधारित और समय पर ऋण सुविधा उपलब्ध करवाना.
- स्वीकृतिपूर्व, स्वीकृति उपरांत मानिटरिंग, पर्यवेक्षण और अनुवर्ती कदम उठाते हुए ऋण प्रबंधन कौशल को प्रभावी बनाना ताकि बैंक में कारगर ऋण संस्कृति विकसित की जा सके तथा ऋण संविभाग को गुणवत्ता युक्त बनाया जा सके.
- गुणवत्ता मूल्यांकन एवं तत्परता के साथ विस्तृत दिशानिर्देशों का पूर्ण अनुपालन अधिक प्रभावपूर्ण ढंग से करते हुए ऋण प्रस्तावों पर कार्यवाही करना.
- विभिन्न विनियामक आवश्यकताओं विशेष रूप से भारतीय रिजर्व बैंक / अन्य प्राधिकारियों, एक्सपोजर मानदंडों, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के मानदंडों, आय पहचान और आस्ति वर्गीकरण दिशानिर्देश, पूंजी पर्याप्तता, ऋण जोखिम प्रबंधन दिशानिर्देशों आदि की अनुपालना करना.

बैंक की संरचना और प्रणालियां

- बैंक में जोखिम प्रबंधन कार्यकलापों की देखरेख तथा समन्वय कार्यो के लिए बोर्ड द्वारा निदेशकों की एक उपसमिति का गठन किया गया है.
- ऋण नीतियों सहित विभिन्न ऋण जोखिम नीतियों को तैयार करने और उन का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने, ऋण प्रदान करने संबंधी नीतियों और बैंक की उद्यमवार जोखिम प्रबंधन कार्यो की नियमित देखरेख करने के लिए ऋणनीति समिति का गठन किया गया है.
- ऋण प्रस्तावों के मानकों, वित्तीय प्रसंविदाओं, रेटिंग मानकों तथा बेंचमार्क के संबंध में मानक नीतियां तैयार करना.
- ऋण जोखिम प्रबंधन कक्ष निर्धारित सीमाओं के तहत पहचान, स्तर, देखरेख तथा ऋण जोखिम नियंत्रण संबंधी कार्य देखते हैं.
- बोर्ड / नियामकों आदि द्वारा तैयार किए गए जोखिम मानदंड तथा संभावना सीमाओं को लागू करना तथा उनका अनुपालन सुनिश्चित करना.
- जोखिम मूल्यांकन प्रणालियों को तैयार करना, एम आई एस का विकास करना और ऋण संविभाग की गुणवत्ता की देखरेख, समस्याओं की पहचान तथा कमियों को पूरा करना.
- संविभाग मूल्यांकन करना, अर्थव्यवस्था, उद्योग पर तुलनात्मक विवेचना तैयार करना, ऋण संविभाग पर लचीलेपन का परीक्षण करना.
- निर्धारित नियमों और मार्ग निर्देशों की पूर्ण रूप से अनुपालना के लिए ऋण सुपुर्दगी प्रणाली में सुधार लाना.

जोखिम रिर्पोटिंग की संभावनाएं व प्रकृति और/अथवा आकलन पद्धति

बैंक के पास अपने ऋण जोखिम के लिए मजबूत ऋण जोखिम रेटिंग प्रणाली उपलब्ध है. ऋण जोखिमों को कम करने के प्रभावी उपायों में किसी भी आस्ति विशेष में जोखिम की संभावनाओं का पता लगाना, सुदृढ़ आस्ति गुणवता देखरेख, बैंक की समग्र कार्यनीति और ऋणनीति के अनुरूप अपेक्षित जोखिम रिटर्न मानदंडों को पूरा करने के लिए आस्तियों की कीमतों को लचीला बनाना शामिल है.

बैंक की मजबूत ऋण जोखिम रेटिंग प्रणाली अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनाये जा रहे स्वरूप और विश्व की महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं पर आधारित है और यह बैंक को ऋण आस्तियों में चूक की संभावनाओं का निर्धारण करने तथा चूक की गंभीरता का पता लगाने में सहयोग करती है और इस प्रकार यह प्रणाली बैंक को पद्धति निर्माण तथा आस्ति गुणवत्ता को बरकरार रखने में मदद करती है.

- To instill a sense of credit culture enterprise-wide and to assist the operating staff.
- To provide need-based and timely availability of credit to various borrower segments.
- To strengthen the credit management skills namely pre-sanction, post-sanction monitoring, supervision and follow-up measures so as to promote a healthy credit culture and maintain quality credit portfolio in the bank.
- To deal with credit proposals more effectively with quality assessment, speedy delivery, in full compliance with extant guidelines.
- To comply with various regulatory requirements, more particularly on Exposure norms, Priority Sector norms, Income Recognition and Asset Classification guidelines, Capital Adequacy, Credit Risk Management guidelines etc. of RBI/other Authorities.

Architecture and Systems of the Bank:

- A Sub-Committee of Directors has been constituted by the Board to specifically oversee and co-ordinate Risk Management functions in the bank.
- Credit Policy Committee has been set up to formulate and implement various credit risk strategy including lending policies and to monitor Bank's Enterprise-wide Risk Management function on a regular basis.
- Formulating policies on standards for credit proposals, financial covenants, rating standards and benchmarks.
- Credit Risk Management cells deal with identification, measurement, monitoring and controlling credit risk within the prescribed limits.
- Enforcement and compliance of the risk parameters and prudential limits set by the Board/regulator etc.,
- Laying down risk assessment systems, developing MIS, monitoring quality of loan portfolio, identification of problems and correction of deficiencies.
- Evaluation of Portfolio, conducting comprehensive studies on economy, industry, test the resilience on the loan portfolio etc.,
- Improving credit delivery system upon full compliance of laid down norms and guidelines.

The Scope and Nature of Risk Reporting and / or Measurement System:

The Bank has in place a robust credit risk rating system for its credit exposures. An effective way to mitigate credit risks is to identify potential risks in a particular asset, maintain healthy asset quality and at the same time impart flexibility in pricing assets to meet the required risk-return parameters as per the bank's overall strategy and credit policy.

The bank's robust credit risk rating system is based on internationally adopted frameworks and global best practices and assists the bank in determining the Probability of Default and the severity of default, among its loan assets and thus allows the bank to build systems and initiate measures to maintain its asset quality.

ऋण जोखिम के संबंध में मात्रात्मक प्रकटीकरण

Quantitative Disclosures in respect of Credit Risk:-

(क) कुल सकल ऋण जोखिम एक्सपोजर

(b) Total Gross Credit Risk Exposure:

(राशि लाख में / Amt in lks)

विवरण Particulars	निधि आधारित Fund Based	गैरनिधि आधारित Non-Fund Based
कुल सकल ऋण जोखिम : (एक्सपोज़र) Total Gross Credit Risk : (Exposure)	53868160.64	15025696.79

(ख) एक्सपोजर का भौगोलिक संवितरण, (निधि आधारित तथा गैर आधारित अलग-अलग)

(c) Geographic distribution of exposures, (Fund based and Non-fund based separately)

(राशि लाख में / Amt in lks)

विवरण Particulars	निधि आधारित Fund Based	गैरनिधि आधारित Non-Fund Based
कुल सकल ऋण जोखिम : (एक्सपोज़र) (घरेलू + घरेलू अनुषंगिया) Total Gross Credit Risk : (Exposure) (Domestic + Domestic Subsidiaries)	37389854.67	1,29,05,317.47
कुल सकल ऋण जोखिम : (एक्सपोज़र) (विदेशी + विदेशी अनुषंगिया) Total Gross Credit Risk : (Exposure) (Overseas + Overseas Subsidiaries)	16478305.97	2120379.32

(ग) एक्सपोजर का उद्योग टाइप संवितरण (घरेलू) (निधि आधारित तथा गैरनिधि आधारित अलग-अलग)

(d) Industry type distribution of exposures (Domestic) (Fund based and Non-fund based separately):

क्र.	उद्योग	Sr.	Industry	निधि आधारित Fund based	गैरनिधि आधारित Non Fund Based	कुल Total
ए	खनन एवं उत्खनन	A	Mining and Quarrying	741049.33	158163.13	899212.46
ए.1	कोयला	A.1	Coal	57090.87	51110.34	108201.21
ए.2	अन्य	A.2	Other	683958.46	107052.79	791011.25
बी.	खाद्य प्रसंस्करण	B.	Food Processing	1237090.85	378796.30	1615887.15
बी.1	चीनी	B.1	Sugar	299111.55	10852.63	309964.19
बी.2	खाद्य तेल एवं वनस्पति	B.2	Edible Oils and Vanaspati	162446.45	170625.59	333072.05
बी.3	चाय	B.3	TEA	11102.62	2058.88	13161.50
बी.4	काफी	B.4	Coffee	1639.84	0.00	1639.84
बी.5	अन्य	B.5	Others	762790.38	195259.20	958049.58
सी.	पेय पदार्थ	C.	Bevarages	152735.50	30760.73	183496.23
सी.1	तम्बाकू एवं तम्बाकू उत्पाद	C.1	Tobacco and tobacco products	87914.95	9589.68	97504.63
सी.2	अन्य	C.2	Others	64820.55	21171.05	85991.60
डी.	टैक्सटाइल	D.	Textiles	2368643.05	723471.59	3092114.64
डी.1	काटन टैक्सटाइल	D.1	Cotton Textile	1002112.38	170741.91	1172854.29
डी.2	जूट टैक्सटाइल	D.2	Jute Textile	25953.00	5554.25	31507.25
डी.3	हस्तशिल्प / खादी	D.3	Handicraft/Khadi	44924.88	6818.20	51743.08
डी.4	सिल्क	D.4	Silk	26736.80	10541.31	37278.11
डी.5	वूलन	D.5	Woolen	77097.09	5389.20	82486.29
डी.6	अन्य	D.6	Others	1191818.91	524426.72	1716245.63
	डी में से स्पिनिंग मिल्स		Out of D to spinning Mills	532542.31	99714.89	632257.20

क्र.	उद्योग	Sr.	Industry	निधि आधारित Fund based	गैरनिधि आधारित Non Fund Based	कुल Total
ई.	चमड़ा और चमड़ा उत्पाद	E.	Leather and Leather products	64395.92	17704.94	82100.86
एफ.	काष्ठ एवं काष्ठ उत्पाद	F.	Wood and Wood products products	77415.27	37701.37	115116.64
जी.	कागज एवं कागज उत्पाद	G.	Paper and Paper products	286149.09	94201.69	380350.77
एच.	पेट्रोलियम	H.	Petroleum	366207.69	215522.16	581729.85
आय.	रसायन और रसायन उत्पाद	I.	Chemicals and Chemical Products	2089230.47	692644.97	2781875.44
आय.1	उर्वरक	I.1.	Fertilizers	314212.19	210814.26	525026.45
आय.2	ड्रग एवं फार्मास्यूटिकल	I.2	Drugs and Pharmaceuticals	433601.83	107015.95	540617.78
आय.3	पेट्रो-केमीकल्स	I.3	Petro-Chemicals	443650.68	119665.08	563315.75
आय.4	अन्य	I.4	Other	897765.77	255149.68	1152915.45
जे.	रबड प्लास्टिक एवं अन्य उत्पाद	J.	J.Rubber Plastic and their Products	492571.69	273027.43	765599.12
के.	ग्लास एवं ग्लासवेयर	K.	K.Glass and Glassware	182986.12	78236.05	261222.17
एल.	सीमेंट एवं सीमेंट उत्पाद	L.	Cement and Cement Products	204165.62	123940.99	328106.61
एम.	मूल धातु एवं धातु उत्पाद	M.	M.Basic Metal and Metal Products	3087046.65	1189557.05	4276603.69
एम.1	लौह एवं स्टील	M.1	M.1 Iron and Steel	2263046.39	750028.86	3013075.25
एम.2	अन्य धातु एवं धातु उत्पाद	M.2	M.2 Other Metal and Metal Products	824000.26	439528.19	1263528.45
एन.	समस्त इंजीनियरिंग	N.	All Engineering	1355907.84	1206458.60	2562366.44
एन.1	इलैक्ट्रोनिक्स	N.1	Electronics	255165.41	123163.49	378328.91
एन.2	अन्य इंजीनियरिंग	N.2	Other Engg	1100742.43	1083295.11	2184037.53
ओ.	वाहन, वाहन पुर्जे और परिवहन उपस्कर	O.	Vehicles,vehicle parts and Transport Equipments	363689.61	142875.08	506564.69
पी.	जेम्स एवं ज्वैलरी	P.	Gems and Jwellery	252605.21	15361.13	267966.34
क्यू.	निर्माण	Q.	Construction	197429.87	1156246.13	1353676.00
आर.	संरचना	R.	Infrastructure	4849854.62	1602887.11	6452741.73
आर.1	परिवहन	R.1	Transport	1059315.87	567353.61	1626669.47
आर.1.1	रेलवे	R.1.1	Railways	14815.21	9649.20	24464.41
आर.1.2	सड़क परिवहन	R.1.2	Roadways	832265.63	466964.71	1299230.34
आर.1.3	विमानन	R.1.3	Aviation	52742.14	3970.92	56713.06
आर.1.4	जल परिवहन	R.1.4	Waterways	50833.35	13245.74	64079.09
आर.1.5	अन्य परिवहन	R.1.5	Others Transport	108659.54	73523.04	182182.58
आर.2	ऊर्जा	R.2	Energy	2707110.38	551584.78	3258695.16
आर.2.1	विद्युत जेन-ट्रांस--डिस्ट्रीब्यूशन	R.2.1	Electricity gen-trans--distri	2706678.60	545268.03	3251946.63
आर.2.1.1	इनमें से राज्य बिजली बोर्ड	R.2.1.1	of which state electricity Board	628804.75	127869.71	756674.46
आर.2.2	तेल	R.2.2	Oil	77.60	8.75	86.35
आर.2.3	गैस / एलएनजी (स्टोरेज एवं पाइप लाइन)	R.2.3	Gas/LNG (STORAGE AND PIPELINE	493.19	6343.00	6836.19

क्र.	उद्योग	Sr.	Industry	निधि आधारित Fund based	गैरनिधि आधारित Non Fund Based	कुल Total
आर.2.4	अन्य	R.2.4	OTHER	71608.00	0.00	71608.00
आर.3	टेलिकम्युनिकेशन	R.3	TELECOMMUNICATION	416649.74	135808.41	552458.15
आर.4	अन्य	R.4	OTHERS	666778.63	348140.31	1014918.94
आर.4.1	जल स्वच्छता	R.4.1	WATER SANITATION	70508.70	71052.52	141561.22
आर.4.2	सामाजिक एवं वाणिज्यिक संरचना	R.4.2	Social and Commercial Infrastructure	114720.86	19689.31	134410.17
आर.4.3	अन्य	R.4.3	Others	481549.07	257398.49	738947.55
एस.	अन्य उद्योग	S.	Other Industries	2748051.82	1129422.97	3877474.79
	सभी उद्योग (कुल)		**All Industries**	21117226.21	9266979.41	30384205.62
			Residuary other advances	32750934.43	5758717.38	38509651.81
			Total Loans & Advances	**53868160.64**	**15025696.79**	**68893857.43**

उद्योगों में ऋण एक्सपोज़र, जहां बकाया एक्सपोज़र बैंक के कुल घरेलू ऋण एक्सपोज़र के 5% से अधिक है, इस प्रकार है,

Credit exposure in industries where outstanding exposure is more than 5% of the total domestic credit exposure of the bank are as follows:

क्रम संख्या Sr no	उद्योग Industry	एक्सपोज़र राशि (लाख रु. में) Exposure amt. (in Lks.)	कुल घरेलू एक्सपोज़र का % % of Total Domestic Exposure
1	मूल धातू और धातू उत्पाद Basic Metal and Metal Products	4276603.69	6.21%
2	इंफ्रास्ट्रक्चर Infrastructure	6452741.73	9.37%

च. आस्तियों की अवशिष्ट परिपक्वता का विश्लेषण

f. Residual maturity breakdown of assets:

(राशि लाख ₹ में Amt in Lks)

	Time Bucket	1 D	2-7 D	8-14 D	15-28 D	29-90 D	3 - 6 M	6 - 12 M	1 - 3 Y	3 - 5 Y	Over 5 Y	TOTAL
सेंट्रल बैंक के पास नकदी एवं शेष	Cash and Balance with Central Banks	1667741	14097	874	47324	44585	56211	139125	179479	48604	157654	2355694
बैंक के पास शेष तथा मांग एवं अल्प सूचना पर देय राशि	Balances with Banks & Money at call & short notice	4306176	445255	716153	652523	3085163	2151701	1380154	42780	299	27222	12807425
अग्रिम	Advances	698870	1256449	1625963	1689371	6719367	4030847	3233885	17548635	3653132	3085030	43541549
निवेश	Investments	1256081	208971	56561	354600	570787	108082	512690	1306203	1557047	7093624	13024645
अचल आस्तियां	Fixed assets	0	0	0	0	0	0	0	804	34	297004	297841
अन्य आस्तियां	Other assets	44745	14937	11382	15880	65857	20425	25638	74168	56393	1041429	1370853
कुल	Total	7973613	1939708	2410932	2759698	10485759	6367266	5291492	19152068	5315508	11701964	73398007

(च) एनपीए की राशि (कुल) (f) Amount of NPAs (Gross):

राशि लाख ₹ में / Amount in Rs. Lks

क्रमांक Sr. No.	आस्ति श्रेणी	क्रमांक Sr. No.	Asset Category	Total
(एफ)	**एनपीए (सकल)**	(f)	**NPAs (Gross):**	1647888.10
	अवमानक		Substandard	443393.47
	संदिग्ध 1		Doubtful 1	441164.94
	संदिग्ध 2		Doubtful 2	543915.09
	संदिग्ध 3		Doubtful 3	62820.89
	हानि		Loss	156593.71
(जी)	**शुद्ध एनपीए कुल**	(g)	**Net NPAs Total**	812427.86
(एच)	**एनपीए अनुपात**	(h)	**NPA Ratios**	
	सकल अग्रिमों में सकल एनपीए		Gross NPAs to gross advances	3.71%
	निवल अग्रिम में निवल एनपीए		Net NPAs to net advances	1.87%
(आई)	**एनपीए (सकल) का मूवमेंट**	(i)	**Movement of NPA(Gross)**	
	प्रारंभिक शेष		Opening balance	1203901.14
	जोड़		Additions	862543.07
	कमी		Reductions	418555.93
	अन्तिम शेष		Closing balance	1647887.46
(जे)	**एनपीए के लिए प्रावधान का मूवमेंट**	(j)	**Movement of provisions for NPAs**	
	प्रारंभिक शेष		Opening balance	599983.48
	वर्ष के दौरान किया गया प्रावधान		Provision made during the year	430337.96
	बट्टे खाते/अधिक प्रावधान का प्रतिलेखन		Write off/ Write back of excess provision	195053.06
	अन्तिम शेष		Closing balance	835268.38
	गैर निष्पादक निवेश		**Non Performing Investments**	
(के)	गैर निषादक निवेश की राशि	(k)	Amount of Non-Performing Investments	57765.00
(एल)	गैर निष्पादक निवेश के लिए रखे गये प्रावधान की राशि	(l)	Amount of provisions held for non-performing investment	47234.00
(एम)	**निवेश पर मूल्यह्रास हेतु प्रावधानों का मूवमेंट**	(m)	**Movement of provisions for depreciation on investments**	
	प्रारंभिक शेष		Opening balance	102330.37
	अवधि के दौरान किया गया प्रावधान		Provisions made during the period	12315.00
	प्रतिलेखन		Write back of excess provision	31801.10
	अन्तिम शेष		Closing balance	82844.27

डीएफ 4 :ऋण जोखिम : मानकीकृत पद्धति के तहत पोर्टफोलियो हेतु प्रकटीकरण

मानकीकृत पद्धति के तहत बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमोदित सभी ईसीएआई (बाह्य ऋण मूल्याकन संस्थान) यथा सीएआरई, क्रिसिल, फिच (इंडिया), आइसीआरए, स्मेरा (एसएमई रेटिंग एजेंसी ऑफ इंडिया लि.) एवं घरेलू एक्सपोजर के लिए ब्रिक वर्क इंडिया प्रा. लि. की घरेलू ऋण एक्सपोजर हेतु रेटिंग को स्वीकार करता है. विदेशी ऋण एक्सपोजर के लिए बैंक स्टेण्डर्ड एवं पूअर, मूडी एवं फिच की रेटिंग स्वीकार करता है.

बैंक, कार्पोरेट तथा सार्वजनिक क्षेत्र प्रतिष्ठान के उधारकर्ताओं को ईसीएआई से रेटिंग लेने को प्रोत्साहित करता है और जहाँ कहीं ऐसी रेटिंग उपलब्ध है, वहाँ जोखिम पर आस्तियों की गणना के लिए इन रेटिंगों का उपयोग किया है.निम्नलिखित तीन प्रमुख जोखिम समूहों में मानकीकृत पद्धति (मूल्यांकित और गैर मूल्यांकित) के अनुसार जोखिम कम करने के पश्चात, जोखिम राशियों का बकाया शेष इस प्रकार हैं.

DF 4. Credit Risk : Disclosures for Portfolios Subject to the Standardized Approaches

Under Standardized Approach the bank accepts rating of all RBI approved ECAI (External Credit Assessment Institution) namely CARE, CRISIL, Fitch (India), ICRA, SMERA (SME Rating Agency of India Ltd.) and Brickwork India Pvt Ltd for domestic credit exposures. For overseas credit exposures the bank accepts rating of Standard & Poor, Moody's and Fitch.

The bank encourages Corporate and Public Sector Entity (PSE) borrowers to solicit credit ratings from ECAI and has used these ratings for calculating risk weighted assets wherever such ratings are available. The total outstanding balance of exposure amounts after risk mitigation subject to Standardized Approach (rated and unrated) in the following three major risk buckets are as under:

(राशि लाख ₹ में Amt in Lks)

जोखिम भार की श्रेणी	Category of Risk Weight	कुल TOTAL
100% जोखिम भार से कम	Below 100% risk weight	29210469.42
100% जोखिम भार	100% risk weight	15863005.09
100% जोखिम भार से अधिक	More than 100 % risk weight	3861284.35
सीआरएम कटौती	CRM DEDUCTED	4567985.24
कुल एक्सपोज़र (एफ बी+एन एफ बी)	Total Outstanding Balance of Exposure (FB+NFB)	53502744.10

डीएफ 5. अग्रिम जोखिम न्यूनीकरण : मानकीकृत पद्धति का प्रकटीकरण

क. बैंक अपने उधारकर्ताओं पर एक्सपोजर (निधि आधारित तथा गैर निधि आधारित) को संरक्षित करने के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतिभूतियाँ (जो कि संपार्श्विक रूप में भी हो सकती है) प्राप्त करते हैं. बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार कुछ अग्रिम जोखिम न्यून करने के बारे में एक्सपोजर में कमी की नीति को अपनाया है, जहां कहीं कार्पोरेट गारंटी अग्रिम जोखिम न्यून करने के रूप में उपलब्ध है, अग्रिम जोखिम उपलब्ध गारंटी की सीमा तक गारंटीदाताओं को अंतरित किया जाता है. सामान्यतः निम्नलिखित प्रकार की प्रतिभूतियाँ (मुख्य प्रतिभूतियाँ अथवा संपार्श्विक प्रतिभूतियाँ) ली जाती हैं.

1. स्टॉक, चल मशीनरी इत्यादि जैसी चल आस्तियाँ.
2. भूमि, बिल्डिंग, प्लांट तथा मशीनरी जैसी अचल अस्तियाँ.
3. अनुमोदित सूची के अनुसार शेयर
4. बैंक की स्वाधिकृत जमाराशियाँ.
5. राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र, किसान विकास पत्र, एलआइसी पॉलिसियाँ, केन्द्रीय/राज्य सरकारों आदि द्वारा जारी की गई प्रतिभूतियाँ इत्यादि
6. ऋण प्रतिभूतियां - कतिपय शर्तों के साथ क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा अनुमोदित
7. ऋण प्रतिभूतियां -रेटिंग नहीं की गई कतिपय शर्तों के साथ एक बैंक द्वारा जारी
8. म्यूचुअल फंडों की यूनिटें

DF 5. Credit risk mitigation: Disclosures for Standardized Approaches

Bank obtains various types of securities (which may also be termed as collaterals) to secure the exposures (Fund based as well as Non-Fund based) on its borrowers. Bank has adopted reduction of exposure in respect of certain credit risk mitigant, as per RBI guidelines. Wherever corporate guarantee is available as credit risk mitigant, the credit risk is transferred to the guarantor to the extent of guarantee available. Generally following types of securities (whether as primary securities or collateral securities) are taken:

1. Moveable assets like stocks, moveable machinery etc.
2. Immoveable assets like land, building, plant & machinery.
3. Shares as per approved list
4. Bank's own deposits
5. NSCs, KVPs, LIC policies, Securities issued by Central & State Governments etc.
6. Debt securities - rated by approved credit rating agency- with certain conditions
7. Debt securities- not rated- issued by a bank- with certain conditions
8. Units of Mutual funds

9. गैर निधि आधारित सुविधाओं के पेटे नकदी मार्जिन.
10. स्वर्ण एवं स्वर्ण आभूषण

बैंक के पास, बैंक को प्रभारित प्रतिभूतियों के मूल्यांकन के संबंध में बेहतर नीति उपलब्ध है.

बैंक ने ऊपर क्रम संख्या 4 से 10 पर उल्लिखित प्रतिभूतियों को ऋण जोखिम हेतु मानकीकृत पद्धति बासेल-II के अन्तर्गत ऋण जोखिम कमी कारक के रूप में लिया है.

बैंक के ऋण जोखिम के एवज में गारंटीदाताओं के प्रमुख प्रकार निम्नानुसार हैं:

- वैयक्तिक (व्यक्तिगत गारंटियां)
- कार्पोरेट्स / पी एस ई
- केन्द्रीय सरकार
- राज्य सरकार
- ईसीजीसी
- सीजीटीएमएसई

सीआरएम संपार्श्विक प्रमुखतः बैंक की स्वयं की जमा-राशियों के पेटे ऋणों में और सरकारी प्रतिभूतियों, एलआईसी पॉलिसियों के पेटे ऋणों में उपलब्ध होते हैं अर्थात ये कुल सीआरएम का प्रमुख भाग होते हैं.

सीआरएम प्रतिभूतियां, गैर निधि आधारित सुविधाओं जैसे गारंटियों और ऋण-पत्रों में भी ली जाती हैं.

सीआरएम प्रतिभूतियां, गैर निधि आधारित सुविधाओं जैसे गारंटियों और ऋण-पत्रों में भी ली जाती हैं.

बैंक के एक्सपोजर्स के संबंध में सीआरएम के रूप में उपलब्ध पात्र गारंटरों (बासेल II के अनुसार) में केन्द्रीय/राज्य सरकार, ईसीजीसी, सीजीटीएसआई, काउंटर पार्टी की अपेक्षा कम जोखिम भार वाले बैंक व प्राथमिक डीलर तथा अन्य संस्थाएं (मुख्यतः पेरेंट, अनुषंगी तथा संबद्ध कंपनियां) जिन्हें एए (-) या बेहतर रेटिंग दी गई है, शामिल हैं.

ख. प्रत्येक ऋण जोखिम संविभाग के लिए कुल एक्सपोजर, जो कि पात्र वित्तीय संपार्श्विक द्वारा कवर किया गया है, मार्जिन को लगाने के पश्चात निम्नानुसार हैः

9. Cash Margin against Non-fund based facilities
10. Gold and Gold Jewelry.

The bank has well-laid out policy on valuation of securities charged to the bank.

The securities mentioned at Sr. No. 4 to 10 above are recognized as Credit Risk Mitigants for on-balance sheet netting under Basel-II standardized approach for credit risk, following Comprehensive Approach of Basel II norms.

The main types of guarantors against the credit risk of the bank are:

- Individuals (Personal guarantees)
- Corporate/PSEs
- Central Government
- State Government
- ECGC
- CGTMSE

CRM collaterals available in Loans Against Bank's Own Deposit and Loans against Government Securities, LIC Policies constitute a major percentile of total CRM.

CRM securities are also taken in non fund based facilities like Guarantees and Letters of Credit.

Eligible guarantors (as per Basel-II) available as CRM in respect of Bank's exposures are mainly Central/ State Government, ECGC, CGTSI, Banks & Primary Dealers with a lower risk weight than the counter party AND other entities (mainly parent, subsidiary and affiliate companies) rated AA(-) or better.

b. For each credit risk portfolio, total exposure that is covered by eligible financial collateral, after application of haircut is as under:

(राशि लाख ₹ में Amt in Lks)

ऋण जोखिम संविभाग	**Credit Risk Portfolio**	**वित्तीय संपार्श्विक (मार्जिन पश्चात्) Total Financial Collateral (post hair cut)**
देशी गारंटी	Domestic Sovereign	0
सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयां	Public Sector Entities	72300.77
बैंकों पर दावे	Claims on Banks	79664.03
कॉर्पोरेट	Corporate	3218645.46
क्षेत्रीय रिटेल संविभाग	Reg Retail Portfolio	1151292.16
आवासीय संपत्ति	Residential Property	10543.25
वाणिज्यिक रियल इस्टेट	Commercial Real Estate	21758.84
विनिर्दिष्ट श्रेणियां	Specified Categories	9265.77
अन्य आस्तियां	Other Assets	4514.96
कुल	**TOTAL**	4567985.24

ग. एक्सपोजरों का विवरण, जो कि गारंटियों द्वारा कवर किए गए हैं, (भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत)

c. **Details of exposures that are covered by Guarantees (permitted by RBI)**

(राशि लाख ₹ में Amt in Lks)

स्वरूप	Nature	डीआईसीजीसी DICGC	CGFT	ईसीजीसी ECGC	सीजीएफटीएमएसई CGFTMSE	एए एण्ड ए गारंटी AA & A Gty	राज्य सरकार गारंटी State govt Gty	केन्द्रीय सरकार गारंटी Central govt gty	बैंक गारंटी Gty by Banks
देशी गारंटियां	Domestic Sovereigns								
सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां	Foreign Sovereign								
बैंकों पर दावे	Public Sector Entity	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	356305.13	454607.90	42342.27
कॉर्पोरेट	Foreign PSE								
विनियामक रिटेल संविभाग	Claims on Banks	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
आवासीय संपत्ति	Foreign banks								
वाणिज्यिक रियल इस्टेट	Corporate	0.00	0.00	483522.68	206.94	0.00	3000.00	0.00	261407.15
विनिर्दिष्ट श्रेणियां	Regulatory Retail Portfolio	249.44	0.00	36098.88	128951.52	0.00	0.00	0.00	14900.29
अन्य आस्तियां	Residential Property	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
कुल	Comml. Real Estate	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	Specified Categories	0.00	159050.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	Other Assets	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	TOTAL	249.44	159050.00	519621.56	129158.46	0.00	359305.13	454607.90	318649.71

डीएफ 6. प्रतिभूतीकरण

क. बैंक की प्रतिभूति नीति है जिसे बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है. नीति के अनुसार प्रतिभूत किये जाने वाले संविभाग की प्रकृति रिटेल ऋण (आवास ऋण, ऑटो ऋण, परिसंपत्तियों के पेटे अग्रिम, वैयक्तिक ऋण तथा क्रेडिट कार्ड्स) एसएसआई एवं आधारभूत परियोजना ऋण हैं.

दिनांक 31 मार्च, 2015 को बैंक के पास अपनी आस्तियों को प्रतिभूत करने का कोई मामला नहीं है.

ख. प्रतिभूतीकरण के संबंध में प्रतिधारित एक्सपोजर का कोई मामला नहीं है.

बैंक द्वारा खरीदे गए प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर की राशि निम्नानुसार हैः

DF 6. Securitization:

a. The Bank has a Securitization Policy duly approved by its Board. As per the Policy the nature of portfolio to be securitized are retail loans (housing loans, auto loans, and advance against properties, personal loans and credit cards) SSI and Infrastructure projects loans.

The Bank does not have any case of its assets securitized as on 31st March 2015

b. There is no case of retained exposure in respect of securitization

Amount of securitization exposure purchased by the bank is as under: -

(राशि लाख ₹ में Amt in Lks)

विदेशी ऋण रेटिंग के अनुसार जोखिम भार श्रेणी	Risk weight category as per external credit rating	बही मूल्य Book value	बैंकिंग बुक के अन्तर्गत रखी गयी राशि Amt held under banking book	जोखिम भार % RW %	जोखिम समायोजित मूल्य Risk adjusted value
एएए क्रिसिल / AAA – CRISIL			शून्य / NIL		
कुल / Total					

ग. बैंक की वर्ष 2014-15 के दौरान अपनी किसी भी मानक आस्ति का प्रतिभूतिकरण करने की कोई योजना नहीं है.

c. The bank does not presently plan to securitize any of its standard assets during the year 2014-15

डीएफ 7. व्यापार बही में बाजार जोखिम

बैंक बाजार जोखिम को ऐसी संभाव्य हानि में वर्गीकृत करता है जो बाजार मूल्यों में प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण हो सकती है. व्यापार बही में बाजार जोखिम के तहत निम्नलिखित जोखिम प्रबंधित किए जाते हैं:

- ब्याज दर जोखिम
- करेंसी जोखिम
- मूल्य जोखिम

जोखिम प्रबंधन के लिए बैंक के निदेशक मंडल ने विभिन्न सीमाएं निर्धारित की हैं जैसे सकल निपटान सीमाएं, हानिरोधक सीमाएं, और मूल्य जोखिम सीमाएं. जोखिम सीमाएं, खुली बाजारगत स्थितियों से उत्पन्न जोखिमों को नियंत्रित करती हैं. हानिरोधक सीमा, वसूलीकृत और अवसूलीकृत हानियों को ध्यान में लेती है.

बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार व्यवसाय संविभाग पर बाजार जोखिम से संबंधित पूंजी प्रभार की गणना करने के लिए एक समुचित पद्धति तैयार की है यथा मानकीकृत अवधि पद्धति. इस प्रकार आकलित पूंजी प्रभार को जोखिम भारित आस्तियों में रूपांतरित किया गया है. ऋण जोखिम के लिए सकल जोखिम भारित आस्तियों, बाजार जोखिम और परिचालन जोखिम को बासेल-III के अन्तर्गत बैंक के सीआरएआर निर्धारण करने के लिए हिसाब में लिया जाता है.

दिनांक 31 मार्च 2015 को बाजार जोखिम (मानकीकृत अवधि पद्धति के अनुसार) संबंधी पूंजी प्रभार तथा जोखिम वाली आस्तियां निम्नानुसार हैं.

DF 7. Market risk in trading book:

The Bank defines market risk as potential loss that the Bank may incur due to adverse developments in market prices. The following risks are managed under Market Risk in trading book:

- Interest Rate Risk
- Currency Risk
- Price risk

To manage risk, Bank's Board has laid down various limits such as Aggregate Settlement limits, Stop loss limits and Value at Risk limits. The risk limits help to check the risks arising from open market positions. The stop loss limit takes in to account realized and unrealized losses.

Bank has put in place a proper system for calculating capital charge on Market Risk on Trading Portfolio as per RBI Guidelines, viz., Standardized Duration Approach. The capital charge thus calculated is converted into Risk Weighted Assets. The aggregate Risk Weighted Assets for credit risk, market risk and operational risk are taken into consideration for calculating the Bank's CRAR under Basel-III

Risk Weighted Assets and Capital Charge on Market Risk (as per Standardized Duration Approach) as on 31st March 2015 are as under:

		9% पर न्यूनतम पूंजी प्रभार Minimum Capital Charge at 9% (Amt in Lks)
ब्याज दर जोखिम	**Interest Rate Risk**	135663.04
इक्विटी स्थिति जोखिम	**Equity Position Risk**	44569.29
विदेशी मुद्रा जोखिम	**Foreign Exchange Risk**	8089.56
कुल पूंजी प्रभार	**Total Capital Charge**	188321.89

डीएफ 8. परिचालन जोखिम

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार बैंक ने परिचालन जोखिम हेतु पूंजी आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए आधारभूत सूचक पद्धति अपनायी है. मूल सूचक पद्धति के अन्तर्गत गत 3 वर्षों की औसत आय को जोखिम भारित आस्ति तक लाने को ध्यान में रखा गया है.

DF 8. Operational risk

In line with RBI guidelines, Bank has adopted the Basic Indicator Approach to compute the capital requirements for Operational Risk. Under Basic Indicator Approach, average income of last 3 years is taken into consideration for arriving at Risk Weighted Assets.

डीएफ 9. बैंकिंग बहियों में ब्याज दर जोखिम (आईआरआरबीबी)

क ब्याज दर जोखिम को दो पद्धतियों के माध्यम से निर्धारित व मानीटर किया जाता है.

(i) जोखिम पर आय (पारंपरिक अन्तर विश्लेषण) (अल्पावधि):

इस पद्धति के तहत ब्याज दरों में परिवर्तनों का बैंक की शुद्ध ब्याज आय पर पड़ने वाले तत्काल प्रभाव का विश्लेषण किया जाता है.

जोखिम पर आय को विभिन्न परिदृश्यों में निम्नानुसार विश्लेषित किया गया है.

1. आय रेखा जोखिम : आस्तियों और देयताओं के लिए 1% समानांतर परिवर्तन का अनुमान लगाया गया है.

DF 9. Interest rate risk in the Banking Book (IRRBB)

a. The interest rate risk is measured and monitored through two approaches:

(i) Earning at Risk (Traditional Gap Analysis) (Short Term):

The immediate impact of the changes in the interest rates on net interest income of the bank is analyzed under this approach.

The Earning at Risk is analyzed under different scenarios:

1. Yield curve risk: A parallel shift of 1% is assumed for assets as well as liabilities.

2. आस्तियों के लिए श्रेणी-वार भिन्न आय परिवर्तनों का अनुमान लगाया गया है और ये देयताओं पर भी लागू होते हैं.
3. ऐतिहासिक प्रवृति के अनुसार आधार जोखिम एवं समाहित विकल्प जोखिम का अनुमान लगाया गया है.

(ii) इक्विटी का आर्थिक मूल्य (अवधि अन्तर विश्लेषण) (दीर्घावधि)

यह कार्य आस्तियों एवं देयताओं की संशोधित अवधि की गणना करके किया जाता है ताकि इक्विटी की संशोधित अवधि का निर्धारण किया जा सके.

- इस पद्धति को आय में दिए परिवर्तन हेतु आय रेखा में समान्तर शिफ्ट माना जाता है.
- इक्विटी के आर्थिक मूल्य पर प्रभाव को जैसा भारतीय रिज़र्व बैंक ने विश्लेषित किया है, नियमित अंतरालों पर 200 आधार अंकीय दर हेतु विश्लेषित किया जाता है.
- संबंधित परिपक्वता के लिए बाजार सहबद्ध आय को संशोधित अवधि की गणना में प्रयुक्त किया जाता है.

बैंकिंग बहियों में बैंक के ब्याज दर जोखिम का विश्लेषण दोनों घरेलू तथा विदेशी परिचालनों के लिए किया जाता है. घरेलू परिचालनों के लिए इक्विटी के आर्थिक मूल्य का आकलन तथा निगरानी तिमाही आधार पर की जाती है.

ख. जोखिम पर अर्जन

ब्याज दरों में 2 % की वृद्धि के कारण एक वर्ष की अवधि हेतु एनआईआई प्रभाव

(i) **जोखिम पर अर्जन**

ब्याज दरों में 200 बेसिस प्वॉईट्स की वृद्धि के कारण एक वर्ष तक की अवधि के लिए दिनांक 31 मार्च 2015 को ब्याज की संवेदनशील स्थिति के संबंध मे ब्याज दरों में हुए परिवर्तन की शुद्ध ब्याज आय पर प्रभाव को निम्न सारणी में दिया गया है :

2. Bucket wise different yield changes are assumed for the assets and the same are applied to the liabilities as well.
3. Basis risk and embedded option risk are assumed as per historical trend.

(ii) Economic Value of Equity (Duration Gap Analysis) (Long term)

Modified duration of assets and liabilities is computed separately to finally arrive at the modified duration of equity.

- This approach assumes parallel shift in the yield curve for a given change in the yield.
- Impact on the Economic Value of Equity is also analyzed for a 200 bps rate shock as required by RBI.
- Market linked yields for respective maturities are used in the calculation of the Modified Duration.

The analysis of bank's Interest Rate Risk in Banking Book (IRRBB) is done for both Domestic as well as Overseas Operations. The Economic value of equity for Domestic Operations is measured and monitored on a quarterly basis.

b. The increase (decline) in earnings and economic value for change in interest rate shocks are as under:-

(i) **Earning at Risk:** The following table sets forth the impact on the net interest income of changes in interest rates on interest sensitive positions as on 31st March 2015, for a period of one year due to 200 basis point upward movement in the interest rate:

मुद्रा **Currency**	ब्याज दरों में 200 बेसिस पॉईट्स वृध्दि **200 Basis point upward movement in the interest rates**
आई एन आर / INR	54220.88
युरो / EUR	2427.51
जीबीपी / GBP	12621.07
युएसडी / USD	22542.31
अन्य / Rest	18270.32
कुल / Total	110082.10

(ii) आर्थिक मूल्यः 31 मार्च 2015 को ब्याज दरों की संवेदनशील स्थिति के संबंध में ब्याज दरों में हुए परिवर्तन का इक्विटी के आर्थिक मूल्य पर प्रभाव निम्न सारणी में दिया गया है :

(ii) **Economic Value:** The following table sets forth the impact on economic value of equity of changes in interest rates on interest sensitive positions at 31st March 2015,

मुद्रा **Currency**	ब्याज दरों में 200 बेसिस प्वॉईट्स की वृद्धि के कारण इक्विटी के बाजार मूल्य में परिवर्तन **Change in Market Value of Equity due to 200 basis point upward movement in interest rate.**
आई एन आर / INR	-2922.41
युरो / EUR	-10.64
जीबीपी / GBP	157.64
युएसडी / USD	477.62
अन्य / Rest	407.7
कुल / Total	-1890.09

डीएफ 10. प्रतिपक्षी ऋण जोखिम से संबंधित एक्सपोजरों के लिए सामान्य प्रकटीकरण

प्रतिपक्षी ऋण जोखिम उसे कहा जाता है जिसमें प्रतिपक्षी नकदी प्रवाह के फाइनल निपटान से पहले अपना संव्यवहार पूरा कर लेता है, यह डेरीवेटिव तथा प्रतिभूति वित्तपोषण संव्यवहार के लिए जोखिम का प्रमुख स्रोत है. इसी प्रकार लोन के माध्यम से ऋण जोखिम के संबंध में बैंक का एक्सपोजर के समान ही जहां ऋण जोखिम संबंधी एक्सपोजर एक पक्षीय है और इसमें उधार देने वाला बैंक हानि-जोखिम का सामना करता है, प्रतिपक्षी ऋण जोखिम द्विपक्षीय है अर्थात संव्यवहार का बाजार मूल्य प्रतिपक्षी संव्यवहार से इतर पॉजीटिव या निगेटिव हो सकता है और बाजार घटकों के संचलन के साथ ही भिन्न हो सकता है.

चूक के समय यदि संव्यवहार या प्रतिपक्षी के साथ संव्यवहार पोर्टफोलियों में सकारात्मक आर्थिक मूल्य परिलक्षित होते हैं तो आर्थिक हानि उठानी पड़ सकती है.

तो बैंक अपने ग्राहकों को डेरीवेटिव उत्पादों के समान ही बहुत से उत्पाद ऑफ़र करता है ताकि वे ब्याज दर तथा मुद्रा संबंधी अपनी एक्सपोजर के साथ लेन-देन कर सकें और डेरीवेटिव के लिए प्रचलित बाजार मूल्य से अधिक मार्जिन अर्जित कर सकें. सभी ओवर द काउंटर डेरीवेटिव प्रतिपक्षी ऋण जोखिम की ओर ले जाते हैं, जिन्हें नियमित अंतराल पर बैंक मॉनीटर करता है. इन संव्यवहारों के लिए मार्जिन ऋण जोखिम की गुणवत्ता और मात्रा साथ ही इक्विटी पर वांछित प्रति लाभ को हिसाब में लिया जाता है.

बैंक का प्रतिपक्षी ऋण जोखिम, प्रतिपक्षी ऋण जोखिम पॉलिसी के अंतर्गत कवर किया जाता है. बैंक किसी पार्टी को डेरीवेटिव उत्पाद देने से पहले सुनिश्चित करता है कि सभी गुणवत्ताओं - अर्थात केवाईसी मानदंडों, संतुष्टिपूर्ण व्यवहारों, पार्टी की ऋण पात्रता का पालन किया जाए और फिर तद्नुसार संव्यवहार में अपेक्षित ऋण जोखिम कमी का निर्णय करता है.

प्रतिपक्षी ऋण जोखिम को कम करने तथा मॉनीटर करने के लिए, कार्पोरेट को दिए गए शेष डेरीवेटिव संव्यवहारों की मॉनीटरिंग मासिक आधार पर की जाती है और बैंक की तिमाही आधार पर.

ख. गुणात्मक प्रकटीकरण

बैंक द्विपक्षीय समायोजन को मान्यता प्रदान नहीं करता है. डेरीवेटिव एक्सपोजर की गणना करंट एक्सपोजर मैथड के आधार पर की जाती है तथा 31.03.2015 को बकाया शेष नीचे दिया जा रहा हैः-

DF 10. General Disclosures for Exposures Related to Counterparty Credit Risk

Counterparty Credit Risk is defined as the risk that the counterparty to a transaction could default before the final settlement of the transaction's cash flows and is the primary source of risk for derivatives and securities financing transactions. Unlike a Bank's exposure to credit risk through a loan, where the exposure to credit risk is unilateral and only the lending bank faces the risk of loss, the counterparty credit risk is bilateral in nature i.e. the market value of the transaction can be positive or negative to either counterparty to the transaction and varying over time with the movement of underlying market factors.

An economic loss would occur if the transactions or portfolio of transactions with the counterparty has a positive economic value at the time of default.

Bank offers many products like derivative products to customers to enable them to deal with their exposures to interest rate and currencies and to earn a margin over the ruling market price for the derivative. All over-the-counter derivative leads to counterparty credit exposures which bank monitors on a regular basis. The margin loaded for these transactions also take into account of the quality and quantity of the credit risk, and the desired return on equity.

The Banks exposure to counterparty credit Risk is covered under its Counterparty Credit Risk Policy. Banks ensures all the due diligence are to be adhered to viz. KYC norms, satisfactory dealing, credit worthiness of the party before extending any derivative products to the party and accordingly decides the level of credit risk mitigation required in the transaction. To mitigate and monitor the counter party credit exposure, the outstanding derivative transactions to corporate are monitored on a monthly basis and that to the Banks on quarterly basis.

b. Quantitative Disclosures

The Bank does not recognize bilateral netting. The derivative exposure is calculated using Current Exposure Method (CEM) and the balance out standing as on 31.03.2015 is given below:

(रु. लाखो में) (In INR Lks)

विवरण	Particulars	कल्पित राशि Notional Amounts	वर्तमान एक्सपोजर Current Credit Exposure(under CEM)
वायदा फॉरेक्स (14 दिन या उससे कम)	Forward forex Contracts(less than or equal to 14 days)	33,74,202.61	51,617.47
वायदा फॉरेक्स संविधाएं (14 दिन से अधिक)	Forward forex Contracts(over 14 days)	1,16,96,060.77	2,73,423.98
मुद्रा की अदला - बदली	Currency swaps	-	-
मुद्रा विकल्प	Currency Options	96,994.00	2,281.00
ब्याज दर (फ्यूचर)	Interest rate future	-	-
पारस्परिक मुद्रा ब्याज दर की अदला - बदली	Cross Currency Interest Rate Swap	49,455.94	7,945.01
एकल मुद्रा ब्याज दर की अदला - बदली	Single Currency Interest Rate Swap	37,60,664.22	83,729.00

सारणी डीएफ-11- पूंजी संयोजन

Table DF – 11: Composition of Capital

(राशि मिलियन ₹ में) **(Amt ₹ in Million)**

क्र.सं. Sr.No		मद Items	पात्र राशि Eligible Amt	बेसल III के पूर्व व्यवहारों के अधीन राशि Amounts Subject to Pre Basel III Treatments	संदर्भ सं. Ref No.
	सामान्य ईक्विटी टीयर 1 पूंजी : लिखत एवं प्रारक्षित निधियां	**Common Equity Tier 1 Capital : instruments and reserves**			
1	प्रत्यक्षतः जारी की गई विशेषक सामान्य शेयर पूंजी तथा संबद्ध स्टॉक अधिशेष (शेयर प्रीमियम)	Directly issued qualifying common share capital plus related stock surplus (share premium)	94623.03		A+D
2	संबद्ध अर्जन	Related Earnings	284481.09		B+E+F+I+Includes Minority share of Rs 629 Mn
3	संचित अन्य व्यापक आय (और अन्य प्रारक्षित निधि)	Accumulated other comprehensive income (and other reserve)	10691.59		C (less) Revaluation reserve (Rs. 10003.80)
4	प्रत्यक्षतः जारी की गई पूंजी जो चरणबद्ध रुप से सीईटी 1 के अधीन है. (केवल गैर सहयोगी स्टॉक कंपनियों के लिए लागू)	Directly issued capital subject to phase out from CET1 (only applicable to non-joint stock companies)	0.00	0.00	
	सार्वजनिक क्षेत्र में पूंजीगत अभिदान को 1 जनवरी, 2018 तक संरक्षण	***Public sector capital injections grandfathered until 1 January 2018***	0.00	0.00	
5	अनुषंगियों द्वारा जारी की गई तथा तृतीय पक्ष द्वारा रखी गई सामान्य शेयर पूंजी. (समूह सीईटी 1 में अनुमत प्राप्त राशि)	Common Share capital issued by subsidiaries and held by third parties (amount allowed in group CET1)	0.00	0.00	
6	**विनियामक समायोजन से पहले सामान्य ईक्विटी टीयर-1 पूंजी**	**Common Equity Tier 1 Capital before regulatory adjustment**	389795.70	0.00	
	सामान्य ईक्विटी टीयर-1 पूंजी विनियामक समायोजन	**Common Equity Tier 1 Capital : regulatory adjustment**			
7	विवेकपूर्ण मूल्यांकन समायोजन	Prudential Valuation Adjustment	0.00	0	
8	साख (संबद्ध कर देयता का शुद्ध)	Goodwill (net of related tax liability)	0.00	0	
9	बंधक के अलावा अमूर्त सेवा अधिकार (कर देयता का शुद्ध)	Intangibles other than mortgage-service rights (net of tax liability)	0.00	0	
10	आस्थगित कर आस्तियां	Deferred tax assets	0.00	0	
11	नकदी प्रवाह बचाव प्रारक्षित निधि	Cash-flow hedge reserve	0.00	0	
12	अनुमानित हानि हेतु कमी के लिए प्रावधान	Shortfall of provision to expected loss	0.00	0	
13	बिक्री पर प्रतिभूतिकरण लाभ.	Securitization Gain on sale	0.00	0	
14	उचित मूल्य देयताओं पर निजी ऋण जोखिम में परिवर्तन के कारण लाभ व हानि	Gains & losses due to changes in own credit risk on fair values liabilities	0.00	0	

(राशि मिलियन ₹ में) **(Amt ₹ in Million)**

क्र.सं. Sr.No		मद Items	पात्र राशि Eligible Amt	बेसल III के पूर्व व्यवहारों के अधीन राशि Amounts Subject to Pre Basel III Treatments	संदर्भ सं. Ref No.
15	परिभाषित लाभ पेंशन निधि शुद्ध आस्तियां	Defined-benefit pension fund net assets	0.00	0	
16	निजी शेयरों में निवेश (यदि रिपोर्ट किए गए तुलनपत्र में चुकता पूंजी का समायोजन पहले से न किया हो.)	Investment in own shares (if not already netted off paid-in capital on reported balance sheet)	0.00	0.00	
17	सामान्य ईक्विटी में पारस्परिक क्रॉस धारिता	Reciprocal cross holdings in common equity	267.00	178.00	{PART OF P+Q+S}
18	बैंकिंग, वित्तीय और बीमा संस्थाओं की पूंजी में निवेश जो विनियामक समेकन क्षेत्र, पात्र अधिक बिक्रय की स्थिति से बाहर हैं जहां जारी की गई शेयर पूंजी से बैंक की हिस्सेदारी 10% से अधिक नहीं है. (प्रारंभ में 10% से अधिक राशि)	Investment in the capital of banking, financial and insurance entities that are outside the scope of regulatory consolidation, net of eligible short positions, where the bank does not own more than 10% of the issued share capital (amount above 10% threshold)	0.00	0.00	
19	बैंकिंग, वित्तीय तथा बीमा संस्थाओं के सामान्य स्टॉक में महत्वपूर्ण निवेश जो विनियामक समेकन क्षेत्र, पात्र अधिक बिक्रय की स्थिति के शुद्ध से बाहर है. (प्रारंभ में 10% से अधिक की राशि)	Significant investment in the common stock of banking financial and insurance entities that are outside the scope of regulatory consolidation, net of eligible short position (amount above 10% threshold)	1254.00	836.00	PART OF R
20	बंधक सेवा (सर्विसिंग) अधिकार (प्रारंभ में 10% से अधिक की राशि)	Mortgage servicing rights (amount above 10% threshold)			
21	अस्थाई अंतरों से होने वाली आस्थगित कर आस्तियां (प्रारंभ में 10% से अधिक की राशि संबंधित कर देयता का शुद्ध)	Deferred tax assets arising from temporary differences (amount above 10% threshold, net of related tax liability)			
22	प्रारंभिक 15% से अधिक राशि.	Amount exceeding the 15% threshold			
23	जिसमें से वित्तीय संस्थाओं के सामान्य स्टॉक में महत्वपूर्ण निवेश.	of which : significant investments in the common stock of financial entities			
24	जिसमें में बंधक सेवा अधिकार.	of which : mortgage servicing rights			
25	जिसमें से अस्थाई अंतरों से होने वाली आस्थगित कर देयता.	of which : deferred tax assets arising from temporary differences			
26	राष्ट्रीय विशिष्ट विनियामक समायोजन (26ए + 26बी + 26सी + 26डी)	National specific regulatory adjustment (26a+26b+26c+26d)			
26 ए a	जिसमें से असमेकित बीमा अनुषंगियों की ईक्विटी पूंजी में निवेश	of which : Investment in the equity capital of the unconsolidated insurance subsidiaries	1254.00	836.00	
26 बी b	जिसमें से असमेकित गैर वित्तीय अनुषंगियों की ईक्विटी पूंजी में निवेश.	of which : Investment in the Equity Capital of the unconsolidated non-financial subsidiaries			
26 सी c	जिसमें से बहुत सी निजी वित्तीय संस्थाओं की ईक्विटी पूंजी में कमी जो बैंक में समेकित नहीं हुई है.	of which : Shortfall in the Equity Capital of majority owned financial entities which have not been consolidated with the bank			
26 डी. d	जिसमें से अशोधित पेंशन निधि	of which : Unamortized pension funds expenditure			

(राशि मिलियन ₹ में) **(Amt ₹ in Million)**

क्र.सं. Sr.No	मद	Items	पात्र राशि Eligible Amt	बेसल III के पूर्व व्यवहारों के अधीन राशि Amounts Subject to Pre Basel III Treatments	संदर्भ सं. Ref No.
27	कटौती को कवर करने के लिए अपर्याप्त टीयर 1 तथा टीयर 2 के कारण सामान्य ईक्विटी टीयर 1 के संबंध में विनियामक समायोजन किया गया	Regulatory adjustment applied to Common Equity Tier 1 due to insufficient Tier 1 and Tier 2 to cover deduction			
28	**सामान्य ईक्विटी-1 टियर-1 के लिए कुल विनियामक समायोजन.**	**Total regulatory adjustments to Common equity Tier 1**	1521.00	1014.00	
29	**सामान्य ईक्विटी- टियर 1 पूंजी (सीईटी-1)**	**Common Equity Tier 1 Capital (CET 1)**	388274.70		
	अतिरिक्त टीयर-1 पूंजी- लिखत.	**Additional Tier 1 capital : instruments**			
30	प्रत्यक्षतः जारी किए गए सापेक्ष अतिरिक्त टीयर-1 लिखत तथा संबद्ध स्टॉक अधिशेष (31 + 32)	Directly issued qualifying Additional Tier 1 instruments plus related stock surplus (31+32)			
31	जिसमें से लागू लेखा मानकों के तहत ईक्विटी के रुप में वर्गीकृत किए गए हैं. (पीएनसीपीएस)	of which : classified as equity under applicable accounting standards (PNCPS)			
32	जिसमें से लागू लेखा मानकों के तहत देयताओं के रुप में वर्गीकृत किए गए हैं. (शाश्वत ऋण लिखत)	of which : classified as liabilities under applicable accounting standards (Perpetual Debt Instruments)			
33	फेज आउट फॉर्म- अतिरिक्त टियर-1 के अधीन प्रत्यक्ष रुप से जारी किए गए पूंजीगत लिखत.	Directly issued capital instruments subject to phase out form Additional Tier 1	23381.90	5735.10	T (AFTER GRND FATHERING)+ Part of U
34	अनुषंगियों द्वारा जारी किए गए और थर्ड पार्टी द्वारा रखे गए (राशि की अनुमति समूह एटी-1 में की गई है) अतिरिक्त टियर-1 लिखत तथा सीईटी-1 लिखत जो पंक्ति 5 में शामिल नहीं किए गए हैं.)	Additional Tier 1 instruments (and CET 1 instruments not included in row 5) issued by subsidiaries and held by third parties (amount allowed in group AT1)			
35	जिसमें से फेज आउट के अधीन अनुषंगियों द्वारा जारी की गई राशि	of which : amount issued by subsidiaries subject to phase out			
36	**विनियामक समायोजन के पहले अतिरिक्त टियर 1 पूंजी**	**Additional Tier 1 capital before regulatory adjustment**	23381.90	5735.10	
37	निजी अतिरिक्त टियर 1 लिखतों में निवेश	Investments in own Additional Tier 1 instruments			
38	अतिरिक्त टियर 1 लिखतों में पारस्परिक प्रतिधारता	Reciprocal cross-holdings in Additional Tier 1 instruments	1130.90	753.90	{PART OF P+Q+S}
39	बैंकिंग, वित्तीय और बीमा संस्थाओं जो विनियामक समेकन क्षेत्र से बाहर है तथा जहां बैंक की हिस्सेदारी जारी की गई संस्था की सामान्य शेयर पूंजी में 10% से अधिक नहीं है. की पूंजी में निवेश (प्रारंभ में 10% से अधिक राशि)	Investments in the capital of banking, financial and insurance entities that are outside the scope of regulatory consolidation where the bank does not own more than 10% of the issued common share capital of the entity (amount above 10% threshold)			

(राशि मिलियन ₹ में) **(Amt ₹ in Million)**

क्र.सं. Sr.No	मद	Items	पात्र राशि Eligible Amt	बेसल III के पूर्व व्यवहारों के अधीन राशि Amounts Subject to Pre Basel III Treatments	संदर्भ सं. Ref No.
40	बैंकिंग, वित्तीय तथा बीमा संस्थाओं की पूंजी जो विनियामक समेकन के क्षेत्र से बाहर है, में महत्वपूर्ण निवेश. (पात्र शॉर्ट पोजीशन का निवल)	Significant investments in the capital of banking, financial and insurance entities that are outside the scope of regulatory consolidation (net of eligible short position)	418.00	1672.00	Part of R
41	विशिष्ट राष्ट्रीय विनियामक समायोजन (41ए+41बी)	National specific regulatory adjustment (41a+41b)			
41 ए.	असमेकित बीमा अनुषंगियों की अतिरिक्त टियर 1 की पूंजी में निवेश	Investments in the Additional Tier 1 capital of unconsolidated insurance subsidiaries			
41बी b	अधिकतर निजी वित्तीय संस्थाओं की अतिरिक्त टियर 1 की पूंजी में कमी, जो बैंक के साथ समेकित नहीं है.	Shortfall in the Additional Tier 1 capital of majority owned financial entities which have not been consolidated with the bank			
	प्री बसेल III ट्रीटमेंट के अधीन (कृपया टिप्पणी वाले कॉलम में लिखे) राशि के संबंध में अतिरिक्त टियर 1 को लागू विनियामक समायोजन	Regulatory adjustments applied to Additional Tier 1 in respect of amounts subject to Pre-Basel III treatment (please specify the details in remarks column)			
	जिसमें से साख और अमूर्त आस्तियां	of which : Goodwill And Intangible Assets			
	जिसमें से अनुषंगियों में निवेश (अनुषंगियों से लाया गया.)	of which : Investment in Subsidiaries c/f from Subsidiaries			
	जिसमें से सभी आस्थगित कर आस्तिया	of which : All Deferred Tax Assets			
42	कटौती को कवर करने के लिए अपर्याप्त टियर 2 के कारण अतिरिक्त टियर 1 में लागू किए गए विनियामक समायोजन	Regulatory adjustments applied to Additional Tier 1 due to insufficient Tier 2 to cover deductions			
43	**अतिरिक्त टियर 1 पूंजी के लिए कुल विनियामक समायोजन**	**Total regulatory adjustments to Additional Tier 1 capital**	1548.90	2425.90	
44	**अतिरिक्त टियर 1 पूंजी (एटी1)पूंजी**	**Additional Tier 1 capital (AT1) capital**	21833.00		
44ए. a	**पूंजी पर्याप्तता हेतु अतिरिक्त टियर 1 पूंजी (एटीए) की गणना**	**Additional Tier 1 capital (AT1) reckoned for capital adequacy**	21833.00		
45	**टियर 1 पूंजी (टी1 = सीईटी1 + स्वीकार्य एटी1)**	**Tier 1 capital (T1 = CET1 + Admissible AT1)**	410107.70		
46	प्रत्यक्षतः जारी किए सापेक्ष टियर 2 लिखत तथा संबद्ध स्टॉक अधिशेष	Directly issued qualifying Tier 2 instruments plus related stock surplus			
47	प्रत्यक्षतः जारी किए गए पूंजीगत लिखत जो फेज आउट फार्म 2 के अधीन है	Directly issued capital instruments subject to phase out from Tier 2	71513.00	22077	PART OF T+V
48	टियर 2 लिखत (तथा सीईटी1 व एटी1 लिखत - जो पंक्ति 5 या 34 में शामिल नहीं किए गए है. अनुषंगियों द्वारा जारी किए गए तथा थर्ड पार्टियों द्वारा रखे गए (राशि की अनुमति ग्रुप टियर 2 में दी गई है).	Tier 2 instruments (and CET1 and AT1 instruments not included in rows 5 or 34) issued by subsidiaries and held by third parties (amount allowed in group Tier 2)	0.00	0	

(राशि मिलियन ₹ में) **(Amt ₹ in Million)**

क्र.सं. Sr.No		मद Items	पात्र राशि Eligible Amt	बेसल III के पूर्व व्यवहारों के अधीन राशि Amounts Subject to Pre Basel III Treatments	संदर्भ सं. Ref No.
49	जिसमें से अनुषंगियों द्वारा जारी किए गए लिखत (फेज आउट के अधीन)	of which: instruments issued by subsidiaries subject to phase out			
50	प्रावधान (पुनर्मूल्यांकित प्रारंभित निधि टियर 2 में शामिल की गई है.) (31634.5+1304.6)	Provisions (Revaluation Reserve included in Tier 2) (31634.5+1304.6)	37440.77		PART OF C {45% of 10003.80}+ PART of W
51	**टियर 2 - पूंजी विनियामक समायोजन से पहले**	**Tier 2 capital before regulatory adjustments**	108953.77		
52	निजी टियर 2 लिखतों में निवेश	Investments in own Tier 2 instruments			
53	टियर 2 लिखतों में पारस्परिक प्रतिधारता	Reciprocal cross-holdings in Tier 2 instruments	974.46	649.6	{PART OF Q+S}
54	बैंकिंग, वित्तीय एवं बीमा संस्थाओं की पूंजी में निवेश, नियामक समेकन के क्षेत्र से बाहर हैं. जहां संस्था की जारी की गई सामान्य शेयर पूंजी से बैंक की हिस्सेदारी 10% से अधिक नहीं है. (प्रारंभ में 10% से अधिक राशि)	Investments in the capital of banking, financial and insurance entities that are outside the scope of regulatory consolidation where the bank does not own more than 10% of the issued common share capital of the entity (amount above 10% threshold)			
55	बैंकिंग, वित्तीय एवं बीमा संस्थाओं की पूंजी में महत्वपूर्ण निवेश, जो विनियामक समेकन के क्षेत्र से बाहर है (पात्र अधिविक्रय स्थिति का निवल)	Significant investments in the capital banking, financial and insurance entities that are outside the scope of regulatory consolidation (net of eligible short positions)			
56	राष्ट्रीय विशिष्ट विनियामक समायोजन (56a+56b)	National specific regulatory adjustments (56a+56b)			
56 ए a	जिसमें से : असमेकित अनुषंगियों की टियर 2 पूंजी में निवेश	of which: Investments in the Tier 2 capital of unconsolidated subsidiaries	418.00	1672.00	PART OF R
56 बी b	जिसमें से : अपनी निजी पूर्ण वित्तीय संस्थाओं की टियर 2 पूंजी में कमी, जो बैंक के साथ समेकित नहीं की गई है	of which: Shortfall in the Tier 2 capital of majority owned financial entities which have not been consolidated with the bank			
56 सी c	प्री-बासेल 3 ट्रीटमेंट के अध्यधीन राशि के संबंध में टियर 2 में लागू विनियामक समायोजन	Regulatory Adjustments Applied To Tier 2 in respect of Amounts Subject to Pre-Basel III Treatment			
57	**टियर 2 पूंजी में कुल विनियामक समायोजन**	**Total regulatory adjustments to Tier 2 capital**	1392.46		
58	**टियर 2 पूंजी**	**Tier 2 capital**	107561.31		
58 ए a	पूंजी पर्याप्तता के लिए गणना की गई टियर 2 पूंजी	Tier 2 Capital reckoned for Capital Adequacy	107561.31		
58 बी b	टियर 2 पूंजी के रूप में गणना की जाने वाली कोई अतिरिक्त टियर 1 पूंजी	Any Excess Additional Tier 1 capital to be reckoned as Tier 2 capital	0.00		
58 सी **c**	**पूंजी पर्याप्तता के लिए स्वीकार्य कुल टियर 2 पूंजी (58ए + 58बी)**	**Total Tier 2 Capital admissible for capital adequacy (58a+58b)**	107561.31		
59	**कुल पूंजी (कुल पूंजी = टी1 + टी2) (45 + 58 सी)**	**Total Capital (TC = T1 + T2) (45+58c)**	517669.01		

(राशि मिलियन ₹ में) **(Amt ₹ in Million)**

क्र.सं. Sr.No		मद Items	पात्र राशि Eligible Amt	बेसल III के पूर्व व्यवहारों के अधीन राशि Amounts Subject to Pre Basel III Treatments	संदर्भ सं. Ref No.
60	**कुल जोखिम भारित आस्तियां (60ए + 60बी + 60सी)**	**Total risk weighted assets (60a + 60b + 60c)**	3961479.46		
60 ए a	जिसमें से : कुल ऋण जोखिम भारित आस्तियां	of which: total credit risk weighted assets	3500359.71		
60 बी b	जिसमें से : कुल बाजार जोखिम भारित आस्तियां	of which: total market risk weighted assets	209246.58		
60 सी c	जिसमें से : कुल परिचालन जोखिम भारित आस्तियां	of which: total operational risk weighted assets	251873.17		
	पूंजी अनुपात	**Capital ratios**			
61	सामान्य इक्विटी टियर 1 (जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)	Common Equity Tier 1 (as a percentage of risk weighted assets)	9.80		
62	टियर 1 (जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)	Tier 1 (as a percentage of risk weighted assets)	10.35		
63	कुल पूंजी (जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)	Total capital (as a percentage of risk weighted assets)	13.07		
64	संस्था विशेष की बडी आवश्यकता (जोखिम भारित आस्तियों की प्रतिशत के रूप में प्रकटित न्यूनतम सीईटी1 आवश्यकता और पूंजी संरक्षण तथा प्रतिचक्रीय बड़ी आवश्यकता)	Institution specific buffer requirement (minimum CET1 requirement plus capital conservation and countercyclical buffer requirements, expressed as a percentage of risk weighted assets)	0.00		
65	जिसमें से : पूंजी संरक्षण बडी आवश्यकता	of which: capital conservation buffer requirement	0.00		
66	जिसमें से : बैंक विशेष की प्रतिचक्रीय बड़ी आवश्यकता	of which: bank specific countercyclical buffer requirement	0.00		
67	**जिसमें से : जी-एसआईबी बड़ी आवश्यकता**	**of which: G-SIB buffer requirement**	0.00		
68	बड़ी आवश्यकता को पूरा करने के लिए उपलब्ध सामान्य इक्विटी टियर 1 (जोखिम भारित आस्तियों के प्रतिशत के रूप में)	Common Equity Tier 1 available to meet buffers (as a percentage of risk weighted assets)	0.00		
	राष्ट्रीय न्यूनतम स्तर (यदि बासेल III से भिन्न हो)	**National minima (if different from Basel III)**			
69	राष्ट्रीय सामान्य इक्विटी टियर 1 न्यूनतम अनुपात (यदि बासेल III न्यूनतम से भिन्न हो)	National Common Equity Tier 1 minimum ratio (if different from Basel III minimum)	0.00		
70	राष्ट्रीय टियर 1 न्यूनतम अनुपात (यदि बासेल III न्यूनतम से भिन्न हो)	National Tier 1 minimum ratio (if different from Basel III minimum)	0.00		
71	राष्ट्रीय कुल पूंजी न्यूनतम अनुपात (यदि बासेल III न्यूनतम से भिनन हो)	National total capital minimum ratio (if different from Basel III minimum)	0.00		
	कटौती के लिए निर्दिष्ट सीमारेखा से नीचे की राशि (जोखिम भारिता से पहले)	**Amounts below the thresholds for deduction (before risk weighting)**			
72	अन्य वित्तीय संस्थाओं की पूंजी में गैर महत्वपूर्ण निवेश	Non-significant investments in the capital of other financial entities	0.00		

(राशि मिलियन ₹ में) **(Amt ₹ in Million)**

क्र.सं. Sr.No		मद Items	पात्र राशि Eligible Amt	बेसल III के पूर्व व्यवहारों के अधीन राशि Amounts Subject to Pre Basel III Treatments	संदर्भ सं. Ref No.
73	वित्तीय इकाइयों के सामान्य शेयर में महत्वपूर्ण निवेश	Significant investments in the common stock of financial entities	0.00		
74	बंधक सेवा अधिकार (संबंधित कर देयताओं का निवल)	Mortgage servicing rights (net of related tax liability)	0.00		
75	अस्थायी अंतरों से निकली आस्थगित कर आस्तियां (संबंधित कर देयताओं का निवल)	Deferred tax assets arising from temporary differences (net of related tax liability)	0.00		
	टियर 2 में प्रावधानों के समावेश पर लागू उच्चतम सीमा	**Applicable caps on the inclusion of provisions in Tier 2**			
76	मानकीकृत पद्धति के एक्सपोजर के संबंध में टियर 2 में समावेश के लिए पात्र प्रावधान (उच्चतम सीमा के लागू होने से पूर्व)	Provisions eligible for inclusion in Tier 2 in respect of exposures subject to standardized approach (prior to application of cap)	32939.10		
77	मानकीकृत पद्धति के अंतर्गत टियर 2 में प्रावधानों के समावेश की उच्चतम सीमा (2871584.65 का 1.25%)	Cap on inclusion of provisions in Tier 2 under standardized approach (1.25% of 28761584.65)	43754.50		
78	आंतरिक रेटिंग आधारित पद्धति के अधीन एक्सपोजर के सबंध में टियर 2 में समावेश के लिए पात्र प्रावधान (उच्चतम सीमा के लागू होने से पूर्व)	Provisions eligible for inclusion in Tier 2 in respect of exposures subject to internal ratings-based approach (prior to application of cap)	NA		
79	आंतरिक रेटिंग आधारित पद्धति के अंतर्गत टियर 2 में प्रावधानों के समावेशन के लिए उच्चतम सीमा	Cap for inclusion of provisions in Tier 2 under internal ratings-based approach	NA		
	चरणबद्ध व्यवस्था के अधीन पूंजीगत लिखत (केवल 31 मार्च, 2017 एवं 31 मार्च, 2022 के बीच लागू)	**Capital instruments subject to phase-out arrangements (only applicable between March 31, 2017 and March 31, 2022)**			
80	चरणबद्ध व्यवस्था के अधीन सीईटी 1 लिखतों की वर्तमान उच्चतम सीमा	Current cap on CET1 instruments subject to phase out arrangements	NIL		
81	उच्चतम सीमा के कारण सीईटी 1 से निकाल दी गई राशि (शोधन तथा परिक्वताओं के बाद उच्चतम सीमा से उपर अतिरिक्त)	Amount excluded from CET1 due to cap (excess over cap after redemptions and maturities)	NIL		
82	चरणबद्ध व्यवस्था के अध्यधीन एटी 1 लिखतों में वर्तमान उच्चतम सीमा	Current cap on AT1 instruments subject to phase out arrangements	13381.90		
83	उच्चतम सीमा के कारण एटी 1 से निकाल दी गई राशि (शोधन तथा परिक्वताओं के बाद उच्चतम सीमा से उपर अतिरिक्त)	Amount excluded from AT1 due to cap (excess over cap after redemptions and maturities)	5735.10		
84	चरणबद्ध व्यवस्था के अधीन टी 2 लिखतों पर वर्तमान उच्चतम सीमा	Current cap on T2 instruments subject to phase out arrangements	51513.00		
85	उच्चतम सीमा के कारण टी 2 से निकाल दी गई राशि (शोधन तथा परिक्वताओं के बाद उच्चतम सीमा से उपर अतिरिक्त)	Amount excluded from T2 due to cap (excess over cap after redemptions and maturities)	22077.00		

12 : पूंजी का संयोजन - समाधान आवश्यकताएं

Table DF-12: Composition of Capital- Reconciliation Requirements

(राशि मिलियन में) **(Amt in Mil)**

	विवरण		Particulars	वित्तीय विवरणियों के अनुसार तुलन पत्र Balance sheet as in financial statements	समेकन के विनियामक क्षेत्र के अंतर्गत तुलन पत्र Balance sheet under regulatory scope of consolidation
				31.03.2015	31.03.2015
क	पूंजी एवं देयताएं	A	Capital & Liabilities		
i	प्रदत्त पूंजी	i	Paid-up Capital	4435.60	0
	आरक्षित एवं अधिशेष		Reserves & Surplus	415740.90	0
	अल्प हित		Minority Interest	1867.16	0
	कुल पूंजी		Total Capital	422043.66	0
ii	जमाराशियां	ii	Deposits	6299812.51	0
	जिसमें से : बैंकों से जमाराशियां		of which: Deposits from banks	1131260.82	0
	जिसमें से : ग्राहक जमाराशियां		of which: Customer deposits	5168551.69	0
	जिसमें से : अन्य जमाराशियां (कृपया उल्लेख करें)		of which: Other deposits (pl. specify)	0.00	0
	जिसमें से : भारत में स्थित शाखाओं से जमा राशियां		of which:Deposit from branches in India	4191888.08	
	जिसमें से : भारत से बाहर स्थित शाखाओं से जमा राशियां		of which:Deposit from branches outside India	2107924.43	
iii	उधार	iii	Borrowings	355015.17	0
	जिसमें से : भा.रि.बैं से		of which: From RBI	0.00	0
	जिसमें से : बैंकों से		of which: From banks	24328.53	0
	जिसमें से :अन्य संस्थाओं एवं ऐजेंसियों से		of which: From other institutions & agencies	2142.75	0
	जिसमें से : भारत से बाहर उधार		of which: borrowing outside India	207526.88	0
	जिसमें से : पूंजीगत लिखत		of which: Capital instruments	121017.00	0
iv	अन्य देयताएं एवं प्रावधान	iv	Other liabilities & provisions	262902.41	0
	कुल		**Total**	7339773.74	0
B	आस्तियां	B	Assets		
i	भारतीय रिज़र्व बैंक के पास नकदी एवं शेष	i	Cash and balances with Reserve Bank of India	235569.43	0
	बैंकों के पास शेष तथा मांग एवं अल्प सूचना पर देय राशि		Balance with banks and money at call and short notice	1280742.46	0
ii	निवेश :	ii	Investments:	1302464.48	0
	जिसमें से : सरकारी प्रतिभूतियां		of which: Government securities	1046743.94	0
	जिसमें से: अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		of which: Other approved securities	13873.75	0
	जिसमें से: शेयर		of which: Shares	20330.61	0
	जिसमें से: डिबेंचर एवं बांड		of which: Debentures & Bonds	39475.00	0
	जिसमें से: अनुषंगिया/ संयुक्त उद्यम/ सहायक इकाइयां		of which: Subsidiaries / Joint Ventures / Associates	7955.34	0
	जिसमें से: अन्य (वाणिज्यिक पेपर्स, म्यूचअल फंड इत्यादि)		of which: Others (Commercial Papers, Mutual Funds etc.)	174085.84	0

iii	ऋण एवं अग्रिम	iii	Loans and advances	4354154.89	0.00
	जिसमें से : बैंक को ऋण एवं अग्रिम		of which: Loans and advances to bank		0
	जिसमें से : ग्राहक को ऋण एवं अग्रिम		of which: Loans and advances to customer		0
iv	अचल आस्तियां	iv	Fixed assets	29784.10	0.00
v	अन्य आस्तियां	v	Other assets	137058.39	0
	जिसमें से: साख एवं अमूर्त आस्तियां		of which: Goodwill and intangible assets	0.00	0
	जिसमें से: आस्थगित कर आस्तियां		of which: Deferred tax assets	0.00	0
vi	समेकन संबंधी साख	vi	Goodwill on consolidation	0.00	0
vii	लाभ हानि खाते में नामे शेष	vii	Debit balance in Profit & Loss account	0.00	0
	कुल आस्तियां		**Total Assets**	**7339773.76**	**0**

Step: 2

(राशि मिलियन में) **(Amt in Mil)**

	विवरण		**Particulars**	**वित्तीय विवरणियों के अनुसार तुलन पत्र Balance sheet as in financial statements**	**समेकन के विनियामक क्षेत्र के अंतर्गत तुलन पत्र Balance sheet under regulatory scope of consolidation**	**संदर्भ सं. Ref No.**
				31.03.2015	**31.03.2015**	
क	**पूंजी एवं देयताएं**	A	**Capital & Liabilities**			
i	प्रदत्त पूंजी	i	Paid-up Capitale	4435.60	0	
	जिसमें से: सीईटी1 के लिए पात्र राशि		of which: Amount eligible for CET1	4435.60	0	A
	जिसमें से: एटी1 के लिए पात्र राशि		of which: Amount eligible for AT1	0	0	
ii	आरक्षित एवं अधिशेष	ii	Reserves & Surplus	415740.90	0	
अनुसूची 2	सांविधिक आरक्षित निधि	Schedule 2	STATUTORY RESERVE	91876.28	0	B
	पूंजी आरक्षित निधि		CAPITAL RESERVE	20695.39	0	C
	शेयर प्रीमियम		SHARE PREMIUM	90187.42	0	D
	सामान्य आरक्षित निधि		General Reserve	0.00	0	
	आई.टी अधिनियम 1961 की धारा 36(i)(viii)(ए) के अंतर्गत विशेष आरक्षित		Special Reserves u/s 36(i)(viii)(a) of I.T.Act,1961	0.00	0	
	आई.टी अधिनियम की धारा 36 (I)(VIII) के अंतर्गत विशेष आरक्षित		Special Reserve u/s 36(I)(VIII) of I.T. act	44322.06	0	E
	राजस्व तथा अन्य		Revenue & other reserve	142119.76	0	F
	आरक्षित निवेश आरक्षित खाता		Investment reserve account	1304.63		G
	विदेशी मुद्रा प्रारक्षित निधि		Foreign Currency Translation Reserve	19701.37	0	H
	अनाबंटित लाभ		Unallocated Profit	5533.99	0	I
			Minority Share	1867.16		1
	कुल पूंजी		Total Capital	422043.66	0	

	विवरण		Particulars	वित्तीय विवरणियों के अनुसार तुलन पत्र Balance sheet as in financial statements	समेकन के विनियामक क्षेत्र के अंतर्गत तुलन पत्र Balance sheet under regulatory scope of consolidation	संदर्भ सं. Ref No.
				31.03.2015	31.03.2015	
ii	जमाराशियां	ii	Deposits	6299812.51	0	
अनुसूची 3	बैंक से मांग जमा	Schedule 3	Demand Deposit from Bank	20018.74	0	
	अन्य से मांग जमा		Demand Deposit from Others	517076.02	0	
	बचत बैंक जमा		SAVINGS BANK DEPOSITS	1128055.25	0	
	बैंकों से मीयादी जमा		Term Deposit from banks	1111242.08	0	
	अन्य से मीयादी जमा		Term Deposit from Others	3523420.41	0	
	भारत में स्थित शाखाओं से जमा		Deposit from branches in India	4191888.08		
	भारत से बाहर स्थित शाखाओं से जमा		Deposit from branches outside India	2107924.43		
iii	उधार	iii	Borrowings	355015.17	0	
अनुसूची 4	भा.रि.बैं (भा.रि.बैं. अधिनियम की धारा 19 के अंतर्गत)	Schedule 4	RBI (u/s 19 of RBI Act)	0.00	0	
	भारतीय स्टेट बैंकों से		From banks	24328.53	0	
	अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां		Other institutions and agencies	2142.75	0	
	नवोन्मेषी नियत ऋण लिखत (आईपीडीआई)		Innovative Perpetual Debt Instruments (IPDI)	19117.00	0	U
	बांडों के रुप में जारी पूंजी लिखत संक्रमित ऋण		Hybrid debt capital instrument issued as bonds	50000.00		
	गौण बांड		Subordinated Bonds	51900.00	0	T
	भारत के बाहर उधार		Borrowings ouside India	207526.88	0	V
iv	अन्य देयताएं एवं प्रावधान	iv	Other liabilities & provisions	262902.41	0	
अनुसूची 5	जिसमें से: देय बिल	Schedule 5	of which : Bills Payable	21908.81	0	
	जिसमें से: इंटर ऑफिस समायोजन (निवल)		of Which : Inter Office Adjustment (Net)	7527.12	0	
	जिसमें से : आस्थगित कर देयता		of Which : Deferred tax liability	6758.54		
	जिसमें से: उपचित ब्याज		of Which : Interest Accrued	47810.64	0	
	जिसमें से: मानक अग्रिमों के पेटे आकस्मिक प्रावधान		of Which : Contingent Provision against Standard Advances	29818.04	0	X
	जिसमें से: अन्य (प्रावधानों सहित)		of Which : Other (including provision)	149079.27	0	W
	कुल		**Total**	**7339773.74**	**0.00**	

	विवरण		Particulars	वित्तीय विवरणियों के अनुसार तुलन पत्र Balance sheet as in financial statements	समेकन के विनियामक क्षेत्र के अंतर्गत तुलन पत्र Balance sheet under regulatory scope of consolidation	संदर्भ सं. Ref No.
				31.03.2015	31.03.2015	
ख	**आस्तियां**	B	**Assets**	**1516311.90**		
i	भारतीय रिज़र्व बैंक के पास नकदी एवं शेष	i	Cash and balances with Reserve Bank of India	235569.43	0	
	बैंकों के पास शेष तथा मांग एवं अल्प सूचना पर देय राशि		Balance with banks and money at call and short notice	1280742.46	0	
ii	निवेश	ii	**Investments**	1302464.48	0	
अनुसूची 8	सरकारी प्रतिभूतियां	Schedule 8	Govt. Securities	1046743.94	0	N
	अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		Other approved securities	13873.75	0	O
	शेयर		Shares	20330.61	0	P
	डिबेंचर एवं बांड		Debentures & Bonds	39475.00	0	Q
	अनुषंगिया और/ अथवा संयुक्त उद्यम भारत एवं विदेश		Subsidiaries and/or JVs India & ABOROAD	7955.34	0	R
	अन्य निवेश		Other investments	174085.84	0	S
iii	ऋण एवं अग्रिम	iii	Loans and advances	4354154.89	0	
	बट्टाकृत एवं खरीदे गये बिल		BILLS PURCHASED & DISCOUNTED	576039.32	0	
	नकद ऋण, ओवरड्राफ्ट एवं मांग पर प्रतिदेय ऋण		CASH CREDITS, OVERDRAFTS & LOANS REPAYABLE ON DEMAND	2000460.98	0	
	मीयादी ऋण		TERM LOANS	1777654.59	0	
iv	अचल आस्तियां	iv	Fixed assets	29784.10	0	
v	अन्य आस्तियां	v	Other assets	137058.39	0	
अनुसूची 11	जिसमें से: साख एवं अमूर्त आस्तियां	Schedule 11	of which: Goodwill and intangible assets	0.00	0	L
	जिनमें से : साख		Out of which: Goodwill	0	0	
	अन्य अमूर्त (एमएसआर को छोडकर)		Other intangibles (excluding MSRs)	81212.59	0	
	आस्थगित कर आस्तियां		Deferred tax assets	55845.80	0	M
vi	समेकन संबंधी साख	vi	Goodwill on consolidation	0	0	
vii	लाभ हानि खाते में नामे शेष	vii	Debit balance in Profit & Loss account	0	0	
	कुल आस्तियां		**Total Assets**	7339773.76	0.00	

तालिका डीएफ - 13 : विनियामक पूंजीगत लिखतों की मुख्य विशेषताएं:

ऋण पूंजी लिखतों संबंधी प्रकटीकरण तथा ऋण पूंजी लिखतों की नियम एवं शर्तें को अलग से प्रकट किया गया है. प्रकटीकरण में जाने के लिए यहां क्लिक करें.

तालिका डीएफ - 14 : विनियामक पूंजीगत लिखतों की सभी नियम एवं शर्तें:

पूंजीगत लिखतों का विवरण अलग से दर्शाया गया है. पूंजीगत लिखतों की नियम एवं शर्तों को देखने के लिए संबंधित लिंक पर क्लिक करें.

Table DF -13 Main Features of Regulatory Capital Instruments:

Disclosures pertaining to debt capital instruments and the terms and conditions of debt capital instruments have been disclosed separately. Click here to access the disclosures.

Table DF-14: Full Terms and Conditions of Regulatory Capital Instruments

The details of Capital instruments are separately disclosed. Click the related links to view the terms and conditions of the capital instruments.

क्र.सं. Sr. No	लिखत	Instruments
1	टियर I आईपीडीआई एसआर - I	TIER I IPDI SR – I
2	टियर I (आईपीडीआई) एसआर - II	TIER I (IPDI) SR –II
3	टियर I (आईपीडीआई) एसआर - III	TIER I (IPDI) SR –III
4	टियर I (आईपीडीआई) एसआर - IV	TIER I (IPDI) SR –IV
5	टियर I (आईपीडीआई) एसआर - V	TIER I (IPDI) SR –V
6	बांड सीरीज - IV (लोअर)	BOND SERIES – IV (LOWER)
7	बांड सीरीज - V (लोअर)	BOND SERIES – V (LOWER)
8	बांड सीरीज -VI (लोअर)	BOND SERIES – VI (LOWER)
9	बांड सीरीज -VII (अपर)	BOND SERIES – VII (UPPER)
10	बांड सीरीज -VIII (अपर)	BOND SERIES – VIII (UPPER)
11	बांड सीरीज - IX (अपर)	BOND SERIES –IX (UPPER)
12	बांड सीरीज - X (लोअर)	BOND SERIES –X (LOWER)
13	बांड सीरीज -XI (अपर)	BOND SERIES –XI (UPPER)
14	बांड सीरीज -XII (अपर)	BOND SERIES –XII - (UPPER)
15	बांड सीरीज -XIII (अपर)	BOND SERIES –XIII - (UPPER)
16	बांड सीरीज -XIV (अपर)	BOND SERIES –XIV - (UPPER)
17	बांड सीरीज -XV (अपर)	BOND SERIES –XV - (UPPER)
18	बांड सीरीज -XVI	BOND SERIES – XVI
19	बांड सीरीज -XVII	BOND SERIES – XVII
20	एमटीएन बांड - (अपर)	MTN Bonds – (UPPER)

तालिका डीएफ - 15 : पारिश्रमिक के लिए प्रकटीकरण आवश्यकताएं

चूंकि बैंक ऑफ़ बड़ौदा एक सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है, परिपत्र सं. डीबीओडी.एनओ.बीसी.72/ 29.67.001/2001-12 दिनांक 13 जनवरी, 2012 के अनुसार तालिका डीएफ - 15 हमारे ऊपर लागू नहीं होती.

Table DF-15: Disclosure Requirements for Remuneration

As Bank of Baroda is a Public Sector bank Table DF -15 is not applicable to us as per Circular No DBOD.NO. BC.72/29.67.001/2001-12 dated January 13, 2012.

31 मार्च 2015 का समेकित तुलन-पत्र
Consolidated Balance Sheet as on 31st March, 2015

(₹ in 000's)

		अनुसूची SCHEDULE	31 मार्च 2015 को As on 31st Mar, 2015	31 मार्च 2014 को As on 31st Mar, 2014
पूंजी और देयताएं	CAPITAL & LIABILITIES			
पूंजी	Capital	1	443,56,04	430,67,63
प्रारक्षित निधियां और अधिशेष	Reserves & Surplus	2	41574,09,20	37416,14,53
मायनोरिटी इन्टरेस्ट	Minority Interest	2A	186,71,56	158,40,66
जमाराशियां	Deposits	3	629981,25,05	579997,05,60
उधार ली गई राशियां	Borrowings	4	35501,51,74	36976,30,07
अन्य देयताएं एवं प्रावधान	Other Liabilities & Provisions	5	26290,24,05	21135,52,08
जोड़	TOTAL		733977,37,64	676114,10,57
आस्तियां	ASSETS			
भारतीय रिज़र्व बैंक के पास नकदी और शेष रकम	Cash and balances with Reserve Bank of India	6	23556,94,33	19444,73,16
बैंकों के पास शेष रकम तथा मांग एवं अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि	Balances with Banks and Money at Call and Short Notice	7	128074,24,65	114910,93,64
निवेश	Investments	8	130246,44,86	122112,86,39
ऋण एवं अग्रिम	Loans & Advances	9	435415,48,92	403715,37,27
अचल आस्तियां	Fixed Assets	10	2978,40,99	2849,29,77
अन्य आस्तियां	Other Assets	11	13705,83,89	13080,90,34
जोड़	TOTAL		733977,37,64	676114,10,57
आकस्मिक देयताएं	Contingent Liabilities	12	247332,37,09	260865,11,13
वसूली के लिए बिल	Bills for Collection		37721,09,65	31995,79,82
महत्वपूर्ण लेखा-नीतियां	Significant Accounting Policies	18		
लेखों पर टिप्पणियां	Notes on Accounts	19		

ऊपर दर्शायी गयी अनुसूचियां तुलन-पत्र का एक अभिन्न भाग हैं.
The Schedules referred to above form an integral part of the Balance Sheet.

रंजन धवन
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ
के. वी. रामामूर्ती
कार्यपालक निदेशक
यू. सी. सिंघवी
महाप्रबंधक
कार्पो. खाते, कराधान एवं सीएफओ
अशोक डंगायच
उपमहाप्रबंधक
कार्पोरेट खाते एवं कराधान

निदेशक
श्री मोहम्मद मुस्तफा
श्री प्रेम कुमार मक्कर
श्री भरत कुमार डांगर
श्रीमती सुरेखा मरांडी
डॉ. आर नारायणस्वामी

लेखा परीक्षक
सम तारीख की हमारी संलग्न पृथक रिपोर्ट के अनुसार

कृते खंडेलवाल जैन एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 105049 डब्ल्यू

शैलेशकुमार एस. शाह
भागीदार
एम. नं.: 033632

कृते के ए एस जी एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 002228 सी

आर. के. अग्रवाल
भागीदार
एम. नं.: 073063

1कृते वही एण्ड गुप्ता
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 002263 एन

वाय. के. गुप्ता
भागीदार
एम. नं.: 016020

कृते एस आर गोयल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 001537 सी

अजय कुमार अतोलिया
भागीदार
एम. नं.: 077201

कृते एम. बी. अग्रवाल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 100137 डब्ल्यू

एम. बी. अग्रवाल
भागीदार
एम. नं.: 009045

कृते रोडी दबीर एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 108846 डब्ल्यू

दिलीप जी. रोडी
भागीदार
एम. नं.: 035810

स्थान : मुंबई,
दिनांक : 11 मई, 2015

31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष का समेकित लाभ व हानि लेखा
Consolidated Profit & Loss Account for the year ended 31st March 2015

(₹ in 000's)

		अनुसूची SCHEDULE	31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए For the Year ended 31st Mar 2015 ₹	31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष के लिए For the Year ended 31st Mar 2014 ₹
I. आय	I. INCOME			
अर्जित ब्याज	Interest Earned	13	44914,96,66	40462,89,27
अन्य आय	Other Income	14	5449,26,98	5555,15,33
जोड़	TOTAL		50364,23,64	46018,04,60
II. व्यय	II. EXPENDITURE			
ब्याज व्यय	Interest Expended	15	30546,60,83	27604,42,78
परिचालन व्यय	Operating Expenses	16	8604,41,41	7592,28,65
प्रावधान और आकस्मिक व्यय	Provisions and Contingencies	19 (9)	7380,52,26	5890,09,22
जोड़	TOTAL		46531,54,50	41086,80,65
माइनोरिटी इन्टरेस्ट से पूर्व समेकित लाभ और सहयोगी इकाइयों में आय का अंश	Consolidated Profit before Minority Interest and share of earning in Associates		3832,69,14	4931,23,95
सहयोगी इकाइयों में आय का अंश	Share of earnings in Associates	17	117,73,23	105,16,93
माइनोरिटी इन्टरेस्ट राशि कम करने से पूर्व वर्ष के लिए समेकित शुद्ध लाभ	Consolidated Net Profit for the year before deducting Minority interest		3950,42,37	5036,40,88
घटाएं : माइनोरिटी इन्टरेस्ट	Less : Minority Interest		38,69,63	35,67,90
वर्ष के लिए समूह का समेकित लाभ	Consolidated Profit for the year attributable to the group		3911,72,74	5000,72,98
आगे लाई गई लाभ एवं हानि खाते में शेष राशि	Balance in Profit and Loss A/c brought forward		415,85,41	281,19,07
विनियोग हेतु उपलब्ध राशि	Amount available for appropriation		4327,58,15	5281,92,05
III. विनियोग	III. APPROPRIATIONS			
सांविधिक प्रारक्षित निधि में अन्तरण	Transfer to Statutory Reserve		897,62,50	1181,07,88
पूंजी प्रारक्षित निधियों में अन्तरण	Transfer to Capital Reserve		108,20,60	8,69,02
धारा 36(1) (viii) के तहत विशेष आरक्षित निधि में अंतरण	Transfer to Special Reserve u/s 36 (1) (viii)		1096,96,76	915,19,85
राजस्व एवं अन्य प्रारक्षित निधियों में अंतरण	Transfer to Revenue & Other Reserves		689,23,30	1677,42,22
प्रस्तावित लाभांश (लाभांश कर सहित)	Proposed Dividend (Including Dividend Tax)		851,68,71	1083,67,67
समेकित बेलेंसशीट में आगे ले जाया गया शेष	Balance carried over to consolidated Balance Sheet		553,39,97	415,85,41
समेकित बेलेंसशीट में आगे ले जाया गया शेष	Investment Reserve Account		130,46,31	-
जोड़	TOTAL		4327,58,15	5281,92,05
प्रतिशेयर आय (बेसिक व डायल्यूटेड) (₹.) (सांकेतिक मूल्य प्रति शेयर ₹10)	Earnings per Share (Basic & Diluted) (₹.) (Nominal value per share ₹ 2)	19 (10.5)	18.22	23.65
महत्वपूर्ण लेखा-नीतियां	Significant Accounting Policies	18		
लेखों पर टिप्पणियां	Notes on Accounts	19		

ऊपर दर्शाई गई अनूसूचियां तुलन पत्र का एक अभिन्न भाग हैं
The Schedules referred to above form an integral part of Balance sheet

AUDITORS
As per our separate report of even date attached

Ranjan Dhawan
Managing Director & CEO
K.V. Rama Moorthy
Executive Director
U C Singhvi
General Manager
Corp A/Cs & Taxation and CFO
Ashok Dangaich
Dy General Manager
Corporate A/Cs & Taxation

DIRECTORS
Shri Mohammad Mustafa
Shri Prem Kumar Makkar
Shri Bharat Kumar Dangar
Smt. Surekha Marandi
Dr. R. Narayanaswamy

For Khandelwal Jain & Co.
Chartered Accountants
FRN:105049W
(Shailesh S Shah)
(Partner)
M. No.033632

For KASG & Co.
Chartered Accountants
FRN:002228C
(R. K. Agarwal)
(Partner)
M. No.073063

For Wahi & Gupta
Chartered Accountants
FRN:002263N
(Y. K. Gupta)
(Partner)
M. No.016020

For S R Goyal & Co.
Chartered Accountants
FRN:001537C
(Ajay Kumar Atolia)
(Partner)
M. No.077201

For M B Agrawal & Co.
Chartered Accountants
FRN:100137W
(M. B. Agrawal)
(Partner)
M. No.009045

For Rodi Dabir & Co.
Chartered Accountants
FRN:108846W
(Dilip G Rodi)
(Partner)
M. No.035810

Place : Mumbai
Date : 11th May 2015

समेकित तुलन-पत्र की अनुसूचियां
Schedules to Consolidated Balance Sheet

(₹ in 000's)

			31 मार्च, 2015 को As on 31st March 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को As on 31st March 2014 ₹
अनुसूची - 1 पूंजी	SCHEDULE - 1 CAPITAL				
प्राधिकृत पूंजी (प्रत्येक ₹ 2/- के 1,500,00,00,000 इक्विटी शेयर) (पिछले वर्ष प्रत्येक ₹10/- के 300,00,00,000/- शेयर)	AUTHORISED CAPITAL (1,500,00,00,000 Shares of ₹ 2/- each) (previous year 300,00,00,000 shares of ₹ 10/- each)		3000,00,00		3000,00,00
जारी की गयी तथा अभिदत्त पूंजी प्रत्येक ₹2/- के 222,51,63,406 इक्विटी शेयर (पिछले वर्ष प्रत्येक ₹10 के 43,21,48,587 शेयर)	ISSUED & SUBSCRIBED CAPITAL 222,51,63,406 Equity Shares of ₹2/- each (previous year 43,21,48,587 shares of ₹10/- each)		445,03,27		432,14,85
मांगी गई एंव प्रदत्त पूंजी प्रत्येक ₹ 2/- के 221,14,95,906 (पिछले वर्ष 42,12,56,303) इक्विटी शेयर) जिसमें 1,27,22,76,886 इक्विटी शेयर (पिछले वर्ष 24,15,71,283 शेयर) शामिल हैं, जिसकी कुल राशि ₹ 254.45 करोड़ केन्द्र सरकार द्वारा धारित है.	CALLED-UP & PAID-UP CAPITAL 221,14,95,906 (previous year 42,12,56,303) Equity Shares of ₹2 each including 1,27,22,76,886 Equity Shares (previous year 24,15,71,283 Shares) amounting to ₹ 254.45 crores held by Central Government		442,29,92		429,41,51
जोड़ें : जब्त शेयर	Add: Forfeited Shares		1,26,12		1,26,12
योग	TOTAL		443,56,04		430,67,63
अनुसूची - 2	SCHEDULE - 2				
प्रारिक्षत निधियां और अधिशेष	RESERVES & SURPLUS				
I सांविधिक प्रारक्षित निधियां	I Statutory Reserves				
आरंभिक शेष	Opening Balance	8291,39,87		7109,94,38	
जोड़ें/(घटाएं) : लाभ एवं हानि खाते से अंतरित	Add: Transfer from P&L Accounts	897,62,50		1181,07,88	
जोड़ें/(घटाएं) : वर्ष के दौरान समायोजन	Add/(Less): Adjustments during the year	(13959)	9187,62,78	37,61	8291,39,87
II क) पूंजीगत प्रारक्षित निधियां (₹ 1000.38 करोड़ के पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को शामिल करते हुए (पिछले वर्ष ₹1066.95 करोड़)	II a) Capital Reserves (including Revaluation Reserve of ₹ 1000.38 crores (previous year ₹ 1066.95 crores)				
आरंभिक शेष	Opening Balance	1936,87,67		1984,27,49	
जोड़ें/(घटाएं) : लाभ एवं हानि खाते से अंतरित	Add/(Less): Transfer from P&L Accounts	108,20,60		8,69,02	
जोड़ें/(घटाएं) : वर्ष के दौरान समायोजन	Add/(Less): Adjustments during the year	(50,28,91)	1994,79,36	(56,08,84)	1936,87,67
ख) समेकन पर पूंजीगत प्रारक्षित निधियां	b) Capital Reserve on Consolidation				
आरंभिक शेष	Opening Balance	72,46,67		70,18,76	
जोड़ें : वर्ष के दौरान समायोजन	Add/(Less): Adjustments during the year	2,27,92	74,74,59	2,27,91	72,46,67

(₹ in 000's)

		31 मार्च, 2015 को As on 31st March 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को As on 31st March 2014 ₹	
III शेयर प्रीमियम	III Share Premium				
आरंभिक शेष	Opening Balance	7771,62,62		7229,78,50	
जोड़ें/(घटाएं) : वर्ष के दौरान परिवर्धन / समायोजन	Add/(Less): Adjustments during the year	1247,11,59	9018,74,21	541,84,12	7771,62,62
IV राजस्व एवं अन्य प्रारक्षित निधियां	IV Revenue & Other Reserves				
क. धारा 36 (1) (viii) के तहत विशेष प्रारक्षित निधियां	a. Special Reserves u/s 36 (1) (viii)				
प्रारंभिक शेष	Opening Balance	3335,23,87		2420,04,02	
जोड़ें/(घटाएं) : लाभ एवं हानि खाते से अंतरण	Add: Transfer from P&L Account	1096,96,76	4432,20,63	915,19,85	3335,23,87
ख. प्रारक्षित निधियां	b. Translation Reserves		1970,13,74		2013,21,85
ग. पी एण्ड एल एप्रोप्रिएशन खातों से अंतरित निवेश निधी खाते	c. Investment Reserve Account				
	Transferred from P&L Appropriation A/c		130,46,31		-
घ. राजस्व निधियां	d. Revenue Reserves				
प्रारंभिक शेष	Opening Balance	13579,46,57		12736,29,54	
जोड़े : लाभ और हानि खाते से अंतरण	Add: Transfer from P&L Accounts	689,23,30		1677,42,22	
जोड़ें/(घटाएं): वर्ष के दौरान किए गए परिवर्धन/समायोजन	Add: Additions/Adjustments during the year	(56,72,26)	14211,97,61	(834,25,19)	13579,46,57
V लाभ/हानि खाते में शेष	V Balance in Profit & Loss Account		553,39,97		415,85,41
कुल प्रारक्षित निधियां और अधिशेष (i से v)	Total Reserves & Surplus (I to v)		41574,09,20		37416,14,53
अनुसूची - 2 ए- माइनोरिटी इन्टरेस्ट	**SCHEDULE - 2A- Minority Interest**				
प्रारंभिक शेष	Opening Balance	158,40,66		110,05,39	
जोड़ें / (घटाएं): वर्ष के दौरान किए गए समायोजन	Add/(Less): Adjustments during the year	28,30,90	186,71,56	48,35,27	158,40,66
कुल माइनोरिटी इन्टरेस्ट	Total Minority Interest		186,71,56		158,40,66
अनुसूची - 3 जमा राशियां	**SCHEDULE - 3 DEPOSITS**				
क. I मांग जमा राशियां	A. I Demand Deposits				
i) बैंकों से	i) From Banks	2001,87,36		2054,53,48	
ii) अन्यों से	ii) From Others	51707,60,25	53709,47,61	48917,38,03	50971,91,51
II बचत बैंक जमा राशियां	II Savings Bank Deposits		112805,52,55		98845,58,32
III मीयादी जमा राशियां	III Term Deposits				
i) बैंकों से	i) From Banks	111124,20,80		106245,40,57	
ii) अन्यों से	ii) From Others	352342,04,09	463466,24,89	323934,15,20	430179,55,77
जोड़ (I, II एवं III)	TOTAL (I,II and III)		629981,25,05		579997,05,60
ख. I भारत में शाखाओं की जमाराशियां	B. I Deposits of branches in India	419188,80,78		383264,50,62	
II भारत से बाहर शाखाओं की जमा राशियां	II Deposits of branches outside India	210792,44,27		196732,54,98	
जोड़ (I एवं II)	TOTAL (I & II)	629981,25,05		579997,05,60	

(₹ in 000's)

		31 मार्च, 2015 को As on 31st March 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को As on 31st March 2014 ₹	
अनुसूची - 4 उधार राशियां	SCHEDULE - 4 BORROWINGS				
I भारत में उधार राशियां	I Borrowings in India				
i) भारतीय रिजर्व बैंक	i) Reserve Bank of India	-		2000,00,00	
ii) अन्य बैंक	ii) Other Banks	2432,85,33		2022,52,09	
iii) अन्य संस्थान और एजेंसियां	iii) Other Institutions and Agencies	214,27,53		2,26,24	
iv) आईपीडीआई	iv) IPDI	1911,70,00		1911,70,00	
v) बांडों के रूप में जारी हाईब्रिड ऋण पूंजी लिखत	v) Hybrid Debt Capital Instruments issued as bonds	5000,00,00		5000,00,00	
vi) गौण ऋण	vi) Subordinate debt	5190,00,00	14748,82,86	4490,00,00	15426,48,33
II भारत से बाहर उधार राशियां (इसमें 300 मिलियन यूएस डॉलर भारतीय रुपयों में ₹1875.00 करोड़ के समतुल्य (पिछले वर्ष 300 मिलियन यूएस डॉलर भारतीय रुपयों में ₹1797.45 करोड़ के समतुल्य) के एमटीएन बाण्ड शामिल हैं)	II Borrowings outside India (includes MTN Bonds of USD 300 mn, INR equivalent of ₹ 1875.00 crores (previous year USD 300 mn, ₹ 1797.45 crores)		20752,68,88		21549,81,74
जोड़ (I एवं II)	TOTAL (I & II)		35501,51,74		36976,30,07
ऊपर I एवं II में शामिल जमानती उधार राशियां	Secured Borrowings included in I & II above		2849,83,75		3861,77,21
अनुसूची - 5	SCHEDULE - 5				
अन्य देयताएं एवं प्रावधान	OTHER LIABILITIES AND PROVISIONS				
I देय बिल	I Bills Payable		2190,88,05		1749,35,55
II उपचित ब्याज	II Interest Accrued		4781,06,40		3808,65,47
III अन्त : कार्यालय समायोजन	III Inter office Adjustments		752,71,17		926,40,06
IV आस्थगित कर देयता	IV Deferred Tax Liabilities		675,85,37		794,52,26
V मानक अग्रिमों के पेटे आकस्मिक प्रावधान	V Contingent Provision against Standard Advances		2981,80,35		2418,28,06
VI अन्य (प्रावधानों सहित)	VI Others (including provisions)		14907,92,71		11438,30,68
जोड़ (I एवं VI)	Total (I to VI)		26290,24,05		21135,52,08
अनुसूची - 6 नकदी तथा भारतीय रिजर्व बैंक के पास शेष	SCHEDULE - 6 CASH AND BALANCES WITH RESERVE BANK OF INDIA				
I हाथ में नकदी (विदेशी मुद्रा नोटों सहित)	I Cash in hand (including foreign currency notes)		3358,63,97		2311,45,30
II भारतीय रिजर्व बैंक/केन्द्रीय बैंक के पास शेष	II Balances with Reserve Bank of India/ Central Bank :				
i) चालू खाते में	i) in Current Account	19853,05,30		16983,95,82	
ii) अन्य खातों में	ii) in Other Accounts	345,25,06	20198,30,36	149,32,04	17133,27,86
जोड़ (I एवं II)	Total (I & II)		23556,94,33		19444,73,16
अनुसूची - 7 बैंक के पास शेष और मांग एवं अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि	SCHEDULE - 7 BALANCES WITH BANKS AND MONEY AT CALL AND SHORT NOTICE				
I भारत में	I In India				
i) बैंकों के पास शेष रकम	i) Balances with Banks				
(क) चालू खातों में	a) in Current Accounts	625,28,04		1202,89,23	
(ख) अन्य जमा खातों में	b) in Other Deposit Accounts	4920,67,58	5545,95,62	2817,02,72	4019,91,95

(₹ in 000's)

		31 मार्च, 2015 को As on 31st March 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को As on 31st March 2014 ₹	
ii) मांग पर एवं अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि	ii) Money at call and short notice				
(क) बैंकों के पास	a) with Banks	-		-	
(ख) अन्य संस्थानों के पास	b) with Other Institutions	155,00,00	155,00,00	10,00,00	10,00,00
जोड़ (i एवं ii)	Total (i and ii)		5700,95,62		4029,91,95
II भारत से बाहर	II Outside India				
i) चालू खातों में	i) in Current Accounts	33392,04,57		20422,30,02	
ii) अन्य जमा-राशि खातों में	ii) in Other Deposit Accounts	62554,33,09		63025,81,46	
iii) मांग एवं अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि	iii) Money at Call and Short Notice	26426,91,37		27432,90,21	
जोड़ (i,ii एवं iii)	Total (i, ii and iii)		122373,29,03		110881,01,69
कुल जोड़ (I एवं II)	Grand Total (I and II)		128074,24,65		114910,93,64
अनुसूची - 8 निवेश	**SCHEDULE - 8 INVESTMENTS**				
I भारत में निम्न में निवेश	I Investments in India in				
i) सरकारी प्रतिभूतियां	i) Govt Securities	99139,02,19		97382,84,98	
ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	ii) Other Approved Securities	1387,37,47		1128,84,94	
iii) शेयर	iii) Shares	2033,06,08		2380,68,21	
iv) डिबेंचर एवं बांड	iv) Debentures and Bonds	3947,50,12		4226,60,83	
v) सहयोगी इकाइयों में निवेश [इसमें क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की शेयर पूंजी के रूप में बैंक का अग्रिम अंशदान ₹ 152.91 करोड़. (पिछले वर्ष ₹ 152.91 करोड़) शामिल है जो आबंटन हेतु लम्बित हैं.]	v) Investment in Associates '[includes Bank's share of contribution as advance of ₹ 152.91 Crores (Previous year ₹ 152.91 Crores) towards Share Capital of RRBs pending allotment]	681,32,28		565,83,46	
vi) अन्य	vi) Others	12970,12,84		8547,87,41	
जोड़ (i से vi)	Total (i to vi)		120158,40,98		114232,69,83
II भारत से बाहर निवेश	II Investments Outside India in				
i) सरकारी प्रतिभूतियां (स्थानीय प्राधिकरणों सहित)	i) Govt Securities (incl. Local authorities)	5535,37,21		4128,70,03	
ii) सहयोगी इकाइयों में निवेश	ii) Investment in Associates	114,21,15		63,96,30	
iii) अन्य	iii) Others	4438,45,52		3687,50,23	
जोड़ (i से iii)	Total (i to iii)		10088,03,88		7880,16,56
कुल जोड़ (I एवं II)	Grand Total (I & II)		130246,44,86		122112,86,39
III भारत में निवेश	III Investments in India				
निवेशों का सकल मूल्य	Gross value of Investments	120678,71,84		115005,58,36	
घटाएं: मूल्यह्रास हेतु प्रावधानों का जोड़	Less: Aggregate of Provisions for Depreciation	520,30,86		772,88,53	
शुद्ध निवेश	Net Investments	120158,40,98		114232,69,83	
IV भारत से बाहर निवेश	IV Investments outside India				
निवेशों का सकल मूल्य	Gross value of Investments	10396,17,05		8130,59,11	
घटाएं: मूल्यह्रास हेतु प्रावधानों का जोड़	Less: Aggregate of Provisions for Depreciation	308,13,17		250,42,55	
शुद्ध निवेश	Net Investments	10088,03,88	130246,44,86	7880,16,56	122112,86,39

(₹ in 000's)

		31 मार्च, 2015 को As on 31st March 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को As on 31st March 2014 ₹	
अनुसूची - 9 अग्रिम	**SCHEDULE - 9 ADVANCES**				
क. i) खरीदे और भुनाए गए बिल	A. i) Bills Purchased and Discounted		57603,93,20		53056,58,80
ii) नकदी ऋण, ओवर ड्राफ्ट और मांग पर चुकौती योग्य ऋण	ii) Cash Credits, Overdrafts and Loans Repayable on Demand		200046,09,80		182327,52,15
iii) मीयादी ऋण	iii) Term Loans		177765,45,92		168331,26,32
जोड़ (i से iii)	Total (i to iii)		435415,48,92		403715,37,27
ख. i) मूर्त आस्तियों द्वारा संरक्षित (बही ऋण की एवज में अग्रिमों सहित)	B. i) Secured by Tangible Assets(Includes advances against book debts)	298146,25,17		282624,53,37	
ii) बैंकों/सरकारी गारंटियों द्वारा रक्षित	ii) Covered by Bank/ Government Guarantees	83267,06,96		66362,74,57	
iii) गैर-जमानती	iii) Unsecured	54002,16,79		54728,09,33	
जोड़ (i से iii)	Total (i to iii)		435415,48,92		403715,37,27
ग. I भारत में अग्रिम	C. I Advances in India				
i प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	i Priority Sector	96972,45,73		85560,73,92	
ii सार्वजनिक क्षेत्र	ii Public Sector	22481,55,07		22895,28,04	
iii बैंक	iii Banks	3406,76,92		3096,91,58	
iv अन्य	iv Others	171647,59,03	294508,36,75	163131,95,05	274684,88,59
II भारत से बाहर अग्रिम	II Advances Outside India				
i बैंकों से प्राप्य	i Due from Banks	71206,62,67		57342,06,30	
ii अन्यों से प्राप्य	ii Due from Others				
क. खरीदे गए और भुनाए गए बिल	a) Bills purchased & Discounted	5889,27,56		7105,18,46	
ख. समूह ऋण	b) Syndicated Loans	23617,00,25		26606,50,21	
ग. अन्य	c) Others	40194,21,69	140907,12,17	37976,73,71	129030,48,68
जोड़ (ग I + ग II)	Total (C.I +C.II)		435415,48,92		403715,37,27
अनुसूची-10	**SCHEDULE - 10**				
अचल आस्तियां	**FIXED ASSETS**				
I परिसर	I Premises				
विगत वर्ष के 31 मार्च की लागत पर	At cost as on 31st March of the preceding year	2864,45,77		2677,05,23	
वर्ष के दौरान परिवर्धन / समायोजन	Additions/Adjustments during the year	91,32,83		191,31,18	
		2955,78,60		2868,36,41	
घटाएं : वर्ष के दौरान कटौतियां / समायोजन	Deductions/adjustments during the year	9,23,53		3,90,64	
(पुनर्मूल्यित राशि सहित)	(Includes revalued amount)	2946,55,07		2864,45,77	
अद्यतन तारीख को मूल्यह्रास	Depreciation to date	1104,38,89	1842,16,18	1017,07,36	1847,38,41
II अन्य अचल आस्तियां (फर्नीचर एवं फिक्सचर सहित)	II Other Fixed Assets (including Furniture & Fixtures) :				
विगत वर्ष के 31 मार्च की लागत पर	At cost as on 31st March of the preceding year	3445,35,20		2913,15,55	

(₹ in 000's)

		31 मार्च, 2015 को As on 31st March 2015 ₹		31 मार्च, 2014 को As on 31st March 2014 ₹	
वर्ष के दौरान परिवर्धन / समायोजन	Additions/Adjustments during the year	537,54,28		578,31,74	
		3982,89,48		3491,47,29	
वर्ष के दौरान कटौतियां	Deductions during the year	133,09,61		46,12,09	
		3849,79,87		3445,35,20	
अद्यतन तारीख तक मूल्यह्रास	Depreciation to date	2713,55,06	1136,24,81	2443,43,84	1001,91,36
जोड़ (I एवं II)	Total (I land II)		2978,40,99		2849,29,77
अनुसूची - 11	**SCHEDULE - 11**				
अन्य आस्तियां	**OTHER ASSETS**				
I उपचित ब्याज	I Interest Accrued		4409,84,79		4749,14,30
II अग्रिम कर भुगतान/स्रोत पर कर कटौती (प्रावधानों का निवल)	II Tax paid in advance/tax deducted at source (net of Provisions)		5584,58,01		4849,47,70
III स्टेशनरी एवं स्टैम्प	III Stationery and Stamps		7,94,32		7,34,20
IV आस्थगित कर आस्तियां	IV Deferred Tax assets		11,82,50		10,27,17
V अन्य	V Others		3691,64,27		3464,66,97
जोड़ (I से V)	Total (I to V)		13705,83,89		13080,90,34
अनुसूची - 12	**SCHEDULE - 12**				
आकस्मिक देयताएं	**CONTINGENT LIABILITIES**				
I दावे जिन्हें ऋण नहीं माना गया	I Claims not acknowledged as debts		100,32,70		63,10,76
II आंशिक चुकता निवेशों के लिए देयता	II Liability for partly paid Investments		28,00		28,00
III बकाया वायदा विनिमय संविदाओं के कारण देयता	III Liability on account of outstanding forward exchange contracts		150684,45,91		171001,53,26
IV संघटकों की ओर से दी गई गारंटियां	IV Guarantees given on behalf of constituents :				
क) भारत में	a) In India	17568,26,45		16487,14,40	
ख) भारत से बाहर	b) Outside India	13822,47,57	31390,74,02	13410,13,34	29897,27,74
V स्वीकृतियां, परांकन और अन्य बाध्यता	V Acceptances, Endorsements and Other Obligations		20337,88,56		20142,64,46
VI आकस्मिक देयता की अन्य मदें	VI Other items of contingent liability		44818,67,90		39760,26,91
जोड़ (I से VI)	Total (I to VI)		247332,37,09		260865,11,13

समेकित लाभ व हानि लेखे की अनुसूचियां
Schedules to Consolidated Profit & Loss Account

(₹ in 000's)

		31 मार्च, 2015 को Year ended 31st March 2015 ₹ ₹	31 मार्च, 2014 को Year ended 31st March 2014 ₹ ₹
अनुसूची - 13 अर्जित ब्याज एवं लाभांश	SCHEDULE - 13 INTEREST AND DIVIDENDS EARNED		
I अग्रिमों/बिलों पर ब्याज/बट्टा	I Interest/Discount on Advances/Bills	31669,35,61	28656,54,51
II निवेश पर आय	II Income on Investments	10603,54,51	9293,97,26
III भारतीय रिजर्व बैंक शेष और अन्य अन्तर बैंक निधियों के शेष पर ब्याज	III Interest on Balances with Reserve Bank of India and other Inter-Bank Funds	1717,62,95	1671,24,99
IV अन्य	IV Others	924,43,59	841,12,51
जोड़ (I से IV)	TOTAL (I to IV)	44914,96,66	40462,89,27
अनुसूची - 14 अन्य आय	SCHEDULE - 14 OTHER INCOME		
I कमीशन, विनिमय एवं दलाली	I Commission, Exchange and Brokerage	1564,80,48	1503,06,75
II भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री पर लाभ/(हानि) (शुद्ध)	II Profit / (Loss) on sale of Land, Buildings and Other Assets (Net)	(3,50)	26,86
III विनिमय लेन-देन पर लाभ (शुद्ध)	III Profit on Exchange Transactions (Net)	1030,78,94	1068,56,51
IV निवेशों के पुनर्मूल्यांकन पर लाभ (शुद्ध)	IV Profit on sale of Investments (Net)	1036,29,86	752,91,09
V अर्जित प्रीमियम	V Premium earned	889,93,07	938,44,53
VI विविध आय	VI Miscellaneous Income	927,48,13	1291,89,59
जोड़ (I से VII)	TOTAL (I to VII)	5449,26,98	5555,15,33
अनुसूची - 15 ब्याज व्यय	SCHEDULE - 15 INTEREST EXPENDED		
I जमा राशियों पर ब्याज	I Interest on Deposits	28384,42,94	25865,48,17
II भारतीय रिज़र्व बैंक/ अन्तर बैंक उधार राशियों पर ब्याज	II Interest on Reserve Bank of India/Inter-Bank Borrowings	397,36,06	679,13,50
III अन्य	III Others	1764,81,83	1059,81,11
जोड़ (I से III)	TOTAL (I to III)	30546,60,83	27604,42,78

(₹ in 000's)

		31 मार्च, 2015 को Year ended 31st March 2015 ₹ ₹	31 मार्च, 2014 को Year ended 31st March 2014 ₹ ₹
अनुसूची - 16 परिचालन व्यय	**SCHEDULE - 16 OPERATING EXPENSES**		
I कर्मचारियों को भुगतान एवं उनके लिए प्रावधान	I Payments to and Provisions for Employees	4476,97,43	4334,60,65
II किराया, कर एवं विद्युत	II Rent, Taxes and Lighting	737,74,02	653,58,25
III मुद्रण एवं स्टेशनरी	III Printing and Stationery	83,19,55	75,82,90
IV विज्ञापन एवं प्रचार	IV Advertisement and Publicity	84,51,80	81,58,05
V बैंक की संपत्तियों पर मूल्यह्रास	V Depreciation on Bank's Property	368,25,53	368,10,96
VI निदेशकों की फीस, भत्ते एवं व्यय	VI Directors' Fees, Allowances and Expenses	2,58,69	2,73,50
VII लेखा परीक्षकों की फीस एवं व्यय (शाखा लेखा-परीक्षकों की फीस एवं व्यय सहित)	VII Auditors' Fees and Expenses (including Branch Auditors' Fees and Expenses)	54,43,54	52,06,45
VIII विधि प्रभार	VIII Law Charges	50,05,86	40,91,49
IX डाक व्यय, तार एवं दूरभाष आदि	IX Postages, Telegrams, Telephones etc.	156,60,96	151,73,95
X मरम्मत एवं रख रखाव	X Repairs and Maintenance	481,40,75	382,12,59
XI बीमा	XI Insurance	462,73,27	401,13,89
XII अन्य व्यय	XII Other Expenditure	1645,90,01	1047,85,97
जोड़ (I से XII)	TOTAL (I to XII)	8604,41,41	7592,28,65
अनुसूची - 17 सहयोगी इकाइयों में आय का अंश	**SCHEDULE - 17 SHARE OF EARNINGS IN ASSOCIATES**		
I क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	I RRB's	121,77,17	99,30,00
II अन्य	II Others	(4,03,94)	5,86,93
जोड़ (I और II)	TOTAL (I & II)	117,73,23	105,16,93

अनुसूची 18: 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय विवरणियों की महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. समेकित वित्तीय विवरणियां तैयार करने का आधार

1.1 तैयारी करने का आधार

बैंक (मूल), इसकी अनुषंगियों संयुक्त उद्यमों और सहयोगी इकाइयों की समेकित वित्तीय विवरणियां (सीएफएस) परम्परागत लागत के आधार पर बनाई गई हैं और सभी वास्तविक पहलुओं के संदर्भ में, भारत की शाखाओं/कार्यालयों के विषय में भारत में और विदेशी शाखाओं/कार्यालयों के विषय में संबद्ध देश में प्रचालित सांविधिक प्रावधानों एवं विधाओं के अनुरूप, जब तक कि कोई अन्यथा उल्लेख न किया गया हो, बनाई गई हैं.

1.2 अनुमानों का उपयोग

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में वित्तीय विवरण की तारीख को रिपोर्ट की गई आस्ति एवं देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) तथा रिपोर्ट की गई अवधि हेतु आय एवं व्यय संबंधी राशि को रिपोर्ट करने हेतु प्रबंधन को कुछ अनुमानों और आकलनों को आधार बनाना पड़ता है. प्रबंधन का विश्वास है कि वित्तीय विवरण को तैयार करने के लिए प्रयुक्त आकलन विवेकपूर्ण और उचित है.

2. समेकन प्रक्रिया

2.1 समूह (12 अनुषंगियां, 6 सहयोगी इकाइयों तथा 3 संयुक्त उद्यम) की समेकित वित्तीय विवरणियां निम्नलिखित के आधार पर तैयार की गई हैं :

क) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (मूल) के लेखा-परीक्षित खाते

ख) अनुषंगियों की आस्ति/देयता/आय/व्यय की प्रत्येक मद का मूल संस्था की संबंधित मद के साथ लाइन-टू-लाइन एकत्रीकरण तथा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखाकंन मानक (एएस-21) के अनुसार सभी इन्ट्रा ग्रुप शेषों/संव्यवहारों और वसूल न किए गए लाभ/हानि को कम करते हुए.

ग) सहयोगी संस्थाओं में निवेश का लेखांकन लेखा परीक्षित वित्तीय विवरणियों के आधार पर आईसीएआई द्वारा जारी "अकाउंटिंग फॉर इनवेस्टमेंट इन एसोसिएट्स इन कनसालिडेटेड फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स" ए एस 23 इक्विटी प्रणाली के अनुरुप किया गया है.

घ) संयुक्त उद्यमों में निवेश, आईसीएआई द्वारा जारी एएस-27 (फायनेंशियल रिपोर्टिंग ऑफ इन्टेरस्ट इन ज्वाइंट वेंचर) में निर्धारित "समानुपातिक आधार" पर समेकित किया गया है.

2.2 लेखांकन नीतियों में अन्तर होने की स्थिति में अनुषंगियों, संयुक्त उद्यम एवं सहयोगी इकाइयों की वित्तीय विवरणियों को, जहां कहीं आवश्यक तथा व्यवहारिक हो, मूल की लेखा-नीतियों के अनुरुप समायोजित किया गया है.

2.3 समेकित वित्तीय विवरणियों के माइनोरिटी इन्टरेस्ट में अनुषंगियों की शुद्ध इक्विटी/लाभ में माइनोरिटी शेयरधारकों के अंश समाहित है.

Schedule 18 : Significant Accounting Policies on the Consolidated Financial Statements for the year ended 31st March 2015

1. BASIS OF PREPARATION OF CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS:

1.1 BASIS OF PREPARATION:

Consolidated Financial Statements (CFS) of the Bank (Parent), its subsidiaries, joint ventures and associates are drawn up on historical cost basis and conform in all material aspects to statutory provisions and practices prevailing in India in respect of Indian offices / branches and respective foreign countries in respect of foreign offices / branches, unless otherwise stated.

1.2 USE OF ESTIMATES:

The preparation of financial statements requires the management to make estimates and assumptions considered in the reported amount of assets and liabilities (including contingent liabilities) as of date of the financial statements and the reported income and expenses for the reporting period. Management believes that the estimates used in the preparation of the financial statements are prudent and reasonable.

2. CONSOLIDATION PROCEDURE:

2.1 CFS of the group (comprising of -12- Subsidiaries, -6- Associates and -3- Joint Ventures) have been prepared on the basis of :

a. Audited accounts of Bank of Baroda (Parent).

b. Line by line aggregation of each item of asset/liability/income/expense of the subsidiaries with the respective item of the Parent, and after eliminating all material intra-group balances / transactions, unrealised profit/loss as per AS 21 (Consolidated Financial Statements) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI).

c. Investments in Associates are accounted for under the Equity Method as per AS 23 (Accounting for Investments in Associates in Consolidated Financial Statements) issued by ICAI based on the audited Financial Statements of the associates.

d. Interests in Joint Ventures are consolidated on 'Proportionate consolidation method' as prescribed in AS 27 (Financial Reporting of Interests in Joint Ventures) issued by ICAI.

2.2 In case of difference in Accounting Policies, the Financial Statements of Subsidiaries, Joint ventures and Associates are adjusted, wherever necessary and practicable, to conform to the Accounting Policies of the Parent.

2.3 Minority interest in the CFS consists of the share of the minority shareholders in the net equity / profit of the subsidiaries.

2.4 मूल संस्था द्वारा इसकी अनुषंगियों में किए गए निवेश की लागत और अनुषंगियों में इक्विटी में मूल संस्था के हिस्से की लागत अंतर को गुडविल/प्रारक्षित पूंजी, जैसा भी मामला हो, के रूप में माना गया है.

3. निवेश

3.1 **वर्गीकरण**

मूल संस्था तथा इसकी घरेलू अनुषंगियों के निवेश पोर्टफोलियो को भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा निर्देशानुसार निम्नानुसार वर्गीकृत किया गया है :

(क) ''परिपक्वता तक धारित'' निवेश राशियों में परिपक्वता तक रखने के उद्देश्य से प्राप्त निवेश शामिल हैं.

(ख) ''व्यापार हेतु धारित'' में वे निवेश शामिल हैं जिन्हें व्यापार के उद्देश्य से प्राप्त किया गया है.

(ग) ''बिक्री हेतु उपलब्ध'' में वे निवेश शामिल हैं जो उपरोक्त ''क'' तथा ''ख'' में शामिल नहीं हैं अर्थात् जो न तो व्यापार के उद्देश्य से प्राप्त किए गए हैं और न ही परिपक्वता तक रखने के उद्देश्य से प्राप्त किए गए हैं.

3.2 **अधिग्रहण लागत**

निवेशों के अधिग्रहण की लागत-प्रोत्साहनों, फ्रंट एण्ड फीस एवं कमीशन का कुल योग है.

3.3 **मूल्यांकन का आधार**

''परिपक्वता तक धारित'' के रूप में वर्गीकृत निवेशों को भारित औसत अर्जित लागत पर लिया गया है, यदि वह अंकित मूल्य से अधिक नही हैं. विपरीत स्थिति में प्रीमियम को परिपक्वता की शेष अवधि तक परिशोधित किया गया है.

''परिपक्वता तक धारित'' के रुप में वर्गीकृत निवेशों में ऐसे डिबेंचर/बांड्स शामिल हैं जिन्हें स्वरूप/प्रकृति की दृष्टि से अग्रिम माना जाता है (जिनके लिए अग्रिमों पर लागू आस्ति वर्गीकरण और प्रावधानीकरण संबंधी भारतीय रिज़र्व बैंक के विवेकपूर्ण मानदंड लागू करते हुए प्रावधान किया गया है.)

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में, ट्रेज़री बिलों, कमर्शियल पेपर्स, इंदिरा विकास-पत्र, किसान विकास पत्र और जमा प्रमाण पत्र में किए गए निवेशों को रखाव लागत आधार पर मूल्यांकन किया गया है.

23.08.2006 के पश्चात् मूल द्वारा वीसीएफ की ईकाइयों में किए गए निवेश को आरम्भिक तीन वर्षों के लिए परिपक्वता तक धारित श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है तथा कीमत के आधार पर मूल्यांकन किया गया है. संवितरण के तीन वर्षों के पश्चात् इन्हें एएफएस में अंतरिम का दिया जाएगा तथा भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार बाजार चिन्हित रखा जाएगा.

''व्यापार के लिए धारित'' एवं ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' के रुप में वर्गीकृत निवेश बाजार स्क्रिपवार चिह्नित किया गया हैं तथा तुलन पत्र में प्रत्येक श्रेणी में दर्शाए गए परिणामी शुद्ध मूल्यह्रास यदि कोई है, को लाभ हानि खाते में स्थान दिया गया है. जब कि शुद्ध मूल्यवृद्धि यदि कोई हो, को छोड़ दिया गया है.

व्यापार के लिए धारित श्रेणी के तहत ट्रेजरी बिलों में प्राथमिक डीलर के रूप में मूल बैंक द्वारा किये गये निवेश का मूल्यांकन रखाव लागत पर किया गया है.

''व्यापार के लिए धारित'' तथा ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' श्रेणी के निवेशों के मूल्यांकन के लिए बाज़ार स्टॉक एक्सचेंज में उद्धृत दरें प्राइमरी डीलर्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (पीडीएआई) फिक्स्ड इन्कम मनी मार्केट एण्ड डेरिवेटिव्स एसोसिएशन (एफआईएमएमडीए) / फॉरेन एक्सचेंज डीलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफईडीएआई) द्वारा घोषित दरों का उपयोग किया गया है.

2.4 The difference between cost to the Parent of its initial investment in the subsidiaries and the Parent's portion of the equity of the subsidiaries is recognized as goodwill/capital reserve as the case may be.

3. INVESTMENTS:

3.1 Classification

The Investment portfolio of the Parent and its domestic subsidiaries is classified in accordance with Reserve Bank of India guidelines into:

(a) "Held to Maturity" (HTM) comprising investments acquired with the intention to hold them till maturity.

(b) "Held for Trading" (HFT) comprising investments acquired with the intention to trade.

(c) "Available for Sale" (AFS) comprising investments not covered by (a) and (b) above i.e. those which are acquired neither for trading purposes nor for being held till maturity.

3.2 Acquisition Cost

Cost of Acquisition of Investments is net of incentives, front-end fees and commission.

3.3 Basis of Valuation

Investments classified as HTM are carried at weighted average acquisition cost unless it is more than the face value, in which case the premium is amortized over the period remaining to maturity.

Investments classified as HTM includes debentures / bonds which are deemed to be in the nature of / treated as advances (for which provision is made by applying the RBI prudential norms of assets classification and provisioning applicable to advances).

Investments in Regional Rural Banks, Treasury Bills, Commercial Papers and Certificates of Deposit which have been valued at carrying cost.

Parent's investment in units of VCFs made after 23.08.2006 are classified under HTM category for initial period of three years and are valued at cost. After period of three years from date of disbursement, it will be shifted to AFS and marked-to-market as per RBI guidelines.

Investments classified as HFT and AFS are marked to market, scrip-wise and the resultant net depreciation if any in each category disclosed in the Balance Sheet is recognized in the Profit and Loss Account, while the net appreciation, if any, is ignored.

Investments made by the Parent as Primary Dealer in Treasury Bills under HFT category have been valued at carrying cost.

For the purpose of valuation of quoted investments in HFT and AFS categories, the market rates/quotes on the Stock exchanges, the rates declared by Primary Dealers Association of India (PDAI)/ Fixed Income Money Market and Derivatives Association (FIMMDA)/ Foreign Exchange Dealers Association of India (FEDAI) are used.

जिन निवेशों के लिए ऐसी दरें / उद्धृत दरें उपलब्ध नहीं हैं, उनका मूल्यांकन भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा निर्धारित मानदण्डों के अनुसार किया गया है जो निम्नानुसार हैं :-

क.	सरकारी/अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	परिपक्वता आधारित आय पर
ख.	इक्विटी शेयर, पीएसयू एवं ट्रस्टी शेयर	-	नवीनतम तुलनपत्र (12 माह से अधिक पुराना नहीं) के अनुसार विश्लेषित मूल्य पर अन्यथा ₹1 प्रति कंपनी
ग.	अधिमानी शेयर	-	परिपक्वता आधारित आय पर, समुचित क्रेडिट स्प्रेड मार्कअप सहित
घ.	पीएसयू बॉन्ड	-	समुचित क्रेडिट स्प्रेड मार्क-अप के साथ परिपक्वता आधारित आय पर
ङ	म्युचुअल फंड की यूनिटें	-	फंड द्वारा प्रत्येक स्कीम के संबंध में घोषित अद्यतन पुनर्खरीद मूल्य/शुद्ध आस्ति मूल्य एनएवी पर
च.	उद्यम पूंजी	-	लेखा परीक्षित तुलन पत्र के अनुसार घोषित एनएवी जोकि 18 माह से ज्यादा पुरानी न हो, यदि लगातार 18 माह से अधिक के एनएवी या लेखा परीक्षित वित्तीय आंकड़े उपलब्ध न हों तो प्रति उद्यम पूंजी निधि (वीएसएफ) ₹1/-
छ.	उद्यम पूंजी		भारतीय रिज़र्व बैंक/सेबी के दिशा निर्देशों के अनुसार आस्ति पुनर्निमाण कंपनी द्वारा घोषित एनएवी

3.4 निवेशों का निस्तारण

"परिपक्वता तक धारित" के रुप में वर्गीकृत निवेशों की बिक्री पर लाभ/हानि को संबंधित निवेशों की भारित औसत लागत/बही मूल्य के आधार पर लाभ एवं हानि खाते में अंकित किया गया है एवं "परिपक्वता तक धारित" वर्गीकरण में संबंधित निवेशों के बही मूल्य के समतुल्य लाभ को प्रारक्षित पूंजी खाते में विनियोजित किया गया है.

एएफएस/एचएफटी श्रेणी के निवेशों की बिक्री पर हुई लाभ/हानि को लाभ एवं हानि खाते में लिया गया है.

3.5 बैंक के द्वारा निवेशों के लिए, निपटान तारीख आधार पर समरुप लेखा प्रणाली का अनुसरण किया जा रहा है.

3.6 विदेशी शाखाओं में निवेश के सम्बंध में भारतीय रिज़र्व बैंक अथवा मेजबान देशों के दिशा-निर्देशों का, दोनों में से जो अधिक सख़्त हों, का अनुपालन किया गया है. ऐसी शाखाओं के मामले में जो ऐसे देशों में स्थित है जहां कोई विशिष्ट दिशानिर्देश नहीं है, भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों का पालन किया गया है.

3.7 इन श्रेणियों के बीच प्रतिभूतियों के अंतरण की गणना, अंतरण की तारीख को उसकी अधिग्रहण लागत/बही मूल्य/ बाजार मूल्य में से जो भी कम हो, पर की गई है और ऐसे अंतरण के फलस्वरूप आए मूल्यह्रास, यदि कोई है, के लिए प्रावधान किया गया है.

3.8 देशी गैरनिष्पादक प्रतिभूतियों से संबंधित आय को नहीं लिया गया है. और इन प्रतिभूतियों के मूल्य में मूल्यह्रास के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशानुसार प्रावधान किया गया है.

Investments for which such rates / quotes are not available are valued as per norms laid down by Reserve Bank of India, which are as under: -

a	Government / Approved securities	-	On Yield to Maturity basis.
b	Equity Shares, PSU and Trustee shares	-	At break up value as per the latest Balance Sheet (not more than 12 months old), otherwise Re.1 per company.
c	Preference Shares	-	On Yield to Maturity basis with appropriate credit spread mark-up.
d	PSU Bonds	-	On Yield to Maturity basis with appropriate credit spread mark-up.
e	Units of Mutual Funds	-	At the latest repurchase price / NAV declared by the Fund in respect of each scheme.
f	Venture Capital	-	Declared NAV or break up NAV as per audited balance sheet which is not more than 18 months old. If NAV/ audited financials are not available for more than 18 months continuously then at Re. 1/- per VCF.
g	Security Receipts	-	Declared NAV by the Asset Reconstruction Company as per RBI / SEBI guidelines.

3.4 Disposal of Investment

Profit / loss on sale of investments classified as HTM is recognized in the Profit and Loss account based on the weighted average cost / book value of the related investments and an amount equivalent of profit on sale of investments in HTM classification is appropriated to Capital Reserve Account.

Profit /loss on sale of Investment in AFS/HFT category is recognized in Profit and Loss account.

3.5 The Parent is following uniform methodology of accounting for investments on settlement date basis.

3.6 In respect of Investments at Overseas Branches, Reserve Bank of India guidelines or those of the host countries, whichever are more stringent are followed. In case of those branches situated in countries where no guidelines are specified, the guidelines of the Reserve Bank of India are followed.

3.7 The transfer of a security between these categories is accounted for at the acquisition cost / book value / market value on the date of transfer, whichever is the least, and the depreciation, if any, on such transfer is fully provided for.

3.8 In respect of domestic non-performing securities, income is not recognised, and provision is made for depreciation in the value of such securities as per RBI guidelines.

3.9 रेपो / रिवर्स रेपो

बैंक ने पुनः खरीद तथा प्रत्यावर्तित पुनः खरीद लेनदेनों को लेखांकित करने हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बताई गई एक समान लेखा प्रणाली को अपनाया है. रेपो / रिवर्स रेपो खाते में शेष राशि को निवेश खाते में शेष राशि की एवज में समायोजित की गई है. (भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ चल निधि समायोजन योजना (एलएएफ) के अंतर्गत हुए लेनदेनों को छोड़कर). रिपो एवं रिवर्स रिपो लेनदेनों को, सहमत शर्तों पर पुनर्खरीद करने के समझौते के साथ संपार्श्विक उधार/ऋण के रूप में लिया गया है. रिपो के अन्तर्गत बेची गई प्रतिभूतियां उन्हें रिवर्स रिपो के तहत निवेश व खरीदी गई प्रतिभूतियों के रूप में दर्शाया गया है, तथा उन्हें निवेशों में शामिल नहीं किया गया है. लागत तथा राजस्व की गणना ब्याज व्यय/ आय जैसा भी मामला हो, के रूप में की गई है.

भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ चलनिधि समायोजन सुविधा के तहत खरीदी / बिक्री की गई प्रतिभूतियां निवेश खाते में नामे / जमा की गयी हैं तथा इन्हें संव्यवहार की परिपक्वता पर रिवर्स कर दिया गया है. इन पर व्यय / अर्जित किये गए ब्याज को व्यय / लागत के रूप में लेखांकित किया गया है.

3.10 डेरिवेटिव्स :

बैंक वर्तमान में ब्याज दरों तथा मुद्रा डेरिविटिव्स में डील करता है. बैंक द्वारा व्यवहारित ब्याज दर डेरिविटिव्स में रुपया ब्याज दर स्वैप, विदेशी मुद्रा ब्याजदर स्वेप तथा फारवर्ड रेट एग्रीमेंट्स शामिल हैं. बैंक द्वारा व्यवहार में लाये जाने वाले मुद्रा डेरिवेटिव्स में ऑप्शन तथा मुद्रा स्वेप्स हैं.

भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के आधार पर, डेरिवेटिव्स का मूल्यांकन निम्नानुसार किया जाता है :

व्यवस्था बचाव/गैर व्यवस्था बचाव (मार्केट मेकिंग) संव्यवहार अलग-अलग रिकार्ड किये जाते हैं. व्यवस्था बचाव डेरिवेटिव्स को उपचित आधार पर लेखांकित किये जाते हैं. ट्रेडिंग डेरिवेटिव पोजिशन्स को बाजार चिन्हित किया गया है तथा परिणामी हानि, यदि कोई हो, को लाभ-हानि खाते में दर्ज किया गया है. लाभ, यदि कोई हो, को छोड़ दिया गया है. ब्याज दर स्वैप से संबंधित आय तथा व्यय निपटान तारीख को लिया गया है. ट्रेडिंग स्वैप्स की समाप्ति पर हुए लाभ/हानि को समाप्ति तिथि पर आय/व्यय के रूप में दर्ज किया गया है.

मूल्यांकन के उद्देश्य से कुल स्वैप के उचित मूल्य की गणना उस राशि के आधार पर की गयी है जो कि तुलनपत्र की तारीख को स्वैप समझोतों से संबंधित लेन-देन की समाप्ति पर प्राप्य या देय होगा. इससे संबंधित हानि, यदि कोई हो, के लिए पूर्ण प्रावधान किए गए हैं जबकि लाभ, यदि कोई हो, को छोड़ दिया गया है.

विदेशी मुद्रा वाले डेरिवेटीव संविदाओं से संबंधित आकस्मिक देयताओं को तुलनपत्र की तारीख को फेडाई द्वारा अधिसूचित क्लोजिंग विनिमय दरों पर रिपोर्ट किया गया है.

4. अग्रिम

4.1 मूल संस्था तथा इसकी घरेलू सहयोगी संस्थाओं के अग्रिम मानक, अवमानक, संदिग्ध एवं हानि आस्तियों के रूप में वर्गीकृत किए गए हैं और इन पर हुई हानि के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण मानदण्डों के अनुसार प्रावधान किए गए हैं. विदेशी शाखाओं तथा अनुषंगियों द्वारा किए गए अग्रिम के संबंध में अग्रिमों का वर्गीकरण भारतीय रिज़र्व बैंक अथवा मेजबान देश, जिसमें अग्रिम दिया गया है, इन में से जो भी अधिक सख्त हो, के अनुरूप किया गया है.

3.9 REPO / REVERSE REPO

The Parent has adopted the Uniform Accounting Procedure prescribed by the RBI for accounting of market Repo and Reverse Repo transactions [other than the Liquidity Adjustment Facility (LAF) with the RBI]. Repo and Reverse Repo Transactions are treated as Collaterised Borrowing / Lending Operations with an agreement to repurchase on the agreed terms. Securities sold under Repo are continued to be shown under Investments and Securities purchased under Reverse Repo are not included in Investments. Costs and revenues are accounted for as interest expenditure / income, as the case may be.

Securities purchased / sold under LAF with RBI are debited / credited to Investment Account and reversed on maturity of the transaction. Interest expended / earned thereon is accounted for as expenditure / revenue.

3.10 DERIVATIVES

The Parent presently deals in interest rate and currency derivatives. The interest rate derivatives dealt with by the Parent are Rupee Interest Rate Swaps, Foreign Currency Interest Rate Swaps and forward rate agreements. Currency Derivatives dealt with by the Parent are Options and Currency swaps.

Based on RBI guidelines, Derivatives are valued as under:

The hedge / non-hedge (market making) transactions are recorded separately. Derivative contracts designated as hedges are not marked to market unless their underlying asset is marked to market. Trading derivative positions are marked-to-market (MTM) and the resulting losses, if any, are recognized in the Profit and Loss Account. Profit, if any, is ignored. Income and Expenditure relating to interest rate swaps are recognized on the settlement date. Gains / losses on termination of the trading swaps are recorded on the termination date as income / expenditure.

For the purpose of valuation, the fair value of the total swap is computed on the basis of the amount that would be receivable or payable on termination of the transactions of the swap agreements as on the Balance Sheet date. Losses arising there from, if any, are fully provided for while the profits, if any, are ignored.

Contingent Liabilities on account of derivative contracts denominated in foreign currencies are reported at closing rates of exchange notified by FEDAI at the Balance Sheet date.

4 ADVANCES:

4.1 Advances in India of the Parent and Subsidiaries are classified as Standard, Sub-standard, Doubtful or Loss assets and Provision for losses are made on these assets as per Prudential Norms of Reserve Bank of India. In respect of Advances made in overseas branches and overseas subsidiaries, Advances are classified in accordance with stringent of the Prudential Norms prescribed by the Reserve Bank of India or local laws of the host country in which advances are made, whichever is more stringent.

4.2 अग्रिम विशिष्ट ऋण हानि प्रावधानों, उचन्त खाते के ब्याज, वादग्रस्त विविध जमा खातों में प्राप्त एवं रखी गई राशि, प्राप्त क्लेम के लिए किए गए प्रावधान के बाद की शुद्ध राशि है.

4.3 पुनर्निर्धारित/पुनर्गठित खातों के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक के मार्ग निर्देशों के अनुसार मौजूदा मूल्य शर्तों में आंके गये ब्याज हानियों के लिए प्रावधान किया गया है.

4.4 आस्ति वर्गीकरण एवं प्रावधीनकरण के उद्देश्य से बैंक ऑफ़ बड़ौदा के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी बॉब कार्ड, ''गैर बैंकिंग वित्तीय (गैर जमा स्वीकृति/होल्डिंग) कंपनीज विवेकपूर्ण मानदंड (रिजर्व बैंक) निर्देश, 2007'' के विस्तृत दिशा निर्देशों के तहत संचालित है .

4.5 आस्ति पुनर्गठन कंपनी (एआरसी)/ प्रतिभूतिकरण कंपनी (एससी) को बेची गई आस्तियों के मामले में बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों का पालन कर रहा है. वर्तमान में बैंक द्वारा अनुसरण किए जा रहे दिशा निर्देश ये हैं कि यदि बिक्री शुद्ध बही मूल्य (एनबीवी) (अर्थात बही मूल्य घटाएं किया गया प्रावधान) से कम मूल्य पर हुई है तो कमी को दो वर्षों की अवधि के भीतर कीमत लागत अंतर की अवधि में लाभ हानि खाते में नामे किया जाए. यदि बिक्री मूल्य, शुद्ध बही मूल्य की अपेक्षा अधिक है तो जिस वर्ष में अधिक राशि प्राप्त हुई है उस राशि को लाभ हानि खाते में रिवर्स कर दिया जाए.

5. अचल आस्तियां

5.1 पुनर्मूल्यांकित परिसरों को छोड़कर, परिसर व अन्य अचल आस्तियां सामान्यतः परम्परागत लागत पर ली गई हैं, पुनर्मूल्यांकन पर हुई वृद्धि को पूंजीगत प्रारक्षित निधि में जमा किया गया है. ऐसी बढ़ी हुई राशि पर मूल्यह्रास हेतु किए गए प्रावधान को इसमें से घटा दिया गया है.

5.2 ''परिसर'' में भूमि तथा निर्माणाधीन भवन का समावेश हैं.

6. प्रारक्षित निधियां एवं अधिशेष

राजस्व एवं अन्य प्रारक्षित निधियों में सम्बद्ध देशों में प्रचलित स्थानीय कानूनों के अनुसार विदेशी शाखाओं द्वारा निर्मित सांविधिक प्रारक्षित निधियों को शामिल किया गया है.

7. राजस्व का निर्धारण

1. आय (पैराग्राफ 7.2 में उल्लिखित मद से भिन्न) / व्यय का निर्धारण सामान्यतः उपचय आधार पर किया गया है. विदेशी कार्यालयों के मामले में सम्बद्ध देश जहां विदेशी कार्यालय स्थित है, स्थानीय नियमों के तहत आय का निर्धारण किया गया है.

2. शुल्कों के माध्यम से प्राप्त आय, सरकारी कारोबार को छोड़कर कमीशन, गारंटी, साखपत्र पर कमीशन, विनिमय, दलाली तथा अतिदेय बिलों/अग्रिम बिलों पर ब्याज को वास्तविक वसूली आधार पर हिसाब में लिया गया है. अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों तथा सहयोगी इकाइयों में शेयरों में लाभांश को वसूली आधार पर हिसाब में लिया गया है.

3. गैर निष्पादित अग्रिमों तथा निवेशों के मामलों में आय की वसूली की अनिश्चितता के कारण ऐसी आय भारतीय रिज़र्व बैंक मार्गनिर्देशों के अनुसार केवल वसूल होने पर ही लेखांकित की गई है.

4. परिचालन लीज पर ली गई आस्तियों के लिए लागत वृद्धि सहित लीज भुगतानों को आईसीएआई द्वारा जारी एएस 19 (लीज) के अनुसार लीज टर्म पर लाभ एवं हानि लेखा में हिसाब में लिया जाता है.

4.2 Advances are net of specific loan loss provisions, interest suspense; amount received and held in suit-filed Sundry Deposit and Claims Received.

4.3 In respect of Rescheduled / Restructured accounts, Provision for diminution in fair value of restructured advances is measured in present value terms as per RBI guidelines.

4.4 For the purpose of Assets Classification and provisioning, BOB Card, the wholly owned subsidiary of BOB, is governed under the broad guidelines of "Non Banking Financial (Non-Deposit, Accepting/holding) Companies Prudential norms (Reserve Bank) Directions, 2007".

4.5 In case of financial assets sold to Asset Reconstruction Company (ARC)/ Securitization Company (SC), the bank is following the guidelines issued by Reserve Bank of India. At present, the guideline followed by the Bank is that if the sale is at a price below the net book value (NBV), (i.e. Book value less provisions held) the shortfall is debited to the profit and loss account spread over a period of two years. If the sale value is higher than the NBV, excess provision is reversed to profit & loss account in the year the amounts are received.

5. FIXED ASSETS:

5.1 Premises and other fixed assets are stated at historical cost except revalued premises which are stated at revalued amount. The appreciation on such revaluation is credited to Capital Reserve and the depreciation provided thereon is deducted there from.

5.2 Premises include Land and Building under construction.

6. RESERVES AND SURPLUS:

Revenue and other Reserves include Statutory Reserves created by foreign branches as per applicable local laws of the respective countries.

7. REVENUE RECOGNITION:

1. Income (other than item referred in Paragraph 7.2)/ expenditure is generally recognised on accrual basis. In case of foreign offices, income/ expenditure is recognised as per the local laws of the country in which the respective foreign office is located.

2. Income by way of Fees, Commission other than on Government business, Commission on Guarantees, Letter of Credits, Exchange, Brokerage and interest on Advance Bills are accounted for on realisation basis. Dividend on shares in subsidiaries, joint ventures and associates is accounted on realisation basis.

3. In view of uncertainty of collection of income in cases of Non-performing Assets/ Investments, such income is accounted for only on realization in terms of the RBI guidelines.

4. Lease payments including cost escalation for assets taken on operating lease are recognised in the Profit and Loss Account over the lease term in accordance with the AS 19 (Leases) issued by ICAI.

8. जीवन बीमा कम्पनी

1. **प्रीमियम आय**

देय होने पर प्रीमियम (सेवा कर का निवल) को आय के रूप में हिसाब में लिया जाता है. सहवर्ती व्यवसाय के लिए जब सहयोगी इकाइयां सृजित की जाती हैं, प्रीमियम को गणना में लिया जाता है. टॉप-अप प्रीमियम को एकल प्रीमियम के रूप में समझा जाता है.

व्यपगत पालिसियों पर प्रीमियम को तब आय के रूप में लिया जाता है जब ऐसी पॉलिसियां पुनः चालू की जाती हैं.

पुनर्बीमा होने पर प्राप्त कमीशन को उस अवधि में आय के रूप में हिंसाब में लिया जाता है जब पुनर्बीमा प्रीमियम प्राप्त होता है.

2. लिंक्ड निधियों से आय

लिंक्ड निधियों, जिसमें प्रीमियम आबंटन प्रभार, पालिसी प्रशासनिक प्रभार, मोर्टलिटी प्रभार, निधि प्रबंधन प्रभार इत्यादि शामिल हैं, से प्राप्त आय को जारी की गई पॉलिसी की शर्तों एवं नियमों के अनुसार लिंक्ड निधियों से वसूल किया जाता है.

3. पुनर्बीमा प्रीमियम

पुनर्बीमा की लागत को बीमाकर्ता के साथ की गई शर्त अथवा सिद्धांततः व्यवस्था के अनुसार प्रीमियम आय के निर्धारण के समय हिसाब में लिया जाता है. पुनर्बीमा पर लाभ कमीशन, पुनर्बीमा से प्राप्त प्रीमियम पर समायोजित किया जाता है.

4. प्रदत्त लाभ (दावों सहित)

प्रदत्त लाभों में पॉलिसी लाभ तथा दावा निपटान लागत, यदि कोई हो, शामिल हैं.

मृत्यु, अनुवृद्धि (राइडर) तथा अभ्यर्पण दावों को सूचना प्राप्त होने पर हिसाब में लिया जाता है.

उत्तरजीवी लाभ दावों तथा परिपक्वता दावों को देय होने पर गणना में लिया जाता है.

लिंक्ड पालिसियों के तहत आहरणों तथा अभ्यर्पणों को संबंधित योजनाओं में तब हिसाब में लिया जाता है. जब अनुषंगी यूनिटें निरस्त हो जाती है. दावों पर पुनर्बीमा वसूली को संबंधित दावों की उसी अवधि में हिसाब में लिया जाता है.

5. अधिग्रहण लागत

अधिग्रहण लाग ऐसी लागत है जो भिन्न-भिन्न होती हैं और बीमा संविदाओं के अधिग्रहण से मुख्यतः समबद्ध होती हैं और व्यय होते हैं जोकि खर्चें की अवधि से संबद्ध होते है.

6. जीवन बीमा पालिसियों के लिए देयता

कंपनी की बीमांकिक देयताओं की बीमा अधिनियम 1938, बीमा नियामक तथा विकास प्राधिकरण (आस्तियां, देयताएं तथा बीमाकर्ताओं के सोलवेंसी मार्जिन) विनियमन, 2000, भारतीय बीमांकिक संस्थान द्वारा जारी दिशा-निर्देश नोट तथा सामान्यतः स्थापित बीमांकिक पद्धतियों के अनुसार गणना की जाती है.

7. निवेश

बीमा अधिनियम, 1938, बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण (निवेश) विनियमन, 2000, बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण (निवेश) (संशोधन) विनियमन, 2001 तथा समय-समय पर आईआरडीए द्वारा जारी किए गए परिपत्रों / अधिसूचनाओं के अनुसार निवेश किया जाता है.

8 LIFE INSURANCE COMPANY:

1. Premium Income:

Premium (net of service tax) is recognised as income when due. For linked business, premium is recognised when the associated units are created. Top up premiums are considered as single premium.

Premium on lapsed policies is recognised as income when such policies are reinstated.

Commission received on reinsurance ceded is recognised as income in the period in which reinsurance premium is ceded.

2. Income from linked funds:

Income from linked funds which includes premium allocation charges, policy administrative charges, mortality charges, fund management charges etc. are recovered from the linked funds in accordance with the terms and conditions of policies issued.

3. Reinsurance Premium:

Cost of reinsurance ceded is accounted for at the time of recognition of premium income in accordance with the treaty or in-principle arrangement with the reinsurer. Profit commission on reinsurance ceded is netted off against premium ceded on reinsurance.

4. Benefits paid (including claims):

Benefits paid comprise of policy benefits & claim settlement costs, if any.

Death, rider & surrender claims are accounted for on receipt of intimation.

Survival benefit claims and maturity claims are accounted for when due.

Withdrawals & surrenders under linked policies are accounted for in the respective schemes when the associated units are cancelled. Reinsurance recoveries on claims are accounted for, in the same period as the related claims.

5. Acquisition Costs:

Acquisition costs are costs that vary with and are primarily related to acquisition of insurance contracts and are expensed in the period in which they are incurred.

6. Liability for life policies:

Actuarial liabilities of the company have been calculated in accordance with the requirements of insurance Act.1938, Insurance Regulatory and Development Authority (Assets, Liabilities, and Solvency Margin of Insurers) Regulations, 2000, Guidance Notes issued by Institute of Actuaries of India and generally established actuarial practices.

7. Investments:

Investments are made in accordance with the Insurance Act, 1938, the Insurance Regulatory and Development Authority (Investment) Regulations, 2000, the insurance regulatory and Development Authority (investment) (Amendment) Regulations, 2001 and various other circulars / notifications issued by the IRDA in this context from time to time.

9. कर्मचारी लाभ

9.1 भविष्य निधि

बैंक ऑफ बडौदा पीएफ नियमों के अनुसार भविष्य निधि एक सांविधिक दायित्व है जिसके तहत बैंक पूर्वनिर्धारित दरों पर निश्चित अंशदान का भुगतान करता है. बैंक की बाध्यता ऐसे निश्चित अंशदान तक ही सीमित है. अंशदानों को लाभ/हानि खाते में प्रभारित किया जाता है. निधियों का प्रबंधन बैंक ऑफ बडौदा भविष्य निधि न्यास द्वारा किया जाता है

9.2 ग्रेच्यूटी

बैंक ऑफ बडौदा ग्रेच्यूटी निधि नियमों एवं विनियमों के अनुसार ग्रेच्यूटी देयता एक सांविधिक दायित्व है और इसके संबंध वर्ष की समाप्ति में बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रावधान किये जाते है. बैंक द्वारा योजना के लिए निधि उपलब्ध करायी जाती है एवं इसका प्रबंधन बैंक ऑफ बडौदा ग्रेच्यूटी निधि ट्रस्ट द्वारा किया जाता है.

9.3 पेंशन

9.3.1 बैंक ऑफ बडौदा कर्मचारी पेंशन विनियम 1995 के अंर्तगत पेंशन देयता एक निश्चित हितबाध्यता है और इसके संबंध में वित्त वर्ष की समाप्ति में संचित मूल्यांकन के आधार पर प्रावधान किये जाते हैं. यह उन कर्मचारियों के लिए है जिन्होने 31.3.2010 तक बैंक सेवा ग्रहण की और पेंशन का विकल्प लिया. बैंक ऑफ बडौदा (कर्मचारी) पेंशन निधि न्यास द्वारा योजना के लिए निधि उपलब्ध करायी जाती है .

9.3.2 नई पेंशन योजना, जो कि बैंक में 1.4.2010 को अथवा इसके पश्चात सेवा में आने वाले कर्मचारियों पर लागू होती है, एक परिभाषित अंशदायी योजना है. बैंक पूर्व निर्धारित दर पर निश्चित अंशदान का भुगतान करता है. बैंक का दायित्व केवल निर्धारित अंशदान तक ही सीमित है. अंशदान को लाभ एवं हानि खाते में प्रभारित किया जाता है.

9.4 अनुपस्थिति क्षतिपूर्ति

संचित अनुपस्थिति क्षतिपूर्तियों जैसे कि अर्जित अवकाश (पीएल) को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है.

9.5 अन्य कर्मचारी लाभ

अन्य कर्मचारी लाभ जैसे कि छुट्टी नकदीकरण, छुट्टी रियायत किराया (एलएफसी), और सेवानिवृति पर अतिरिक्त सेवानिवृति लाभ इत्यादि को बीमाकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है.

विदेशी शाखाओं एवं कार्यालयों के संबंध में कर्मचारियों से संबंधित लाभों को, प्रतिनियुक्ति पर गए कर्मचारियों को छोड, संबंद्ध देश में लागू कानून के आधार पर मूल्यांकित तथा लेखाकृत किया जाता है.

10. मूल्यह्रास

10.1 भारत में अचल आस्तियों पर मूल्यह्रास (नीचे दिए गए पैरा 9.3 एवं 9.4 में संदर्भित को छोड़) कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची XIV के अनुसार मूल्यह्रासित बही मूल्य पद्धति के आधार पर, पुनर्मूल्यित आस्ति को छोड़ - जिसके संबंध में इन पुनर्मूल्यित आस्तियों की अनुमानित उपयोगिता अवधि के आधार पर ज्यादा मूल्यह्रास किया जाता है, प्रदान किया गया है.

10.2 भारत से बाहर अचल आस्तियों पर मूल्यह्रास (नीचे दिए गए पैरा 9.3 में संदर्भित को छोड़) स्थानीय कानून अथवा संबद्ध देश में प्रचलित परंपराओं के अनुसार प्रदान किया जाता है.

10.3 कम्प्यूटरों तथा साफ्टवेयर जो भारत और भारत से बाहर कंम्प्यूटर हार्डवेयर का अनिवार्य अंग हैं, उनपर मूल्यह्रास भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों

9 EMPLOYEES BENEFITS:

9.1 PROVIDENT FUND

Provident fund is a statutory obligation as per Bank of Baroda PF Rules as the Bank pays fixed contribution at pre-determined rates. The obligation of the Bank is limited to such fixed contribution. The contributions are charged to Profit and Loss Account. The fund is managed by Bank of Baroda Provident Fund Trust.

9.2 GRATUITY

Gratuity liability is a statutory obligation as per Bank of Baroda Gratuity Fund Rules and Regulations and is provided for on the basis of an actuarial valuation made at the end of the financial year. The gratuity liability is funded by the bank and is managed by Bank of Baroda Gratuity Fund Trust.

9.3 PENSION

9.3.1 Pension liability is a defined benefit obligation under Bank of Baroda Employees Pension Regulations 1995 and is provided for on the basis of actuarial valuation made at the end of the financial year, for the employees who have joined Bank up to 31.03.2010 and opted for pension. The pension liability is funded by Bank of Baroda (Employees) Pension Fund Trust.

9.3.2 New Pension Scheme which is applicable to employees who joined bank on or after 01.04.2010 is a defined contribution scheme, Bank pays fixed contribution at pre determined rate and the obligation of the Bank is limited to such fixed contribution. The contribution is charged to Profit and Loss Account.

9.4 COMPENSATED ABSENCES

Accumulating compensated absences such as Privilege Leave are provided for based on actuarial valuation.

9.5 OTHER EMPLOYEE BENEFITS

Other Employee benefits such as Leave Encashment, Leave Fare Concession and Additional Retirement Benefit on Retirement are provided for based on actuarial valuation.

In respect of overseas branches and offices, the benefits in respect of employees other than those on deputation are valued and accounted for as per laws prevailing in the respective territories.

10. DEPRECIATION:

10.1 Depreciation on Fixed Assets in India [other than those referred in Paragraph 9.3 and 9.4] is provided on the written down value method in accordance with Schedule II to the Companies Act, 2013, except in case of revalued assets, in respect of which higher depreciation is provided on the basis of estimated useful life of these revalued assets.

10.2 Depreciation on Fixed Assets outside India [other than those referred to in Para 9.3 below] is provided as per local laws or prevailing practices of the respective territories.

10.3 Depreciation on Computers and Software forming an integral part of Computer Hardware, in and outside

के अनुसार स्ट्रेट लाइन विधि से 33.33% प्रतिवर्ष की दर से प्रदान किया गया है. कंप्यूटर साफ्टवेयर जो हार्डवेयर का अनिवार्य अंग नहीं है पर मूल्यह्रास खरीद वर्ष के दौरान ही कर दिया गया है.

10.4 एटीएम पर मूल्यह्रास 20% प्रतिवर्ष की दर से सरल पद्धति (स्ट्रेट लाइन) से प्रदान किया जाता है.

10.5 परिवर्द्धनों पर मूल्यह्रास का संपूर्ण वर्ष के लिए प्रावधान किया गया है. जब कि बेचे गए/निस्तारित किए गए वर्ष में मूल्यह्रास का कोई प्रावधान नहीं किया गया है.

10.6 पट्टाकृत भूमि एवं पट्टाकृत परिसर संबंधी सुधारों की लागत का पट्टे की अवधि के दौरान परिशोधन किया गया है.

11. आस्तियों की क्षति

अचल आस्तियों की क्षति, (पुनर्मूल्यांकित आस्तियों सहित) यदि कोई हो, का निर्धारण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा इस संबंध में जारी लेखा मानक 28 (आस्तियों की क्षति) के अनुसार किया जाता है और लाभ हानि खाते को प्रभारित किया जाता है.

12. विदेशी मुद्रा संव्यवहार

12.1 विदेशी मुद्रा से संबंधित संव्यवहारों का लेखांकन भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा विदेशी मुद्रा दर में परिवर्तनों के प्रभाव पर जारी लेखा मानक 11 के अनुरूप किया गया है.

12.2 लेखा मानक एएस-11 के प्रयोजन के लिए बैंक के मूल एवं अनुषंगी विदेशी मुद्रा परिचालनों को (क) एकीकृत परिचालन एवं (ख) असमाकलित परिचालनों के रूप में वर्गीकृत किया गया है. मूल संस्था की सभी विदेशी शाखाओं, ऑफशोर बैंकिंग इकाइयों, विदेशी अनुषंगियों को असमाकलित परिचालन एवं विदेशी मुद्रा के घरेलू परिचालनों एवं प्रतिनिधि कार्यालयों को एकीकृत परिचालन एवं प्रतिनिधि कार्यालयों को एकीकृत परिचालन के रूप में माना गया है.

12.3 एकीकृत परिचालनों के संबंध में संव्यवहार

(क) संव्यवहारों को प्राथमिक तौर पर फेडाई द्वारा सूचित की गई औसत साप्ताहिक दरों पर रिकार्ड किया गया है.

(ख) विदेशी मुद्रा विनिमय से संबंधित आस्ति एवं देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) को फेडाई द्वारा प्रत्येक तिमाही के अंत में सूचित की गई क्लोजिंग स्पाट दरों पर संव्यवहार किया गया है.

(ग) परिणामी विनिमय अंतरों की गणना आय अथवा व्यय के रूप में की गई है तथा इन्हें तदनुसार लाभ हानि खाते में लेखांकन किया गया है. विदेशी मुद्रा आस्ति देयताओं संबंधी किसी भी भुगतान अथवा रिवर्सल को पिछले सप्ताह की औसत क्लोजिंग दरों के आधार पर किया गया है तथा बकाया राशि एवं उस राशि जिसके लिए भुगतान किया गया है/रिवर्सल किया गया है, के बीच के अंतर को लाभ हानि खाते में दर्शाया गया है.

(घ) विदेशी विनिमय और बकाया अग्र संविदा तुलनपत्रतिथी तक के हैं और व्यापार के संबंध में हैं. अंतरिम परिपक्वताओं की संविदा के लिये एकीकृत दरों पर तदनुसार फेडाई द्वारा अधिसुचित है, इसलिये एमटीएम के मौजुदा मूल्य को निर्धारित करने के लिये प्राप्त एमटीएम मूल्यों को उसमें नही जोडा गया है. एमटीएम को स्पॉट एवं अग्र लेनदेनों के पीवी आधार पर पुनः मूल्य निर्धारण के लिये उपयोग किया गया है. परिणाम स्वरुप, अग्र मूल्यांकन लाभ या हानि को लाभ एवं हानि खाते में शामिल किया गया है.

12.4 असमाकलित परिचालनों के संबंध में संव्यवहार

(क) आस्तियों एवं देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) को फेडाई द्वारा प्रत्येक तिमाही के अंत में सूचित की गई क्लोजिंग स्पाट दरों पर संव्यवहार किया गया है.

India is provided on Straight Line Method at the rate of 33.33% p.a., as per the guidelines of RBI. Computer software not forming part of an intergral part of hardware is charged directly to Profit and Loss Account.

10.4 Depreciation on ATMs is provided on Straight Line Method at the rate of 20% p.a.

10.5 Depreciation on additions is provided proportionately from the date of purchase/put to use.

10.6 Cost of leasehold land & leasehold improvements are amortised over the period of lease.

11. IMPAIRMENT OF ASSETS:

Impairment losses (if any) on Fixed Assets (including revalued assets) are recognized in accordance with the AS 28 (Impairment of Assets) issued by ICAI and charged off to Profit and Loss Account.

12. FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS:

12.1 Accounting for transactions involving foreign exchange is done in accordance with AS 11, (The Effects of Changes in Foreign Exchange Rates), issued by ICAI.

12.2 As stipulated in AS-11, the foreign currency operations of the Parent and its Subsidiaries are classified as a) Integral Operations and b) Non Integral Operations. All Overseas Branches, Offshore Banking Units, Overseas Subsidiaries of Parent are treated as Non Integral Operations; and Domestic Operations in Foreign Exchange and Representative Offices are treated as Integral Operations.

12.3 Translation in respect of Integral Operations:

a. The transactions are initially recorded on weekly average rate as advised by FEDAI.

b. Foreign Currency Assets and Liabilities (including contingent liabilities) are translated at the closing spot rates notified by FEDAI at the end of each quarter.

c. The resulting exchange differences are recognized as income or expenses and are accounted through Profit and Loss Account. Any reversals / payment of foreign currency assets & liabilities is done at the weekly average closing rate of the preceding week and the difference between the outstanding figure and the amount for which reversal / payment is made, is reflected in Profit and Loss Account.

d. Foreign exchange spot and forward contracts outstanding as at the balance sheet date and held for trading, are marked to market at the closing spot and forward rates respectively notified by FEDAI and at interpolated rates for contracts of interim maturities. The MTM values thus obtained are discounted to arrive at present value of MTM. This MTM is used to revalue the spot and forward transactions on PV basis. The resulting Forward Valuation profit or loss is included in the Profit & Loss Account.

12.4 Translation in respect of Non Integral Operations:

a. Assets and Liabilities (including contingent liabilities) are translated at the closing spot rates notified by FEDAI at the end of each quarter.

(ख) तुलनपत्र की तारीख को बकाया एवं ट्रेडिंग के लिए धारित विदेशी मुद्रा स्पॉट एवं वायदा सापेक्ष देयताओं को क्रमशः फेडाई द्वारा अधिसूचित समाप्ति स्पॉट एवं वायदादरों पर तथा अंतरिम परिपक्वता वाली संविदाओं को इंटरपोलेटेड दरों पर पुनर्मूल्यित किया गया है.

(ग) आमदनी एवं खर्चों को फेडाई द्वारा प्रत्येक तिमाही के अंत में सूचित की गई औसत तिमाही दरों पर संव्यवहार किया गया है.

(घ) परिणामी विनिमय अंतरों की गणना उस अवधि के लिए आय अथवा व्यय के रूप में नहीं की गई है तथा इसे शुद्ध निवेशों के निस्तारण होने तक अलग से एक खाते ''विदेशी मुद्रा संव्यवहार प्रारक्षित निधि'' में रखा गया है.

12.5 वायदा विनिमय संविदा

लेखा मानक एएस 11 तथा भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ (फेडाई) के दिशानिर्देशों के अनुसार व्यापार हेतु धारित बकाया विदेशी मुद्रा हाजिर (स्पॉट) एवं वायदा संविदाओं को तुलन पत्र की तिथि को फेडाई द्वारा अधिसूचित बंद हाजिर एवं वायदा बाजार संविदाओं एवं अन्तरिम परिपक्वता संविदाओं को इन्टरपोलेट दरों पर पुनर्मूल्यांकित किया जाता है. इसके फलस्वरूप वायदा मूल्यांकन लाभ अथवा हानि को लाभ-हानि खाते में शामिल किया जाता है.

13. आय पर कर

इसमें भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के लेखांकन मानदंड 22 के अनुसार निर्धारित (सम्बद्ध अवधि के लिए लेखा आय तथा करयोग्य आय के बीच अन्तर से करों के प्रभाव को दर्शाते हुए) आयकर के लिए प्रावधान, आस्थगित कर अथवा क्रेडिट शामिल हैं. आस्थगित कर को, आमदनी एवं खर्च की उन मदों के संबंध में जो किसी एक समय बिंदु पर निर्धारित होती है और जो एक अथवा अधिक परवर्ती अवधियों में प्रत्यावर्तन योग्य हैं, विवेकपूर्ण नीति के अध्यधीन हिसाब में लिया जाता है. आस्थगित कर आस्तियों एवं देयताओं की गणना अधिनियमित कर दरों पर, उन वर्षों की अपेक्षित दरों पर की जाती है जिन वर्षों में समय अंतरालों के रिवर्स करने की संभावना होती है. आस्थगित कर देयताओं एवं आस्तियों पर कर की दरों में परिवर्तन हुए प्रभाव को उस अवधि की आय विवरणी, जिसमें ऐसे परिवर्तन को लागू किया गया है, के आधार पर हिसाब में लिया जाता है.

14. प्रति शेयर अर्जन

बैंक द्वारा अपने बेसिक एवं डाइल्यूटेड प्रति ईक्विटी शेयर अर्जन को भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान के इस संबंध में जारी लेखा मानक 20 (प्रति शेयर अर्जन) के अनुसार रिपोर्ट किया गया है. बेसिक प्रति शेयर अर्जन की गणना शुद्ध आय को अवधि के लिए बकाया भारित औसत ईक्विटी शेयरों की संख्या से विभाजित कर ली गई है. डाइल्यूटेड प्रति शेयर अर्जन की गणना शुद्ध आय को उस अवधि के लिए बकाया भारित इक्विटी शेयरों एवं इस अवधि के दौरान डायल्यूटेड ईक्विटी शेयरों की संख्या में गणना की गई है.

15. प्रावधान, आकस्मिक देयताएं व आकस्मिक आस्तियां

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान के इस संबंध में जारी लेखा मानक 29 (आकस्मिक देयताओं एवं आकस्मिक आस्तियों के लिए प्रावधान) के अनुसार बैंक द्वारा आकस्मिक देयताओं एवं आकस्मिक आस्तियों के लिए प्रावधान विगत में हुई किसी घटना से उत्पन्न हुए वर्तमान दायित्व के लिए किया गया है. यह संभव है कि इस दायित्व के निस्तारण के लिए आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता हो और तब इस दायित्व हेतु राशि का विश्वसनीय मूल्यांकन किया जा सके.

जब तक आर्थिक लाभ के संसाधनों के आउटफ्लो की संभावना अप्रत्यक्ष न हो तब तक आकस्मिक देयताओं का प्रकटीकरण किया जाता है.

आकस्मिक आस्तियों को वित्तीय विवरण नहीं माना गया है. क्योंकि यह ऐसी आय के निर्धारण के फलस्वरूप हो सकता है, जिसकी वसूली नहीं हो सकती है.

b. Foreign Exchange Spot and Forward contingent liabilities outstanding as at the balance sheet date are translated at the closing spot and forward rates respectively notified by FEDAI and at interpolated rates for contracts of interim maturities.

c. Income and Expense are translated at quarterly average rate notified by FEDAI at the end of each quarter.

d. The resulting exchange differences are not recognized as income or expense for the period but accumulated in a separate account "Foreign Currency Translation Reserve" till the disposal of the net investment.

12.5 Forward Exchange Contracts

In accordance with the guidelines of FEDAI and the provisions of AS 11, Foreign exchange spot and forward contracts outstanding as at the balance sheet date and held for trading, are revalued at the closing spot and forward rates respectively notified by FEDAI and at interpolated rates for contracts of interim maturities. The resulting forward valuation profit or loss is included in the Profit and Loss Account.

13 TAXES ON INCOME:

This comprises of provision for Income tax and deferred tax charge or credit (reflecting the tax effects of timing differences between accounting income and taxable income for the period) as determined in accordance with AS 22 (Accounting for taxes on Income) issued by ICAI. Deferred tax is recognised subject to consideration of prudence in respect of items of income and expenses those arise at one point of time and are capable of reversal in one or more subsequent periods. Deferred tax assets and liabilities are measured using enacted tax rates expected to apply to taxable income in the years in which the timing differences are expected to be reversed. The effect on deferred tax assets and liabilities of a change in tax rates is recognised in the income statement in the period of enactment of the change.

14 EARNINGS PER SHARE:

The Parent reports basic and diluted earnings per equity share in accordance with the AS 20 (Earnings per Share) issued by the ICAI. Basic earning per equity share has been computed by dividing net income by the weighted average number of equity shares outstanding for the period. Diluted earning per equity share has been computed using the weighted average number of equity shares and dilutive potential equity shares outstanding during the period.

15 PROVISIONS, CONTINGENT LIABILITIES AND CONTINGENT ASSETS:

As per the AS 29 (Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets) issued by ICAI, the Parent recognizes provisions only when it has a present obligation as a result of a past event, it is probable that an outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation and when a reliable estimate of the amount of the obligation can be made.

Contingent liability is disclosed unless the possibility of an outflow of resources embodying economic benefit is remote.

Contingent Assets are not recognized in the financial statements since this may result in the recognition of income that may never be realised.

अनुसूची - 19 : 31 मार्च 2015 को समाप्त वित्तीय वर्ष की समेकित वित्तीय विवरणियों पर नोट

Schedule-19 - Notes on the Consolidated Financial Statements for the year ended 31st March 2015

1. समेकित वित्तीय विवरणी (सीएफएस) में बैंक ऑफ़ बड़ौदा (मूल संस्था) तथा निम्नलिखित अनुषंगियों/सहयोगी इकाइयों/संयुक्त उद्यमों के परिणाम शामिल हैं.

1.1 अनुषंगियां	देश, जहां विद्यमान है	स्वामित्व का प्रतिशत 31.03.15	31.03.14
1.1.1 देशीय अनुषंगियां			
क) बैंकिंग			
1) नैनीताल बैंक लि.	भारत		98.57
ख) गैर बैंकिंग			
i) बॉब कैपिटल मार्केट लि.	भारत		100.00
ii) बॉब कार्ड्स लि.	भारत		100.00
1.1.2 विदेशी अनुषंगियां			
क) बैंकिंग			
i) बैंक ऑफ बड़ौदा (बोत्सवाना) लि.	बोत्सवाना		100.00
ii) बैंक ऑफ बड़ौदा (केन्या) लि.	केन्या		86.70
iii) बैंक ऑफ बड़ौदा (यूगांडा) लि.	यूगांडा		80.00
iv) बैंक ऑफ बड़ौदा (गुयाना) आइएनसी	गुयाना		100.00
v) बैंक ऑफ बड़ौदा (तंजानिया) लि.	तंजानिया		100.00
vi) बैंक ऑफ बड़ौदा त्रिनिदाद एवं टोबेगो लिमिटेड	त्रिनिदाद एवं टोबेगो		100.00
vii) बैंक ऑफ बड़ौदा (घाना) लि.	घाना		100.00
viii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (न्यूज़ीलैन्ड) लि.	न्यूज़ीलैन्ड		100.00
ख) गैर बैंकिंग			
i) बॉब (यू के) लि.	यूनाइटेड किंगडम		100.00

1.2 सहयोगी इकाइयां

समेकित वित्तीय विवरणी (सीएफएस) में समाहित सहयोगी इकाइयों के विवरण निम्नलिखित हैं :

1. The Consolidated Financial Statements (CFS) of the Group comprise the results of the Bank of Baroda (Parent) and the following Subsidiaries/Associates/Joint Ventures:

1.1 Subsidiaries	Country of Incorporation	Percentage of Ownership as on 31.03.15	31.03.14
1.1.1 Domestic Subsidiaries			
a) Banking:			
i) The Nainital Bank Ltd.	India	98.57	98.57
b) Non Banking:			
i) BOB Capital Markets Ltd.	India	100.00	100.00
ii) BOB Cards Ltd.	India	100.00	100.00
1.1.2 Overseas Subsidiaries:			
a) Banking:			
i) Bank of Baroda (Botswana) Ltd.	Botswana	100.00	100.00
ii) Bank of Baroda (Kenya) Ltd.	Kenya	86.70	86.70
iii) Bank of Baroda (Uganda) Ltd.	Uganda	80.00	80.00
iv) Bank of Baroda (Guyana) Inc.	Guyana	100.00	100.00
v) Bank of Baroda (Tanzania) Ltd.	Tanzania	100.00	100.00
vi) Bank of Baroda Trinidad &Tobago Ltd.	Trinidad & Tobago	100.00	100.00
vii) Bank of Baroda (Ghana) Ltd.	Ghana	100.00	100.00
viii) Bank of Baroda (New Zealand) Ltd.	New Zealand	100.00	100.00
b) Non Banking:			
i) BOB (UK) Ltd.	United Kingdom	100.00	100.00

1.2 Associates

The particulars of Associates considered in the CFS are as under:

नाम		Name	देश, जहां विद्यमान है Country of Incorporation	मूल संस्था का हिस्सा (%) Parent's ownership Interest (%) as on 31.03.15	31.03.14
(क) इन्डो जाम्बिया बैंक लिमिटेड	(a)	Indo Zambia Bank Limited	जाम्बिया/Zambia	20	20
(ख) बड़ौदा पायोनियर असेट मेनेजमेन्ट कंपनी लि.	(b)	Baroda Pioneer Asset Management Co. Ltd.	भारत/India	49	49
(ग) बड़ौदा पायोनियर ट्रस्टी कंपनी प्राईवेट लि.	(c)	Baroda Pioneer Trustee Company Private Limited	भारत/India	49	49
(घ) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकः-	(d)	Regional Rural Banks			
i) बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक		i) Baroda Uttar Pradesh Gramin Bank	भारत/India	35	35
ii) बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (पहले का बड़ौदा राजस्थान ग्रामीण बैंक)		ii) Baroda Rajasthan Kshetriya Gramin Bank (Erstwhile Baroda Rajasthan Gramin Bank)	भारत/India	35	35
iii) बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक		iii) Baroda Gujarat Gramin Bank	भारत/India	35	35

1.3 संयुक्त उद्यम

1.3 Joint Ventures

	नाम / Name	देश जहां विद्यमान है Country of Incorporation	मूल संस्था का हिस्सा Percentage of Ownership as on	
			31.03.2015	31.03.2014
क) a)	इण्डियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कम्पनी लि. India First Life Insurance Company Ltd.	भारत India	44	44
ख) b)	इण्डिया इंटरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी. India International Bank (Malaysia) Bhd.	मलेशिया Malaysia	40	40
ग) c)	इण्डिया इन्फ्राडेट लि. India Infradebt Ltd.	भारत India	30	30

2. सहयोगी इकाइयों में निवेश का विवरण

2. Particulars of the Investment in Associates

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

क्र. सं	विवरण	Sr. No.	Particulars	31.03.2015 को As on 31.03.2015	31.03.2014 को As on 31.03.2014
(क)	सहयोगी इकाइयों में निवेश की लागत	a.	Cost of Investment in Associates	259.86	228.53
(ख)	उपरोक्त (क) में शामिल अधिग्रहण पर साख	b.	Goodwill on acquisition included in (a) above	--	-
(ग)	उपरोक्त (क) में अधिग्रहण पर प्रारक्षित पूंजी	c.	Capital reserve on acquisition included in (a) above	25.27	25.27
(घ)	पुनर्मूल्यांकित प्रारक्षित निधि और एफसी संव्यवहार प्रारक्षित निधि के खाते में परिवर्धन	d.	Additions on account of Revaluation reserve & Foreign Currency Translation reserve	3.43	3.23
(ङ)	अधिग्रहण उपरान्त गुड विल/आरक्षित पूंजी के लाभ (शुद्ध) का अंश	e.	Share of post acquisition profits (Net) of Goodwill/ Capital Reserve	557.51	423.31
(च)	31 मार्च को निवेश (क-ख-ग + घ + ङ)	f.	Investment as at 31st March (a -b-c+d+e)	795.53	629.80
(छ)	भारत में निवेश	g.	Investment in India	681.32	565.83
(ज)	भारत के बाहर निवेश	h.	Investment outside India	114.21	63.97
(झ)	कुल (छ + ज)	i.	Total (g + h)	795.53	629.80

3. अनुषंगियों /सहयोगी इकाइयों की वित्तीय विवरणियां

3.1. अनुषंगियों संयुक्त उद्यम, तथा सहयोगी इकाइयों की वित्तीय विवरणियां, बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यूगांडा) लि.(इसकी संपूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी बैंक ऑफ़ बड़ौदा कैपिटल मार्केट यूगांडा लि. को शामिल करते हुए), बैंक ऑफ़ बड़ौदा (केन्या) लि., बैंक ऑफ़ बड़ौदा (घाना) लि., बैंक ऑफ़ बड़ौदा (तंजानिया) लि., इंडिया इन्टरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी, (आईआईबीएमबी) तथा इंडो जांबिया बैंक लि. को छोड़कर, जिनकी 31 मार्च, 2015 तक तैयार की गई है उसी रिपोर्टिंग तारीख के अनुसार तैयार की गई हैं जिस तारीख को मूल संस्था की विवरणी तैयार की गई है. उक्त अनुषंगियों की विवरणियां 31 दिसंबर, 2014 की स्थिति के अनुरूप तैयार की गई हैं. प्रबंधन द्वारा यथा प्रमाणित 1 जनवरी, 2015 से 31 मार्च, 2015 के बीच अपेक्षित समायोजनों हेतु कोई उल्लेखनीय संव्यवहार नहीं हुआ है.

3.2. बड़ौदा पायनियर एसेट मैनेजमेंट कंपनी (लि.), बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक, बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा (बोत्सवाना) लि., बैंक ऑफ बड़ौदा (टी एण्ड टी) लि., बैंक ऑफ बड़ौदा (गुयाना) लि., बैंक ऑफ बड़ौदा (न्यूजीलैंड) लि. और बैंक ऑफ बड़ौदा (यू.के.) लि. के अलेखापरीक्षित वित्तीय परीणामों पर समेकन के उद्देश्य से विचार किया गया.

3.3. 31.03.2015 को समाप्त वर्ष हेतु निम्नलिखित देशीय अनुषंगियों के खाते कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 (4) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं

3. Financial Statements of Subsidiaries / Associates

3.1 The audited financial statements of the Subsidiaries, Joint Venture's and Associates have been drawn up to the same reporting date as that of the Parent i.e. 31st March, 2015 except for Bank of Baroda (Uganda) Ltd, (including its wholly-owned subsidiary Baroda Capital Markets (Uganda) Ltd.), Bank of Baroda (Kenya) Ltd., Bank of Baroda (Ghana) Ltd., Bank of Baroda (Tanzania) Ltd., India International Bank (Malaysia) Bhd. (IIBMB) and Indo Zambia Bank Ltd. which have been drawn up to 31st December, 2014. As certified by the Management, there are no significant transactions or other events during 1st January, 2015 to 31st March, 2015 requiring adjustment therein.

3.2 The Unaudited Financial Results of Baroda Pioneer Assets Management Co. Ltd, Baroda Uttar Pradesh Gramin Bank, Baroda Gujarat Gramin Bank, Baroda Rajasthan Kshetriya Gramin Bank, Bank of Baroda (Botswana) Ltd., Bank of Baroda (T&T) Ltd., Bank of Baroda (Guyana) Ltd., Bank of Baroda (New Zealand) Ltd. and Bank of Baroda (UK) Ltd. are considered for Consolidation purpose.

3.3 The accounts of the following domestic subsidiaries for the year ended 31st March, 2015 are subject to the comments

महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों के अध्यधीन हैं :

1) बॉब कैपिटल मार्केटस् लि.

2) बॉब कार्डस् लि.

4. पूंजीगत प्रारक्षित निधि

पूंजीगत प्रारक्षित निधि में अचल संपत्तियों के पुनर्मूल्यांकन के फलस्वरूप होने वाली मूल्यवृद्धि एचटीएम प्रतिभूति बिक्री पर लाभ (कर एवं प्रारक्षित निधि में अंतरण के पश्चात्) तथा लघु / मध्यम उद्योगों के लिए निर्यात विकास परियोजनाओं /औद्योगिक निर्यातों परियोजनाओं हेतु विश्व बैंक की योजनाओं के अंतर्गत भारत सरकार की अंशदान राशि शामिल हैं.

5. करों के लिए प्रावधान

5.1 आयकर का प्रावधान, अपीलीय प्राधिकारियों के निर्णयों को ध्यान में रखते हुए तथा परामर्शदाता के परामर्श से किया गया है.

5.2 अग्रिम रूप से भुगतान किया गया कर/स्रोत पर काटा गया कर, प्रावधान के उपरांत है एवं यह 'अन्य आस्तियों' के तहत ₹ 5584.58 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 4849.48 करोड) रखा गया है. इसमें मूल का ₹5557.09 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 4826.09 करोड) शामिल है जो विभिन्न वर्षों के दौरान बैंक द्वारा भुगतान किए गए विवादित कर मांगों के भुगतान से संबंधित समायोजित राशि है. उक्त मांगों के संबंध में बैंक द्वारा किसी प्रकार का प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है क्योंकि बैंक की राय तथा उसके काउंसिलो की राय और/अथवा न्यायिक घोषणाओं के अनुसार निर्धारण कर्ता अधिकारी द्वारा किए गए परिवर्धन/अस्वीकृति अनियत है.

6. बैंक की कुछ संपत्तियां पुनर्मूल्यित राशि के आधार पर दर्शायी गयी है. परिसर की लागत सहित वर्ष के अंत तक कुल पुनर्मूल्यन राशि ₹ 1,773.77 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 1,782.73 करोड) जिसमें विदेशी कार्यालयों के ₹ 32.85 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 35.85 करोड) शामिल है मूल्यह्रास के उपरांत पुनर्मूल्यन राशि ₹ 987.30 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 1,052.61 करोड़) है.

7. प्रारक्षितों से पूर्व आहरण

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान प्रारक्षितों से कोई आहरण नहीं किया गया था.

8. अस्थायी प्रावधान

of Comptroller & Auditor General of India under Section 143(6)) of the Companies Act, 2013:

1) BOB Capital Markets Ltd.

2) BOB Cards Ltd.

4. Capital Reserves

Capital Reserve includes appreciation arising on revaluation of immovable properties, profit on sale of HTM securities (net of tax and transfer to Statutory Reserve) and amount subscribed by Government of India under the World Bank's Scheme for Export Development Projects / Industrial Export Projects for small / medium scale industries.

5. Provision for Taxes

5.1 Provision for taxes are arrived at after due consideration of decisions of appellate authorities and advice of Consultant.

5.2 Tax paid in advance / tax deducted at source is net of provisions and is appearing under "Other Assets" amounting to ₹ 5584.58 crores (previous year ₹ 4849.48 crores), includes ₹ 5557.09 crores of the parent (previous year ₹ 4826.09 crores), represent amount adjusted by the department / paid by the Parent in respect of disputed tax demands for various assessment years. No provision is considered necessary in respect of the said demands as in the parent's view, duly supported by counsels opinion and / or judicial pronouncements, additions / disallowances made by the Assessing Officer are not sustainable.

6. Certain properties of the Bank are stated at revalued amounts. The gross amount of revaluation included in cost of premises as at end of the year is ₹ 1,773.77 Crores (previous year ₹ 1,782.73 crores) including ₹ 32.85 Crores at overseas offices (previous year ₹ 35.85 crores). The revalued amount net of depreciation is ₹ 987.30 crores (Previous Year ₹ 1,052.61 Crores).

7 Draw Down from Reserves

During the Financial Year 2014-15, there has been no draw down from the reserves.

8. Floating Provision

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	Current Year	Previous Year
क. अस्थाई प्रावधान खातों में प्रारंभिक शेष	a. Opening balance in the floating provisions account	887.37	898.47
ख. लेखा वर्ष में किये गये अस्थाई प्रावधानों का परिमाण	b. The quantum of floating provisions made in the accounting year	3.75	-
ग. लेखा वर्ष के दौरान आहरित राशि	c. Amount of draw down made during the accounting year	425.00	11.10
घ. अस्थाई प्रावधान खातों में अंतिम शेष	d. Closing balance in the floating provisions account	466.12	887.37

9. प्रावधानों एवं आकस्मिकताओं का अलग अलग विवरण

लाभ हानि खाते में दर्शाए गए प्रावधानों एवं आकस्मिकताओं का अलग अलग विवरण निम्नानुसार है :

9. Break up of Provisions and Contingencies

The break-up of provisions and contingencies appearing in Profit & Loss Account is as under:

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	विगत वर्ष Previous Year
बट्टेखाते डाले गए ऋणों/एनपीए के लिए प्रावधान	Bad debts written off / Provision made towards NPA	3841.83	2954.30
पुनर्गठित मानक व अवमानक खातों में ब्याज के सेक्रीफाइज हेतु प्रावधान	Provision towards sacrifice of interest in Restructured standard and sub-standard accounts	213.20	32.43
देशगत जोखिम प्रबंधन हेतु प्रावधान	Provision for Country Risk Management	73.39	9.06
करों के लिए प्रावधान (आस्थगित कर सहित)	Provision for taxes (including deferred Taxes)	2150.54	1065.15
निवेश पर मूल्यह्रास हेतु प्रावधान	Provision for Depreciation on investment	(151.99)	200.36
मानक आस्तियों हेतु प्रावधान	Provision for standard assets	549.42	537.33
कर्मचारी कल्याण व्यय हेतु प्रावधान	Provision for staff welfare expenses	25.00	25.00
अन्य	Others	679.13	1066.47
जोड़	**Total**	**7380.52**	**5890.09**

10. भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानकों (एएस) की शर्तों के अनुसार प्रकटीकरण

10.1 एएस-5 पूर्व की अवधि के लिए शुद्ध लाभ/हानि की मदों तथा लेखानीतियों में परिवर्तन

10.1.1 व्यापार हेतु धारित बकाया विदेशी मुद्रा हाजिर तथा वायदा बाजार संविदाओं के तुलन पत्र की तिथी को क्लोजिंग स्पाट पर तथा पिछले वर्ष की वास्तविक एमटीएम पॉलिसी के पेटे बाजार को चिन्हित किए जाते है. इस वर्ष वास्तविक एमटीएम को लाभ व हानि की गणना के लिए पीवी आधार पर भुनाया गया है. अतः मूल बैंक के उक्त पोर्टफोलियों में लाभ में रु. 0.99 करोड़ की वृद्धि हुई है.

10.1.2 वर्ष के दौरान बैंक ने अचल आस्तियों पर मूल्यह्रास प्रभारित करने की पॉलिसी को बदल दिया है. तदनुसार मूल्यह्रास को वित्तीय वर्ष के आधार पर प्रभारित करने के बजाय आस्तियों के उपयोगी अवधि हेतु खरीदी की तारीख से प्रभारित किया गया है.

उपर्युक्त परिवर्तन के फलस्वरूप चालू वर्ष में मूल्यह्रास में रू. 161.70 करोड़ की कमी हुई. इसमें पूर्ववर्ती वर्षों में खरीदी गई आस्तियों से संबंधित रु.88.70 करोड़ का रिवर्सल भी शामिल है.

10.2 ए एस-15 - कर्मचारी लाभ (बैंक)

प्रकटीकरण -

मूल बीमांकिक धारणा (भारित औसत के रूप में व्यक्त)

10. Disclosure in terms of Accounting Standards (AS) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI).

10.1 AS-5 Net Profit or Loss for the period, Prior Period Items and Changes in Accounting Policies

10.1.1 Foreign exchange spot contracts and forward contract outstanding as at Balance Sheet date and are held for trading are Marked to Market at the closing spot and forward rates as against last year policy of actual MTM. This year the resultant MTM is discounted to calculate Profit & Loss on PV Basis. Hence, the profit of the said portfolio of parent bank is increased by 0.99 Crores.

10.1.2 During the year, bank has changed its policy of charging depreciation on fixed assets. Accordingly, the depreciation is charged from actual date of purchase for useful life of asset instead of charging the same on financial year basis.

The above change has resulted into reduction in depreciation in the books of Parent Bank for current year by Rs 161.70 crores which includes a reversal of Rs 88.70 crores pertaining to assets purchased in earlier years.

10.2 AS-15 Employee Benefits [Parent]

Disclosures

Principal Actuarial Assumptions [Expressed as Weighted Averages]

		योजना का स्वरूप / TYPE OF PLAN			
		पेंशन Pension	अवकाश नकदीकरण Leave encashment	उपदान Gratuity	अति.सेवा लाभ ARB
डिस्काउंट दर	Discount rate	8.00%	8.00%	8.00%	8.00%
वेतन वृद्धि दर	Salary Escalation Rate	6.00%	6.00%	6.00%	6.00%

ह्रास दर	Attrition Rate	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
योजनागत आस्तियों पर संभावित रिटर्न रेट	Expected Rate of Return on plan Assets	8.00%	-	8.00%	-

मोर्टिलिटी रेट : एलआईसीआई 1994-96 | Mortality Rate : LICI 1994-96

नोट : बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक के दिनांक 24 मार्च 2014 के पत्र के अनुसार पर्याप्त बीमांकित मूल्यांकन पर आधारित अधिवार्षिता योजना उपलब्ध कराई है. प्रबंधन का दृष्टिकोण है कि भारतीय रिजर्व बैंक के पत्रानुसार बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर इसके लिये उचित प्रावधान किया गया है.

Note: The bank has provided for superannuation schemes as per the RBI letter dated March 24, 2014. The management is of the view that they have made adequate provision as per the RBI letter based on the actuarial valuation.

देयताओं के आरंभिक और अंतिम शेष का समाधान

Reconciliation of opening and closing balance of liability

(₹ करोड़ में) / (₹ in crores)

		योजना का स्वरूप / TYPE OF PLAN			
		पेंशन Pension	अवकाश नकदीकरण Leave encashment	उपदान Gratuity	अति.सेवा लाभ ARB
1/4/2014 को पीवीओ	PVO as at 01.04.2014	8259.48	735.69	1532.61	647.17
जोड़ें-ब्याज की लागत	Add- Interest Cost	636.08	54.77	113.63	49.14
जोड़ें-चालू सेवा लागत	Add- Current Service Cost	1081.57	142.85	80.49	2.90
घटायें-प्रदत्त लाभ	Less- Benefits Paid	617.01	102.03	224.51	65.86
जोड़ें-दायित्व पर बीमांकिक हानि/लाभ(-)	Add- Actuarial loss/gain(-) on obligation	-410.46	-49.30	10.87	-263.48
31.03.2015 को पीवीओ	PVO as at 31.03.2015	8949.66	781.98	1491.36	369.87

योजना आस्तियों के उचित मूल्य के आरंभिक शेष एवं अंतिम शेष का समाधान

Reconciliation of opening & closing balance of fair value of plan assets

(₹ करोड़ में / ₹in Crores)

		योजना का स्वरूप / TYPE OF PLAN	
		पेंशन/ Pension	उपदान/Gratuity
1/4/2014 को योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	Fair Value of plan assets as on 01-04-2014	7628.52	1531.90
जोड़ें- योजनागत आस्तियों पर संभावित रिटर्न	Add- Expected Return on Plan Assets	610.28	122.55
जोड़ें- अंशदान	Add- Contributions	943.92	0.00
घटायें-प्रदत्त लाभ	Less- Benefits Paid	617.01	224.51
जोड़ें-बीमांकिक लाभ / (-) हानि	Add- Actuarial gain/(-)loss	142.19	20.66
31.03.2015 को योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	Fair Value of Plan Assets as on 31.03.2015	8707.91	1450.60

तुलन-पत्र में मान्य राशि

Amount recognized in the Balance Sheet

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

		योजना का स्वरूप TYPE OF PLAN			
		पेंशन Pension	अवकाश नकदीकरण Leave encashment	उपदान Gratuity	अति. सेवा लाभ ARB
क) दायित्व का पीवी	a) PV of obligation	8949.66	-	1491.36	-
ख) योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	b) Fair value of plan assets	8707.91	-	1450.60	-
ग) अन्तर	c) Difference	-241.75	-	-40.76	-
घ) अनिर्धारित संक्रमणशील देयता	d) Unrecognised transitional liability	0.00	-	0.00	-
ङ) तुलनपत्र में मान्य देयता	e) Liability Recognised in the BS	-241.75	-	-40.75	-

लाभ-हानि खाते में निर्धारित राशि

Amount recognized in the P & L Account

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

				योजना का स्वरूप TYPE OF PLAN			
				पेंशन Pension	अवकाश नकदीकरण Leave encashment	उपदान Gratuity	अति. सेवा लाभ ARB
क)	चालू सेवा लागत	a)	Current Service Cost	1081.57	142.85	80.49	2.90
ख)	ब्याज लागत	b)	Interest Cost	636.08	54.77	113.63	49.14
ग)	योजनागत आस्ति पर संभावित रिटर्न	c)	Expected Return on Plan Assets	610.28	0.00	122.55	0.00
घ)	निर्धारित पिछली सेवा लागत (-)	d)	Net Actuarial Loss/gain(-)	-552.66	-49.07	-31.53	-263.48
ङ)	वर्ष के दौरान संक्रमणीय देयता	e)	Transitional liability recognized in the year	365.98	0.00	0.00	0.00
च)	लाभ हानि खाते में निर्धारित खर्च		Expenses Recognised in P&L	920.69	148.54	40.04	-211.44

अगली अवधि (2015-16) के लिए संभावित अंशदान

Expected contribution for next period (2015-16)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	पेंशन / Pension	ग्रेच्युटी / Gratuity
संभावित अंशदान	Expected contribution	600.00	50.00

निवेश पैटर्न

Investment Pattern

(%में / in %)

विवरण	Particulars	पेंशन / Pension	ग्रेच्युटी / Gratuity
केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियां	Central Govt Securities	17.74	20.02
राज्य सरकार प्रतिभूतियां	State Government Securities	24.08	24.22
कार्पोरेट (पीएसयू)	Corporate (PSU)	18.08	21.58
कार्पोरेट (प्राइवेट)	Corporate (Private)	2.65	1.49
अन्य	Others	37.45	32.69
कुल	Total	100.00	100.00

10.3 सेगमेंट रिपोर्टिंग (एएस 17)

लेखा मानक 17 - सेगमेंट रिपोर्टिंग के तहत प्रकटीकरण -

भाग क बिजनेस सेगमेंट

10.3 Segment Reporting (AS – 17)

Accounting Standard 17 - Disclosure under Segment Reporting

Part A: Business Segments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

बिजनेस सेगमेंट	Business Segments	ट्रेजरी Treasury		कार्पोरेट/होलसेल बैंकिंग Corporate / Wholesale Banking		रिटेल बैंकिंग Retail Banking		अन्य बैंकिंग परिचालन Banking & Other Operations		कुल Total	
		2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14
राजस्व	Revenue	14562.86	13066.95	22025.24	20363.60	12488.89	11367.59	1287.25	1219.91	50364.24	46018.05
परिणाम	Result	3563.83	2455.10	1120.41	2276.22	3144.22	2600.93	173.26	149.95	8001.72	7482.20
अनाबंटित खर्च	Unallocated Expense									1939.45	1416.32
परिचालनगत लाभ	Operating Profit									6062.27	6065.87
आयकर	Income taxes									2150.54	1065.15

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

बिजनेस सेगमेंट	Business Segments	ट्रेजरी Treasury (1)	ट्रेजरी Treasury (2)	कार्पोरेट/होलसेल बैंकिंग Corporate / Wholesale Banking (1)	कार्पोरेट/होलसेल बैंकिंग Corporate / Wholesale Banking (2)	रिटेल बैंकिंग Retail Banking (1)	रिटेल बैंकिंग Retail Banking (2)	अन्य बैंकिंग परिचालन Banking & Other Operations (1)	अन्य बैंकिंग परिचालन Banking & Other Operations (2)	कुल Total (1)	कुल Total (2)
विशिष्ट लाभ / हानि	Extra-ordinary Profit/loss									--	-
शुद्ध लाभ	Net Profit									3911.73	5000.73
अन्य सूचना	Other Information										
सेगमेंट आस्तियां	Segment Assets	280105.27	255227.73	340384.69	321182.57	103714.76	91126.60	2223.91	1406.66	726428.63	668943.55
अनाबंटित आस्तियां	Unallocated Assets									7548.75	7170.56
कुल आस्तियां	Total Assets									733977.38	676114.11
सेगमेंट देयताएं	Segment Liabilities	264070.21	240940.85	320898.85	303203.74	97777.45	86025.61	2096.60	1327.92	684843.12	631498.12
अनाबंटित देयताएं	Unallocated Liabilities									7116.61	6769.17
कुल देयताएं	Total Liabilities									691959.73	638267.29
नियोजित पूंजी	Capital Employed	16035.05	14286.88	19485.84	17978.83	5937.31	5100.99	127.31	78.74	41585.51	37445.44
अनाबंटित	Unallocated									432.14	401.39
कुल नियोजित पूंजी	Total Capital Employed									42017.65	37846.82

भाग-ख - भौगोलिक सेगमेंट / Part B : Geographical Segments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	देशीय परिचालन Domestic Operations		अन्तर्राष्ट्रीय परिचालन International Operations		कुल / Total	
		2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14
राजस्व	Revenue	43794.36	40106.45	6569.87	5911.60	50364.24	46018.05
आस्तियां	Assets	473707.41	435162.42	260269.97	240951.69	733977.38	676114.11

टिप्पणी :

1. भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशानुसार लेखांकन मानकों के अनुपालन में बैंक ने ट्रेजरी ऑपरेशन, होलसेल, रिटेल और अन्य बैंकिंग परिचालनों को प्राथमिक कारोबार सेगमेंट और देशीय और अन्तर्राष्ट्रीय को गौण / भौगोलिक सेगमेंट के रूप में अपनाया है.
2. बैंकिंग एवं अन्य परिचालनों में अन्य बैंकिंग तथा गैर बैंकिंग परिचालन शामिल हैं.
3. सेगमेंट राजस्व बाह्य ग्राहकों से प्राप्त राजस्व को दर्शाता है.
4. प्रत्येक सेगमेंट के लिए नियोजित पूंजी को सेगमेंट की आस्तियों के आनुपातिक तौर पर आबंटित किया गया है.

Notes:

1. As per guidelines of RBI on compliance with Accounting Standards, parent has adopted Treasury Operations, Wholesale, Retail and other Banking Operations as Primary business segments and Domestic and International as Secondary / Geographic segments.
2. Banking & Other operations includes other banking operations and non-banking operations
3. Segment revenue represents revenue from external customers.
4. Capital Employed for each Segment has been allocated proportionate to the assets of the Segment.

10.4 संबंधित पार्टी प्रकटीकरण (एएस-18) / 10.4 Related Party Disclosures (AS-18)

S.No	नाम Name	पदनाम Designation	पारिश्रमिक Remuneration चालू वर्ष Current Year ₹	पिछला वर्ष Previous Year ₹
1	श्री. रंजन धवन Shri Ranjan Dhawan	प्रबंध निदेशक एवं सीईओ (26-02-2015 से प्रभावी) Managing Director and CEO(w.e.f. 26-02-2015) कार्यपालक निदेशक (25-02-2015 तक) Executive Director (upto 25-02-2015)	25,51,719.00	19,13,437.00
2	श्री. एस. एस. मूंदडा Shri S.S. Mundra	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (30-07-2014 तक) Chairman and Managing Director(upto 30-07-2014)	19,08,979.00	26,27,967.00
3	श्री. पी. श्रीनिवास Shri P. Srinivas	कार्यपालक निदेशक (30-12-2014 तक) Executive Director (upto 30-12-2014)	19,61,198.00	20,10,521.00
4	श्री. भुवनचंद्र बी. जोशी Shri Bhuwanchandra B. Joshi	कार्यपालक निदेशक Executive Director	22,62,427.00	10,94,767.00
5	श्री. के. वेंकट रामा मूर्ती Shri K Venkata Rama Moorthy	कार्यपालक निदेशक (10-03-2015 से प्रभावी) Executive Director (w.e.f. 10-03-2015)	95,487.00	--
6	श्री. सुधीर कुमार जैन Shri Sudhir Kumar Jain	कार्यपालक निदेशक (07-07-2013 तक) Executive Director (upto 07-07-2013)	--	7,67,625.00

10.5 प्रति शेयर अर्जन (एएस-20) / 10.5 Earnings per Share (AS-20)

	विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	विगत वर्ष Previous Year
i.	इक्विटी शेयर धारकों हेतु कर के बाद उपलब्ध शुद्ध लाभ (₹ करोड़ो में)	Net Profit after tax available for Equity shareholders (₹ in crores)	3911.73	5000.73
ii.	इक्विटी शेयरों की संख्या (भारित)	Number of Equity Shares (Weighted)	214,72,51929	42,28,88,060
iii.	प्रति शेयर मूल व डायल्यूटेड अर्जन ₹10 प्रत्येक के	Basic and diluted earnings per share of ₹10/- each (₹)	18.22	118.25
iv.	प्रति इक्विटी अंकित शेयर मूल्य	Nominal Value per Equity Share	₹ 2.00	₹ 10.00

10.6 आय पर कर गणना (एएस-22) / 10.6 Accounting for Taxes on Income (AS-22)

क. आस्थगित कर देयता (निवल) / a. Deferred Tax Assets (Net)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	31.03.2015		31.03.2014	
		आस्तियां Asset	देयता Liability	आस्तियां Asset	देयता Liability
आयकर अधिनियम के तहत बही मूल्यह्रास तथा मूल्यह्रास के बीच अंतर	Difference between book depreciation and Depreciation under Income Tax Act	6.88	-	5.41	-
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36(1) (viii) के तहत कटौंतियां	Deduction under section 36(1)(viii) of the Income-tax Act, 1961	-	-	-	-
अन्य	Others	-	-	-	-
संदिग्ध ऋण एवं अग्रिमों के लिए प्रावधान	Provision for doubtful debts and advances	0.95	-	1.00	-
एचटीएम प्रतिभूतियो पर मूल्यह्रास	Depreciation on HTM Securities	-	-	-	-
आयकर अधिनियम की धारा 40(ए) (आई ए) के तहत अमान्य राशि	Amount Disallowable U/S 40(a)(ia) of the IT Act	-	-	-	-
छुट्टी नकदीकरण एंव वेतन संशोधन हेतु प्रावधान	Provision for leave encashment & Wage Revision	3.99	-	3.86	-
जोड़	Total:	11.82	-	10.27	-
शुद्ध आस्थगित कर देयता / आस्तियां	Net Deferred tax Liability /Asset	11.82		10.27	-

ख. आस्थगित कर देयता (निवल)

b. Deferred Tax Liabilities (Net)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	31.03.2015		31.03.2014	
		आस्तियां Asset	देयता Liability	आस्तियां Asset	देयता Liability
आयकर अधिनियम के तहत बही मूल्यह्रास तथा मूल्यह्रास के बीच अंतर	Difference between book depreciation and Depreciation under Income Tax Act	0.89	72.87	0.60	61.12
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36(1) (viii) के तहत कटौतियां	Deduction under section 36(1) (viii) of the Income-tax Act, 1961		1533.79	-	1128.91
एचटीएम प्रतिभूतियों पर मूल्यह्रास	Depreciation on HTM Securities		96.14	-	92.73
अन्य	Others		1.60	-	0.94
संदिग्ध ऋण एवं अग्रिमों के लिए प्रावधान	Provision for doubtful debts and advances	764.91		236.90	-
आयकर अधिनियम की धारा 40(ए) (आई ए) के तहत अमान्य राशि	Amount Disallowable U/S 40(a) (ia) of the IT Act	3.11		3.21	-
छुट्टी नकदीकरण हेतु प्रावधान	Provision for leave encashment	259.63		252.99	4.52
जोड़	Total:	1028.54	1704.40	493.70	1288.22
शुद्ध आस्थगित कर देयता / आस्तियां	Net Deferred tax Liability /Asset		675.86	-	794.52

10.7 एएस-24 परिचालन बंद करना

वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान बैंक ने अपनी किसी भी शाखा को बंद करने संबंधी कार्यवाही नहीं की है, फलस्वरूप देयताओं को कम करके आस्तियों की वसूली की जा सकी है और संपूर्ण बैंक स्तर पर अपने परिचालन में किसी कार्यवाही की समाप्ति, जिससे उपरोक्त प्रभाव पड़े, संबंधी निर्णय नहीं लिया गया है.

10.8. एएस-28 आस्तियों का अनर्जक बनना

लेखा मानक-28 "आस्तियों का इंपेयरमेंट" के खंड 5 से खंड 13 एएस 28 के अंतर्गत कोई महत्वपूर्ण उल्लेख न होने के फलस्वरूप चालू वित्तीय वर्ष में अचल आस्तियों की कोई भी क्षति अपेक्षित नहीं है.

10.9 एएस-29 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं तथा आकस्मिक आस्तियां

देयताओं के लिए प्रावधानों का संचलन (अन्य के लिए प्रावधानों को छोड़कर)

10.7. AS-24 Discontinuing operations

During the financial year 2013-14 the Group has not discontinued the operations of any of its branches, which resulted in shedding of liability and realization of the assets and no decision has been finalized to discontinue an operation in its entirety, which will have the above effect.

10.8 AS-28 Impairment of Assets

In view of the absence of indication of material impairment within the meaning of clause 5 to clause 13 of AS 28 Impairment of Assets, no impairment of fixed assets is required in respect of current financial year.

10.9 AS-29 – Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets

Movement of provisions (excluding provisions for others)

(₹ in crores)

विवरण	Particulars	मुकदमें Legal Cases / / आकस्मिकताएं Contingencies	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1 अप्रैल 2014 को शेष	Balance as on 1st April 2014	48.25	44.94
वर्ष के दौरान प्रदत्त	Provided during the year	--	3.31
वर्ष के दौरान प्रयुक्त	Amount used during the year	17.53	-
31 मार्च 2015 को शेष	Balance as at 31st March 2015	30.72	48.25
आउटफ्लो/अनिश्चितताओं का समय	Timing of Outflow / uncertainties	Outflow on settlement/crystallization	

11. आकस्मिक देयताएं

तुलनपत्र के शेड्यूल 12 के क्र सं. (I) से (VI) में उद्धृत देयताएं अदालत के निर्णय/ पंच फैसले/ अदालत के बाह्य निस्तारण/ अपील का निपटारे पर निर्भर करती हैं. संबंद्ध पार्टियों द्वारा संविदात्मक दायित्वों, विकास, मांग किए जाने की शर्तानुसार मांगी गई राशि. ऐसे मामलों में कोई प्रतिपूर्ति अपेक्षित नहीं है.

12. नियामक द्वारा लगाया गया जुर्माना

वर्ष के दौरान बैंक द्वारा केवायसी नियमों का अनुपालन न करने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंक पर रु. 0.25 करोड़ का जुर्माना लगाया गया. विदेशी परिचालनों में सेंट्रल बैंक ऑफ यूएई को वेतन संरक्षण व्यवस्था से संबंधित नियमों के उल्लंघन के कारण रु. 2.33 करोड़ और बैंक ऑफ चायना को अल्पावधि ऋण सीमा में

11. Contingent Liabilities

Such liabilities as mentioned at Serial No (I) to (VI) of Schedule 12 of Balance Sheet are dependent upon the outcome of court judgement / arbitration awards / out of court settlement / disposal of appeals, the amount being called up, terms of contractual obligations, development and raising of demand by concerned parties respectively. No reimbursement is expected in such cases.

12. Penalty Imposed by Regulator

During the quarter penalty of Rs. 0.25 Crs was levied by Reserve Bank of India on Parent Bank the Bank for non compliance of KYC norms. Further, the Parent Bank In its overseas Operations, paid a penalty of Rs. 2.33 Crores to Central Bank of UAE for

उल्लंघन के लिये रु. 0.16 करोड़ का भुगतान किया गया. तरल आस्ति में उल्लंघन के कारण बॉब बोत्सवाना निधि नियामक को रु. 0.03 करोड़ रुपये के जुर्माने को भुगतान किया.

13. अतिरिक्त प्रकटीकरण

मूल बैंक एवं अनुषंगियों की अलग-अलग वित्तीय विवरणियों में प्रकट की गई अतिरिक्त सूचना का सीएफएस के सही एवं स्पष्ट दृष्टिकोण से संबंध नहीं है और साथ ही ऐसी मदों से संबंधित सूचना को, जो महत्वपूर्ण नहीं है, सीएफएस में प्रकट नहीं किया गया है.

13-1 वित्तीय वर्ष 2010-11 के दौरान मूल बैंक तथा उसकी अनुषंगी नैनीताल बैंक लि. ने अपने ऐसे कर्मचारियों के लिए पेंशन का विकल्प दिया, जिन्होंने पूर्व में पेंशन का विकल्प नहीं लिया था. 19289 कर्मचारियों द्वारा पेंशन का विकल्प लिए जाने के फलस्वरूप, समूह पर रू 1855.71 की देयता उत्पन्न हुई है. इसी क्रम में अनुषंगी नैनीताल बैंक लि. में ग्रेच्यूटी की सीमा रू 3.50 लाख से बढ़कर रू 10.00 लाख किये जाने के कारण ग्रेच्यूटी देयता रू 10.09 करोड से बढ़ गई. इस तरह से पेंशन और ग्रेच्यूटी के लिए कुल देयता रू 1865.80 करोड़ हो गई.

एएस 15 कर्मचारी लाभ, अवश्यकताओं के अनुसार रू 1865.80 करोड़ की कुल राशि को लाभ एवं हानि खाते प्रभारित करने की आवश्यकता थी. फिर भी, आरबीआई परिपत्र डीबीओडी बीपी.बीसी. 80 /21.04.018/2010-11 के द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारियों के लिए पेंशन का विकल्प पुनः खोलने और ग्रेच्यूटी सीमा में वृद्धि पर विवेकपूर्ण 31 मार्च, 2014 तक विनियामक ट्रीटमेंट दिनांक 9 फरवरी, 2011 के अनुसार समूह ने रू 1492.64 करोड़ (जो रू 1865.80 करोड को 4/5 भाग) प्रभारित किया है और अपरिशोधित राशि रू 373.16 करोड़ थी. अब रू 373.16 करोड (रू 1865.80 करोड – रू 1492.64 करोड) की अमान्य शेष को चालू वित्त वर्ष में समूह द्वारा प्रभारित किया गया.

13-2 नवंबर, 2012 से प्रभावी प्रस्तावित वेतन संशोधन समझौता के लिए 31 मार्च 2015 तक मूल बैंक की बही में रू 1050 करोड का तदर्थ प्रावधान किया गया है, वर्ष के दौरान मूल बैंक ने रू 625 करोड़ का प्रावधान किया है. प्रबंधन का मानना है कि उक्त प्रावधान पर्याप्त है.

13-4 प्रतिभुतिकरण / पुनर्संरचित कंपनी / अथवा आस्ति पुनर्संरचित को बेची गई वित्तीय आस्तियों का विवरण वर्ष के दौरान मूल बैंक ने निष्पादक वित्तीय आस्तियों को बेच दिया है जिसका विवरण निम्नानुसार है.

breach of wage protection system and Rs. 0.16 Crores to Central Bank of China for breaching the short term debt limit. BOB Botswana has also paid penalty of Rs. 0.03 crores to its regulator on account of breach of Liquidity Assets Ratio

13. Additional Disclosures

Additional information disclosed in the separate financial statements of the Parent and the Subsidiaries having no bearing on the true and fair view of the CFS and also the information pertaining to the items which are not material, have not been disclosed in the CFS.

13-1 During the financial year 2010-11, the Parent and its Subsidiary The Nainital Bank Ltd. had reopened the pension option for such of its employees who had not opted for the pension scheme earlier. As a result of exercise of such option by 19289 number of employees, the Group had incurred a liability of Rs. 1855.71 crores. Further in respect of Subsidiary, Nainital Bank Ltd., gratuity liability has increased by Rs. 10.09 crores due to enhancement of limit of gratuity from Rs. 3.50 lacs to Rs. 10 lacs. As such the total liability towards pension and gratuity was 1865.80 crores.

In terms of the requirements of the AS 15 - Employee Benefits, the entire amount of Rs. 1865.80 crores was required to be charged to the Profit and Loss Account. However, vide RBI circular no. DBOD.BP.BC.80/21.04.018/2010-11 on Re-opening of Pension Option to Employees of Public Sector Banks and Enhancement in Gratuity Limits – Prudential Regulatory Treatment, dated 9th February 2011, the Group has charged an amount of Rs. 1492.64 crores (representing four-fifth of Rs. 1865.80 crores) upto March 31, 2014 and the unamortized part was Rs. 373.16 crores. Now, the unrecognized balance of Rs. 373.16 crores (Rs.1865.80 crores – Rs.1492.64 crores) charged off by the Group in the current financial year.

13-2 Pending settlement of the proposed wage revision effective from November 2012, an adhoc provision of Rs.1050 crores is held as at 31st March 2015 in the books of Parent Bank. During the year, the Parent Bank has made a provision of Rs.625 crores. Management is of the opinion that the said provision is adequate.

13-4 Details of financial assets sold to Securitization/ Reconstruction Company or Asset Reconstruction

During the year, the parent bank has sold Performing financial assets, the detail of which is as under:

(Rs in Crores)

विवरण		Particulars		Current Year	Previous Year
(i)	खातों की संख्या	(i)	No. of accounts	1	23
(ii)	एससी/आरसी को बेचे गये खातों का कुल मूल्य (शुद्ध प्रावधान)	(i)	Aggregate value (net of provisions) of accounts sold to SC/RC	160.23	253.64
(iii)	कुल स्वीकृति	(iii)	Aggregate consideration	201.60	522.21
(iv)	पिछले वर्षों में स्थांतरित खातों के संबंध में अतिरिक्त स्वीकृति	(iv)	Additional consideration realized in respect of accounts transferred in earlier years	0.00	0.00
(v)	शुद्ध बहि मूल्य का कुल लाभ / (हानि)	(v)	Aggregate gain/(loss) over net book value	41.37	268.57

13-5 मूल संस्था ने विनियामक आवश्यकता के 15% के पेटे 20% रक्षित अवमानक अग्रिम का प्रावधान किया है. फिर भी, गैर रक्षित अवमानक अग्रिमों पर बैंक ने विनियामक आवश्यकताओं के अनुसार @25% का प्रावधान किया है.

13-6 समूह की संस्थाओं के पिछले वर्ष के आंकड़ों को वर्तमान वर्ष की प्रस्तुति की पुष्टि के लिए जहां आवश्यक हो को पुनर्व्यवस्थित / पुनर्गठित / पुनर्समूहीकृत किया गया है.

13-5 The Parent has made provision @ 20% on the Secured Sub-standard Advance as against the Regulatory requirement of 15%. However on unsecured sub standard advances, the bank has made provision @ 25% as per regulatory requirement

13-6 Previous year figures of the group entities have been rearranged / recast / regrouped wherever considered necessary to conform current year's presentation.

31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित नकदी प्रवाह विवरण
Statement of Consolidated Cash Flow for the year ended 31st March, 2015

(₹ in 000's)

		31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष Year ended 31.03.2015	31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष Year ended 31.03.2014
क. परिचालन कार्यकलापों से नकदी प्रवाह :	**A. Cash flow from operating activities:**		
कर से पूर्व शुद्ध लाभ	**Net Profit before taxes**	6062,27,23	6065,87,47
निम्नलिखित के लिए समायोजन :	Adjustments for:		
अचल आस्तियों पर मूल्यह्रास	Depreciation on fixed assets	368,25,53	368,10,96
निवेशों पर मूल्य ह्रास (परिपक्व ऋणपत्रों सहित)	Depreciation on investments (including on Matured debentures)	(151,99,95)	200,35,45
बट्टे खाते में डाले गए अशोध्य ऋण/ गैर निष्पादक आस्तियों के लिए प्रावधान	Bad debts written-off/Provision in respect of non-performing assets	4055,04,18	2986,73,19
मानक आस्तियों के लिए प्रावधान	Provision for Standard Assets	549,42,06	537,33,37
अन्य मदों के लिए प्रावधान	Provision for Other items	777,51,48	1100,52,71
अचल आस्तियों की बिक्री से लाभ /(हानि)	(Profit)/loss on sale of fixed assets	3,50	(26,86)
गौण ऋणों पर ब्याज लाभ/प्रावधान, (अलग से लिया गया)	Payment/provision for interest on subordinated debt(treated separately)	1154,16,91	1001,58,88
उप जोड़	**Sub total**	**12814,70,94**	**12260,25,17**
निम्नलिखित के लिए समायोजन :	Adjustments for:		
निवेशों में (वृद्धि) / कमी	(Increase)/Decrease in investments	(7981,58,52)	3303,83,42
अग्रिमों में (वृद्धि) / कमी	(Increase)/Decrease in advances	(35755,15,83)	(73076,90,74)
अन्य आस्तियों में (वृद्धि) / कमी	(increase)/Decrease in other assets	110,16,76	(1739,22,05)
उधार राशियों में वृद्धि / (कमी)	Increase/(Decrease)in borrowings	(2446,18,43)	3760,80,92
जमा राशियों में वृद्धि / (कमी)	Increase/(Decrease) in deposits	49984,19,45	97358,16,30
अन्य देयताओं तथा प्रावधानों में वृद्धि /(कमी)	Increase/(Decrease) in other liabilities and provisions	3997,81,36	2878,93,36
प्रदत्त प्रत्यक्ष कर (रिफंड का शुद्ध)	Direct taxes paid (Net of Refund)	(2885,64,80)	(2513,24,19)
परिचालन क्रियाकलापों से निवल नकदी (क)	**Net cash from operating activities (A)**	**17838,30,93**	**42232,62,20**
ख. निवेश संबंधी क्रियाकलापों से नकदी प्रवाह :	**B. Cash flow from Investing activities :**		
अचल आस्तियों की खरीद	Purchase of fixed assets	(628,87,11)	(769,62,92)
अचल आस्तियों की बिक्री	Sale of fixed assets	72,52,84	39,27,35
निवेश संबंधी कार्यकलापों से शुद्ध नकदी (ख)	**Net cash from investing activities (B)**	**(556,34,27)**	**(730,35,57)**

(₹ in 000's)

		31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष Year ended 31.03.2015	31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष Year ended 31.03.2014
ग. वित्तीय क्रियाकलापों से नकदी प्रवाह	**C. Cash flow from financing activities:**		
शेयर पूंजी	Share Capital	12,88,41	8,15,88
शेयर प्रीमियम	Share premium	1247,11,59	541,84,12
गैर जमानती गौण बांड	Unsecured Subordinated Bonds	971,40,10	6662,54,90
लाभांश	Dividend	(1083,67,67)	(1059,62,50)
गैर जमानती प्रतिदेय बांडों पर प्रदत्त /देय ब्याज	Interest paid / payable on unsecured redeemable bonds	(1154,16,91)	(1001,58,88)
वित्तपोषण गतिविधियों से शुद्ध नकदी (ग)	**Net cash from financing activities (C)**	**(6,44,48)**	**5151,33,52**
नकदी एवं नकदी समतुल्य (क)+(ख)+(ग) में शुद्ध वृद्धि	**Net increase in cash & cash equivalents (A)+(B)+(C)**	**17275,52,18**	**46653,60,14**
वर्ष के आरंभ में नकदी एवं नकदी समतुल्य	Cash and cash equivalents as at the beginning of the year	134355,66,80	87702,06,66
वर्ष के अंत में नकदी एवं नकदी समतुल्य	Cash and cash equivalents as at the end of the year	151631,18,98	134355,66,80
टिप्पणी	Notes:		
1 नकदी तथा नकदी समतुल्य में हाथ में नकदी, भा.रि.बैं. तथा अन्य बैंकों के पास शेष और मांग तथा अल्पावधि नोटिस पर मुद्रा शामिल हैं.	1 Cash & Cash equivalents includes Cash on hand, Balance with RBI & Other banks and Money at call and Short Notice.		
2 नकदी तथा नकदी समतुल्य के घटक	2 Components of Cash & Cash Equivalents	As on 31st March 2015	As on 31st March 2014
भा.रि.बैं. के पास नकदी एवं शेष	Cash & Balance with RBI	23556,94,33	19444,73,16
बैंकों के साथ शेष तथा मांग एवं अल्पावधि नोटिस पर मुद्रा	Balances with Banks and Money at Call and Short Notice	128074,24,65	114910,93,64
जोड़	**Total**	**151631,18,98**	**134355,66,80**

बैंक ऑफ़ बड़ौदा की समेकित वित्तीय विवरणियों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
Auditors' Report on Consolidated Financial Statements of Bank of Baroda

सेवा में,

निदेशक मंडल,
बैंक ऑफ़ बड़ौदा

1. हमने बैंक ऑफ़ बड़ौदा ("द ग्रुप") के 31 मार्च 2015 के संलग्न समेकित तुलन पत्र और उसके साथ संलग्न उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के समेकित लाभ-हानि विवरण और उक्त तारीख को समेकित नकदी प्रवाह विवरणी की लेखा परीक्षा की है. इनमें निम्नलिखित के खाते शामिल किए गये हैं:
   - i. हमारी लेखा परीक्षा रिपोर्ट दिनांक 11 मई 2015 के अनुसार हमारे द्वारा लेखा परीक्षित बैंक ऑफ़ बड़ौदा (द बैंक) के लेखा परीक्षित खाते,
   - ii. अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित -7- अनुषंगियों तथा -2- सहयोगी इकाइयों, 2 संयुक्त उद्यम के लेखा परीक्षित खाते,
   - iii. 5 अनुषंगियों, 1 संयुक्त उद्यम एवं 4 सहयोगी इकाइयों के अलेखापरीक्षित खाते.

वित्तीय विवरणियों हेतु प्रबंधन का दायित्व

समेकित वित्तीय विवरणियां बैंक प्रबंधन की जिम्मेदारी है तथा इन्हें प्रबंधन द्वारा अनुषंगियों तथा सहयोगी इकाइयों तथा संयुक्त उद्यमों की अलग वित्तीय विवरणियों तथा अन्य वित्तीय सूचनाओं के आधार पर तैयार किया गया है. हमारी जिम्मेदारी समेकित वित्तीय विवरणियों के बारे में हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा के आधार पर मत व्यक्त करना है.

2. बैंक द्वारा समेकित वित्तीय विवरणियों को लेखा मानक एएस-21 (समेकित वित्तीय विवरणियां) और लेखा मानक एएस-23 (समेकित वित्तीय विवरणियों में अनुषंगियों में निवेश हेतु लेखांकन) तथा लेखा मानक एएस-27 (संयुक्त उद्यमों में ब्याज की वित्तीय रिपोर्टिंग) के आधार पर इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टड एकाउंटेन्टस ऑफ इंडिया तथा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार किया गया है.

लेखा परीक्षकों का दायित्व

3. हमने समेकित वित्तीय विवरणियों की लेखा परीक्षा, भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप की है. इन मानकों के अनुसार यह अपेक्षित है कि हम लेखा परीक्षा इस प्रकार सुनियोजित और संपन्न करें कि हमें यह तर्क संगत आश्वासन मिले कि ये वित्तीय विवरणियां निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग के फ्रेमवर्क के अनुसार तैयार की गई हैं, तथा सभी प्रकार की महत्वपूर्ण गलतियों से मुक्त हैं. लेखा परीक्षा में, जांच आधार पर परीक्षण, राशियों संबंधित प्रमाण और वित्तीय विवरणियों का प्रकटीकरण शामिल है. लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा, प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों का निर्धारण और महत्वपूर्ण आकलन शामिल है. इसमें समग्र वित्तीय विवरणियों का प्रस्तुतीकरण मूल्यांकन भी शामिल है. हमारा विश्वास है कि हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा हमारे राय का तर्क संगत आधार है.

4. समेकित वित्तीय विवरणियों में निम्नलिखित शामिल है.
   - क) 4 विदेशी अनुषंगियों की वित्तीय विवरणियां, जिनकी हमने लेखा परीक्षा नहीं की है. इनकी वित्तीय विवरणियों में 31 मार्च 2015 को कुल आस्तियां 10466.24 करोड़ रुपये का उल्लेख है और वर्ष

To

The Board of Directors,

Bank of Baroda

1 We have audited the attached Consolidated Balance Sheet of Bank of Baroda (the "Group") as at March 31, 2015, the Consolidated Statement of Profit and Loss for the year ended on that date and the Consolidated Cash Flow Statement for the year ended on that date, annexed thereto, in which are incorporated:
   - i) Audited Accounts of the Bank of Baroda (The Bank), audited by us, vide our audit report dated May 11, 2015;
   - ii) Audited Accounts of 7 Subsidiaries, 2 Joint Ventures and 2 Associates, audited by other Auditors;
   - iii) Unaudited accounts of 5 subsidiaries, 1 Joint Venture and 4 associates

Management's Responsibility for the Financial Statements

The Consolidated Financial Statements are the responsibility of the Bank's management and have been prepared by the management on the basis of separate financial statements and other financial information regarding subsidiaries, associates & joint ventures. Our responsibility is to express our opinion on these Consolidated Financial Statements based on our audit.

2 These Consolidated Financial Statements have been prepared by the Bank in accordance with the requirements of AS 21 (Consolidated Financial Statements), AS 23 (Accounting for Investment in Associates in Consolidated Financial Statements) and AS 27 (Financial Reporting of Interest in Joint Ventures) issued by the ICAI and the guidelines issued by the Reserve Bank of India.

Auditor's Responsibility

3 We conducted our audit of the Consolidated Financial Statements in accordance with the Auditing Standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance whether the Financial Statements are prepared, in all material respects, in accordance with an identified financial reporting framework and are free of material misstatements. An audit includes, examining on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4 Incorporated in the Consolidated Financial Statements are:
   - a) Financial statements of 4 overseas subsidiaries which have not been audited by us, whose financial statements reflect total assets of Rs. 10466.24 crores as at 31st March, 2015 and total revenue

के अन्त में 1060.82 करोड़ रुपये का कुल राजस्व तथा 209.31 करोड़ रुपये का नकदी प्रवाह है. उक्त अनुषंगियों तथा संयुक्त उद्यमों की वित्तीय विवरणियों तथा वित्तीय सूचना की स्थानीय रूप से सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) की आवश्यकताओं के अनुसार दूसरे लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षा की गयी है. प्रबंधन द्वारा भारतीय जीएएपी की अपेक्षाओं के अनुसार इन वित्तीय विवरणियों को रूपांतरित किया गया है और इनकी उनके द्वारा लेखा परीक्षा की गई है और हमारे विचार से उक्त अनुषंगियों के बारे में जहां तक समाविष्ट राशियों का संबंध है, ये मूलतः उन लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों पर तथा भारतीय जीएएपी में रूपांतरण के आधार पर है जैसा कि ऊपर बताया गया है.

ख) तीन घरेलू अनुषंगियों तथा दो घरेलू संयुक्त उद्यम के आंकड़ें, जिनकी दूसरे लेखा परीक्षकों ने लेखा परीक्षा नहीं की है. इनकी वित्तीय विवरणियों में 31 मार्च 2015 को कुल आस्तियां 10418.49 करोड़ रुपये तथा वर्ष के अन्त में 2121.32 करोड़ रुपये का राजस्व तथा कुल आय एवं नकदी प्रवाह के रूप में 203.65 करोड़ रुपये का उल्लेख है. 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय परिणामों में समूह के शेयरों का रू 2.25 करोड़ का शुद्ध लाभ भी शामिल है और यह समेकित वित्तीय परिणामों में दर्शाया गया है. सहयोगी संस्थाओं के संबंध में जिनके वित्तीय विवरण-पत्र अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षित किए गए है व जिनकी रिपोर्ट हमें प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत की गई है एवं उनके समेकित वित्तीय परिणामों के बारे में हमारी अब तक की राय के अनुसार इन घरेलू अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों एवं सहयोगियों से संबंधित राशियां और प्रकटीकरण केवल दूसरे लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित है.

ग) 5 विदेशी अनुषंगियों और 1 विदेशी संयुक्त उद्यम के आंकडे लेखा परीक्षित नही हैं. 31 मार्च, 2015 तक उनके वित्तीय विवरण रू 2617.03 करोड़ की कुल आस्तियों को प्रदर्शित करते हैं. और मौजूदा तिथि को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कुल राजस्व रू 141.91 करोड एवं कुल नकद प्रवाह रू 68.23 करोड है. इसे समेकित वित्तीय परिणाम में दर्शाया गया है. 4 सहयोगी संस्थाओं के संबंध में, जिनके वित्तीय विवरण हमारे द्वारा लेखापरीक्षित नहीं हैं: उनके समेकित वित्तीय परिणामों में 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए समूह के शेयरों का रू 115.48 करोड का शुद्ध लाभ भी शामिल है और इसे समेकित वित्तीय परिणाम में दर्शाया गया है. यह वित्तीय विवरण अलेखापरीक्षित हैं और विवरण हमें प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं और उनके समेकित वित्तीय परिणामों के बारे में हमारी अब तक की राय के अनुसार इन अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों एवं सहयोगियों से संबंधित राशियां और प्रकटीकरण केवल ऐसे अलेखपरीक्षित वित्तीय विवरणों पर आधारित है. हमारी राय और प्रबंधन द्वारा हमें दी गई जानकारी एवं विवरणों के अनुसार यह वित्तीय परिणाम समूह से संबंधित नही हैं.

6 राय

हमारी लेखा परीक्षा एवं अन्य लेखा परीक्षकों की अलग वित्तीय विवरणियों, लेखा परीक्षा न की गई वित्तीय विवरणियों और घटकों की अन्य वित्तीय सूचना तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी और उपर्युक्त पैराग्राफ 4 तथा 5 के साथ पठित हमें दिए गये स्पष्टीकरण के अनुसार हमारी यह राय है कि संलग्न समेकित वित्तीय विवरणियां भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप वास्तविक एवं सही तस्वीर प्रस्तुत करती हैं:

of Rs. 1060.82 crores and cash flows amounting to Rs. 209.31 crores for the year then ended. The financial statements and other financial information of said subsidiaries and joint ventures have been audited by other auditors as per the requirement of respective local Generally Accepted Accounting Principles (GAAP). These financial statements have been converted as per the requirements of Indian GAAP by the management and got audited by them and our opinion, in so far it relates to the amounts included in respect of those subsidiaries is based solely on the reports of those auditors and its conversion into Indian GAAP as stated above.

b) Figures of 3 domestic subsidiaries and 2 domestic joint ventures which have been audited by other auditors, whose financial statements reflect total assets of Rs. 10418.49 crores as at March 31, 2015 and total revenue of Rs. 2121.32 crores and cash flows amounting to Rs. 203.65 crores for the year then ended. The consolidated financial statements also include the Group's share of net profit of Rs. 2.25 crores for the year ended 31st March, 2015, as considered in the consolidated financial statements, in respect of 2 associates, whose financial statement have been audited by other auditors, whose report have been furnished to us by the Management and our opinion on the consolidated financial statements, in so far as it relates to the amounts and disclosures included in respect of these domestic subsidiaries, joint ventures and associates, is based solely on the reports of the other auditors.

c) Figures of 5 overseas subsidiaries and 1 overseas Joint Venture which have not been audited, whose financial statements reflect total assets of Rs. 2617.03 crores as at 31st March, 2015, total revenues of Rs. 141.91 crores and net cash out flows amounting to Rs.68.23 crores for the year ended on that date, as considered in the consolidated financial statements. The consolidated financial statements also include the Group's share of net profit of Rs. 115.48 crores for the year ended 31st March, 2015, as considered in the consolidated financial statements, in respect of 4 associates, whose financial statement have not been audited by us. These financial statements are unaudited and have been furnished to us by the Management and our opinion on the consolidated financial statements, in so far as it relates to the amounts and disclosures included in respect of these subsidiaries, joint ventures and associates, is based solely on such unaudited financial statements. In our opinion and according to the information and explanations given to us by the Management, these financial statements are not material to the Group.

5 Opinion

Based on our audit, consideration of reports of other auditors on separate financial statements, consideration of unaudited financial statements and on the other financial information of the components, and to the best of our information and according to the explanations given to us read with paragraphs 4 and 5 above, we are of the opinion that the attached consolidated financial statements give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

(i) 31 मार्च 2015 को बैंक, बैंक की अनुषंगियों के कार्य व्यवहारों तथा बैंक की सहयोगी कंपनियों / संयुक्त उपक्रमों के हितों से संबंधित समेकित तुलन पत्र के संबंध में

(ii) उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए 'ग्रुप' के समेकित लाभ संबंधी समेकित लाभ हानि खाते के संबंध में, और

(iii) उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए 'ग्रुप' के नकदी प्रवाह संबंधी समेकित नकदी प्रवाह विवरणी के संबंध में.

(i) in the case of the Consolidated Balance Sheet, of the state of affairs of the Bank, its Subsidiaries and interests in its Associates/ Joint ventures (Group) as on 31st March 2015;

(ii) in the case of the Consolidated Statement of Profit & Loss, of the consolidated Profit of the "Group" for the year ended on that date, and

(iii) in the case of Consolidated Cash Flow Statement, of the cash flows of the "Group" for the year ended on that date.

कृते खंडेलवाल जैन एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 105049 डब्ल्यू
शैलेशकुमार एस. शाह
भागीदार
एम. नं.: 033632

For **Khandelwal Jain & Co**
Chartered Accountants
FRN : 105049W
Shaileshkumar S Shah
Partner
M.No: 033632

कृते के ए एस जी एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 002228 सी
के. के. हरोडीया
भागीदार
एम. नं.: 034751

For **K A S G & Co**
Chartered Accountants
FRN : 002228C
K. K. Harodia
Partner
M.No: 034751

कृते वही एण्ड गुप्ता
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 002263 एन
वाय. के. गुप्ता
भागीदार
एम. नं.: 016020

For **Wahi & Gupta**
Chartered Accountants
FRN: 002263N
Y. K. Gupta
Partner
M.No: 016020

कृते एस आर गोयल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 001537 सी
अजय कुमार अतोलिया
भागीदार
एम. नं.: 077201

For **S R Goyal & Co.**
Chartered Accountants
FRN: 001537C
Ajay Kumar Atoliya
Partner
M.No: 077201

कृते एम. बी. अग्रवाल एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 100137 डब्ल्यू
एम. बी. अग्रवाल
भागीदार
एम. नं.: 009045

For **M B Agrawal & Co**
Chartered Accountants
FRN: 100137W
M. B. Agrawal
Partner
M.No: 009045

कृते रोडी दबीर एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 108846 डब्ल्यू
दिलीप जी. रोडी
भागीदार
एम. नं.: 035810

For **Rodi Dabir & Co**
Chartered Accountants
FRN: 108846W
Dilip G Rodi
Partner
M.No: 035810

स्थान / Place: मुंबई / Mumbai
दिनांक / Date: 11th May, 2015

सी ई ओ / सी एफ ओ प्रमाणीकरण

निदेशक मण्डल

बैंक ऑफ़ बड़ौदा

मुम्बई

प्रिय महोदय,

विषय : वर्ष 2014-15 के लिए सी ई ओ / सी एफ ओ प्रमाणीकरण - समेकित

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के साथ सूचीबद्धता करार की धारा 41 एवं धारा 49 की अनुपालना स्वरूप हम एतद् द्वारा प्रमाणित करते हैं कि

क. हमने वर्ष 2014-15 की वित्तीय विवरणी तथा नकदी प्रवाह विवरणी (समेकित) की समीक्षा की है तथा हमारी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार :

   i. इन विवरणियों में कोई विषयगत अयथार्थ अभिकथन नहीं है अथवा कोई विषयगत तथ्य छिपाया नहीं गया है अथवा इनमें कोई भ्रामक अभिकथन शामिल नहीं किया गया है.

   ii. ये अभिकथन / विवरण बैंक के कार्यकलापों का सही एवं स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं तथा ये विद्यमान लेखा मानकों, लागू नियमों एवं विनियमों के अनुरूप हैं.

ख. हमारी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार वर्ष के दौरान बैंक द्वारा ऐसे कोई संव्यवहार नहीं किए गए जो धोखाधड़ी में लिप्त हो, गैर कानूनी हो अथवा बैंक की आचार संहिता के विरूद्ध हों.

ग. हम वित्तीय रिपोर्टिंग से सम्बद्ध आन्तरिक नियन्त्रणों का पूर्ण दायित्व स्वीकार करते हैं. हम यह भी स्वीकार करते हैं कि हमने वित्तीय रिपोर्टिंग की आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली की प्रभावशीलता का मूल्यांकन/आकलन किया है तथा हमने लेखा परीक्षकों और लेखा समिति को आन्तरिक नियन्त्रणों के परिचालन एवं स्वरूप से सम्बद्ध कमियों, यदि कोई है अथवा जो हमारे अभिज्ञान में हैं एवं हमने इन्हें दूर करने के लिए जो उपाय किए हैं या प्रस्तावित है, की जानकारी दे दी है.

घ) हमने लेखा परीक्षकों तथा लेखा परीक्षा समिति को निम्नलिखित से अवगत कराया है.

   i. वर्ष के दौरान वित्तीय रिपोर्टिंग के संदर्भ में आन्तरिक नियन्त्रण व्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तन

   ii. वर्ष के दौरान लेखा नीतियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन तथा इनका उल्लेख वित्तीय विवरणियों के नोट्स में कर दिया गया है

   iii. हमारी जानकारी में आए धोखाधड़ी सम्बंधी विशिष्ट मामले तथा उनमें प्रबन्धन अथवा किसी कर्मचारी की संलिप्तता, जिसकी आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली संबंधी वित्तीय रिपोर्टिंग में अहम भूमिका हो.

यू.सी.सिंघवी	रंजन धवन
महाप्रबंधक	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
(कार्पोरेट खाते एवं कराधान) तथा सीएफओ	

दिनांक : 11 मई 2015
स्थान : मुंबई

CEO / CFO CERTIFICATION

Board of Directors,
Bank of Baroda
Mumbai

Dear Sirs,

Re : CEO/CFO Certification for the year 2014-15 - Consolidated

Pursuant to Clause 41 and 49 of the Listing Agreements with Bombay Stock Exchange Limited and National Stock Exchange Limited, we hereby certify that:

a. We have reviewed financial statements and the cash flow statement for the year 2014-15 (Consolidated) and that to the best of our knowledge and belief:

   i. These statements do not contain any materially untrue statement or omit any material fact or contain statements that might be misleading:

   ii. These statements together present a true and fair view of the Bank's affairs and are in compliance with existing accounting standards, applicable laws and regulations.

b. There are, to the best of our knowledge and belief, no transactions entered into by the Bank during the year which are fraudulent, illegal or violative of the Bank's code of conduct.

c. We accept responsibility for establishing and maintaining internal controls for financial reporting and that we have evaluated the effectiveness of internal control systems of the Bank pertaining to financial reporting and we have disclosed to the auditors and the Audit Committee deficiencies in the design or operation of such internal controls, if any, of which we are aware and the steps we have taken or propose to take to rectify these deficiencies.

d. We have indicated to the Auditors and the Audit Committee.

   i. Significant changes in internal control over financial reporting during the year.

   ii. Significant changes in accounting policies during the year and that the same have been disclosed in the notes to the financial statements and

   iii. Instances of significant fraud of which we have become aware and the involvement therein, if any, of the management or an employee having a significant role in the Bank's internal control system over financial reporting.

U C SINGHVI
General Manager
(Corporate Accounts & Taxation) and CFO

RANJAN DHAWAN
Managing Director & CEO

Date : 11th May 2015
Place : Mumbai

नोटिस / NOTICE

बैंक ऑफ़ बड़ौदा BANK OF BARODA
प्रधान कार्यालय : मांडवी, बड़ौदा - 390 006
Head Office : Mandvi, Baroda – 390 006
कार्पोरेट कार्यालय : बड़ौदा कार्पोरेट सेंटर, सी-26, 'जी' ब्लॉक,
बांद्रा कुर्ला काम्पलेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुम्बई - 400 051.
Corporate Office: Baroda Corporate Centre,C-26, "G' Block,
Bandra Kurla Complex, Bandra (East), MUMBAI 400 051
(Website: www.bankofbaroda.com)

एतद्द्वारा यह नोटिस दिया जाता है कि निम्नलिखित कार्यों का संचालन करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयरधारकों की 19वीं वार्षिक सामान्य बैठक **बुधवार, 24 जून, 2015 को सुबह 10:30 बजे सर सयाजीराव नगरगृह, वडोदरा महानगर, सेवासदन, टी.पी.- 1 एफ.पी. 549/1, जीईबी कॉलोनी के पास, ओल्ड पादरा रोड, वडोदरा - 390020 में संपन्न होगी :**

1. बैंक के 31 मार्च, 2015 के तुलनपत्र, 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लाभ-हानि लेखा, लेखों में समाहित अवधि के कार्य निष्पादन तथा कार्यकलापों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट और तुलन-पत्र एवं लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार-विमर्श, अनुमोदन व इन्हें स्वीकार करना.
2. वर्ष 2014-15 के लिए लाभांश की घोषणा करना.
3. बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (इसके बाद जिसे "विनियमन अधिनियम" कहा गया है) राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970 (इसके बाद इसका उल्लेख "योजना" के रूप में किया गया है) अधिनियम की धारा 19 के अनुसार निर्मित, के साथ पठित बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 (इसके बाद इसे "अधिनियम" कहा गया है) की धारा 9 (3) (i)और बैंक ऑफ बड़ौदा सामान्य (शेयर एवं बैठक) विनियमन, 1998 (इसका इसके बाद इसका उल्लेख "विनियमन" के रूप में किया गया है) तथा भारतीय रिज़र्व बैंक की अधिसूचना (इसका उल्लेख भारतीय रिज़र्व बैंक अधिसूचना के रूप में किया गया है), सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों के अशासकीय निदेशकों की नियुक्त के संबंध में भारत सरकार द्वारा 25 मार्च, 2015 को जारी दिशानिर्देशों के साथ पठित, सं.डीबीओडीसं.बीसीसं. 46 और 47/29.39.001/2007-08 दिनांक 1 नवंबर, 2007 औरसं.डीबीओडी.बीसी.सं. 95/29.39.001/2010-11 दिनांक 23 मई, 2011,के अनुसार बैंक के केंद्रीय सरकार से भिन्न शेयर धारकों में से, जिनके वैध नामांकन प्राप्त हुए हैं, उनमें से एक निदेशक का चुनाव करने के बाद निम्नलिखित संकल्प पारित करनाः

   यह संकल्प पारित किया जाता है कि संबद्ध योजना के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 (3)(i), उसके अंतर्गत निर्मित विनियमों तथा भारतीय रिज़र्व बैंक की अधिसूचना एवं भारत सरकार की अधिसूचना के अनुसरण में केंद्रीय सरकार से भिन्न शेयर धारकों में से निदेशक के रूप में चुने गये____________को अपना कार्यभार संभालने के लिए चुनाव की तारीख से अगले दिन से बैंक के निदेशक के रूप में एतद्द्वारा नियुक्त किया जाता है और वे ऐसे कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से 3 वर्ष की अवधि पूर्ण होने तक अपने पद पर बने रहेंगे.

कृते बैंक ऑफ बड़ौदा

(रंजन धवन)
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

स्थानः मुंबई
दिनांकः 11 मई, 2015

NOTICE is hereby given that the 19th Annual General Meeting of the Shareholders of Bank of Baroda will be held on **Wednesday, 24th June 2015 at 10.30 a.m. at Sir Sayajirao Nagargriha, Vadodara Mahanagar Seva Sadan, T. P. – 1, F. P. 549/1, Near GEB Colony, Old Padra Road, Akota, Vadodara – 390 020,** to transact the following business:

1. To discuss, approve and adopt the Balance Sheet of the Bank as at 31st March 2015, Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2015, the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the accounts and the Auditor's Report on the Balance Sheet and Accounts.
2. To declare dividend for the year 2014-15.
3. To elect ONE Director from amongst the Shareholders of the Bank, other than the Central Government, in respect of whom valid nominations are received in terms of Section 9(3)(i) of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (hereinafter referred to as the "Act") read with the Banking Regulation Act, 1949 (here in after referred as "the Regulation Act"), the Nationalized Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 (hereinafter referred to as the "Scheme") and the Bank of Baroda General (Shares and Meetings) Regulations, 1998 (hereinafter referred to as "the Regulations") made pursuant to Section 19 of the Act, and Notification Nos.DBODNo.BC No.46 and 47/29.39.001/2007-08 dated November 01, 2007 and No.DBOD.No.BC.No.95/29.39.001/2010-11 dated May 23, 2011 of Reserve Bank of India (hereinafter referred to as "RBI Notification") read with guidelines dated 25th March 2015 issued by Government of India for consideration as Non Official Directors of Public Sector Banks and AFTER ELECTION pass the following resolution:-

   "RESOLVED THAT ______________ elected as Director from amongst Shareholders other than the Central Government pursuant to Section 9(3)(i) of the Act read with relevant Scheme, Regulations made there under, RBI Notification and GOI Notification, be and is hereby appointed as the Director of the Bank to assume office from the day next to the date of election and shall hold office until the completion of a period of three years from the date of such assumption".

For Bank of Baroda

Ranjan Dhawan
Managing Director & CEO

Place : Mumbai
Date : 11th May 2015

यह नोटिस टिप्पणियों के साथ सभी शेयर धारकों को पंजीकृत डाक / ई-मेल द्वारा भी भेज दिया गया है.
(The Notice with Notes has been dispatched to all the Shareholders by Registered Post/E-mail separately)

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

बैंक ऑफ़ बड़ौदा

प्रधान कार्यालय – मांडवी, बड़ौदा 390 006

फॉर्म बी

प्रॉक्सी फार्म

(शेयरधारक द्वारा भरा एवं हस्ताक्षर किया जाए)

पंजीकृत फोलियो नंबर		डीपी आईडी नं.	
		ग्राहक आई. डी नं.	
(यदि अभौतिक रूप से न हो)		(यदि शेयर अभौतिक रूप में हो)	
शेयरों की संख्या			

मैं/हम...निवासी..जिला.. राज्य...बैंक ऑफ़ बड़ौदा का/के शेयरधारक होने के नाते एतद्द्वारा श्री/श्रीमती.. निवासी...जिला...राज्य...को या उनके न होने पर श्री/श्रीमती..निवासी... जिला...राज्य...को **बुधवार, 24 जून, 2015 को प्रात: 10.30 बजे** सर सयाजीराव नगरगृह, वड़ोदरा महानगर सेवा सदन, टी.पी.-1, एफ.पी.549/1, जीईबी कॉलोनी के पास, ओल्ड पादरा रोड, वडोदरा - 390 020 में या इसकी किसी स्थगित तारीख को बैंक ऑफ़ बड़ौदा के शेयरधारकों की होने वाली वार्षिक सामान्य बैठक में मेरी /हमारी ओर से बैठक में भाग लेने और वोट देने के लिए प्रॉक्सी नियुक्त करता/करती हूं/करते हैं.

दिनांक ....माह ....2015 को हस्ताक्षरित

रसीदी टिकट यहां चिपकाएं

प्रॉक्सी के हस्ताक्षर ....

प्रॉक्सी/एकमात्र धारक के हस्ताक्षर

नाम ....

पता ....

....

प्रॉक्सी फार्म पर हस्ताक्षर करने एवं जमा करने संबंधी अनुदेश

1. प्रॉक्सी का लिखत निम्नानुसार होने पर वैध माना जाएगा -
   - क. एकल शेयरधारक व्यक्ति के मामले में, शेयरधारक द्वारा या उसके द्वारा लिखित रूप में प्राधिकृत उसके अटर्नी द्वारा हस्ताक्षरित हो अथवा
   - ख. संयुक्त धारकों के मामले में, यह रजिस्टर में दर्ज प्रथम शेयरधारक द्वारा या उसके द्वारा लिखित रूप में विधिवत प्राधिकृत उसके अटर्नी द्वारा हस्ताक्षरित हो अथवा
   - ग. बाडी कार्पोरेट के मामले में इसके अधिकारी द्वारा कॉमन सील के साथ हस्ताक्षर और निष्पादित यदि कोई हो, अथवा विधिवत लिखित रुप में प्राधिकृत मुख्तार द्वारा हस्ताक्षरित हो.

   प्रॉक्सी लिखत शेयरधारक द्वारा उपयुक्त रूप से हस्ताक्षरित होना चाहिए परंतु यदि किसी कारण से वह अपना नाम लिखने में असमर्थ है और उसके अंगूठे का निशान लगाया गया है तब यह तभी वैध माना जायेगा जब इसे किसी न्यायाधीश, मैजिस्ट्रेट, रजिस्ट्रार या उप रजिस्ट्रार ऑफ़ एश्योरेन्सेस या किसी अन्य सरकारी राजपत्रित अधिकारी या बैंक ऑफ़ बड़ौदा के किसी अधिकारी द्वारा सत्यापित किया गया हो.
2. विधिवत स्टांपित होने एवं मुख्तारनामा या अन्य प्राधिकार (यदि कोई हो) जिसके तहत हस्ताक्षर किए गये हैं अथवा उस मुख्तारनामा या अन्य प्राधिकार की प्रति जो कि किसी नोटरी पब्लिक या मैजिस्ट्रेट द्वारा प्रमाणित तथा पूर्व में बैंक पास जमा की गयी हो अथवा इसके शेयर ट्रान्सफर एजेन्ट के पास जमा की गई हो. प्रधान कार्यालय में सहायक महाप्रबन्धक (केवायसी एवं एएमएल विभाग), बैंक ऑफ बडौदा,आठवां तल, सूरज प्लाजा - I, सयाजीगंज, वड़ोदरा-390 005 के पास वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख से चार दिन पहले अर्थात 19 जून 2015 को कार्य समाप्ति के पूर्व सायं 5.00 बजे से पहले जमा किए जाने पर ही प्रॉक्सी को वैध माना जाएगा.
3. यदि संबद्ध मुख्तारनामा पहले से पंजीकृत हो तव मुख्तारनामे की पंजीकरण जमा और इस प्रकार के पंजीकरण की तारीख का उल्लेख किया जाना चाहिए.
4. प्रॉक्सी का लिखत फार्म “बी” में होने पर ही वैध माना जाएगा.
5. बैंक के पास जमा किया गया प्रॉक्सी - लिखत अपरिवर्तनीय और अंतिम होगा.
6. विकल्प के तौर पर दो गारंटियों के पक्ष में दिए गए प्रॉक्सी-लिखत के मामले में,एक से अधिक फार्म निष्पादित नहीं किया जाएगा.
7. प्रॉक्सी-लिखत निष्पादित करने वाला शेयरधारक वार्षिक सामान्य बैठक में व्यक्तिगत रूप में मतदान का हकदार नहीं होगा.
8. किसी भी व्यक्ति को, जो बैंक का अधिकारी अथवा कर्मचारी है, ऐसा विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि प्रॉक्सी नियुक्त नहीं किया जाएगा.
9. प्रॉक्सी फार्म में किए गए सभी परिवर्तन विधिवत रूप से अधिप्रमाणित किए जाने चाहिए.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

Bank of Baroda

Head Office: Mandvi, Baroda – 390 006

FORM 'B'

FORM OF PROXY

(To be filled in and signed by the Shareholders)

Regd. Folio No.		DP ID	
		Client ID	
(If shares are not dematerialized)		(If shares are dematerialized)	
No. of Shares			

I / We ______________________________resident/s of______________________________in the district of____________________ in the State of ______________________________ being a shareholder / Shareholders of the Bank of Baroda, hereby appoint Shri/Smt ____________________resident of ____in the district of ____________________in the State of ____________________or failing him / her, Shri / Smt ____________________resident of____________________.in the district of____________________ in the State of ……………………… as my / our proxy to vote for me/us and on my/our behalf at the **Annual General Meeting** of the Shareholders of the Bank of Baroda to be held on **Wednesday, 24th June 2015 at 10.30 a.m.** at Sir Sayajirao Nagargriha, Vadodara Mahanagar Seva Sadan, T. P. – 1, F. P. 549/1, Near GEB Colony, Old Padra Road, Akota, Vadodara – 390 020, and at any adjournment thereof.

Signed this ______________ day of ______________ 2015.

Signature of the Proxy ______________________________

Name : ______________________________

Address : ______________________________

____

Please affix Revenue Stamp

Signature of first named / sole shareholder

Instructions for signing and lodging the Proxy Form

1 No instrument of proxy shall be valid unless,

a) in the case of an individual shareholder, it is signed by him/her or by his/her attorney, duly authorized in writing, or

b) in the case of joint holders, it is signed by the shareholder first named in the register or his/ her attorney, duly authorized in writing, or

c) in the case of a body corporate signed by its officer and executed under its common seal, if any or otherwise signed by its attorney duly authorized in writing.

Provided that an instrument of Proxy shall be sufficiently signed by any shareholder, who is, for any reason, unable to write his/ her name, if his/her mark/thumb impression is affixed thereto and attested by a Judge or Magistrate or Registrar or Sub-Registrar of Assurances or other Government Gazetted Officer or an Officer of Bank of Baroda.

2. No proxy shall be valid unless it is duly stamped and is deposited at the Head Office of the Bank at Bank of Baroda, KYC & AML Department, 8th Floor, Suraj Plaza-1, Sayajiganj, Vadodara- 390 005, not less than FOUR DAYS before the date fixed for the Annual General Meeting, i.e. on or before the closing hours of the Bank at 5.00 p.m. on 19th June 2015 together with the Power of Attorney or other authority (if any) under which it is signed or a copy of that Power of Attorney or other authority certified as a true copy by a Notary Public or a Magistrate, unless such a power of attorney or the other authority is previously deposited and registered with the Bank/ its Share Transfer Agent.

3. In case the relevant Power of Attorney is already registered, the registration number of the Power of Attorney and the date of such registration may be mentioned.

4. No instrument of the proxy shall be valid unless it is in Form "B"

5. An instrument of proxy deposited with the Bank shall be irrevocable and final.

6. In the case of an instrument of proxy granted in favour of two grantees in the alternative, not more than one Form shall be executed.

7. The granter of an instrument of proxy shall not be entitled to vote in person at the Annual General Meeting to which such instrument relates.

8. No person shall be appointed as duly authorized representative or a proxy who is an officer or an employee of Bank of Baroda.

9. All alterations in the Proxy Form should be duly authenticated.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

बैंक ऑफ़ बड़ौदा

इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (जमा समाशोधन)

इक्विटी शेयरों पर लाभांश के भुगतान के लिए ईसीएस अधिदेश

1. प्रथम शेयरधारक का नाम (स्पष्ट अक्षरों में) :
2. पता : :
3. शेयरधारक की फोलियो संख्या (भौतिक रूप मे शेयरधारकों के लिए) :

   डी. पी. आईडी / ग्राहक आईडी संख्या (इलेक्ट्रॉनिक शेयरधारकों के लिए) :
4. बैंक खाते का विवरण :

   क. बैंक का नाम :

   ख. शाखा का नाम एवं शहर का पिन कोड :

   ग. खाता संख्या (जैसा कि चेक बुक में दिया गया है) :

   घ. खाता प्रकार (कृपया टिक करें) (बचत बैंक खाता/चालू खाता या नकद-उधार खाता) : बचत बैंक ☐ चालू ☐ नकद उधार ☐

   ड. बैंक खाते की लेजर फोलियो संख्या (यदि चेक बुक पर अंकित किया जा रहा हो) :

   च. बैंक द्वारा जारी माइकर चेक में मुद्रित :
   बैंक और शाखा की 9 अंकीय कोड सं. : ☐☐☐☐☐☐☐☐☐
5. कृपया पहचान के प्रमाण स्वरूप अपने पैन कार्ड की स्वयं द्वारा सत्यापित फोटो प्रति तथा कोड संख्या की सत्यता की जांच के लिए अपने उपर्युक्त खाते से संबंधित, आपके बैंक द्वारा जारी चेक के पन्ने की फोटो कापी / कोरा रद्द किया गया चेक संलग्न करें

घोषणा

मैं एतद्द्वारा यह घोषित करता/ती हूं कि उपर्युक्त विवरण सही व पूर्ण हैं. यदि अपूर्ण जानकारी के कारणों से लेनदेन में देरी होती है या यह प्रभावी नहीं होता है तो मैं बैंक ऑफ़ बड़ौदा को जिम्मेदार नहीं ठहराऊंगा/गी.

स्थान : प्रथम धारक के हस्ताक्षर

दिनांक :

टिप्पणी :

1. **यदि शेयर इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखे गए हैं :** कृपया फार्म पूर्णतया भर कर इस पर हस्ताक्षर करें तथा इसे अद्यतन करने हेतु अपेक्षित दस्तावेजों सहित अपने प्रतिभागी डिपॉजिटरी को प्रस्तुत करें.
2. **यदि शेयर भौतिक रूप में रखे गए हैं :** कृपया फार्म पूर्णतया भर कर इस पर हस्ताक्षर करें तथा इसे अपेक्षित दस्तावेजों सहित रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) अर्थात मैसर्स कार्वी कंप्यूटरशेयर प्रा. लि., प्लॉट नं. 17-24, विठ्ठलराव नगर, माधापुर, हैदराबाद- 500 081 अथवा बैंक ऑफ़ बड़ौदा, निवेशक सेवाएं विभाग, तीसरा तल, बड़ौदा कार्पोरेट सेंटर, सी-26 जी ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला काम्पलेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई- 400 051 के पते पर भेज दें.

BANK OF BARODA

Electronic Clearing Service (Credit Clearing)
ECS Mandate for Payment of Dividend on Equity Shares

1. First Shareholder's Name (in Block Letters) :
2. Address :
3. Shareholder's Folio number (for holding in physical form)
   D. P. ID / Client ID number (for holding in electronic form) :
4. Particulars of Bank Account :
   A. Bank Name
   B. Branch Name & City Pin Code :
   C. Account No.
      (as appearing on the cheque book) :
   D. Account Type (please Tick) :
      (SB Account / Current A/c. or Cash Credit A/c) : SB ☐ Current ☐ Cash Credit ☐
   E. Ledger Folio number of Bank Account
      (if appearing on the cheque book) :
   F. 9 Digit Code No. of the Bank
      Branch appearing on the MICR
      Cheque issued by the Bank : ☐☐☐☐☐☐☐☐☐
5. Please attach a self-attested photocopy of your PANCARD as Proof of Identity alongwith a photocopy of a Cheque leaf / blank cancelled cheque issued by your Bank relating to your above account for verifying the accuracy of the Code numbers

DECLARATION

I, hereby declare that the particulars given above are correct and complete. If the transaction is delayed or not effected at all for reasons of incomplete information, I would not hold Bank of Baroda responsible

Place:

Date: **Signature of the First Holder**

Note:

1. **If the shares are held in electronic mode:** Please complete the form, sign and submit alongwith the required documents to your Depository Participant for necessary updation.
2. **If the shares are held in physical mode:** Please complete the form, sign and mail alongwith the required documents at the address of Registrar and Transfer Agent (RTA), i.e. M/s Karvy Computershare Pvt. Ltd, Plot No. 17-24, Vithalrao Nagar, Madhapur, Hyderabad - 500 081 **OR** at Bank of Baroda, Investors' Services Dept. 3rd Floor, Baroda Corporate Centre, C-26, G-Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai – 400 051.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
प्रधान कार्यालय : मांडवी, वडोदरा - 390 006
Head Office: Mandvi, Vadodara - 390 006

वार्षिक सामान्य बैठक के लिए उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश पत्र-सह-मत पत्र पास
ATTENDANCE SLIP-CUM-ENTRY PASS-CUM-BALLOT PAPER PASS FOR ANNUAL GENERAL MEETING

दिनांक : बुधवार, 24 जून, 2015 समय : प्रातः 10.30 बजे स्थान : सर सयाजीराव नगर गृह, वडोदरा महानगर सेवा सदन, टी.पी.-1, एफ. पी. 549/1, जीईबी कॉलोनी के पास, ओल्ड पादरा रोड, अकोटा, वडोदरा - 390020	Date : Wednesday, 24th June, 2015 Time : 10.30 A.M Place : Sir Sayaji Rao Nagargriha, Vadodra Mahanagar Seva Sadan, T. P. - 1, F. P. 549/1, Near GEB Colony, Old Padra Road, Akota, Vadodara – 390 020

उपस्थिति पर्ची ATTENDANCE SLIP

(प्रवेश के समय स्थान पर जमा किया जाए To be surrendered at the time of entry to the Venue)

नाम स्पष्ट अक्षरों में NAME IN BLOCK LETTERS (सदस्य Member / प्रॉक्सी Proxy / प्रतिनिधि AR)	फोलियो/डीपीआईडी/ग्राहक आईडी सं. FOLIO/DPID/CLIENT ID NO.	शेयरों की सं. No. of Shares

उपस्थित शेयरधारक/प्रॉक्सी/प्रतिनिधि के हस्ताक्षर Signature of the Shareholder / Proxy/ Representative present X________________________

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

प्रवेश पत्र ENTRY PASS

(पूरी बैठक के दौरान अपने पास रखें To be retained throughout the meeting)

वार्षिक सामान्य बैठक : बुधवार, 24 जून, 2015 समय : प्रातः 10.30 बजे ANNUAL GENERAL MEETING : WEDNESDAY, 24TH JUNE, 2015. TIME : 10.30.A.M.

नाम स्पष्ट अक्षरों में NAME IN BLOCK LETTERS (सदस्य Member / प्रॉक्सी Proxy / प्रतिनिधि AR)	फोलियो/डीपीआईडी/ग्राहक आईडी सं. FOLIO/DPID/CLIENT ID NO.	शेयरों की सं. No. of Shares

उपस्थित शेयरधारक/प्रॉक्सी/प्रतिनिधि के हस्ताक्षर Signature of the Shareholder / Proxy/ Representative present X________________________

शेयरधारकों/प्रॉक्सीधारकों/प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि बैठक हॉल में प्रवेश हेतु प्रवेश पत्र के साथ इस उपस्थिति पर्ची को बैंक के साथ दर्ज नमूना हस्ताक्षर के अनुरुप विधिवत हस्ताक्षर करके प्रस्तुत करें। प्रवेश का अधिकार सत्यापन/जाँच, जैसा भी आवश्यक समझा जाए, के अध्यधीन होगा. किसी भी स्थिति में बैठक हॉल के प्रवेश द्वार पर डुप्लीकेट उपस्थिति पर्ची सह प्रवेश पत्र जारी नहीं किया जाएगा।
Shareholders / proxy holders / authorized representative are requested to produce the above Attendance Slip, duly signed in accordance with their specimen signatures registered with the Bank, along with the entry pass, for admission to the venue. The admission may, however, be subject to verifications / checks, as may be deemed necessary. Under no circumstances, any duplicate Attendance Slip-Cum-Entry Pass will be issued at the entrance to the meeting hall.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

मतपत्र पास BALLOT PAPERS PASS

(मतपत्र प्राप्त करने के लिए मतदान काउंटरों पर सौंप दें To be surrendered to the Polling counters for issue of ballot paper)

वार्षिक सामान्य बैठक : बुधवार, 24 जून, 2015 समय : प्रातः 10.30 बजे ANNUAL GENERAL MEETING : WEDNESDAY, 24TH JUNE, 2015. TIME : 10.30.A.M.

नाम स्पष्ट अक्षरों में NAME IN BLOCK LETTERS (सदस्य Member / प्रॉक्सी Proxy / प्रतिनिधि AR)	फोलियो/डीपीआईडी/ग्राहक आईडी सं. FOLIO/DPID/CLIENT ID NO.	शेयरों की सं. No. of Shares

उपस्थित शेयरधारक/प्रॉक्सी/प्रतिनिधि के हस्ताक्षर Signature of the Shareholder / Proxy/ Representative present X________________________

कृपया बैठक में संलग्न नोटिस की प्रति अपने साथ लाएं।
Please bring a copy of the enclosed Notice for the Meeting.

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग विवरण ELECTRONIC VOTING PARTICULARS

EVEN (ई-वोटिंग ईवेंट नंबर E-Voting Event Number)	यूजर आईडी USER ID	पासवर्ड PASSWORD

टिप्पणी / NOTES

टिप्पणी / NOTES

टिप्पणी / NOTES

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank